वार्षिक रिपोर्ट 2024 2025

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

17 - बी, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली - 110016 (भारत)

वार्षिक रिपोर्ट 2024-25

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

17–बी, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली–110016

© राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान, 2025

(भारत सरकार द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अंतर्गत घोषित)

संकाय समन्वयकः डॉ. अन्शू श्रीवास्तव

कुलसचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), 17–बी, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित तथा मैसर्स विबा प्रेस प्रा. लि., ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस–II, नई दिल्ली–110 020, नवंबर 2025 में 100 प्रतियां डिजाईन एवं मुद्रित।

विषय सूची

अध्याय		
1.	विहंगावलोकन	01
2.	अध्यापन और व्यावसायिक विकास कार्यक्रम	29
3.	अनुसंधान	57
4.	पुस्तकालय और प्रलेखन सेवाएं	67
5.	कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं	71
6.	प्रकाशन	77
7.	नीपा में सहायता अनुदान योजना	83
8.	प्रशासन और वित्त	87
अनुलग्नक		
संकाय का अकादमिक योगदान		95
परिशिष्ट		
I.	प्रबंधन बोर्ड के सदस्य	229
II.	वित्त समिति के सदस्य	231
III.	अकादमिक परिषद के सदस्य	232
IV.	अध्ययन बोर्ड के सदस्य	235
V.	योजना और निगरानी बोर्ड के सदस्य	237
VI.	संकाय और प्रशासनिक स्टाफ	239
VII.	वार्षिक लेखा	243
लेखापरीक्षा रिपोर्ट		291

1 विहंगावलोकन

विहंगावलोकन

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तरों पर अपने महत्वपूर्ण और व्यापक अकादमिक कार्यकलापों के माध्यम से देश के शिक्षा संस्थानों के नेटवर्क में एक विशिष्ट स्थान रखता है। नीपा विश्व में शैक्षणिक योजना के लिए स्थापित पहली संस्था थी और इस प्रकार कालान्तर में इस संस्था ने शैक्षणिक रणनीति उद्विकास करने हेतु मार्ग प्रशस्त करने का अतिरिक्त दायित्व अपने ऊपर लिया था। इस संस्था द्वारा विकसित शैक्षणिक रणनीति समावेशी होने के साथ–साथ वहनीय भी है।

नीपा के उद्विकास की यात्रा फरवरी 1962 में ही आरम्भ हुई थी जब सयुक्त राष्ट्र एजेंसी और भारत सरकार के मध्य हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अंतर्गत यूनेस्को द्वारा शैक्षिक योजनाकारों, प्रशासकों तथा पर्यवेक्षकों के लिए एशिया क्षेत्रीय केंद्र के रूप में हुई थी। इस केंद्र का मुख्य कार्य शैक्षिक योजना, प्रशासन तथा स्कूल पर्यवेक्षण में अनुसंधान तथा एशिया के शैक्षिक योजनाकारों, प्रशासकों तथा स्कूल पर्यवेक्षकों के लिये अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन तथा सदस्य राज्यों को संबंधित तकनीकी सहायता प्रदान करना था। तत्पश्चात् 1 अप्रैल, 1965 से इस नवोदित केन्द्र का नाम बदलकर एशिया शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान कर दिया गया। यूनेस्को तथा भारत सरकार के बीच दस वर्षीय समझौते की समाप्ति के पश्चात, इस एशिया संस्थान को भारत सरकार द्वारा अधिग्रहित कर लिया गया और तत्पश्चात वर्ष 1970 में शैक्षिक योजनाकारों तथा प्रशासकों के लिये राष्ट्रीय स्टाफ कालेज के रूप में इसकी स्थापना की गई। 31 मई 1979 को विस्तारित अधिदेश के साथ इस कालेज की पुर्नसंरचना तैयार कर इसका पुनः राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान (नीपा) के रूप में पंजीकृत किया गया।

शैक्षिक नीति, योजना निर्माण तथा प्रशासन के क्षेत्र में नीपा द्वारा किये गये महत्वपूर्ण कार्यों को देखते हुये संस्थान को वर्ष 2006 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अंतर्गत इसे 'मानित विश्वविद्यालय' का दर्जा प्राप्त हुआ जिसके अंतर्गत इसे डिग्री प्रदान करने की शक्तियाँ प्रदान की गई और पुनः नाम परिवर्तन के बाद इसे राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय कहा जाने लगा।

दिनांक 30 नवंबर, 2017 की अधिसूचना संख्या फा.सं. न्यूपा/ प्रशासनिक/ आरओ/ परिपत्र/ 030/2017 के माध्यम से राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा) का नाम पुनः परिवर्तन कर राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) (मानित विश्वविद्यालय) के रूप में कर दिया गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिनांक 10 नवंबर 2017 और 29 नवंबर 2017 के संप्रेषित पत्र सं. एफ. 5–1/2017(सी.पी.पी.–1/डी.यू.) द्वारा संप्रेषित माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में 'विश्वविद्यालय' शब्द को पुनः 'संस्थान' शब्द से प्रतिस्थापित किया गया।

इसे आगे राष्ट्रीय संस्थान, नीपा के नाम से भी संबोधित किया जाएगा। अन्य विश्वविद्यालयों की तरह यह भी पूर्णताः भारत सरकार द्वारा अनुरक्षित है। नीपा ने वर्ष 1986 की नीति तैयार करने में अग्रणी भूमिका निभाई, वर्ष 1993 में पंचायती राज संबंधी संवैधानिक विधेयकों में सहायता प्रदान की और इसके साथ–साथ शिक्षा का अधिकार अधिनियम के निरूपण में भी सहायता प्रदान की जिसे वर्ष 2009 में कार्यान्वित किया गया था। नीपा जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (डीपीईपी) और राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आरएमएसए) के अन्तर्गत पद्धतियों और विकेन्द्रीकृत योजनाओं के कार्यान्वयन में प्रमुख भूमिका में रहा है। जिला शिक्षा सूचना प्रणाली के माध्यम से नीपा द्वारा तैयार किया गया डाटाबेस विश्व का सबसे बड़ा डाटाबेस था। नीपा द्वारा बृहत् पैमाने पर किया गया प्रायोगिक शोधकार्य शिक्षा के क्षेत्र में साक्ष्य आधारित विश्वसनीय सूचना का प्रमुख स्रोत रहा है। वर्तमान में इस संस्था ने शोध, शिक्षण, क्षमता निर्माण के क्षेत्र में अपने अधिदेश को और अधिक व्यापक बनाया है और यह भारत में नीति, योजना निर्माण और शिक्षा प्रबंध के मामले में अग्रदूत रहा है। शिक्षा व्यवस्था में उप–राष्ट्रीय एवं संस्थागत स्तरों पर शिक्षा के क्षेत्र में कार्यात्मक दक्षता में सुधार लाने के लिए शिक्षा नीति निर्माण और क्षमता विकास में इसने सदैव सक्रिय भूमिका निभाई है।

नीपा की दृष्टि और उद्देश्य

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान का मुख्य उद्देश्य ''ज्ञान के प्रोन्नयन से एक मानवीय अधिगम समाज का निर्माण करना है''। इस दृष्टिकोण के अंतर्गत, संस्थान का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संदर्भ में उच्चस्तरीय शिक्षण, अनुसंधान तथा क्षमता निर्माण को प्रोत्साहन देते हुए शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट केंद्र के रूप में सेवायें प्रदान करना है।

नीपा की भविष्यगत नीति, इसका लक्ष्य और कार्यनीति अभिमुख समावेशी प्रगति और संधारणीय विकास के विचार में प्रबलता से रची बसी हुई है। यह संस्थान ''ज्ञान के प्रोन्नयन के माध्यम से मानवीय अधिगम समाज की परिकल्पना करता है।'' इसी भविष्यगत लक्ष्य के अनुरूप इस संस्थान का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में उन्नत स्तर का अध्यापन, अनुसंधान तथा क्षमता निर्माण को बढ़ावा देकर शैक्षणिक नीति, योजना निर्माण और प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट केंद्र के रूप में सेवायें प्रदान करने हेतु मिशन के रूप में कार्य करना रहा है। राष्ट्रीय संस्थान के मुख्य कार्यनीतिक उद्देश्य निम्नांकित हैं :

- शैक्षिक क्षेत्र के विकास लक्ष्यों तथा उद्देश्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने हेतु प्रभावी नीतियों, योजनाओं तथा कार्यक्रमों के निर्माण और क्रियान्वयन हेतु राष्ट्रीय तथा संघ शासित क्षेत्रों के स्तर पर सांस्थानिक क्षमता का सुदृढ़ीकरण तथा स्कूल, समुदाय, जिला, राज्य/संघ प्रदेशों तथा राष्ट्रीय स्तर पर एक त्वरित, सहभागिता और जवाबदेह शैक्षिक अभिशासन तथा प्रबंधन प्रणाली का संस्थानीकरण करना;
- शैक्षिक सुधारों का अनुसमर्थन करना और शिक्षा क्षेत्र के लिए विकास कार्यक्रमों की प्रभावी योजनाओं की रूपरेखा, कार्यान्वयन और अनुश्रवण को बढ़ावा देने के प्रयोजन से अपेक्षित ज्ञान और कौशलों से सुसज्जित शैक्षिक नीति, योजना और प्रशासन के क्षेत्र में युवा पेशेवरों और शिक्षाविदों सहित विशेषीकृत मानव संसाधनों के समूह का विस्तार करना;
- शैक्षिक क्षेत्र में उभरती तथा वर्तमान चुनौतियों का सामना करने हेतु तथ्य आधारित जवाबदेही एवं प्रभावी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन को बढ़ावा देने हेतु शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रशासन एवं संबंधित विषयों के ज्ञान आधार में वृद्धि करना;
- शैक्षणिक क्षेत्र के विकास लक्ष्यों और उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु प्रभावी शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन व्यवहार एवं बेहतर शैक्षिक नीतियों के क्रियान्वयन हेतु शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन एवं अनुसंधान परिणामों, नवाचारों तथा सर्वोत्तम व्यवहार समेत सूचना तथा ज्ञान की साझेदारी एवं पहुंच में सुधार करना;
- अंतरशास्त्रीय जिज्ञासाओं को प्रोत्साहन देते हुये शैक्षिक नीति निर्माण, शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन व्यवहार/तकनीक शिक्षा के सभी चरणों एवं व्यवस्थाओं में रणनीतिक उपागम, शैक्षिक योजना प्रक्रियाओं के अभिशासन तथा प्रबंधन में सुधार हेतु तथा अंतरशास्त्रीय जिज्ञासाओं में नेतृत्वकारी भूमिका जो शैक्षिक नीति–निर्माण तथा देश में शैक्षिक योजना तथा प्रशासन व्यवहार का निर्माण करती है।

मुख्य कार्य

अपने उद्देश्य को पूरा करने हेतु राष्ट्रीय संस्थान निम्नांकित मुख्य कार्यों में संलग्न है :

- शिक्षा के सभी चरणों में शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रबंधन में नेतृत्वकारी भूमिका प्रदान करना;
- सर्वोत्तम प्रशिक्षित शैक्षिक योजनाकारों तथा प्रशासकों के कैडर के गठन हेतु प्री–डॉक्टोरल, डॉक्टोरल तथा पोस्ट डॉक्टोरल कार्यक्रमों और व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों सहित अध्यापन के विकसित अंतरशास्त्रीय कार्यक्रमों का विकास तथा आयोजन और साथ में शैक्षिक नीतियों योजनाओं तथा कार्यक्रमों की रूपरेखा, क्रियान्वयन, अनुश्रवण हेतु सतत् सांस्थानिक क्षमताओं का निर्माण करना;
- शैक्षिक लक्ष्यों और उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु अनुसंधान एजेंडा तथा वचनबद्धता को स्वरूप देना, क्षमता निर्माण कार्यक्रम के लिये आवश्यक समर्थन हेतु नये ज्ञान का सृजन तथा तथ्य आधारित नीति निर्माण और बेहतर शैक्षिक योजना और प्रबंधन व्यवहार/ तकनीक का प्रयोग करना;
- केंद्रीय तथा राज्य सरकारों को तथा राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय संस्थानों को उनकी शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन से संबंधित क्षमता निर्माण तथा अनुसंधान आवश्यकताओं को पूर्ण करने हेतु तकनीकी समर्थन प्रदान करना और उन्हें शैक्षिक नीतियों, योजनाओं तथा कार्यक्रमों की रूपरेखा, अनुश्रवण तथा मूल्यांकन में सुधार हेतु सहायता प्रदान करना;
- शैक्षिक क्षेत्र में विकास कार्यक्रमों के मूल्यांकन तथा निर्माण हेतु राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय अभिकरणों को परामर्शी सेवायें प्रदान करना;
- शिक्षा के क्षेत्र में वर्तमान तथा नित नए ज्ञान के सृजन हेतु सूचना तथा विचारों के समाशोधन गृह के रूप में कार्य करना, शैक्षिक नीतियों, योजना तथा प्रशासन में विशेष रूप से, विचारों/अनुभवों के आदान–प्रदान तथा नीति–निर्माताओं, शैक्षिक योजनाकारों तथा प्रशासकों के बीच नीतिगत चर्चा हेतु विचार मंच प्रदान करना, प्रभावी नीतियों तथा शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन में तकनीक/व्यवहार को शिक्षा क्षेत्र संबंधी चुनौतियों का सामना करने हेतु चिह्नित करना तथा शैक्षिक क्षेत्र संबंधी विकास लक्ष्यों/उद्देश्यों को प्राप्त करना;

- शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन में सुधार हेतु प्रयासों/कार्यक्रमों तथा अनुसंधान अध्ययनों की एजेंसियों, निधि और कार्यक्रमों समेत राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों एवं संगठनों के साथ नेटवर्किंग तथा सहयोग करना; और
- शैक्षिक क्षेत्र के विकास में उभरती हुई प्रवृत्तियों का मूल्यांकन तथा विश्लेषण करना, शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन में उभरती हुई चुनौतियों की पहचान तथा शैक्षिक क्षेत्र के विकास लक्ष्यों और उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु उपयुक्त नीति निर्माण तथा कार्यक्रम हस्तक्षेप से लक्ष्यों को सुगम बनाना और शैक्षिक क्षेत्र के विकास लक्ष्यों और उद्देश्यों की प्रगति का मूल्यांकन करना।

राष्ट्रीय संस्थान उपरोक्त कार्यों को राज्य तथा संघ शासित प्रदेश एवं केंद्रीय स्तर पर सरकारों तथा संस्थानों के साथ निकटतम संपर्क तथा सहयोग के माध्यम से आयोजित करता है। उच्च स्तरीय शिक्षा के साथ राष्ट्रीय संस्थान कार्यक्रम क्रियान्वयन तथा मूल्यांकन एवं शैक्षिक व्यवस्था की योजना तथा प्रबंधन से संबंधित मुद्दों को उजागर करता है। संस्थान का एक मुख्य पहलू जमीनी स्तर पर राष्ट्रीय संस्थान का संबंध द्वि–रूप कार्य प्रणाली है। संस्थान अपने ज्ञान आधार में वृद्धि वास्तविकता क्षेत्र में अनुसंधान तथा क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं के साथ स्कूल, कालेज, राज्य तथा केंद्रीय सरकार के विभिन्न स्तरों पर विभागों के साथ संपर्क द्वारा करता रहा है। राष्ट्रीय संस्थान के रूप में, यह राज्यों/संघशासित प्रदेशों की शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन संबंधी क्षमता निर्माण को पूर्ण करने हेतु संसाधन व्यक्तियों को प्रशिक्षण, राज्य सरकारों तथा राज्य संस्थानों के साथ निकटवर्ती संपर्क बनाना, उनकी शैक्षिक व्यवस्था का समालोचनात्मक अध्ययन करना, नीतियों तथा कार्यक्रमों एवं उन्हें व्यावसायिक परामर्श तथा तकनीकी समर्थन हेतु प्रयासरत रहता है। संस्थान अपने अधिकांश क्षमता निर्माण के कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी विशेषज्ञता, अनुभव और अन्तर्दृष्टि जमीनी स्तर के शैक्षिक कार्यकर्त्ताओं को हस्तान्तरित कर रहा है। संस्थान अपने ऐसे कार्यक्रमों द्वारा शैक्षिक नीति, योजना और प्रशासन के क्षेत्र में एक थिंक टैंक (प्रसार केन्द्र) बना हुआ है। इस प्रकार से नीपा की इस दोहरी भूमिका ने अपने अध्यापन तथा अनुसंधान के अकादमिक कार्यों को व्यापक प्रामाणिकता प्रदान की है।

अकादमिक ढांचा तथा समर्थन सेवाएं

नीपा के अकादमिक ढांचे में विभाग, केंद्र, विशेष पीठ हैं जो शिक्षा के विशिष्ट पक्षों तथा तकनीकी समर्थन एकक/समूह तथा अकादमिक समर्थन प्रणाली अपने संबंधित विषयगत क्षेत्रों से जुड़ी विकास तथा क्रियान्वयनकारी गतिविधियों के प्रति उत्तरदायी हैं। नीपा के संकाय में प्रोफेसर, सह–प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर तथा राष्ट्रीय अध्येता सम्मिलित हैं जो शिक्षा नीति, योजना तथा प्रशासन के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखते हैं। प्रत्येक विभाग अंतरशास्त्रीय विषयों के आधार पर संयोजित है और वे ज्ञान, विद्वता तथा अन्य अध्ययन कार्यक्रमों और अनुसंधान क्षेत्रों के माध्यम से सामान्यतः शिक्षा, और विशेष रूप से शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रबंधन में विशेष तौर पर संसाधन प्रदान करते हैं। प्रत्येक विभाग के पास अनुसंधान/परियोजना सहायकों तथा अनुसचिवीय कर्मचारियों के अतिरिक्त विषय विशेषज्ञ के रूप में संकाय सदस्य हैं। अकादमिक विभाग का अध्यक्ष प्रोफेसर होता है। विभाग विभिन्न प्रशिक्षण तथा अनुसंधान कार्यक्रमों के निष्पादन और विकास तथा उनको प्रदान किये गये क्षेत्रों में परामर्श तथा सलाहकारी सेवाएं प्रदान करने के लिए जिम्मेदार होते हैं। समीक्षाधीन वर्ष के अंतर्गत, संस्थान के अकादमिक कार्यक्रमों का आयोजन आठ अकादमिक विभागों तथा विशेष पीठ, स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक, परियोजना प्रबंधक एकक तथा दो केंद्रों द्वारा किया गया जिन्हें अकादमिक तथा प्रशासनिक सेवा एककों द्वारा अनुसमर्थन प्रदान किया गया।

अकादमिक संगठन

विभाग

- शैक्षिक योजना
- शैक्षिक प्रशासन
- शैक्षिक वित्त
- शैक्षिक नीति
- विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा
- उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा
- शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली
- शिक्षा में प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक विकास

केन्द्र

- राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केन्द्र (एनसीएसएल)
- उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केन्द्र (सीपीआरएचई)
- मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र (एमएमटीटीसी)

समर्थन प्रणाली

- पुस्तकालय
- प्रलेखन केन्द्र
- कंप्यूटर केन्द्र (आईसीटी)
- प्रकाशन एकक
- परियोजना प्रबंधन एकक (पीएमयू)
- हिंदी कक्ष
- छात्रावास एवं अतिथि गृह
- सहायता अनुदान

एकक

- अन्तरराष्ट्रीय सहयोग एकक (यूआईसी)

अकादमिक विभाग

शैक्षिक योजना विभाग

शैक्षिक योजना विभाग (डीईपी), नीपा का एक आधारभूत विभाग है, जो भारत में सतत विकास में योगदान देने के अंतिम लक्ष्य के साथ साक्ष्य–आधारित विकेन्द्रीकृत शैक्षिक योजना को बढ़ावा देने का प्रयास करता है। इसलिए, विभाग का प्राथमिक ध्यान विभिन्न नियोजन मॉडलों और तकनीकों पर नए ज्ञान (अर्थात, ज्ञान और ज्ञान सृजन) को उत्पन्न करने और प्रसारित करने पर रहा है, विशेष रूप से वे जो शिक्षा में विकास परिणामों (एमएफडीआर) के प्रबंधन के लिए विकेन्द्रीकृत रणनीतिक योजना को सुविधाजनक बनाते हैं। शिक्षा में एमएफडीआर के लिए क्षेत्र व्यापी उपागम (एसडब्ल्यूएपी) को अपनाने के लिए विकेन्द्रीकृत योजना पर जोर देते हुए, डीईपी का मुख्य प्रयास संस्थागत, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर रणनीतिक योजना के बदलते दृष्टिकोण, ढांचे, आगत, प्रक्रियाओं और परिणामों का अध्ययन करना रहा है। डीईपी सूक्ष्म और संस्थागत स्तरों पर शिक्षा के रणनीतिक प्रबंधन चक्र के लिए नियोजन को एक प्रमुख घटक के रूप में देखता है।

गरीबी कम करने और सतत् विकास को बढ़ावा देने के साधन के रूप में शिक्षा पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के बढ़ते केंद्रीकरण के साथ, डीईपी शैक्षिक योजना के विस्तारित दायरे पर विचार करता है, जिसमें न केवल रणनीतिक योजना के संस्थागतकरण को शामिल किया जाएगा, बल्कि सार्वजनिक व्यय को परिणामोन्मुख बनाकर शिक्षा में सार्वजनिक निवेश की गुणवत्ता में सुधार के लिए विद्यालय मानचित्रण, सूक्ष्म योजना और विद्यालय सुधार योजना जैसी स्थानीय स्तर की योजना तकनीकों के विकेंद्रीकरण और उपयोग को भी बढ़ावा देता है। स्कूल शिक्षा में परिणामों के प्रबंधन के लिए क्षेत्र–व्यापी दृष्टिकोण (एसडब्ल्यूएपीएस) को बढ़ावा देना तथा स्कूल और उच्च शिक्षा में रणनीतिक योजना बनाना डीईपी के अन्य प्रमुख अधिदेश हैं।

डीईपी का एक अन्य महत्वपूर्ण एजेंडा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाने के लिए नियोजन विधियों और तकनीकों को विकसित करना है, जिसमें विकेन्द्रीकृत जिला नियोजन और स्कूल सुधार योजना पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, और युवा वयस्कों के जीवन कौशल विकास के लिए कार्यक्रम नियोजन किया जाएगा, ताकि न केवल उन्हें भविष्य के लिए तैयार किया जा सके बल्कि नागरिकता शिक्षा को भी बढ़ावा दिया जा सके। डीईपी शिक्षा में नीति और कार्यक्रम नियोजन में एक आदर्श बदलाव की आवश्यकता को पहचानता है ताकि हमारी शिक्षा प्रणाली समावेशी आजीवन शिक्षा प्रदान करने के लिए सशक्त बन सके (अर्थात, 'प्रतियोगिता के लिए शिक्षा' और 'जीवन के लिए शिक्षा' के बीच संतुलन बनाना)। प्रभावी शिक्षा को बढ़ावा देना, विशेष रूप से युवाओं की भावनात्मक बुद्धिमत्ता (ईआई) को एक अद्वितीय संसाधन के रूप में बढ़ावा देना, विभिन्न देशों में तेजी से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, न केवल देश की संज्ञानात्मक पूंजी के भंडार को बढ़ाने के लिए, बल्कि मानव पूंजी को अधिक उत्पादक और प्रासंगिक बनाने के लिए भी।

तदनुसार, 1990 के दशक के प्रारंभ से भारतीय परिवेश के लिए शैक्षिक नियोजन ढांचे, कार्यप्रणाली और संबंधित तकनीकों को विकसित करने में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। 1990 के दशक के प्रारंभ में जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (डीपीईपी) के नियोजन ढांचे के विकास में अपने महत्वपूर्ण योगदान के साथ, डीईपी सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए), राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आरएमएसए) और काफी हद तक चल रही समग्र शिक्षा में नियोजन के तरीकों और प्रथाओं को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। 2017/18 में, विभाग ने एसएसए और आरएमएसए को समग्र शिक्षा नामक एक एकीकृत स्कूल शिक्षा विकास कार्यक्रम में विलय करने के लिए वैकल्पिक रोडमैप की अवधारणा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डीईपी, नीपा द्वारा सुझाई गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की कुछ प्रमुख सिफारिशों के कार्यान्वयन की रणनीति तैयार करने में भी सक्रिय रूप से लगा हुआ था।

राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के साथ मिलकर काम करते हुए, विभाग 'विकास परिणामों के लिए प्रबंधन (एमएफडीआर)' दृष्टिकोण अपनाकर रणनीतिक योजनाएँ तैयार करने हेतु उप–राष्ट्रीय स्तरों पर आवश्यक दक्षताएँ विकसित करने के लिए ठोस प्रयास कर रहा है, जो एक तरह से भारत में नियोजन प्रथाओं में एक 'आदर्श बदलाव' है। विकेन्द्रीकृत जिला नियोजन पद्धति में परिणाम ढाँचे (आरएफ) और तार्किक ढाँचे के दृष्टिकोण (एलएफए) जैसे रणनीतिक प्रबंधन उपकरणों को शामिल करना, शिक्षा में सार्वजनिक

निवेश को परिणामोन्मुखी बनाने के लिए विभाग द्वारा हाल के वर्षों में किया गया एक और छोटा सा प्रयास है।

डीईपी के मध्यम अवधि के केंद्रित क्षेत्र

डीईपी की अधिकांश गतिविधियों को नीपा की परिप्रेक्ष्य योजना (वित्तीय वर्ष 2020–2030) के रणनीतिक उद्देश्यों और विषयगत केंद्रित क्षेत्रों और प्रासंगिक विषयगत क्षेत्रों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की प्रमुख सिफारिशों के साथ संरेखित किया गया है। साथ ही, डीईपी की गतिविधियों को परिणाम और गुणवत्ता संबंधी लक्ष्यों (एसजीडी 4 के तहत) पर ध्यान केंद्रित करते हुए 2015 के बाद के एजेंडे के साथ भी जोड़ा जा रहा है, जहां समावेशी और समान शिक्षा सुनिश्चित करने और सभी के लिए आजीवन सीखने को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। डीईपी इस तथ्य को स्वीकार करता है कि सभी के लिए समावेशी और समान गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त करने के लिए भारत जैसे विशाल और विविध देश में अधिक प्रयासों की आवश्यकता होगी, विशेष रूप से उप–राष्ट्रीय स्तर पर संस्थागत और व्यक्तिगत क्षमताओं को बनाने और बनाए रखने के लिए, जो कार्यक्रम के हस्तक्षेपों को वांछनीय परिणामों में बदलने के लिए एक आवश्यक शर्त है। इसलिए 'क्षमता निर्माण' डीईपी का महत्वपूर्ण विकास एजेंडा है।

अनुसंधान, शिक्षण, परामर्श और प्रशिक्षण, अन्य बातों के साथ–साथ, नीपा के मुख्य कार्य हैं, और तदनुसार, इसकी मध्यम अवधि की परिप्रेक्ष्य योजना इसके लिए प्रमुख बल क्षेत्रों की पहचान करती है, जिसमें शामिल हैं:

(क) समानता, विविधता और समावेशन;

(ख) गुणवत्ता एवं शिक्षण, तथा रोजगार परिणाम;

(ग) प्रौद्योगिकी और शिक्षण अधिगम; और

(घ) शासन, वित्तपोषण और जवाबदेही।

इसलिए, मध्यम अवधि (2020/21 से 2024/25) में विभाग का केंद्रित क्षेत्र क्षमता विकास, संबंधित प्रशिक्षण सामग्री विकसित करना और निम्नलिखित क्षेत्रों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की प्रमुख सिफारिशों के कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाने के लिए अनुसंधान रहा है:

क) विकास परिणामों के लिए शिक्षा के रणनीतिक प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए विद्यालय शिक्षा में परिणाम आधारित विकेन्द्रीकृत योजना;

ख) विद्यालय शिक्षा में शिक्षक मांग और आपूर्ति योजना प्रक्षेपण;

ग) विद्यालय आधारित प्रबंधन (एसबीएम) जिसमें विद्यालय सुधार योजना मॉडल और उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए रणनीतिक योजना मॉडल पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा;

घ) सामग्री विकास, विशेष रूप से विद्यालय शिक्षा में विकेन्द्रीकृत रणनीतिक योजना पर प्रशिक्षण मॉड्यूल; तथा

ड़) इन संसाधन संगठनों की स्थायी रणनीतिक प्रबंधन क्षमता बनाने के लिए राज्य और जिला स्तरों पर संस्थागत नेटवर्किंग और संस्थागत क्षमता का विकास (जैसे एसपीओ, सीमेट, एससीईआरटी, डीआईईटी, आदि); और

विद्यालय शिक्षा में साक्ष्य–आधारित नीति और कार्यक्रम नियोजन तथा प्रबंधन प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए उपलब्ध यू–डीआईएसई और एसडीएमआईएस डेटा का उपयोग और प्रसार।

शैक्षिक प्रशासन विभाग

शैक्षिक प्रशासन विभाग, नीपा के प्रमुख और विषयगत विभागों में से एक है। विभाग का उद्देश्य शिक्षा के सभी क्षेत्रों और सभी स्तरों को शामिल करते हुए, प्रशासन और प्रबंधन के विभिन्न आयामों पर अनुसंधान, अध्ययन कार्यक्रमों और ज्ञान के प्रसार में सक्रिय बौद्धिक और शैक्षणिक संलग्नता प्रदान करना है। विभाग का एक प्रमुख उद्देश्य अपने शोधों के माध्यम से एक सुदृढ़ ज्ञान और डेटाबेस का निर्माण करना है, साथ ही शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन के विविध आयामों पर शैक्षिक प्रशासकों और शोधकर्ताओं के लिए एक मजबूत पेशेवर समर्थन तैयार करना है। विभाग उच्च और तकनीकी शिक्षा संस्थानों में अकादमिक प्रशासकों सहित शैक्षिक प्रशासन के विभिन्न स्तरों पर शामिल व्यवसायियों के लिए शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन में बड़े पैमाने पर परियोजनाओं और अनुसंधान अध्ययन और कार्यशालाओं और क्षमता विकास कार्यक्रम भी चलाता है। शैक्षणिक गतिविधियों के अलावा हाल के वर्षों में विभाग ने दो प्रमुख क्षेत्रों में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में शैक्षिक प्रशासन पर बड़े पैमाने पर सूचना डेटा बेस का निर्माण शामिल है, जो तीसरे अखिल भारतीय शैक्षिक प्रशासन

सर्वेक्षण पर प्रमुख शोध परियोजना के माध्यम से एकत्र किया है। साथ ही विभाग शैक्षिक प्रशासन में नवाचार और नवोन्मेष के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार योजना की शुरूआत और क्रियान्वयन एवं जिला एवं ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों के लिए राज्य स्तरीय सम्मेलन का आयोजन भी करता है। विभाग एम.फिल/पीएच.डी. में शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन और संबंधित विषयगत क्षेत्रों पर पाठ्यक्रम के अलावा शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम; और अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है।

प्रमुख कार्यक्रम एवं विशेषताएं

वर्ष 2023–24 के लिए शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों और नवोन्मेष के लिए पुरस्कार की राष्ट्रीय योजना

शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों और नवोन्मेष के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार योजना शैक्षिक प्रशासन विभाग के माध्यम से कार्यान्वित संस्थान का एक नियमित दीर्घकालिक कार्यक्रम है। नीपा में इस योजना की स्थापना 2013–14 में शिक्षा की सार्वजनिक प्रणाली में सुधार लाने तथा शैक्षणिक सेवा में दक्षतापूर्ण प्रदायगी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से क्षेत्र स्तर के शिक्षा प्रशासन के योगदान को मान्यता देने के सुपरिभाषित उद्देश्य से शुरू की गई थी। क्षेत्र स्तर के शिक्षा अधिकारियों तक पहुंचने के लिए यह नीपा की महत्वपूर्ण पहलों में से एक है। शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों और नवोन्मेष के लिए पुरस्कार, विशेष पुरस्कार वितरण समारोह में चयनित जिला और ब्लॉक स्तर के शिक्षा अधिकारियों को दिए जाते हैं। वर्ष 2014 में इस पुरस्कार योजना के शुभारंभ होने के समय से, मामलों की योग्यता के आधार पर कई प्रकरणों को चिन्हित किया गया है।

नीपा के कुलपति की अध्यक्षता में नवाचार कार्यक्रम हेतु सलाहकार समिति की बैठक 14 नवंबर 2024 को हुई। आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2024 तक थी। अगले चरण के मूल्यांकन हेतु पात्रता के लिए जनवरी 2025 में जाँच समिति द्वारा सभी आवेदनों की जाँच की गई, जो मार्च 2025 में आयोजित किया गया।

प्रोफेसर विनीता सिरोही कार्यक्रम निदेशक हैं और डॉ. वी. सुचरिता शैक्षिक प्रशासन में नवाचार और नवोन्मेष के लिए पुरस्कार की कार्यक्रम समन्वयक हैं।

कार्यशाला/वेबिनार/परामर्शी बैठकें

आरआईई भोपाल के एम.एड तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों की इंटर्नशिप 7–11 अक्टूबर, 2024 तक (अनुरोध कार्यक्रम) – प्रो. विनीता सिरोही एवं डॉ. वी. सुचरिता

इस वर्ष, आरआईई, भोपाल के एम.एड. के 17 छात्रों ने इंटर्नशिप में भाग लिया। इंटर्नशिप के दौरान, छात्रों को शैक्षिक नीति, योजना और प्रशासन के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराया गया। छात्रों को नीपा और इसके विभिन्न विभागों/केन्द्रों तथा उनमें से प्रत्येक द्वारा संचालित गतिविधियों से परिचित कराया गया। इसके बाद, उन्हें शैक्षिक योजना, नीति और प्रशासन जैसे कई विषयों से परिचित कराया गया, जैसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की प्रमुख विशेषताएँ, शिक्षा का प्रशासन और प्रबंधन, सूक्ष्म नियोजन, विद्यालय मानक और मूल्यांकन, और विद्यालय नेतृत्व।

अपने कार्यभार के भाग के रूप में, छात्रों को एसडब्ल्यूओसी विश्लेषण का उपयोग करके महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षण–अधिगम पर एक संक्षिप्त लेख प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था।

शैक्षिक वित्त विभाग

इस विभाग का दोहरा उद्देश्य शिक्षा के सभी स्तरों– राष्ट्रीय, प्रादेशिक तथा विश्व स्तर पर आर्थिक तथा वित्तीय पक्ष पर अनुसंधान करना तथा उसे प्रोत्साहित करना है तथा विकासशील देशों और भारत में शिक्षा क्षेत्र की वित्तीय योजनाओं तथा प्रबंधन से जुड़े कर्मियों के क्षमता निर्माण और ज्ञान का सृजन करना है। शैक्षिक नीति, योजना और प्रशासन के संबंध में वित्त एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। विभाग की गतिविधियां– अनुसंधान, अध्यापन, प्रशिक्षण तथा परामर्श हैं जो नीति, योजना तथा विकास, शिक्षा के सार्वजनिक तथा निजी वित्त पोषण, सरकारी तथा निजी संसाधनों की लामबंदी, शिक्षा के सभी स्तरों पर संसाधनों का आवंटन तथा उपयोग, प्राथमिक से उच्च, तथा संसाधन आवश्यकताओं के आकलन से जुड़े मुद्दों के इर्द–गिर्द केंद्रित हैं। अधिकांशतः शोध के क्षेत्र शिक्षा के वित्त पोषण, कार्यक्रम और नीतिगत मुद्दों से संबंधित हैं। परामर्शकारी सेवाएँ नीतिगत मुद्दों पर केंद्रित हैं। अध्यापन के विषय में शिक्षा का अर्थशास्त्र और शैक्षिक वित्त पोषण से जुड़े सैद्धांतिक और अनुभवजन्य मुद्दे शामिल हैं। प्रशिक्षण

और अभिविन्यास कार्यक्रम के विषय योजना तकनीक और प्रबंधन प्रणाली पर आधारित हैं।

शैक्षिक नीति विभाग

शैक्षिक नीति विभाग शैक्षिक अभिशासन और प्रबंधन में वर्तमान समस्याओं के समाधान के लिए शैक्षिक नीति का अध्ययन, शैक्षिक समस्याओं का मूल्यांकन और विश्लेषण, नीति तथा व्यवहारों का मार्गदर्शन तथा परिणामों को समझने के लिए प्रतिबद्ध है। चूँकि अपने मिशन में यह प्रतिबद्ध है, शैक्षिक क्षेत्र में प्रासंगिता और गुणवत्ता, समता, पहुँच जैसे अवरोधकों के प्रति ज्ञान के वर्धन में, इसलिए यह विभाग समय–समय पर विभिन्न नीतिगत मुद्दों पर हितधारकों, व्यवहारकर्त्ताओं तथा भारत में शैक्षिक व्यवस्था को प्रमाणित करने वाली जननीति मुद्दों पर चर्चाएं आयोजित करता है। उपरोक्त मुद्दों के साथ शैक्षिक अनुसंधान और शैक्षिक नीति के बीच शैक्षिक संस्थानों में अध्ययन अधिगम और प्रदर्शन के बेहतर लिंकेज को स्थापित करने हेतु यह विभाग अनुसंधान पर बल देता है। अनुसंधान का उद्देश्य केवल शैक्षिक प्रतिभास की जटिलताओं को दर्शाना ही नहीं होता, बल्कि कार्रवाई के लिए संस्तुतियां प्रदान करना भी होता है। समाज में वर्तमान परिवर्तनों और शिक्षा पर इसके प्रभाव को देखते हुए, विभाग समय–समय पर हितधारकों द्वारा आवश्यक कार्रवाई के लिए गुंज–यंत्र के रूप में कार्य करता है। विभाग योजनाकारों, प्रशासकों, क्रियान्वयनकर्त्ताओं तथा विद्वानों के लिए प्रशिक्षण भी प्रदान करता है जिससे कि वे वर्तमान ढांचे, प्रक्रियाओं और भारत में संगठित शिक्षा के सांस्कृतिक संदर्भों पर प्रभावी और नैतिकता से कार्य कर सकें।

विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) का विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग, विद्यालय शिक्षा, अनौपचारिक शिक्षा और वयस्क साक्षरता के प्रमुख पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करता है। इसका उद्देश्य शैक्षिक विकास एवं सुधार रणनीतियों को सूचित और संवर्धित करने के लिए एक सुदृढ़ अनुभवजन्य आधार प्रदान करना है।

यह विभाग शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में अपने छह महीने के डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए प्रसिद्ध है, जो विश्वविद्यालय के सबसे प्रतिष्ठित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में से एक है। यह सरकारी, गैर–सरकारी और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मज़बूत संबंध बनाए रखता है और स्थानीय से लेकर वैश्विक स्तर तक, विभिन्न स्तरों पर शैक्षिक प्रणालियों के पुनर्गठन के लिए प्रयासरत् रहता है।

विभाग के अंतर्गत किए गए अनुसंधान में भारत में विद्यालय शिक्षा की उन्नति के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। इसमें शाला सिद्धि जैसे ढांचे का विकास करना शामिल है, जो प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों के नेतृत्व में विद्यालय, अनौपचारिक और वयस्क शिक्षा में अनुसंधान, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण में सहायक हैं।

कुल मिलाकर, नीपा में विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग शैक्षिक नीतियों और प्रथाओं को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिसका स्पष्ट ध्यान भारत और अन्य देशों में शैक्षिक प्रणालियों को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों पर केंद्रित है।

उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग

यह विभाग अद्वितीय है क्योंकि यह उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा की नीति, योजना और प्रबंधन के क्षेत्र में कार्य करता है, जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संबंधित अवधारणाओं और ज्ञान के सभी पहलुओं को छूता है। यह उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा के नेतृत्व, गुणवत्ता, शासन, वित्तपोषण, निजीकरण और अंतर्राष्ट्रीयकरण जैसे मुद्दों पर अनुसंधान को प्रोत्साहित करता है। यह उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा की योजना एवं प्रबंधन में संस्थागत प्रमुखों और वरिष्ठ विश्वविद्यालय एवं राज्य अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएँ आयोजित करता है। विभाग उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा की नीति, नियोजन एवं कार्यान्वयन एजेंसियों को तकनीकी एवं व्यावसायिक परामर्श भी प्रदान करता है। अपनी स्थापना के बाद से ही विभाग भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय को लगातार अनुसंधान सहायता और नीतिगत सलाह प्रदान करता रहा है। विभाग में डब्ल्यूटीओ प्रकोष्ठ ने अनुरोधों का विश्लेषण करने और जीएटीएस के अंतर्गत भारत के प्रस्तावों को पुष्ट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विभाग उच्च शिक्षा के विभिन्न आयामों का अध्ययन करता है तथा उन पर चर्चा एवं प्रसार के लिए सेमिनार आयोजित करता है। विभाग उच्च शिक्षा के लिए विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में सहयोग प्रदान करता रहा है, जिन्हें अब नीति आयोग द्वारा संघनित कर दिया गया है। इसके अलावा, यह भारतीय विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के साथ मिलकर विशेषज्ञों, महाविद्यालयों के कुलपतियों,

डीन और कुलसचिवों, शैक्षणिक स्टाफ महाविद्यालयों के निदेशकों और महाविद्यालयों प्राचार्यों के लिए सेमिनार और सम्मेलन आयोजित करने में निरंतर सहयोग करता रहा है। इसने उच्च शिक्षा पर विश्व सम्मेलन से पहले यूनेस्को के क्षेत्रीय सम्मेलनों को भी अकादमिक सहायता प्रदान की है। इसके अलावा इसने भारतीय उच्च शिक्षा में प्रदर्शन वित्तपोषण पर योजना आयोग और विश्व बैंक द्वारा प्रायोजित सेमिनार का भी समर्थन किया है। विभाग की वार्षिक गतिविधियों में विभिन्न श्रेणियों के महाविद्यालयों के प्राचार्यों के लिए नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल हैं। विभाग विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों को पहुंच, गुणवत्ता और शैक्षणिक सुधारों के विभिन्न आयामों में निरंतर सहयोग प्रदान करने का प्रयास करता है। विभाग एम.फिल., पीएच.डी. कार्यक्रमों और दो डिप्लोमा कार्यक्रमों, अर्थात् अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन डिप्लोमा (आईडेपा) और शैक्षिक योजना एवं प्रशासन स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा) के लिए पाठ्यक्रम तैयार करने में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। विभाग एम.फिल., पीएच.डी., आईडेपा और पीजीडेपा कार्यक्रमों के शोधार्थियों का उनके संबंधित शोध प्रबंधों में पर्यवेक्षण करता रहा है।

विभाग के सदस्य उच्च शिक्षा के कई महत्वपूर्ण और सार्थक पहलुओं पर लगातार शोध कर रहे हैं जैसे स्व–वित्तपोषित पाठ्यक्रम', 'भारत में विदेशी शिक्षा प्रदाता', 'वंचित युवाओं के लिए उच्च शिक्षा के विकल्प और अभिनव रूप', 'विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में शिक्षकों की गतिशीलता', 'भारतीय विश्वविद्यालयों में विदेशी छात्र', 'भारत में निजी विश्वविद्यालय', 'दक्षिण एशिया में रोजगार के लिए कौशल', 'उच्च शिक्षा में स्वायत्तता', 'बिहार और अन्य राज्यों में उच्च शिक्षा का अभिशासन', 'भारतीय स्नातक महाविद्यालयों में पुस्तकालय सुविधाएं और छात्रों के अकादमिक प्रदर्शन पर इसका प्रभाव', 'यूजीसी छात्रवृत्ति मूल्यांकन', 'यूजीसी यात्रा अनुदान का मूल्यांकन' और 'कोविड–19 और उच्च शिक्षा' और 'उच्च शिक्षा में नेतृत्व। विभाग उच्च शिक्षा में पेशेवरों को प्रमाणित करने के लिए विभिन्न अवधि के विशेष पाठ्यक्रमों का विस्तार और शुभारंभ कर रहा है।

शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली विभाग

शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली विभाग शोध और क्षमता विकास संबंधित कार्यों के साथ–साथ भारत सहित विश्व के विभिन्न देशों की शिक्षा का आंकड़ा आधारित प्रबंधन सूचना प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए तकनीकी परामर्श देता है। यह विभाग भारत में प्रारंभिक शिक्षा की प्रबंधन सूचना प्रणाली (एम.आई.एस.) और आंकड़ा आधार को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। विभाग शिक्षा मंत्रालय और यूनीसेफ के सहयोग से जिला शिक्षा सूचना प्रणाली (डाइस) का प्रबंधन करता है। इसके अलावा यह विभाग शैक्षिक सांख्यिकी के मुद्दों और शिक्षा के समकालीन मुद्दों पर सम्मेलन/संगोष्ठियां और शैक्षिक योजना में मात्रात्मक विधियों पर कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है और सांख्यिकी तथा शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली पर बल देते हुए परामर्श प्रदान करता है। विभाग के संकाय सदस्य शिक्षा मंत्रालय द्वारा स्कूल शिक्षा सांख्यिकी की एकीकृत प्रणाली के निर्माण हेतु गठित विशेषज्ञ समिति में सक्रिय रूप से शामिल हैं। तद्नुसार स्कूल शिक्षा सांख्यिकी की एकीकृत प्रणाली की दिशा में वर्ष 2012–13 से देशभर में समान आंकड़ा प्रपत्र में पहले कदम के रूप में डाइस और सेमीस का समेकित आंकड़ा संगृहित किया गया है। वर्ष 2015–16 के दौरान स्कूल शिक्षा प्रदान कर रहे 1.5 मिलियन स्कूलों से आंकड़ा एकत्र किए गए।

इस विभाग द्वारा आयोजित कुछ कार्यक्रमों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं के विषय में एजुसेट द्वारा डाइस पर संवेदनशीलता कार्यक्रम, शैक्षिक शोध में डाइस आंकड़ों का उपयोग और स्कूल शिक्षा सांख्यिकी की एकीकृत प्रणाली आदि शामिल हैं। यह विभाग विकासशील देशों के लिए ईएमआईएस पर सुनियोजित पाठ्यक्रम के साथ–साथ पीजीडेपा के भाग के रूप में शैक्षिक योजना में मात्रात्मक विधि पर पाठ्यक्रम का अध्यापन करता है। विभाग का संकाय ईएमआईएस और स्कूली शिक्षा से संबंधित पक्षों पर भारत सरकार के साथ–साथ राज्य सरकारों को परामर्शकारी सेवाएं प्रदान करता है। वर्तमान में, डेटा एकत्र करने का कार्य शिक्षा मंत्रालय द्वारा एनआईसी को हस्तांतरित कर दिया गया है

शिक्षा में प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक विकास विभाग

वर्ष 2012 में शैक्षिक प्रशासकों की क्षमता बढ़ाने के लिए शिक्षा में प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक विकास विभाग की स्थापना की गई थी। इसके कार्यक्रम राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर

शैक्षिक प्रशासकों की आवश्यकता पर बल देते हुए तैयार किए जाते हैं। कार्यक्रम, प्रशिक्षुओं को देश और विश्व स्तर पर प्रगति पर चल रहे शैक्षिक सुधारों के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों और नीतियों को स्पष्ट करने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। इसे प्राप्त करने के लिए विभाग दो दीर्घकालिक डिप्लोमा कार्यक्रम संचालित करता है एक राष्ट्रीय और दूसरा अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा कर्मियों के लिए। राष्ट्रीय स्तर पर एक मॉड्यूलर कोर्स – शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (डेपा को 2014 में पीजीडेपा के रूप में उन्नत किया गया था) और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा) सालाना आयोजित किया जाता है। इसके अलावा, विभाग 2016 से विशेष रूप से मध्यम स्तर के शैक्षिक प्रशासकों के लिए सालाना एक महीने का अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम अर्थात् अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक प्रशासक कार्यक्रम (आईपीईए) भी आयोजित करता है।

वर्ष 2020 से महामारी के दौरान विभाग ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर शिक्षा कर्मियों के लिए विभिन्न लक्षित समूहों और देशों में ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की पेशकश की। अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों को अंतर्राष्ट्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) योजना के तहत विदेश मंत्रालय द्वारा पूरी तरह से वित्त पोषित किया गया था।

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा)

शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा नीपा के अद्वितीय कार्यक्रमों में से एक है और 1982–1983 से देश में केवल नीपा में ही संचालित किया जाता है। 2014 से पहले चौंतीस कार्यक्रमों को डेपा कहा जाता था। इसे शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा) के रूप में उन्नत किया गया था और इसे मिश्रित मोड में पेश किए जाने वाले छह महीने के स्थान पर बारह महीने के प्रशिक्षण कार्यक्रम के रूप में परिकल्पित किया गया था। इस कार्यक्रम में पूरे भारत से विभिन्न शैक्षिक विभागों जैसे निदेशालय, एससीईआरटी, सीमेट, डाईट, डीईओ, भारतीय वायु सेना, भारतीय नौसेना आदि से शैक्षिक प्रशासक अपने–अपने संगठनों का प्रतिनिधित्व करते हैं। पीजीडेपा कार्यक्रम में कार्यक्रम के सफल समापन के बाद डेपा प्रमाणपत्र के साथ नौ महीने बाद बाहर निकलने की सुविधा है। 2023–24 के दौरान, नौ राज्यों के विभिन्न संगठनों के सोलह प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। अब तक, लगभग 963 प्रतिभागियों ने पीजीडेपा कार्यक्रमों में भाग लिया है। इस वर्ष पीजीडेपा कार्यक्रम संशोधन के अधीन है।

शैक्षिक प्रशासकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (आईपीईए)

शैक्षिक प्रशासकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (आईपीईए) एक अल्पकालिक विशिष्ट कार्यक्रम है, जिसकी संकल्पना अधिकांश शैक्षिक पदाधिकारियों के कार्यभार तथा दीर्घकालिक कार्यक्रम में भाग लेने में उनकी बाधाओं को ध्यान में रखते हुए की गई है, क्योंकि कार्यस्थल से लंबे समय तक अनुपस्थित रहना संभव नहीं है। विश्व भर के अनेक देशों तथा शैक्षिक प्रशासकों की ओर से भी यह लंबे समय से अनुरोध किया जा रहा है कि वे अपने शैक्षिक पदाधिकारियों के लाभ के लिए शैक्षिक नियोजन एवं प्रशासन में एक अल्पकालिक कार्यक्रम उपलब्ध कराएं, ताकि उनकी क्षमता का निर्माण हो सके। इसलिए, क्षमता विकास की उनकी माँगों को पूरा करते हुए, अपने कार्यालयों के कामकाज को प्रभावित किए बिना, देशों की सरकारों को अपने शैक्षिक अधिकारियों को एक अल्पकालिक कार्यक्रम के लिए नियुक्त करने में सुविधा प्रदान करने के लिए, यह तीन सप्ताह का अल्पकालिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जा रहा है।

नीपा ने 2016 में आईपीईए कार्यक्रम शुरू किया था। उस वर्ष से, संस्थान ने वार्षिक आधार पर छह आईपीईए कार्यक्रम पेश किए हैं, जिनमें प्रशिक्षुओं की संख्या 20 से 45 के बीच रहती है। अब तक 31 देशों के कुल 116 प्रतिनिधियों ने इन कार्यक्रमों में भाग लिया है।

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा)

नीपा अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों के लिए वरिष्ठ और मध्यम स्तर के शैक्षिक नीति निर्माताओं, योजनाकारों और प्रशासकों के लिए सालाना शैक्षिक योजना और प्रशासन (आईडेपा) में एक अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा प्रदान करता है। आईडेपा की

शुरुआत वर्ष 1985 में यूनेस्को के साथ भारतीय राष्ट्रीय सहयोग आयोग द्वारा 1983 में एशियाई देशों के लिए आयोजित उप–क्षेत्रीय बैठक की सिफारिशों की अगली कड़ी के रूप में की गई थी। राष्ट्रीय संस्थान ने छत्तीस ऐसे आईडेपा कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा किया है, प्रत्येक क्रमिक वर्ष में एक। अब तक, अफ्रीका, पूर्वी यूरोप, मध्य एशिया, पश्चिम एशिया, दक्षिण और दक्षिण–पूर्व एशिया, लैटिन अमेरिका और प्रशांत क्षेत्रों के 95 देशों के कुल 1009 प्रशिक्षुओं ने कार्यक्रम में भाग लिया है।

विशेष पीठ

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद पीठ

वर्ष 2010 से हर साल, प्रथम केंद्रीय शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की जयंती के उपलक्ष्य में, 11 नवंबर को मौलाना आज़ाद स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया जाता है, जिसे राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाया जाता है। 2024–25 के दौरान, राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के उपलक्ष्य में, 15वां मौलाना आज़ाद स्मृति व्याख्यान 11 नवंबर, 2024 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में श्री तरुण विजय, पूर्व संपादक, पांचजन्य और पूर्व अध्यक्ष, राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण, दिल्ली द्वारा दिया गया। उनके व्याख्यान का शीर्षक था 'राष्ट्र निर्माण और आत्मनिर्भर भारत में शिक्षा की भूमिका'। व्याख्यान में बड़ी संख्या में छात्रों, शिक्षकों और शिक्षाविदों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय अध्येता

नीपा के पास शैक्षिक योजना और प्रशासन के क्षेत्र में अपनी गतिविधियों का समर्थन और विस्तार करने के लिए राष्ट्रीय अध्येताओं की नियुक्ति का प्रावधान है। इस पद के लिए प्रसिद्ध विशेषज्ञों और शिक्षाविदों को नियुक्त किया जाता है। वे अपने विविध अनुशासनात्मक दृष्टिकोण अपने साथ लाते हैं और नीति, योजना, प्रशासन और वित्त पर बहु–विषयक और समग्र परिप्रेक्ष्य विकसित करने में योगदान देते हैं। इनकी नियुक्ति एक निश्चित अवधि के लिए की जाती है। अतीत में कई विशेषज्ञ इस पद पर कार्य कर चुके हैं। वर्तमान में दो पद रिक्त हैं और विशेषज्ञता के वांछित क्षेत्रों में विशेषज्ञों की उपलब्धता के आधार पर जल्द ही भरे जाने की संभावना है।

केंद्र

राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र (एनसीएसएल)

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान में स्थापित राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र भारत में विद्यालय नेतृत्व के क्षेत्र में अग्रणी आवाज के रूप में उभरा है। अपने अस्तित्व के पिछले बारह वर्षों में, केंद्र ने वर्तमान और भावी स्कूल नेताओं और शैक्षिक प्रशासकों के लिए सफलतापूर्वक विषय–वस्तु और सामग्री विकसित की है, साथ ही विद्यालयों में बदलाव लाने के लिए उनकी नेतृत्व क्षमता का निर्माण भी किया है। वर्तमान में, केंद्र को अभ्यास–समृद्ध सामग्रियों का राष्ट्रीय स्तर का भंडार, सतत व्यावसायिक विकास पर संग्रह, तथा विद्यालय नेतृत्वकर्ताओं और शैक्षिक प्रशासकों की व्यावसायिक आवश्यकताओं के लिए प्रासंगिक अनेक क्षमता विकास कार्यक्रम आयोजित करने पर गर्व है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप, केंद्र विद्यालय नेतृत्वकर्ताओं को परिवर्तनकारी कारकों के रूप में देखता है, जिन पर महत्वपूर्ण शिक्षा सुधारों को सशक्त बनाने और उन्हें आगे बढ़ाने की ज़िम्मेदारी निहित है। पेशेवर व्यक्तित्व में यह परिवर्तन गहन और अंतःविषयक पाठ्यचर्या अनुभवों; विचारों का सक्रिय आदान–प्रदान; टीम वर्क और सहयोग को बढ़ावा देने वाले एक संवादात्मक शैक्षणिक दृष्टिकोण को अपनाने; विद्यालय शिक्षा में पदाधिकारियों के व्यावसायिक विकास के अवसरों का सृजन और विद्यालय प्रणाली के भीतर और बाहर प्रतिभाओं की पहचान और पोषण के माध्यम से प्राप्त होता है। यह सब शिक्षकों की प्रेरणा में वृद्धि, छात्रों की बेहतर शिक्षा और विद्यालय संगठन के समग्र कल्याण के साथ एक सकारात्मक स्कूल संस्कृति में परिवर्तित होता है।

समकालीन समय में, राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र, नीपा को देश भर में नेतृत्व विकास के क्षेत्र में अग्रणी माना जाता है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के विद्यालय शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा वित्तपोषित, इस केंद्र ने अपनी 29 विद्यालय नेतृत्व अकादमियों (29 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में) के साथ, पूरे देश में विद्यालय नेतृत्व विकास कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संस्थागत रूप दिया है। यह कार्यक्रम सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त क्षेत्रों के सभी स्तरों के पेशेवरों और व्यवसायियों की भागीदारी के साथ निरंतर रूप से चलाया जाता है।

राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र चार अलग–अलग घटकों पर काम करता है: पाठ्यक्रम एवं सामग्री विकास, क्षमता निर्माण एवं सतत् व्यावसायिक विकास, नेटवर्किंग एवं संस्थागत निर्माण, तथा अनुसंधान एवं विकास। केंद्र यह सुनिश्चित करने का प्रयास करता है कि *'प्रत्येक बच्चा सीखे और प्रत्येक विद्यालय उत्कृष्टता प्राप्त करे।'*

पाठ्यक्रम और सामग्री विकास

राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र, नीपा ने विद्यालय नेतृत्व विकास पर राष्ट्रीय कार्यक्रम रूपरेखा और पाठ्यक्रम रूपरेखा (2015, 2014) और विद्यालय नेतृत्व विकास पर एक पुस्तिका विकसित की है, दोनों का 12 भारतीय भाषाओं में अनुवाद किया गया है। विद्यालय नेतृत्व विकास पर पुस्तिका (2014) में प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों के विद्यालय प्रधानाचार्यों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम के 16–दिवसीय मॉडल की रूपरेखा दी गई है; एक माह के सर्टिफिकेट कोर्स (2016) के लिए संसाधन पुस्तक माध्यमिक विद्यालयों के विद्यालय प्रधानाचार्यों के नेतृत्व विकास के लिए एक प्रेरण कार्यक्रम है और शैक्षणिक नेतृत्वः विद्यालय में अग्रणी शिक्षण के लिए एक पुस्तिका 2020 (सीबीएसई के सहयोग से) केंद्रीय सरकारी विद्यालयों में छात्र अधिगम में सुधार के नेतृत्व की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। केंद्र ने विद्यालय प्रधानाचार्यों और शैक्षिक प्रशासकों के लिए विद्यालय नेतृत्व विकास पर स्व–निर्देशात्मक पैकेज विकसित किए हैं, जिन्हें वर्ष 2022–2023 में शुरू किया गया है, अर्थात् (अ) सतत व्यावसायिक विकास के लिए नेतृत्व पथः विद्यालय नेतृत्वकर्ताओं के लिए स्व–निर्देशात्मक मॉड्यूल का एक पैकेज (2022) और (ब) विद्यालय पारिस्थितिकी तंत्र को सक्षम करनाः नवोदय विद्यालय समिति के सहयोग से सीखने का समर्थन करने के लिए विद्यालय नेतृत्व का पोषण करना (2022)।

केंद्र ने निष्ठा (विद्यालय प्रधानाचार्यों और शिक्षकों की समग्र उन्नति के लिए राष्ट्रीय पहल) में सक्रिय रूप से योगदान दिया है, जो विद्यालय शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है, इसके सभी चरणों में, जिन्हें 1.0, 2.0 और 3.0 के रूप में नामित किया गया है, जिसमें पूर्व–विद्यालय, प्राथमिक से माध्यमिक तक विद्यालय शिक्षा शामिल है। वित्तीय वर्ष 2024–2025 में, एनसीएसएल ने निष्ठा–शैक्षणिक प्रशासक और निष्ठा–कौशल (जिसे शुरू किया जाना है) के लिए पाठ्यक्रम सामग्री विकसित किया है। निष्ठा के

लिए विद्यालय नेतृत्व पाठ्यक्रम विद्यालय नेतृत्वकर्ताओं और शैक्षिक प्रशासकों के लिए विभिन्न नेतृत्व गुणों और कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित करते हैं, ताकि वे पूरे विद्यालय में परिवर्तन लाने और छात्रों की शिक्षा में सुधार लाने के लिए परिवर्तनों को शुरू करने और बनाए रखने में सक्षम हो सकें।

राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र ने पीएमश्री विद्यालयों के लिए विद्यालय नेतृत्व विकास पर एक पुस्तिका (2024) विकसित की है, जिसका उद्देश्य पीएमश्री विद्यालयों के संचालन के लिए संसाधन व्यक्तियों की राष्ट्रव्यापी क्षमता विकास में योगदान देना है। वित्तीय वर्ष 2024–2025 में, केंद्र विद्यालय नेतृत्व को बेहतर बनाने के लिए, विशेष रूप से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफारिशों के अनुरूप, नई विषय–वस्तु और सामग्री विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इसमें विद्यालय नेतृत्व और प्रबंधन पर स्नातकोत्तर डिप्लोमा (ऑनलाइन/मिश्रित) और विद्यालय नेतृत्व और प्रबंधन पर ऑनलाइन कार्यक्रम (मध्यवर्ती स्तर) का सतत विकास शामिल है, जो विद्यालय प्रधानाचार्यों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार प्रतिवर्ष 50 घंटे के सतत व्यावसायिक विकास (सीपीडी) के अधिदेश का समर्थन करता है।

क्षमता विकास

केंद्र ने विद्यालय नेतृत्व को बढ़ाने के उद्देश्य से क्षमता निर्माण कार्यक्रमों की एक श्रृंखला विकसित की है। ये कार्यक्रम अलग–अलग अवधि के होते हैं, या तो अल्पकालिक या दीर्घकालिक, तथा आमने–सामने और/या ऑनलाइन माध्यमों से संचालित किए जाते हैं। आमने–सामने आयोजित किए जाने वाले प्रमुख कार्यक्रमों में विद्यालय प्रधानाचार्यों का 16–दिवसीय नेतृत्व विकास, एक माह का सर्टिफिकेट कोर्स, विद्यालय नेतृत्व एवं प्रबंधन में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा, और विद्यालय प्रधानाचार्यों के लिए विद्यालय नेतृत्व प्रबंधन पर तीन महीने का ऑनलाइन कार्यक्रम शामिल हैं। विद्यालय नेतृत्व एवं प्रबंधन (बेसिक स्तर) पर ऑनलाइन कार्यक्रम में विद्यालय प्रधानाचार्यों के 1 लाख से अधिक पंजीकरण हैं।

केंद्र ने शिक्षा मंत्रालय के डीओएसईएल के क्षमता विकास कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से बड़े पैमाने पर योगदान दिया है, जिसमें विद्यालय प्रधानाचार्यों और शिक्षकों के समग्र विकास के लिए राष्ट्रीय पहल (निष्ठा), निपुण भारत और पीएमश्री दोनों में नेतृत्व पाठ्यक्रम शामिल हैं। इसके अलावा, राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र ने नवोदय विद्यालय समिति और केंद्रीय विद्यालय संगठन के लिए विद्यालय नेतृत्व विकास

हेतु नियमित रूप से शैक्षणिक सहायता प्रदान की है। इसके अतिरिक्त, केंद्र राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के नए विषयों जैसे शैक्षणिक नेतृत्व, कौशल–आधारित और व्यावसायिक शिक्षा, शैक्षणिक नेतृत्व, अग्रणी समानता, विविधता और समावेशन पर क्षमता–विकास कार्यक्रम विकसित कर रहा है, जिसका उद्देश्य सरकारी विद्यालयों में नेतृत्व में सुधार करना और छात्रों के सीखने के परिणामों को बढ़ाना है।

नेटवर्किंग और संस्थागत विकास

केंद्र ने विद्यालय नेतृत्व विकास कार्यक्रम को संस्थागत बनाने और प्रणालीगत अधिकारियों की क्षमता निर्माण के लिए कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय, जनजातीय मामलों के मंत्रालय, जल शक्ति मंत्रालय, आर्थिक मामलों के मंत्रालय, केंद्रीय विद्यालय संगठन, नवोदय विद्यालय समिति और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड सहित विभिन्न मंत्रालयों और राष्ट्रीय स्तर के संगठनों के साथ सहयोग किया है। केंद्र 29 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के साथ घनिष्ठ सहयोग में काम करता है, जहां इसने मौजूदा सरकारी शिक्षा संस्थानों जैसे एससीईआरटी, सीमेट, एमआईईपीए, एसआईएसएलईपी, डाइट, डीईआरटी आदि में विद्यालय नेतृत्व अकादमियां स्थापित की हैं।

विद्यालय नेतृत्व अकादमियाँ, राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र–नीपा के सह–भागी के रूप में उभरी हैं, जो विद्यालय नेतृत्व पर संदर्भ–विशिष्ट मॉड्यूल और सामग्री (पाठ्य और वीडियो आधारित) विकसित कर रही हैं, समग्र शिक्षा, शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत प्रशिक्षणों के माध्यम से विद्यालय प्रधानाचार्यों और व्यवस्था पदाधिकारियों की क्षमता निर्माण और सूक्ष्म शोध कर रही हैं। इन प्रमुख कार्यों के माध्यम से, विद्यालय नेतृत्व अकादमियाँ विविध संदर्भों वाले विद्यालय नेतृत्वकर्ताओं को अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वित्तीय वर्ष 2024–2025 में, राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र ने उन राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में विद्यालय नेतृत्व विकास कार्यक्रम के मूल्यांकन पर एक रूपरेखा विकसित करना शुरू कर दिया है जहाँ विद्यालय नेतृत्व अकादमियाँ स्थापित हैं।

राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र, सीआईईटी एनसीईआरटी द्वारा उपलब्ध कराए गए मंच पीएमईविद्या चैनल संख्या 6, 9 और 12 पर विद्यालय नेतृत्व विकास पर लाइव स्ट्रीमिंग सत्र आयोजित करता है। इन सत्रों का मुख्य उद्देश्य विद्यालय प्रधानाचार्यों, शोधकर्ताओं और व्यवस्था–स्तरीय पदाधिकारियों को ज्ञान और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिए स्टूडियो में लाइव आने में सक्षम बनाना है। वित्तीय वर्ष 2024–2025 में, पीएबी में अनुमोदित नियमित क्षमता विकास कार्यक्रमों के अलावा, छात्रों के मानसिक और सामाजिक–भावनात्मक कल्याण का समर्थन करने पर जवाहर नवोदय विद्यालयों के विद्यालय नेतृत्वकर्ताओं के लिए एक विशेष क्षमता विकास कार्यक्रम राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र द्वारा आयोजित किया गया था।

अनुसंधान एवं विकास

राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र ठोस शोध निष्कर्षों के आधार पर व्यवसायी–केंद्रित सामग्री विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्र नियमित रूप से सभी विद्यालय प्रबंधन – सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और निजी – विद्यालयों में क्षेत्रीय अध्ययन करता है ताकि विभिन्न संदर्भों को समझा जा सके, नेतृत्व संबंधी चुनौतियों की पहचान की जा सके, हितधारकों का साक्षात्कार लिया जा सके और विद्यालयों में सुधार और परिवर्तन लाने हेतु नेतृत्वकर्ताओं के लिए उपयुक्त कार्यक्रम तैयार किए जा सकें। केंद्र विद्यालय नेतृत्व विकास पर अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करता है, जिससे नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं और विद्यालय प्रधानाचार्यों को एक मंच पर आकर नीति, अनुसंधान और व्यवहार को समझने का अवसर मिलता है। पूर्व में, केंद्र ने विविध संदर्भों में नेतृत्व और छोटे विद्यालयों का नेतृत्वः प्रमुख नेतृत्व चुनौतियों और व्यवहारों की खोज को समझने के लिए शोध कार्य किए हैं।

वित्तीय वर्ष 2024–2025 में, राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र, नीपा को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग द्वारा विद्यालय शिक्षा में सुशासनः संभावनाएं और नवीन प्रथाओं पर एक शोध अध्ययन सौंपा गया था। अध्ययन का उद्देश्य विभिन्न हितधारकों की भूमिकाओं, ज़िम्मेदारियों और अंतःक्रियाओं की जाँच करना; शिक्षा प्रशासन में पारदर्शिता, अखंडता और प्रदर्शन को बढ़ावा देने में जवाबदेही तंत्र की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना; शिक्षा प्रशासन संरचनाओं के भीतर संसाधन जुटाने की जाँच करना; शिक्षा नीतियों और अधिदेशों को व्यवहार में लाने की जाँच करना और विभिन्न संदर्भों में शिक्षा प्रशासन संरचनाओं से आशाजनक प्रथाओं और नवाचारों की पहचान करना था। अध्ययन में 8 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशोंः असम, बिहार, गुजरात, जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, मिज़ोरम और तमिलनाडु में किए गए शोध निष्कर्षों को शामिल किया गया।

उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र (सीपीआरएचई)

उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र (सीपीआरएचई) की स्थापना नीपा में उच्च शिक्षा नीति एवं नियोजन के क्षेत्र में एक विशिष्ट केंद्र के रूप में की गई थी। केंद्र की गतिविधियाँ नीपा परिप्रेक्ष्य योजना 2030 के अनुरूप हैं और एक कार्यकारी समिति (ईसी) द्वारा निर्देशित होती हैं, जो इसकी वार्षिक कार्य योजना और बजट की समीक्षा और अनुमोदन करती है। कार्यकारी समिति द्वारा अनुमोदित वार्षिक कार्य योजना और बजट अंतिम अनुमोदन के लिए नीपा के प्रबंधन बोर्ड (बीओएम) को प्रस्तुत किए जाते हैं। नीपा के कुलपति (वीसी) कार्यकारी समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हैं, और केंद्र के निदेशक कार्यकारी समिति के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य करते हैं। कार्यकारी समिति में शिक्षाविद और वरिष्ठ स्तर के नीति निर्माता शामिल होते हैं, जिनमें यूजीसी, उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय (एमओई) और नीति आयोग का प्रतिनिधित्व होता है।

केंद्र का व्यापक मिशन भारत में शिक्षा के विकास के उद्देश्य से नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों के निर्माण के लिए आवश्यक ज्ञान के सृजन, साझाकरण और अनुप्रयोग में योगदान देना है। केंद्र चार परस्पर संबंधित क्षेत्रों में वर्तमान राष्ट्रीय प्राथमिकताओं पर अपने प्रयासों को केंद्रित करता है: उच्च शिक्षा के प्रावधान का विस्तार और सुधार, समानता और समावेशन सुनिश्चित करना, गुणवत्ता और प्रासंगिकता को बढ़ाना, तथा शासन और प्रबंधन में सुधार करना। केंद्र उच्च शिक्षा के सभी पहलुओं में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने का प्रयास करता है, जिससे भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली स्थानीय स्तर पर सक्रिय रहते हुए वैश्विक मानकों को प्राप्त कर सके।

उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र की गतिविधियाँ और योगदान

अनुसंधान क्षेत्र और अध्ययन: गतिविधियाँ

भारत में उच्च शिक्षा का शासन और प्रबंधन: वर्ष 2024–25 में, निम्नलिखित गतिविधियाँ की गईं: वेबसाइट अपलोड के लिए राज्य रिपोर्टों को अंतिम रूप दिया गया है; जुलाई 2024 में हिंदी में दो सीपीआरएचई नीति संक्षिप्त प्रकाशित किए गए। (परियोजना समन्वयक: डॉ. गरिमा मलिक)

भारत में उच्च शिक्षा में कॉलेज की तैयारी और छात्रों की सफलता: वर्ष 2023–2024 में की गई गतिविधियाँ निम्नलिखित थीं: सीपीआरएचई शोध श्रृंखला 19 में प्रकाशित शोध पत्र: भारत में उच्च शिक्षा में कॉलेज की तैयारी और छात्रों की सफलता: एक समावेशी एजेंडा। 2024–25 के दौरान, 5 राज्यों और दिल्ली, मुंबई, कालीकट, पटना और गुवाहाटी में स्थित उच्च शिक्षा संस्थानों में अनुसंधान उपकरणों को लागू करने के लिए क्षेत्र का दौरा करने के बाद, डेटा संग्रह पूरा किया गया, छंटाई की गई और विश्लेषण के लिए सारणीबद्ध किया गया। संश्लेषण रिपोर्ट और राज्य रिपोर्ट सहित मसौदा रिपोर्ट तैयार की जा रही हैं। (परियोजना समन्वयक: डॉ. निधि एस. सभरवाल)

भारतीय उच्च शिक्षा में शिक्षण और अधिगम के साथ डिजिटल प्रौद्योगिकी का एकीकरण: परियोजना के कार्यान्वयन हेतु वर्ष 2024–25 में आयोजित गतिविधियों में शामिल हैं: क्षेत्र भ्रमण। 2024–25 के दौरान, विभिन्न राज्यों और उच्च शिक्षा संस्थानों में अनुसंधान उपकरणों के कार्यान्वयन हेतु क्षेत्र भ्रमण और ऑनलाइन कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। आँकड़ों का संग्रह पूरा हो चुका है, और आँकड़ा विश्लेषण एवं मसौदा रिपोर्ट तैयार करने का कार्य प्रगति पर है। (परियोजना समन्वयक: प्रोफेसर प्रदीप कुमार मिश्र)

भारत में उच्च शिक्षा तक पहुँच का विस्तार: संस्थागत दृष्टिकोण (यूके के वारविक विश्वविद्यालय और सीपीआरएचई/नीपा के बीच अंतर्राष्ट्रीय सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना): परियोजना के कार्यान्वयन हेतु वर्ष 2024–25 में आयोजित गतिविधियाँ: क्षेत्रीय दौरे: वर्ष 2024–25 के दौरान, चयनित राज्यों और उच्च शिक्षा संस्थानों में अनुसंधान उपकरणों के कार्यान्वयन हेतु क्षेत्रीय दौरे किए गए। आँकड़ों का संग्रह पूरा हो चुका है, और आँकड़ों का विश्लेषण तथा मसौदा रिपोर्ट तैयार करने का कार्य प्रगति पर है। दूसरी शोध सलाहकार समिति की बैठक: 'भारत में उच्च शिक्षा तक पहुँच का विस्तार: संस्थागत दृष्टिकोण' शीर्षक से दूसरी शोध सलाहकार समिति की बैठक 28 अगस्त, 2024 को नई दिल्ली (ऑनलाइन) में आयोजित की गई, जिसमें शोध परियोजना के कार्यान्वयन में हुई प्रगति और विश्लेषण ढाँचे पर चर्चा की गई। द्वितीय शोध पद्धति कार्यशाला (विश्लेषण ढाँचा कार्यशाला): विश्लेषणात्मक ढाँचे पर चर्चा के लिए 'भारत में उच्च शिक्षा तक पहुँच का विस्तार: संस्थागत दृष्टिकोण' शीर्षक से दूसरी शोध पद्धति कार्यशाला 17–18 सितंबर, 2024 को आयोजित की गई। अनुसंधान दल के सदस्यों ने कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला के दौरान, अध्ययन के लिए एकत्रित आँकड़ों (मात्रात्मक और गुणात्मक दोनों) के विश्लेषण की रूपरेखा पर चर्चा की गई

और उसे अंतिम रूप दिया गया। राज्य रिपोर्टों में शामिल की जाने वाली तालिकाओं पर चर्चा की गई और शिक्षक एवं छात्र प्रश्नावली के चरों को शामिल करते हुए चुनिंदा तालिकाओं की एक सूची तैयार कर उसे अंतिम रूप दिया गया। कार्यशाला के बाद यह सूची अनुसंधान दलों को भेज दी गई। राज्य दलों द्वारा लिखी जाने वाली मसौदा रिपोर्टों की विशेषता–निर्धारण योजना पर भी चर्चा की गई। (परियोजना समन्वयकः डॉ. निधि एस. सभरवाल और डॉ. एमिली एफ. हेंडरसन)

यूजीसी योजनाओं का मूल्यांकनः छात्रवृत्ति से संबंधित योजनाएं

सीपीआरएचई/नीपा ने निम्नलिखित क्षेत्रों में यूजीसी योजनाओं का मूल्यांकन कियाः

- विज्ञान, मानविकी और सामाजिक विज्ञान में कनिष्ठ अनुसंधान अध्येतावृत्ति
- सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान के लिए एकल बालिका के लिए स्वामी विवेकानंद अध्येतावृत्ति;
- एकल बालिका के लिए सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले अध्येतावृत्ति;
- एकल बालिकाओं हेतु पीजी इंदिरा गांधी छात्रवृत्ति योजना;
- विश्वविद्यालय रैंक धारकों के लिए पीजी छात्रवृत्ति; व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए पीजी छात्रवृत्ति; एमई/एम.टेक के लिए गेट–योग्य छात्रों के लिए पीजी छात्रवृत्ति;
- यूजीसी उपचारात्मक कोचिंग योजना;
- नेट/सेट कोचिंग योजना;
- सेवा में प्रवेश कोचिंग योजना;
- आवासीय कोचिंग योजना

वर्ष 2024–25 में, उपरोक्त योजनाओं पर शोध रिपोर्ट पूरी कर यूजीसी को प्रस्तुत की गईं। केंद्र के संकाय सदस्यों ने इन योजनाओं का मूल्यांकन किया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर नीपा अध्ययनः राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 का कार्यान्वयनः जीईआर पर प्रभाव और सुधार; भारत के विभिन्न राज्यों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन की स्थिति और प्रभावः सीपीआरएचई/नीपा के संकाय सदस्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर नीपा अध्ययन के सदस्य हैं, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन की स्थिति और विद्यालय एवं उच्च शिक्षा पर इसके प्रभाव का विश्लेषण करने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाते है, जिसमें जीईआर में सुधार, सामर्थ्य, समानता और समावेशन को संबोधित करने और शिक्षा के सभी स्तरों पर गुणवत्ता और शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में इसके योगदान पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। वर्ष 2024–25 में, निम्नलिखित गतिविधियाँ शुरू की गईं:

अनुसंधान प्रस्ताव की तैयारीः दो अध्ययनों पर एक व्यापक शोध प्रस्ताव विकसित किया गयाः राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 का कार्यान्वयनः जीईआर में प्रभाव और सुधार; भारत के विभिन्न राज्यों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन की स्थिति और प्रभाव। इसे शिक्षा मंत्रालय को प्रस्तुत किया गया।

- अनुसंधान उपकरण विकासः गुणात्मक और मात्रात्मक डेटा एकत्र करने के लिए चार अनुसंधान उपकरण, वर्ष 2024–25 में विकसित किए गए।
- ऑनलाइन परामर्श कार्यशालाओं का आयोजनः राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के राज्य और उच्च शिक्षा संस्थानों के नोडल समन्वयकों के साथ फरवरी 2025 में एक ऑनलाइन परामर्श कार्यशाला आयोजित की गई।

परियोजना समन्वयकः डॉ. निधि एस. सभरवाल, डॉ. गरिमा मलिक और डॉ. नीलांजना मोइत्रा।

भारत में चिकित्सा और जैव चिकित्सा विज्ञान के छात्रों के लिए व्यक्तिगत चिकित्सा पर एक वैकल्पिक मॉड्यूल का विकास (ब्रिटिश काउंसिल द्वारा वित्त पोषित, उल्स्टर विश्वविद्यालय के सहयोग से): 2024–25 में की जाने वाली गतिविधियों में अनुसंधान प्रस्ताव विकसित करना और सफल आवेदन प्रक्रिया में योगदान देना शामिल है।

परियोजना समन्वयकः डॉ. निधि एस. सभरवाल और डॉ. नीलांजना मोइत्रा।

क्षमता विकास

कार्यशालाएं, बैठकें और प्रशिक्षण कार्यक्रमः 2024–25 शैक्षणिक वर्ष के दौरान, कई बैठकें हुईं और संकाय सदस्यों ने वारविक विश्वविद्यालय और अमेरिका के अन्य अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में एक अंतर्राष्ट्रीय बैठक में भाग लिया।

अनुसंधान क्षमता विकासः अनुसंधान परियोजनाओं के कार्यान्वयन के एक भाग के रूप में, केंद्र शैक्षणिक समुदाय के बीच अनुसंधान क्षमताओं को सुदृढ़ करने और उन्हें उच्च शिक्षा में अनुसंधान करने के लिए उन्मुख करने हेतु

कार्यशालाओं का आयोजन करता है। अनुसंधान क्षमता विकास के प्रयास वर्ष 2024–25 में भी जारी रहे।

आंगतुक अध्येता कार्यक्रमः 2024–25 में, सीपीआरएचई/नीपा ने पेरिस के साइंसेज पो, सुश्री लावण्या कपूर को प्रशिक्षु के रूप में आमंत्रित किया।

उच्चतर शिक्षा विकास में रुझानों का विश्लेषण

केंद्र ने भारतीय उच्च शिक्षा पर 'भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट' (आईएचईआर) शीर्षक से एक प्रकाशन शुरू किया है। आईएचईआर भारत में उच्च शिक्षा क्षेत्र के समक्ष उपस्थित वर्तमान मुद्दों और चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करता है। आईएचईआर एक वार्षिक प्रकाशन के रूप में विकसित हो चुका है, जो भारत में शोधकर्ताओं और नीति निर्माताओं के लिए एक मूल्यवान संदर्भ दस्तावेज के रूप में कार्य करता है। आईएचईआर की यात्रा इस प्रकार हैः

- **भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट (आईएचईआर) 2023:** आईएचईआर 2023, भारत में उच्च शिक्षा अनुसंधान, वर्तमान में रूटलेज द्वारा प्रकाशनाधीन है।

ज्ञान का आदान–प्रदान और प्रसार

सीपीआरएचई शोध पत्र श्रृंखलाः केंद्र ने 'सीपीआरएचई शोध पत्र' शीर्षक से शोध पत्रों की एक नियमित श्रृंखला प्रकाशित की है। इस श्रृंखला का उद्देश्य केंद्र में किए गए अनुसंधान का प्रसार करना तथा शोधकर्ताओं और नीति निर्माताओं के साथ संवाद जारी रखना है। केंद्र ने वर्ष में निम्नलिखित शोध पत्र प्रकाशित किए हैं:

- आलेख 18: भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों का प्रशासन और प्रबंधनः एक अनुभवजन्य विश्लेषण;
- आलेख 19: भारत में उच्च शिक्षा में कॉलेज की तैयारी और छात्रों की सफलताः एक समावेशी एजेंडा।

शिक्षा सुधार और नीति निर्माण की वकालत

सीपीआरएचई अनुसंधान पर आधारित नीति संक्षिप्तः केंद्र नियमित रूप से सीपीआरएचई द्वारा किए गए शोध अध्ययनों के आधार पर नीति संक्षिप्त तैयार और प्रकाशित करता है। नीति संक्षिप्त 4–5 पृष्ठों का एक संक्षिप्त दस्तावेज़ होता है जो केंद्र के शोध द्वारा मुख्य रूप से पहचाने गए मुद्दों पर चर्चा करता है और नीतिगत निहितार्थों पर विस्तार से प्रकाश डालता है। अध्ययनों के आधार पर नीति संक्षिप्त के लिए क्षेत्रों की पहचान की जाती है। इन नीति संक्षिप्त का प्राथमिक लक्ष्य समूह राज्य और राष्ट्रीय स्तर के नीति निर्माता हैं। केंद्र ने निम्नलिखित नीति संक्षिप्त तैयार और प्रकाशित किएः

- मलिक जी. (2024). सीपीआरएचई नीति सार 6: भारत में सरकार और विश्वविद्यालय और विश्वविद्यालयों के अंतर्संबंध
- मलिक जी. (2024). सीपीआरएचई नीति सार 7: भारत में विश्वविद्यालय और महाविद्यालय प्रशासन संबंध
- गरिमा मलिक (2024)। भारत में सरकार और विश्वविद्यालय और विश्वविद्यालय के अंतर्संबंध। सीपीआरएचई नीति सार 6. सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली।
- गरिमा मलिक (2024). भारत में विश्वविद्यालय और महाविद्यालय शासन संबंध। सीपीआरएचई नीति सार 7. सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली।

शीर्ष निकायों को समर्थन

2024 में, केंद्र के संकाय सदस्य नीपा, परामर्शदात्री राष्ट्रीय ऋण रूपरेखा बैठक के आयोजन में शामिल थे, जिसमें दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र के तेरह उच्च शिक्षा संस्थानों ने भाग लिया था। परामर्शदात्री बैठक के उद्देश्य थेः विभिन्न उच्च शिक्षा संस्थानों में ऋण संचयन, मोचन और ऋण हस्तांतरण के संबंध में राष्ट्रीय ऋण रूपरेखा (एनसीआरएफ) प्रणाली को समझना; ऋण रूपरेखा के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए ऋण रूपरेखा के पाठ्यक्रमों, मूल्यांकन और लाभों के संबंध में उच्च शिक्षा संस्थानों के हितधारकों के दृष्टिकोण को समझना; लघु और दीर्घकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों सहित नीपा कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों में ऋण रूपरेखा के कार्यान्वयन के लिए नीपा संकाय सदस्यों को तैयार करना। इसके अतिरिक्त, केंद्र को विभिन्न शीर्ष निकायों द्वारा विभिन्न नीति बैठकों में आमंत्रित किया जाता है और प्रतिनिधित्व प्रदान किया जाता है।

उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र में अंतर्राष्ट्रीय आगंतुक

वर्ष 2024–25 में, उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र में निम्नलिखित आगंतुक आएः

- प्रो. ब्रेनस्लाव पुपाला, प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा के प्रोफेसर और सलाहकार बोर्ड के प्रमुख, शिक्षा संकाय ट्रनावा विश्वविद्यालय, स्लोवाकिया
- सुश्री लावण्या कपूर, प्रशिक्षु, साईन्सेस पोओ, पेरिस

एकक

परियोजना प्रबंधन एकक

राष्ट्रीय संस्थान में परियोजना प्रबंधन एकक (पीएमयू) की स्थापना आंतरिक और प्रायोजित अनुसंधान को समर्थन और प्रबंधन प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। यह एकक नीपा की सभी बाह्य वित्तपोषित और आंतरिक अनुसंधान परियोजनाओं, शिक्षा नीति के कार्यान्वयन हेतु अध्ययन, संगोष्ठियों, मूल्यांकन आदि के लिए सहायता अनुदान योजना और शैक्षिक योजना एवं प्रशासन (व्यक्तिगत शोधकर्ता) के क्षेत्र में अध्ययन हेतु नीपा की सहायता योजना के समुचित समन्वय हेतु एक केंद्रीकृत प्रशासन प्रणाली के रूप में कार्य करता है।

यह एकक सामान्य रूप से, परियोजना अनुमोदन प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिये परियोजना कार्यान्वयन में प्रगति की निगरानी और संबंधित समर्थन सेवाएँ प्रदान करने सहित नीपा में किए गए विभिन्न परियोजनाओं के प्रबंधन के लिये प्रशासनिक सहायता प्रदान करता है। यह सभी मामलों में धन और घरेलू व्यय के लेखा सहित नीपा प्रायोजित परियोजनाओं – परियोजना भर्ती और नियुक्तियों से संबंधित मुद्दों को संबोधित करता है।

पीएमयू विभिन्न परियोजनाओं के लेखांकन, परियोजना स्टाफ की भर्ती, बजट के अलावा संस्थान में चल रहे और पूर्ण अनुसंधान परियोजनाओं/अध्ययनों से संबंधित सभी कार्य की देखभाल करता है।

पीएमयू एकक में अध्यक्ष, कुलपति द्वारा चयनित किया जाता है। इसके अलावा पांच अन्य अकादमिक तथा समर्थन स्टाफ भी चयनित किये जाते हैं। समर्थन स्टाफ में परियोजना परामर्शदाता, परियोजना प्रबंधक तथा कनिष्ठ परामर्शदाता सम्मिलित हैं।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एकक (यू.आई.सी)

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एकक की स्थापना अगस्त 2019 में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रकोष्ठ को सहायता प्रदान करने के लिए की गई थी। यह एकक विशिष्ट सहयोग व्यवस्थाओं के संदर्भ का विश्लेषण, अनुभवजन्य साक्ष्य तैयार करना, दस्तावेज़ तैयार करना और शिक्षा मंत्रालय को नियमित प्रतिक्रिया प्रदान करके अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में अग्रणी भूमिका निभाने के उद्देश्य को प्राप्त करने में एक संस्थागत व्यवस्था के रूप में कार्य करती है ताकि अंतर्राष्ट्रीयकरण की अपनी नियमित और दीर्घकालिक रणनीति का समर्थन किया जा सके।

विशेष रूप से, एकक के निम्नलिखित कार्य हैं:

- शिक्षा में भारत और अन्य देशों, द्विपक्षीय और बहुपक्षीय एजेंसियों के बीच अंतरराष्ट्रीय सहयोग में प्रवृत्तियों और पैटर्न का विश्लेषण और दस्तावेज करना।
- शिक्षा में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के क्षेत्र में बैठकों में आधिकारिक भागीदारी के लिए पृष्ठभूमि दस्तावेज और संक्षिप्त विवरण तैयार करने में मदद करना
- शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग की अंतर–सरकारी, द्विपक्षीय और बहुपक्षीय एजेंसियों के साथ भारत की नेटवर्क गतिविधियों का समन्वय और सुदृढ़ीकरण करना।
- शिक्षा मंत्रालय द्वारा अनुरोध किए जा सकने वाले सहयोग के कार्यक्रमों के डिजाइन, कार्यान्वयन और निगरानी में मदद करना।
- प्रत्येक वर्ष शिक्षा मंत्रालय द्वारा की जाने वाली अंतर्राष्ट्रीय सहयोग गतिविधियों पर एक रिपोर्ट तैयार करना।

अकादमिक सहायता समर्थन एकक

पुस्तकालय एवं प्रलेखन केंद्र और डिजिटल अभिलेखागार

संस्थान में अत्याधुनिक पुस्तकालय है जिसमें शैक्षिक नीति, शैक्षिक योजना, शैक्षिक प्रशासन और संबंधित विषयों के क्षेत्रों से संबंधित पुस्तकों और अन्य सामग्रियों का विस्तृत और समृद्ध संग्रह है। पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र अपने उपयोगकर्ताओं को विभिन्न सेवाएं प्रदान करता है जैसे; सीएएस, एसडीआई, संदर्भ सेवा, वेब ओपेक, सर्कुलेशन, जेरोक्सिंग। पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर अपने संसाधनों के बंटवारे को बढ़ावा देने के लिए विकासशील पुस्तकालय नेटवर्किंग (डेलनेट) का सदस्य रहा है। पुस्तकालय में वर्तमान में यूएनओ, यूएनडीपी, यूनेस्को, आईएलओ, यूनिसेफ, विश्व बैंक, ओईसीडी आदि जैसी अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों और सम्मेलनों की रिपोर्टों के समृद्ध संग्रह के अलावा 59,208 से अधिक पुस्तकों/दस्तावेजों और 7,616 पत्रिकाओं का संग्रह है। पुस्तकालय शैक्षिक नीति, योजना और प्रबंधन और अन्य संबद्ध क्षेत्रों में, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों, 250 पत्रिकाओं और पत्रिकाओं को भी प्राप्त करता है। पुस्तकालय ने अपने उपयोगकर्ताओं के लिए जेस्टोर, एलसवियर और सेज जैसे तीन ऑनलाइन जर्नल डेटाबेस की सदस्यता भी ली है। नीपा के प्रलेखन केंद्र में लगभग 17,993 खंड हैं, जिसमें आधिकारिक रिपोर्टों, केंद्र और राज्य सरकार के प्रकाशनों, शैक्षिक सर्वेक्षणों, पंचवर्षीय योजनाओं, जनगणना रिपोर्ट और गैर प्रिंट सामग्री आदि का एक अनूठा संग्रह शामिल है। दस्तावेजीकरण केंद्र में बहुत महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्टें भी हैं, और शिक्षा पर सर्वेक्षण जो शैक्षिक अनुसंधान और नीति–निर्माण के लिए आवश्यक हैं। भारत में शिक्षा के सभी पहलुओं, क्षेत्रों और स्तरों पर संदर्भ और अनुसंधान के स्रोत के रूप में सभी दस्तावेजों को सॉफ्ट रूप में एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय संस्थान में एक डिजिटल अभिलेखागार की स्थापना की गई है। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय संस्थान के विस्तारित चेहरे के रूप में उपयोगकर्ताओं का एक समुदाय बनाना है। उच्च स्तरीय पूर्ण स्वचालित डिजिटल स्कैनर सहित नवीनतम आईसीटी का उपयोग डिजिटल दस्तावेजों के डिजाइन, भंडारण और पुनर्प्राप्ति के लिए किया जाता है। उपयोगकर्ता के अनुकूल सॉफ्टवेयर, कई खोज विकल्पों के साथ, डिजिटल अभिलेखागार की एक अंतर्निहित विशेषता है।

शिक्षा दस्तावेजों का डिजिटल अभिलेखागार 2013 में स्थापित किया गया था। इसका उद्देश्य सभी शिक्षा दस्तावेजों को एक स्थान पर सॉफ्ट संस्करण में रखना है। डिजिटल अभिलेखागार का संग्रह पहले से ही 11,000 से अधिक है और लगातार बढ़ रहा है। दस्तावेजों को 18 श्रेणियों के तहत वर्गीकृत और केंद्रीय और राज्य और ऐसी अन्य श्रेणियों के तहत उप–विभाजित किया गया है। डिजिटल अभिलेखागार स्वतंत्रता के पश्चात् से ही शिक्षा प्रणाली के सभी पहलुओं, क्षेत्रों और स्तरों को कवर करने वाली नीति और अन्य संबंधित दस्तावेजों तक पहुंच प्रदान करता है, ताकि किसी भी नीति विश्लेषक और योजनाकार, शोधकर्ता और शिक्षा में रुचि रखने वाले अन्य लोगों को संदर्भ और डेटा का उपयोग के लिए कहीं और जाने की आवश्यकता न हो। डिजिटल अभिलेखागार का उद्देश्य नीपा के विस्तारित रूप में उपयोगकर्ताओं का एक समुदाय तैयार करना है।

कंप्यूटर केन्द्र

कंप्यूटर केंद्र संस्थान की सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी जरुरतें पूरा करता है। यह केंद्र संस्थान के सभी प्रशिक्षणार्थियों और स्टाफ सदस्यों को कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधाएं प्रदान करता है। नेटवर्क संसाधन को पहुंचाने के लिए सभी संकाय और स्टाफ को नेटवर्क प्वांइट सुलभ किए गए हैं। नीपा डोमेन से सभी संकाय और स्टाफ सदस्यों के व्यक्तिगत ई–मेल खाता खोले गए हैं। सभी संकाय सदस्यों को 1 जीबीपीएस की इंटरनेट कनेक्टिविटी दी गई है। सभी स्टाफ सदस्यों को डेस्कटॉप और संकाय सदस्यों को लैपटाप आवंटित किए गए हैं। नीपा में समुचित नेटवर्क सुरक्षा का रखरखाव किया जा रहा है। केंद्र में आधुनिकतम सुविधाएं हैं, जैसे–आईबीएम–ई सिरीज सर्वर जो तीव्र अर्थनेट से जुड़ा है। वर्तमान में निम्नलिखित आधारभूत सुविधाएं हैं–उन्नत कैट–6 केबल, केंद्रीकृत

कंप्यूटिंग सुविधा, जिसमें उच्च कार्यनिष्पादन वाले सर्वर्स, क्लाइंट पी सी; इंटरनेट से अपलिंक और अन्य सेवाएं और अति सक्षम बहुकल्पिक यू पी एस के जरिए पर्याप्त रूप में अनवरत पावर आपूर्ति उपलब्ध है।

प्रकाशन एकक

नीपा में शिक्षा के शोध और विकास के प्रसार–प्रचार हेतु प्रकाशन कार्यक्रम है। नीपा प्रकाशन एकक विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा अन्य संबंधित सामग्री रिपोर्टों, पुस्तकों, जर्नलों, न्यूज़लेटर, अनुसंधान आलेखों, तथा अन्य प्रकाशनों के माध्यम से शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रशासन से संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान तथा विकास की सूचनाओं के प्रचार–प्रसार हेतु महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। राष्ट्रीय संस्थान द्वारा प्रकाशित कुछ पत्रिकाओं में 'जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन', 'परिप्रेक्ष्य' हिन्दी जर्नल तथा एंट्रीप न्यूज़लेटर इत्यादि हैं। राष्ट्रीय संस्थान का प्रकाशन एकक शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की विशिष्ट आवश्यकताओं को भी पूर्ण करता है।

हिंदी कक्ष

यह कक्ष शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन में व्यावसायिक प्रकाशनों के अनुवाद के माध्यम से अनुसंधान, प्रशिक्षण तथा प्रसार में अकादमिक सहायता प्रदान करता है। यह कक्ष राजभाषा नीति के क्रियान्वयन में भी सहयोग देता है।

प्रशासन और प्रबंधन

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) यूजीसी अधिनियम 1956 की धारा 3 के अंतर्गत एक 'मानित विश्वविद्यालय' है और सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अंतर्गत पंजीकृत है। राष्ट्रीय संस्थान के प्राधिकारियों में कुलाधिपति, कुलपति, प्रबंधन बोर्ड, अकादमिक परिषद, वित्त समिति और अध्ययन बोर्ड तथा संस्थान के प्रबंधन बोर्ड द्वारा घोषित या नामित ऐसे अन्य प्राधिकरण; संस्थान के कुलपति प्रधान अकादमिक और कार्यकारी अधिकारी हैं।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग (पीएन I अनुभाग) ने दिनांक 16 जनवरी, 2020 के अपने पत्र संख्या 2–7/2016–पीएन–I के माध्यम से यूजीसी अधिनियम, 2019 के अनुसार नीपा के संशोधित संघीय ज्ञापन और नियमों को भेजा है, जिसमें कहा गया है कि संस्थान का सर्वोच्च शासी निकाय अब प्रबंधन बोर्ड होगा।

प्रबंधन बोर्ड: प्रबंधन बोर्ड संस्थान के विनियम बनाने की शक्तियों के साथ प्रबंधन का प्रमुख अंग और संस्थान का सर्वोच्च कार्यकारी निकाय होगा। प्रबंधन बोर्ड का मुख्य कार्य संघीय ज्ञापन में निर्धारित संस्थान के उद्देश्यों को कार्यान्वित करना है। प्रबंधन मंडल संस्थान के सभी मामलों के सामान्य पर्यवेक्षण के लिए उत्तरदायी है। प्रबंधन बोर्ड में अध्यक्ष (पदेन) के रूप में संस्थान के कुलपति होते हैं; डीन (अकादमिक और अनुसंधान); कुलाधिपति द्वारा नामित तीन प्रतिष्ठित शिक्षाविद, जिन्होंने प्रोफेसर के पद पर कार्य किया हो और वे न तो संस्थान या प्रायोजक निकाय से होंगे और न ही उनके रिश्तेदार होंगे; शिक्षा मंत्रालय (एमओई) का एक प्रतिनिधि जो संयुक्त सचिव, भारत सरकार के पद से नीचे के न हो; संस्थान के दो संकाय सदस्यः वरिष्ठता के आधार पर बारी–बारी से प्रोफेसरों और सह–प्रोफेसरों में से एक–एक; और शिक्षा मंत्रालय के तीन नामांकित व्यक्ति जो प्रख्यात शिक्षाविद हों और जो प्रोफेसर के पद से नीचे नहीं हों। संस्थान के कुलसचिव प्रबंधन बोर्ड के पदेन सचिव होंगे।

31 मार्च, 2025 तक प्रबंधन बोर्ड के सदस्यों की सूची परिशिष्ट–I में दी गई है।

वित्त समितिः वित्त समिति की मुख्य भूमिका संस्थान की लेखा की जांच करना और व्यय के प्रस्तावों की समीक्षा करना है। राष्ट्रीय संस्थान की वार्षिक लेखा और वित्तीय आकलनों को वित्त समिति के सम्मुख रखा जाता है और समिति की टिप्पणियों के साथ इसे अनुमोदन के लिए प्रबंधन बोर्ड को अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया जाता है। वित्त समिति राष्ट्रीय संस्थान की आय और संसाधनों के आधार पर वार्षिक आवर्ती और गैर आवर्ती व्यय की सीमाऐं तय करती है। संस्थान के कुलपति वित्त समिति के अध्यक्ष हैं; डीन (अकादमिक और अनुसंधान); शिक्षा मंत्रालय का एक प्रतिनिधि, जो संयुक्त सचिव के पद से नीचे का न हो; प्रबंधन बोर्ड के दो नामांकित व्यक्ति; जिनमें से एक बोर्ड का सदस्य हो और राष्ट्रीय संस्थान का वित्त अधिकारी जो वित्त समिति के सचिव के रूप में कार्य करेगा।

31 मार्च, 2025 तक वित्त समिति के सदस्यों की सूची परिशिष्ट–II में दी गई है।

अकादमिक परिषदः नीपा अकादमिक परिषद संस्थान का शीर्षस्थ अकादमिक निकाय है। अकादमिक परिषद शिक्षा, प्रशिक्षण, शोध और परामर्श के स्तर पर सतत सुधार और अंतर–विभागीय सहयोग, परीक्षा और परीक्षण आदि के प्रति उत्तरदायी होता है। इसका पदेन अध्यक्ष संस्थान के कुलपति होते हैं। संस्थान के डीन, (अकादमिक और अनुसंधान); राष्ट्रीय संस्थान के विभागों के विभागाध्यक्ष; विभागों से दो सह–प्रोफेसर, विभागाध्यक्ष के अलावा परस्पर वरिष्ठता के आधार पर चक्रानुसार नामित; परस्पर वरिष्ठता के आधार पर चक्रानुसार विभागों से दो सहायक प्रोफेसर; प्रतिष्ठित शिक्षाविदों या मानित विश्वविद्यालय संस्था की गतिविधियों से संबंधित किसी अन्य क्षेत्र के व्यक्तियों में से तीन व्यक्तियों को कुलपति द्वारा नामित किया जाता है। तीन सदस्य जो शैक्षणिक स्टाफ के सदस्य न हों और

अकादमिक परिषद द्वारा विषय विशेषज्ञ के आधार पर सहयोजित किए गए हों। नीपा का कुलसचिव परिषद का पदेन सचिव होता है।

31 मार्च 2025 के अनुसार अकादमिक परिषद के सदस्यों की सूची परिशिष्ट–III में दी गई है।

अध्ययन बोर्डः राष्ट्रीय संस्थान के कुलपति अध्ययन बोर्ड के अध्यक्ष हैं; डीन (अकादमिक और अनुसंधान); विभागाध्यक्ष और संकाय/विभाग के सभी प्रोफेसर; परस्पर वरिष्ठता के आधार पर चक्रानुक्रम द्वारा संकाय/विभाग के दो सह–प्रोफेसर; परस्पर वरिष्ठता के आधार पर बारी–बारी से संकाय/विभाग के दो सहायक प्रोफेसर; संबंधित व्यवसाय से संबंधित विशेषज्ञता के लिए अधिकतम 2 विषय विशेषज्ञ को सहयोजित किया जाएगा। परीक्षा नियंत्रक स्थायी आमंत्रित व्यक्ति होगा।

31 मार्च, 2025 तक अध्ययन बोर्ड के सदस्यों की सूची परिशिष्ट–IV में दी गई है।

योजना और निगरानी बोर्डः योजना और निगरानी बोर्ड संस्थान का प्रमुख योजना निकाय है जो संस्थान के विकास कार्यक्रमों की निगरानी के लिए उत्तरदायी होगा। योजना एवं निगरानी बोर्ड के अध्यक्ष संस्थान के कुलपति होते हैं। कुलसचिव इसके सचिव हैं, जिसमें सभी विभागों के सात आंतरिक सदस्य (विभागाध्यक्ष) और संस्थान के बाहर के तीन प्रतिष्ठित विशेषज्ञ शामिल हैं।

31 मार्च, 2025 तक योजना और निगरानी बोर्ड के सदस्यों की सूची परिशिष्ट–V में दी गई है।

कार्यबल और समितियाँः विशिष्ट कार्यक्रमों के लिए समय–समय पर कुलपति द्वारा विशेष कार्यबलों और समितियों का गठन किया जाता है। विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति हेतु सलाह और निगरानी के लिए विशेषज्ञों की परियोजना सलाहकार समितियां गठित की जाती हैं। एक सलाहकार अनुसंधान अध्ययन बोर्ड का गठन कुलपति की अध्यक्षता में किया जाता है, जिसमें अन्य के अलावा, सभी अकादमिक विभागों के प्रमुख इसके सदस्य होते हैं, और कुलसचिव, इसके सदस्य–सचिव के रूप में, शैक्षिक योजना और प्रशासन में अध्ययन के लिए सहायता योजना के तहत प्राप्त प्रस्तावों पर विचार करते हैं।

संगठनात्मक ढांचा

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान

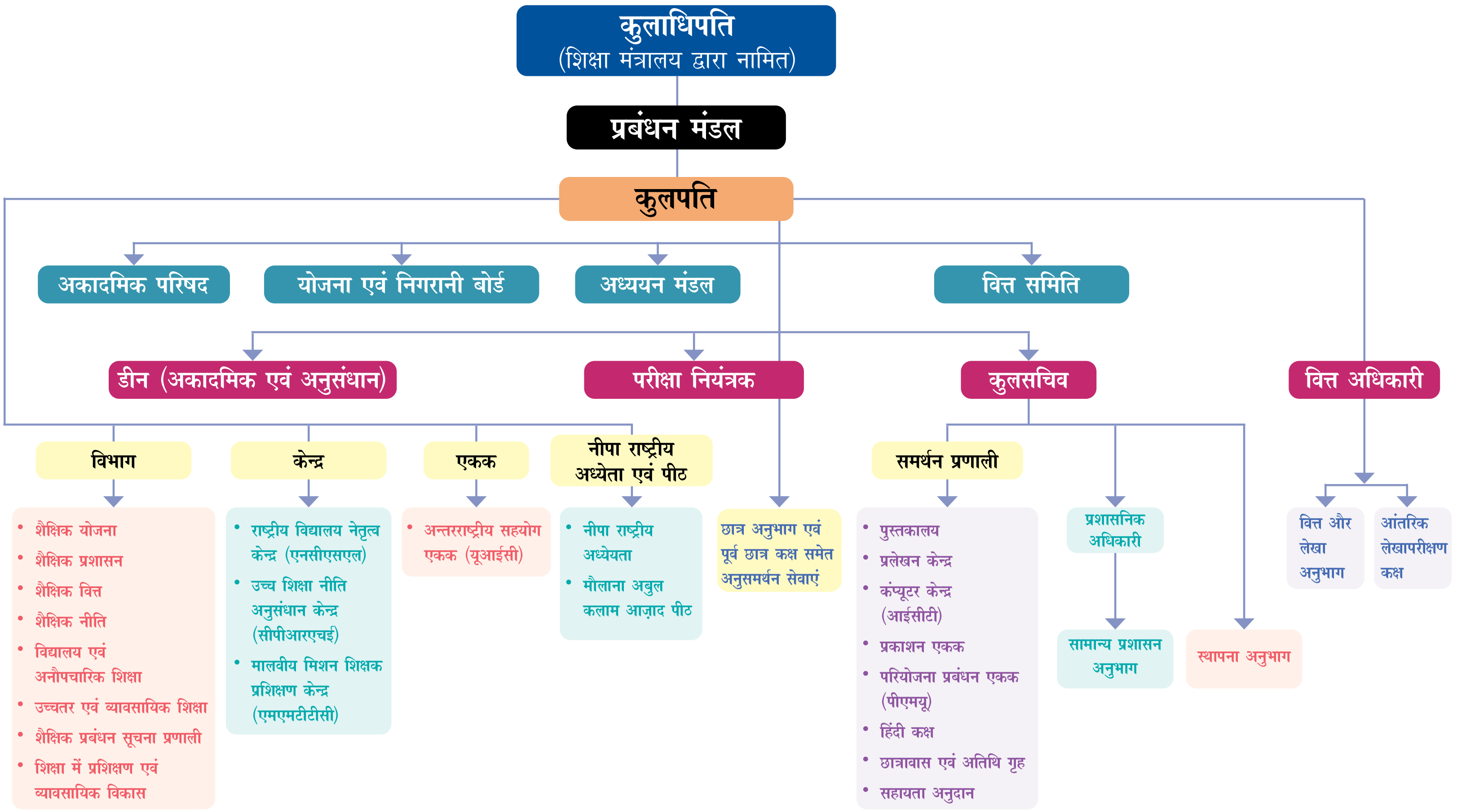

प्रशासन और वित्त

राष्ट्रीय संस्थान के प्रशासनिक ढांचे में तीन अनुभाग– स्थापना अनुभाग, सामान्य प्रशासन अनुभाग और छात्र अनुभाग शामिल हैं। कुलसचिव राष्ट्रीय संस्थान के प्रशासन के प्रभारी हैं। कुलसचिव नीपा प्रबंधन बोर्ड और अकादमिक परिषद् के सचिव भी हैं। कुलसचिव को प्रशासनिक कामकाज में प्रशासनिक अधिकारी और अनेक अनुभाग अधिकारी अनुसमर्थन प्रदान करते हैं।

कुलसचिव शैक्षणिक सहायता समर्थन एककों, जैसे– पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र तथा डिजीटल अभिलेखागार, कंप्यूटर केंद्र, प्रकाशन एकक और हिंदी कक्ष के कार्यकलापों के प्रति उत्तरदायी हैं।

वित्त अधिकारी वित्त और लेखा अनुभाग और आंतरिक लेखा परीक्षा कक्ष के प्रभारी हैं और अनुभाग अधिकारी (लेखा), रोकड़ और आंतरिक लेखा परीक्षक इनका अनुसमर्थन करते हैं।

कर्मचारियों की संख्या (2024–25)

31 मार्च, 2025 तक नीपा के कुल कर्मचारियों की संख्या 157 थी।

प्रतिवेदनाधीन वर्ष 2024–25 के दौरान संस्थान को एनईआर और गैर–एनईआर घटक सहित कुल 5014.58 (आवर्ती और गैर–आवर्ती मद) लाख रुपये का अनुदान मिला। वर्ष के आरंभ में संस्थान के पास प्रारंभिक जमा के रूप में 1802.32 लाख रुपये शेष थे। वर्ष के दौरान आंतरिक 207.87 लाख रुपए की राशि प्राप्ति हुई। वर्ष के दौरान व्यय 5897.29 लाख रुपये था।

संस्थान के पास 389.28 लाख रुपये शेष था और दूसरे संगठनों द्वारा प्रायोजित कार्यक्रमों/अध्ययनों की मद में इस वर्ष 2024–25 के दौरान 810.57 लाख रुपए की अतिरिक्त राशि प्राप्ति हुई। प्रायोजित कार्यक्रमों/ अध्ययनों पर वर्ष के दौरान कुल 593.59 लाख रुपये खर्च किए गए। *(परिशिष्ट–VII)*

परिसर और भवन आधारभूत सुविधा

राष्ट्रीय संस्थान के पास एक चार–मंजिला कार्यालय, सुसज्जित स्नानघरयुक्त 60 कमरों वाला एक सात मंजिला छात्रावास और एक आवास–क्षेत्र है। इस आवास क्षेत्र में टाइप–I के 16, टाइप–II से V तक के 8–8 क्वार्टर और एक कुलपति आवास हैं।

इसके अलावा, संस्थान के पास बिंदापुर, द्वारका में टाइप–III के 25 क्वार्टर हैं। संस्थान परिसर में सुसज्जित प्रशिक्षण हॉल, कंप्यूटर केंद्र, अंतरराष्ट्रीय डायनिंग हाल, जिम और क्लास रूम इत्यादि हैं।

संस्थान ने हाल ही में परिसर में अर्जित 2100 वर्ग मीटर के भूखंड में नया अकादमिक भवन के निर्माण के लिये अपेक्षित कदम उठाए हैं। इसके लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण के साथ लीज डीड निष्पादित की गई है और निर्माण कार्य प्रगति पर है।

2

अध्यापन और व्यावसायिक विकास कार्यक्रम

अध्यापन और व्यावसायिक विकास कार्यक्रम

पीएच.डी. और एमएईडी

पीएच.डी. एवं एमएईडी कार्यक्रम विभिन्न पृष्ठभूमि के विद्वानों की शोध क्षमता का निर्माण करने के लिए रूपांकित किए गए हैं, साथ ही शैक्षिक नीति, योजना, प्रशासन और वित्त के संबंधित क्षेत्रों में एक मजबूत ज्ञान और कौशल आधार प्रदान करते हैं।

शैक्षिक प्रशासन के लिए विद्वान तैयार करना

राष्ट्रीय संस्थान एक प्रदायक संस्थान है जो प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा के स्तरों पर शैक्षिक प्रशासन से संबंधित जरुरत के अनुसार शैक्षिक नीति, योजना और प्रशासन में विशेषज्ञता से युक्त मानव संसाधनों का विकास सूक्ष्म एवं व्यापक स्तर पर करता है। ऐसे विशेषज्ञों को एम.फिल.–पीएच.डी. डिग्री की ओर ले जाने वाले विभिन्न पाठ्यक्रमों में अन्तर विषयक दृष्टिकोण के माध्यम से तैयार किया जाता है ताकि वे शैक्षिक योजनाओं और प्रबंधन रणनीतियों को तैयार करने के कौशल से अच्छी तरह सुसज्जित हो सके।

वस्तुतः संस्थान की एम.फिल. (पूर्व में) और पीएच.डी. उपाधियाँ विशेष रूप से शैक्षिक नीति, योजना और प्रशासन पर केंद्रित हैं। इसके द्वारा संस्थान युवा शोधकर्त्ताओं को सशक्त और सक्षम बनाता है और शैक्षिक योजना और प्रशासन के क्षेत्र में उनकी आजीविका तैयार करता है। नीपा इसके माध्यम से शैक्षिक नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों की रूपरेखा, कार्यान्वयन और अनुश्रवण का अनुसमर्थन करने हेतु विशेषज्ञ और सक्षम मानव संसाधन के विकास में महत्वपूर्ण योगदान कर रहा है। पूर्व डाक्टोरल कार्यक्रमों का महत्व इसमें अंतर्निहित गतिशील और लचीले उपागम के द्वारा, यह शिक्षा और सामाजिक विकास के अन्य सहायक क्षेत्रों से जुड़कर नवाचारी बहुशास्त्रीय पाठ्यक्रमों का विस्तार करता है।

संस्थान द्वारा संचालित डाक्टोरल कार्यक्रम में शामिल हैं: (i) पीएच.डी. कार्यक्रम और (ii) अंशकालिक पीएच.डी. कार्यक्रम। ये कार्यक्रम वर्ष 2007–08 में आरंभ किए गए थे, जिसमें एकीकृत एम.फिल–पीएच.डी कार्यक्रम भी शामिल था। पीएच.डी. कार्यक्रम विभिन्न पृष्ठभूमि के शोधकर्मियों की शोध क्षमता के निर्माण के लिए रूपांकित किए गए हैं, जो शैक्षिक नीति, योजना, प्रशासन तथा वित्त के संबंधित क्षेत्रों में व्यापक ज्ञान और कौशल प्रदान करते हैं। इन कार्यक्रमों के अंतर्गत पूरे किए गए शोध अध्ययनों से अपेक्षा की जाती है कि ये नीति निर्माण, शिक्षा सुधार कार्यक्रमों तथा क्षमता विकास संबंधी गतिविधियों में महत्वपूर्ण योगदान देने के साथ–साथ ज्ञान आधार को समृद्ध करने में भारी योगदान करेंगे। एम.फिल. (पूर्व में) और पीएच.डी. कार्यक्रमों के अंतर्गत शोध के व्यापक क्षेत्रों में शैक्षिक नीति, शैक्षिक योजना, शैक्षिक प्रशासन, शैक्षिक वित्त, शैक्षिक प्रबंधन, सूचना प्रणाली, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, शिक्षा में समता और समावेशन, शिक्षा में लैंगिक मुद्दे, अल्पसंख्यक शिक्षा, तुलनात्मक शिक्षा और शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण शामिल हैं।

पीएच.डी कार्यक्रम की अवधि तीन (3) वर्ष की है, जिसमें पाठयक्रम कार्य भी शामिल है और पीएच.डी. कार्यक्रम में प्रवेश की तिथि से अधिकतम छह (6) वर्ष की अवधि है। अंशकालिक शोधार्थी के लिए पीएच.डी. कार्यक्रम की अवधि पाठयक्रम सहित पांच (5) वर्ष है और पीएच.डी कार्यक्रम में प्रवेश की तिथि से अधिकतम आठ (8) वर्ष है।

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर (एमएईडी)

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) में शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर (एमएईडी) कार्यक्रम बहुविषयक पृष्ठभूमि से आने वाले स्नातक छात्रों के लिए है। इस दो वर्षीय (चार सेमेस्टर) कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को अंतःविषयक, तुलनात्मक और अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य से विकास और शिक्षा की समझ हासिल करने में मदद करना तथा शिक्षा और विकास से संबंधित समकालीन चर्चाओं और मुद्दों की एक विस्तृत श्रृंखला पर आलोचनात्मक चिंतन करने में मदद करना है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को शैक्षिक विकास के मुद्दों और गतिविधियों का अनुभवजन्य विश्लेषण करने के लिए पर्याप्त समझ और कौशल से लैस करना है, तथा क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विकास के लिए वर्तमान शैक्षिक नीतियों, कार्यक्रमों और प्रथाओं की समीक्षा करना भी है।

यह कार्यक्रम स्नातकोत्तर छात्रों के लिए रोजगार और स्वरोजगार के विभिन्न अवसर प्रदान करता है। संभावनाओं में कई स्तरों (स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय) पर आर्थिक और सामाजिक विकास तथा शिक्षा और पारिस्थितिक स्थिरता पर केंद्रित विकास कार्यक्रमों और परियोजनाओं पर काम करना शामिल है। छात्र नीति विश्लेषक, नीति निर्माता और अभ्यासकर्ता के रूप में काम कर सकते हैं। अन्य संभावनाओं में बहुपक्षीय संगठनों, विकास एजेंसियों और गैर सरकारी संगठन क्षेत्र के साथ काम करना शामिल है। प्रतिभागी शिक्षण, अनुसंधान, नीति निर्माण, नीति मूल्यांकन, पत्रकारिता और प्रशासनिक और प्रबंधकीय पदों में पेशेवर आजीविका का विकल्प भी चुन सकते हैं।

व्यावसायिक विकास कार्यक्रम

विभिन्न श्रेणियों के शिक्षा कर्मियों के लिए व्यावसायिक विकास कार्यक्रम, जिनका उद्देश्य बेहतर शैक्षिक योजना और प्रशासन हेतु संस्थागत क्षमता को सुदृढ़ करना है, राष्ट्रीय संस्थान का एक प्रमुख कार्य बना हुआ है। वर्ष 2024–25 के दौरान, राष्ट्रीय संस्थान ने विभिन्न शिक्षा क्षेत्र विकास मुद्दों और शैक्षिक नीति, योजना एवं प्रशासन के विभिन्न पहलुओं से संबंधित 128 अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएँ, संगोष्ठियाँ, सम्मेलन और बैठकें आयोजित कीं। कार्यक्रमों में शामिल विषयों में विद्यालयों की योजना और प्रबंधन, उच्च शिक्षा की योजना और प्रबंधन, माध्यमिक स्तर पर विद्यालय प्रावधानों का मानचित्रण, शैक्षिक वित्त और विद्यालय नेतृत्व की योजना और प्रबंधन आदि शामिल थे। इन कार्यक्रमों के प्रतिभागी समूहों में जिला और राज्य स्तर के पदाधिकारी, शिक्षा निदेशक और अन्य राज्य स्तर के अधिकारी, राष्ट्रीय/राज्य/जिला स्तर के शैक्षिक संस्थानों के प्रमुख, विशेष श्रेणी के संस्थानों जैसे अल्पसंख्यक प्रबंधित शैक्षिक संस्थानों के प्रमुख, कुलपति, कुलसचिव और अन्य संस्थान प्राधिकारी, विश्वविद्यालय प्रधानाचार्य और महाविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों के वरिष्ठ

तालिका 2.1
2024–25 में प्रवेश पाने, अध्ययनरत और स्नातक करने वाले शोधार्थियों की कुल संख्या

	एम.फिल.	पीएच.डी. (पूर्णकालिक)	पीएच.डी. (अंशकालिक)	शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर (एमएईडी) कार्यक्रम	कुल
2024–25 के दौरान प्रवेशित विद्यार्थियों की संख्या	-	23	0	14	37
शैक्षणिक सत्र 2024–25 के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में अध्ययनरत शोधार्थियों की कुल संख्या	06	146	08	14	174
2024–25 के दौरान स्नातक होने वाले शोधार्थियों की कुल संख्या	06	13	01	0	20

प्रशासक, विश्वविद्यालयों और सामाजिक विज्ञान अनुसंधान संस्थानों के शुरुआती व्यवसायिक शिक्षक आदि शामिल थे। ये कार्यक्रम राष्ट्रीय संस्थान के विभिन्न विभागों/केंद्रों द्वारा आयोजित किए गए थे।

2024–25 के दौरान राष्ट्रीय संस्थान के विभिन्न विभागों/केंद्रों द्वारा समन्वित प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएं, सेमिनार, सम्मेलन आदि में निम्नलिखित शामिल हैं:

1. शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा)
2. शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा)
3. शैक्षिक प्रशासकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (आईपीईए)
4. नीपा के विभागों/केंद्रों द्वारा आयोजित अन्य कार्यशालाएँ/सेमिनार।
5. बाह्य स्त्रोत/अनुरोधित प्रशिक्षण कार्यक्रम 2024–25
6. सभी कार्यक्रमों में राज्य/संघ राज्य क्षेत्र–वार भागीदारी आँकड़े 2024–25
7. सभी कार्यक्रमों में देश–वार भागीदारी आँकड़े 2024–25

पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम के छः घटक हैं: (i) पाठ्यक्रम तैयारी कार्य (ii) आमने–सामने पाठ्यक्रम कार्य (iii) परियोजना कार्य (iv) परियोजना कार्य का मूल्यांकन और अंतरिम प्रमाण पत्र वितरण और (v) उन्नत पाठ्यक्रम कार्य और (vi) अंतिम मूल्यांकन और पीजी डिप्लोमा प्रमाण–पत्र वितरण।

शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा)

संस्थान शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में डिप्लोमा (डेपा) कार्यक्रम आयोजित कर रहा था। वर्ष 1982–83 के आरंभ से ही यह विभिन्न राज्यों/संघ क्षेत्रों के जिला शिक्षा अधिकारियों के लिए विशेष रूप से संरचित डिप्लोमा कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। आरम्भ में यह कार्यक्रम पूर्व–प्रवेश पाठ्यक्रम के रूप में संरचित किया गया था। यद्यपि वर्ष 2014–15 से इस कार्यक्रम में पाठ्यक्रम को संवर्धित करके इसमें परिवर्तन किया गया है और इसके डेपा मूलभूत कार्यक्रम के स्वरूप और घटकों में परिवर्तन कर पीजीडेपा (पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एजुकेशनल प्लानिंग एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन)–शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा में बदल दिया गया है। प्रतिभागियों के कार्य और भूमिकाओं तथा उनकी संस्थाओं जैसे एससीईआरटी/सीमेट/डाइट/डीईओ/बीईओ और राज्य सरकारों के शिक्षा निदेशालयों की जरूरतों को ध्यान

में रखते हुए इस कार्यक्रम को संबर्धित किया गया है। एक वर्षीय पीजीडेपा कार्यक्रम एक सघन दीर्घकालिक कार्यक्रम है जो कि देश में पेशेवर रूप से शैक्षिक प्रशासकों का संवर्ग का विकास सुनिश्चित करेगा। इसके निम्नलिखित उद्देश्य हैं:

- शैक्षिक योजना और प्रबंधन की मूलभूत अवधारणाओं से प्रतिभागियों को अवगत कराना।
- शैक्षिक प्रशासन के क्षेत्र में बेहतर निर्णय कार्य के लिए प्रतिभागियों में योजना और प्रबंधन कौशल के विकास हेतु सक्षम बनाना।
- प्रतिभागियों में शैक्षिक कार्यक्रमों और परियोजनाओं के पर्यवेक्षण और मूल्यांकन योग्यता का विकास करना।

पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम का निरूपण करते समय मूलतः इस बात का ध्यान दिया गया था कि प्रतिभागी को इस पाठ्यक्रम के लिए नीपा में तीन माह से अधिक अवधि के लिए प्रवास न करना पड़े और वह अपने कार्य स्थल पर पाठ्यक्रम का अध्ययन कर सके। इसके अनुसार इसे 12 महीने के स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम में रूपातंरित किया गया है। अनेक शिक्षा विभाग इस पाठ्यक्रम हेतु अपने अधिकारियों को लंबी अवधि के लिए प्रतिनियुक्त नहीं कर सकते हैं इसलिए इस तरह से योजना बनाई गई है कि फेस–टू–फेस और आवासीय पाठ्यक्रम कार्य हेतु प्रतिभागियों को एक खंड में 3 महीने से अधिक अवधि के लिए प्रवास न करना पड़े। इसमें प्रतिभगियों के कार्यस्थल पर एक प्रारम्भिक चरण, नीपा में फेस–टू–फेस पाठ्यक्रम कार्य, कार्यस्थल पर परियोजना कार्य, मुक्त और दूरवर्ती अधिगम प्रणाली के माध्यम से उन्नत पाठ्यक्रम का संचालन और नीपा में संगोष्ठी सहित कार्यशाला शामिल है।

दसवां स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम अगस्त 2023 से जुलाई 2024 के दौरान आयोजित किया गया। जिसमें 10 राज्यों/संघ प्रदेशों/संगठनों के 16 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इस डिप्लोमा कार्यक्रम का आयोजन एवं समन्वय शिक्षा में प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक विकास विभाग द्वारा किया गया।

शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा)

राष्ट्रीय संस्थान 1985 से विकासशील देशों के पेशेवरों के लिए शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में 6 माह का अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम के विद्यार्थी एशिया, अफ्रीका, मध्य एशियाई गणराज्यों, दक्षिणी अमरीका और कैरिबियाई क्षेत्रों के देशों से आते हें। इस कार्यक्रम के तीन घटक हैं– (i) सघन पाठ्यचर्चा कार्यक्रम; (ii)

तालिका 2.2:

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा) – राज्य/केंद्र शासित प्रदेश भागीदारी

राज्य/केंद्र शासित प्रदेश	10वां पीजीडेपा प्रतिभागियों की संख्या	11वां पीजीडेपा	कुल प्रतिभागियों की संख्या
अरुणाचल प्रदेश	3	आयोजित नहीं किया जा सका (सक्षम प्राधिकारी द्वारा पीजीडेपा कार्यक्रम को संशोधित करने और पुनः समीक्षा करने की सलाह दी गई थी)	3
कर्नाटक	1		1
केरल	2		2
लद्दाख	1		1
महाराष्ट्र	1		1
पंजाब	1		1
तेलंगाना	1		1
तमिलनाडु	1		1
उत्तराखंड	4		4
उत्तर प्रदेश	1		1
कुल	**16**		**16**

अनुप्रयुक्त कार्य और (iii) शोध प्रबंधन। आईडेपा की अवधि छः माह है और यह दो चरणों में पूरा किया जाता है। पहले चरण में तीन माह का सघन पाठ्यचर्या है जो नीपा, नई दिल्ली में आयोजित की जाती है। यह चरण आवासीय है और प्रतिभागियों से अपेक्षा की जाती है कि वे इस चरण के दौरान परिसर में निवास करें। दूसरे चरण में प्रतिभागी को स्वदेश में ही राष्ट्रीय संस्थान के संकाय सदस्य के मार्गदर्शन में क्षेत्र आधारित शोध परियोजना अध्ययन करना होता है।

आईडेपा कार्यक्रम में सिद्धान्त और व्यवहार के बीच संतुलन बनाने की कोशिश के साथ गहन पाठ्यचर्या शामिल है। एजेंडा के व्यापक रूप में व्याख्यान और समूह कार्य, व्यावहारिक अभ्यास, शैक्षिक और सांस्कृतिक क्षेत्र के दौरे और शैक्षिक विकास नीति, नियोजन, प्रबंधन, प्रशासन, पर्यवेक्षण और नेतृत्व के एक चुने हुए पहलू पर एक शोध परियोजना शामिल है जिसमें क्षेत्र को अपनाना शामिल है और अंतर–अनुशासनिक दृष्टिकोण सिद्धान्त और व्यवहार को जोड़ने के लिए लागू किए गए काम में (i) देश और विषयगत संगोष्ठी आलेख प्रस्तुतियाँ (ii) क्षेत्रों का दौरा कार्यक्रम शामिल है, जिसमें भारत में विभिन्न शैक्षिक नवाचारों की योजना और उनका प्रबंधन किया जा रहा है और (iii) एक क्षेत्र अनुसंधान परियोजना के लिए अनुसंधान की रूपरेखा तैयार करना सम्मिलित है।

कार्यक्रम का दूसरा चरण प्रतिभागियों के स्वदेश में ही आयोजित होता है। इसमें प्रत्येक प्रतिभागी को प्रथम चरण के दौरान निर्धारित क्षेत्र कार्य आधारित शोध परियोजना पर कार्य करना पड़ता है। शोध परियोजना कार्य (तीन माह की अवधि) में पूरा करने के बाद प्रतिभागी को अपना लघुशोध प्रबंध राष्ट्रीय संस्थान को प्रस्तुत करना पड़ता है। लघु शोध प्रबंध की प्राप्ति और तदुपरांत राष्ट्रीय संस्थान के संकाय द्वारा उसके मूल्यांकन के बाद प्रतिभागी को डिप्लोमा की उपाधि प्रदान की जाती है।

38वां अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन डिप्लोमा (आईडेपा) 1 फरवरी 2025 से आयोजित किया गया और यह 30 अप्रैल 2025 में पूरा हुआ और 13 देशों के 27 प्रतिभागियों ने सफलतापूर्वक कार्यक्रम पूरा किया।

शैक्षिक प्रशासकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (आई.पी.ई.ए)

शैक्षिक प्रशासकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (आईपीईए) शैक्षिक योजनाकारों और प्रशासकों के लिए एक अल्पकालिक कार्यक्रम है, जिसकी संकल्पना उनके कार्यभार और दीर्घकालिक कार्यक्रम में भाग लेने की बाधाओं को ध्यान में रखते हुए की गई है। यह कार्यक्रम शैक्षिक अधिकारियों को शिक्षा जगत में शैक्षिक योजना और प्रबंधन के क्षेत्र में हो रहे नवीनतम विकास से अवगत रहने के साथ–साथ अन्य भागीदार देशों के साथ सूचना और अनुभव साझा करने तथा कार्यान्वित किए गए और सफल रहे नवाचारों और परिवर्तनों को अपनाने की संभावनाओं का पता लगाने में सक्षम बनाता है।

दूसरा अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम–शैक्षिक प्रशासकों के लिए 6वां अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (आईपीईए) 06–24 जनवरी, 2025 तक आयोजित किया गया था और 13 देशों के 30 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया।

आईडेपा और आईपीईए कार्यक्रमों का आयोजन और समन्वय शिक्षा में प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक विकास विभाग द्वारा किया गया था।

तालिका 2.3

शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा) – देशवार भागीदारी

38वां आईडेपा (2025)		
क्र.सं.	देश	प्रतिभागियों की संख्या
1.	बांग्लादेश	2
2.	भूटान	3
3.	बुरूंडी	1
4.	बुर्किना फासो	1
5.	कोटे डी आइवर	1
6.	इथियोपिया	1
7.	घाना	4
8.	नाइजीरिया	1
9.	श्रीलंका	2
10.	तंजानिया	6
11.	ताजिकिस्तान	1
12.	वेनेजुएला	1
13.	जाम्बिया	3
	कुल (13 देश)	**27**

तालिका 2.4

शैक्षिक प्रशासकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (आईपीईए) – देशवार भागीदारी

6वां आईपीईए (2025)		
क्र.सं.	देश	प्रतिभागियों की संख्या
1.	भूटान	7
2.	कंबोडिया	1
3.	घाना	3
4.	कज़ाकिस्तान	2
5.	म्यांमार	2
6.	नेपाल	1
7.	निकारागुआ	1
8.	श्रीलंका	3
9.	दक्षिण सूडान	1
10.	तंजानिया	4
11.	ताजिकिस्तान	1
12.	उजबेकिस्तान	3
13.	वियतनाम	1
	कुल (13 देश)	**30**

नीपा के विभागों/केंद्रों द्वारा आयोजित अन्य कार्यशालाएं/संगोष्ठियां

शैक्षिक योजना विभाग

- 24–28 जून, 2024 को विद्यालयी शिक्षा में परिणाम आधारित जिला नियोजन पर चुनिंदा मॉड्यूल साझा करने पर उत्तरी क्षेत्रीय कार्यशाला, रायपुर, छत्तीसगढ़।
- 29 जुलाई–3 अगस्त, 2024 तक विद्यालयी शिक्षा में परिणाम आधारित जिला नियोजन पर चुनिंदा मॉड्यूल साझा करने पर दक्षिणी क्षेत्रीय कार्यशाला, तिरुवनंतपुरम, केरल।
- 9–13 सितंबर, 2024 तक बड़े पैमाने पर सर्वेक्षण आंकड़े के विश्लेषण के लिए अर्थमितीय और सांख्यिकीय उपकरणों और तकनीकों पर केंद्रित अनुसंधान पद्धति पर क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, गुवाहाटी, असम।
- 4–8 नवंबर, 2024 तक विद्यालयी शिक्षा में परिणाम आधारित जिला नियोजन पर चुनिंदा मॉड्यूल साझा करने पर पूर्वोत्तर क्षेत्रीय कार्यशाला, होटल ओब्सीडियन ब्लू, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश।

शैक्षिक प्रशासन विभाग

- अप्रैल 2024 – मार्च 2025 तक शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार योजना का कार्यान्वयन, नीपा, नई दिल्ली।
- 23–29 अगस्त, 2024 को नालसर हैदराबाद के सहयोग से विधि शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर क्षमता विकास कार्यक्रम, नालसर परिसर, हैदराबाद में आयोजित किया गया।
- 3–4 सितंबर, 2024 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन हेतु शैक्षणिक प्रशासकों और महाविद्यालयों के प्राचार्यों के लिए क्षमता विकास कार्यक्रम, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, ओडिशा।
- 25–26 नवंबर, 2024 को नीपा और ऑस्ट्रेलियाई नवोन्मेषी अनुसंधान विश्वविद्यालय नेटवर्क सहयोग कार्यशाला, नीपा, नई दिल्ली।

- 9–13 दिसंबर, 2024 को ''विश्वविद्यालयों के लैंगिक संवेदनशीलता प्रकोष्ठ और आंतरिक शिकायत समितियों'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला, नीपा, नई दिल्ली।
- 19–21 फरवरी, 2025 को ''पूर्वोत्तर राज्यों के लिए विद्यालयी शिक्षा में शासन सुधार'' पर कार्यशाला, नीपा, नई दिल्ली।

शैक्षिक वित्त विभाग

- 19–20 दिसंबर, 2024 को ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में उच्च शिक्षा संस्थानों में लैंगिक बजट और वित्तीय संसाधन जुटाना'' पर कार्यशाला, त्रिपुरा विश्वविद्यालय।

शैक्षिक नीति विभाग

- 3–5 जुलाई, 2024 तक आरटीई के तहत वंचित और कमजोर लोगों की शिक्षा: नीतिगत मुद्दे और कार्यक्रम हस्तक्षेप'' पर अभिविन्यास कार्यशाला (ऑनलाइन मोड), नीपा, नई दिल्ली।

- 21–25 अक्टूबर, 2024 को पूर्वोत्तर राज्यों में प्रारंभिक शिक्षा के प्रबंधन में संविधान की छठी अनुसूची के अंतर्गत स्थानीय प्राधिकरण और स्वायत्त जिला परिषदों की कार्यप्रणाली पर अभिविन्यास कार्यशाला, गुवाहाटी, (क्षेत्र आधारित)।
- 16–17 दिसंबर, 2024 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत स्वदेशी/भारतीय ज्ञान प्रणालियाँ: संभावनाएँ, चुनौतियाँ और मार्ग' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी/सम्मेलन, नीपा, नई दिल्ली।

विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग

- 24–28 जून, 2024 तक 'भारत में विद्यालयों में सुधार और बच्चों की विद्यालयों में भागीदारी के लिए अनुसंधान और नीति नियोजन' पर कार्यशाला, नीपा, नई दिल्ली।
- 12–13 सितंबर, 2024 को 'एनसीटीई के सहयोग से शिक्षक शिक्षा में परिवर्तन और शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन' पर परामर्श कार्यशाला, आईएनएसए, नई दिल्ली।
- 23–24 सितंबर, 2024 को 'भारत में गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा के लिए शासन, प्रबंधन और नेतृत्व: अनुभव और सीख' पर शोध परियोजना: उपकरण को अंतिम रूप देने के लिए परामर्श कार्यशाला, नीपा, नई दिल्ली।
- 21–25 अक्टूबर, 2024 तक टीईआईएस में विघटनकारी डिजिटल प्रौद्योगिकियों के एकीकरण हेतु क्षमता निर्माण कार्यक्रम, नीपा, नई दिल्ली।
- 4–8 नवंबर, 2024 तक विद्यालयी शिक्षा में सार्वजनिक नीतियों के निर्माण में संकेतकों के उपयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, नीपा, नई दिल्ली।
- 14–15 नवंबर, 2024 को 'गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा (ईसीई): वैश्विक प्रभाव के लिए स्थानीय कार्रवाई' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली।
- 27–28 फरवरी, 2025 को 'दक्षिणी क्षेत्र में शिक्षक शिक्षा में परिवर्तन हेतु राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन' पर क्षेत्रीय परामर्श कार्यशाला, पुडुचेरी विश्वविद्यालय।

उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग

- 2–4 दिसंबर, 2024 तक विश्वविद्यालयों के संकायाध्यक्षों/विभागाध्यक्षों की नेतृत्व विकास कार्यशाला, नीपा, नई दिल्ली।
- 3–7 फरवरी, 2025 तक "कॉलेज प्राचार्यों के लिए नेतृत्व विकास" पर राष्ट्रीय कार्यशाला, नीपा, नई दिल्ली।
- 18–19 मार्च, 2025 तक "उच्च शिक्षा में 21वीं सदी का नेतृत्व" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, नीपा, नई दिल्ली।

बुद्धिमत्ता (एआई), संवादात्मक ई–सामग्री और उन्नत प्रौद्योगिकियों का एकीकरण), नीपा, नई दिल्ली।

शिक्षा में प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक विकास विभाग

- 6–10 मई, 2024 तक (ऑनलाइन मोड) शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (X पीजीडेपा) – चरण IV, नीपा, नई दिल्ली।
- 13–17 मई, 2024 तक (ऑनलाइन मोड) शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (X पीजीडेपा) – चरण V (ए), नीपा, नई दिल्ली।
- 18 मई–30 जून, 2024 तक (कार्यस्थल पर) शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (X पीजीडेपा) – चरण V (बी)।
- 1–5 जुलाई, 2024 तक (ऑनलाइन मोड) शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (X पीजीडेपा) – चरण VI, नीपा, नई दिल्ली।
- 6–24 जनवरी, 2025 तक शैक्षिक प्रशासकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (VI आईपीईए) (आईटीईसी/एमईए, भारत सरकार के सहयोग से), नीपा, नई दिल्ली।
- 1 फरवरी–30 अप्रैल, 2025 तक शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (XXXVIII आईडेपा), नीपा, नई दिल्ली।

आईसीटी विभाग

- 1–5 अप्रैल, 2024 तक (ऑनलाइन मोड) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और शिक्षा 4.0 पर व्यावसायिक विकास कार्यक्रम (ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में कृत्रिम उत्पादक बुद्धिमत्ता (एआई), संवादात्मक ई–सामग्री और उन्नत प्रौद्योगिकियों का एकीकरण), नीपा, नई दिल्ली।
- 6–10 मई, 2024 तक (ऑनलाइन मोड) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और शिक्षा 4.0 पर व्यावसायिक विकास कार्यक्रम (ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में कृत्रिम उत्पादक बुद्धिमत्ता (एआई), संवादात्मक ई–सामग्री और उन्नत प्रौद्योगिकियों का एकीकरण), नीपा, नई दिल्ली।
- 13–17 मई, 2024 तक (ऑनलाइन मोड) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और शिक्षा 4.0 पर व्यावसायिक विकास कार्यक्रम (ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में कृत्रिम उत्पादक बुद्धिमत्ता (एआई), संवादात्मक ई–सामग्री और उन्नत प्रौद्योगिकियों का एकीकरण), नीपा, नई दिल्ली।

- 20–24 मई, 2024 तक (ऑनलाइन मोड) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और शिक्षा 4.0 पर व्यावसायिक विकास कार्यक्रम (ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में कृत्रिम उत्पादक बुद्धिमत्ता (एआई), संवादात्मक ई–सामग्री और उन्नत प्रौद्योगिकियों का एकीकरण), नीपा, नई दिल्ली।
- 27–31 मई, 2024 तक (ऑनलाइन मोड) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और शिक्षा 4.0 पर व्यावसायिक विकास कार्यक्रम (ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में कृत्रिम उत्पादक बुद्धिमत्ता (एआई), संवादात्मक ई–सामग्री और उन्नत प्रौद्योगिकियों का एकीकरण)ए, नीपा, नई दिल्ली।
- 9–11 दिसंबर, 2024 तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और शिक्षा 4.0 पर व्यावसायिक विकास कार्यक्रम (ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में कृत्रिम उत्पादक बुद्धिमत्ता (एआई), संवादात्मक ई–सामग्री और उन्नत प्रौद्योगिकियों का एकीकरण), गुवाहाटी विश्वविद्यालय।
- 27–30 जनवरी, 2025 तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और शिक्षा 4.0 पर व्यावसायिक विकास कार्यक्रम (ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में कृत्रिम उत्पादक बुद्धिमत्ता (एआई), संवादात्मक ई–सामग्री और उन्नत प्रौद्योगिकियों का एकीकरण)ए गुवाहाटी विश्वविद्यालय।

राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र

आयोजित गतिविधियों की सूची

राष्ट्रीय घटक

- 5 से 7 जून 2024 तक 'सरकारी विद्यालयों में कौशल–आधारित और व्यावसायिक शिक्षा के कार्यान्वयन के लिए नेतृत्व' पर सामग्री विकास कार्यशाला।
- 22–24 जुलाई 2024 तक 'विद्यालय शिक्षा में सुशासन पर शोध अध्ययनः संभावनाएं और नवीन अभ्यास' पर राष्ट्रीय कार्यशाला।
- 18–21 सितंबर 2024 तक जवाहर नवोदय विद्यालय (बैच I) के 'विद्यालय नेतृत्वकर्ताओं के लिए छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक–भावनात्मक कल्याण' पर क्षमता विकास कार्यशाला।
- 7–10 अक्टूबर, 2024 तक जवाहर नवोदय विद्यालय (बैच II) के 'विद्यालय प्रधानाचार्यों के लिए छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक–भावनात्मक कल्याण' पर क्षमता विकास कार्यशाला।
- 17–19 अक्टूबर, 2024 तक 'विद्यालय प्रधानाचार्यों के लिए सतत व्यावसायिक विकास' पर दिशानिर्देश विकसित करने हेतु परामर्श बैठक।
- 5–8 नवंबर, 2024 तक 'सरकारी विद्यालयों में समानता, विविधता और समावेशन' हेतु नेतृत्व पर कार्यशाला।
- 5 दिसंबर 2024 को 'पीजीडीएसएलएम के लिए सामग्री विकास' हेतु ऑनलाइन बैठक।
- 17–20 दिसंबर 2024 तक 'सरकारी विद्यालयों में छात्र दक्षता बढ़ाने के लिए शैक्षणिक नेतृत्व' पर सामग्री विकास कार्यशाला।
- 8–10 जनवरी 2025 तक 'सफल विद्यालय नेतृत्व 2025 पर राष्ट्रीय सम्मेलनः परिवर्तन और नवाचार' के उदाहरण।
- 29–31 जनवरी 2025 तक 'विद्यालय नेतृत्व अकादमियों के साथ राष्ट्रीय समीक्षा और योजना कार्यशाला'।
- 27 फरवरी, 2025 को 'राष्ट्रीय सलाहकार समूह' की बैठक।
- 1 मई 2024 – 31 मार्च, 2025 तक 'पी.एम.ई–विद्या चैनल नंबर 6, 9 और 12 पर विद्यालय नेतृत्व विकास' पर लाइव स्ट्रीमिंग सत्र।
- नवंबर–दिसंबर, 2024 तक अनुसंधान और परियोजना क्षेत्र भ्रमण – विद्यालय शिक्षा में सुशासन पर शोध अध्ययन।

राज्य घटक

राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के कार्यक्रम, बैठकें और अनुरोध सत्र

- 14 मई, 2024 को प्रशासनिक अकादमी, रायपुर, छत्तीसगढ़ में शैक्षिक प्रशासकों के लिए विद्यालय शिक्षा में पहल पर व्याख्यान सह संवादात्मक सत्र।
- 22 मई, 2024 को जीसीईआरटी, गुजरात में विद्यालय नेतृत्व अकादमी के साथ बैठक।
- 29 मई 2024 को सीमेट, मध्य प्रदेश के साथ बैठक।
- 19 जून 2024 को उत्तर प्रदेश में विद्यालय नेतृत्व अकादमी के निदेशक और नोडल व्यक्ति के साथ बैठक।
- 27 सितंबर 2024 को एक दिवसीय गहन कार्यक्रम में विद्यालय नेतृत्व अकादमी, झारखंड को शैक्षणिक सहायता।
- 3 अक्टूबर, 2024 को वर्ष 2024–2025 के लिए विद्यालय नेतृत्व विकास पर राष्ट्रीय कार्यक्रम के दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन पर ऑनलाइन बैठक।
- 4 अक्टूबर, 2024 को वर्ष 2024–2025 के लिए विद्यालय नेतृत्व विकास पर राष्ट्रीय कार्यक्रम के दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन पर ऑनलाइन बैठक।
- 16 अक्टूबर, 2024 को वर्ष 2024–2025 के लिए विद्यालय नेतृत्व विकास पर राष्ट्रीय कार्यक्रम के दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन पर ऑनलाइन बैठक, सीमेट, उत्तराखंड में।
- 20 से 22 नवंबर, 2024 तक सीमेट, उत्तराखंड में इंटर एसएलए सेमिनार।
- 21–22 नवंबर, 2024 तक समग्र शिक्षा एवं हिपा, हिमाचल प्रदेश द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर कार्यशाला आयोजित की गई।
- 18–22 दिसंबर 2024 तक माध्यमिक शिक्षा के लिए राज्य संसाधन समूह के नेतृत्व विकास पर क्षमता निर्माण कार्यशाला, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (बैच I)।
- 15–19 जनवरी 2025 तक माध्यमिक शिक्षा के लिए राज्य संसाधन समूह के नेतृत्व विकास पर क्षमता निर्माण कार्यशाला, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (बैच II)।

- 17–19 जनवरी 2025 तक विद्यालय नेतृत्व पर राष्ट्रीय संगोष्ठीः एसएलए झारखंड द्वारा बहु भूमिकाएं और जिम्मेदारियां।
- 19 फरवरी 2025 को विद्यालय नेतृत्व अकादमी, उत्तराखंड में ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों के नए शामिल बैच के लिए प्रेरण कार्यक्रम।
- 26 जून, 2024 को राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान द्वारा लखनऊ में शैक्षिक अधिकारियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम (बैच I, आमने–सामने) आयोजित किया।
- 12 दिसंबर, 2024 को राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र–नीपा की समग्र शिक्षा, मध्य प्रदेश के साथ बैठक।

शोध एवं परियोजना क्षेत्र भ्रमण – विद्यालय शिक्षा में सुशासन पर शोध अध्ययन

- 8–12 दिसंबर, 2024 तक जम्मू और कश्मीर में विद्यालयी शिक्षा में सुशासन पर शोध अध्ययन के लिए क्षेत्रीय आँकड़े संग्रह।
- 8–12 दिसंबर, 2024 तक गुजरात में विद्यालयी शिक्षा में सुशासन पर शोध अध्ययन के लिए क्षेत्रीय आँकड़े संग्रह।
- 8–14 दिसंबर, 2024 तक तमिलनाडु में विद्यालयी शिक्षा में सुशासन पर शोध अध्ययन के लिए क्षेत्रीय आँकड़े संग्रह।
- 5–12 नवंबर, 2024 तक मिजोरम में विद्यालयी शिक्षा में सुशासन पर शोध अध्ययन के लिए क्षेत्रीय आँकड़े संग्रह।
- 18–24 दिसंबर, 2024 तक कर्नाटक में विद्यालयी शिक्षा में सुशासन पर शोध अध्ययन हेतु क्षेत्रीय आँकड़े एकत्रित करना।

- 10–12 दिसंबर, 2024 तक बिहार में विद्यालयी शिक्षा में सुशासन पर शोध अध्ययन हेतु क्षेत्रीय आँकड़े एकत्रित करना।
- 9–14 दिसंबर, 2024 तक मध्य प्रदेश में विद्यालयी शिक्षा में सुशासन पर शोध अध्ययन हेतु क्षेत्रीय आँकड़े एकत्रित करना।
- 5–14 नवंबर, 2024 तक असम में विद्यालयी शिक्षा में सुशासन पर शोध अध्ययन हेतु क्षेत्रीय आँकड़े एकत्रित करना।

राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र का विद्यालय नेतृत्व अकादमियों के साथ अंतरापृष्ठीय और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से अनुरोध कार्यक्रम

- 20 से 22 नवंबर, 2024 तक सीमेट, उत्तराखंड में इंटर एसएलए सेमिनार।
- 21–22 नवंबर, 2024 को समग्र शिक्षा एवं हिपा, हिमाचल प्रदेश द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर कार्यशाला आयोजित की गई।
- 15–19 जनवरी, 2025 को लखनऊ, उत्तर प्रदेश में शैक्षिक प्रशासकों (माध्यमिक/वरिष्ठ माध्यमिक) के प्रशिक्षण के लिए कार्यशाला (बैच II)।
- 24 जनवरी, 2025 को मध्य प्रदेश के विद्यालय प्रधानाचार्यों के लिए विद्यालय नेतृत्व और प्रबंधन कार्यक्रम में पंजीकरण के लिए अभिविन्यास पर ऑनलाइन सत्र।
- 14 मई, 2024 को प्रशासनिक अकादमी, रायपुर, छत्तीसगढ़ में शैक्षिक प्रशासकों के लिए निष्ठा पर व्याख्यान सह संवादात्मक सत्र।
- 22 मई, 2024 को जीसीईआरटी, गुजरात में विद्यालय नेतृत्व अकादमी के साथ बैठक।
- 29 मई 2024 को सीमेट, मध्य प्रदेश के साथ बैठक।
- 26 जून, 2024 को लखनऊ में शैक्षिक अधिकारियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम (बैच I)।
- 03 अक्टूबर, 2024 को वर्ष 2024–2025 के लिए विद्यालय नेतृत्व विकास पर राष्ट्रीय कार्यक्रम के दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन पर ऑनलाइन बैठक।
- 04 अक्टूबर, 2024 को वर्ष 2024–2025 के लिए विद्यालय नेतृत्व विकास पर राष्ट्रीय कार्यक्रम के दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन पर ऑनलाइन बैठक।

- 16 अक्टूबर, 2024 को वर्ष 2024–2025 के लिए विद्यालय नेतृत्व विकास पर राष्ट्रीय कार्यक्रम के दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन पर ऑनलाइन बैठक, सीमेट, उत्तराखंड में।
- 31 दिसंबर, 2024 को एसएलए एससीईआरटी–टीजी, विद्यालयों में अधिगम के लिए शैक्षणिक नेतृत्व पर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यालय प्रधानाचार्यों के लिए 5 दिवसीय अभिविन्यास।
- 27 सितंबर, 2024 को जेसीईआरटी, रांची, झारखंड में विद्यालय नेतृत्व अकादमी की कोर कमेटी की बैठक।

पीएमश्री (उभरते भारत के लिए प्रधानमंत्री के विद्यालय) – विद्यालय नेतृत्व पर क्षमता विकास

- 7 मई, 2024 को प्रधानमंत्री के उभरते भारत के विद्यालयों (पीएमश्री) के लिए विद्यालय नेतृत्व विकास पर अभिविन्यास, देहरादून, उत्तराखंड में।
- 11 मई, 2024 को जयपुर, राजस्थान में प्रधानमंत्री के उभरते भारत के विद्यालयों (पीएमश्री) के लिए विद्यालय नेतृत्व विकास पर अभिविन्यास।
- 14 मई, 2024 को प्रधानमंत्री के उभरते भारत के विद्यालयों के लिए विद्यालय नेतृत्व विकास पर अभिविन्यास (पीएमश्री), रायपुर, छत्तीसगढ़ में कार्यशाला।
- 21 मई, 2024 को हैदराबाद, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में प्रधानमंत्री के उभरते भारत विद्यालयों (पीएमश्री) के लिए विद्यालय नेतृत्व विकास पर अभिविन्यास।
- 22–23 मई, 2024 तक गांधीनगर, गुजरात में प्रधानमंत्री के उभरते भारत विद्यालयों (पीएमश्री) के लिए विद्यालय नेतृत्व विकास पर अभिविन्यास।
- 29–30 मई, 2024 तक भोपाल, मध्य प्रदेश में प्रधानमंत्री के उभरते भारत विद्यालयों (पीएमश्री) के लिए विद्यालय नेतृत्व विकास पर अभिविन्यास।
- 6–8 जून, 2024 तक रांची, झारखंड में प्रधानमंत्री के उभरते भारत विद्यालयों (पीएमश्री) के लिए विद्यालय नेतृत्व विकास पर अभिविन्यास।
- 10–11 जून, 2024 तक श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर में प्रधानमंत्री के उभरते भारत विद्यालयों (पीएमश्री) के लिए विद्यालय नेतृत्व विकास पर अभिविन्यास।
- 13 जून, 2024 को नई दिल्ली में केंद्र विद्यालय संगठन और नवोदय विद्यालय संगठन के लिए प्रधानमंत्री के उभरते भारत विद्यालयों (पीएमश्री) के लिए विद्यालय नेतृत्व विकास पर अभिविन्यास।
- 13–15 जून, 2024 तक मैसूर, कर्नाटक में प्रधानमंत्री के उभरते भारत विद्यालयों (पीएमश्री) के लिए विद्यालय नेतृत्व विकास पर अभिविन्यास।
- 17–18 जून, 2024 तक लखनऊ, उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री के उभरते भारत विद्यालयों (पीएमश्री) के लिए विद्यालय नेतृत्व विकास पर अभिविन्यास।
- 20–22 जून, 2024 तक शिमला, हिमाचल प्रदेश में प्रधानमंत्री के उभरते भारत विद्यालयों (पीएमश्री) के लिए विद्यालय नेतृत्व विकास पर अभिविन्यास।
- 24–25 जून, 2024 तक मुंबई, महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री के उभरते भारत विद्यालयों (पीएमश्री) के लिए विद्यालय नेतृत्व विकास पर अभिविन्यास।
- 27–29 जून, 2024 तक गुरुग्राम, हरियाणा में प्रधानमंत्री के उभरते भारत विद्यालयों (पीएमश्री) के लिए विद्यालय नेतृत्व विकास पर अभिविन्यास।
- 1–2 जुलाई, 2024 तक गुवाहाटी, असम और मेघालय में प्रधानमंत्री के उभरते भारत विद्यालयों (पीएमश्री) के लिए विद्यालय नेतृत्व विकास पर अभिविन्यास।

केंद्रीय विद्यालयों के नव पदोन्नत/नियुक्त प्रधानाचार्यों के लिए विद्यालय नेतृत्व विकास पर प्रेरण कार्यक्रम

- केंद्रीय विद्यालय संगठन ने अपने नवनियुक्त प्रधानाचार्यों के प्रेरण कार्यक्रमों के लिए राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र, नीपा के साथ सहयोग किया। ये कार्यक्रम 3 से 10 जून 2024 तक भुवनेश्वर, चंडीगढ़, ग्वालियर, मैसूर और मुंबई स्थित विभिन्न ज़ेडआईईटी में आयोजित किए गए। राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केन्द्र के संकाय ने इन सत्रों के दौरान लगभग 382 विद्यालय प्रधानाचार्यों की क्षमता का विकास किया।
- 3 जून, 2024 को केंद्रीय विद्यालय के नव–पदोन्नत/नियुक्त प्रधानाचार्यों का ज़ेडआईईटी, भुवनेश्वर (बैच I) में विद्यालय नेतृत्व विकास पर प्रेरण कार्यक्रम, केंद्रीय विद्यालय संगठन द्वारा (ऑनलाइन मोड में)।
- 10 जून, 2024 को केंद्रीय विद्यालय के नव–पदोन्नत/नियुक्त प्रधानाचार्यों का ज़ेडआईईटी, भुवनेश्वर (बैच

II) में विद्यालय नेतृत्व विकास पर प्रेरण कार्यक्रम, केंद्रीय विद्यालय संगठन द्वारा (ऑनलाइन मोड में)।

- 11 जून, 2024 को केंद्रीय विद्यालय के नव–पदोन्नत/नियुक्त प्रधानाचार्यों का ज़ेडआईईटी, ग्वालियर (बैच II) में विद्यालय नेतृत्व विकास पर प्रेरण कार्यक्रम, केंद्रीय विद्यालय संगठन द्वारा (ऑनलाइन मोड में)।
- 13 जून, 2024 को केंद्रीय विद्यालय के नव–पदोन्नत/नियुक्त प्रधानाचार्यों का विद्यालय नेतृत्व विकास पर केंद्रीय विद्यालय संगठन द्वारा ज़ेडआईईटी, मैसूर में प्रेरण कार्यक्रम (आमने–सामने)।
- 13 जून, 2024 को केंद्रीय विद्यालय के नव–पदोन्नत/नियुक्त प्रधानाचार्यों का विद्यालय नेतृत्व विकास पर केंद्रीय विद्यालय संगठन द्वारा ज़ेडआईईटी, मुंबई में प्रेरण कार्यक्रम (बैच–I, आमने–सामने)।
- 14 जून, 2024 को केंद्रीय विद्यालय के नव–पदोन्नत/नियुक्त प्रधानाचार्यों का विद्यालय नेतृत्व विकास पर केंद्रीय विद्यालय संगठन द्वारा मुंबई के ज़ेडआईईटी में प्रेरण कार्यक्रम (बैच–II, आमने–सामने)।
- 14 जून, 2024 को केंद्रीय विद्यालय के नव–पदोन्नत/नियुक्त प्रधानाचार्यों का विद्यालय नेतृत्व विकास पर केंद्रीय विद्यालय संगठन द्वारा चंडीगढ़ के ज़ेडआईईटी में प्रेरण कार्यक्रम (बैच–I, आमने–सामने)।
- 5–7 अगस्त, 2024 तक नई दिल्ली में पीएमश्री विद्यालयों के संसाधन व्यक्तियों के लिए तीन दिवसीय व्यक्तिगत क्षमता निर्माण कार्यशाला।
- 30–31 अगस्त, 2024 तक विद्यालय नवाचार पहल पर राज्य नोडल अधिकारियों के लिए दो दिवसीय अभिविन्यास और क्षमता निर्माण कार्यशाला। डी.ओ. एस.ई एंड एल, ए.आई.सी.टी.ई., ए.आई.एम., नीति आयोग तथा नीपा के सहयोग से।
- 11 फरवरी 2025 को चपल अटल टिंकरिंग लैब के लिए एक दिवसीय परामर्श कार्यशाला सीबीएसई द्वारा अटल नवाचार मिशन नीति आयोग, भारत सरकार के सहयोग से।

उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र

- आईएचईआर 2025: ''समग्र और बहु–विषयक उच्च शिक्षा'' पर पहली सहकर्मी समीक्षा बैठक, नीपा, नई दिल्ली, 2 अगस्त, 2024।
- 28 अगस्त, 2024 को ''भारत में उच्च शिक्षा तक पहुँच का विस्तारः संस्थागत दृष्टिकोण'' पर दूसरी विशेषज्ञ समिति की बैठक, नीपा, नई दिल्ली।
- 17–18 सितंबर, 2024 को ''भारत में उच्च शिक्षा तक पहुँच का विस्तारः संस्थागत दृष्टिकोण'' पर दूसरी शोध पद्धति कार्यशाला, नीपा, नई दिल्ली।
- 3–4 अक्टूबर, 2024 तक ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 विजन – एसईडीजी का उच्च शिक्षा में समावेशः पूर्वोत्तर क्षेत्र के विश्वविद्यालय प्राचार्यों और संकाय सदस्यों के लिए अभिविन्यास कार्यशाला'', गुवाहाटी विश्वविद्यालय।

मालवीय मिशन–शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र

मालवीय मिशन–शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अंतर्गत राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन)

- 1–10 अप्रैल, 2024 तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन मोड), नीपा, नई दिल्ली।
- 1–10 अप्रैल, 2024 तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन मोड), नीपा, नई दिल्ली।
- 1–10 मई, 2024 तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन मोड), नीपा, नई दिल्ली, संयुक्त रूप से एएसटीयू, गुवाहाटी।
- 20–30 मई, 2024 तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन मोड), नीपा, नई दिल्ली।

- 3–12 जून, 2024 तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन मोड), नीपा, नई दिल्ली।
- 3–12 जून, 2024 तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन मोड), नीपा, नई दिल्ली।
- 22–31 जुलाई, 2024 तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन मोड), नीपा, नई दिल्ली।
- 22–31 जुलाई, 2024 तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन मोड), नीपा, नई दिल्ली।
- 19–28 अगस्त, 2024 तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन मोड), नीपा, नई दिल्ली।
- 23–30 सितंबर, 2024 तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन मोड), नीपा, नई दिल्ली।
- 30 सितंबर–10 अक्टूबर, 2024 तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन मोड), नीपा, नई दिल्ली।
- 01–11 अक्टूबर, 2024 तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन मोड), नीपा, नई दिल्ली।
- 14–24 अक्टूबर, 2024 तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन मोड), नीपा, नई दिल्ली।
- 12–21 नवंबर, 2024 तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन मोड), नीपा, नई दिल्ली।
- 20–29 नवंबर, 2024 तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन मोड), नीपा, नई दिल्ली।
- 16–26 दिसंबर, 2024 तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन मोड), नीपा, नई दिल्ली।
- 1–10 जनवरी, 2025 तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन मोड), नीपा, नई दिल्ली।
- 20–29 जनवरी, 2025 तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन मोड), नीपा, नई दिल्ली।
- 3–12 फरवरी, 2025 तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन मोड), नीपा, नई दिल्ली।
- 24 फरवरी–06 मार्च, 2025 तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन मोड), नीपा, नई दिल्ली।
- 20–28 मार्च, 2025 तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन मोड), नीपा, नई दिल्ली।
- 17–26 मार्च, 2025 तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन मोड), नीपा, नई दिल्ली।

संकाय विकास कार्यक्रम/अल्पकालिक कार्यक्रम

- 24–29 जून, 2024 तक संकाय विकास कार्यक्रम (ऑनलाइन मोड), नीपा, नई दिल्ली।
- 20–25 अगस्त, 2024 तक एमएमटीटीपी के तहत 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: आगे की राह' पर संकाय विकास कार्यक्रम (ऑफलाइन मोड), भोपाल, मध्य प्रदेश।
- 22–28 फरवरी, 2025 तक "सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान पद्धति' पर संकाय विकास कार्यक्रम (ऑफ़लाइन मोड), भोपाल, मध्य प्रदेश।

संकाय प्रेरण कार्यक्रम

- 5 अगस्त–3 सितंबर, 2024 तक संकाय प्रेरण कार्यक्रम (एफआईपी) (ऑनलाइन मोड), नीपा, नई दिल्ली।
- 24 फरवरी–29 मार्च, 2025 तक संकाय प्रेरण कार्यक्रम (एफआईपी), 3 सप्ताह ऑनलाइन और 1 सप्ताह ऑफलाइन, 24–29 मार्च, 2025।

पुनश्चर्या कार्यक्रम

- 11–25 नवंबर, 2024 तक "एक सतत् भविष्य के लिए उन्नत ज्ञान में अनुसंधान पद्धति" पर बहु–विषयक पुनश्चर्या कार्यक्रम (प्राणी विज्ञान विभाग, दयालबाग शैक्षणिक संस्थान, आगरा के सहयोग से) (ऑनलाइन मोड), नीपा, नई दिल्ली।

- 6–18 जनवरी, 2025 तक ''उच्च शिक्षा के माध्यम से सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त करनाः चुनौतियां और प्रगति'' पर बहु–विषयक पुनश्चर्या कार्यक्रम (एपीजे सत्य विश्वविद्यालय, गुरुग्राम, हरियाणा के सहयोग से) (ऑनलाइन मोड), नीपा, नई दिल्ली।
- 17–29 मार्च, 2025 तक शिक्षा और सतत विकास पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रमः राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रकाश में समानता और असमानताएं मार्च 9, 2025 (ऑफलाइन मोड), मध्य प्रदेश, भोपाल।
- 17–29 मार्च, 2025 तक अनुसंधान पद्धति और अकादमिक लेखन पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (ऑनलाइन मोड), नीपा, नई दिल्ली।
- 17–29 मार्च, 2025 तक सतत विकास और प्रथाओं पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (ऑनलाइन मोड), नीपा, नई दिल्ली।

अनुरोधित प्रशिक्षण कार्यक्रम 2024–25

विशिष्ट अधिगम अक्षमता (एसएलडी)/अनुरोध प्रशिक्षण कार्यक्रम 2024–25

उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित और नीपा द्वारा समन्वित विशिष्ट अधिगम अक्षमता (एसएलडी) कार्यक्रम

प्रो. कुमार सुरेश – समग्र एसएलडी कार्यक्रम निदेशक

डॉ. अमित गौतम – समग्र एसएलडी कार्यक्रम समन्वयक

- (एमएमटीटीपी) के अंतर्गत 'विशिष्ट अधिगम अक्षमताओं पर क्षमता निर्माण' (एसएलडी), राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली।
- 13–14 मई, 2024 तक मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी) के अंतर्गत 'विशिष्ट अधिगम अक्षमताओं पर क्षमता निर्माण' (एसएलडी), नीपा, नई दिल्ली।

- 16–17 मई, 2024 तक मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी) के अंतर्गत 'विशिष्ट अधिगम अक्षमताओं पर क्षमता निर्माण' (एसएलडी), नीपा, नई दिल्ली।
- 20–21 मई, 2024 तक मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी) के अंतर्गत 'विशिष्ट अधिगम अक्षमताओं पर क्षमता निर्माण' (एसएलडी), नीपा, नई दिल्ली।
- 6 जनवरी, 2025 को मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी) के अंतर्गत 'विशिष्ट अधिगम अक्षमताओं पर क्षमता निर्माण' (एसएलडी), नीपा, नई दिल्ली।
- 8 जनवरी, 2025 को मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी) के अंतर्गत विशिष्ट अधिगम अक्षमताओं (एसएलडी) पर क्षमता निर्माण, नीपा, नई दिल्ली।
- 10 जनवरी, 2025 को मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी) के अंतर्गत विशिष्ट अधिगम अक्षमताओं (एसएलडी) पर क्षमता निर्माण, नीपा, नई दिल्ली।
- 20 जनवरी, 2025 को मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी) के अंतर्गत विशिष्ट अधिगम अक्षमताओं (एसएलडी) पर क्षमता निर्माण, नीपा, नई दिल्ली।

- 22 जनवरी, 2025 को मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी) के अंतर्गत विशिष्ट अधिगम अक्षमताओं (एसएलडी) पर क्षमता निर्माण, नीपा, नई दिल्ली।

राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग (एनसीआईएसएम) और नीपा सहयोग – आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और सोवा–रिग्पा महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए शैक्षिक योजना और प्रशासन में क्षमता विकास कार्यक्रम

- 27–31 मई, 2024 तक आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और सोवा–रिग्पा महाविद्यालयों के प्राचार्यों के लिए शैक्षिक योजना और प्रशासन में नीपा और राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग (एनसीआईएसएम) सहयोगात्मक क्षमता विकास कार्यक्रम, नीपा, नई दिल्ली।
- 3–7 जून, 2024 तक आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और सोवा–रिग्पा महाविद्यालयों के प्राचार्यों के लिए शैक्षिक योजना और प्रशासन में नीपा और राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग (एनसीआईएसएम) सहयोगात्मक क्षमता विकास कार्यक्रम, नीपा, नई दिल्ली।
- 10–14 जून, 2024 तक और आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और सोवा–रिग्पा महाविद्यालयों के प्राचार्यों के लिए शैक्षिक योजना और प्रशासन में नीपा और राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग (एनसीआईएसएम) सहयोगात्मक क्षमता विकास कार्यक्रम, नीपा, नई दिल्ली।
- 24–28 जून, 2024 तक आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और सोवा–रिग्पा महाविद्यालयों के प्राचार्यों के लिए शैक्षिक योजना और प्रशासन में नीपा और राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग (एनसीआईएसएम) सहयोगात्मक क्षमता विकास कार्यक्रम, नीपा, नई दिल्ली।
- 1–5 जुलाई, 2024, नीपा तक आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और सोवा–रिग्पा महाविद्यालयों के प्राचार्यों के लिए शैक्षिक योजना और प्रशासन में नीपा और राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग (एनसीआईएसएम) सहयोगात्मक क्षमता विकास कार्यक्रम, नई दिल्ली।
- 8–12 जुलाई, 2024, नीपा तक आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और सोवा–रिग्पा महाविद्यालयों के प्राचार्यों के लिए शैक्षिक योजना और प्रशासन में नीपा और राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग (एनसीआईएसएम) सहयोगात्मक क्षमता विकास कार्यक्रम, नई दिल्ली।

वर्ष 2024–25 के दौरान, संस्थान ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 128 अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/सम्मेलन आदि आयोजित किए।

कुल 7857 प्रतिभागियों में से 7781 (तालिका 2.5) भारतीय प्रतिभागी थे और 76 (तालिका 2.6) अन्य देशों से थे।

तालिका 2.5

2024–25 के सभी कार्यक्रमों में राज्य/केंद्र शासित प्रदेश भागीदारी

क्र. सं.	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश	प्रतिभागियों की संख्या
1.	आंध्र प्रदेश	676
2.	अरुणाचल प्रदेश	135
3.	असम	461
4.	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	7
5.	बिहार	117
6.	छत्तीसगढ	115
7.	चंडीगढ़	52
8.	दिल्ली	704
9.	गोवा	99
10.	गुजरात	163
11.	हरियाणा	190
12.	हिमाचल प्रदेश	61
13.	जम्मू और कश्मीर	344
14.	झारखंड	87
15.	कर्नाटक	246
16.	केरल	106
17.	मध्य प्रदेश	479
18.	महाराष्ट्र	392
19.	मणिपुर	139
20.	मेघालय	46
21.	मिजोरम	51
22.	नागालैंड	73
23.	ओडिशा	785
24.	पंजाब	81
25.	पुडुचेरी	32
26.	राजस्थान	216
27.	सिक्किम	67
28.	तेलंगाना	124
29.	तमिलनाडु	135
30.	त्रिपुरा	46
31.	उत्तराखंड	155
32.	उत्तर प्रदेश	396
33.	पश्चिम बंगाल	81
34.	लद्दाख	16
35.	लक्षद्वीप	4
36.	दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव	6
37.	मिश्रित आँकड़े – राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र ने ऑनलाइन माध्यम से छह कार्यक्रम आयोजित किए। राज्यवार आँकड़े उपलब्ध नहीं हैं।	894
	कुल	**7781**

तालिका 2.6

2024–25 के सभी कार्यक्रमों में देशवार भागीदारी

क्र.सं.	देश	प्रतिभागियों की संख्या
1.	ऑस्ट्रेलिया	1
2.	भूटान	10
3.	बांग्लादेश	2
4.	बुरूंडी	1
5.	बुर्किना फासो	1
6.	कोटे डी आइवर	1
7.	कंबोडिया	1
8.	इथियोपिया	1
9.	घाना	7
10.	इज़राइल	2
11.	कज़ाकिस्तान	2
12.	म्यांमार	2
13.	नेपाल	2
14.	निकारागुआ	2
15.	नाइजीरिया	1
16.	स्लोवाकिया	1
17.	श्रीलंका	9
18.	दक्षिण सूडान	1
19.	ताजिकिस्तान	2
20.	तंजानिया	10
21.	यूनाइटेड किंगडम	2
22.	संयुक्त राज्य अमेरिका	1
23.	उज़्बेकिस्तान	3
24.	वियतनाम	1
25.	वेनेजुएला	1
26.	दक्षिण कोरिया	4
27.	पश्चिम अफ्रीका	2
28.	ज़ाम्बिया	3
	कुल (13 देश)	**76**

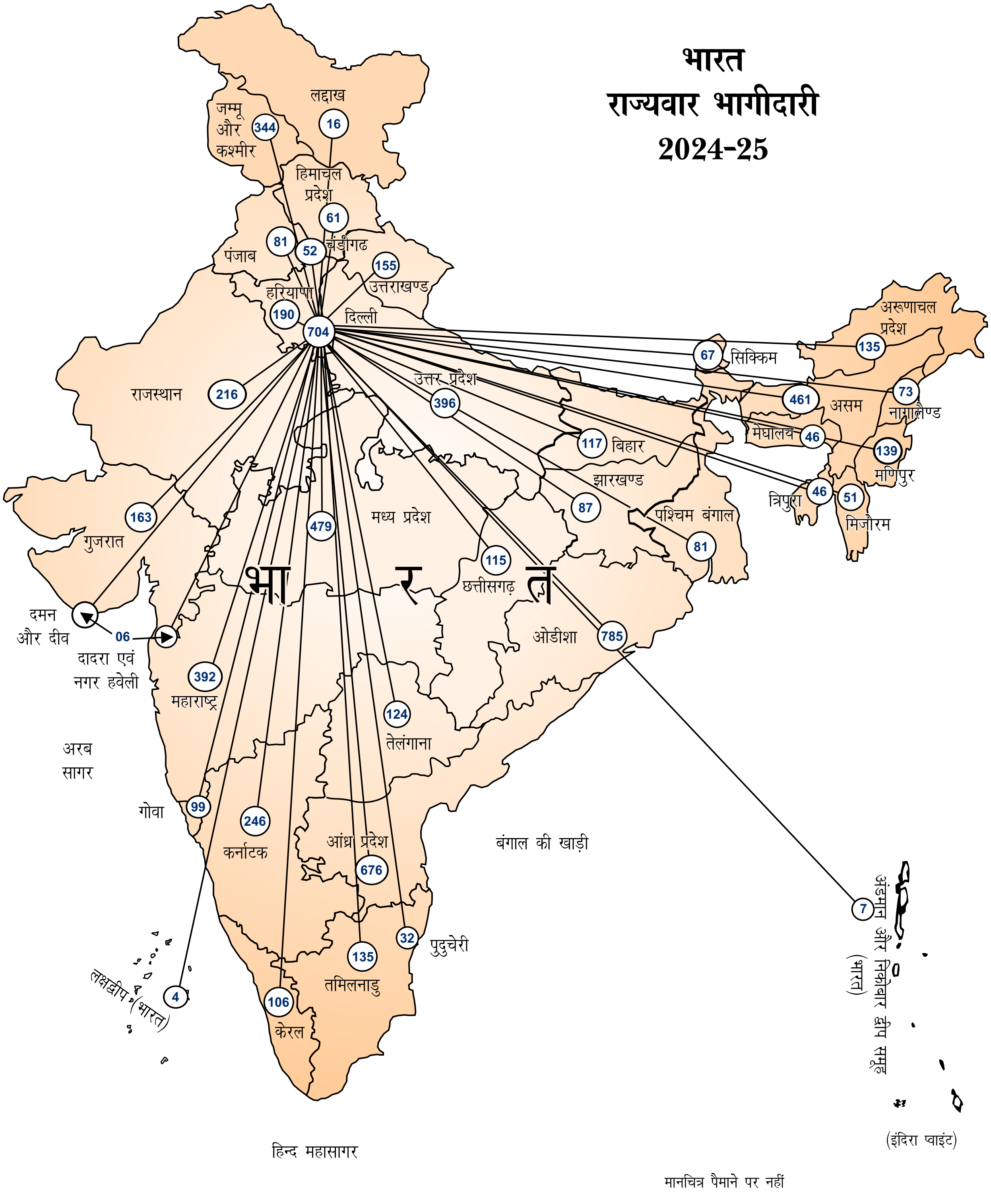
भारत
राज्यवार भागीदारी
2024-25
जम्मू और कश्मीर 344
लद्दाख 16
हिमाचल प्रदेश 61
पंजाब 81
चंडीगढ 52
उत्तराखण्ड 155
हरियाणा 190
दिल्ली 704
राजस्थान 216
अरूणाचल प्रदेश 135
सिक्किम 67
असम 461
नागालैण्ड 73
मेघालय 46
मणिपुर 139
त्रिपुरा 46
मिजोरम 51
उत्तर प्रदेश 396
बिहार 117
झारखण्ड 87
पश्चिम बंगाल 81
गुजरात 163
मध्य प्रदेश 479
छत्तीसगढ़ 115
ओडीशा 785
दमन और दीव
दादरा एवं नगर हवेली 06
महाराष्ट्र 392
तेलंगाना 124
अरब सागर
गोवा 99
कर्नाटक 246
आंध्र प्रदेश 676
बंगाल की खाड़ी
पुदुचेरी 32
तमिलनाडु 135
केरल 106
लक्षद्वीप (भारत) 4
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह (भारत) 7
(इंदिरा प्वाइंट)
हिन्द महासागर
भारत
मानचित्र पैमाने पर नहीं

नीपा कार्यक्रम और अन्य आयोजन

मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी)

यूजीसी–मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (यूजीसी–एमएमटीटीसी) का उद्घाटन 9 अक्टूबर, 2023 को नीपा में हमारी माननीय कुलपति प्रो. शशिकला वंजारी द्वारा किया गया, जिसमें प्रो. मोना खरे निदेशक और डॉ. अमित गौतम केंद्र के उप निदेशक नियुक्त किए गए। केंद्र को यूजीसी के दिशानिर्देशों के अनुसार प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करने और उन्हें वितरित करने का दायित्व सौंपा गया है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के परिवर्तनकारी दृष्टिकोण के अनुरूप, उभरते हुए क्षेत्रों में विश्वविद्यालय और कॉलेज के संकायों के क्षमता निर्माण, अनुशासनात्मक प्रगति और 21वीं सदी के शैक्षणिक और व्यावसायिक कौशल पर केंद्रित है। केंद्र एक अकादमिक सलाहकार समिति के मार्गदर्शन में कार्य करता है, जो रणनीतिक निरीक्षण और अकादमिक कठोरता सुनिश्चित करता है। संचालन दल में सृष्टि चमोला (परियोजना सहायक), राज गौरव (कंप्यूटर सहायक), और संदीप कुमार झा (सहायक कर्मचारी) शामिल हैं।

अकादमिक वर्ष 2024–25 की योजना पर 4 जून, 2024 को अकादमिक सलाहकार समिति द्वारा विधिवत चर्चा की गई और उसे अनुमोदित किया गया। इस अवधि के दौरान, केंद्र ने अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक कुल 32 कार्यक्रमों का संचालन किया। इन कार्यक्रमों में कुल 3,631 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जो निम्नलिखित चार श्रेणियों में आयोजित किए गएः–एनईपी उन्मुखीकरण एवं संवेदनशीलता कार्यक्रम, संकाय प्रेरण कार्यक्रम, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, लघु अवधि कार्यक्रम

एनईपी उन्मुखीकरण एवं संवेदनशीलता कार्यक्रम सर्वाधिक व्यापक रूप से आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों के अंतर्गत 22 ऑनलाइन सत्र आयोजित किए गए, जिनमें 2,357 प्रतिभागियों ने भाग लिया और 1,564 प्रतिभागी सफल घोषित हुए। इन सत्रों का उद्देश्य शैक्षणिक समुदाय की एनईपी 2020 के प्रति समझ और तत्परता को सुदृढ़ करना था। संकाय प्रेरण कार्यक्रम दो बार आयोजित किया गया–एक बार ऑनलाइन और एक बार हाइब्रिड मोड में। इसमें कुल 237 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें से 102 संकाय सफल हुए। ये सत्र नव–नियुक्त शिक्षकों के लिए डिज़ाइन किए गए थे, जिनमें शिक्षण पद्धतियों और व्यावसायिक नैतिकता पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। पाँच पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें से चार ऑनलाइन और एक ऑफलाइन था। इनमें कुल 666 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें से 480 प्रतिभागी सफल रहे। तीन लघु अवधि कार्यक्रम आयोजित किए गए, जो विशेषीकृत और समयबद्ध विषयों पर केंद्रित थे। इन कार्यक्रमों में 371 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें से 262 ने सफलता प्राप्त की। इन कार्यक्रमों के अंतर्गत जिन प्रमुख विषयों को शामिल किया गया, उनमें प्रमुख थे। 'एनईपी 2020: आगे की दिशा' तथा 'स्थायी भविष्य के लिए ज्ञान को आगे बढ़ाने में अनुसंधान पद्धति'। इन विषयों ने अंतर्विषयी ज्ञान और शैक्षणिक नवाचार को बढ़ावा दिया।

विशेष रूप से, सभी पहलों में प्रतिभागियों के बीच लैंगिक प्रतिनिधित्व संतुलित रहा, जो शैक्षणिक विकास के प्रति केंद्र की समावेशी दृष्टि को दर्शाता है। पदनाम के आधार पर देखा जाए तो सहायक प्रोफेसरों की संख्या सर्वाधिक (2,349) रही, जिसके बाद सह–प्रोफेसर (247), प्रोफेसर (174) और अन्य पद आते हैं। सभी गतिविधियों को इस प्रकार रूपांतरित किया गया कि शिक्षकों की क्षमता को सशक्त बनाया जा सके, जिससे वे शिक्षार्थियों के साथ बौद्धिक और समग्र दोनों स्तरों पर प्रभावी ढंग से जुड़ सकें। कुल मिलाकर, नीपा स्थित एमएमटीटीसी ने उच्च शिक्षा में उच्च प्रभाव वाले व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों को प्रभावी रूप से संचालित किया है। यह संरचित, समावेशी और भविष्य–उन्मुख संकाय प्रशिक्षण हस्तक्षेपों के माध्यम से उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने में एक केंद्रीय भूमिका निभाता आ रहा है।

आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और सोवा–रिग्पा महाविद्यालयों के प्राचार्यों के लिए क्षमताविकास/प्रशिक्षण कार्यक्रम (राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग के सहयोग से)

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन के क्षेत्र में एक अग्रणी और विशिष्ट संस्थान के रूप में नीपा के मौलिक योगदानों तथा शैक्षिक प्रशासन से जुड़े अधिकारियों और संस्थान प्रमुखों के लिए क्षमता विकास कार्यक्रमों को संचालित करने में नीपा की विशेषज्ञता को देखते हुए, भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने नीपा से आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और सोवा–रिग्पा महाविद्यालयों के प्राचार्यों को प्रशिक्षण प्रदान करने का अनुरोध किया। विस्तृत विचार–विमर्श के उपरांत, राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग के साथ एक समझौता ज्ञापन तैयार किया गया, जिसके तहत जुलाई 2023 से मई 2024 के बीच 550 महाविद्यालयों के प्राचार्यों को 20 बैचों में प्रशिक्षण देने की योजना बनाई गई। इस कार्यक्रम का प्रथम बैच जुलाई 2023 में प्रारंभ हुआ। जुलाई 2023 से जुलाई 2024 की अवधि के दौरान अब तक 17 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें 450 से अधिक प्राचार्य/संस्थान प्रमुख (आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और सोवा–रिग्पा महाविद्यालयों से) ने भाग लिया और सफलता पूर्वक कार्यक्रम को पूर्ण किया। ये सभी कार्यक्रम नीपा की कुलपति प्रो. शशिकला वंजारी के समग्र मार्गदर्शन एवं सहयोग में संचालित हुए। प्रो. कुमार सुरेश ने सभी कार्यक्रमों में कार्यक्रम निदेशक (शैक्षणिक) के रूप में दायित्व निभाया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह

नीपा ने गर्वपूर्वक अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें समावेशिता और सशक्तिकरण को प्रोत्साहित करने वाली विविध गतिविधियाँ शामिल थीं। कार्यक्रम की शुरुआत नीपा की कुलपति प्रो. शशिकला वंजारी के प्रेरक मुख्य भाषण तथा कुलसचिव, नीपा के विशेष संबोधन से हुई। कार्यक्रम का प्रारंभ संवादात्मक खेलों से हुआ, जिनका उद्देश्य उपस्थित जनों का मनोरंजन करते हुए लैंगिक समानता और समावेशिता के महत्व को उजागर करना था।

मुख्य भाषण में 'गतिवृद्धि कार्यवाही' विषय पर गहन विचार प्रस्तुत किए गए, जिन्होंने सार्थक संवादों को जन्म दिया और शोधार्थियों, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों में एकजुटता की भावना को प्रोत्साहित किया। इसमें समावेशिता के विभिन्न पहलुओं, शिक्षा में लैंगिक समानता से लेकर कार्यस्थल की विविधता और सामाजिक सशक्तिकरण पर प्रकाश डाला गया।

इस कार्यक्रम का कुशल समन्वयन डॉ. निधि सभरवाल द्वारा किया गया तथा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) और नीपा प्रशासन का अमूल्य सहयोग प्राप्त हुआ।

संस्थान का स्थापना दिवस

नीपा को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अंतर्गत मानित विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया गया था और वर्ष 2006 में इसे राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) के रूप में पुनः नामित किया गया, जिसे डिग्रियां प्रदान करने का अधिकार प्राप्त है। नीपा हर वर्ष 11 अगस्त को अपना स्थापना दिवस मनाता है, जिस दिन उसे विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया गया था। इस अवसर पर प्रतिष्ठित शिक्षाविदों द्वारा स्थापना दिवस व्याख्यान प्रस्तुत किए जाते हैं। इस अवसर पर व्याख्यान देने वाले विशिष्ट शिक्षाविदों में शामिल हैं: प्रभात पटनायक (2007), एम. एस. स्वामीनाथन (2008), बेतेले (2009), मृणाल मीरी (2010), पी. साईनाथ (2011), शांता सिन्हा (2012), कृष्ण कुमार (2013), शिव विश्वनाथन (2014), टी. के. ओमेन (2015), टी. एन. मदान (2016), कुलदीप माथुर (2017), मनोरंजन मोहंती (2018), पंकज चंद्रा (2019), ए. के. शिव कुमार (2020), के. कस्तूरीरंगन (2021), कैलाश सत्यार्थी (2022) और आनंद भालेराव (2023)।

इस रिपोर्ट की आख्या अवधि के दौरान नीपा का अठारहवां स्थापना दिवस व्याख्यान आयोजित किया गया। यह व्याख्यान 12 अगस्त, 2024 को (11 अगस्त रविवार होने के कारण) निवेदिता रघुनाथ भिडे द्वारा "राष्ट्रीय शिक्षा" विषय पर प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम में आमंत्रित अतिथियों, संकाय सदस्यों, गैर–संकाय कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने भाग लिया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह (28 अक्टूबर – 3 नवम्बर, 2024)

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024 का आयोजन 28 अक्टूबर से 3 नवम्बर, 2024 तक किया गया। इस वर्ष का विषय "राष्ट्र की समृद्धि के लिए ईमानदारी की संस्कृति" था। यह सप्ताह केंद्रीय सतर्कता आयोग की पहल है, जिसे प्रतिवर्ष सार्वजनिक जीवन में पारदर्शिता और ईमानदारी को बढ़ावा देने तथा भ्रष्टाचार के विरुद्ध जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मनाया जाता है।

इस अवसर पर संस्थान द्वारा 28 अक्टूबर, 2024 को निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसके विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय तथ्य यह रहा कि संस्थान के कर्मचारियों के साथ–साथ छात्रों की भागीदारी भी निबंध प्रतियोगिता में अत्यंत सराहनीय रही।

76वाँ गणतंत्र दिवस समारोह

नीपा में 76वाँ गणतंत्र दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया, जिसमें सभी छात्र, शोधार्थी और कर्मचारी शामिल हुए। कुलपति ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया, जिसके बाद राष्ट्रगान का गायन हुआ और मिठाइयाँ वितरित की गईं।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस (11 नवंबर, 2024)

वर्ष 2010 से प्रतिवर्ष, भारत के पहले केंद्रीय शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की जयंती के उपलक्ष्य में 11 नवम्बर को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर मौलाना आज़ाद स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया जाता है। वर्ष 2024–25 के दौरान, राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के उपलक्ष्य में 15वाँ मौलाना आज़ाद स्मृति व्याख्यान आयोजित किया गया। यह व्याख्यान 11 नवम्बर 2024 को स्टेन सभागार, भारतीय पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित हुआ। इस अवसर पर श्री तरुण विजय ने व्याख्यान प्रस्तुत किया, जो पाञ्चजन्य के पूर्व संपादक तथा राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं। उनके व्याख्यान का विषय था–राष्ट्र–निर्माण और आत्मनिर्भर भारत में शिक्षा की भूमिका। इस व्याख्यान में बड़ी संख्या में छात्रों, शिक्षकों एवं शिक्षाविदों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय खेल दिवस (29 अगस्त, 2024)

राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन 29 अगस्त, 2024 को भारत की समृद्ध खेल परंपरा को स्मरण करते हुए हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती पर किया गया। यह दिन खेल और शारीरिक गतिविधियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा देश के खेल नायकों को सम्मानित करने के लिए मनाया जाता है।

राष्ट्रीय खेल दिवस का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य देश में खेल संस्कृति का निर्माण करना भी है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि खेल लोगों को एकजुट करने, राष्ट्रीय गर्व को बढ़ाने और विभिन्न खेल विधाओं में देश की वैश्विक प्रतिष्ठा को सुदृढ़ करने की क्षमता रखते हैं। राष्ट्रीय खेल

दिवस 2024 ने खेलभावना की अटूट भावना और मेजर ध्यानचंद की अमर विरासत का उत्सव मनाया।

27 से 29 अगस्त, 2024 तक निम्नांकित प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईः

- मैराथन
- क्रिकेट
- बैडमिंटन
- टेबल टेनिस
- शंखनाद
- रस्साकसी
- गोला फेंक
- कबड्डी
- 100 मीटर दौड़

हिंदी दिवस (14 सितम्बर, 2024)

राष्ट्रीय संस्थान ने सितंबर 2024 के माह में 'हिंदी दिवस' का आयोजन किया गया। संस्थान के हिंदी कक्ष द्वारा 17 से 30 सितम्बर, 2024 तक 'हिंदी पखवाड़ा' मनाया गया (14 सितम्बर को अवकाश था)। 'हिंदी पखवाड़ा' के दौरान हिंदी सुलेख प्रतियोगिता (केवल एमटीएस एवं वाहन चालकों हेतु), हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता, हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता, हिंदी अनुवाद प्रतियोगिता एवं हिंदी प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। 'हिंदी पखवाड़ा' के दौरान आयोजित सभी प्रतियोगिताओं में संस्थान के कर्मचारियों और विद्यार्थियों की सहभागिता अत्यंत उत्साहपूर्ण रही।

हिंदी प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त, हिंदी कक्ष द्वारा 26 सितम्बर, 2024 को कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध कवि मनोज भावुक, निखिल कांत, सुशील द्विवेदी, गिरीश भसीन और राजेश कुमार ने अपनी कविताओं का पाठ किया।

78वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह

नीपा ने 78वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह सभी छात्रों, शिक्षण एवं गैर–शिक्षण कर्मचारियों की उपस्थिति में बड़े उत्साह के साथ मनाया। समारोह की शुरुआत कुलपति द्वारा तिरंगे ध्वज के फहराने से हुई, जिसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला प्रस्तुत की गई। इनमें नृत्य, नाटक और वाचन शामिल थे, जिन्होंने भारत की विविध और समृद्ध संस्कृति का जीवंत प्रदर्शन किया। इन कार्यक्रमों ने छात्रों, कर्मचारियों और उनके परिवारों में गर्व, देशभक्ति और एकता की भावना का संचार किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून, 2024)

21 जून, 2024 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में संस्थान द्वारा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। योग दिवस के अवसर पर निम्नलिखित विषयों पर निबंध प्रतियोगिताएं आयोजित की गईः

- योग के माध्यम से महिला सशक्तिकरण।
- बदलते समय में दैनिक जीवन का दबाव और योग।
- भारतीय दर्शन की आध्यात्मिक चेतना और योग।

निबंध प्रतियोगिता के अतिरिक्त, 21 जून, 2024 को प्रातः 7:00 बजे से 8:00 बजे तक नीपा परिसर में योग सत्र का आयोजन किया गया। नीपा के संकाय, कर्मचारी, शोधार्थी एवं परियोजना कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस (23 अगस्त, 2024)

23 अगस्त, 2023 को चंद्रमा पर सफलतापूर्वक उतरने वाला चौथा देश और उसके दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र पर पहुँचने वाला पहला देश बनकर भारत ने इतिहास रच दिया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के सम्मान में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 23 अगस्त को 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' घोषित किया।

शिक्षा मंत्रालय के निर्देशानुसार 23 अगस्त, 2024 को 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' का उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर रक्षा मंत्रालय, डीआरडीओ, डिफेन्स जियो–इन्फॉर्मेटिक्स रिसर्च एस्टैब्लिशमेंट, नई दिल्ली के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अमितांसु पटनायक ने नीपा में "चंद्रमा को छूते हुए जीवन को छूनाः भारत की अंतरिक्ष गाथा" विषय पर दोपहर 2:00 बजे से 3:00 बजे तक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

इसके अतिरिक्त संस्थान में 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' के उपलक्ष्य में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय एकता दिवस (31 अक्टूबर, 2024)

5 नवंबर, 2024 को, नीपा ने सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया। इस समारोह में एकता शपथ और पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता शामिल थी, जिसमें संकाय, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर सभी को राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सुरक्षा के महत्व की याद दिलाई गई। प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए।

फिट इंडिया सप्ताह (10 –18 दिसम्बर, 2024)

फिट इंडिया मूवमेंट का शुभारंभ भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 29 अगस्त, 2019 को किया गया था। पिछले वर्ष फिट इंडिया मिशन ने फिट इंडिया स्कूल सप्ताह के दायरे को बढ़ाकर कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों को भी शामिल करने का निर्णय लिया।

इसी पहल को ध्यान में रखते हुए नीपा ने भी अपने प्राध्यापकों, कर्मचारियों और छात्रों में फिटनेस का संदेश प्रसारित करने हेतु 10 से 18 दिसम्बर, 2024 तक 'फिट इंडिया सप्ताह' का आयोजन किया। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों के आधार पर सप्ताह भर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें कैरम, शतरंज, कबड्डी, गोला फेंक, डाट्र्स–हिट द टारगेट, फिटनेस वॉक, भाला फेंक आदि शामिल थे।

सभी कार्यक्रम अत्यंत सफल रहे और प्रतिभागियों द्वारा खूब सराहे गए। नीपा के संकाय, कर्मचारियों और छात्रों ने पूरे उत्साह और ऊर्जा के साथ फिटनेस सप्ताह में भाग लिया।

'स्वच्छता ही सेवा' 24 अभियान एवं 'एक पेड़ माँ के नाम' वृक्षारोपण अभियान (2 अक्टूबर, 2024)

'स्वच्छता ही सेवा अभियान' के अंतर्गत ''एक पेड़ माँ के नाम'' (वृक्षारोपण) कार्यक्रम का आयोजन 2 अक्टूबर, 2024 को नीपा परिसर में किया गया। 'एक पेड़ माँ के नाम' एक विशेष पहल है, जिसके अंतर्गत लोग अपनी माताओं के सम्मान में पौधा रोपित करते हैं और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देते हैं।

इस अभियान के नोडल अधिकारी के रूप में डॉ. अमित गौतम और डॉ. कश्यपी अवस्थी को नियुक्त किया गया। 'स्वच्छता ही सेवा अभियान' 14 सितम्बर से 1 अक्टूबर, 2024 तक 'स्वभाव स्वच्छता – संस्कार स्वच्छता' विषय पर आयोजित किया गया। इस अवधि में कई गतिविधियाँ संपन्न हुईं, जिनमें 'बचत की दुकान' की स्थापना, 'कचरे से कला' प्रतियोगिता, 'एक पेड़ माँ के नाम' वृक्षारोपण, स्वच्छता हेतु श्रमदान, कैंपस सौंदर्यकरण प्रतियोगिता आदि शामिल रहीं। सभी प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नीपा परिवार के सभी संकाय, शोधार्थियों और परियोजना कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

जनजातीय गौरव दिवस (15 नवंबर, 2024)

15 नवंबर, 2024 को जनजातीय गौरव दिवस मनाने के लिए, नीपा ने 18 नवंबर, 2024 को एक पोस्टर प्रतियोगिता

का आयोजन किया। यह दिन भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को याद करने के लिए समर्पित है।

प्रतिभागियों ने पोस्टरों के माध्यम से अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया तथा विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

भारतीय भाषा उत्सव (11 दिसम्बर, 2024)

नीपा ने 11 दिसंबर, 2024 को महान तमिल कवि, लेखक, पत्रकार और स्वतंत्रता सेनानी महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय भाषा उत्सव दिवस मनाया।

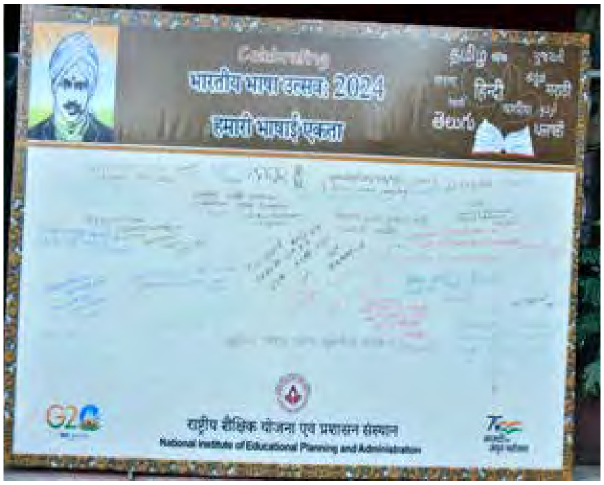

उत्सव के भाग के रूप में, "दीवार पर विचारों की स्थापना" शीर्षक से एक विशेष गतिविधि आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी भारतीय भाषा (मातृभाषा) में प्रेरक संदेश साझा किए। इस पहल का उद्देश्य भारत की भाषाई विविधता और सांस्कृतिक समृद्धि को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के महत्व को उजागर करना था।

संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, छात्रों और परियोजना कर्मियों ने इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिससे देश की भाषाओं और संस्कृतियों की जीवंत विविधता में गर्व और एकता की गहरी भावना को बढ़ावा मिला।

छात्रावास में व्यायामशाला का उद्घाटन

नीपा ने 2 जनवरी, 2025 को छात्रावास में एक नई व्यायामशाला का उद्घाटन किया। यह सुविधा कर्मचारियों, उनके परिवार के सदस्यों, छात्रों और अतिथि गृह में ठहरने वाले मेहमानों के लिए खुली है। सुरक्षित और प्रभावी व्यायाम सुनिश्चित करने हेतु, मार्गदर्शन और सहायता के लिए एक प्रशिक्षित व्यायामशाला प्रबंधक नियुक्त किया गया है।

नियमित व्यायाम सत्र हृदय और स्वास्थ्य को बेहतर बनाने, मांसपेशियों की ताकत बढ़ाने और समग्र शारीरिक दक्षता और मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करते हैं।

3

अनुसंधान

Fatima Zarah

अनुसंधान

राष्ट्रीय संस्थान अंतर्विषयी अनुसंधान एवं अध्ययन को अपनाने, सहायता प्रदान करने और उसे प्रोत्साहित करने का कार्य कर रहा है, जिसमें विशेष रूप से शैक्षिक नीति, योजना एवं प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इसका उद्देश्य साक्ष्य–आधारित विकल्पों एवं रणनीतियों के निर्माण हेतु नया ज्ञान सृजित करना है, जिससे शिक्षा क्षेत्र के विकास लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित की जा सके। राष्ट्रीय संस्थान द्वारा मात्रात्मक एवं गुणात्मक अनुसंधान, मौजूदा नीतियों, योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा और मूल्यांकन, शैक्षिक योजना तकनीकों तथा प्रशासनिक संरचनाओं और प्रक्रियाओं पर भारत के विभिन्न राज्यों एवं अन्य देशों में तुलनात्मक अध्ययन किए जाते हैं। संस्थान द्वारा क्रियात्मक अनुसंधान को प्राथमिकता दी जाती है, जिसमें दीर्घकालिक अध्ययन भी शामिल हैं। ये अध्ययन ऐसे प्रमुख क्षेत्रों में नया ज्ञान उत्पन्न कर सकते हैं जो शैक्षिक नीति, योजना एवं प्रबंधन को सुदृढ़ करने में सहायक हों।

एम.ए.ई.डी. और पीएच.डी. कार्यक्रमों के अतिरिक्त, राष्ट्रीय संस्थान द्वारा समर्थित शोध कार्यक्रम में निम्नलिखित अध्ययन शामिल हैंः संकाय सदस्यों द्वारा किए गए शोध अध्ययन,अन्य एजेंसियों द्वारा प्रायोजित अनुसंधान, अंतरराष्ट्रीय सहयोगात्मक अध्ययन, कार्यक्रम मूल्यांकन अध्ययन, तथा डेटा प्रबंधन से संबंधित अध्ययन। ये शोध अध्ययन ऐसे प्राथमिक मुद्दों से संबद्ध होते हैं जो भारतीय शिक्षा प्रणाली में संभावित रूप से उभर सकते हैं या जिनका सामना वर्तमान में शैक्षिक तंत्र कर रहा है। वर्ष के दौरान, कुल 18 शोध अध्ययन पूर्ण किए गए, जबकि 8 अध्ययन प्रगति पर थे।

पूर्ण शोध अध्ययन

(31 मार्च, 2025 तक)

1. **चयनित राज्यों में निःशुल्क और अनिवार्य शिक्ष का अधिकार (आरटीई) अधिनियम, 2009 के तहत निजी स्कूलों में कमजोर वर्गों और वंचित समूहों के बच्चों के लिए 25 प्रतिशत सीटों के प्रावधान के कार्यान्वयन का अध्ययन: नीति और व्यवहार**

   मुख्य अन्वेषक: प्रो. ए. के. सिंह

   अध्ययन पूर्ण कर प्रस्तुत किया गया।

2. **ओडिशा में माध्यमिक स्तर पर अनुसूचित जाति के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति योजना और शैक्षिक गतिशीलता का अध्ययन**

   मुख्य अन्वेषक: डॉ. एस. के. मलिक

   अध्ययन पूर्ण कर प्रस्तुत किया गया।

3. **शैक्षिक प्रशासन का तृतीय अखिल भारतीय सर्वेक्षण**

   मुख्य अन्वेषक: प्रो. कुमार सुरेश

   निम्नलिखित राज्यवार रिपोर्टें पूर्ण कर प्रस्तुत की गईं:

- मेघालय में शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन: प्रणाली, कार्य, चुनौतियाँ और भविष्य की संभावनाओं पर अध्ययन
- त्रिपुरा में शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन: प्रणाली, कार्य, चुनौतियाँ और भविष्य की संभावनाओं पर अध्ययन
- राजस्थान में शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन: प्रणाली, कार्य, चुनौतियाँ और भविष्य की संभावनाओं पर अध्ययन
- दिल्ली में शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन: प्रणाली, कार्य, चुनौतियाँ और भविष्य की संभावनाओं पर अध्ययन

4. **शैक्षिक प्रशासन में जिला और ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों की स्थिति, भूमिका एवं दायित्व** (टीएआईएसई का विषयगत अध्ययन)

   मुख्य अन्वेषक: प्रो. कुमार सुरेश

   अध्ययन पूर्ण कर प्रस्तुत किया गया।

5. **शैक्षिक प्रशासन में नवाचार और नवोन्मेष** (टीएआईएसई का विषयगत अध्ययन)

   मुख्य अन्वेषक: प्रो. कुमार सुरेश

   अध्ययन पूर्ण कर प्रस्तुत किया गया।

6. **कौशल विकास और रोजगारशीलता: भारत के युवाओं का एक अध्ययन**

   मुख्य अन्वेषक: प्रो. विनीता सिरोही

   अध्ययन पूर्ण कर प्रस्तुत किया गया।

7. **भारत में सामाजिक पूंजी और विद्यालयी शिक्षा के अंतर्संबंध: एक अंतर–राज्यीय तुलनात्मक अध्ययन**

   मुख्य अन्वेषक: प्रो. मधुमिता बंधोपाध्याय

   अध्ययन पूर्ण कर प्रस्तुत किया गया।

8. **राजस्थान के शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉक और गैर–पिछड़े ब्लॉक में विद्यालय प्रबंधन की सामाजिक गतिशीलता का तुलनात्मक अध्ययन**

   मुख्य अन्वेषक: डॉ. मोना सेदवाल

   अध्ययन पूर्ण कर प्रस्तुत किया गया।

9. **भारत में उच्च शिक्षा स्नातकों का रोजगार और रोजगारशीलता**

   मुख्य अन्वेषक प्रो. मोना खरे

   पाँच राज्य स्तरीय रिपोर्टें प्रस्तुत की गईं।

10. **एंग्लिया रस्किन विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा निगम के साथ सहयोगात्मक परियोजना– ''कोविड के दौरान लैंगिकता, शिक्षा एवं प्रौद्योगिकी तक पहुँच''**

मुख्य अन्वेषकः प्रो. आरती श्रीवास्तव

अध्ययन पूर्ण कर प्रस्तुत किया गया।

11. भारत में शिक्षक शिक्षा की शासन व्यवस्था, विनियमन और गुणवत्ता आश्वासन का अध्ययन

अन्वेषकः प्रो. प्रणति पंडा

अध्ययन पूर्ण कर प्रस्तुत किया गया।

12. क्षमता निर्माण हेतु प्रारंभिक/अभिविन्यास कार्यक्रम से संबंधित मॉड्यूल का विकास (मंत्रालय की गतिविधि)

नोडल व्यक्ति/दलः प्रो. कुमार सुरेश, प्रो. के. श्रीनिवास, प्रो. आरती श्रीवास्तव, डॉ. अन्शू श्रीवास्तव, डॉ. अमित गौतम, डॉ. गरिमा मलिक

दल द्वारा मॉड्यूल की पाठ्य सामग्री तैयार की गई और मंत्रालय को आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रस्तुत की गई।

13. आंध्र प्रदेश के तर्ज पर राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन के बारे में क्षमता निर्माण (मंत्रालय की गतिविधि)

नोडल व्यक्ति/दलः प्रो. सुधांशु भूषण, प्रो. मोना खरे, प्रो. कुमार सुरेश, प्रो. के. श्रीनिवास, प्रो. आरती श्रीवास्तव, प्रो. मनीषा प्रियम, प्रो. पी. के. मिश्र

कार्यक्रम राज्य सरकारों/उच्च शिक्षा संस्थानों के सहयोग से पूर्ण हुआ। रिपोर्ट मंत्रालय के साथ साझा की गई।

14. भारत में विदेशी छात्रों की भागीदारी बढ़ाने के लिए 25% अधिसंख्या सीटों, 'स्टडी इन इंडिया पोर्टल' आदि का लाभ उठाते हुए संबंधित मुद्दों का विश्लेषण करना और समन्वय स्थापित करना (मंत्रालय की गतिविधि)।

दलः प्रो. कुमार सुरेश, निदेशक, योजना एवं विकास, की समग्र देखरेख और मार्गदर्शन में यूआईसी दल।

अनुसंधान अध्ययन पूर्ण हो चुका है।

15. विकसित भारत@2047 के लिए वैश्विक नवाचार सूचकांक (जीआईआई) आदि के विभिन्न मानकों में प्रदर्शन में सुधार करके जीआईआई में समग्र श्रेणी को बेहतर बनाना (मंत्रालय की गतिविधि)

नोडल व्यक्तिः प्रो. सुधांशु भूषण

प्रारंभिक रिपोर्ट पूर्ण हो चुकी है।

16. उच्च शिक्षा के विस्तार के निर्धारक एवं एनईपी 2020 के जीईआर लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भागीदारी बढ़ाने की रणनीतियाँ (मंत्रालय की गतिविधि)

नोडल व्यक्ति/दलः प्रो. के. बिस्वाल, डॉ. एन.के. मोहंती, डॉ. सुमन नेगी, डॉ. सांत्वना जी. मिश्रा

अनुसंधान अध्ययन पूर्ण हुआ और अंतिम मसौदा प्रस्तुत किया गया।

17. यूजीसी योजना की मूल्यांकन रिपोर्ट

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अनुरोध पर उसकी 27 योजनाओं के मूल्यांकन हेतु नीपा के संकाय सदस्यों ने मूल्यांकन अध्ययन किए। प्रोफेसर कुमार सुरेश ने इन गतिविधियों का समन्वय किया और अध्ययन प्रक्रिया का नेतृत्व किया। यूजीसी के साथ कई दौर की चर्चाओं और समीक्षा बैठकों के बाद रिपोर्टों को अंतिम रूप दिया गया और अंततः 26 रिपोर्टें प्रस्तुत की गईं।

18. नई शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन पर अध्ययन (शिक्षा मंत्रालय)

नई शिक्षा नीति 2020 का कार्यान्वयनः प्रभाव और सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) में सुधार; (ii) भारत के विभिन्न राज्यों में नई शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन की स्थिति और प्रभाव (एनईपी 2020 के कार्यान्वयन पर विषयगत अध्ययन)

मुख्य अन्वेषकः प्रो. कुमार सुरेश (परियोजना प्रमुख), डॉ. संगीता अंगोम, डॉ. पि. शंकर, डॉ. निधि एस. सभरवाल, डॉ. वी. सुचरिता, डॉ. कश्यपी अवस्थी, डॉ. मोना सेदवाल, डॉ. गरिमा मलिक, डॉ. नीलांजना मोइत्रा

यह रिपोर्ट शिक्षा मंत्रालय को अवलोकन एवं सुझाव हेतु प्रस्तुत की गई है (यदि कोई हों)।

अनुसंधान अध्ययन (जारी)

(31 मार्च, 2025 तक)

1. **शैक्षिक प्रशासन की संरचना और कार्यों का अध्ययन (शैक्षिक प्रशासन पर तृतीय अखिल भारतीय सर्वेक्षण के भाग के रूप में विषयगत अध्ययन)**

अन्वेषकः प्रो. कुमार सुरेश और डॉ. अन्शू श्रीवास्तव

यह अध्ययन शैक्षिक प्रशासन की संरचना और कार्यों से संबंधित संसाधन–डाटा की कमी को पूरा करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में शैक्षिक प्रशासन की संरचना और कार्यों के बारे में जानकारी अत्यंत सीमित है। यद्यपि शिक्षा विभाग की वेबसाइटों पर संबंधित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के शैक्षिक प्रशासन की संरचना की मूलभूत जानकारी उपलब्ध है, यह सामान्यतः सचिवालय और निदेशालय स्तर तक ही सीमित होती है। अधिकांश मामलों में निदेशालय स्तर से नीचे की प्रशासनिक संरचना की जानकारी न के बराबर है।

यह कहना अप्रासंगिक नहीं होगा कि जिले और जिले के नीचे के स्तरों पर अधिकारियों के पदनाम, दर्जा और भूमिकाओं में पर्याप्त विविधताएं हैं। क्षेत्रीय स्तर पर शैक्षिक प्रशासन की स्थिति, भूमिका और कार्यात्मक जिम्मेदारियों का शैक्षिक सेवाओं के कुशल और प्रभावी वितरण पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। जिला एवं उप–जिला स्तर पर शैक्षिक प्रशासन नीतियों और शैक्षिक विकास के कार्यक्रमों का कार्यान्वयन ज़िम्मेदारी से युक्त होता है।

हाल के वर्षों में शैक्षिक विकास के लिए शुरू की गई नीतियों ने क्षेत्रीय स्तर पर शैक्षिक प्रशासन की स्थिति, भूमिका और कार्यों में मानकीकरण की आवश्यकता को जन्म दिया है। वास्तव में, संरचना और कार्यों में समानता नहीं है। शैक्षिक प्रशासन से संबंधित कई मुद्दे और समस्याएं हैं, जिन्हें तृतीय अखिल भारतीय शैक्षिक प्रशासन सर्वेक्षण की राज्य रिपोर्टों में चिन्हित किया गया है। शैक्षिक प्रशासन के सामने नई चुनौतियाँ खड़ी हो रही हैं। यह अध्ययन इस बात की पड़ताल करेगा कि वर्तमान प्रशासनिक संरचना इन नई चुनौतियों और अपेक्षाओं का किस हद तक उत्तर दे पा रही है।

यह उल्लेखनीय है कि कई राज्यों ने अपने प्रशासनिक ढांचे में, विशेषकर जिला और ब्लॉक स्तर पर, सुधार किए हैं। बिहार, समेत कई राज्य इस दिशा में उदाहरण हैं। कुछ राज्यों में लागू सुधारात्मक कदम अन्य राज्यों के लिए मार्गदर्शक सिद्ध हो सकते हैं। कई बार किसी राज्य में किए गए सुधार अन्य राज्यों के लिए सीख का अवसर प्रदान करते हैं, लेकिन सार्वजनिक डोमेन में सटीक जानकारी की अनुपलब्धता के कारण पारस्परिक सीखने की संभावना सीमित हो जाती है।

विभिन्न स्तरों पर और विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में शैक्षिक प्रशासन की संरचना पर जानकारी की अनुपलब्धता के अतिरिक्त, प्रत्येक स्तर पर संलग्न कार्यात्मक जिम्मेदारियों की जानकारी भी उपलब्ध नहीं है।

प्रारंभिक मसौदा तैयार कर लिया गया है। अंतिम रिपोर्ट अगले तीन महीनों में पूर्ण होने की संभावना है – प्रो. कुमार सुरेश।

2. **भारत में तुलनात्मक शैक्षिक लाभ की स्थानिक गतिशीलता**

प्रधान अन्वेषकः प्रो. मोना खरे

प्रधान अन्वेषक (पीआई) द्वारा प्रदान की गई अद्यतन स्थिति इस प्रकार हैः

भारत में तुलनात्मक शैक्षिक लाभ की स्थानिक गतिशीलता परियोजना रिपोर्ट लेखन के अंतिम चरण में है। अब परियोजना के लिए कोई सहायता उपलब्ध नहीं है। इस परियोजना के लिए एक वर्ष की अवधि के लिए जो कर्मचारी नियुक्त किए गए थे, वे चिकित्सीय कारणों से कार्य जारी नहीं रख सके और एक माह में कार्य छोड़ दिया। अतः शेष अवधि के लिए कर्मचारी प्रदान करने का अनुरोध किया गया है।

3. भारत के स्नातक महाविद्यालयों में पुस्तकालय सुविधाएं और उसका छात्रों के अकादमिक प्रदर्शन पर प्रभाव

प्रधान अन्वेषक: डॉ. संगीता अंगोम

प्रस्तावना

पुस्तकालय शिक्षकों, शोधकर्ताओं, छात्रों और आम जनता के लिए एक महत्वपूर्ण ज्ञान का स्रोत है। भारत में महाविद्यालयों और उनके पुस्तकालयों की स्थिति विश्व के उन्नत देशों की तुलना में खराब स्थिति में है। अधिकांश महाविद्यालयों में उचित पुस्तकालय सुविधाएं नहीं हैं और जहां पुस्तकालय उपलब्ध हैं, वहां भी वे उचित रूप से प्रशिक्षित जनशक्ति द्वारा संचालित और रखरखाव में नहीं हैं। इस समस्या के कई कारण हैं जैसे कि बजट की कमी, स्थान की समस्या, संसाधनों की अनुपलब्धता, जनशक्ति की कमी, और राष्ट्रीय नीतियों एवं मानकों की अनुपस्थिति। महाविद्यालय पुस्तकालय छात्रों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है जिससे वे ज्ञानवान व्यक्ति बन सकें। उनका पठन कौशल, सूचना प्राप्ति कौशल और पुस्तकालय संसाधनों के बारे में ज्ञान एक अच्छे पुस्तकालय के माध्यम से बेहतर किया जा सकता है।

हालांकि, कॉलेज पुस्तकालयों की स्थिति को लेकर बहुत कम अनुभवजन्य आंकड़े उपलब्ध हैं। साहित्य समीक्षा से यह स्पष्ट होता है कि कुछ ही अध्ययन कॉलेज पुस्तकालयों या उनकी सुविधाओं के उपयोग पर किए गए हैं। लेकिन अधिकांश अध्ययन किसी विशेष राज्य तक ही सीमित रहे हैं और उच्च शिक्षा संस्थानों विशेषकर स्नातक महाविद्यालयों की पुस्तकालय सुविधाओं पर राष्ट्रीय स्तर पर शायद ही कोई अध्ययन किया गया हो। इसी परिप्रेक्ष्य में, इस अध्ययन को विभिन्न मापदंडों के आधार पर महाविद्यालय पुस्तकालयों की स्थिति का मूल्यांकन करने के लिए किया गया। इस अध्ययन के दो विशिष्ट उद्देश्य हैं: (i) भारतीय महाविद्यालयों में पुस्तकालय सुविधाओं के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करना, जिसमें नैक के मापदंडों को ध्यान में रखते हुए मूल्यांकन करना, और (ii) महाविद्यालय पुस्तकालय का उसके उपयोगकर्ताओं (छात्रों) के शैक्षणिक प्रदर्शन पर प्रभाव का मूल्यांकन करना।

कार्यप्रणाली: अपने उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए अध्ययन में भारत के प्रमुख राज्यों में व्यापक क्षेत्रीय कार्य किया गया। नमूने में भारत के 18 विभिन्न राज्यों के 80 महाविद्यालय, 58 प्राचार्य, 75 पुस्तकालयाध्यक्ष, 973 शिक्षक और 3494 छात्र शामिल किए गए। इस अध्ययन में विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण के साथ सर्वेक्षण शोध पद्धति को अपनाया गया। अध्ययन के लिए सरकारी और निजी दोनों प्रकार के महाविद्यालयों को चुना गया। आंकड़े एकत्र करने के लिए प्रश्नावली और साक्षात्कार अनुसूचियां का उपयोग किया गया। छात्रों और संकाय सदस्यों से गहराई से जानकारी प्राप्त करने के लिए केंद्रित समूह चर्चाएं भी आयोजित की गईं। माध्यमिक आंकड़े महाविद्यालय के दस्तावेज जैसे वार्षिक रिपोर्ट, नैक अध्ययन दस्तावेज, और विवरणिका आदि से एकत्र किए गए। आंकड़ों का विश्लेषण एसपीएसएस और एक्सेल वर्कशीट की सहायता से किया गया, और खुले प्रश्नों के लिए विषयगत विश्लेषण अपनाया गया।

प्रगति रिपोर्ट: आंकड़ा विश्लेषण पूर्ण हो चुका है और समेकित प्रारंभिक परियोजना रिपोर्ट का प्रारूप तैयार कर लिया गया है।

कार्य योजना: अध्ययन रिपोर्ट के पहले प्रारूप का संपादन प्रगति पर है। उम्मीद है कि यह प्रारूपित रिपोर्ट जून 2025 तक पूर्ण हो जाएगी। हालांकि, रिपोर्ट की तैयारी में थोड़ी देरी हो रही है क्योंकि अनुसंधानकर्ता दो अन्य समय–सीमाबद्ध शिक्षा मंत्रालय परियोजनाओं में भी संलग्न हैं– 1. पूर्वोत्तर भारत (मणिपुर और मेघालय) में स्कूल शिक्षा को सुदृढ़ करने की परियोजना – जो वर्तमान में चल रही है, और 2. राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) क्रियान्वयन मूल्यांकन अध्ययन – (जिसमें अन्वेषक नीपा की अध्ययन दल के सदस्य के रूप में शामिल हैं, और जिसकी रिपोर्ट मार्च 2025 में प्रस्तुत की जा चुकी है)।

4. उच्च शिक्षा में कॉलेज तत्परता और छात्र सफलता

प्रधान अन्वेषक: डॉ. निधि एस. सभरवाल

यह शोध परियोजना भारत में उच्च शिक्षा में विविध शिक्षार्थियों की कॉलेज तत्परता की वर्तमान स्थिति और उसे प्रभावित करने वाली विशेषताओं की सूक्ष्म समझ विकसित करने का उद्देश्य रखती है। कॉलेज तत्परता का अर्थ है, छात्रों के पास वह ज्ञान और कौशल होना जो उन्हें सीखने और शैक्षणिक सफलता के लिए आवश्यक है। यह मुद्दा तब और अधिक जटिल हो जाता है जब उच्च शिक्षा

प्रणाली का विस्तार हो रहा हो, और संस्थानों को ऐसे छात्रों की आवश्यकताओं का उत्तर देना होता है जो पहली पीढ़ी के शिक्षार्थी हैं, अलग–अलग स्तर की तत्परता रखते हैं और उच्च शिक्षा में विशिष्ट ज़रूरतों के साथ प्रवेश करते हैं। पारंपरिक रूप से अल्प–प्रतिनिधित्व वाले समूहों के छात्रों के उच्च शिक्षा में नामांकन को बढ़ाने के समानांतर यह भी सुनिश्चित करना आवश्यक है कि वे आवश्यक ज्ञान और कौशल से सुसज्जित हों ताकि वे उच्च शिक्षा में सफल हो सकें। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 उच्च शिक्षा में सीखने के परिणामों में समानता को बढ़ावा देने के लक्ष्य को दोहराती है। यह संस्थानों को यह जिम्मेदारी देती है कि वे शैक्षणिक और सामाजिक क्षेत्रों में विविध छात्र समूहों को सहायता प्रदान करने की योजना बनाएं।

इस अध्ययन में, वैविध्य अधिगमकर्ताओं द्वारा अपेक्षित कौशल और सक्षमता के प्रारूपों का अनुभवमूलक शोध करने का प्रयास किया गया है जिससे उच्चतर शिक्षा परिसर में शैक्षणिक सफलता के लिए तत्परता अपनाने के मार्ग में आनेवाली बाधाओं को दूर किया जा सके। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि विविध क्षेत्र के विद्यार्थियों से जुड़ने की प्रक्रिया में, इस अध्ययन का लक्ष्य उच्चतर शिक्षा में महाविद्यालय तत्परता कौशल विकसित करने के लिए संस्थागत तैयारी की जाँच करना है। अध्ययन के विशिष्ट शोध प्रश्न निम्नानुसार हैंः कॉलेज के विद्यार्थियों के समक्ष अकादमिक जगत में कौन सी कठिनाईयां आती हैं; कॉलेज के विद्यार्थियों को सामाजिक क्षेत्र में किन कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है; विद्यार्थी की सफलता के लिए महाविद्यालय की तत्परता में सुधार लाने के लिए विद्यमान संस्थानिक नीतियां और सहयोग सेवाएं कौन सी हैं? इस अध्ययन के माध्यम से बृहत उच्च्तर शिक्षा प्रणाली में महाविद्यालय की तत्परता से संबंधित मुद्दों के निराकरण के लिए प्रयास किया जा रहा है जिसका उद्देश्य विविध पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों के शैक्षणिक एकीकरण और सामाजिक समावेशन को बढ़ावा देना है ताकि विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को अपने अध्ययन के अंत में उन्नत अधिगम प्रतिफल प्राप्त हो सके।

इस अध्ययन में बहु–संस्थानिक केस अध्ययन उपागम अपनाया गया है। पांच भौगोलिक क्षेत्र (उत्तर, पश्चिम, मध्य, पूर्व और दक्षिण) में अवस्थित चयनित पाँच उच्चतर शिक्षा संस्थान जिनमें विश्वविद्यालय, अधि–स्नातक महाविद्यालय और राष्ट्रीय महत्व के संस्थान (एनआईटी/आईआईटी) सम्मिलित हैः इस अध्ययन में मिश्रित विधि उपागम को अपनाया गया है और इसमें सूचना और आंकड़े एकत्र करने के लिए गुणवत्तापूर्ण और परिमाणात्मक शोध उपकरण दोनों का प्रयोग किया गया है।

इस परियोजना के कार्यान्वयन के लिए सलाह देने तथा इसके मार्गदर्शन हेतु एक शोध विशेषक समिति की बैठक गठित की गई थी। बैठक हुई जिसमें एक व्यापक साहित्य समीक्षा, एक अवधारणात्मक एवं सैद्धान्तिक रूपरेखा के साथ–साथ अध्ययन हेतु पद्धति समिति की प्रतिपुष्टि और मार्गदर्शन के लिए उनके सम्मुख प्रस्तुत की गई। सदस्यों से प्राप्त जानकारी के आधार पर शोध प्रस्ताव में संशोधन किए जाने के साथ–साथ शोध युक्तियां भी तैयार की गई। विशेषज्ञों से टिप्पणियां प्राप्त करने के लिए युक्ति विकास बैठक में ग्यारह शोध युक्तियों का मसौदा प्रस्तुत किया गया। गुणात्मक व मात्रात्मक आंकड़ा संग्रहण के प्रयोजन सहित सभी युक्तियां सूमह के समक्ष प्रस्तुत की गई। समूह के सदस्यों से प्राप्त टिप्पणियों के आधार पर युक्तियों में संशोधन किया गया। इन युक्तियों को अंतिम रूप देने के लिए प्रयोगिक अध्ययन कार्य पूरा हो गया है। नवंबर, 2022 में प्रथम शोध पद्धति कार्यशाला का आयोजन कर शोध परियोजना का शुभारंभ किया जिसमें पाँच राज्यों (असम, बिहार, दिल्ली, केरल और महाराष्ट्र) के सभी पाँच शोध दलों ने भागीदारी की। द्वितीय शोध पद्धति कार्यशाला में सभी पाँच दलों ने भागीदारी की और विश्लेषण रूपरेखा पर परिचर्चा की गई। अनुसंधान रिपोर्ट की तैयारी प्रगति पर है।

5. भारत में उच्च शिक्षा में शिक्षण–अधिगम के साथ डिजिटल तकनीक का एकीकरण

प्रधान अन्वेषकः प्रो. प्रदीप कुमार मिश्र

यह अध्ययन भारत के उच्च शैक्षणिक संस्थानों में समकालीन डिजिटल तकनीक के शिक्षण और अधिगम पर प्रभाव का परीक्षण करता है। यह विश्लेषण करता है कि किस प्रकार उच्च शिक्षा संस्थानों में डिजिटल तकनीक मुख्यधारा के पाठ्यक्रम, शिक्षा और अधिगम के माध्यम से एकीकृत होती जा रही है।

परियोजना के कार्यान्वयन के लिए सलाह और मार्गदर्शन देने हेतु एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया। इस समिति के समक्ष एक विस्तृत शोध प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया, जिसमें एक व्यापक साहित्य समीक्षा, वैचारिक और सैद्धांतिक ढाँचा, और अध्ययन की कार्यप्रणाली शामिल थी,

ताकि उनसे सुझाव और मार्गदर्शन प्राप्त किया जा सके। यह बैठक 29 सितम्बर, 2022 को आयोजित की गई थी। शोध उपकरणों के प्रारूप को विशेषज्ञों की टिप्पणियाँ प्राप्त करने के लिए 15 जून, 2023 को 'उपकरण विकास बैठक' में प्रस्तुत किया गया। इस बैठक में गुणात्मक और मात्रात्मक डेटा एकत्रण के सभी उपकरण समूह के समक्ष प्रस्तुत किए गए। समूह के सदस्यों की टिप्पणियों के आधार पर उपकरणों में संशोधन किया गया। पहली अनुसंधान कार्यप्रणाली कार्यशाला 22–23 जनवरी, 2024 को आयोजित की गई, जिसमें चार राज्यों (पंजाब, महाराष्ट्र, पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल) की पाँच अनुसंधान टीमों ने भाग लिया। दूसरी अनुसंधान कार्यप्रणाली कार्यशाला 7–8 मई, 2025 को आयोजित की गई। डेटा संग्रहण की प्रक्रिया वर्तमान में प्रगति पर है, और सभी टीमों से अपेक्षा की जाती है कि वे 31 मई, 2025 तक यह कार्य पूर्ण कर लेंगे। इसके पश्चात राज्य स्तरीय टीमें एकत्रित आंकड़ों का विश्लेषण करेंगी और अपनी राज्य टीम रिपोर्ट तैयार करेंगी।

6. भारत में उच्च शिक्षा तक पहुंच का विस्तारः संस्थागत दृष्टिकोण

प्रधान अन्वेषकः डॉ. निधि सभरवाल

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) ने यूनिवर्सिटी ऑफ वारविक के सहयोग और वित्तपोषण से शोध परियोजना "भारत में उच्च शिक्षा तक पहुंच का विस्तारः संस्थागत दृष्टिकोण" शुरू की है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 सामाजिक रूप से वंचित समूहों के लिए उच्च शिक्षा तक पहुंच को बढ़ाने पर बल देती है। यह स्वीकार करती है कि सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि से आने वाले व्यक्तियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में गंभीर बाधाओं का सामना करना पड़ता है, जैसे कि प्रवेश प्रक्रिया की अपर्याप्त जानकारी और सूचित निर्णय लेने की क्षमता का अभाव। यह परियोजना विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में उच्च शिक्षा की जानकारी के प्रसार में ग्रामीण क्षेत्रों को सेवा प्रदान करने वाले राज्य विश्वविद्यालयों और सरकारी कॉलेजों की महत्त्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करती है। यह परियोजना इस बात का अध्ययन करती है कि किस प्रकार उच्च शिक्षा संस्थानों और स्थानीय समुदायों के बीच संवाद, विशेष रूप से ग्रामीण/अर्ध–शहरी क्षेत्रों में, संस्थानों के संकाय सदस्यों और नेतृत्व की गतिविधियों के माध्यम से उच्च शिक्षा तक पहुँच और विकल्प को बढ़ावा दे सकते हैं।

यह अध्ययन बहु–संस्थागत केस स्टडी पद्धति अपनाता है। अध्ययन छह चयनित उच्च शिक्षा संस्थानों में किया जा रहा है, जिनमें विश्वविद्यालय और स्नातक कॉलेज शामिल हैं, जो देश के छह भौगोलिक क्षेत्रों (उत्तर, उत्तर–पूर्व, पश्चिम, मध्य, पूर्व और दक्षिण) में स्थित हैं। अध्ययन मिश्रित विधियों का उपयोग करता है और गुणात्मक व मात्रात्मक दोनों प्रकार के शोध उपकरणों के माध्यम से जानकारी और डेटा एकत्रित व विश्लेषित करता है। परियोजना के कार्यान्वयन हेतु एक अनुसंधान सलाहकार समिति का गठन किया गया। समिति की बैठक में एक विस्तृत शोध प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया जिसमें साहित्य समीक्षा, वैचारिक और सैद्धांतिक ढाँचा तथा कार्यप्रणाली शामिल थी। समिति के सुझावों के आधार पर अनुसंधान प्रस्ताव और उपकरणों को संशोधित किया गया। पंद्रह अनुसंधान उपकरणों के मसौदे को 'उपकरण विकास बैठक' में प्रस्तुत किया गया, जहां विशेषज्ञों से टिप्पणियाँ प्राप्त की गईं। मात्रात्मक और गुणात्मक आंकड़े एकत्र करने के निमित उपकरण समेत सभी समूह के समक्ष प्रस्तुत किया गया। समूह के सदस्यों की टिप्पणियों के आधार पर उपकरणों में संशोधन किया गया। उपकरणों को संशोधित करने हेतु प्रारंभिक अध्ययन किया गया।

अनुसंधान परियोजना की शुरुआत नवम्बर 2023 में आयोजित पहली अनुसंधान कार्यप्रणाली कार्यशाला से हुई, जिसमें छह राज्यों (असम, छत्तीसगढ़, हरियाणा, केरल, महाराष्ट्र और ओडिशा) की टीमों ने भाग लिया। डेटा संग्रहण पूरा हो चुका है। डेटा संग्रहण के बाद, विश्लेषण ढाँचे पर चर्चा के लिए सितम्बर 2024 में अनुसंधान दल सदस्यों के साथ दूसरी अनुसंधान कार्यप्रणाली कार्यशाला आयोजित की गई। अनुसंधान रिपोर्ट का लेखन कार्य प्रगति पर है।

7. उच्चतर शैक्षिणिक संस्थानों में कार्यान्वित किए जा रहे प्रत्यायन हेतु रूपांतरकारी सुधारों के संबंध में अभिगमनात्मक कार्यकलाप (मंत्रालय गतिविधि)

प्रधान अन्वेषकः प्रो. कुमार सुरेश, प्रो. आरती श्रीवास्तव एवं डॉ. अमित गौतम

यह कार्यक्रम मूल्यांकन और प्रत्यायन की पूर्ववर्ती रूपरेखा से परिवर्तन के कारण फिलहाल स्थगित है। नीपा के कुलपति इस कार्यक्रम के शुभारंभ और सहयोग हेतु एनएएसी निदेशक के संपर्क में हैं, जो रूपरेखा के औपचारिक रूप से

जारी होने के पश्चात क्रियान्वित किया जाएगा। विकास की स्थिति के अनुसार, राज्य सरकारों/उच्च शिक्षण संस्थानों के सहयोग से कार्यशालाएं आयोजित की जा सकती हैं।

8. भारत में गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक बाल्यकाल शिक्षा के लिए शासन व्यवस्था, प्रबंधन और नेतृत्वः अनुभव और अधिगम

प्रधान अन्वेषकः प्रो. रस्मिता दास स्वाँइ

''भारत में गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक बाल्यकाल देखभाल एवं शिक्षा के लिए शासन, प्रबंधन और नेतृत्वः अनुभव और अधिगम'' शीर्षक वाली यह शोध परियोजना सभी बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा सुनिश्चित करने की तत्काल राष्ट्रीय प्राथमिकता को संबोधित करती है, जैसा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, सतत विकास लक्ष्य 4.0, और शिक्षा के सार्वभौमिकरण के भारत के संकल्प में दर्शाया गया है। इस बात को मानते हुए कि प्रारंभिक वर्षों की शिक्षा जीवन– परंत शिक्षा की बुनियाद होती है, यह परियोजना ई.सी.सी.ई की प्रणालीगत और संस्थागत विशेषताओं की पड़ताल करती है, विशेष रूप से शासन, प्रबंधन और नेतृत्व संरचनाओं पर ध्यान केंद्रित करती है जो आंगनवाड़ी केंद्रों, बाल वाटिकाओं और विद्यालयों की प्री–प्राइमरी कक्षाओं में सेवा वितरण को सीधे प्रभावित करती हैं। एनईपी 2020 के अनुरूप यह अध्ययन बच्चों की आयु 3–8 वर्ष के लिए खेल आधारित, एकीकृत, और बाल्यावस्था समग्र शिक्षा को व्यवहार में लाने के प्रयासों की जाँच करता है।

नीति में ई.सी.सी.ई का सार्वभौमिकरण, नया राष्ट्रीय पाठ्यचर्या एवं ई.सी.सी.ई. (एन.सी.एफ.–एफ.एस.) के लिए शिक्षण ढाँचा, शिक्षकों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण, और बहु–क्षेत्रीय एकीकरण की आवश्यकता पर बल दिया गया है, जो नीति क्रियान्वयन में शासन और नेतृत्व की केंद्रीय भूमिका को रेखांकित करता है। इसके अतिरिक्त एनईपी 2020 निपुण भारत मिशन के माध्यम से ग्रेड 3 तक बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता प्राप्त करने की आवश्यकता पर बल देता है, जोकि तभी सफल हो सकता है अगर प्रारंभिक शिक्षा व्यवस्था को प्रभावी रूप से प्रबंधित किया जा सके।

यह परियोजना सतत विकास लक्ष्य 4.0, विशेष रूप से लक्ष्य 4.2 के अनुरूप भी है, जो यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक बाल्यावस्था विकास और पूर्व–प्राथमिक शिक्षा प्राप्त हो। सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) ढांचा समावेशन, समानता, प्रशिक्षित शिक्षकों और सुरक्षित बाल–अनुकूल वातावरण के महत्व पर प्रकाश डालता है– जो सभी मज़बूत संस्थागत नेतृत्व और प्रभावी शासन तंत्र पर निर्भर करते हैं। इस नीतिगत संदर्भ को ध्यान में रखते हुए, यह शोध ईसीसीई सेवा वितरण में मौजूदा शासन, प्रबंधन और नेतृत्व मॉडल को समझने और उन कमियों, नवाचारों और आशाजनक प्रथाओं की पहचान करने का प्रयास करता है जो भविष्य के हस्तक्षेपों को सूचित कर सकें। यह अध्ययन विशेष रूप से प्रासंगिक है क्योंकि भारत आधारभूत स्तर से कक्षा 12 तक शिक्षा के सार्वभौमिकरण की ओर बढ़ रहा है, जिसके लिए सभी स्तरों पर सुदृढ़ योजना, प्रबंधन और संसाधन आवंटन की आवश्यकता है।

यह परियोजना नीपा की अकादमिक परिषद द्वारा 22 मार्च 2018 को अनुमोदित की गई और 4 दिसंबर 2023 को आधिकारिक रूप से शुरू की गई। यह परियोजना राष्ट्रीय स्तर के लिए मिश्रित विधियों का प्रयोग करती है और राजस्थान पर विशेष ध्यान देती है, जो आंगनवाड़ी–विद्यालय समन्वय मॉडल को 700 मीटर की परिधि में लागू करने वाला भारत का पहला राज्य है। यह समन्वय नीति को औपचारिक विद्यालय प्रणाली में ई.सी.सी.ई को एकीकृत करने के प्रयास का प्रतिनिधित्व करता है और अन्य राज्यों द्वारा इसे मॉडल के रूप में देखा जा सकता है।

इस परियोजना में ई.सी.सी.ई से संबंधित देशव्यापी और राजस्थान राज्य की व्यापक स्थिति को दर्शाने के लिए बड़े पैमाने पर डेटा एकत्रित किया जा रहा है, विशेष रूप से आंगनवाड़ी केंद्रों और पूर्व–प्राथमिक कक्षाओं पर। अब तक दो परामर्श कार्यशालाएँ और एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की जा चुकी हैं, जिसमें ई.सी.सी.ई के कार्यान्वयन, नवाचार और चुनौतियों पर विशेषज्ञों की राय प्राप्त की गई। दिल्ली और जयपुर में एक प्रारंभिक अध्ययन भी किया गया, जिससे उपकरणों को सत्यापित किया गया और आंगनवाड़ी केंद्रों और पूर्व–प्राथमिक अनुभागों की कार्यप्रणाली की जमीनी स्थितियों की समझ विकसित की गई।

अंतिम चरण का आंकड़ा संग्रहण जुलाई 2025 में शुरू होगा, जिसमें जयपुर और जैसलमेर में क्षेत्रीय भ्रमण किए जाएंगे – ये जिले मानव विकास सूचकांक, पाँच वर्ष से कम आयु में मृत्यु दर, साक्षरता दर, और एसडीजी भारत सूचकांक (3.0) जैसे मानकों के आधार पर चुने गए हैं। शोध उपकरणों को प्रारंभिक अध्ययन से प्राप्त जानकारी के आधार पर अंतिम रूप दिया जा रहा है और क्षेत्रीय यात्राओं के लिए अनुमतियां प्राप्त हो चुकी हैं। रिपोर्ट लेखन जारी है, जिसमें प्रस्तावना और साहित्य समीक्षा अध्याय पूर्ण हो चुके हैं।

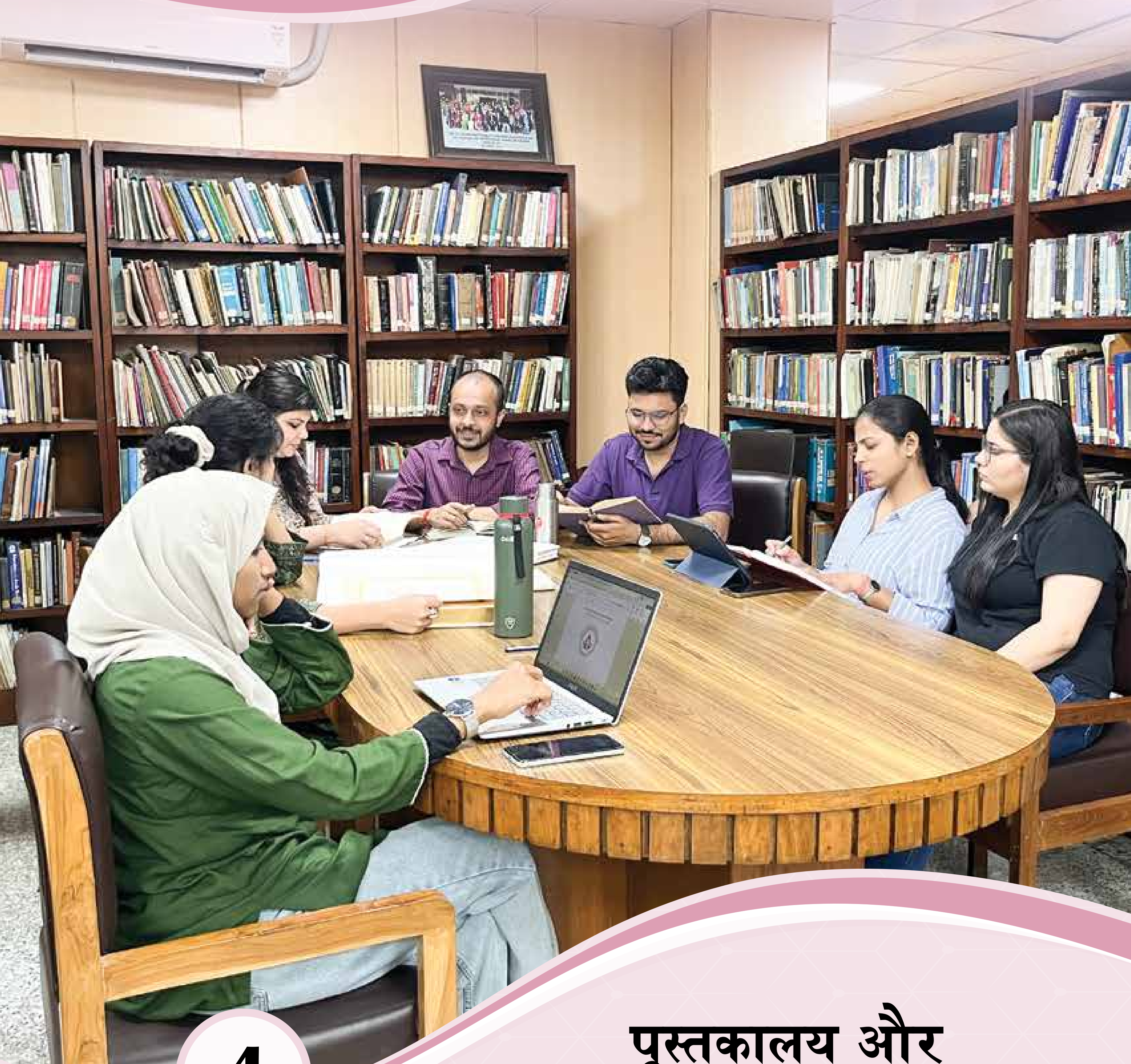

4

पुस्तकालय और प्रलेखन सेवाएं

पुस्तकालय और प्रलेखन सेवाएं

ज्ञान और सूचना की साझेदारी

संस्थान ने शैक्षिक नीतियों, योजना और प्रबंधन से संबंधित मौजूदा और नए ज्ञान तक पहुंच प्रदान करने के लिए कई पहल की हैं। संस्थान की पुस्तकालय और प्रलेखन सेवाएं शैक्षिक नीति, योजना और प्रबंधन के क्षेत्रों में ज्ञान और सूचना के प्रलेखन और प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। वर्ष 2024–25 के दौरान पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र द्वारा की जाने वाली प्रमुख गतिविधियों में निम्नलिखित शामिल हैं:

पुस्तकालय और प्रलेखन सेवाएं

संस्थान का पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र अपने पाठक वर्ग की सूचना संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संसाधन और शिक्षण केंद्र के रूप में कार्य कर रहा है, जिसमें विश्वविद्यालय के संकाय/कर्मचारी सदस्य, भारत और विदेश के शोध विद्वान, संस्थान के पीएच.डी. विद्वान, नीपा द्वारा आयोजित विभिन्न राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण/डिप्लोमा कार्यक्रमों के प्रतिभागी और अन्य अतिथि संकाय और उपयोगकर्ता शामिल हैं। पुस्तकालय आधुनिक शिक्षण और अधिगम के सहायक उपकरण, कंप्यूटर सुविधाओं और वाईफाई जैसी इलेक्ट्रॉनिक सुविधाओं से सुसज्जित है।

आजकल पठन सामग्री और सूचना स्रोत प्रिंट से इलेक्ट्रॉनिक में बदल रहे हैं, इसलिए नीपा पुस्तकालय ने भी अपनी संग्रह विकास रणनीति बदल दी है। पुस्तकालय वर्तमान में ऑनलाइन पत्रिकाओं को प्राथमिकता देती है। हालांकि, किताबें अभी भी केवल प्रिंट में ही पसंद की जाती हैं।

पुस्तकालय में पुस्तकों, पत्रिकाओं और लेखों का समृद्ध संग्रह है। वर्ष 2024–25 के दौरान, पुस्तकालय को जनवरी 2025 से शिक्षा मंत्रालय की पहल ओ.एन.ओ.एस (एक राष्ट्र एक सदस्यता) के तहत बड़ी संख्या में प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन पत्रिकाएँ भी प्राप्त हुई है। इसके अलावा पुस्तकालय आदान–प्रदान के आधार पर हल्की–फुल्की पढ़ने वाली पत्रिकाओं और राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय प्रिंट पत्रिकाओं की सदस्यता लेता है। उक्त अवधि में नीपा सहित सभी ईएसएस सदस्य संस्थानों के लिए दो प्रमुख ई–संसाधन – जेएसटीओआर और आईएसआईडी डेटाबेस भी सुलभ थे।

नीपा पुस्तकालय कुछ ऑनलाइन सूचना सेवाएं प्रदान करती है जैसे कि 'न्यूज़ फ्लैश', "नीपा इन प्रेस" और "न्यू अराइवल्स"। पुस्तकालय ने संस्थान द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों/सेमिनारों के लिए ग्रंथसूची भी तैयार की है। संदर्भ सामग्री, लेख, रिपोर्ट आदि की फोटोकॉपी सेवाएं उपयोगकर्ताओं को प्रदान की जाती हैं।

पुस्तकालय में सभी आंतरिक गतिविधियां, जिसमें प्राप्तियां, सूची बनाना, प्रसार और श्रेणी नियंत्रण शामिल हैं, लिबसिस 10 सॉफ़्टवेयर पैकेज के नवीनतम संस्करण का उपयोग करके पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत हैं। वेब ओपीएसी को इंट्रानेट और इंटरनेट के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है, या तो सीधे नीपा में लैन से जुड़े कंप्यूटरों का उपयोग करके या यूआरएल के माध्यम से नीपा की वेबसाइट पर वेब ओपीएसी का उपयोग करते हुए। इंटरनेट के माध्यम से यह नीपा पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों, पत्रिकाओं और लेखों के डेटाबेस को ब्राउज़ करने और खोजने की सुविधा प्रदान करता है।

प्रलेखन केंद्र में शिक्षा पर बहुत महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्ट और सर्वेक्षण भी हैं जो शैक्षिक अनुसंधान और नीति–निर्माण के लिए आवश्यक हैं। नीपा प्रलेखन केंद्र में शैक्षिक योजना, प्रबंधन और प्रशासन पर एक विस्तृत और समृद्ध संग्रह है। इसके संग्रह में केंद्र–राज्य सरकारों और अन्य शोध संगठनों के प्रकाशन जैसे राज्य और जिला जनगणना रिपोर्ट, राज्य और जिला गजेटियर, केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों के अधिनियम और क़ानून, जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (डी.पी.ई.पी) और सर्व शिक्षा अभियान (एस.एस.ए), राज्यों की सांख्यिकीय पुस्तिकाएँ, अखिल भारतीय शैक्षिक सर्वेक्षण, आर्थिक सर्वेक्षण, आयोग और समितियों की रिपोर्ट, राज्य आर्थिक सर्वेक्षण, राज्य शैक्षिक योजनाएं, राज्य मानव विकास रिपोर्ट और पंचवर्षीय योजनाएं शामिल हैं। विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रकाशन जैसे शोध अध्ययन, सामयिक पत्र श्रृंखला, विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट (1962–2021), प्रशिक्षण कार्यक्रम रिपोर्ट, विभिन्न मंत्रालयों की वार्षिक रिपोर्ट, अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक योजना संस्थान (आई.आई.इ.पी), पेरिस के प्रकाशन भी उपलब्ध हैं। केंद्र में नीपा के एम.फिल. और पीएच.डी. कार्यक्रमों और अन्य विश्वविद्यालयों के शोध प्रबंधों, शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा) और शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा) के शोध प्रबंधों का समृद्ध संग्रह है।

5

कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं

15:34
15:34
03:34

कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं

आईटी सेवाएं

विभाग के बारे में संक्षिप्त जानकारीः कंप्यूटर केंद्र संस्थान की सूचना प्रौद्योगिकी आवश्यकताओं को पूरा करता है। संस्थान की रीढ़ के रूप में नेटवर्क और इसके सक्रिय घटकों का प्रशासन, रखरखाव और नियंत्रण कंप्यूटर केंद्र द्वारा किया जाता है। कंप्यूटर केंद्र 24x7x365 इंटरनेट कनेक्टिविटी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एनएमईआईसीटी परियोजना के तहत **एनकेएन/एमटीएनएल** द्वारा प्रदान की गई समर्पित 1 जीबीपीएस ऑप्टिकल फाइबर इंटरनेट कनेक्टिविटी से सुसज्जित है और, हमारे पास **पावरग्रिड** से 100 एमबीपीएस की समर्पित बैकअप ऑप्टिकल फाइबर इंटरनेट कनेक्टिविटी है। कंप्यूटर केंद्र सभी शोध विद्वानों, कार्यक्रम प्रतिभागियों, परियोजना कर्मचारियों, प्रशिक्षुओं, संकाय सदस्यों और स्टाफ सदस्यों को कंप्यूटिंग सुविधाएं और इंटरनेट सेवाएं प्रदान करता है।

संस्थान में उपलब्ध संसाधनों के इष्टतम उपयोग के लिए नेटवर्क संसाधनों तक पहुंच के लिए सभी संकाय और स्टाफ सदस्यों को उच्च गति इंटरनेट कनेक्टिविटी और वाई–फाई नेटवर्क की सुविधा प्रदान की गई है। **नीपा डोमेन** पर सभी संकाय और स्टाफ सदस्यों को व्यक्तिगत ईमेल खाते उपलब्ध कराए गए हैं। सभी संकाय/कर्मचारियों को डेस्कटॉप/लैपटॉप कम्प्यूटर उपलब्ध कराए गए हैं। कंप्यूटर केंद्र की सुविधाएं लगभग 12 घंटे तक बिना किसी रुकावट के उपलब्ध रहती हैं। कंप्यूटर केंद्र, तीसरी पार्टी कंपनी की मदद से संस्थान के स्वामित्व वाली कंप्यूटर प्रणालियों और बाह्य उपकरणों के रखरखाव के लिए जिम्मेदार है।

कंप्यूटर केंद्र संस्थान की शैक्षणिक और गैर–शैक्षणिक दोनों तरह की दैनिक गतिविधियों में सूचना प्रौद्योगिकी में व्यापक रूप से सहायता प्रदान करता है। कंप्यूटर केंद्र विभिन्न प्रकार के नवीनतम डेस्कटॉप कंप्यूटर, लैपटॉप और मल्टीफ़ंक्शन प्रिंटर से सुसज्जित है।

कंप्यूटर केंद्र नीपा भवन से छात्रावास तक हाई–स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी भी प्रदान करता है। नीपा छात्रावास के सभी मंजिलों के सभी कमरों में प्रमाणीकृत और सुरक्षित वाई–फाई इंटरनेट कनेक्टिविटी उपलब्ध कराई गई है, जिसका उपयोग छात्रावास में रहने वाले अतिथियों द्वारा किया जा सकता है।

कंप्यूटर केंद्र प्रशिक्षण, अनुसंधान, मात्रात्मक डेटा विश्लेषण, प्रणाली स्तर प्रबंधन मुद्दों और अन्य गतिविधियों द्वारा शैक्षणिक विभागों को सहायता प्रदान करता है। संस्थान के गैर–शैक्षणिक एककों जैसे पुस्तकालय, प्रशासन और वित्त अनुभागों को भी सहायता प्रदान की जाती है। संस्थान की आंतरिक सॉफ्टवेयर विकास, डाटा प्रोसेसिंग और वर्ड प्रोसेसिंग आवश्यकताओं को पूरा करने के अलावा, विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों/कार्यक्रमों के लिए कंप्यूटर जागरूकता और ई–समर्थ मॉड्यूल और अन्य विशेष कंप्यूटर सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

संस्थान की दिन–प्रतिदिन की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संस्थान में एक समर्पित अत्याधुनिक डाटा सेंटर स्थापित किया गया है। डेटा सेंटर उच्च स्तरीय डेटा सर्वर, ब्लेड–सर्वर, वेब सर्वर और सैन स्टोरेज से सुसज्जित है, जो उपयोगकर्ताओं के लिए 24x7x365 ऑनलाइन रहते हैं। डेटा सेंटर समर्पित समानांतर यूपीएस से सुसज्जित है जो सर्वरों को पावर बैकअप प्रदान करता है।

ई–शासन

- **"समर्थ ई–गवर्नेंस सूट"** शिक्षा मंत्रालय द्वारा 2019 में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी एनएमईआईसीटी–II (अब एनएमईआईसीटी–III) के माध्यम से शिक्षा पर राष्ट्रीय मिशन के तहत शुरू की गई एक पहल है, जिसका उद्देश्य विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) को छात्रों, कर्मचारियों और अन्य हितधारकों के लिए सेवाओं की योजना, प्रबंधन, वितरण और निगरानी के लिए एक डिजिटल ढांचे के माध्यम से सक्षम बनाना है। परियोजना के अंतर्गत, उच्च शिक्षा संस्थानों को पूर्णतः प्रबंधित, क्लाउड आधारित, व्यापक ईआरपी प्रदान किया जाता है, जो देश के उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए विशेष रूप से निर्मित किया है।

ई–समर्थ मॉड्यूल

मॉड्यूल	गतिविधि
पेरोल ईआरपी मॉड्यूल	यह किसी कर्मचारी के वेतन के सभी वित्तीय अभिलेखों का योग है, जिसमें बोनस और कटौतियां भी शामिल हैं।
कार्यक्रम प्रबंधन (पीएच.डी. एवं एम.ए.ई.डी.)	संस्थान समर्थ के माध्यम से पीएच.डी. और एम.ए.ई.डी. ऑनलाइन प्रवेश आयोजित कर रहा है, और भुगतान गेटवे भी एकीकृत है।
कर्मचारी अवकाश प्रबंधन प्रणाली	सभी स्थायी कर्मचारियों को अवकाश के लिए आवेदन करना होगा तथा उससे संबंधित कार्यवाही करनी होगी।
आईटी–सेवा डेस्क	आईटीएसडी संस्थान में जुटाए गए टिकटों का प्रबंधन करता है
स्थायी/परियोजना स्टाफ के लिए भर्ती	यह विभिन्न पदों (स्थायी/परियोजना) के लिए ऑनलाइन आवेदन लागू कर रहा है, जिससे स्थापना अनुभाग और पीएमयू को मदद मिलेगी।
शिकायत प्रबंधन	ये वे शिकायतें हैं जो कर्मचारी/छात्र द्वारा औपचारिक रूप से दर्ज की गई हैं
मानव संसाधन (पीआईएस)	कर्मचारियों की गिनती
अत्यावश्यक सेवाएं	परिवहन अनुरोध
आरटीआई प्रबंधन	इसका उद्देश्य सार्वजनिक प्राधिकरण के नियंत्रण में सूचना तक पहुंच को सुरक्षित करना, प्रत्येक सार्वजनिक प्राधिकरण के कामकाज में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देना है।

मॉड्यूल	गतिविधि
अत्यावश्यक सेवाएं	यह पार्किंग स्थान, बैठकों या कार्यक्रमों के लिए हॉल, ठहरने के लिए गेस्ट हाउस, एक स्थान से दूसरे स्थान पर आने–जाने के लिए परिवहन व्यवस्था करने में मदद करता है।
खेल सुविधाएं	खेल सुविधा मॉड्यूल संस्थान द्वारा दी जाने वाली सभी खेल–संबंधी जानकारी को ट्रैक करने में मदद करता है
फ़ाइल प्रबंधन और ट्रैकिंग प्रणाली	फ़ाइल प्रबंधन और ट्रैकिंग प्रणाली (एफएमटीएस) का उपयोग विश्वविद्यालय के भीतर प्रचलन में रहने वाली फ़ाइलों के प्रसंस्करण को प्रबंधित करने और ट्रैक करने के लिए किया जाता है
समर्थ – एलएमएस	एलएमएस, या अधिगम प्रबंधन व्यवस्था, एक सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन है जिसे शैक्षणिक पाठ्यक्रमों या प्रशिक्षण कार्यक्रमों को प्रशासित करने, दस्तावेज करने, ट्रैक करने, रिपोर्ट करने और वितरित करने के लिए रूपांकित किया गया है
कार्यवृत्त और संकल्प संग्रह और पुनर्प्राप्ति प्रणाली	बैठकें
वस्तुसूची प्रबंधन प्रणाली	स्टॉक विवरण
मुख्य संचार प्रणाली	मेल भेजा गया

- डिजी लॉकर एनएडी सेवाओं का प्रदाता है और इसका उद्देश्य नागरिकों के डिजिटल दस्तावेज़ वॉलेट में प्रामाणिक डिजिटल दस्तावेज़ों तक पहुंच प्रदान करके नागरिकों का 'डिजिटल सशक्तिकरण' करना है।

NIEPA Publications
ENABLING SCHOOL ECOSYSTEM
Annual Report 2022-2023
NIEPA Publications
Management of Secondary Education in India
GOVERNMENT SUPPORT
Education and Development
Globalisation and Challenges for Education
EDUCATION, SOCIETY and DEVELOPMENT
Financing of Secondary Education in India
निष्ठा 3.0
परिप्रेक्ष्य
NEP 2020: Implementation Strategies
MODULES ON STUDENT DIVERSITY IN HIGHER EDUCATION
Who Goes to School?
Financing Education in India
Financing of Higher Education
Teaching Learning and New Technologies in Higher Education

6

प्रकाशन

EDUCATION FOR ALL
EDUCATION, SOCIETY and DEVELOPMENT
National and International Perspectives
INDIA HIGHER EDUCATION REPORT 2015
Who Goes to School?
LEADERSHIP DEVELOPMENT IN HIGHER EDUCATION
ANNUAL REPORT

प्रकाशन

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) के प्रकाशन एकक ने व्यापकता के लिए नीपा द्वारा किए गए अनुसंधान और विकास गतिविधियों के परिणामों के दस्तावेजीकरण और प्रसार के माध्यम से ज्ञान साझा करने से संबंधित कार्यों का समर्थन करना जारी रखा है। नीपा के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में, प्रकाशन एकक पत्रिकाएं/आवधिक पत्रिकाएं, पुस्तकें, रिपोर्टें, सामयिक पत्र, समाचार पत्र, एम.ए.ई.डी. और पीएच.डी. कार्यक्रमों के लिए विवरणिका और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का कैलेंडर आदि प्रकाशित करता है। यह विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में शैक्षिक प्रशासन पर सर्वेक्षण रिपोर्टों की एक श्रृंखला भी निकालता है। उपर्युक्त प्रकाशन अंग्रेजी भाषा में निकाले जाते हैं, और कुछ महत्वपूर्ण और वैधानिक प्रकाशन अंग्रेजी भाषा के अलावा, आवश्यकतानुसार हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में भी निकाले जाते हैं। प्रकाशन एकक में कुशल और तकनीकी रूप से योग्य पेशेवर हैं, और संस्थान के विभिन्न डीटीपी कार्यों को पूरा करने के लिए कंप्यूटर और प्रिंटर से भी सुसज्जित है।

वर्ष 2024–25 के दौरान नीपा द्वारा प्रकाशित कुछ महत्वपूर्ण प्रकाशनों में शामिल हैं, जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन – अंग्रेजी में, परिप्रेक्ष्य, एक हिंदी पत्रिका, सामयिक पत्र, सीपीआरएचई शोध पत्र, एम.ए.ई.डी. और पीएच.डी. विवरणिका और सूचना ब्रोशर आदि। संस्थान ने पुस्तकों और मोनोग्राफ के रूप में कई शोध और सेमिनार/सम्मेलन रिपोर्ट भी प्रकाशित की।

वर्ष 2024–25 के दौरान नीपा द्वारा प्रकाशित प्रमुख प्रकाशनों में निम्नलिखित शामिल हैं:

पत्रिकाएं

जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन

1. वर्ष XXXVII, अंक 4, अक्टूबर 2023;
2. वर्ष XXXVIII, अंक 1, जनवरी 2024;
3. वर्ष XXXVIII, अंक 2, अप्रैल 2024; और
4. वर्ष XXXVIII, अंक 3, जुलाई 2024;

परिप्रेक्ष्य *(शैक्षिक योजना और प्रशासन के सामाजिक–आर्थिक संदर्भ पर हिंदी पत्रिका)*

1. वर्ष XXX, अंक 3, दिसंबर 2023; और
2. वर्ष XXXI, अंक 1, अप्रैल 2024

एन्ट्रिप समाचार पत्रिका

1. एन्ट्रिप न्यूज़लैटर, वर्ष 29, अंक 1, जनवरी – जून 2023
2. एन्ट्रिप न्यूज़लैटर, वर्ष 29, अंक 2, जुलाई–दिसंबर 2023

नीपा न्यूज़लैटर

1. वर्ष 2, अंक 1; जनवरी – जून 2023 अंक (ई–संस्करण और फ्लिप बुक)
2. वर्ष 2, अंक 2; जुलाई – दिसंबर 2023 अंक (ई–संस्करण और फ्लिप बुक)

सामयिक आलेख

1. सामयिक आलेख संख्या 61: सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली के प्रशासन में सुधार के लिए एक उपकरण के रूप में नवाचारः क्षेत्र से अंतर्दृष्टि और साक्ष्य, नीपा, कुमार सुरेश और वी. सुचरिता (2024)

सीपीआरएचई शोध आलेख

1. आलेख संख्या 19: भारत में उच्च शिक्षा में कॉलेज की तैयारी और छात्रों की सफलताः एक समावेशी एजेंडा, निधि एस. सभरवाल
2. आलेख संख्या 20: भारत में उच्च शिक्षा की पहुंच में उच्च शिक्षा संस्थानों और संकाय सदस्यों की भूमिका, निधि एस. सभरवाल एवं अन्य
3. आलेख संख्या 21: दक्षिण एशिया में उच्च शिक्षा में समानता नीतियां, भारत पर विशेष जोर, एन. वी. वर्गीज और निधि एस. सभरवाल

प्रकाशकों के सहयोग से मूल्य आधारित प्रकाशन

भारत में शिक्षक शिक्षा परिदृश्यः शासन और गुणवत्ता प्रबंधन, प्रणति पंडा द्वारा संपादित (रूटलेज)

निःशुल्क प्रकाशन

1. सीपीआरएचई नीति सार 6 और 7: उच्च शिक्षा का वित्तपोषण (हिन्दी संस्करण)
2. यूजीसी योजनाओं की मूल्यांकन रिपोर्ट (खंड I)
3. यूजीसी योजनाओं की मूल्यांकन रिपोर्ट (खंड II)
4. नीपा एक नज़र में (संस्थान की प्रोफ़ाइल पुस्तिका)
5. राष्ट्रीय शिक्षा (12.08.2024 को निवेदिता रघुनाथ भिड़े द्वारा दिया गया XVIIIवां नीपा स्थापना दिवस व्याख्यान)
6. राष्ट्र निर्माण और आत्मनिर्भर भारत में शिक्षा की भूमिका (11.11.2024 को तरूण विजय द्वारा दिया गया XVवां मौलाना आज़ाद स्मृति व्याख्यान)
7. वार्षिक रिपोर्ट 2023–24 (अंग्रेजी)
8. नीपा वार्षिक रिपोर्ट 2023–24 (हिंदी संस्करण)
9. सीपीआरएचई रिपोर्ट 2023–24
10. शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों और नवोन्मेष के लिए पुरस्कार हेतु सूचना पुस्तिका (द्विभाषी)

सूचना ब्रोशर/रिपोर्ट पुस्तिकाएं (पीओडी कार्य–डिजिटल प्रिंट संस्करण/ई–प्रकाशन)

1-6. आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और सोवा–रिग्पा महाविद्यालयों के प्राचार्यों के लिए शैक्षिक योजना और प्रशासन में क्षमता विकास कार्यक्रम के लिए सूचना विवरणिका (एनसीआईएसएम के सहयोग से) (छह विभिन्न दलों के लिए 6 सूचना विवरणिकाएं)

7-38. यूजीसी–एमएमटीटीसी ऑनलाइन/ऑफलाइन कार्यक्रमों के लिए सूचना विवरणिका (यूजीसी के सहयोग से) (सत्ताईस विभिन्न एनईपी अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम दलों के लिए 32 सूचना विवरणिकाएं, एक संकाय प्रेरण कार्यक्रम, तीन संकाय विकास कार्यक्रम और एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम)

39. एनईपी 2020 के चार वर्षों पर कार्यशाला के लिए सूचना विवरणिका, संस्थागत स्तर पर अंतर्राष्ट्रीयकरण की दिशा में पहल (24–26 जुलाई, 2024)

40. नीपा और ऑस्ट्रेलियाई अभिनव अनुसंधान विश्वविद्यालय नेटवर्क सहयोग कार्यशाला के लिए सूचना विवरणिका (25–26 नवंबर, 2024)

41. एनईपी 2020 ईआरए में आईकेएस और सामुदायिक सहभागिता को जोड़ने के लिए सूचना विवरणिका, चुनौती और मार्ग (16–17 दिसंबर, 2024)

42. उच्च शिक्षा में 21वीं सदी के नेतृत्व पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार के लिए सूचना विवरणिका (18–19 मार्च, 2025)

अन्यः इन प्रकाशनों के अलावा, नीपा ने प्रकाशित किया– प्रशिक्षण कार्यक्रम 2024–25 का कैलेंडर; पीएच.डी. विवरणिका 2024–25; एम.ए.ई.डी. विवरणिका 2024–25; पीएच.डी. कार्यक्रम 2024–25 के लिए अनुसूची, नीपा डॉकेट फ़ोल्डर; आईडेपा, आईपीईए, पीजीडेपा और विभिन्न अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों की घोषणाएं, नीपा स्थापना दिवस, राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के लिए पोस्टर और निमंत्रण कार्ड; और विभिन्न अन्य कार्यक्रम सामग्री, आदि।

मिमियोग्राफ प्रकाशनः इसके अतिरिक्त, नीपा ने अनेक मिमियोग्राफ/फोटोकॉपी प्रकाशन भी प्रकाशित किए, जिनमें शोध अध्ययन, रिपोट, रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान संस्थान द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों/सेमिनारों की पठन सामग्री शामिल थीं।

नीपा वेबसाइट के लिए सामग्रीः प्रकाशन एकक ने नीपा वेबसाइट को अपने प्रकाशनों से संबंधित नियमित अद्यतन प्रदान किए। अद्यतन में शामिल हैं, निःशुल्क और मूल्यांकित प्रकाशनों की विस्तृत सूची, तथा निजी प्रकाशकों के माध्यम से प्रकाशित प्रकाशन; नीपा के नए प्रकाशन; नीपा के आगामी प्रकाशन; जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन के वर्तमान और आगामी अंकों की जानकारी; प्रशिक्षण कार्यक्रमों का कैलेंडर; तथा पीएच.डी. कार्यक्रमों और एम.ए.ई.डी. कार्यक्रमों की विवरणिका; संघीय ज्ञापन और नियम; हिंदी जर्नल (त्रैवार्षिक) परिप्रेक्ष्य का पूर्ण पाठ संस्करण; नीपा के सामयिक पत्रों का पूर्ण पाठ संस्करण; सी.पी.आर.एच.ई. शोध पत्रों का पूर्ण पाठ संस्करण; नीपा वार्षिक रिपोर्ट (अंग्रेजी और हिंदी संस्करण) का पूर्ण पाठ संस्करण तथा एन.सी.एस.एल., शाला सिद्धि और सी.पी.आर.एच.ई. प्रकाशनों आदि के वेब संस्करण।

नीपा में सहायता अनुदान योजना

7

नीपा में सहायता अनुदान योजना

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न मापदंडों के कार्यान्वयन, और कार्य योजना में उसके आगे के विस्तार के लिए, उद्देश्यों की व्यापक रूप से जानकारी देना तथा विभिन्न एजेंसियों और सामाजिक कार्यकर्ता समूहों के साथ निकट सहयोग आवश्यक है। नीति के प्रभावी क्रियान्वयन में बेहतर समन्वय को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर सहयोगी व्यवस्थाओं के साथ एक अंतर्विषयक दृष्टिकोण विकसित करना आवश्यक है।

इस संदर्भ में निम्नलिखित कार्य आवश्यक हैं:

(क) देश में शैक्षिक नीतियों और कार्यक्रमों के बारे में व्यापक जागरूकता उत्पन्न करना;

(ख) नीति आधारित अध्ययन और संगोष्ठियों की शुरुआत करना, ताकि नीति हस्तक्षेपों में आवश्यकतानुसार सुधार, परिवर्तन और समायोजन किया जा सके;

(ग) शिक्षकों, छात्रों, युवाओं, महिलाओं के संगठन और मीडिया को विभिन्न कार्यक्रमों के निर्माण की प्रक्रिया में शामिल करना, संबंधित विषयों पर प्रायोजित संगोष्ठियों के माध्यम से;

(घ) शिक्षा के क्षेत्र में नवाचारों, उत्कृष्ट प्रथाओं और सफल प्रयोगों के प्रसार की सुविधा प्रदान करना;

(ङ) राष्ट्रीय शिक्षा नीति और कार्य योजना की समीक्षा को सुगम बनाना।

उपरोक्त उद्देश्यों की पूर्ति हेतु भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय (एमओई) ने एक सहायता अनुदान योजना लागू की है, जिसका उद्देश्य उपयुक्त संस्थाओं और संगठनों को उनके प्रत्येक प्रस्तावों की गुणवत्ता के आधार पर वित्तीय सहायता प्रदान करना है, ताकि शिक्षा नीति के प्रबंधन और कार्यान्वयन से संबंधित विभिन्न गतिविधियों को वित्तपोषित किया जा सके। इसमें संगोष्ठियों का प्रायोजन, प्रभाव और मूल्यांकन अध्ययन करना, व्यवस्था को चलाने के लिए परामर्श कार्य ताकि सरकार को सर्वोत्तम विकल्पों और मॉडलों पर सलाह दी जा सके, वीडियो फिल्मों का निर्माण आदि शामिल हैं।

भारत सरकार का शिक्षा मंत्रालय इस योजना का संचालन नीपा के माध्यम से करता है, जो इस योजना को एक विशेष रूप से गठित सहायता अनुदान समिति (जीआईएसी) के जरिये संचालित करता है। यह समिति 1 जनवरी, 2025 को पुनर्गठित की गई है ताकि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की सहायता अनुदान योजना के अंतर्गत विभिन्न संस्थाओं/संगठनों से प्राप्त प्रस्तावों का मूल्यांकन और अनुमोदन किया जा सके। 27 मार्च, 2025 के अनुसार इस पुनर्गठित समिति की संरचना निम्नलिखित है –

प्रोफ़ेसर पी. गीता रानी – अध्यक्ष

प्रोफ़ेसर संतोष पंडा – सदस्य

प्रोफ़ेसर के. श्रीनिवास – सदस्य

प्रोफ़ेसर दिनेश कुमार – सदस्य

डॉ. परिपल्ली शंकर – सदस्य

वित्त अधिकारी, नीपा – सदस्य

कुलसचिव, नीपा – सदस्य सचिव

01 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 के दौरान आयोजित जीआईएसी बैठकें
(7 फरवरी 2025 को आयोजित 48वीं जीआईएसी बैठक की स्थिति)

क्र. सं.	संस्था /एनजीओ का नाम	संगोष्ठी / सम्मेलन / अनुसंधान अध्ययन का शीर्षक	स्वीकृत राशि
1.	गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, त्राल, जम्मू और कश्मीर	एनईपी 2020: जम्मू और कश्मीर की शिक्षा प्रणाली में अवसर और चुनौतियाँ	₹ 3,00,000/-
2.	नवनीत फाउंडेशन, रतापुर, रायबरेली, उत्तर प्रदेश	राष्ट्रीय प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा नीति	₹ 3,00,000/-
3.	केयर होम मिशन सोसाइटी, कुरनूल, जिला, आंध्र प्रदेश	उच्च शिक्षा की गुणवत्ता सुधार में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की भूमिका – 1	₹ 3,00,000/-
4.	सामाजिक–सांस्कृतिक विकास केंद्र, जगतसिंहपुर, ओडिशा	निम्न लागत शिक्षण सामग्री–टी के माध्यम से माध्यमिक स्कूल विज्ञान शिक्षकों के लिए नवाचारी संचार उपकरण	₹ 3,00,000/-
5.	नवभारत शैक्षिक एवं कल्याण समिति, गुंटुरा जिला, आंध्र प्रदेश	उच्च शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी का एकीकरण एवं गुणवत्ता सुधार में आईसीटी की भूमिका	₹ 3,00,000/-
6.	चंडीगढ़ कॉलेज ऑफ एजुकेशन, मोहाली, पंजाब	पंजाब में विकलांग व्यक्तियों के आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम, 2016 के संदर्भ में दिव्यांग बच्चों की शिक्षा	₹ 5,00,000/-
8.	आईएमटी, राजनगर, गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश	आजीविका प्रगति को प्रभावित करने वाले कारक: आईटी पेशे में शिक्षित महिलाओं का एक केस अध्ययन	₹ 2,50,000/-
9.	पीएसजी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, कोयंबटूर, तमिलनाडु	विशेष शैक्षिक आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिए मुख्यधारा के स्कूलों में शिक्षा की पहुँच – वर्णनात्मक घटनात्मक अध्ययन	₹ 5,00,000/-
	कुल योग		₹ 27,50,000/-

प्रशासन और वित्त

8

प्रशासन और वित्त

प्रशासन

संस्थान में मानव संसाधन की आवश्यकता के लिए एक सुव्यवस्थित ढाँचा तैयार किया गया है, जिसमें स्वीकृत पदों (नीचे दी गई तालिका में) के साथ–साथ हाउसकीपिंग (गृह व्यवस्था) और सुरक्षा सेवाओं के लिए बाह्य सेवाओं का अतिरिक्त जनबल शामिल है। यह व्यवस्था संस्थान की दैनिक गतिविधियों और रणनीतिक कार्यों के सुचारू संचालन और प्रबंधन को सुनिश्चित करती हैं।

प्रशासनिक एवं अकादमिक–सह–तकनीकी सहयोग सेवाओं का नियंत्रण और समन्वय एक सुव्यवस्थित प्रशासनिक प्रणाली के माध्यम से किया जाता है। प्रशासनिक प्रणाली का यह कार्यात्मक वर्गीकरण विभिन्न खंडों में विभाजित है, जिसे आरेख के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। प्रत्येक खंड संस्थान के संचालन के एक विशेष पहलू को संभालता है, जिससे प्रशासनिक और तकनीकी सहयोग सेवाओं का प्रभावी एवं दक्ष वितरण सुनिश्चित होता है।

स्वीकृत पदों के अतिरिक्त, संस्थान में 77 अधिकारी विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत हैं। ये अधिकारी विभिन्न अकादमिक और सचिवीय पदों पर संविदा आधार पर नियुक्त हैं, जिससे लचीलापन और अनुकूलनशीलता बनी रहती है। ये परियोजनाओं की विविध आवश्यकताओं को पूरा करते हुए संस्थान के गतिशील कार्य वातावरण में योगदान देते हैं।

स्वीकृत पदों, बाह्य सेवाओं और परियोजना–आधारित पदों का यह संयोजन संस्थान को एक मजबूत कार्य प्रणाली बनाए रखने में सक्षम बनाता है, जिससे सभी कार्यात्मक क्षेत्रों में पर्याप्त जनबल और विशेष परियोजनाओं के लिए आवश्यक विशेषज्ञता और सहयोग मिलता है।

बाह्य संवर्ग पद	संख्या
कुलपति	01
कुलसचिव	01
संवर्ग पद	
संकाय (प्रोफेसर, सह–प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर)	32
अकादमिक सहयोग स्टाफ	07
प्रशासन, वित्त, सचिवीय और अन्य तकनीकी स्टाफ	79
सहायक स्टाफ (एमटीएस)	12 नियमित 25 बाह्य
कुल	157

वर्ष 2024–2025 के दौरान निम्नलिखित सेवानिवृत्तियां और नियुक्तियां हुईं:

सेवानिवृत्ति

क्र.सं.	नाम	पदनाम	सेवानिवृत्ति की तिथि
1.	श्री राम चंदर	एमटीएस	31.05.2024
2.	डॉ. डी. एस. ठाकुर	प्रलेखन अधिकारी	28.02.2025
3.	डॉ. एस. के. मलिक	सहायक प्रोफेसर	28.02.2025

स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति

क्र.सं.	नाम	पदनाम	स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति की तिथि
1.	श्री सुनील कुमार शर्मा	सहायक	24.10.2024

निधन

क्र.सं.	नाम	पदनाम	निधन की तिथि
1.	स्व. श्री इरफान	अवर श्रेणी लिपिक	15.05.2024

अनुकंपा नियुक्ति

क्र.सं.	नाम	पदनाम	नियुक्ति की तिथि
1.	श्रीमती फरीना प्रवीण	अवर श्रेणी लिपिक	02.07.2024

नई नियुक्तियां

क्र.सं.	नाम	पदनाम	नियुक्ति की तिथि
1.	श्री अंकित वर्मा	प्रशासनिक अधिकारी	16.07.2024
2.	डॉ. (मानद) सूर्य नारायण मिश्र	कुलसचिव	06.08.2024
3	श्री अवधेश कुमार साहू	कम्प्यूटर प्रोग्रामर	26.09.2024
4	डॉ. परिपल्ली शंकर	सह–प्रोफेसर	05.11.2024
5	प्रो. संतोष पंडा	राष्ट्रीय अध्येता	01.01.2025
6	डॉ. गरिमा मलिक	सहायक प्रोफेसर	12.02.2025
7	डॉ. शिवकुमार कांडेकर	सहायक प्रोफेसर	12.02.2025
8	डॉ. धर्म रक्षित गौतम	सहायक प्रोफेसर	12.02.2025
9	श्री विक्रम	सहायक	12.02.2025
10	डॉ. निधि सदाना सभरवाल	राष्ट्रीय अध्येता	12.03.2025
11	श्री पुण्य बंसल	सहायक	20.03.2025

वित्त तथा लेखा विभाग

नीपा में वित्त एवं लेखा सेवाओं का प्रबंधन लेखा अनुभाग के माध्यम से किया जाता है, जिसका नेतृत्व वित्त अधिकारी करते हैं तथा इसका संचालन अनुभाग अधिकारी, लेखाकार और कार्यालय एवं सचिवीय स्टाफ के आठ सदस्यों द्वारा किया जाता है। यह अनुभाग बजट की तैयारी, मासिक वेतन और पेंशन बिल, अन्य व्यक्तिगत दावों (जैसे चिकित्सकीय प्रतिपूर्ति, एलटीसी बिल, अग्रिम आदि), वस्तुओं की आपूर्ति, कार्यों, अनुबंधों आदि के बिलों का प्रसंस्करण, पूर्व–लेखा परीक्षण, बाहरी लेखा परीक्षण के साथ समन्वय और अन्य सभी संबंधित मामलों के लिए आंतरिक लेखा परीक्षक देखता है। यह अनुभाग सभी वित्तीय मामलों पर समयबद्ध मार्गदर्शन प्रदान करने और वित्तीय व्यय से संबंधित प्रस्तावों, लेखा–परीक्षित विवरणों, उपयोग प्रमाण पत्र आदि की जांच में प्रभावी सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

वित्त अधिकारी वित्त समिति के सदस्य सचिव होते हैं, जो संस्थान के वित्त पर सामान्य पर्यवेक्षण करता है, दिशा–निर्देश देता है और विभिन्न श्रेणियों के व्यय की सीमाएं निर्धारित करता है। पिछले पाँच वर्षों में शिक्षा मंत्रालय से प्राप्त अनुदानों का विवरण नीचे दी गई सारणी में प्रस्तुत हैः

प्राप्त अनुदान का विवरण (2020–2025)ः (लाख रुपये में)

क्र. सं.	शीर्ष	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
1.	सहायता अनुदान (योजनागत)	3688.00	2986.58	5184.37	6395.00	5014.58
	सहायता अनुदान (गैर–योजनागत)					
	आंतरिक प्राप्तियां	66.76	21.78	53.24	145.66	207.87
	कुल	**3688.00**	**3008.36**	**5237.61**	**6540.66**	**5222.45**
2.	व्यय (योजनागत)	3352.41	3366.56	4902.66	5434.76	5897.29
	व्यय (गैर–योजनागत)					
	कुल	**3352.41**	**3366.56**	**4902.66**	**5434.76**	**5897.29**
3.	व्यय के प्रतिशत के रूप में आंतरिक प्राप्तियां	2%	0.65%	1.08%	2.68%	3.52%
4.	व्यय के प्रतिशत के रूप में सहायता अनुदान	90.90%	112.72%	94.57%	84.98%	117.61%

उपरोक्त तालिका में स्पष्ट रूप से दर्शाया गया है कि, नीपा को प्राप्त अनुदानों में 2020–21 से 2024–25 तक उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, साथ ही व्यय में भी इसी अनुपात में वृद्धि हुई है; यह इन वर्षों में नीपा द्वारा की गई गतिविधियों के विस्तारित दायरे और पैमाने को दर्शाता है। अनुदान और व्यय दोनों में उत्तरोत्तर वृद्धि दर्शाती है कि संस्थान अपने कार्यों का विस्तार कर रहा है और अपनी पहलों को आगे बढ़ा रहा है।

राजभाषा कार्यान्वयन/ हिंदी कक्ष

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) के अंतर्गत हिंदी कक्ष का मुख्य कार्य हिंदी भाषी क्षेत्रों से शैक्षिक शोध के क्षेत्र में हिंदी भाषा में शोध लेखन को प्रोत्साहित करना है। साथ ही संस्थान की शोध पत्रिका 'परिप्रेक्ष्य' के प्रकाशन, संपादन और प्रसार में सहयोग देना भी इसका उद्देश्य है। संस्थान की शोध पत्रिका के माध्यम से देश के अन्य भागों से आने वाली स्थानीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच पर लाना भी इसके प्रमुख उद्देश्यों में शामिल है। नीपा के विद्वानों के सहयोग और सहभागिता से हिंदी कक्ष राष्ट्रीय स्तर पर 'परिप्रेक्ष्य शोध संवाद एवं चर्चा श्रृंखला' का आयोजन भी करता है। इसके अतिरिक्त, हिंदी कक्ष संस्थान के विभिन्न विभागों के सहयोग से शैक्षिक पाठ्यक्रमों और प्रशिक्षण सामग्री का हिंदी रूपांतर उपलब्ध कराता है। संस्थान के समाचार–पत्र (न्यूज़लेटर) में सहयोग प्रदान करना भी हिंदी कक्ष का एक प्रमुख कार्य है।

इन शैक्षिक सहयोगों के अलावा, हिंदी कक्ष प्रशासनिक स्तर पर राजभाषा हिंदी के प्रयोग और कार्यान्वयन को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। इस स्तर पर हिंदी कक्ष संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट, पुस्तिकाएँ एवं अन्य प्रशासनिक प्रकाशनों आदि का हिंदी रूपांतर उपलब्ध कराता है। संस्थान के विभिन्न अनुभाग अधिकारियों की सहायता से राजभाषा नियमावली के अंतर्गत हिंदी भाषा में टिप्पण और लेखन कार्य को सुनिश्चित किया जाता है। इसके साथ ही, शिक्षा मंत्रालय एवं गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग से समय–समय पर प्राप्त निर्देशों के अनुपालन और कार्यान्वयन की जिम्मेदारी भी हिंदी कक्ष निभाता है। इसी क्रम में, हिंदी कक्ष प्रतिवर्ष 'हिंदी दिवस' पर हिंदी पखवाड़ा का आयोजन करता है।

परिप्रेक्ष्य

संस्थान की शोध पत्रिका परिप्रेक्ष्य के पिछले अंकों को अद्यतन करने की प्रक्रिया के अंतर्गत इस वार्षिक सत्र में परिप्रेक्ष्य के दो अंक प्रकाशित किए गए हैं, अर्थात् वर्ष 30, अंक 3, दिसंबर 2023 और वर्ष 31, अंक 1, अप्रैल 2024।

हिंदी दिवस प्रतियोगिताएं

हिंदी दिवस (14 सितंबर, 2024) के उपलक्ष्य में "हिंदी पखवाड़ा" के अंतर्गत दिनांक 17 से 30 सितंबर, 2024 तक विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया (14 सितंबर अवकाश था)। हिंदी पखवाड़े के दौरान हिंदी सुलेख प्रतियोगिता (केवल एमटीएस और वाहन चालकों के लिए), 'हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता' हिंदी निबंध प्रतियोगिता, हिंदी प्रश्न मंच प्रतियोगिता तथा हिंदी अनुवाद प्रतियोगिता आयोजित की गईं। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। हिंदी दिवस पर आयोजित इस संपूर्ण पखवाड़े के सभी कार्यक्रमों में संस्थान के कर्मचारियों की भागीदारी अत्यंत उत्साहजनक रही। हिंदी प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त, हिंदी कक्ष द्वारा 26 सितम्बर, 2024 को कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध कवि मनोज भावुक, निखिल कांत, सुशील द्विवेदी, गिरीश भसीन और राजेश कुमार ने अपनी कविताओं का पाठ किया।

कार्यशालाओं का आयोजन (17 सितंबर, 2024 एवं 22 जनवरी, 2025)

(i) "हिंदी दिवस" के उपलक्ष्य में दिनांक 17 सितंबर, 2024 को हिंदी कक्ष द्वारा 'राजभाषा हिंदी के विविध आयाम और नवीनतम तकनीक का प्रयोग' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया

गया। इस अवसर पर डॉ. सुभाष शर्मा, पूर्व हिंदी संपादक, नीपा द्वारा एक पीपीटी प्रस्तुत की गई। इस कार्यशाला के माध्यम से अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी में कार्य करने का प्रशिक्षण दिया गया।

(ii) राजभाषा नीति के कार्यान्वयन हेतु संस्थान के हिंदी कक्ष द्वारा 22 जनवरी, 2025 को 'हिंदी में कार्यालयीन कार्य' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. रवि प्रकाश सिंह, हिंदी संपादक, नीपा द्वारा एक पीपीटी प्रस्तुत की गई।

वर्ष 2024–25 की समीक्षा अवधि के दौरान, नियमित कार्यों के अतिरिक्त, नीपा के हिंदी कक्ष द्वारा निम्नलिखित महत्वपूर्ण कार्य किए गए:

(i) वार्षिक रिपोर्ट 2023–24 का हिंदी अनुवाद एवं प्रकाशन।

(ii) राजभाषा कार्यान्वयन के संबंध में चार त्रैमासिक रिपोर्ट (जनवरी–मार्च 2025, अप्रैल–जून 2024, जुलाई–सितंबर 2024, अक्टूबर–दिसंबर 2024) शिक्षा मंत्रालय को प्रेषित की गईं।

(iii) संस्थान की हिंदी वेबसाइट का सतत अद्यतन।

(iv) प्रशिक्षण कैलेंडर 2024–25 का हिंदी अनुवाद।

(v) एम.ए.ई.डी. विवरणिका 2024–25 का हिंदी अनुवाद एवं प्रकाशन।

(vi) उपरोक्त कार्यों के अतिरिक्त, संस्थान के हिंदी प्रकोष्ठ द्वारा आरटीआई, परिपत्रों, सूचनाओं, पत्रों, प्रशिक्षण सामग्री आदि का हिंदी अनुवाद किया गया।

(vii) मौलाना अबुल कलाम आज़ाद स्मृति व्याख्यान (11 नवंबर, 2024) के अवसर पर मुख्य अतिथि के भाषण का हिंदी अनुवाद संस्थान के हिंदी कक्ष द्वारा किया गया।

अनुलग्नक

संकाय का अकादमिक योगदान

अनुलग्नक

संकाय का अकादमिक योगदान

शशिकला वंजारी

कुलपति

प्रदत्त व्याख्यान एवं भाषण

04 अप्रैल, 2024 को महात्मा गांधी मिशन विश्वविद्यालय, संभाजी नगर, महाराष्ट्र में आयोजित "लीड द एड—फ्यूचर" राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में प्रधान भाषण।

08 अप्रैल, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के गैर—कॉलेज महिला शिक्षा बोर्ड (एनसीडब्ल्यूईबी) के वार्षिक दिवस में मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन भाषण।

14 अप्रैल, 2024 को श्री लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत विश्वविद्यालय में अंबेडकर जयंती के अवसर पर अतिथि व्याख्यान।

27 अप्रैल, 2024 को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा द्वारा आयोजित विद्यालय नेतृत्व बैठकः "भविष्य की शिक्षा की दिशा" पर भाषण।

10 मई, 2024 को शैक्षणिक सत्र 2024—25 के लिए आईटीईपी पर मान्यता प्राप्त 23 संस्थानों के लिए अभिविन्यास/संवेदनशीलता हेतु आईटीईपी पर परामर्शदात्री बैठक में अतिथि व्याख्यान दिया।

14 मई, 2024 को श्री लाल बहादुर शास्त्री केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में एक सप्ताह के राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) ई—पाठ्यक्रम विकास में अतिथि व्याख्यान।

भारतीय विद्या और विकासः शिक्षा और विकास के अनावरण पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य भाषण। 17—18 मई, 2024 को आईआईएएस शिमला द्वारा आईईडीएस, नोएडा, दिल्ली के सहयोग से आयोजित किया गया।

27 मई, 2024 को भारतीय चिकित्सा प्रणाली के लिए राष्ट्रीय आयोग (एनसीआईएसएम) के सहयोग से नीपा द्वारा आयोजित आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और सोवा—रिग्पा महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए शैक्षिक योजना और प्रशासन में 12वें एनसीआईएसएम बैच के लिए क्षमता विकास कार्यक्रम में उद्घाटन भाषण।

31 मई, 2024 को भारतीय चिकित्सा प्रणाली के लिए राष्ट्रीय आयोग के 12वें बैच में समापन भाषण।

06 जून, 2024 को एमएमटीटीसी कार्यशाला पर मुख्य व्याख्यान।

10 जून, 2024 को भारतीय चिकित्सा प्रणाली के लिए राष्ट्रीय आयोग के सहयोग से नीपा द्वारा आयोजित आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और सोवा—रिग्पा महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में क्षमता विकास कार्यक्रम हेतु 14वें बैच में उद्घाटन भाषण।

11 जून, 2024 को दिल्ली में भारतीय चिकित्सा प्रणाली के लिए राष्ट्रीय आयोग के स्थापना दिवस कार्यक्रम में अभिनंदन भाषण।

22 जून, 2024 को राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के पैरा 15.5 पर बल देते हुए आईटीईपी और एनसीटीई के अन्य सुधारों पर अतिथि व्याख्यान दिया।

24—29 जून, 2024 को एमएमटीटीसी द्वारा आयोजित ''भारतीय ज्ञान प्रणालीः भारतीय साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं का पुनरावलोकन'' विषय पर संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) में उद्घाटन व्याख्यान।

24 जून, 2024 को प्राथमिक स्तर पर विद्यालयी सुधार और बच्चों की भागीदारी हेतु अनुसंधान एवं नीति नियोजन पर कार्यशाला में व्याख्यान।

26 जून, 2024 को उच्च शिक्षाः ''उच्च शिक्षा पर दार्शनिक आधार'' पर व्याख्यान।

28–29 जून, 2024 को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीतिः 2020 के पैरा 15.5 पर बल देते हुए आईटीईपी पर राष्ट्रीय संवेदीकरण कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधन दिया।

01–05 जुलाई, 2024 को भारतीय चिकित्सा प्रणाली के लिए राष्ट्रीय आयोग के सहयोग से नीपा में आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और सोवा–रिग्पा महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में 16वें बैच के क्षमता विकास कार्यक्रम में उद्घाटन भाषण दिया गया।

03 जुलाई, 2024 को 'प्राथमिक स्तर पर वंचित बच्चों और कमजोर वर्गों की शिक्षाः नीतिगत मुद्दे और कार्यक्रम हस्तक्षेप' पर ऑनलाइन कार्यशाला में उद्घाटन भाषण दिया।

04 जुलाई, 2024 को इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''राष्ट्र निर्माण हेतु उच्च शिक्षा में महिला नेतृत्वकर्ताओं की भूमिका'' पर प्रतिष्ठित संवाद सत्र के लिए आमंत्रित।

05 जुलाई, 2024 को क्षमता निर्माण पर पीएमश्री के अभिविन्यास कार्यक्रम में उद्घाटन भाषण दिया।

05–06 जुलाई, 2024 को दिल्ली में भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा आयोजित वाणिज्य एवं लेखाशास्त्र पर वैश्विक शिक्षा शिखर सम्मेलन (जीईएससीए) में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधन दिया।

भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), इंदौर द्वारा 08 जुलाई, 2024 को राज्य शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान (सीमेट) के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम पर विशेषज्ञ व्याख्यान।

12 जुलाई, 2024 को एनसीईआरटी, नई दिल्ली द्वारा ''शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने में विद्यालय नेतृत्वकर्ताओं की भूमिका'' (सीधा प्रसारण) पर व्याख्यान दिया।

14 जुलाई, 2024 को भारत के शिक्षा मंत्रालय की ओर से और एमएमटीटीपी के तत्वावधान में, आईआईटी जम्मू द्वारा आयोजित ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: कार्यक्रम में रणनीतियों के कार्यान्वयन'' पर अकादमिक नेतृत्व सहभागिता पर व्याख्यान दिया।

14 जुलाई, 2024 को 'विकसित भारत @ 2047' के लिए अंतर्दृष्टि और एजेंडा पर व्याख्यान दिया। हमारी यात्रा में अधिक गहनता से कैसे हितधारकों को शामिल किया जा सकता है? राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और नीतिगत निहितार्थ एवं रणनीतियों के अंतर्गत व्याख्यान दिया।

19–20 जुलाई, 2024 को एमएमटीटीपी के अंतर्गत संकाय विकास कार्यक्रम में व्याख्यान दिया।

20–21 जुलाई, 2024 को अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ द्वारा एनसीईआरटी परिसर में आयोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 'विद्यालय और उच्च शिक्षा पाठ्यक्रम ढाँचे के बीच संबंधों को समझना' के अंतर्गत ''शिक्षक शिक्षा में परिवर्तन'' पर सम्मेलन में संबोधन।

24 जुलाई, 2024 को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला द्वारा आयोजित ''शैक्षणिक नेतृत्वः एमएमटीटीपी'' पर व्याख्यान दिया।

30 जुलाई, 2024 को एनएएसी (नैक) सुधार 2024–25 पर क्षेत्रीय परामर्श कार्यशाला में भाग लिया।

22 अगस्त, 2024 को आरसीवीपी नरोन्हा अकादमी, भोपाल में उच्च शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश सरकार के सहयोग से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर एक संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया।

24 अगस्त, 2024 को यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विश्वविद्यालय (वाईसीएमओयू) में ''योग दर्शन 2024'' पर राष्ट्रीय योग सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में विशेष संबोधन दिया।

29 अगस्त, 2024 को नालसर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन हेतु विधि संकाय के लिए नेतृत्व विकास में क्षमता निर्माण कार्यक्रम में भाषण दिया।

29 अगस्त, 2024 को मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद, एमएएनयू में एनसीटीई द्वारा आयोजित आईटीईपी अभिविन्यास पर दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

29 अगस्त, 2024 को एमएएनयू में आईटीईपी के दार्शनिक ढाँचे पर तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

29 अगस्त, 2024 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन हेतु नेतृत्व विकास के लिए नालसर के क्षमता निर्माण कार्यक्रम में समापन भाषण दिया।

30 अगस्त, 2024 को मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद में एनएमएम और एनपीएसटी पर एक दिवसीय संवेदीकरण कार्यक्रम में मुख्य भाषण दिया।

03 सितंबर, 2024 को उत्कल विश्वविद्यालय, ओडिशा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन हेतु क्षमता विकास कार्यक्रम पर भाषण दिया।

10 सितंबर, 2024 को भारतीय विश्व मामलों की परिषद (आईसीडब्ल्यूए), नई दिल्ली में छात्र गतिशीलता पर मुख्य भाषण दिया।

12–13 सितंबर, 2024 को दिल्ली में एनसीटीई के साथ नीपा के संयुक्त सहयोग से एनपीएसटी और एनएमएम के माध्यम से शिक्षक शिक्षा परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्यशाला में व्याख्यान दिया।

18 सितंबर, 2024 को ''समावेश का महत्व, शिक्षकों का क्षमता निर्माण, शिक्षकों के लिए सलाह'' विषय पर चेंजइंक फाउंडेशन को साक्षात्कार दिया।

18 सितंबर, 2024 को जवाहर नवोदय विद्यालयों के विद्यालय नेतृत्वकत्ताओं के लिए छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक–भावनात्मक कल्याण पर क्षमता विकास कार्यशाला में उद्घाटन भाषण दिया।

21 सितंबर, 2024 को हैदराबाद में एबीआरएसएम द्वारा आयोजित ''नए भारत की परिकल्पना पर अखिल भारतीय महिला सम्मेलन'' में विशेष संबोधन किया।

27 सितंबर, 2024 को वाईएमसीओयू, नासिक में विश्वविद्यालय अनुसंधान परिषद की बैठक 2024 में भाग लिया।

09 अक्टूबर, 2024 को उत्तर प्रदेश राज्य फोरेंसिक विज्ञान संस्थान, लखनऊ द्वारा आयोजित ''शिक्षा नीति 2020: विधि और फोरेंसिक का समन्वय'' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला में ''समग्र और बहुविषयक शिक्षा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भूमिका'' पर मुख्य भाषण।

17–19 अक्टूबर, 2024 को राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र, नीपा द्वारा आयोजित विद्यालय नेतृत्वकर्ताओं के लिए सतत व्यावसायिक विकास पर दिशानिर्देशों के विकास हेतु परामर्शदात्री बैठक में उद्घाटन भाषण दिया।

11 नवंबर, 2024 को नीपा, नई दिल्ली में मौलाना आज़ाद स्मृति व्याख्यान में मुख्य भाषण।

25–26 नवंबर, 2024 को ऑस्ट्रेलियाई नवोन्मेषी अनुसंधान विश्वविद्यालयों और ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग की बैठक में भाषण दिया।

27 नवंबर, 2024 को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला के शिक्षा एवं सामुदायिक सेवा विभाग द्वारा आयोजित एवं भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित विज्ञान, गणित, प्रौद्योगिकी और शिक्षा (एसएमटीई–2024) पर 11वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधन दिया।

29 नवंबर, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के किरोड़ीमल कॉलेज में पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर पर एबीआरएसएम के कार्यक्रम में संबोधन दिया।

05 दिसंबर, 2024 को गोवा में आयोजित "स्कूली शिक्षा में रूपांतरण के आधार के रूप में नई राज्य पाठ्यचर्या रूपरेखाएं" विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका" विषय पर वक्ता के रूप में व्याख्यान प्रस्तुत किया।

09 दिसंबर, 2024 को नीपा में विश्वविद्यालयों के लैंगिक संवेदनशीलता प्रकोष्ठों और आंतरिक शिकायत समितियों पर राष्ट्रीय कार्यशाला में उद्घाटन भाषण दिया।

13 दिसंबर, 2024 को ''महिला नेतृत्वकर्ता: विकसित भारत @2047 के लिए शैक्षणिक उत्कृष्टता को आकार देना'' शीर्षक से महिला नेतृत्व कार्यक्रम में वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।

14 दिसंबर, 2024 को दिल्ली में प्रो. मर्मर मुखोपाध्याय द्वारा लिखित पुस्तक ''द वर्ल्ड ऑफ लर्निंग – 52 देशों में विद्यालयी शिक्षा सुधार'' के विमोचन समारोह में उद्घाटन भाषण।

16 दिसंबर, 2024 को ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 युग में स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों और सामुदायिक जुड़ाव को जोड़ना – संभावनाएँ, चुनौतियाँ और रास्ते'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधन दिया।

16 दिसंबर, 2024 को एमएमटीटीसी के राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम में भाषण दिया।

20 दिसंबर, 2024 को नेबुला से संबद्ध श्री शिवाजी कॉलेज आफ एजुकेशन, अमरावती, शिक्षा में बीओएस, एसजीबीयू, अमरावती द्वारा आयोजित ''सतत् विकास के लिए नवीन अनुसंधान'' पर रिसर्च नेबुला तृतीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधन।

16 जनवरी, 2025 को भारती विद्यापीठ – मानित विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) में भाषण दिया।

17 जनवरी, 2025 को ''विद्यालय नेतृत्व: बहु–भूमिकाएँ और ज़िम्मेदारियाँ (जेसीईआरटी)'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाषण दिया।

18 जनवरी, 2025 को आईआईई, पुणे में मुख्य अतिथि के रूप में ''सामाजिक परिवर्तन के लिए शिक्षा: विद्यालयी शिक्षा पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का परिप्रेक्ष्य'' पर मुख्य व्याख्यान दिया।

21 जनवरी, 2025 को ''उड़ीसा विद्यालय प्रशासन और विद्यालय संस्कृति में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का कार्यान्वयन'' पर कार्यशाला में भाग लिया और उसकी अध्यक्षता की।

24 जनवरी, 2025 को विद्यादीप विश्वविद्यालय, सूरत द्वारा आयोजित ''सतत भविष्य: शिक्षा और प्रौद्योगिकी 5.0 (एसएफआईपीईटी 5.0) पर एक अंत:विषय परिप्रेक्ष्य'' पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में भाषण दिया।

29 जनवरी, 2025 को रायपुर, छत्तीसगढ़ (एनआईटीटीटीआर) में 'गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा का रोडमैप' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला में संबोधन दिया।

12 फरवरी, 2025 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, दिल्ली में ''नीतिगत परिप्रेक्ष्य में शिक्षक शिक्षा को आधार प्रदान करना'' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में विशेष संबोधन दिया।

28 फरवरी, 2025 को नीति आयोग द्वारा राज्य सहायता मिशन (एसएसएम) के अंतर्गत गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में ''शिक्षकों को अनुदेशात्मक नेतृत्वकर्ताओं के रूप में तैयार करना'' विषय पर सत्र आयोजित किया।

01 मार्च, 2025 को दून विश्वविद्यालय के सहयोग से विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान (वीबीयूएसएस) द्वारा संस्थागत नेतृत्वकर्ताओं के लिए राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन (एनएसआईएल–2025) में वक्ता के रूप में व्याख्यान।

05 मार्च, 2025 को इग्नू दिल्ली एनसीआर क्षेत्रीय केंद्र के 38वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में दीक्षांत भाषण दिया।

05 मार्च, 2025 को ''नए भारत की परिकल्पनाः एक नेतृत्वकर्ता के रूप में शिक्षक की भूमिका'' विषय पर व्याख्यान।

09 मार्च, 2025 को विज्ञान भवन में शैक्षणिक फाउंडेशन द्वारा आयोजित ''स्वदेशी ज्ञान प्रणालियाँ और सतत् विकास'' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

10 मार्च, 2025 को क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (आरआईई), भुवनेश्वर की प्रबंधन समिति की 62वीं बैठक में विशेष श्रृंखला व्याख्यान दिया।

11 मार्च, 2025 को जेएनयू, नई दिल्ली के प्रौढ़ शिक्षा समूह और जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र के सहयोग से ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित ''शिक्षा में नीतियाँ और व्यवहारः शिक्षा मॉडल का अध्ययन'' विषय पर भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाषण दिया।

18–19 मार्च, 2025 को ''उच्च शिक्षा में 21वीं सदी का नेतृत्व'' विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य भाषण दिया।

बैठकें एवं समितियां

12 अप्रैल, 2024 को नैक की कार्यकारी समिति की 105वीं बैठक का आयोजन किया।

16 अप्रैल, 2024 को एनसीटीई की छठी अपील समिति 2024 की बैठक में योगदान दिया।

16 अप्रैल, 2024 को यूजीसी की 579वीं बैठक में योगदान दिया।

22 अप्रैल, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के सीपीडीएचई–एमएमटीटीसी की शैक्षणिक सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में दो वर्षों के लिए योगदान दिया।

29 अप्रैल, 2024 को एमएसपी पर विचार करने के लिए आयोग की बैठक के सदस्य के रूप में भाग लिया।

08 मई, 2024 को एनसीईआरटी की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा निरीक्षण समिति (एनओसी) की बैठक में भाग लिया।

11 मई, 2024 को एमएसयू की चौथी शुल्क निर्धारण समिति में योगदान दिया।

13 मई, 2024 को विशिष्ट श्रेणी के अंतर्गत मल्ला रेड्डी विश्वविद्यापीठ, सुराराम, हैदराबाद से प्राप्त प्रस्तावों की जाँच हेतु विशेषज्ञ समिति में योगदान दिया।

14 मई, 2024 को एनसीटीई की सातवीं अपील समिति में सदस्य के रूप में भाग लिया।

15 मई, 2024 को यूजीसी की 580वीं बैठक में योगदान दिया।

भारत मानव बस्ती संस्थान को मानित विश्वविद्यालय (विशिष्ट श्रेणी) का दर्जा देने के लिए प्रस्ताव का मूल्यांकन करने हेतु समिति के सदस्य, सदाशिवनगर, बेंगलूरू, कर्नाटक, 27 मई, 2024।

29 मई, 2024 को 178वीं शोध समिति (आरसी) बैठक – भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद। राज्य विश्वविद्यालयों के प्रस्ताव पर विचार करने हेतु स्थायी समिति के सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया।

30 मई, 2024 को यूजीसी की स्थायी समिति की बैठक में भाग लिया।

01 जून, 2024 को शीर्ष समिति की बैठक का आभासी दौरा।

05 जून, 2024 को मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी) की चयन समिति की बैठक में भाग लिया।

06 जून, 2024 को अपील समिति की बैठक में योगदान दिया।

25 जून, 2024 को 581वीं यूजीसी बैठक में सदस्य के रूप में भाग लिया।

26 जून, 2024 को शीर्ष समिति की बैठक का आभासी दौरा।

26 जून, 2024 को कुलपति के लिए आईआईटीई खोज–सह–चयन बैठक में योगदान दिया।

27 जून, 2024 को राजलक्ष्मी मानित विश्वविद्यालय, राजलक्ष्मी नगर, थानालम, कांचीपुरम जिला, चेन्नई, तमिलनाडु के प्रस्ताव पर विचार करने के लिए समिति में अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

09 जुलाई, 2024 को राजलक्ष्मी संस्थान के मानद विश्वविद्यालय के प्रस्ताव के मूल्यांकन हेतु विशेषज्ञ समिति की बैठकें में भाग लिया।

10 जुलाई, 2024 को 12बी हेतु यूजीसी बैठक और स्थायी समिति की बैठक।

11 जुलाई, 2024 को संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र की 'शैक्षणिक सलाहकार समिति' की बैठक।

11 जुलाई, 2024 को उच्च शिक्षा में गुणवत्ता आश्वासन में सुधार हेतु क्यूएए और नीपा के बीच संभावित सहयोग पर चर्चा हेतु ब्रिटिश काउंसिल की बैठक।

15 जुलाई, 2024 को एनसीटीई की 9वीं अपील समिति के सदस्य।

24 जुलाई, 2024 को 582वीं यूजीसी आयोग की बैठक में योगदान दिया।

05 जुलाई, 2024 को एनसीटीई की 61वीं आम सभा (ऑनलाइन) में योगदान दिया।

07 अगस्त, 2024 को एमएमटीटीपी के साथ अपने शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की समतुल्यता के लिए डीएसटी से प्राप्त अनुरोधों की जांच करने के लिए यूजीसी विशेषज्ञ समिति का आभासी दौरा।

14 अगस्त, 2024 को 10वीं अपील समिति की बैठक में भाग लिया।

27 अगस्त, 2024 को 583वीं यूजीसी बैठक में सदस्य के रूप में भाग लिया।

19 सितंबर, 2024 को 11वीं अपील समिति की बैठक में सदस्य के रूप में भाग लिया।

21 सितंबर, 2024 को हैदराबाद में एबीआरएसएम द्वारा आयोजित "अखिल भारतीय महिला सम्मेलन – नए भारत की परिकल्पना" में विशेष संबोधन दिया।

03 अक्टूबर, 2024 को यूजीसी आयोग की बैठक संख्या 584 में सदस्य के रूप में भाग लिया।

7 अक्टूबर, 2024 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप शिक्षक शिक्षा में स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के विकास और रूपरेखा के लिए गठित समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

24 अक्टूबर, 2024 को विशिष्ट श्रेणी के अंतर्गत यूजीसी (विश्वविद्यालय माने जाने वाले संस्थान) विनियम, 2023 के अनुसार मौजूदा शैक्षणिक और भौतिक मानकों का मूल्यांकन और आकलन करने के लिए पीके दास सामाजिक विज्ञान, स्वास्थ्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, कोयंबटूर, तमिलनाडु का आभासी दौरा।

24 अक्टूबर, 2024 को प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, इंदौर को सामान्य श्रेणी के अंतर्गत मानित विश्वविद्यालय का दर्जा देने के प्रस्ताव की जाँच हेतु यूजीसी विशेषज्ञ समिति का आभासी दौरा।

13 नवंबर, 2024 को यूजीसी बैठक संख्या 585 के सदस्य के रूप में भाग लिया।

28 नवंबर, 2024 को पीजी पाठ्यक्रम के लिए एनसीटीई आभासी बैठक में योगदान।

28 नवंबर, 2024 को मानित विश्वविद्यालय का दर्जा देने हेतु राजगिरी कॉलेज, केरल की आभासी बैठक में अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

2 दिसंबर, 2024 को मौजूदा शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रमों के परिवर्तन हेतु दिशानिर्देश निर्धारित करने के लिए समिति की दूसरी बैठक के सदस्य के रूप में भाग लिया।

28 नवंबर, 2024 को भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद (आईसीपीआर), दिल्ली में निदेशक (योजना एवं अनुसंधान) के पद हेतु चयन समिति में विशेषज्ञ सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया।

17 दिसंबर, 2024 को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् की अनुसंधान समिति की 179वीं बैठक में योगदान दिया।

23 दिसंबर, 2024 को यूजीसी बैठक संख्या 586 के सदस्य के रूप में भाग लिया।

24 दिसंबर, 2024 को विदेशी शैक्षणिक संस्थानों से प्राप्त योग्यताओं की समतुल्यता से संबंधित एआईयू से समतुल्यता के लिए संक्रमण योजना तैयार करने हेतु समिति के सदस्य।

9 जनवरी, 2025 को प्रथम अपील समिति बैठक, 2025 के सदस्य।

28 जनवरी, 2025 को यूजीसी बैठक संख्या 587 के सदस्य के रूप में भाग लिया।

16 फरवरी, 2025 को बैंगलोर में नैक सुधार शीर्ष समिति की बैठक में बहुमूल्य सुझाव हेतु योगदान।

18 फरवरी, 2025 को तमिलनाडु विश्वविद्यालयों के माननीय राज्यपाल और कुलाधिपति के साथ बैठक की।

19 फरवरी, 2025 को द्वितीय अपील समिति की बैठक, 2025 के सदस्य के रूप में भाग लिया।

20 फरवरी, 2025 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन हेतु परामर्शदात्री बैठक में भाग लिया।

20 फरवरी, 2025 को यूजीसी स्थायी समिति की बैठक में सदस्य के रूप में भाग लिया।

21 फरवरी, 2025 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के कार्यान्वयन के आलोक में डिग्री के विशिष्ट विवरण और अन्य संबंधित मुद्दों पर विचार करने के लिए यूजीसी विशेषज्ञों की बैठक में भाग लिया।

04 मार्च, 2025 को सचिव, यूजीसी और कुलपति के साथ (ऑनलाइन) अंतरापृष्ठ बैठक में भाग लिया।

8 मार्च, 2025 को तृतीय अपील समिति बैठक, 2025 के अध्यक्ष।

13 मार्च, 2025 को यूजीसी बैठक संख्या 588 के सदस्य के रूप में भाग लिया।

29 मार्च, 2025 को एनसीटीई की आम सभा की बैठक में सदस्य के रूप में भाग लिया।

पुरस्कार प्राप्ति

21 दिसंबर, 2024 को गोल्डन स्टार आईकॉन अवार्ड द्वारा नीपा को उत्कृष्टता प्रमाण पत्र।

अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी और योगदान

05–07 नवंबर, 2024 को मनीला, फिलीपींस में "एशिया में शैक्षिक नियोजनः साझा दृष्टिकोण और भविष्य की संभावनाएँ" विषय पर आईआईईपी क्षेत्रीय सम्मेलन में योगदान दिया।

28 नवंबर, 2024 को मॉस्को के एचएसई विश्वविद्यालय के शिक्षा संस्थान से रूसी प्रतिनिधिमंडल का दौरा।

कुलपतियों की नियुक्ति के लिए खोज–सह–चयन समिति के सदस्य

पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला।

बाबा गुलाम शाह बादशाह विश्वविद्यालय, राजौरी, जम्मू और कश्मीर।

भारतीय अध्यापक शिक्षा संस्थान, गांधीनगर, गुजरात।

कोल्हान विश्वविद्यालय, झारखंड।

अध्यक्ष पद की नियुक्ति हेतु खोज–सह–चयन समिति के सदस्य

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस)

शैक्षिक योजना विभाग

पी. गीता रानी

प्रकाशन

शोध पत्र/लेख/नोट्स

गीता रानी, पी. 'डिजिटल साक्षरताः यह कैसे विकसित हो रही है? भारतीय संदर्भ में इसका महत्व' आधुनिक अर्थव्यवस्था, खंड. 16, पृ.655–680, 2025 पर उपलब्ध है https://doi.org/10.4236/me.2025.164031

गीता रानी पी. "पापुआ न्यू गिनी में ऑनलाइन मार्केटिंग के लिए फेसबुक का उपयोगः यह कैसे होता है?, इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड मैनेजमेंट स्टडीज, खंड 4 (4), पीपी.96–110, 2025, यहां उपलब्ध है https://irjems.org/irjems-v4i4p110.html

गीता रानी पी. और अमांडा टोवी, लाए शहर में कल्याणः आर्थिक कारकों के साथ इसके संबंध की खोज, (सह–लेखक), पापुआ न्यू गिनी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अंतःविषय जर्नल, 2024।

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

डिजिटल साक्षरताः इसका विकास कैसे हुआ? शीर्षक से अपना पेपर प्रस्तुत किया। 25–27 अक्टूबर, 2024 तक बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, रांची में आयोजित 23वें आईएएसएसआई सम्मेलन में भारतीय संदर्भ में इसके महत्व पर चर्चा की जाएगी।

28.02.2024 को पीएसजी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंसेज, कोयंबटूर में भारतीय अर्थव्यवस्था का वर्तमान परिदृश्यः उपलब्धियां और चुनौतियां विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "सामाजिक क्षेत्र, सेवा क्षेत्र, धन, वित्त और संबद्ध विषय" पर सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

28.02.2024 को पीएसजी कॉलेज ऑफ आट्र्स एंड साइंसेज, कोयंबटूर में भारतीय अर्थव्यवस्था का वर्तमान परिदृश्यः उपलब्धियां और चुनौतियां विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ''सामाजिक क्षेत्र, सेवा क्षेत्र, धन, वित्त और संबद्ध विषय'' पर सत्र में अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

27–28 मार्च, 2025 को गांधीग्राम ग्रामीण विश्वविद्यालय, गांधी ग्राम में आयोजित भारत में सतत विकास लक्ष्यः उपलब्धियां और चुनौतियां विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पैनल चर्चा I में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

27–28 मार्च, 2025 को गांधीग्राम ग्रामीण विश्वविद्यालय, गांधी ग्राम में आयोजित भारत में सतत विकास लक्ष्यः उपलब्धियां और चुनौतियां विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पैनल चर्चा II में अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

18–19 मार्च, 2025 को भारतीय पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली में उच्च शिक्षा में 21वीं सदी के नेतृत्व पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में अकादमिक नेतृत्व और संस्थागत विकास पर सत्र के लिए अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम पर कई एमएम–टीटीपी कार्यक्रमों में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया और भारतीय उच्च और तकनीकी शिक्षा में उच्च शिक्षा और विविधता के वित्तपोषण पर व्याख्यान दिया।

प्रशिक्षण सामग्री एवं पाठ्यक्रम विकसित/प्रवर्तित

निम्नलिखित प्रशिक्षण मॉड्यूल का विकास एवं अंतिम रूप देनाः

- शैक्षिक योजना के लिए लागत विश्लेषण
- शिक्षा के वित्तपोषण के स्रोत और तरीके

जिला विद्यालय शिक्षा योजना पर चुनिंदा मॉड्यूलों को साझा करने और अंतिम रूप देने पर उत्तरी क्षेत्रीय कार्यशाला में निम्नलिखित सत्रों में अध्यक्ष के रूप में कार्य किया, (रायपुर, छत्तीसगढ़: 24–28 जून, 2024)

कार्यशाला का उद्घाटन सत्र

मॉड्यूल 1 पर समूह कार्य प्रस्तुतिः सेक्टर निदान – पहुंच और भागीदारी

मॉड्यूल 3: जनसंख्या अनुमान पर सत्र पर प्रस्तुति और चर्चा

मॉड्यूल 3: पर समूह कार्य प्रस्तुतिः जनसंख्या अनुमान

शैक्षिक योजना के लिए लागत विश्लेषण और शिक्षा के वित्तपोषण के स्रोत और तरीके पर सत्र

जिला विद्यालय शिक्षा योजना पर चुनिंदा मॉड्यूलों को साझा करने और अंतिम रूप देने पर दक्षिणी क्षेत्रीय कार्यशाला में निम्नलिखित सत्रों में अध्यक्ष के रूप में कार्य किया

(तिरुवनंतपुरम, केरलः 29 जुलाई से 2 अगस्त 2024)

कार्यशाला का उद्घाटन सत्र

मॉड्यूल 1: पर समूह कार्य प्रस्तुतिः सेक्टर निदान – पहुंच और भागीदारी

मॉड्यूल 3: पर समूह कार्य प्रस्तुतिः जनसंख्या अनुमान

शैक्षिक योजना के लिए लागत विश्लेषण और शिक्षा के वित्तपोषण के स्रोत और तरीके पर सत्र में प्रस्तुत और चर्चा की गई

बड़े पैमाने पर सर्वेक्षण पर अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम पर उत्तर–पूर्वी क्षेत्रीय कार्यशाला में निम्नलिखित सत्रों में अध्यक्ष के रूप में कार्य कियाः डेटा विश्लेषण और उपकरण, (गुवाहाटी, असमः 9–13 सितंबर, 2024)

कार्यशाला के परिचय सत्र में प्रस्तुत एवं चर्चाः

शोध रूपरेखाः परिचय और अपेक्षाएं पर सत्र में प्रस्तुति और चर्चा की गई

बड़े पैमाने पर सर्वेक्षणः एसपीएसएस/एसटीएटीए का उपयोग करके डेटा विश्लेषण पर सत्र में प्रस्तुति और चर्चा की गई

सरल एवं बहु–चर रेखीय प्रतिगमन पर सत्र में प्रस्तुति एवं चर्चा की गई

शोध रूपरेखा के दृष्टिकोण पर सत्र में प्रस्तुति और चर्चा की गई

गुणात्मक प्रतिक्रिया चर मॉडलः लॉगिट और प्रोबिट और शैक्षिक सांख्यिकी डीआईएसई, यूडीआईएसई, यूडीआईएसई+ पर सत्रों की अध्यक्षता की

जिला विद्यालय शिक्षा योजना पर चुनिंदा मॉड्यूलों को साझा करने और अंतिम रूप देने पर उत्तर–पूर्वी क्षेत्रीय कार्यशाला में निम्नलिखित सत्रों में अध्यक्ष के रूप में कार्य किया, (ईटानगर, अरुणाचल प्रदेशः 4–8 नवंबर 2024)

कार्यशाला का उद्घाटन सत्र

मॉड्यूल 1: पर समूह कार्य प्रस्तुतिः सेक्टर निदान – पहुंच और भागीदारी

मॉड्यूल 3: पर समूह कार्य प्रस्तुतिः जनसंख्या अनुमान

शैक्षिक योजना के लिए लागत विश्लेषण और शिक्षा के वित्तपोषण के स्रोत और तरीके पर सत्र में प्रस्तुत और चर्चा की गई

4–7 मार्च, 2025 के दौरान शिक्षा योजना विभाग के पीएच.डी विद्वानों की अनुसंधान सलाहकार समितियों की बैठकें आयोजित की गईं।

शिक्षणः

पीएच.डी. कोर्स के लिए कोर्स लीड – सीसी5बीः रिसर्च मेथोडोलॉजी–II क्वांटिटेटिव स्ट्रीम

पीएच.डी. पाठ्यक्रम के लिए सह–संकाय – सीसी3ः शैक्षिक नीति और योजना

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रम

निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर के सह–संकायः

कोर्सः सीएस0एनसी541 –– बुनियादी सांख्यिकी

कोर्सः एस3सीसी507 –– शिक्षा में नीति विश्लेषण और योजना

कोर्सः एस4ईसी527ः सामाजिक विज्ञान में उन्नत सांख्यिकीय तकनीक

कोर्सः बजट विश्लेषण

आईडेपा कार्यक्रम में शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य, शैक्षिक योजना पाठ्यक्रम पर व्याख्यान दिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम/अभिविन्यास पाठ्यक्रम आयोजितः

9 से 13 सितंबर, 2024 तक गुवाहाटी, असम में शैक्षिक अनुसंधान में बड़े पैमाने पर सर्वेक्षण डेटा के विश्लेषण के लिए अर्थमितीय और सांख्यिकीय उपकरणों और तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ अनुसंधान पद्धति पर एक सप्ताह की उत्तर–पूर्वी क्षेत्रीय कार्यशाला के लिए कार्यक्रम निदेशक के रूप में कार्य किया।

आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और सोवा–रिग्पा कॉलेजों के प्राचार्यों के लिए शैक्षिक योजना और प्रशासन में क्षमता विकास कार्यक्रम के लिए कार्यक्रम निदेशक के रूप में कार्य किया। राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग (एनसीआईएसएम), नई दिल्ली के सहयोग से, नीपा, नई दिल्ली में 3–7 जून 2024, बैच 13 का आयोजन किया गया।

एमएमटीटीपी राष्ट्रीय शिक्षा नीति– अभिमुखीकरण और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन) के लिए कार्यक्रम निदेशक के रूप में कार्य किया, 16–28 जनवरी, 2024

एम.फिल/पीएच.डी., पीजीडेपा और आईडेपा शोध प्रबंधों का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन

पीएच.डी. पर्यवेक्षण

2025 से भारत में क्षेत्रीय असंतुलन और संरचनात्मक बेरोजगारी में कौशल अंतराल और कौशल बेमेल की भूमिका को समझना।

तकनीकी उच्च शिक्षा का वित्तपोषणः 2024 से बिहार और झारखंड का तुलनात्मक अध्ययन।

क्षमता दृष्टिकोण के लेंस के माध्यम से अकादमिक पूंजीवाद और अकादमिक संस्कृति का पुनः अभिविन्यासः 2019 से उच्च शिक्षा में छात्र अनुभवों का एक अध्ययन।

रोजगार योग्यता कौशल की जांचः 2020 से उच्च शिक्षा और श्रम बाजार का एक अध्ययन।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

2017 से भारतीय सांस्कृतिक अनुसंधान परिषद की विदेश शाखा द्वारा भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए भारत के बाहर के विश्वविद्यालयों में अर्थशास्त्र पढ़ाने के लिए चेयर प्रोफेसर के रूप में सूचीबद्ध।

नैक के सहकर्मी दल सदस्य।

शिक्षा क्षेत्र के विश्लेषण पर अध्ययन के लिए संयुक्त रूप से संकल्पना पत्र तैयार किया और भारत सरकार के सोलहवें वित्त आयोग को प्रारंभिक रिपोर्ट प्रस्तुत की।

आधिकारिक एवं अन्य समितियों की सदस्यता

सदस्य, अध्ययन बोर्ड, नीपा

सदस्य, अकादमिक परिषद, नीपा

शैक्षिक योजना विभाग की विभागीय सलाहकार समिति के सदस्य

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर छात्रों के चयन के लिए चयन समिति के सदस्य

पीएच.डी. शोध विद्वानों के चयन के लिए चयन समिति के सदस्य

सहायक प्रोफेसर (नियमित) पद के लिए चयन समिति के सदस्य

कनिष्ठ परियोजना सलाहकार (अकादमिक) के पद के लिए अध्यक्ष चयन समिति

27.03.2025 से अनुदान सहायता समिति के अध्यक्ष

मौजूदा नीतियों की समीक्षा समिति के सदस्य

7 शोध विद्वानों के लिए अनुसंधान सलाहकार समिति के आंतरिक सदस्य

नीपा के बाहर प्रतिष्ठित निकायों की सदस्यता

निम्नलिखित प्रतिष्ठित निकायों में आजीवन सदस्यः

भारतीय अर्थमिति सोसायटी (टीआईईएस)

भारतीय श्रम अर्थशास्त्र सोसायटी (आईएसएलई)

भारतीय तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी (सीईएसआई)

भारतीय आर्थिक संघ

भारतीय सामाजिक विज्ञान और स्वास्थ्य संघ (आईएएसएसएच)

अखिल भारतीय शैक्षिक अनुसंधान संघ (एआईएईआर)

कमलकांत बिस्वाल

प्रकाशित कार्य

पुस्तकें/नियमावली/शोध रिपोर्ट

फरवरी 2025 में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के जीईआर लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उच्च शिक्षा विस्तार के निर्धारक और भागीदारी को व्यापक बनाने की रणनीति' पर शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित शोध अध्ययन (डॉ. एन.के. मोहंती और डॉ. सुमन नेगी के साथ) पूरा करके नीपा प्रशासन को सौंप दिया गया।

अप्रैल 2024 में यूजीसी–केयर योजना (डॉ. सुमन नेगी के साथ) का मूल्यांकन अध्ययन पूरा करके प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों, वेबिनारों और सम्मेलनों में भागीदारी

11 जुलाई, 2024 को "नीतियों को आगे बढ़ाने के लिए परिस्थितिजन्य विश्लेषण में साक्ष्य का उपयोग करना" विषय पर यूनेस्को–आईआईईपी वेबिनार में भाग लिया।

24 जुलाई, 2024 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली के एमएम–टीटीसी द्वारा आयोजित 4–सप्ताह के ''संकाय प्रेरण कार्यक्रम'' में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

24 सितंबर, 2024 को पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के एमएम–टीटीसी द्वारा आयोजित "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण" में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

10 अक्टूबर, 2024 को "नीति नियोजन के संचालन में साक्ष्य का उपयोग, और शिक्षा विकास योजनाओं की लागत निर्धारण" विषय पर यूनेस्को–आईआईईपी वेबिनार में भाग लिया।

यूनेस्को–आईआईईपी और नीपा ऑनलाइन बैठक में भाग लिया और नीपा का परिचय दिया, जिसमें नई दिल्ली में एएनटीआरआईईपी क्षेत्रीय बैठक की मेजबानी के लिए सहयोग से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई और 28 अक्टूबर, 2024 को आयोजित आईआईईपी, पेरिस के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की संभावना का पता लगाया गया। इस बैठक में आईआईईपी के निदेशक तथा नीपा और आईआईईपी के वरिष्ठ संकाय एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

14 नवंबर, 2024 को भारतीय पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली में ईसीसीई पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पैनल चर्चा सत्र की अध्यक्षता की, जिसका आयोजन नीपा द्वारा किया गया और प्रो. रश्मिता दास स्वाँइ द्वारा समन्वयित किया गया।

24 सितंबर, 2024 को मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजोल के एमएम–टीटीसी द्वारा आयोजित ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण'' में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

11 नवंबर 2024 को भारतीय पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली में नीपा द्वारा आयोजित मौलाना आज़ाद मेमोरियल व्याख्यान में भाग लिया।

13 मार्च, 2025 को नॉर्थ–ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग, मेघालय के एमएम–टीटीसी द्वारा आयोजित ''राष्ट्रीय शिक्षा

नीति 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण'' में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

18 मार्च, 2025 को भारतीय पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित उच्च शिक्षा में नेतृत्व पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''उच्च शिक्षा में नेतृत्व'' पर एक पैनल चर्चा सत्र की अध्यक्षता की, जिसका आयोजन नीपा द्वारा किया गया और डॉ. संगीता अंगोम द्वारा समन्वयित किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं/आयोजित

24–28 जून 2024 तक रायपुर, छत्तीसगढ़ में आयोजित ''विद्यालय शिक्षा में परिणाम–आधारित जिला नियोजन पर चुनिंदा मॉड्यूल साझा करने पर उत्तरी क्षेत्रीय कार्यशाला'' का संचालन (डीईपी के अन्य संकाय सहयोगियों के साथ) किया और एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

(डीईपी के अन्य संकाय सहयोगियों के साथ) आयोजित किया, और 29 जुलाई से 2 अगस्त, 2024 तक केरल के तिरुवनंतपुरम में आयोजित ''विद्यालय शिक्षा में चुनिंदा मॉड्यूल परिणाम आधारित जिला योजना साझा करने पर दक्षिणी क्षेत्रीय कार्यशाला'' में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

09–13 सितंबर, 2024 तक गुवाहाटी, असम में आयोजित "बड़े पैमाने पर सर्वेक्षण डेटा के विश्लेषण के लिए अर्थमितीय और सांख्यिकीय उपकरण और तकनीकों पर ध्यान देने के साथ अनुसंधान पद्धति पर क्षेत्रीय कार्यशाला" में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

(डीईपी के अन्य संकाय सहयोगियों के साथ) आयोजित किया, और 04–08 नवंबर, 2024 तक अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में आयोजित "विद्यालय शिक्षा में परिणाम–आधारित जिला नियोजन पर चुनिंदा मॉड्यूल साझा करने पर पूर्वोत्तर क्षेत्रीय कार्यशाला" में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और सोवा–रिग्पा महाविद्यालयों के प्राचार्यों के लिए शैक्षिक योजना और प्रशासन में क्षमता विकास कार्यक्रम का संचालन (डीईपी के अन्य संकाय सहयोगियों के साथ) किया और इसमें संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया। इसका आयोजन राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग (एनसीआईएसएम), नई दिल्ली के सहयोग से 10 से 14 जून, 2024 तक किया गया।

14–24 अक्टूबर, 2024 तक एमएम–टीटीसी नीपा द्वारा आयोजित "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण" पर एमएम–टीटीपी का समन्वय (डॉ. निधि सबरवाल के साथ)।

प्रशिक्षण कार्यक्रम/अभिविन्यास पाठ्यक्रम में भागीदारी

04 अप्रैल, 2024 को नीपा के एमएम–टीटीसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया, और प्रो. विनीता सिरोही और डॉ. सुमन नेगी द्वारा समन्वयित किया गया।

27 अप्रैल, 2024 को ओडिशा के बरहामपुर विश्वविद्यालय के एमएम–टीटीसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

03 मई, 2024 को इग्नू, नई दिल्ली के एमएम–टीटीसी/स्ट्राइड द्वारा आयोजित और डॉ. ग्लोरिया कुजूर द्वारा समन्वित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

20 मई, 2024 को नीपा के एमएम–टीटीसी द्वारा आयोजित और डॉ. मोना सेडवाल द्वारा समन्वित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

31 मई, 2024 को इग्नू, नई दिल्ली के एमएम–टीटीसी/स्ट्राइड द्वारा आयोजित और डॉ. जी. मैथिली द्वारा समन्वित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

04 जून 2024 को नीपा के एमएम–टीटीसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया और प्रो. ए. के. सिंह और डॉ. अंशु श्रीवास्तव द्वारा समन्वयित किया गया।

13 जुलाई, 2024 को उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रयागराज स्थित ईश्वर सरन पी.जी. कॉलेज के एमएम–टीटीसी द्वारा आयोजित और डॉ. जमील अहमद द्वारा समन्वित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

30 जुलाई, 2024 को नीपा के एमएम–टीटीसी द्वारा आयोजित और प्रो. प्रणति पांडा द्वारा समन्वित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

नीपा के एम.फिल. और पीएच.डी. कार्यक्रमों के सहकर्मी और संकाय समीक्षा सेमिनारों में भाग लिया।

12 अगस्त 2024 को भारतीय पर्यावास केंद्र में आयोजित नीपा स्थापना दिवस व्याख्यान में भाग लिया।

08 अगस्त, 2024 को नीपा के एमएम–टीटीसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम/संकाय प्रेरण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया और डॉ. योगेश पहाड़िया, सीपीआरएचई, नीपा द्वारा समन्वयित किया।

04 सितंबर, 2024 को, नीपा के सहयोग से ओडिशा के भुवनेश्वर में उत्कल विश्वविद्यालय, वाणी विहार के एमएम–टीटीसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम – उच्च शिक्षा में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देना में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

26 सितंबर, 2024 को नीपा के एमएम–टीटीसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया, और प्रो. कुमार सुरेश और डॉ. सादमा अबशेर द्वारा समन्वित किया गया।

09 अक्टूबर, 2024 को नीपा के एमएम–टीटीसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया, और प्रो. विनीता सिरोही और डॉ. मोना सेडवाल द्वारा समन्वित किया गया।

14 अक्टूबर, 2024 को डीईपी, नीपा द्वारा आयोजित और प्रो. गीता रानी द्वारा समन्वित सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान पद्धति पर एमएम–टीटी कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

21 अक्टूबर, 2024 को नीपा के एमएम–टीटीसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया, और सीपीआरएचई, नीपा की डॉ. निधि सभरवाल और डॉ. ज्ञानेश्वरी द्वारा समन्वित किया गया।

19 नवंबर, 2024 को नीपा के एमएम–टीटीसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम/संकाय प्रेरण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया और डॉ. योगेश पहाड़िया, सीपीआरएचई, नीपा द्वारा समन्वयित किया।

20 नवंबर, 2024 को नीपा के एमएम–टीटीसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम/संकाय प्रेरण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया, और प्रो. ए.के. सिंह और डॉ. संगीता अंगोम द्वारा समन्वित किया गया।

10 जनवरी, 2025 को नीपा के एमएम–टीटीसी द्वारा आयोजित और प्रोफेसर के. श्रीनिवास और डॉ. निरंजना मोइत्रा द्वारा समन्वित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

28 जनवरी, 2025 को नीपा के एमएम–टीटीसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया और प्रो. गीता रानी और डॉ. बोस्की सिंह द्वारा समन्वयित किया गया।

06 फरवरी, 2025 को नीपा के एमएम–टीटीसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया, और प्रो. मोना खरे और डॉ. सुमन नेगी द्वारा समन्वयित किया गया।

01 मार्च, 2025 को नीपा के एमएम–टीटीसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम/संकाय प्रेरण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया और प्रो. मोना खरे और डॉ. बोस्की सिंह द्वारा समन्वयित किया गया।

05 मार्च, 2025 को नीपा के एमएम–टीटीसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम/संकाय प्रेरण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया और डॉ. प्रियंका यादव द्वारा समन्वयित किया।

17 मार्च, 2025 को नीपा के एमएम–टीटीसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया, और प्रो. कुमार सुरेश और डॉ. एन. के. मोहंती द्वारा समन्वित किया गया।

27 मार्च, 2025 को नीपा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया, और प्रो. मधुमिता बंदोपाध्याय और डॉ. कश्यपी अवस्थी द्वारा समन्वयित किया गया।

17 मार्च, 2024 को नीपा के एमएम–टीटीसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया, और प्रो. कुमार सुरेश और डॉ. एन. के. मोहंती द्वारा समन्वित किया गया।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित और संचालित

प्रशिक्षण सामग्री/मॉड्यूल विकसित

निम्नलिखित मॉड्यूल का संशोधित पहला मसौदा 24 से 28 जून, 2024 तक रायपुर, छत्तीसगढ़ में आयोजित क्षेत्रीय कार्यशालाओं के दौरान पूरा किया गया और साझा किया गया; तिरुवनंतपुरम, केरल में, 29 जुलाई से 2 अगस्त, 2024 तक; और ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश में 18 से 22 सितंबर, 2024 तक आयोजित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, इसे 4 से 8 नवंबर, 2024 तक नीपा, नई दिल्ली में आयोजित जिला विद्यालय शिक्षा योजना पर चुनिंदा मॉड्यूलों को साझा करने और अंतिम रूप देने पर राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में साझा किया गया।

वर्तमान में मॉड्यूल में संशोधन किया जा रहा है, ताकि वित्त वर्ष 2025/26 के लिए प्रस्तावित कार्यशालाओं में इन्हें आगे साझा किया जा सके और अंतिम रूप दिया जा सके।

मॉड्यूल 1 और 2: प्रशिक्षण मॉड्यूल जनसंख्या और नामांकन अनुमानों पर केंद्रित थे, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के नामांकन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए वर्ष 2030 तक जिला स्तर पर प्रासंगिक विद्यालय–आयु वर्ग की आबादी के विश्वसनीय अनुमान की आवश्यकता पर बल देते थे।

मॉड्यूल 3: क्षेत्र विश्लेषण के लिए केपीआई के उपयोग पर प्रशिक्षण मॉड्यूल, जिसमें आकलन विधियां, व्याख्याएं, तथा विद्यालयी शिक्षा की योजना बनाने और निगरानी में उनका अनुप्रयोग शामिल है।

मॉड्यूल 4: जिला विद्यालय शिक्षा विकास योजना में संचयी लक्ष्य निर्धारित करने के लिए परिणाम फ्रेमवर्क (आरएफ) का उपयोग करने पर प्रशिक्षण मॉड्यूल।

मॉड्यूल 5: राज्य/जिला विद्यालय शिक्षा विकास योजनाओं में हस्तक्षेप डिजाइन करने के लिए लॉजिकल फ्रेमवर्क मैट्रिक्स (एलएफएम) का उपयोग करने पर प्रशिक्षण मॉड्यूल।

मॉड्यूल 6: समग्र शिक्षा के अंतर्गत जिला विद्यालय शिक्षा विकास योजना तैयार करने की पद्धति, तकनीक और उपकरण।

मॉड्यूल 7: शिक्षा में लागत विश्लेषण के लिए दृष्टिकोण और तकनीक।

मॉड्यूल 8: जिला विद्यालय शिक्षा विकास योजना के वित्तपोषण के लिए संसाधन जुटाना।

विकसित एवं संचालित पाठ्यक्रम

सह–संकाय के रूप में, पीएच.डी. कार्यक्रम, 2023/24 में अनिवार्य पाठ्यक्रम संख्या सीसी–1 (शिक्षा में आर्थिक परिप्रेक्ष्य) का संचालन किया।

पाठ्यक्रम समन्वयक के रूप में, पीएच.डी. कार्यक्रम, 2023/24 में अनिवार्य पाठ्यक्रम संख्या सीसी–4 (शैक्षिक योजना) का संचालन किया।

सह–संकाय के रूप में, सितंबर 2023 में पीजीडेपा कोर्स संख्या 903: शैक्षिक योजना: अवधारणा, प्रकार और दृष्टिकोण का संचालन किया।

पाठ्यक्रम संयोजक के रूप में, मूडल लर्निंग प्लेटफॉर्म का उपयोग करके जुलाई 2023 में पीजीडेपा (चरण II) ऑनलाइन उन्नत पाठ्यक्रम संख्या 907: शैक्षिक योजना का संचालन किया।

सह–संकाय के रूप में, शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम: एस3सीसी507 – शिक्षा में नीति विश्लेषण और योजना का संचालन किया।

शिक्षा मंत्रालय, यूजीसी, राज्य सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और राष्ट्रीय संस्थानों को प्रदान की गई महत्वपूर्ण परामर्श और सलाहकार सेवाएं

यूजीसी विशेषज्ञ समिति के सदस्य, 27 से 28 जून 2024 तक वाईबीएन विश्वविद्यालय, रांची, झारखंड के आभासी दौरे पर रहेंगे, ताकि यूजीसी के मानदंडों और मानकों के अनुसार उच्च शिक्षा संस्थानों में निगरानी और न्यूनतम मानकों को सुनिश्चित किया जा सके।

समग्र शिक्षा के अंतर्गत राज्य और जिला माध्यमिक शिक्षा योजनाओं (परिप्रेक्ष्य और एडब्ल्यूपी एवं बी) की तैयारी के लिए विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को तकनीकी सहायता प्रदान की गई, ताकि एमएचआरडी, भारत सरकार द्वारा समग्र शिक्षा के कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाया जा सके।

20 मार्च 2025 को एससीईआरटी, नई दिल्ली में आयोजित डीआईईपीटी की डीएसी बैठक में भाग लिया।

पीएच.डी., डेपा और आईडेपा शोध प्रबंधों का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन

आयशा मलिक की पीएच.डी. थीसिस का पर्यवेक्षण किया, जिसका शीर्षक था "राजस्थान में विद्यालय विलय नीति के परिणामों का जीआईएस–आधारित विश्लेषण।"

आयशा मलिक द्वारा लिखित "राजस्थान में विद्यालय विलय नीति के परिणामों का जीआईएस–आधारित विश्लेषण" शीर्षक पीएच.डी. थीसिस का मूल्यांकन किया गया। आयशा मलिक को मार्च 2025 में पीएच.डी. की डिग्री प्रदान की गई।

काव्या चंद्रा द्वारा "शिक्षा सुधार, कार्यान्वयन और बहु जवाबदेही संबंधः दक्षिण दिल्ली के सरकारी विद्यालय में सुधार कार्यान्वयन का एक अध्ययन" शीर्षक से पीएच.डी. थीसिस कार्य का पर्यवेक्षण किया गया।

गौहर रशीद गनी द्वारा ''व्यावसायिक शिक्षा के लिए छात्रों की पसंद के निर्धारक'' शीर्षक से पीएच.डी. थीसिस कार्य का पर्यवेक्षण किया गया।

गौहर रशीद गनी द्वारा लिखित "व्यावसायिक शिक्षा के लिए छात्र की पसंद के निर्धारक" शीर्षक पीएच.डी. थीसिस का मूल्यांकन किया गया और 30 जनवरी, 2025 को उन्हें पीएच.डी. की डिग्री प्रदान की गई।

कारिका दास द्वारा 'डिजिटल कौशल में वापसी – बैंगलोर और दिल्ली–एनसीआर, भारत में शहरी स्नातक श्रमिकों का एक अध्ययन' शीर्षक से पीएच.डी. थीसिस कार्य की देखरेख की गई।

फिजा फारूकी द्वारा ''भारत के मध्य प्रदेश में व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों के विकेन्द्रीकृत वितरण के संदर्भ में प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की आत्म–प्रभावकारिता का एक अध्ययन'' शीर्षक से पीएच.डी. कार्य का पर्यवेक्षण किया।

अभय सिंह द्वारा लिखित "आरटीई को वास्तविकता बनानाः उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर और भदोही जिलों में घरेलू कालीन निर्माण में लगे बच्चों का एक अध्ययन" शीर्षक से पीएच.डी. कार्य का पर्यवेक्षण किया।

इष्टा वर्मा द्वारा "विश्वविद्यालय–उद्योग सहयोग और एसडीजी 9: भारत में सार्वजनिक नीति, रणनीति और कार्यक्रम हस्तक्षेप का विश्लेषण" शीर्षक से पीएच.डी. कार्य का पर्यवेक्षण किया।

दीपिका प्रदीप चौरसिया द्वारा "उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में विद्यालयी शिक्षा में आंतरिक दक्षता और अपव्यय का विश्लेषण" शीर्षक से पीएच.डी. कार्य का पर्यवेक्षण किया।

मार्च 2025 में उपर्युक्त सभी शोध विद्वानों की आरएसी बैठकें आयोजित की गईं।

अगस्त 2024 में कोटे डी आइवर के श्री नियामी कोआको जीन द्वारा ''एबिदजान 2 क्षेत्र में विद्यालयी शिक्षा में चुनौतियों के प्रबंधन में क्षेत्रीय शिक्षा निदेशालय के रणनीतिक हस्तक्षेप'' शीर्षक वाले आईडेपा शोध प्रबंध का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन किया।

संस्थागत जिम्मेदारियों सहित अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

नीपा में पीजीडेपा कार्यक्रम का मूल्यांकन करने के लिए गठित समिति के सदस्य।

नीपा के कई पीएच.डी. विद्वानों के आरएसी के लिए आंतरिक विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।

नीपा में पीएच.डी. कार्यक्रम की कार्यक्रम सलाहकार समिति के सदस्य।

नीपा की जीआईएसी योजना के अंतर्गत वित्त पोषण की मांग करते हुए सीड, नई दिल्ली द्वारा प्रस्तुत अनुसंधान प्रस्ताव का मूल्यांकन किया गया।

23 फरवरी 2024 को आयोजित विभागीय सलाहकार समिति की बैठक के लिए शैक्षिक योजना विभाग की वार्षिक कार्य योजना और बजट, 2024/2025 के निर्माण में योगदान दिया।

पीएच.डी. प्रवेश समिति के सदस्य के रूप में, मैंने पीएच.डी. कार्यक्रम में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा कार्यक्रम 2024/26 के प्रश्न विकसित करने में सहायता की।

नीपा 2024/2026 के पीएच.डी. कार्यक्रम में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा में अभ्यर्थियों के मूल्यांकन स्कोर को नियंत्रित करने के लिए गठित समिति के सदस्य।

जून 2024 में नीपा के शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर कार्यक्रम 2024/25 के लिए प्रवेश परीक्षा हेतु प्रश्न पत्र तैयार करने वाली समिति के सदस्य।

जुलाई 2024 में नीपा की शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर 2024/25 प्रवेश परीक्षा की लिखित परीक्षा पांडुलिपि के सुधार के लिए समिति के सदस्य।

शैक्षिक प्रशासन विभाग, नीपा नवाचार पुरस्कार परियोजना के सलाहकार समूह के सदस्य।

जनवरी 2025 में नीपा के आईडीपी में शामिल करने के लिए "उच्च शिक्षा संस्थानों में शासन सक्षमकर्ता" पर मसौदा लेखन तैयार किया गया।

11 फरवरी, 2025 को आयोजित उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग, नीपा की डीएसी बैठक में सदस्य के रूप में, भाग लिया।

21 फरवरी, 2025 को आयोजित विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग, नीपा की डीएसी बैठक में सदस्य के रूप में भाग लिया।

27 फरवरी, 2025 को आयोजित शैक्षिक नीति विभाग, नीपा की डीएसी बैठक में सदस्य के रूप में भाग लिया।

नीपा की पीएच.डी. कार्यक्रम स्थायी सलाहकार समिति के सदस्य (29 मई, 2024 तक)

नीपा में राष्ट्रीय ऋण हस्तांतरण प्रणाली के कार्यान्वयन हेतु समिति के सदस्य।

नीपा के पर्यवेक्षकों (सीएएस) के आवंटन के लिए पीएच.डी. कार्यक्रम समिति के सदस्य (29 मई, 2025 तक)।

नीपा के अध्ययन बोर्ड के सदस्य।

नीपा की अकादमिक परिषद के सदस्य।

नीपा के योजना और निगरानी बोर्ड के सदस्य।

नीपा की सहायता अनुदान समिति के अध्यक्ष।

नीपा में अनुसंधान और नवाचार नीति पर उप–समिति के अध्यक्ष।

नीपा की तकनीकी समिति के अध्यक्ष।

सांत्वना जी मिश्रा

प्रकाशन

शोध पत्र

प्रकाशित आलेख "ग्रामीण माध्यमिक विद्यालयों में सामुदायिक सहभागिता तथा विज्ञान अध्ययन" परिप्रेक्ष्य (हिन्दी), 31(1), अप्रैल 2024 में।

शोध परियोजनाएं / चल रहे अध्ययन

समग्र शिक्षा के अंतर्गत गैर–आवर्ती घटक उपयोग में लंबितता का विश्लेषण

शैक्षणिक शासन संरचनाः इसे और अधिक प्रासंगिक कैसे बनाया जाए

पूर्वोत्तर में विद्यालयी शिक्षा को सुदृढ़ बनाना

उल्लास का प्रभावः नवभारत साक्षरता कार्यक्रम

सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशालाओं में भागीदारी

13 दिसंबर 2024 को आईआईटी दिल्ली में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा आयोजित ''महिला नेताः विकसित भारत /2047 के लिए शैक्षणिक उत्कृष्टता को आकार देना" शीर्षक से महिला नेतृत्व कार्यक्रम में भाग लिया।

25–26 नवंबर 2024 के दौरान नीपा में नीपा और ऑस्ट्रेलियाई अभिनव अनुसंधान विश्वविद्यालय नेटवर्क सहयोग कार्यशाला में भाग लिया।

18–19 फरवरी 2025 के दौरान देहरादून में एससीईआरटी उत्तराखंड द्वारा उल्लास पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम / कार्यशालाएं / आयोजित

5–7 जून, 2024 तक नीपा में "सरकारी विद्यालयों में कौशल–आधारित और व्यावसायिक शिक्षा के कार्यान्वयन के लिए नेतृत्व" पर सामग्री विकास कार्यशाला का आयोजन (एनसीएसएल दल के साथ) किया गया।

24–28 जून 2024 तक रायपुर, छत्तीसगढ़ में आयोजित "विद्यालय शिक्षा में परिणाम–आधारित जिला योजना पर चुनिंदा मॉड्यूल साझा करने पर उत्तरी क्षेत्रीय कार्यशाला" (शैक्षिक योजना विभाग के संकाय के साथ) का आयोजन किया गया।

22–24 जुलाई, 2024 तक भारतीय पर्यावास केंद्र में (एनसीएसएल दल के साथ) "विद्यालय शिक्षा में सुशासन पर शोध अध्ययनः संभावनाएं और नवीन अभ्यास" पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई।

29 जुलाई से 02 अगस्त, 2024 तक केरल के तिरुवनंतपुरम में आयोजित "विद्यालय शिक्षा में परिणाम–आधारित जिला योजना पर चुनिंदा मॉड्यूल साझा करने पर दक्षिणी क्षेत्रीय कार्यशाला" का (शैक्षिक योजना विभाग के संकाय के साथ) आयोजन किया गया।

09–13 सितंबर, 2024 तक गुवाहाटी, असम में आयोजित "बड़े पैमाने पर सर्वेक्षण पर अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रमः डेटा विश्लेषण और उपकरण" पर उत्तर–पूर्वी क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया (शैक्षिक योजना विभाग के संकाय के साथ)।

18–21 सितंबर, 2024 तक नीपा में (एनसीएसएल दल के साथ) जवाहर नवोदय विद्यालय (बैच– I) के विद्यालय नेतृत्वकर्ताओं के लिए ''छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक भावनात्मक कल्याण'' पर क्षमता विकास कार्यशाला आयोजित की गई।

7–10 अक्टूबर, 2024 तक नीपा में (एनसीएसएल दल के साथ) जवाहर नवोदय विद्यालय (बैच– II) के विद्यालय नेतृत्वकर्ताओं के लिए ''छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और

सामाजिक भावनात्मक कल्याण'' पर क्षमता विकास कार्यशाला आयोजित की गई।

17–19 अक्टूबर, 2024 तक नीपा में "विद्यालय नेतृत्वकर्ताओं के लिए सतत व्यावसायिक विकास पर दिशानिर्देशों के विकास" के लिए परामर्श बैठक (एनसीएसएल दल के साथ) आयोजित की गई।

04–08 नवंबर, 2024 तक अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में आयोजित "विद्यालय शिक्षा में परिणाम–आधारित जिला योजना पर चुनिंदा मॉड्यूल साझा करने पर पूर्वोत्तर क्षेत्रीय कार्यशाला" (शैक्षिक योजना विभाग के संकाय के साथ) का आयोजन किया गया।

5–8 नवंबर, 2024 तक नीपा में "सरकारी विद्यालयों में समानता, विविधता और समावेश के लिए नेतृत्व" पर कार्यशाला का आयोजन (एनसीएसएल दल के साथ) किया गया।

12–21 नवंबर, 2024 तक यूजीसी मालवीय मिशन–शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएम–टीटीपी), नीपा के अंर्तगत राष्ट्रीय शिक्षा नीति–अभिविन्यास और संवेदीकरण ऑनलाइन कार्यक्रम (प्रो. रस्मिता और डॉ. योगेश के साथ) आयोजित किया गया।

17–20 दिसंबर, 2024 तक नीपा में "सरकारी विद्यालयों में छात्र दक्षता बढ़ाने के लिए शैक्षणिक नेतृत्व" पर कार्यशाला का आयोजन (एनसीएसएल दल के साथ) किया गया।

8–10 जनवरी, 2025 तक भारतीय पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली में ''सफल विद्यालय नेतृत्व 2025: परिवर्तन और नवाचार के उदाहरण'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन (एनसीएसएल दल के साथ) किया गया।

21 से 23 जनवरी 2025 तक वाईसीएमओयू, नासिक, महाराष्ट्र में ''नया भारत साक्षरता कार्यक्रम – समाज में सभी के लिए आजीवन शिक्षा को समझना (यूएलएलएएस)'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।

29–31 जनवरी, 2025 तक भारतीय पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली में विद्यालय लीडरशिप अकादमियों के साथ राष्ट्रीय समीक्षा और योजना कार्यशाला का आयोजन (एनसीएसएल दल के साथ) किया गया।

27 फरवरी, 2025 को नीपा में राष्ट्रीय सलाहकार समूह की बैठक आयोजित की गई (राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र समूह के साथ)।

व्याख्यान/कार्यक्रम में भाग लिया

नीपा में अनुसंधान विद्वानों की आरएसी में भाग लिया।

12 अगस्त 2024 को भारतीय पर्यावास केंद्र में आयोजित नीपा के 18वें स्थापना दिवस में भाग लिया।

11 नवंबर 2024 को भारतीय पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली में नीपा द्वारा आयोजित 15वें मौलाना आज़ाद स्मृति व्याख्यान में भाग लिया।

प्रशिक्षण सामग्री एवं पाठ्यक्रम विकसित/प्रवर्तित

सह संकाय के रूप में पीएच.डी. कार्यक्रम, 2024/25 में अनिवार्य पाठ्यक्रम संख्या सीसी–5बी (शोध पद्धति–II (मात्रात्मक स्ट्रीम)) का संचालन और मूल्यांकन किया।

सह संकाय के रूप में स्नातकोत्तर (शिक्षा और विकास) 2024/25 के प्रथम सेमेस्टर के लिए अनिवार्य गैर–क्रेडिट कोर्स–बेसिक सांख्यिकी का संचालन किया।

सह संकाय के रूप में स्नातकोत्तर (शिक्षा और विकास) 2024/25 के दूसरे सेमेस्टर के लिए पाठ्यक्रम संख्या एस2सीसी506: सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान की नींव का संचालन और मूल्यांकन किया।

सह संकाय के रूप में स्नातकोत्तर (शिक्षा और विकास) 2024/25 के तीसरे सेमेस्टर के लिए पाठ्यक्रम संख्या एस3सीसी509: सामाजिक विज्ञान के लिए अनुसंधान पद्धति का संचालन और मूल्यांकन किया।

सह संकाय के रूप में एमए (शिक्षा और विकास) 2024/25 के चौथे सेमेस्टर के लिए सामाजिक विज्ञान में उन्नत सांख्यिकीय तकनीकः पाठ्यक्रम संख्या एस4ईसी527 का संचालन और मूल्यांकन किया।

राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र– नीपा में दो पीजीडीएसएलएम पाठ्यक्रमों की सामग्री विकास के लिए पाठ्यक्रम समन्वयक।

वर्ष 2022/23 में प्रस्तावित निम्नलिखित प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करने की प्रक्रिया में (शैक्षिक योजना विभाग के संकाय के साथ) शामिल, वित्तीय वर्ष 2025/26 में मॉड्यूल को पूरा करने और प्रसारित करने का लक्ष्यः

- विद्यालय आयु वर्ग की जनसंख्या के प्रक्षेपण पर प्रशिक्षण मॉड्यूल;
- नामांकन प्रक्षेपण पर प्रशिक्षण मॉड्यूल, जिसमें विद्यालयी शिक्षा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 नामांकन लक्ष्य प्राप्त करने के लिए विश्वसनीय अनुमान लगाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा;

- क्षेत्र विश्लेषण के लिए केपीआई के उपयोग पर प्रशिक्षण मॉड्यूल, जिसमें उनके आकलन के तरीके, व्याख्या और विद्यालयी शिक्षा की योजना और निगरानी में उपयोग शामिल हैं;
- जिला विद्यालय शिक्षा विकास योजना में संचयी लक्ष्य निर्धारित करने में परिणाम फ्रेमवर्क (आरएफ) का उपयोग करने पर प्रशिक्षण मॉड्यूल; और
- राज्य/जिला विद्यालय शिक्षा विकास योजनाओं में हस्तक्षेप डिजाइन करने में लॉजिकल फ्रेमवर्क मैट्रिक्स (एलएफएम) का उपयोग करने पर प्रशिक्षण मॉड्यूल।

एम.फिल/पीएच.डी., डेपा और आईडेपा शोध प्रबंधों का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन

सोनम रिनचेन द्वारा लिखित आईडेपा शोध प्रबंध कार्य, जिसका शीर्षक था, "भूटान के ट्रोंगसा जिले में विद्यालय प्रधानाचार्यों में अनुदेशात्मक नेतृत्व प्रथाओं का एक अध्ययन" का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन किया।

सिम्मी चौधरी द्वारा "प्रारंभिक शिक्षा क्षेत्र में कानून: दिल्ली और राजस्थान राज्यों का तुलनात्मक अध्ययन" शीर्षक से पीएच.डी. थीसिस कार्य का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन किया गया (22 नवंबर, 2024 को वाइवा आयोजित)।

रश्मि मिश्रा द्वारा "विज्ञान शिक्षा में नीति कार्यान्वयन: उत्तर प्रदेश में ग्रामीण माध्यमिक विद्यालयों की स्थिति का अध्ययन" शीर्षक से पीएच.डी. थीसिस कार्य का पर्यवेक्षण किया गया।

अंकिता सिंह द्वारा "सार्वजनिक निजी विश्वविद्यालय में छात्रवृत्ति योजनाओं की गतिशीलता को समझना: दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र में संस्थान का एक अध्ययन" शीर्षक से पीएच.डी. थीसिस कार्य का पर्यवेक्षण किया गया।

आरती तोमर द्वारा "प्रधानाचार्यों के रूप में शैक्षणिक नेतृत्वकर्ता: उत्तर प्रदेश के सरकारी माध्यमिक विद्यालयों का एक अध्ययन" शीर्षक से पीएच.डी. थीसिस कार्य का पर्यवेक्षण किया गया।

एच. यिंगमेई कोन्याक द्वारा "सामाजिक–सांस्कृतिक असमानताएं और शैक्षिक आकांक्षाएं: नागालैंड के चयनित जिलों में माध्यमिक विद्यालय के छात्रों का एक अध्ययन" शीर्षक से पीएच.डी. थीसिस कार्य की देखरेख की गई।

ऋषिका सिंह द्वारा "सह–शिक्षा और महिला महाविद्यालयों में महिला छात्राओं के अनुभवों का एक अध्ययन" शीर्षक से पीएच.डी. थीसिस कार्य का पर्यवेक्षण किया।

मोनी मोंजुरी फुकन द्वारा "माध्यमिक स्तर पर बहुभाषिकता: असम में चयनित विद्यालयों का एक केस अध्ययन" शीर्षक से पीएच.डी. थीसिस कार्य का पर्यवेक्षण किया।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

13–14 जून, 2024 के दौरान जेडआईईटी, मुंबई, महाराष्ट्र (आमने–सामने मोड) (बैच I और II) में विद्यालय नेतृत्व विकास पर केंद्रीय विद्यालय के नव पदोन्नत/नियुक्त विद्यालय प्रधानाचार्यों के प्रेरण कार्यक्रम में सत्र आयोजित किए गए।

मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा 2–31 जुलाई, 2024 तक आयोजित संकाय प्रेरण कार्यक्रम (ऑनलाइन) के लिए 22 जुलाई को "नेतृत्व शैली" पर सत्र आयोजित किया गया।

मालवीय मिशन–शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी), नीपा द्वारा 05 अगस्त से 03 सितंबर 2024 तक भारतीय विश्वविद्यालयों/कॉलेजों में शिक्षकों के लिए संकाय प्रेरण कार्यक्रम (एफआईपी) (ऑनलाइन) के लिए 12 और 13 अगस्त को "शिक्षा में मात्रात्मक अनुसंधान" पर सत्र आयोजित किया गया।

मालवीय मिशन–शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी), नीपा द्वारा भारतीय विश्वविद्यालयों/कॉलेजों के शिक्षकों के लिए 2–11 सितंबर 2024 तक आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति उन्मुखीकरण और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन) के लिए 6 सितंबर को 'शोध में मात्रात्मक शोध पद्धतियां' पर सत्र आयोजित किया गया।

यूजीसी–मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा 17–30 सितंबर 2024 तक शिक्षक शिक्षा में गुणवत्ता संबंधी चिंताओं पर अंतःविषय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) के लिए 25 सितंबर को "भावनात्मक कल्याण और मानसिक स्वास्थ्य" पर सत्र आयोजित किया गया।

मालवीय मिशन–शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी), नीपा द्वारा भारतीय विश्वविद्यालयों/कॉलेजों के शिक्षकों के लिए 30 सितंबर से 10 अक्टूबर 2024 तक आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति उन्मुखीकरण एवं संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन) के लिए 4 अक्टूबर को "शोध में मात्रात्मक शोध पद्धतियां" पर सत्र आयोजित किया गया।

यूजीसी–मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात द्वारा 6–14 दिसंबर 2024 तक आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण

कार्यक्रम (ऑनलाइन) के लिए 9 दिसंबर को ''नेतृत्व शैलियाँ'' पर सत्र आयोजित किया गया।

मालवीय मिशन–शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी), नीपा द्वारा भारतीय विश्वविद्यालयों/कॉलेजों के शिक्षकों के लिए 16–26 दिसंबर 2024 तक आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति उन्मुखीकरण एवं संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन) के लिए 26 दिसंबर को "उच्च शिक्षा में मात्रात्मक अनुसंधान पद्धतियां" पर सत्र आयोजित किया गया।

आधिकारिक एवं अन्य समितियों की सदस्यता

उच्च शिक्षा संस्थानों में सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य, लचीलापन और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए क्षमता निर्माण हेतु दल सदस्य (जनवरी 2024)

शिक्षा मंत्रालय द्वारा भविष्य के नेतृत्व कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए दल सदस्य (जनवरी, 2024)

शिक्षा मंत्रालय द्वारा विशिष्ट शिक्षण विकलांगता के लिए क्षमता विकास कार्यक्रम के लिए दल सदस्य (जनवरी, 2024)

संकाय प्रभारी, राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र–नीपा (जनवरी, 2024)

संकाय समन्वयक, वार्षिक रिपोर्ट 2023–24

सदस्य, नियुक्ति प्रकोष्ठ, नीपा [1 फरवरी, 2022]

सदस्य, अध्ययन बोर्ड, नीपा [28 दिसंबर, 2021]

सदस्य, अकादमिक परिषद, नीपा [28 दिसंबर, 2021]

सदस्य, विभाग सलाहकार समिति, शैक्षिक योजना विभाग [नवंबर, 2021]

नीपा के बाहर प्रतिष्ठित निकायों की सदस्यता

सदस्य, अध्ययन बोर्ड, डॉ. होमी भाभा स्टेट यूनिवर्सिटी, मुंबई [5 दिसंबर, 2020 से]

आजीवन सदस्य, भारतीय अध्यापक शिक्षक संघ (आईएटीई)

आजीवन सदस्य, अखिल भारतीय शैक्षिक अनुसंधान संघ (एआईएईआर)

आजीवन सदस्य, महाराष्ट्र शैक्षिक प्रशासन एवं प्रबंधन परिषद

आजीवन सदस्य, भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी (आईएसएसए)

आजीवन सदस्य, भारत अनुसंधान प्रतिष्ठान

एन. के. मोहंती

प्रकाशन कार्य

पुस्तकें/नियमावली

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के जीईआर लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उच्च शिक्षा विस्तार के निर्धारक और भागीदारी को व्यापक बनाने की रणनीति' पर शोध अध्ययन (प्रो. के. बिस्वाल और डॉ. सुमन नेगी के साथ) पूरा किया।

यूजीसी की ओर से ''विश्वविद्यालय और कॉलेजों में विकलांग व्यक्तियों के लिए योजना'' पर एक शोध अध्ययन (प्रो. प्रणति पंडा और श्री ए. एन. रेड्डी के साथ) पूरा किया।

यूजीसी की ओर से ''राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क'' पर एक शोध अध्ययन (प्रो. विनीता सिरोही के साथ) पूरा किया।

शोध पत्र/लेख/नोट्स

"भारत में माध्यमिक स्तर पर विद्यालयी शिक्षा के प्रावधान और विद्यालय का प्रदर्शन: एक सहसंबंध विश्लेषण" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित, जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (जेपा), खंड XXXVII, वर्ष 3, जुलाई 2023, नीपा, नई दिल्ली।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार, वेबिनार और सम्मेलनों में भागीदारी

26–28 अगस्त, 2024 तक चर्चिल कॉलेज, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, यूके में आयोजित विश्व शिक्षा कांग्रेस (डब्ल्यूसीई–2024) में "भारत में माध्यमिक विद्यालयों के विद्यालयी शिक्षा प्रावधानों और शैक्षणिक प्रदर्शन के बीच संबंधों का एक अध्ययन" शीर्षक से भाग लिया और एक आलेख प्रस्तुत किया।

18–19 मार्च, 2025 तक उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग, नीपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा में 21वीं सदी के नेतृत्व पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और एक प्रतिवेदक के रूप में कार्य किया।

नीपा के एम.फिल और पीएच.डी. कार्यक्रमों के सहकर्मी और संकाय समीक्षा सेमिनारों में भाग लिया।

11 अगस्त 2024 को भारतीय पर्यावास केंद्र में आयोजित नीपा स्थापना दिवस व्याख्यान में भाग लिया।

25–26 नवंबर 2024 के दौरान नीपा में नीपा और ऑस्ट्रेलियाई अभिनव अनुसंधान विश्वविद्यालय नेटवर्क सहयोग कार्यशाला में भाग लिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम / कार्यशालाएं / आयोजित

24–28 जून 2024 तक रायपुर, छत्तीसगढ़ में आयोजित ''विद्यालय शिक्षा में परिणाम–आधारित जिला योजना पर चुनिंदा मॉड्यूल साझा करने पर उत्तरी क्षेत्रीय कार्यशाला'' का संचालन किया और संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

29 जुलाई से 2 अगस्त 2024 तक केरल के तिरुवनंतपुरम में आयोजित "स्कूल शिक्षा में चुनिंदा माड्यूल परिणाम आधारित जिला योजना साझा करने पर दक्षिण क्षेत्रीय कार्यशाला" का संचालन और संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य।

09–13 सितंबर, 2024 तक गुवाहाटी, असम में आयोजित "बड़े पैमाने पर सर्वेक्षण डेटा के विश्लेषण के लिए अर्थमितीय और सांख्यिकीय उपकरण और तकनीकों पर ध्यान देने के साथ अनुसंधान पद्धति पर क्षेत्रीय कार्यशाला" का संचालन और संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

04 से 08 नवंबर, 2024 तक अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में आयोजित "विद्यालय शिक्षा में परिणाम आधारित जिला योजना पर चुनिंदा मॉड्यूल साझा करने पर पूर्वोत्तर क्षेत्रीय कार्यशाला" का संचालन और संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और सोवा–रिग्पा महाविद्यालयों के प्राचार्यों के लिए शैक्षिक योजना और प्रशासन में क्षमता विकास कार्यक्रम का संचालन किया और उसमें संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया। यह आयोजन राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग (एनसीआईएसएम), नई दिल्ली के सहयोग से 10–14 जून, 2024 तक किया गया।

एमएमटीटीसी– नीपा नई दिल्ली द्वारा 17–26 मार्च, 2025 तक आयोजित एमएमटीटीपी राष्ट्रीय शिक्षा नीति– अभिमुखीकरण और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन) का समन्वय किया।

23.07.2024 को एमएमटीटीसी– जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एमएमटीटीपी राष्ट्रीय शिक्षा नीति– अभिमुखीकरण और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन) में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

नीपा एसएलडी समिति के सदस्य के रूप में, मैंने केंद्रीय विश्वविद्यालयों में एमएमटीटीसी के अंर्तगत एसएलडी से संबंधित कार्यक्रमों के सुचारू कार्यान्वयन के लिए विभिन्न कार्यशालाओं और बैठकों के आयोजन और मिनट / रिपोर्ट तैयार करने में समिति की सहायता की।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित और संचालित

प्रशिक्षण सामग्री / मॉड्यूल विकसित

निम्नलिखित मॉड्यूल का पहला मसौदा रायपुर, छत्तीसगढ़ में 24–28 जून 2024 तक, तिरुवनंतपुरम, केरल में 29 जुलाई से 2 अगस्त 2024 तक और ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश में 18–22 सितंबर 2023 तक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के दौरान पूरा किया गया और साझा किया गया और 04–08 नवंबर 2024 तक नीपा, नई दिल्ली में जिला विद्यालय शिक्षा योजना पर चुनिंदा मॉड्यूल को साझा करने और अंतिम रूप देने पर राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला आयोजित की गई।

वर्तमान में, वित्त वर्ष 2025 / 26 के लिए प्रस्तावित अंतिम कार्यशालाओं में आगे साझा करने और अंतिम रूप देने के लिए मॉड्यूल को संशोधित किया जा रहा है।

मॉड्यूलः 1 और 2: जनसंख्या और नामांकन अनुमानों पर प्रशिक्षण मॉड्यूल, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 नामांकन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए वर्ष 2030 तक जिला स्तर पर प्रासंगिक विद्यालय आयु वर्ग की आबादी के विश्वसनीय अनुमान पर पहुंचने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

मॉड्यूलः 3: क्षेत्र विश्लेषण के लिए केपीआई के उपयोग पर प्रशिक्षण मॉड्यूल, जिसमें उनके आकलन के तरीके, व्याख्या और विद्यालयी शिक्षा की योजना और निगरानी में उपयोग शामिल हैं।

मॉड्यूलः 4: जिला विद्यालय शिक्षा विकास योजना में संचयी लक्ष्य निर्धारित करने में परिणाम फ्रेमवर्क (आरएफ) का उपयोग करने पर प्रशिक्षण मॉड्यूल।

मॉड्यूलः 5: राज्य / जिला विद्यालय शिक्षा विकास योजनाओं में हस्तक्षेप डिजाइन करने में लॉजिकल फ्रेमवर्क मैट्रिक्स (एलएफएम) का उपयोग करने पर प्रशिक्षण मॉड्यूल।

विकसित एवं संचालित पाठ्यक्रम

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर कोर्सः एस0एनसी541 – बुनियादी सांख्यिकी

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर कोर्सः एस2ईसी523 –– विकास के संकेतक

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर कोर्सः एस3सीसी507 –– शिक्षा में नीति विश्लेषण और योजना

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर कोर्सः एस4पीसी538: अनुदान प्रस्ताव तैयार करना

पीएच.डी. अनिवार्य कोर्स–सीसी4: शैक्षिक योजना पर

आईडेपा कोर्स संख्या 204: शैक्षिक योजनाः अवधारणाएँ, प्रकार और दृष्टिकोण

आईडेपा कोर्स संख्या 205: शैक्षिक योजना की पद्धति और तकनीक

पीजीडेपा कोर्स संख्या 903: शैक्षिक योजनाः अवधारणा, प्रकार और दृष्टिकोण

शिक्षा मंत्रालय, यूजीसी, राज्य सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और राष्ट्रीय संस्थानों को दी गई महत्वपूर्ण परामर्श और सलाहकार सेवाएंः

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समग्र शिक्षा के कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाने के लिए समग्र शिक्षा के अंतर्गत राज्य और जिला माध्यमिक शिक्षा योजनाओं (परिप्रेक्ष्य और एडब्ल्यूपी एंड बी) की तैयारी के लिए विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को तकनीकी सहायता प्रदान की गई।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

शैक्षिक योजना विभाग की वार्षिक कार्य योजना और बजट, 2024/2025 तैयार किया और 23 फरवरी 2024 को विभागीय सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की।

अंशुल बिष्ट द्वारा "बोर्ड परीक्षा में अटल उत्कृष्ट विद्यालयों में कक्षा 10 वीं के छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन का अध्ययन और जिला नैनीताल में छात्रों के प्रदर्शन पर शिक्षकों के शैक्षणिक कार्य न करने का प्रभाव" शीर्षक से पीजीडेपा शोध प्रबंध कार्य का पर्यवेक्षण किया गया।

बांग्लादेश के मोहम्मद मुस्तफा कमाल द्वारा लिखित "अंतर को पाटनाः बांग्लादेश में उच्चतर माध्यमिक शिक्षा में प्रशासनिक जिम्मेदारियों के लिए शिक्षकों को तैयार करना" शीर्षक से आईडेपा शोध प्रबंध कार्य की देखरेख की गई।

बुरुंडी के श्री बर्नार्ड दुसाबे द्वारा "ग्रामीण बुरुंडी में शैक्षिक प्रथाओं को मजबूत करनाः टिकाऊ विद्यालय बुनियादी ढांचे की भूमिका" शीर्षक से आईडेपा शोध प्रबंध कार्य का पर्यवेक्षण किया।

एम.फिल/पीएच.डी. प्रवेश समिति के सदस्य के रूप में, एम.फिल/पीएच.डी. कार्यक्रम 2024–26 में प्रवेश के लिए आवेदनों के प्रसंस्करण और अन्य संबंधित गतिविधियों में सहायता की।

एम.फिल/पीएच.डी. कार्यक्रम 2024–25 में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा के संचालन में सहायता की।

समिति के सदस्य के रूप में, मैंने शैक्षिक प्रशासन में नवाचार और अच्छे व्यवहार के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए प्राप्त आवेदनों के प्रथम स्तर के मूल्यांकन में सहायता की।

नीपा मेस समिति के सदस्य के रूप में, मैंने कैंटीन भोजन, छात्रावास मेस भोजन की गुणवत्ता की निगरानी में सहायता की तथा माहौल और सुविधा में सुधार का सुझाव दिया।

अपशिष्ट प्रबंधन समिति के सदस्य के रूप में, मैंने अपशिष्ट प्रबंधन के मामलों पर निरंतर निगरानी, समीक्षा और सिफारिशें करने तथा उचित प्राधिकारी को समिति की तिमाही रिपोर्ट प्रस्तुत करने में समिति की सहायता की।

जल संरक्षण नीति समिति के सदस्य के रूप में, मैंने जल संरक्षण के मामलों पर निरंतर निगरानी, समीक्षा और सिफारिशें करने तथा उचित प्राधिकारी को समिति की तिमाही रिपोर्ट प्रस्तुत करने में समिति की सहायता की।

सदस्य, जाँच समिति परियोजना सलाहकार (शैक्षणिक)।

सदस्य जाँच समिति परियोजना कनिष्ठ सलाहकार (शैक्षणिक), परियोजना कनिष्ठ सलाहकार (वित्त और प्रशासन)।

नीपा में अवर श्रेणी लिपिक और सहायक के लिए सदस्य जाँच समिति

सुमन नेगी

प्रकाशित कार्य

पुस्तकें/नियमावली

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के जीईआर लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उच्च शिक्षा विस्तार के निर्धारक और भागीदारी को व्यापक बनाने की रणनीति' पर शोध अध्ययन पूरा किया, जिसमें प्रोफेसर के. बिस्वाल, डॉ एन.के. मोहंती और डॉ सुमन नेगी शामिल थे।

प्रोफेसर के. बिस्वाल और डॉ. सुमन नेगी के साथ 'यूजीसी–केयर योजना का मूल्यांकन' पर शोध अध्ययन पूरा किया।

'उच्च शिक्षा बाह्य प्रवास के कारणों और परिणामों पर एक स्थानिक परिप्रेक्ष्यः आंतरिक प्रवास पर एक अध्ययन' पर शोध अध्ययन पूरा किया।

शोध पत्र/लेख/नोट्स

भविष्य की कक्षाएँः घटती बाल जनसंख्या के अनुकूल ढलना। जनसांख्यिकी भारत। प्रकाशन के लिए चयनित।

भारत में प्राथमिक शिक्षाः हम कहां खड़े हैं और भविष्य में

क्या होगा? जोशी, डी और दत्ता, आई (2025) (संपादक) समकालीन भारत में विद्यालयी शिक्षा, शिप्रा प्रकाशन

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों, वेबिनारों और सम्मेलनों में भागीदारी

8 और 9 अगस्त 2024 को डॉ. बी. आर. अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना में आयोजित होने वाले "आदिवासी आजीविका पैटर्न, मुद्दे और सशक्तिकरण के लिए रणनीति" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "आदिवासी शिक्षा में अंतर को पाटनाः चुनौतियां और अवसर" शीर्षक से एक आलेख प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020ः विकसित भारत के रोडमैप @ 2047 तक आगे बढ़ाना, चुनौतियां और अवसर पर आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और आगे की राहः कार्यान्वयन चुनौतियां'' शीर्षक से एक आलेख प्रस्तुत किया। इसका आयोजन 20—22 नवंबर, 2025 तक शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा द्वारा किया गया।

भारतीय जनसंख्या अध्ययन संघ (आईएएसपी) के 45वें वार्षिक सम्मेलन में ''भविष्य की कक्षाएंः घटती बाल जनसंख्या के अनुकूल होना'' शीर्षक से एक आलेख प्रस्तुत किया, जो 12 से 14 दिसंबर 2024 तक जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), नई दिल्ली के क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र (सीएसआरडी) में आयोजित किया गया।

17—19 मार्च, 2025 तक उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग, नीपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा में 21वीं सदी के नेतृत्व पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम / कार्यशालाएं / आयोजित

29 जुलाई से 2 अगस्त, 2024 तक केरल के तिरुवनंतपुरम में विद्यालयी शिक्षा में परिणाम आधारित जिला योजना के चुनिंदा मॉड्यूल साझा करने पर दक्षिणी क्षेत्रीय कार्यशाला का समन्वय किया।

डॉ. एन.के. मोहंती के साथ समन्वय करके, 04 से 08 नवंबर, 2024 तक अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में विद्यालयी शिक्षा में परिणाम आधारित जिला योजना पर चुनिंदा मॉड्यूल साझा करने पर पूर्वोत्तर क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

शिक्षा अनुसंधान में सॉफ्टवेयर अनुप्रयोगों के उपयोग पर कार्यशाला, 20—31 मई, 2024 तक।

आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और सोवा—रिग्पा कॉलेजों के प्राचार्यों के लिए शैक्षिक योजना और प्रशासन में क्षमता विकास कार्यक्रम का समन्वय किया गया। यह आयोजन राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग (एनसीआईएसएम), नई दिल्ली के सहयोग से 27—31 मई, 2025 तक किया गया।

एमएमटीटीसी— नीपा नई दिल्ली द्वारा 1—10 अप्रैल, 2024 तक आयोजित एमएमटीटीपी राष्ट्रीय शिक्षा नीति—अभिमुखीकरण और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन) का समन्वय किया।

एमएमटीटीसी— नीपा नई दिल्ली द्वारा आयोजित 03—12 फरवरी, 2024 तक एमएमटीटीपी राष्ट्रीय शिक्षा नीति—अभिमुखीकरण और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन) का समन्वय किया।

20—31 मई, 2024 को नीपा, नई दिल्ली में शैक्षिक अनुसंधान में सॉफ्टवेयर अनुप्रयोग के उपयोग पर कार्यशाला का समन्वय किया।

प्रशिक्षण सामग्री एवं पाठ्यक्रम विकसित / प्रवर्तित *पाठ्यक्रमों का समन्वय और क्रियान्वयन*

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर कोर्सः एस0एनसी541 बुनियादी सांख्यिकी

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर कोर्सः एस1ईसी5 मानव विकास

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर कोर्सः एस2ईसी523 —— विकास के संकेतक

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर कोर्सः एस3सीसी507 —— शिक्षा में नीति विश्लेषण और योजना

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर कोर्सः एस3एसईसी535ः सामाजिक संदर्भ में विकास का आकलन

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर कोर्सः एस3एसईसी536ः आकलन के आधार पर रिपोर्ट तैयार करना और प्रस्तुत करना

पीएच.डी. अनिवार्य पाठ्यक्रम— सीसी2ः अनुसंधान पद्धति

पीएच.डी. अनिवार्य पाठ्यक्रम—सीसी4ः शैक्षिक नियोजन पर

आईडेपा पाठ्यक्रम संख्या 204ः शैक्षिक नियोजनः अवधारणाएं, प्रकार और दृष्टिकोण

आईडेपा पाठ्यक्रम संख्या 205ः शैक्षिक नियोजन की पद्धति और तकनीक

आईडेपा पाठ्यक्रम संख्या 206ः शैक्षिक नियोजन में मात्रात्मक तकनीकों का उपयोग

आईडेपा पाठ्यक्रम संख्या 211ः अनुसंधान पद्धति और सांख्यिकी

(प्रो. के. बिस्वाल और डॉ. एन. के. मोहंती के साथ) मॉड्यूल का मसौदा पूरा कियाः

- विद्यालय शिक्षा क्षेत्र निदान पर प्रशिक्षण मॉड्यूलः पहुंच और भागीदारी
- विद्यालय शिक्षा क्षेत्र निदान पर प्रशिक्षण मॉड्यूलः आंतरिक दक्षता
- जनसंख्या अनुमान पर प्रशिक्षण मॉड्यूल

शिक्षा मंत्रालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, राज्य सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और राष्ट्रीय संस्थानों को प्रदान की गई महत्वपूर्ण परामर्श और सलाहकार सेवाएं

एससीईआरटी, गुरुग्राम हरियाणा की शोध सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में मैंने उन्हें सहयोग देने के लिए कई बैठकों में भाग लिया है।

सत्यम कॉलेज ऑफ एजुकेशन के कॉलेज विकास समिति के सदस्य के रूप में मैंने उन्हें विभिन्न गतिविधियों में सहयोग दिया है।

एम.फिल/पीएच.डी., डेपा और आईडेपा शोध प्रबंधों का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन

पर्यवेक्षक पीएच.डी. स्कॉलर रुचि पायल – उनकी थीसिस का शीर्षक है 'प्राथमिक विद्यालयों तक पहुंच में सुधारः राजस्थान में शैक्षिक सुधार कार्यक्रमों की एक महत्वपूर्ण समीक्षा।' उन्होंने अक्टूबर 2024 में अपना प्री–सबमिशन सेमिनार दिया।

पर्यवेक्षक पीएच.डी. स्कॉलर गंगा एस.– उनकी थीसिस का शीर्षक है 'स्कूलिंग के लिए मांग प्राथमिकताएंः दिल्ली और केरल में प्रवासी बच्चों का एक अध्ययन'। वर्तमान में वह अपनी पीएच.डी. के तीसरे वर्ष में हैं।

पर्यवेक्षक पीएच.डी. विद्वान राजीव कुमार,– उनकी थीसिस का शीर्षक है– बिहार में तकनिकी शिक्षा का स्थानिक अध्ययन।

पीएच.डी. स्कॉलर शादाब अनीस की देखरेख और मूल्यांकन किया गया – उनकी थीसिस का शीर्षक है 'शहरी हाशिए पर पड़े लोगों का सामाजिक बहिष्कारः झुग्गी–झोपड़ियों में रहने वाले बच्चों की शिक्षा पर स्थानिक असमानताओं का प्रभाव'। सितंबर 2024 में वाइवा आयोजित किया गया और अक्टूबर 2024 में डिग्री प्रदान की गई।

एम.फिल स्कॉलर आकांक्षा सरोज का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन किया– उनके शोध प्रबंध का शीर्षक है 'विद्यालय प्रशासन में प्रशासनिक विकेंद्रीकरणः समग्र शिक्षा अभियान का एक मूल्यांकनात्मक अध्ययन'। उन्होंने अक्टूबर 2024 में अपना एम.फिल पूरा किया।

पीएच.डी. विद्वान कार्तिकी परशुराम लोखंडे के लिए पर्यवेक्षक – उनकी थीसिस का शीर्षक 'हाशिये पर शिक्षाः महाराष्ट्र, भारत में मौसमी प्रवासी गन्ना श्रमिकों के बच्चों के लिए विद्यालयी शिक्षा की वास्तविकताओं को समझना।'

डॉ. किंडी अबेज के आईडेपा शोध प्रबंध का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन किया – अंतराल को पाटनाः संशोधित शिक्षा नीति के कार्यान्वयन में संचार चुनौतियां, इथियोपिया का केस अध्ययन, अगस्त 2024 में पूर्ण।

डोका सौमिला अबूबकर के आईडेपा शोध प्रबंध का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन किया – उनके शोध प्रबंध का शीर्षक था नियामे क्षेत्रीय शैक्षिक निदेशालय में प्रशासनिक और प्रबंधन चुनौतियां, जो अगस्त 2024 में पूर्ण हुआ।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

शैक्षिक योजना विभाग की वार्षिक कार्य योजना और बजट, 2025/26 तैयार किया और 14 फरवरी 2025 को विभागीय सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की।

17 जुलाई, 2024 को 'शोध क्रिया की अवधारणा' पर गुरुग्राम में एससीईआरटी हरियाणा द्वारा आयोजित 'शोध क्रिया पर प्रशिक्षण' कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में एक सत्र लिया।

18 जुलाई, 2024 को 'शोध क्रिया के उपकरण और तकनीक' पर गुरुग्राम में एससीईआरटी हरियाणा द्वारा आयोजित शोध क्रिया पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में एक सत्र लिया।

12 अगस्त, 2024 को शोध क्रिया के लिए शीर्षक, उद्देश्य और परिकल्पना लेखन पर गुरुग्राम में एससीईआरटी हरियाणा द्वारा आयोजित शोध क्रिया पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में एक सत्र लिया।

25 सितंबर, 2024 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर गुरुग्राम में एससीईआरटी हरियाणा द्वारा मुख्य प्रशिक्षक पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में एक सत्र लिया।

एससीईआरटी हरियाणा द्वारा 16 से 18 अक्टूबर 2024 तक गुरुग्राम में शोध क्रिया पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। 18 अक्टूबर 2024 को 'शोध क्रिया कैसे करें' पर एक सत्र लिया।

एमएमटीटीपी, नीपा के अंतर्गत भारतीय विश्वविद्यालयों/कॉलेजों के शिक्षकों के लिए 26 फरवरी से 23 मार्च तक संकाय प्रेरण कार्यक्रम (एफआईपी) (ऑनलाइन) में संसाधन व्यक्ति। 11 मार्च 2024 को 'भारत में शैक्षिक योजना' पर एक सत्र लिया।

8 नवंबर, 2024 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली के संस्कृति, मीडिया और शासन केंद्र में नई शिक्षा नीति (राष्ट्रीय शिक्षा नीति) के अंतर्गत एमए कार्यक्रमों की शुरूआत के लिए कार्यशाला में भाग लिया।

30 सितंबर से 9 अक्टूबर, 2024 तक एमएमटीटीसी–इग्नू राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम

(ऑनलाइन) के लिए संसाधन व्यक्ति। 4 अक्टूबर, 2024 को 'उच्च शिक्षा में अनुसंधान प्रकाशन नैतिकता पर एक सत्र लिया'।

एमएमटीटीसी—इग्नू राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन) के लिए संसाधन व्यक्ति, 16—24 दिसंबर, 2024 तक, 18 दिसंबर, 2024 को 'उच्च शिक्षा में अनुसंधान प्रकाशन नैतिकता पर एक सत्र लिया'।

6—15 जनवरी, 2025 तक एमएमटीटीसी—इग्नू राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन) के लिए संसाधन व्यक्ति। 13 जनवरी, 2025 को 'उच्च शिक्षा में अनुसंधान प्रकाशन नैतिकता पर एक सत्र लिया'।

नीपा परीक्षा समिति के सदस्य के रूप में, एम.फिल स्कॉलर्स के लिए अंतिम—अवधि परीक्षाएं और मौखिक परीक्षा आयोजित की है।

इग्नू बाह्य मूल्यांकन दल के सदस्य के रूप में, मैंने दो सत्रों के लिए इग्नू उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया है।

सदस्य नीपा परीक्षा समिति।

समान अवसर प्रकोष्ठ के सदस्य।

सदस्य नीपा, मेस समिति।

अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के लिए संपर्क अधिकारी नीपा।

नोडल व्यक्तिः खेल।

सदस्य जांच समिति परियोजना सलाहकार (शैक्षणिक) परियोजना सलाहकार (आईटी)।

सदस्य जांच समिति परियोजना वरिष्ठ सलाहकार तकनीकी।

सदस्य जांच समिति परियोजना कनिष्ठ सलाहकार (शैक्षणिक) और परियोजना कनिष्ठ सलाहकार (वित्त और प्रशासन)।

नीपा के बाहर प्रतिष्ठित निकायों की सदस्यता

- सदस्य अनुसंधान समिति, आरईएपी सेल, एससीईआरटी हरियाणा।
- इग्नू बाह्य मूल्यांकन दल के सदस्य।
- सदस्य कॉलेज विकास समिति, सत्यम कॉलेज ऑफ एजुकेशन, सेक्टर 62, नोएडा, यू.पी.

शैक्षिक प्रशासन विभाग

विनीता सिरोही

प्रकाशित कार्य

प्रकाशित पुस्तकें

एनसीईआरटी में पाठ्यपुस्तक विकास दल के सदस्य के रूप में योगदान दिया, 'कौशल बोध' व्यावसायिक शिक्षा गतिविधियाँ ग्रेड—6, एनसीईआरटी प्रकाशन जुलाई 2024।

शोध अध्ययन पूर्ण

कौशल निर्माण और रोजगार योग्यता — भारत में युवाओं का एक अध्ययन।

राष्ट्रीय कौशल योग्यता रूपरेखा की योजना के मूल्यांकन पर यूजीसी अध्ययन — बी. वोक, सामुदायिक कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय कौशल केंद्र।

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

नीपा द्वारा आयोजित पीएच.डी. अभिविन्यास कार्यक्रम में 'अपनी भलाई को अपनानाः डॉक्टरेट छात्रों के साथ बातचीत' विस्तार व्याख्यान पर सत्र की अध्यक्षता की।

नीति आयोग के सहयोग से मानव विकास संस्थान द्वारा भविष्य के लिए शिक्षा और कौशल पर विशेषज्ञ परामर्श आयोजित किया जाएगा — 22 मई, 2024।

सीवीओ प्रशिक्षण के लिए मंत्रालय के कार्यक्रम के लिए नोडल व्यक्ति — 7 जून, 2024।

कौशल विकास पर संसाधन व्यक्ति — आईएसबी, हैदराबाद द्वारा भुवनेश्वर में विश्व कौशल केंद्र में आयोजित सीएम कौशल विकास फेलोशिप प्रेरण कार्यक्रम, 14 जुलाई, 2024 — 16 जुलाई, 2024।

मानसिक स्वास्थ्य और सकारात्मक मनोविज्ञान पर विस्तार व्याख्यान की अध्यक्षता की। पीएच.डी. प्रभाग अभिविन्यास कार्यक्रम, 19 जुलाई, 2024।

16 सितंबर, 2024 को नई दिल्ली में ऑस्ट्रेलिया—भारत संस्थान वार्षिक व्याख्यान में भाग लिया।

25–26 सितंबर, 2024 तक 'मनोदर्पण' की सामग्री की समीक्षा और 'आत्मनिर्भर भारत' के अंतर्गत शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की पहल पर संसाधन व्यक्ति।

8 नवंबर, 2024 को विज्ञान भवन में सतर्कता जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम में भाग लिया।

25–26 नवंबर, 2024 को नीपा–ऑस्ट्रेलिया सहयोगात्मक कार्यशाला में भाग लिया।

22 फरवरी, 2025 को उच्च शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

17 मार्च, 2025 को दिल्ली में पूर्वावलोकन रक्षा रिपोर्ट लॉन्च पर ऑस्ट्रेलिया–भारत संस्थान कार्यक्रम में भाग लिया।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन (डीईएस–आईईसी–2025) में एक सत्र की अध्यक्षता की।

नीपा, कोयंबटूर, बिहार, बर्दवान विश्वविद्यालय, इग्नू, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, रायपुर, सोनीपत द्वारा आयोजित विभिन्न एमएमटीटीपी कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति।

कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

शिक्षा में प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास विभाग के प्रमुख आईसी के रूप में 10 मई, 2024 को भूटान प्रतिनिधिमंडल का दौरा आयोजित किया।

28 अक्टूबर से 3 नवंबर, 2024 तक सीवीओ के रूप में, नीपा ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया।

14 नवंबर, 2024 को शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों और नवोन्मेव के लिए पुरस्कार योजना (एआईईए) के लिए सलाहकार परिषद की बैठक आयोजित।

XXXVII आईडेपा के कार्यक्रम निदेशक 1 फरवरी–30 अप्रैल, 2024।

पीजीडेपा चरण–IV की तैयारी।

1 से 10 अप्रैल, 2024 तक, नीपा–एमएमटीटीपी के एमएमटीटीपी कार्यक्रम बैच निदेशक, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन, (डॉ. सुमन नेगी द्वारा समन्वयित)

कार्यक्रम बैच निदेशक – एनसीएसआईएम (डॉ. सुमन नेगी द्वारा समन्वयित), 27 मई से 31 मई, 2024 तक।

1 से 11 अक्टूबर, 2024 तक, नीपा–एमएमटीटीपी के एमएमटीटीपी कार्यक्रम बैच निदेशक, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, (डॉ. मोना सेदवाल और डॉ. अजय सिंह द्वारा समन्वित)।

एआईईए, जनवरी, 2025 के आवेदनों की लघुसूची के लिए बैठक आयोजित की।

एआईईए, मार्च, 2025 के आवेदनों के मूल्यांकन के लिए बैठक आयोजित की।

प्रशिक्षण सामग्री एवं पाठ्यक्रम विकसित/प्रवर्तित

लेन–देन और मूल्यांकन एम.फिल–पीएच.डी. कोर कोर्स सीसी–1 – शिक्षा का मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य।

लेन–देन और मूल्यांकन एम.फिल–पीएच.डी. कोर कोर्स सीसी–7 – शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन।

लेनदेन और मूल्यांकन – शैक्षिक प्रबंधन पर पीजीडेपा पाठ्यक्रम – 904 भाग I और शैक्षिक प्रबंधन 904 भाग II।

लेनदेन और मूल्यांकन– उन्नत पाठ्यक्रम – 908 पीजीडेपा।

शिक्षा एवं विकास में एम.ए. कार्यक्रम के लिए मानव विकास पर पाठ्यक्रम विकसित किया।

सीसी–1 पाठ्यक्रम पीएच.डी. कार्यक्रम में संशोधित मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य।

एम.फिल. और पीएच.डी. विद्वानों को अनुसंधान मार्गदर्शन।

एम.ए. कार्यक्रम, शिक्षण एवं मूल्यांकन में 'मानव विकास' पाठ्यक्रम के समन्वयक।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

नीपा द्वारा आयोजित, विषय 3: क्षमता निर्माण, कार्य के भविष्य के संदर्भ में आजीवन शिक्षा को बढ़ावा देना पर जी–20 परामर्श बैठक में योगदान दिया।

मूल्यांकित पीएच.डी. थीसिस – जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, दिल्ली।

ऑस्ट्रेलिया इंडिया इंस्टीट्यूट, मेलबर्न विश्वविद्यालय के साथ परियोजना नियोजन पर बैठक।

शिक्षा शोधकर्ता मंच – ऑस्ट्रेलिया इंडिया इंस्टीट्यूट, मेलबर्न विश्वविद्यालय के साथ बैठकों की योजना बनाना।

एससीईआरटी/डीआईईटी के पुनर्गठन के बाद सृजित शैक्षणिक पदों के लिए भर्ती नियमों के पुनर्गठन और निर्माण पर एससीईआरटी, दिल्ली को अकादमिक सहायता।

सीबीएसई की प्रशिक्षण सलाहकार समिति की बैठक में सदस्य के रूप में योगदान दिया।

दिल्ली के दो जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डीआईईटी) की कार्यक्रम सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में योगदान दिया।

आईपी विश्वविद्यालय, दिल्ली के विश्वविद्यालय शिक्षा विद्यालय के अध्ययन बोर्ड के सदस्य के रूप में योगदान दिया।

एससीईआरटी, दिल्ली की कार्यकारी समिति की बैठक में योगदान दिया।

8 अक्टूबर, 2024 को एनसीईआरटी, दिल्ली में सीएजी कार्यशाला में व्यावसायिक शिक्षा पाठ्यक्रम दिशा–निर्देशों में योगदान दिया। एनसीईआरटी द्वारा प्रोफेसरों के लिए आवेदनों की ऑनलाइन स्क्रीनिंग।

चयन समिति के सदस्य के रूप में विभिन्न सार्वजनिक निकायों, यूपीएससी, डीटीयू, जामिया मिल्लिया इस्लामिया को शैक्षणिक सहायता प्रदान करना।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक/प्रशासनिक योगदान

डीटीपीडीई के प्रमुख (प्रभारी) के रूप में विभागीय गतिविधियों में योगदान देना।

नीपा में मुख्य सतर्कता अधिकारी की भूमिकाएँ।

एनसीएसआईएम और एमएमटीटीपी प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सत्र।

7 पीएच.डी. विद्वानों का मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण।

पीएच.डी. छात्रों के लिए जेआरएफ से एसआरएफ छात्रवृत्ति के उन्नयन की बैठक में भाग लिया।

नीपा के शैक्षिक योजना और प्रशासन जर्नल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में अकादमिक सहायता।

नीपा के अध्ययन बोर्ड की बैठक में भाग लिया।

नीपा की अकादमिक परिषद की बैठक में भाग लिया।

अनुसंधान समीक्षा समिति की बैठकों में भाग लिया और योगदान दिया।

जेपा संपादकीय बोर्ड की बैठकों में भाग लिया।

शैक्षिक प्रशासन विभाग की विभागीय सलाहकार समिति की बैठक में भाग लिया।

डीटीपीडीई की विभागीय सलाहकार समिति की बैठक के संयोजक।

नीपा में विभाग के विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों और विभाग से बाहर व्याख्यान दिए।

पीएच.डी. दिशा–निर्देशों की संशोधन बैठक।

30 जुलाई, 2024, ग्रेटर नोएडा के लॉयड कॉलेज में एम.एड. वाइवा के लिए परीक्षक।

2 सितंबर, 2024, उच्च शिक्षा में छात्र कल्याण पर संगोष्ठी पर सार प्रस्तुत करना।

शैक्षिक कौशल, प्रबंधन कौशल, टीवीईटी पर शिक्षा प्रशासकों (आईपीईए) पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम में भाग लिया।

आईडेपा सत्र, 6 मार्च, 2025।

नीपा के बाह्य प्रतिष्ठित निकायों की सदस्यता

एससीईआरटी, दिल्ली की शासी परिषद के सदस्य।

एससीईआरटी, दिल्ली की कार्यकारी समिति के सदस्य।

एससीईआरटी, दिल्ली में भर्ती नियम समिति के सदस्य।

भारतीय व्यावसायिक शिक्षा जर्नल पीएसएससीआईवीई, भोपाल की संपादकीय दल के सदस्य।

संस्थान सलाहकार बोर्ड पीएसएससीआईवीई, भोपाल के सदस्य।

प्रशिक्षण सलाहकार समिति, सीबीएसई के सदस्य।

कार्यक्रम सलाहकार समिति के सदस्य ने दिल्ली के दो डीआईईटी की बैठकों में भाग लिया।

आईपी विश्वविद्यालय, दिल्ली में शिक्षा विद्यालय के अध्ययन बोर्ड के सदस्य।

चयन समिति के सदस्य, जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, दिल्ली में सह प्रोफेसर के लिए सदस्य।

केंद्रिय विद्यालय संगठन के शिक्षकों के लिए चयन समिति के अध्यक्ष (5 दिन)।

ऑस्ट्रेलिया–भारत संस्थान शिक्षा परियोजनाओं के संचालन समूह के सदस्य।

मानद अकादमिक फेलो, ऑस्ट्रेलिया इंडिया इंस्टीट्यूट, मेलबर्न विश्वविद्यालय।

नैदानिक मनौविज्ञानिकों का संघ के आजीवन सदस्य।

इंडियन एसोसिएशन ऑफ एप्लाइड साइकोलॉजी के आजीवन सदस्य।

संघ लोक सेवा आयोग के सलाहकार/विषय विशेषज्ञ।

नीपा में समितियों की सदस्यता

सदस्य, संस्थागत शैक्षणिक अखंडता पैनल (आईएआईपी)

सदस्य, अध्ययन बोर्ड

सदस्य, शैक्षणिक परिषद

सदस्य, कार्यक्रम सलाहकार समिति

सदस्य, शिकायत निवारण समिति

सदस्य, अनुसंधान के प्रसार के लिए आंतरिक अनुसंधान समीक्षा समिति (अब अनुसंधान एवं विकास समिति)।

अध्यक्ष, समान अवसर प्रकोष्ठ

जेपा संपादकीय बोर्ड के सदस्य

पोस्ट–डॉक्टरल फेलोशिप समिति के सदस्य

नीपा में शिक्षा में प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास विभाग में डीएसी सदस्य।

पीएच.डी. पर्यवेक्षण

पीएच.डी. प्रस्तुत

रिद्धि जैन

सुजाता बहोत (प्रस्तुत, अंतिम रिपोर्ट प्रक्रियाधीन)

पारुल चौधरी (पीएच.डी. मौखिक परीक्षा आयोजित)

पीएच.डी. प्रक्रियाधीन

श्रेया तिवारी

गीता बहल

प्रांकुर आनंद

ऋचा मालविया (पूर्व–प्रस्तुति प्रक्रियाधीन)

रेखा मेनन शर्मा

कुमार सुरेश

प्रकाशन

सुरेश, कुमार और सुचारिता वी. (2024), शासन में सुधार के उपकरण के रूप में नवाचार, नीपा सामयिक आलेख श्रृंखला, संख्या 61

शोध अध्ययन पूर्ण हो चुके हैं और रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है:

शैक्षिक प्रशासन में जिला और ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों की स्थिति, भूमिका और जिम्मेदारियों का अध्ययन (प्रो. कुमार सुरेश और डॉ. वी. सुचरिता)।

शैक्षिक प्रशासन में नवाचार और अच्छे व्यवहार पर एक शोध अध्ययन (प्रो. कुमार सुरेश और डॉ. वी. सुचरिता)।

तीसरे अखिल भारतीय शैक्षिक प्रशासन सर्वेक्षण की राज्य रिपोर्ट:

- मेघालय में शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधनः प्रणाली, कार्य, चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं का अध्ययन।
- त्रिपुरा में शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधनः प्रणाली, कार्य, चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं का अध्ययन।
- राजस्थान में शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधनः प्रणाली, कार्य, चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं का अध्ययन।
- दिल्ली में शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधनः प्रणाली, कार्य, चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं का अध्ययन।

यूजीसी योजनाओं का मूल्यांकन (प्रोजेक्ट लीड) इसके अलावा, नीचे दिए गए विवरण के अनुसार यूजीसी की दो योजनाओं का मूल्यांकन किया गयाः

- विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों के समान अवसर प्रकोष्ठ की योजना की समीक्षा (प्रो. कुमार सुरेश एवं डॉ. वी. सुचरिता)।
- सामाजिक बहिष्कार एवं समावेशी नीति अध्ययन केंद्र की योजना की समीक्षा (प्रो. कुमार सुरेश एवं डॉ. वी. सुचरिता)।

संसाधन व्यक्ति के रूप में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों, सम्मेलनों, वेबिनारों और कार्यशालाओं में भागीदारी

17 और 18 मई, 2024 को भारतीय उन्नत अध्ययन संस्थान (आईआईएएस), शिमला में आयोजित 'भारतीय विद्या और विकासः भारत में शिक्षा और विकास का अनावरण' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर प्रस्तुति दी।

13 अगस्त 2024 को हैदराबाद में श्री विष्णु एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा संस्थागत विकास योजना पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया और संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया, जिसमें एसवीईएस के अंतर्गत चल रहे इंजीनियरिंग, डेंटल, फार्मेसी, पॉलिटेक्निक और डिग्री और पीजी के नौ उच्च शिक्षण संस्थानों के अकादमिक प्रशासकों ने भाग लिया।

10 सितंबर 2024 को हयात रीजेंसी में आईसीडब्ल्यूए द्वारा आयोजित 'भारत में छात्र गतिशीलता को सुविधाजनक बनाने और शैक्षिक सलाहकारों के उपयोग पर कार्यशाला' में एक विशेषज्ञ और पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया।

12 सितंबर, 2024 को भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए), नई दिल्ली में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के

अनुरूप "शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम में परिवर्तन और शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों (एनपीएसटी) पर राष्ट्रीय कार्यशाला" में भाग लिया।

27 और 28 सितंबर 2024 को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा, दिल्ली–एनसीआर में आयोजित आधुनिक भारत के निर्माण में डॉ. अंबेडकर का योगदानः प्रभाव और इसकी प्रासंगिकता पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और पैनलिस्ट वक्ता के रूप में कार्य किया।

20 नवंबर 2024 को मेलबर्न ग्लोवा सेंटर– नई दिल्ली में मेलबर्न विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सतत शैक्षिक विकास के लिए नेतृत्व पर ऑस्ट्रेलिया–भारत नेतृत्व गोलमेज सम्मेलन (एआईएलईएडी 2024) में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

09.12.2024 से 13.12.2024 तक नीपा शैक्षिक प्रशासन विभाग द्वारा आयोजित "भारत में विश्वविद्यालयों के लिंग संवेदीकरण प्रकोष्ठों और आंतरिक शिकायत समितियों पर राष्ट्रीय कार्यशाला" पर सत्र की अध्यक्षता करें।

16–17 दिसंबर 2024 को शैक्षिक नीति विभाग, नीपा द्वारा आयोजित "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ईआरए में भारतीय ज्ञान प्रणालियों (आईकेएस) और सामुदायिक सहभागिता को जोड़ने पर राष्ट्रीय संगोष्ठीः संभावनाएं, चुनौतियां और रास्ते" सत्र में अध्यक्ष के रूप में भाग लिया।

12 फरवरी 2025 को शैक्षिक अध्ययन विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन (डीईएस–आईईसी–2025) के उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया।

18–19 मार्च, 2025 तक उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग, नीपा द्वारा आयोजित 'उच्च शिक्षा में 21वीं सदी के नेतृत्व' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 18 मार्च 2025 को प्रथम तकनीकी सत्र में भाग लिया और अध्यक्षता की।

प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं/आयोजित

23 सितंबर से 30 सितंबर 2024 तक नीपा–एमएमटीटीपी, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम के कार्यक्रम बैच निदेशक। (कार्यक्रम समन्वयक– शादमा अबसार)।

17 से 26 मार्च, 2025 तक नीपा–एमएमटीटीपी, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम के कार्यक्रम बैच निदेशक (कार्यक्रम समन्वयकः डॉ. एन. के. मोहंती)।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित और संचालित

पाठ्यक्रम दल के सदस्य और शिक्षक के रूप में पीएच. डी. पाठ्यक्रम कार्य में शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन पर सीसी–7 पाठ्यक्रम का संचालन किया।

पाठ्यक्रम समन्वयक के साथ–साथ पाठ्यक्रम के शिक्षक के रूप में उन्होंने शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम तृतीय सेमेस्टर में विकास के प्रशासन पर पाठ्यक्रम संचालित किया।

पाठ्यक्रम शिक्षक के रूप में आईडेपा में शैक्षिक प्रशासन पर पाठ्यक्रम संचालन।

आईडेपा कार्यक्रम की परियोजना का पर्यवेक्षण।

आमंत्रित व्याख्यान

एमएमटीटीपी कार्यक्रमों और अन्य कार्यक्रमों में दिए गए व्याख्यानः

विभिन्न विषयों जैसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और उच्च शिक्षा में परिवर्तनकारी सुधार, शैक्षणिक, नेतृत्व, शासन और प्रबंधन, विविधता और समावेश, अनुसंधान और प्रकाशन, वैश्वीकरण और अंतर्राष्ट्रीयकरण, संस्थागत विकास योजना, स्थिरता आदि पर बड़ी संख्या में (70 से अधिक) आमंत्रित व्याख्यान दिए गए। ये व्याख्यान विभिन्न संस्थानों जैसे आईआईटी, धनबाद, नीपा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, जेएनयू, बर्दवान विश्वविद्यालय, संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय, मिजोरम विश्वविद्यालय, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, ईश्वर शरण पीजी कॉलेज, इलाहाबाद, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला, एमएमटीटीसी केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब, केंद्रीय विश्वविद्यालय केरल, केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान, एलएनआईपीई, ग्वालियर आदि के एमएमटीटीसी द्वारा आयोजित किए गए।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित कार्यक्रमों को समर्थन।

उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया, ताकि 'उच्च शिक्षा संस्थान में सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य, लचीलापन और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए एकीकृत दृष्टिकोण' के अंतर्गत अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण के उत्कृष्टता केंद्र का अनुकरणीय दौरा किया जा सके।

एमएमटीटीपी के तकनीकी सहायता समूह में सलाहकारों के पदों के लिए शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों के अंतिम चयन के लिए उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय द्वारा गठित चयन समिति के सदस्य। बैठक 10—12 जून 2024 को आयोजित की गई।

शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग में पीएम—यूएसएचए योजना के अंतर्गत अनुसंधान कर्मचारियों की भर्ती के लिए चयन समिति के सदस्य। बैठक 4 और 5 दिसंबर 2024 को आयोजित की गई।

एमएसयू बड़ौदा, शिक्षा संकाय, अध्ययन बोर्ड के सदस्य।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी (बिहार) के शिक्षा विद्यालय में अनुसंधान सलाहकार समिति के सदस्य।

अनुसंधान समूह—10— शैक्षिक नीति, योजना और प्रशासन, भारतीय तुलनात्मक सोसायटी (सीईएसआई) के संयोजक।

एनसीईआरटी के अंतर्गत डीटीबीयू के रूप में पेश किए जाने वाले पाठ्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए समीक्षा समिति के सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया। 2 और 3 अगस्त 2024 को एनसीईआरटी में आयोजित बैठक में भाग लिया और कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों पर आगत प्रदान किए।

प्रशासन और शासन के घटक पर नैक (एनएएसी) परिपक्वता—आधारित ग्रेडेड स्तरों (एमबीजीएल) की रूपरेखा तैयार करने के लिए नैक (एनएएसी), बेंगलुरु की एक विशेषज्ञ समिति के सदस्य। विशेषज्ञ समिति की ऑनलाइन बैठकों की एक श्रृंखला में भाग लिया और 16 और 17 फरवरी, 2025 को नैक (एनएएसी) द्वारा बेंगलुरु में आयोजित की गई बैठक में भाग लिया।

पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्ड के सदस्य

शिक्षा में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग केंद्र, हिरोशिमा विश्वविद्यालय, जापान और एमराल्ड प्रकाशन द्वारा प्रकाशित शिक्षा में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग जर्नल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।

जर्नल एजुकेशन इंडिया के संपादकीय बोर्ड के सदस्यः शिक्षा पर संवादों की एक त्रैमासिक संदर्भित पत्रिका।

सेंट जेवियर कॉलेज ऑफ एजुकेशन, पलायमकोट्टई में रिसर्च एंड रिफ्लेक्शंस ऑन एजुकेशन नामक पत्रिका के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।

परिपेक्ष पत्रिका (हिंदी में नीपा की पत्रिका) के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।

नीपा के सामयिक आलेख श्रृंखला के संपादक।

नीपा नीति संक्षिप्त के संपादक।

पीएच.डी. पर्यवेक्षण

पीएच.डी. से सम्मानित

2024—25 के दौरान मेरी देखरेख में दो अभ्यर्थियों (निधि खान और अनुराधा बोस) को पीएच.डी. की डिग्री प्रदान की गई है।

पीएच.डी. प्रस्तुत

दो विद्वानों (प्रतीक्षा त्रिपाठी और मृदुस्मिता सिंह) ने 2024—25 के दौरान मेरी देखरेख में अपना डॉक्टरेट अनुसंधान पूरा किया और प्रस्तुत किया।

मसौदा पूरा हो गया और प्रस्तुति—पूर्व सेमिनार आयोजित किया गया

दो अभ्यर्थियों (सुरभि और वंदना सिंह) का मसौदा पूरा करने के अनुसार पूर्व प्रस्तुति सेमिनार आयोजित किया गया है।

प्रारंभिक मसौदा पूर्ण और पूर्व—प्रस्तुति का आवेदन

सुमन साहा और जॉयदीप सिल

पीएच.डी. जारी

स्वेता डे (एक नए अभ्यर्थी)

अध्यक्ष और नीपा में समिति के सदस्य

लिखित परीक्षा स्क्रिप्ट के मूल्यांकन हेतु समिति के अध्यक्ष।

अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ के सदस्य एवं अध्यक्ष (सितंबर 2024—मार्च 2025)।

अनुदान सहायता समिति (जीआईएसी) के सदस्य।

शैक्षणिक परिषद के सदस्य।

अध्ययन बोर्ड के सदस्य।

वेबसाइट निगरानी समिति के सदस्य।

संस्थागत विकास योजना (आईडीपी) नीपा की आंतरिक समिति के अध्यक्ष।

"जीवन की सुगमता" के कार्यान्वयन के संबंध में एक अवधारणा पत्र तैयार करने हेतु समिति के अध्यक्ष।

नीपा के पीएच.डी. दिशानिर्देशों की समीक्षा और अंतिम रूप देने वाली समिति के सदस्य।

यूआईसी में सलाहकार/उप सलाहकार के पदों के लिए अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लेने वाली समिति के सदस्य।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के सदस्य।

नीपा–एमएमटीटीसी, शैक्षणिक सलाहकार समिति के सदस्य

नीपा के शैक्षिक प्रशासन विभाग में डीएसी सदस्य।

नीपा के उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग में डीएसी सदस्य।

नीपा के आईसीटी विभाग में डीएसी सदस्य।

नीपा के शैक्षिक नीति विभाग में डीएसी सदस्य।

नीपा के विद्यालय और अनौपचारिक शिक्षा विभाग में डीएसी सदस्य।

व्यावसायिक निकायों के सदस्य

भारतीय तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी के आजीवन सदस्य।

जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, पूर्व छात्र संघ के आजीवन सदस्य।

आजीवन सदस्य आईआईपीए, नई दिल्ली।

भारतीय समाजशास्त्र सोसायटी के आजीवन सदस्य।

अन्शू श्रीवास्तव

प्रकाशन

मंडल मृण्मयी और अन्शू श्रीवास्तव (2024) 'विद्यालय शिक्षकों के लिंग आधारित अनुभवः दिल्ली के सरकारी विद्यालयों का एक अध्ययन', जर्नल ऑफ इंडियन एजुकेशन अगस्त, खंड 50, अंक 2 में।

यादव प्रियंका और अन्शू श्रीवास्तव (2024) 'चैटजीपीटी और उच्च शिक्षा में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान', इंडियन जर्नल ऑफ एजुकेशनल टेक्नोलॉजी, एनसीईआरटी (जुलाई) खंड 6 अंक 2 में।

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

26 मार्च, 2025 को यूजीसी–एमएमटीटीपी, नीपा द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा में आईकेएस के एकीकरण पर संसाधन व्यक्तिः राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास में अनुशासनात्मक परिप्रेक्ष्य के लिए महाभारत एक मौलिक पाठ है।

22 मार्च, 2025 को अनुसंधान पद्धति और अकादमिक लेखन पर नीपा–एमएमटीटीपी पुनःश्चर्या पाठ्यक्रम में अंतःविषय अनुसंधान पर संसाधन व्यक्ति।

6 मार्च 2025 को यूजीसी–एमएमटीटीपी दीन दयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास में उच्च शिक्षा में आईकेएस के एकीकरण में नवाचार पर संसाधन व्यक्ति।

5 मार्च, 2025 को यूजीसी–एमएनटीटीपी, नीपा द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा में आईकेएस का एकीकरणः राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास में अनुशासनात्मक परिपेक्ष्य के लिए महाभारत एक मौलिक पाठ पर संसाधन व्यक्ति।

28 फरवरी, 2025 को यूजीसी–एमएमटीटीपी, नीपा द्वारा आयोजित एफआईपी में अनुशासनात्मक परिप्रेक्ष्य के लिए मौलिक पाठ के रूप में महाभारतः उच्च शिक्षा में आईकेएस के एकीकरण पर संसाधन व्यक्ति।

25 फरवरी, 2025 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास में अनुशासनात्मक परिप्रेक्ष्य के लिए मौलिक पाठ के रूप में महाभारतः उच्च शिक्षा में आईकेएस के एकीकरण पर संसाधन व्यक्ति।

10 फरवरी, 2025 को यूजीसी–एमएमटीटीपी, नीपा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास में अनुशासनात्मक परिप्रेक्ष्य के लिए मौलिक पाठ के रूप में महाभारतः उच्च शिक्षा में आईकेएस के एकीकरण पर संसाधन व्यक्ति।

21 जनवरी, 2025 को यूजीसी–एमएमटीटीपी, नीपा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास में अनुशासनात्मक परिप्रेक्ष्य के लिए मौलिक पाठ के रूप में महाभारतः उच्च शिक्षा में आईकेएस के एकीकरण पर संसाधन व्यक्ति।

13 जनवरी, 2025 को यूजीसी–एमएमटीटीसी, नीपा द्वारा 06 से 18 जनवरी, 2025 तक 'उच्च शिक्षा के माध्यम से सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करनाः चुनौतियाँ और प्रगति' पर ऑनलाइन पुनःश्चर्या कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति।

6 जनवरी, 2025 को यूजीसी–एमएमटीटीपी, नीपा द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा में आईकेएस का एकीकरणः राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास में अनुशासनात्मक परिप्रेक्ष्य के लिए मौलिक पाठ के रूप में महाभारत पर संसाधन व्यक्ति।

17 दिसंबर, 2024 को यूजीसी–एमएमटीटीपी, नीपा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास में अनुशासनात्मक परिप्रेक्ष्य के लिए मौलिक पाठ के रूप में महाभारत पर संसाधन व्यक्ति।

संसाधन व्यक्ति, यूजीसी–एमएमटीटीसी, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा 20 नवंबर से 17 दिसंबर, 2024 तक 18वां गुरु दक्षता (संकाय प्रेरण कार्यक्रम) आयोजित किया।

18 नवंबर, 2024 को भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों में अनुसंधान नैतिकता और गुणवत्ता आश्वासन पर संसाधन व्यक्ति।

14 नवंबर, 2024 को यूजीसी–एमएमटीटीपी, नीपा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास में अनुशासनात्मक परिप्रेक्ष्य के लिए मौलिक पाठ के रूप में महाभारत पर संसाधन व्यक्ति।

22 अक्टूबर, 2024 को भारतीय ज्ञान प्रणाली के एकीकरण पर संसाधन व्यक्ति, एमएमटीटीपी नीपा।

18 अक्टूबर, 2024 को आईएमटी गाजियाबाद द्वारा आयोजित भारतीय ज्ञान प्रणाली और प्रबंधन विचार पर संसाधन व्यक्ति।

3 अक्टूबर, 2024 को यूजीसी–एमएमटीटीपी, नीपा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास में अनुशासनात्मक परिप्रेक्ष्य के लिए मौलिक पाठ के रूप में महाभारत पर संसाधन व्यक्ति।

11 सितंबर, 2024 को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला यूजीसी–एमएमटीटीपी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास में आईकेएस के परिचय पर संसाधन व्यक्ति।

2 सितंबर, 2024 को एफआईपी, यूजीसी–एमएमटीटीपी, असम विश्वविद्यालय, सिलचर में नवउदारवादी भारत में प्रारंभिक आजिविका शिक्षा पर संसाधन व्यक्ति।

28 अगस्त, 2024 को भारतीय ज्ञान प्रणालियों पर आईआईएसईआर भोपाल द्वारा यूजीसी–एमएमटीटीपी द्वारा आयोजित आईकेएस के परिचय पर संसाधन व्यक्ति।

13 अगस्त, 2024 को नीपा में यूजीसी–एमएमटीटीपी द्वारा आयोजित संकाय प्रेरण कार्यक्रम में अनुशासनात्मक परिप्रेक्ष्य के लिए मौलिक पाठ के रूप में महाभारत पर संसाधन व्यक्ति।

एफआईपी, यूजीसी–एमएमटीटीपी, एसआरसीसी, दिल्ली विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा में समावेश पर संसाधन व्यक्ति।

29 जून, 2024 को यूजीसी–एमएमटीटीपी, नीपा और श्याम लाल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान प्रणालियों के संबंध में अनुशासनात्मक परिप्रेक्ष्य के लिए मौलिक पाठ के रूप में महाभारत पर संसाधन व्यक्ति।

24–28 जून, 2024 को नीपा, नई दिल्ली में "भारत में विद्यालयों में सुधार और बच्चों की विद्यालयों में भागीदारी के लिए अनुसंधान और नीति" पर एक कार्यशाला में लिंग परिप्रेक्ष्य से विद्यालयी शिक्षा में सुधार के लिए नेतृत्व और प्रशासकों की भूमिका पर संसाधन व्यक्ति।

12 जून, 2024 को भारतीय ज्ञान प्रणालियों पर नीपा में यूजीसी–एमएमटीटीपी द्वारा आयोजित आईकेएस के परिचय पर संसाधन व्यक्ति।

19 अप्रैल, 2024 को "उच्च शिक्षा के लिए भारतीय ज्ञान प्रणालियों की अवधारणा और निहितार्थ" विषय पर एमएमटीटीपी, असम विश्वविद्यालय, सिलचर द्वारा आयोजित अनुशासनात्मक परिप्रेक्ष्य के लिए महाभारत एक मौलिक ग्रंथ पर संसाधन व्यक्ति।

18 अप्रैल 2024 को आईकेएस का परिचय, "उच्च शिक्षा के लिए भारतीय ज्ञान प्रणालियों की अवधारणा और निहितार्थ" विषय पर आयोजित किया गया, संसाधन व्यक्ति, एमएमटीटीपी, असम विश्वविद्यालय सिल्वर द्वारा आयोजित।

8–12 अप्रैल, 2024 को इतिहास, समाज, विज्ञान और उद्यमिता के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ग्रीस और भारत में पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय।

विकसित / संचालित प्रशिक्षण सामग्री एवं पाठ्यक्रमः

आईडेपा – शैक्षिक प्रशासन पर पाठ्यक्रम

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर – वैकल्पिक विकास प्रतिमानों और लिंग और विकास पर पाठ्यक्रम

पीएच.डी. – शैक्षिक प्रशासन पर पाठ्यक्रम

एमएः नीति और शासन पाठ्यक्रम विकसित

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

सदस्य, भविष्य के नेतृत्व का पोषण

सदस्य, उच्च शिक्षा में एसएलडी वाले छात्रों का समावेश

सदस्य, सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए क्षमता निर्माण

अन्य शैक्षणिक / व्यावसायिक योगदान

अक्टूबर 2024 में मेरी देखरेख में मृण्मयी मंडल को पीएच.डी. प्रदान की गई, जिसका शीर्षक है "विद्यालय शिक्षकों और प्रशासकों के बीच लैंगिक न्याय की अवधारणा और अभ्यासः दिल्ली में सरकारी विद्यालयों का एक अध्ययन"

पीएच.डी. पर्यवेक्षण

सिद्धि सिंह, "उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरणः उच्च–माध्यमिक स्तर पर भारतीय महिला छात्रों की आकांक्षाएं"।

रवि प्रकाश, "सार्वजनिक क्षेत्र के रूप में विश्वविद्यालयः छात्र अनुभवों के लेंस के माध्यम से मानचित्रण"

शुभाशीष त्रिवेदी, "स्वतंत्रता के बाद के भारत में विश्वविद्यालय संरचनाओं के भीतर लैंगिक नागरिकता"।

आईडेपा पर्यवेक्षण

ऑगस्टीन मौटिन किकी, "शिक्षक प्रेरणा और सीखने के परिणामों के बीच परस्पर क्रियाः नाइजीरिया के लागोस राज्य में वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों का एक अध्ययन"।

नीपा के बाहर प्रतिष्ठित निकायों की सदस्यता

भारतीय राजनीति विज्ञान संघ (आईपीएसए) के आजीवन सदस्य।

सदस्य, अध्ययन बोर्ड, राजनीति विज्ञान, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छत्तीसगढ़) 2022–2025।

वी. सुचरिता

प्रकाशन

प्रकाशित पुस्तकें

सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली के प्रशासन में सुधार के लिए एक उपकरण के रूप में नवाचारः क्षेत्र से अंतर्दृष्टि और साक्ष्य, नीपा सामयिक आलेख श्रृंखला 61, नीपा (प्रो. कुमार सुरेश के साथ संयुक्त रूप से)

शोध अध्ययन पूर्ण

शैक्षिक प्रशासन में जिला और ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों की स्थिति, भूमिका और जिम्मेदारियाँ – प्रोफेसर कुमार सुरेश और डॉ. वी. सुचरिता।

शैक्षिक प्रशासन में नवाचार और अच्छे अभ्यास – प्रोफेसर कुमार सुरेश और डॉ. वी. सुचरिता।

यूजीसी योजना मूल्यांकन दो योजनाओं का अध्ययन (i) समान अवसर प्रकोष्ठ; और (ii) सामाजिक बहिष्कार और समावेशी नीतियों के अध्ययन के लिए केंद्रः प्रो. कुमार सुरेश और डॉ. वी. सुचरिता।

भारत के राज्यों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन की स्थिति और प्रभाव, शिक्षा मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित (दल के सदस्य के रूप में शामिल)।

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भागीदारी

12 अगस्त, 2024 को भारतीय पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली में नीपा के 18वें स्थापना दिवस व्याख्यान में भाग लिया।

11 नवंबर, 2024 को भारतीय पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली में 15वें मौलाना आज़ाद मेमोरियल व्याख्यान में भाग लिया।

कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

19–21 फरवरी, 2025 तक नीपा, नई दिल्ली में "जिला स्तरीय अधिकारियों के लिए विद्यालय शिक्षा में शासन सुधार" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

बैच समन्वयक के रूप में, 1 से 5 जुलाई, 2024 तक नीपा नई दिल्ली में 'आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और सोवा–रिग्पा कॉलेजों के प्राचार्यों के लिए शैक्षिक योजना और प्रशासन में क्षमता विकास कार्यक्रम' के 16वें बैच का समन्वय किया।

आरआईई भोपाल के एम.एड तृतीय सेमेस्टर के छात्रों की इंटर्नशिप 7–11 अक्टूबर, 2024 तक (अनुरोध कार्यक्रम)।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम (22–31 जुलाई, 2024)। कार्यक्रम समन्वयकः डॉ. वी. सुचरिता

राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम (24 फरवरी–6 मार्च, 2025) कार्यक्रम समन्वयकः डॉ. वी. सुचरिता

शैक्षणिक प्रशासन में नवाचारों और अच्छे व्यवहारों के लिए पुरस्कार भाग I – दिसंबर 2024 – मार्च, 2025 से संबंधित सभी गतिविधियाँ।

प्रशिक्षण सामग्री/पाठ्यक्रम विकसित और संचालित

19–21 फरवरी, 2025 तक नीपा, नई दिल्ली में कार्यक्रम समन्वयक के रूप में, "जिला स्तरीय अधिकारियों के लिए विद्यालय शिक्षा में शासन सुधार" पर कार्यशाला के लिए प्रशिक्षण सामग्री और रिपोर्ट विकसित की।

पीएच.डी. कार्यक्रम में सीसी5 की पाठ्यक्रम दल के सदस्य के रूप में पाठ्यक्रम में सत्रों का संचालन किया।

पीएच.डी. कार्यक्रम में सीसी7 की पाठ्यक्रम दल के सदस्य के रूप में पाठ्यक्रम में सत्रों का संचालन किया।

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर कार्यक्रम में मानव विकास की पाठ्यक्रम दल के सदस्य के रूप में 15 सत्रों का संचालन किया।

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर कार्यक्रम में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में आधारशिला की पाठ्यक्रम दल के सदस्य के रूप में, 15 सत्रों का संचालन किया।

पाठ्यक्रम प्रमुख के रूप में, सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान पद्धति पर शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में

15 सत्रों का समन्वय और संचालन किया।

शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन पर आईडेपा पाठ्यक्रम में पाठ्यक्रम संकाय – संरचना और कार्य (पाठ्यक्रम कोड 208)

नीपा के बाह्य प्रतिष्ठित निकायों की सदस्यता

भारतीय तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी (सीईएसआई) की आजीवन सदस्यता

भारतीय राष्ट्रीय परिसंघ और मानवविज्ञानी अकादमी (आईएनसीएए) की आजीवन सदस्यता

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

नीपा न्यूजलेटर के संपादकीय बोर्ड के सदस्य

एमए कार्यक्रम समिति के सदस्य

नीपा परीक्षा समिति के सदस्य

पीएच.डी. कार्यक्रम में प्रवेश के लिए आवेदनों की जांच के लिए स्क्रीनिंग समिति के सदस्य

'निविदा खोलने और मूल्यांकन समिति' के सदस्य।

अनुसंधान पर्यवेक्षक

पीएच.डी. विद्वान सत्य प्रकाश गरदा की थीसिस का पर्यवेक्षण किया गया, जिसका शीर्षक था "माध्यमिक शिक्षा में अनुसूचित जनजातियों की शैक्षिक अवसरों तक सामाजिक–सांस्कृतिक पहुंचः ओडिशा के कोरापुट जिले का एक अध्ययन।"

पीएच.डी. स्कॉलर, नैन्सी लाकड़ा के शैक्षिक अनुभव और उच्च शिक्षा में आदिवासी छात्रों की एजेंसी पर उनके काम का पर्यवेक्षण।

पीएच.डी. शोध छात्रा बनश्री मंडल को उनके शोध प्रबंध "विकलांग बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा में निगरानी तंत्रः पश्चिम बंगाल में एक अध्ययन" पर मार्गदर्शन करना।

पीएच.डी. शोधार्थी रिया बत्रा को उनके पीएच.डी. कार्य 'अल्पसंख्यक संस्थान में जीवनः बहुसांस्कृतिक परिवेश में विद्यालय संस्कृति का समाजशास्त्रीय आख्यान' पर मार्गदर्शन प्रदान करना।

शैक्षिक वित्त विभाग

मोना खरे

प्रकाशन

प्रकाशित पुस्तकें

खरे मोना एड (2024), 'स्थायी और गतिशील स्नातक रोजगारः भौगोलिक क्षेत्रों में एक तुलनात्मक अवलोकन'

hhttps://www-routledge.com/Sustainable-and-Dyna mic-Graduate-Employability-A-Comparative-Overview-across/Khare/p/book/978103207776

रिपोर्ट/योगदान अंतर्राष्ट्रीय संगठन

भारत का इरादा "अंतर्राष्ट्रीयकरण के माध्यम से वैश्विक प्रतिभा घर" बनने का है पॉडकास्ट थीसिस का सीज़न 3ः अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्रों में उच्च शिक्षा प्रणालियों में रुझान। एक उच्च शिक्षा पॉडकास्ट ओस्लो विश्वविद्यालय, नॉर्वे https://spotifyanchor-web.app.link/e/tOjnASEFGFb, प्रकाशनाधीन।

यूनेस्को, बैंकॉक, एशिया और प्रशांत क्षेत्र में उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरणः हमारे साझा एजेंडे को प्राप्त करने के लिए ज्ञान कूटनीति को चुनौती देना। हमारे साझा एजेंडे को प्राप्त करने के लिए उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण पर क्षेत्रीय और वैश्विक पहल पर पैनलः राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य 7 दिसंबर 2023।

एशिया और प्रशांत क्षेत्र में उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण पर प्रारंभिक विचारः हमारे साझा एजेंडे को प्राप्त करने के लिए ज्ञान कूटनीति को चुनौती देना – यूनेस्को, बैंकॉक, 08 दिसंबर

शिक्षा में निवेश – सामान्य अच्छाई: बदलते या बहते प्रतिमान परियोजना नवउदारवाद बनाम राजनीतिक पूंजीवाद, वैश्विक सामान्य अच्छाई में निवेश – उच्च शिक्षा के लिए वित्त पोषण में बदलते प्रतिमान के अंतर्गत हांगकांग विश्वविद्यालय और मिनेसोटा विश्वविद्यालय के साथ शिक्षा नीति की पुस्तिका (यूके: एडवर्ड एल्गर प्रकाशन) के लिए एक योगदानकर्ता लेखक के रूप में प्रस्तुत किया गया।

रिपोर्ट: राष्ट्रीय सार्वजनिक निकाय / संगठन

शिक्षा क्षेत्र की लेखापरीक्षा पर संग्रह', भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) का कार्यालय, (वर्ष 2012–13 से 2021–22 तक 10 वर्षों के दौरान सीएजी की लेखापरीक्षा रिपोर्टों में निहित लेखापरीक्षा टिप्पणियों को शामिल करते हुए)। प्रकाशन हेतु प्रस्तुत।

पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख

इंडियन इकोनॉमिक जर्नल, आईईजे–2023–0272 पुस्तक समीक्षा: फोर्क्स इन द रोड्स – माई डेज़ एट आरबीआई एंड बियॉन्ड, सेज पब्लिकेशंस (आगामी) इंडियन इकोनॉमिक जर्नल 1–4© 2023 इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन।

संपादित खंडों में प्रकाशित शोधपत्र/पुस्तक अध्याय

खरे मोना (2024), सतत रोजगार के लिए कौशल: भारत में रणनीतियाँ, मोना खरे (सं) में सोनम अरोड़ा के साथ सतत और गतिशील स्नातक रोजगार: भौगोलिक क्षेत्रों में तुलनात्मक अवलोकन, रूटलेज।

खरे मोना और, "भारत में बेरोज़गारी वृद्धि – शिक्षित युवाओं का रोज़गार–बेरोज़गारी" सोनम अरोड़ा के साथ 23 मई, 2023 राम कुमार मिश्रा, संदीप कुमार कुजूर, के. त्रिविक्रम (संपादक) भारत में उच्च शिक्षा, रोज़गार और आर्थिक विकास: समस्याएं, संभावनाएँ और नीतियाँ, रूटलेज, न्यूयॉर्क पृ. 151–165

https://www.taylorfrancis.com/chapters/edit/10.4324/9781003329862-12/jobless-growth-india-mona-khare-so-am-arora

खरे, मोना. (2023). बाह्य सहायता: भारत की उच्च शिक्षा की बदलती गतिशीलता, उच्च शिक्षा के वित्तपोषण में सहयोग और आदान–प्रदान: पारंपरिक दृष्टिकोण और नवीन रणनीतियाँ, एन. वी. वर्गीज और जिनुशा पाणिग्रही द्वारा संपादित। स्प्रिंगर: सिंगापुर। पृ. 211–228.

https://link.springer.com/chapter/10.1007/978 -981-19-7391-8_14

खरे मोना, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के वित्तीय निहितार्थ–संध्या दुबे के साथ शिक्षा में क्रांतिकारी बदलाव: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ईआरए को संचालित करना: एन अख्तर सं. (2023), पीपी 192–214, वीएल मीडिया सॉल्यूशंस, आईएसबीएन: 978– 81–963198–6–1।

भारत में विकास, रोजगार और रोजगार योग्यता: सोनम अरोड़ा के साथ फातिमा सुलेमान, पेड्रो विदेरा और पेड्रो टेक्सेरा द्वारा संपादित वृहद उच्च शिक्षा और स्नातकों के लिए बदलते श्रम बाजार: रोजगार योग्यता से रोजगार तक, एडवर्ड एल्गर पब्लिशिंग लिमिटेड।

उच्च शिक्षा और भविष्य के कार्यबल विकास की संभावना – भारतीय राज्यों का मानचित्रण कारिका दास के साथ सायंतन मंडल द्वारा संपादित एसटीईएम उच्च शिक्षा में मानविकी और सामाजिक विज्ञान के लिए रोडमैप, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर।

खरे मोना "सामान्य भलाई के लिए शिक्षा में निवेश" गेरार्ड ए. पोस्टिग्लियोन, क्रिस्टोफर जे. जॉनस्टोन और वेस्ले आर. टेटर, (संपादक) हैंडबुक ऑफ एजुकेशन पॉलिसी, एल्गर हैंडबुक इन एजुकेशन, एडवर्ड एल्गर प्रकाशन। 2023 पीपी 99–115 आईएसबीएन: 978180037505 5 पीपी 99–115 पर उपलब्ध है

https://www.e-elgar.com/shop/gbp/handbook-of-education-policy-9781800375055.html

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

अंतर्राष्ट्रीय

3–4 दिसंबर, 2024 को बैंकॉक में एशिया और प्रशांत क्षेत्र में उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण पर छठी हितधारकों की बैठक में आमंत्रित किया गया।

26 मार्च, 2025 को नई दिल्ली में 'भविष्य के लिए वैश्विक नागरिकों का विकास: एशिया प्रशांत और उससे आगे उच्च शिक्षा अनिवार्यता' विषय पर एपीएआईई 2025 'एशिया–प्रशांत अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा संघ की बैठक' के लिए आमंत्रित किया

16.1.2025 को शिक्षा और आर्थिक विकास में निवेश: सार्वजनिक वित्तपोषण की आवश्यकता पर एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया।

स्क्रीनिंग कमेटी (एनएएसी), बेंगलुरु के सदस्य और 27 जनवरी 2025 से 30 जनवरी 2025 तक वाशिंगटन, डीसी, यूएसए में होने वाले सम्मेलन के सदस्य।

राष्ट्रीय

3 फरवरी, 2025 को शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, अनुसंधान एवं विकास तथा केंद्रीय बजट 2025–26 पर पैनल चर्चा में विशिष्ट पैनलिस्ट बनने का निमंत्रण। IMPRI #WebPolicyTalk.

उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग, नीपा द्वारा संबद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्यों के लिए उच्च शिक्षा में नेतृत्व विकास पर राष्ट्रीय कार्यशाला के लिए प्रतिभागियों के साथ बातचीत करने के लिए आमंत्रित किया गया तथा 6 फरवरी, 2025 को 'कॉलेज विकास के लिए संसाधन जुटाने में नवाचार' पर एक सत्र लेने का अनुरोध किया गया।

17 फरवरी, 2025 को एपीएआईई सम्मेलन प्रस्तुति के लिए आमंत्रित किया गया।

18 फरवरी, 2025 को हैदराबाद में मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "उच्च शिक्षा और समाज–I" पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।

19 फरवरी, 2025 को आईएमएसई द्वारा आयोजित "केंद्रीय बजट 2025–26 में शिक्षा" विषय पर वेबिनार में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।

25 फरवरी, 2025 को मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, भोपाल में सतत विकास लक्ष्य 2030 के संदर्भ में जलवायु परिवर्तन के प्रबंधन में शिक्षा की भूमिका पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रितः 1 मार्च 2025 से 10 मार्च 2025 तक यूजीसी–एमएमटीटीसी एचआरडीसी, जेएनवी विश्वविद्यालय, जोधपुर में एसआरएम विश्वविद्यालय, दिल्ली एनसीआर, सोनीपत के सहयोग से 3 मार्च 2025 और 8 मार्च 2025 को आयोजित अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम। एसआरसीसी 11 मार्च, 2025 एमएमटीटीसी।

18.03.2025 को मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, बर्दवान विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।

18–19 मार्च 2025 को भारतीय पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली में उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग, नीपा द्वारा आयोजित 'उच्चतर शिक्षा में 21वीं सदी के नेतृत्व' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में आमंत्रित किया गया।

21 मार्च, 2025 को नीपा द्वारा आयोजित 'वित्तीय नियोजन और संसाधन जुटाना' पर एक सत्र लेने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया गया।

26 मार्च, 2025 को नई दिल्ली में एशिया पैसिफिक एसोसिएशन फॉर इंटरनेशनल एजुकेशन के वार्षिक सम्मेलन 2025 के पैनल सत्र के लिए वक्ता और पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया।

27 और 28 मार्च, 2025 को अहमदाबाद में सरदार पटेल आर्थिक एवं सामाजिक अनुसंधान संस्थान में "नए भारत का निर्माणः समावेशी विकास के लिए रणनीतियां" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में आमंत्रित किया गया।

ईआरडीए के गैर–कार्यकारी निकाय के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया।

सहयोगात्मक अनुसंधान अध्ययन/परियोजनाओं की परामर्शी सेवाओं के लिए नीपा की अध्यक्षा।

15 अप्रैल, 2025 को पीआरआईए, नई दिल्ली में "टीचिंग कम्युनिटी बेस्ड पार्टिसिपेटरी रिसर्च" पुस्तक के विमोचन के लिए आमंत्रित किया गया।

21 अप्रैल, 2025 को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय) लालपुर, अमरकंटक, मध्य प्रदेश में 'उच्च शिक्षा में वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना' विषय पर विश्वविद्यालय प्रशासन और प्रशासन पर अल्पकालिक कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में सेवा करने के लिए आमंत्रित किया गया।

शैक्षिक वित्त विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम।

शैक्षिक वित्त विभाग, नीपा और श्याम लाल कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) के सहयोग से एमएमटीटीसी के अंतर्गत 24–29 जून 2024 (ऑनलाइन) तक भारतीय ज्ञान प्रणालीः भारतीय साहित्यिक और सांस्कृतिक परंपराओं का पुनरीक्षण पर संकाय विकास कार्यक्रम।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर संकाय विकास कार्यक्रमः आगे का रास्ता 20–25 अगस्त 2024 (ऑफलाइन) से एमएमटीटीसी के अंतर्गत शैक्षिक वित्त विभाग, नीपा और उच्च शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश सरकार के सहयोग से आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी, भोपाल में।

19–20 दिसंबर, 2024 को त्रिपुरा विश्वविद्यालय में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: वित्तीय निहितार्थ और उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा संसाधन जुटाना' पर दो दिवसीय कार्यशाला।

06–18 जनवरी, 2025 तक एमएमटीटीसी के अंतर्गत शैक्षिक वित्त विभाग, नीपा और एपीजे सत्य विश्वविद्यालय, गुरुग्राम के सहयोग से उच्च शिक्षा में सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने पर पुनश्चर्या कार्यक्रमः चुनौतियाँ और प्रगति (ऑनलाइन)।

शैक्षिक वित्त विभाग, नीपा और सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (स्वायत्त) महाविद्यालय, भोपाल के सहयोग से एमएमटीटीसी के अंतर्गत 22–28 फरवरी, 2025 (ऑफलाइन) तक सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान पद्धति पर संकाय विकास कार्यक्रम।

शैक्षिक वित्त विभाग, नीपा और एसआईईएस कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स (सशक्त स्वायत्त), सायन (डब्ल्यू), मुंबई के सहयोग से एमएमटीटीसी के अंतर्गत 17–29 मार्च, 2025 (ऑनलाइन) से सतत शिक्षा और प्रथाओं पर दो सप्ताह का ऑनलाइन बहु–विषयक पुनश्चर्या कार्यक्रम।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति– 2020 के आलोक में शिक्षा में अनुसंधान और सतत विकास समानता और असमानता पर दो सप्ताह का रिफ्रेशर कोर्स (ऑफलाइन) 17–29 मार्च, 2025 तक (ऑनलाइन) एमएमटीटीसी के अंतर्गत शैक्षिक वित्त विभाग, नीपा और बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल के सहयोग से भोपाल में।

पूर्वोत्तर क्षेत्र के सरकारी कॉलेज के प्राचार्यों और शिक्षकों के लिए उच्च शिक्षा में छात्र विविधता और समावेश पर अभिविन्यास कार्यक्रम 03–04 अक्टूबर, 2024 (ऑफलाइन मोड) सीपीआरएचई, नीपा और गुवाहाटी विश्वविद्यालय, असम।

प्रशिक्षण सामग्री एवं पाठ्यक्रम विकसित/प्रवर्तित

i) **शैक्षिक वित्त पर शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर कार्यक्रम पाठ्यक्रम**

ii) **पीएच.डी. कार्यक्रम**

शोध पद्धति पर पीएच.डी.–सीसी2 पाठ्यक्रम

शैक्षणिक वित्त पर पीएच.डी.–सीसी5 पाठ्यक्रम

iii) **आइडेपा**

वित्तीय योजना और प्रबंधन पर पाठ्यक्रम

iv) **अनुसंधान पर्यवेक्षण**

पीएच.डी. कार्य का पर्यवेक्षण

1. पारुल शर्मा
2. राज गौरव
3. सृष्टि चमोला
4. सुजीत कुमार लुहा
5. आयुषी मुंजाल
6. गिरीश पांडे
7. सृष्टि सिंह

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

यूनेस्को बैंकॉक परियोजना 6वीं हितधारक बैठक टोक्यो विश्वविद्यालय, यूनेस्को, बैंकॉक और वासेदा विश्वविद्यालय के साथ हमारे साझा एजेंडे को प्राप्त करने के लिए ज्ञान कूटनीति को चुनौती देने पर भारत के मामले को विकसित किया।

भारतीय व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थानों में गुणवत्ता के विश्लेषण पर क्वालइंडिया परियोजना के लिए संयुक्त भागीदारः आईटीआई और पॉलिटेक्निक कॉलेज (क्वालइंडिया) कोलोन विश्वविद्यालय, अर्थशास्त्र और व्यवसाय शिक्षा के अध्यक्ष, जर्मनी के साथ। संघीय शिक्षा और अनुसंधान मंत्रालय, जर्मनी।

शिक्षा नीति की पुस्तिका (यूकेः एडवर्ड एल्गर पब्लिशिंग) हांगकांग विश्वविद्यालय और मिनेसोटा विश्वविद्यालय के साथ। शीर्षकः नवउदारवाद बनाम राजनीतिक पूंजीवाद, वैश्विक सामान्य भलाई में निवेश – उच्च शिक्षा के लिए वित्त पोषण में प्रतिमानों में बदलाव परियोजना के अंतर्गत एक योगदानकर्ता लेखक के रूप में प्रस्तुत "शिक्षा में निवेश – सामान्य भलाईः बदलते या बहते प्रतिमान" प्रकाशित।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक कार्यालय, नई दिल्ली में शिक्षा क्षेत्र पर सलाहकार/विशेषज्ञ द्वारा प्रकाशित।

कर्नाटक राज्य वित्त आयोग राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन पर मसौदा रिपोर्ट की समीक्षा करेगा और संशोधनों का सुझाव देगा।

पंच प्राणः शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रलेखित पंच प्राण दस्तावेज़ की तैयारी।

यूजीसी यात्रा अनुदान अध्ययन– यूजीसी द्वारा मूल्यांकन अध्ययन निधि।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

शैक्षणिक नेतृत्व के लिए ईआरडीए उत्कृष्टता पुरस्कार 2024

नीपा अतिरिक्त प्रभार/गतिविधियाँ

- निदेशक, यूजीसी एमएमटीटीसी, नीपा
- निदेशक, सीपीआरएचई (प्रभारी), नीपा

नीपा अनुसंधान

भारत में उच्च शिक्षा स्नातकों का रोजगार और नियोजनीयता – सीपीआरएचई को प्रस्तुत चार राज्य रिपोर्ट।

कुलपति, नीपा द्वारा नामित विभिन्न नीपा समितियों के अध्यक्ष और सदस्य। इनमें से कुछ महत्वपूर्ण इस प्रकार हैं:

ट्रनवा विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा के छात्रों और संकाय के लिए अंतर–संस्थागत शिक्षण गतिशीलता कार्यक्रम के लिए इरास्मस+कार्यक्रम की चयन समिति के अध्यक्ष।

8 जून, 2024 को प्रश्न पत्र और लिखित परीक्षा के मॉडरेशन के लिए समिति के सदस्य और 13–14 जून, 2024 को नीपा में पीएच.डी. के लिए प्रवेश परीक्षा से संबंधित गतिविधियों को पूरा करने के लिए नीपा के साक्षात्कार बोर्ड और चयन समिति के सदस्य।

नीपा के आवास आवंटन नियमों के अध्यक्ष।

भारत में उच्च शिक्षण संस्थानों में "पंच प्राण" पहल के कार्यान्वयन के लिए रणनीति की अध्यक्ष।

नीपा संकायों द्वारा किए गए अनुसंधान परियोजनाओं की निगरानी के लिए दिशा–निर्देश तैयार करने के लिए अध्यक्ष।

ईआरडीए के गैर–कार्यकारी निकाय के सदस्य के रूप में नियुक्त।

सहयोगात्मक अनुसंधान अध्ययन/परियोजनाओं की परामर्शी सेवाओं के लिए नीपा की अध्यक्षा।

मानद/व्यावसायिक/शैक्षणिक संघ

शैक्षणिक वर्ष 2023–24 के लिए नीति और प्रबंधन अध्ययन विभाग के अध्ययन बोर्ड (बीओएस)। टेरी विद्यालय ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, नई दिल्ली।

सदस्य, एएसी, यूजीसी–एमएमटीटीसी, इग्नू

सदस्य, एएसी, यूजीसी–एमएमटीटीसी, बर्दवान विश्वविद्यालय

सदस्य, एएसी, यूजीसी–एमएमटीटीसी, आरआईई, मैसूर

सदस्य, एसईपीसी, कर्नाटक

सदस्यः अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी), कला शिक्षा विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली, भारत।

विभिन्न चयन समितियों के सदस्यः यूपीएससी, भारत सरकार, नई दिल्ली, विभिन्न राज्यों के विश्वविद्यालय और कॉलेज, आरएमएसए, भारत सरकार आदि।

आगंतुक प्रोफेसर (माननीय) आईएमपीआरआई इम्पैक्ट एंड पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली!

विभिन्न विश्वविद्यालयों में पीएच.डी. के लिए बाह्य परीक्षक।

सदस्य, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, आईआईसी, नई दिल्ली।

फेलो, इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ एनवायर्नमेंटल रिसर्च,

आजीवन सदस्य, इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन।

समीक्षकः पॉलिसी रिव्यूज़ इन हायर एजुकेशन (टेलर एंड फ्रांसिस)।

समीक्षकः द ऑक्सफोर्ड रिव्यू ऑफ एजुकेशन (ओयूपी)

समीक्षकः माइक्रोइकॉनॉमिक्स में अध्ययन, (सेज प्रकाशन),

समीक्षकः स्प्रिंगर्स, सिंगापुर के लिए पुस्तक प्रस्ताव,

लाइफ साइंस ग्लोबल, कनाडा।

सदस्यः कॉजेंट एजुकेशन एडिटोरियल सर्विसेज, टेलर एंड फ्रांसिस

समीक्षकः एम्ब्रेल्ड

जर्नल उच्च शिक्षा में नीति अध्ययन

भारतीय आर्थिक संघ के आजीवन सदस्य

मध्य प्रदेश आर्थिक संघ के आजीवन सदस्य

मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय, भोपाल में आरडीसी (अर्थशास्त्र) के विशेषज्ञ सदस्य।

बाह्य सदस्य, आईक्यूएसी, उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल

सदस्य, शैक्षणिक परिषद, सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (ऑटो) महाविद्यालय, शिवाजी नगर, भोपाल

नीपा के बाह्य प्रतिष्ठित निकायों की सदस्यता

सदस्य, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, आईआईसी, नई दिल्ली।

रोटरी इंटरनेशनल (आरसीडीसी) नई दिल्ली की फेलोशिप।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक कार्यालय, नई दिल्ली में सलाहकार/विशेषज्ञ।

डीआरसी के लिए बाह्य सदस्य, कला शिक्षा विभाग, ललित कला संकाय, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली।

सदस्य चयन समितिः यूपीएससी, भारत सरकार, नई दिल्ली, विभिन्न राज्यों के विश्वविद्यालय और कॉलेज, आरएमएसए, भारत सरकार आदि।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के लिए बाहरी परीक्षक पीएच.डी.

आमंत्रित सदस्य आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ, एनएलआईयू, गुजरात।

फेलो, अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण अनुसंधान कांग्रेस,

आजीवन सदस्य, भारतीय आर्थिक संघ।

मध्य प्रदेश आर्थिक संघ के आजीवन सदस्य

परिपल्ली शंकर

प्रकाशन

पुस्तकें/पुस्तक अध्याय

"तेलंगाना की विद्यालयी लड़कियों को सशक्त बनाने में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) का प्रभावः राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 को संरेखित करके एक खोजपूर्ण अध्ययन।" भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रकाशन के लिए चयनित

प्रकाशित पुस्तक अध्यायः विज्ञान को समझना और वैज्ञानिक जांच – भौतिक विज्ञान की विषय–वस्तु सह शिक्षाशास्त्र में – बी.एड पुस्तक, तेलुगु अकादमी, तेलंगाना सरकार

पुस्तकों के लिए संपादक

शिक्षा के समाजशास्त्रीय आधार, बी.एड. पुस्तक तेलुगु अकादमी, तेलंगाना सरकार।

समाज, शिक्षा और पाठ्यक्रम, डी.एड. पुस्तक, एससीईआरटी, तेलुगु अकादमी, तेलंगाना सरकार।

प्रारंभिक स्तर के विषय (गणित) का शिक्षणशास्त्र डी.एड. पुस्तक, एससीईआरटी, तेलुगु अकादमी, तेलंगाना सरकार।

प्रारंभिक स्तर के विषय (सामाजिक अध्ययन) का शिक्षणशास्त्र डी.एड. पुस्तक, एससीईआरटी, तेलुगु अकादमी, तेलंगाना सरकार।

प्रकाशित शोध पत्र/लेख

"तेलंगाना राज्य के माध्यमिक विद्यालय के छात्रों में गणित सीखने के प्रति दृष्टिकोण पर एक अध्ययन।" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी एजुकेशनल रिसर्च (आईजेएमईआर), खंड 14, संख्या 3(4), मार्च 2025, पृ149–154. आईएसएसएन 2277–7881।

"तेलंगाना राज्य में गणित सीखने के प्रति छात्रों की रुचि का एक अध्ययन।" आइडियलः एक अंतर्राष्ट्रीय बहुविषयक अर्धवार्षिक शोध पत्रिका, खंड 13, संख्या 2, मार्च 2025, पृष्ठ 61–68। आईएसएसएन 2319–359X।

"राज्य गणित पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों पर शिक्षकों के विचारों का विश्लेषण" आयु, अनुभव और पदनाम के आधार पर एक तुलनात्मक अध्ययन।" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज़ (आईजेआरएआर), खंड 11, संख्या 4, नवंबर 2024, पृष्ठ 483–488। आईएसएसएन 2348–1269।

"गणित शिक्षा पर शिक्षक विचारः एससीएफ–2011 और राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 रूपरेखाओं के अंतर्गत पाठ्यक्रम संरेखण और शैक्षणिक आयामों के साथ सहसंबंधों की खोज।" जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च (जेईटीआईआर), खंड 11, संख्या 11, नवंबर 2024, पृ. सी683– सी692. आईएसएसएन 2349–5162।

"विभिन्न कारकों में आत्म–सम्मान का एक अनुभवजन्य अध्ययन।" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रीसेंट ट्रेंड्स इन मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च (आईजेआरटीएमआर), खंड 4, संख्या 4, जुलाई–अगस्त 2024, पृष्ठ 7–12। आईएसएसएन 2583–0368।

"आत्म–सम्मान अंतर्दृष्टिः प्रमुख जनसांख्यिकी का एक सांख्यिकीय अध्ययन।" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी एजुकेशनल रिसर्च (आईजेएमईआर), खंड 13, सं. 8 (1), अगस्त 2024 आईएसएसएन 2277–7881।

पूर्ण शोध अध्ययन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन की स्थिति पर अध्ययन, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली

जीईआर में रुझान– विद्यालय और उच्च शिक्षा, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली

जारी अनुसंधान

ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ एकेडमिक नेटवर्क (जीआईएएन) योजना का मूल्यांकन, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।

एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स (एबीसी) योजना का मूल्यांकन, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।

सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशालाओं में भागीदारी

29 अप्रैल 2025 से ऑफ़लाइन मोड में मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम केंद्र (एमएमटीटीपीसी), रामानुजन कॉलेज, नई दिल्ली के अंतर्गत अनुसंधान पद्धति पर संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) के लिए संसाधन व्यक्ति।

विषयः अनुसंधान का बदलता परिप्रेक्ष्यः राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020।

नीपा और बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा 17–29 मार्च 2025 तक आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के आलोक में शिक्षा में अनुसंधान और सतत विकास समानता और असमानताओं पर दो सप्ताह का ऑफ़लाइन पुनश्चर्या कार्यक्रम।

विषयः 28 मार्च 2025 को यूजीसी के दिशा–निर्देशों के अनुसार समग्र शिक्षक मूल्यांकन रूपरेखा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लिए संसाधन व्यक्तिः असम द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रम अभिमुखीकरण और संवेदनशीलता (एक सप्ताह के एफडीपी के बराबर)

विश्वविद्यालय, सिलचर और बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय) विद्या विहार, रायबरेली रोड, लखनऊ, मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी), असम विश्वविद्यालय, सिलचर के तत्वावधान में, दिनांकः 18–03–2025 से 27–03–2025 तक।

विषयः पाठ्यक्रम शिक्षण और मूल्यांकन, 21 मार्च को ऑनलाइन मोड में।

यूजीसी–एमएमटीटीसी, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में ऑनलाइन फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम (19.02.2025 से 21.03.2025) के लिए संसाधन व्यक्ति। विषयः शिक्षकों के लिए व्यावसायिक विकास 12.03.2025 ऑनलाइन।

संसाधन व्यक्ति यूजीसी, मालवीय मिशन–शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएम–टीटीपी), नीपा 24 फरवरी – 21 मार्च, 2025 (ऑनलाइन), 24 मार्च – 29 मार्च, 2025 (ऑफ लाइन) से नीपा, नई दिल्ली में संकाय प्रेरण कार्यक्रम (एफआईपी) (मिश्रित मोड) का आयोजन।

विषयः गुणवत्ता अनिवार्यताएँ, संकेतक और शिक्षक 25.02.2025

विशिष्ट शिक्षण अक्षमताओं (एसएलडी) पर क्षमता निर्माण के अंतर्गत कैरियर और प्लेसमेंट सेल के लिए कार्यशाला मास्टरक्लास में भाग लिया, जो 27.11.2024 को ऑनलाइन आयोजित की गई थी।

माध्यमिक स्तर पर आदिवासी गुरुकुल विद्यालयों में कार्यरत मास्टर प्रशिक्षकों / शिक्षकों के लिए समान और समावेशी शिक्षा पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन। विशेष आवश्यकता वाले समूहों के शिक्षा विभाग (डीईजीएसएन), एनसीईआरटी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित।

विषयः सामाजिक विज्ञान शिक्षकों का व्यावसायिक दृष्टिकोण। दिनांकः 29 नवंबर, 2024।

तेलंगाना शिक्षा आयोग द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर सेमिनार आयोजित किया गया। तेलंगाना सरकार, हैदराबाद द्वारा 4–4–2025 को आयोजित।

विषयः सीखने का संकट और सीखने की गरीबी–गुणवत्तापूर्ण शिक्षा।

15–04–2025 से 18–04–2025 तक तेलंगाना सरकार, तेलुगु अकादमी द्वारा लेखक और संपादक के रूप में भौतिक विज्ञान और शिक्षा के समाजशास्त्रीय आधारों की विषय–वस्तु सह शिक्षाशास्त्र पर बी.एड. के लिए संदर्भ पुस्तकें विकसित करने के लिए कार्यशाला। 13–05–2025 से 15–05–2025 तक शिक्षण सामग्री (एसएलएम) संपादन कार्यशाला बी.एड. (ओडीएल) कार्यक्रम विषय विशेषज्ञ के रूप में, डॉ. बीआर अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, हैदराबाद।

कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

19–20 दिसंबर, 2024 को नीपा, नई दिल्ली द्वारा त्रिपुरा विश्वविद्यालय में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: वित्तीय निहितार्थ और उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा संसाधन जुटाना' पर दो दिवसीय कार्यशाला के लिए समन्वयक और संसाधन व्यक्ति।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

डॉ. बी.आर. अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय के लिए स्व–शिक्षण सामग्री (एसएलएम) विकास

- भारतीय लोकाचार और ज्ञान प्रणालियों को समझना– बी.एड एसएलएम
- भौतिक विज्ञान की शिक्षाशास्त्र – बी.एड एसएलएम
- मूल्य और शांति शिक्षा – बी.एड एसएलएम

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

यूजीसी–मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (पूर्व में मानव संसाधन विकास केंद्र के रूप में जाना जाता है), उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा 21.01.2025 से 03.02.2025 तक निम्नलिखित विषय पर 29 जनवरी 2025 को "भाषा और भाषा विज्ञान में ऑनलाइन पुनःश्चर्या पाठ्यक्रम" आयोजित किया गया है। विषयः भाषा और सीखनाः राष्ट्रीय शिक्षा नीति का परिप्रेक्ष्यः 2020।

नीपा के बाहर प्रतिष्ठित निकायों की सदस्यता

सदस्य, एसआरसी, एनसीटीई, नई दिल्ली

सदस्य एसआरसी, आईसीएसएसआर, हैदराबाद

केंद्रीय विश्वविद्यालय कर्नाटक, कलबुर्गी केंद्रीय विश्वविद्यालय कश्मीर, कश्मीर तमिलनाडु शिक्षक शिक्षा विश्वविद्यालय, चेन्नई में अध्ययन बोर्ड में सदस्य, डॉ. बीआर अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, हैदराबाद

सदस्य, प्रबंधन समिति आरआईई मैसूर और आरआईई नेल्लोर, एनसीईआरटी

सदस्य, प्रशासनिक समिति, आंध्र महिला सभा (एएमएस), हैदराबाद।

गरिमा मलिक

प्रकाशन

प्रकाशित पुस्तकें/रिपोर्ट

"भारत में उच्च शिक्षा में प्रशासन और स्वायत्तताः चुनौतियाँ और अवसर" (मई 2025) स्प्रिंगर नेचर। (एन.वी. वर्गीज द्वारा संपादित)

प्रकाशित शोध पत्र/लेख

मलिक, गरिमा "भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों का शासन और प्रबंधन", सीपीआरएचई शोध पत्र श्रृंखला 18, जनवरी 2024।

संपादित पुस्तकों में अध्याय

मलिक, गरिमा "भारतीय उच्च शिक्षा में ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा का प्रशासन" "विघटनकारी युग में उच्च शिक्षा और डिजिटल शिक्षा" में अध्याय 3, मुहम्मद मुफ़्ताहू, जसवीर नचतर सिंह और दानियाल मोहम्मद यूसुफ द्वारा संपादित। 2024. विश्वविद्यालय संस मलैया।

मलिक, गरिमा "भारत में विश्वविद्यालय प्रशासन और प्रबंधनः केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों का एक अध्ययन" "भारत में उच्च शिक्षा में प्रशासन और स्वायत्तताः चुनौतियाँ और अवसर" में अध्याय 8 (मई 2025) स्प्रिंगर नेचर। (एन. वी. वर्गीज के साथ संपादित)।

मलिक, गरिमा "उच्च शिक्षा प्रशासन और संस्थागत स्वायत्तताः एक अवलोकन" अध्याय 1 "भारत में उच्च शिक्षा में प्रशासन और स्वायत्तताः चुनौतियाँ और अवसर" (मई 2025) स्प्रिंगर नेचर। (एन.वी. वर्गीज के साथ संपादित)।

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

2024 में सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय में "उच्च शिक्षा में शासन और नेतृत्व" पर यूजीसी–एचआरडीसी संकाय प्रेरण कार्यक्रम में व्याख्यान दिया।

2024 में समग्र और बहुविषयक शिक्षा पर जेएनयू यूजीसी–एमएमटीटीसी में व्याख्यान दिया।

6 नवंबर, 2024 को पुणे में आईयूसीएए (खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी के लिए अंतर–विश्वविद्यालय केंद्र) के लिए मालवीय मिशन (एमएमटीटीपी) राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण के हिस्से के रूप में "शैक्षणिक नेतृत्व, शासन और प्रबंधन" पर व्याख्यान दिया।

कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

24 फरवरी–29 मार्च 2025 तक यूजीसी मालवीय मिशन–शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी), नीपा के अंर्तगत संकाय प्रेरण कार्यक्रम (मिश्रित मोड) के सह–समन्वयक।

प्रशिक्षण सामग्री एवं पाठ्यक्रम विकसित/प्रवर्तित

शिक्षा और विकास के स्नातकोत्तर कार्यक्रम के सेमेस्टर 1 में (शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर) विकास के सिद्धांतों पर कोर पाठ्यक्रम पढ़ाया गया।

शिक्षा और विकास के स्नातकोत्तर कार्यक्रम के सेमेस्टर 1 में (शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर) मानव विकास (मानव विकास के आर्थिक परिप्रेक्ष्य) पर वैकल्पिक पाठ्यक्रम पढ़ाया और सेमेस्टर 2 में उन्नत सांख्यिकीय विधियाँ पढ़ाई।

सेमेस्टर 2 में पीएच.डी. कार्यक्रम में मात्रात्मक अनुसंधान विधियाँ पढ़ाई। सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान की नींव और शिक्षा का वित्तपोषण भी पढ़ाया।

रिपोर्ट अवधि के दौरान सार्वजनिक निकायों को परामर्श एवं शैक्षणिक सहायता

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 कार्यान्वयन अध्ययन पर रिपोर्ट तैयार करने वाली दल के सदस्य, जिसे मार्च 2025 में शिक्षा मंत्रालय को सौंपा जाएगा।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (जेपा), नीपा के लिए समीक्षित लेख।

नीपा के बाह्य प्रतिष्ठित निकायों की सदस्यता

सदस्य, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर

सदस्य, भारतीय पर्यावास केंद्र

सदस्य, इंटरनेशनल सेंटर–गोवा

शैक्षिक नीति विभाग

अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशन

पुस्तकें/पुस्तक अध्याय

2024 अध्याय 'वैश्वीकरण और स्वदेशी ज्ञान प्रणाली: एक भारतीय जनजातीय मामला' कामेश्वर चौधरी और बी के नागला (संपादक) 'भारत में वैश्वीकरण, सामाजिक वर्ग और हाशिए पर समुदाय' रूटलेज, लंदन आगामी।

प्रकाशित शोध पत्र/लेख

संपादित, जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, (वर्ष XXXVIII, अंक 3, जुलाई 2024)

संपादित जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, (वर्ष XXXVIII, अंक 4, अक्टूबर 2024)

संपादित जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, (वर्ष XXXVIII, अंक 1, जनवरी 2025)

शोध अध्ययन पूर्ण

चयनित राज्यों में आरटीई अधिनियम के अंर्तगत निजी विद्यालयों में वंचित समूहों और कमजोर वर्गों के बच्चों के लिए 25 प्रतिशत सीटों के संवैधानिक प्रावधान का अध्ययन: नीति और व्यवहार।

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

03 अप्रैल, 2025 को पीआरआईए, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'जलवायु लचीलेपन की दिशा में ज्ञान का विउपनिवेशीकरण, समुदाय के नेतृत्व में सह–निर्माण' विषय पर वेबिनार में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

20–29 नवंबर, 2024 तक नीपा में मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र के अंतर्गत राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम।

कार्यशालाएं / सम्मेलन / प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

3–5 जुलाई, 2024 (ऑनलाइन मोड) से 'आरटीई के अंतर्गत वंचित और कमजोर लोगों की शिक्षा: नीतिगत मुद्दे और कार्यक्रम हस्तक्षेप' पर अभिविन्यास कार्यशाला।

16–17 दिसंबर, 2024 से 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत स्वदेशी ज्ञान प्रणाली: संभावनाएँ, चुनौतियाँ और मार्ग' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

21–25 अक्टूबर, 2024 तक गुवाहाटी, असम में 'पूर्वोत्तर राज्यों में प्रारंभिक शिक्षा के प्रबंधन में संविधान की छठी अनुसूची के अंतर्गत स्थानीय प्राधिकरण और स्वायत्त जिला परिषदों की कार्यप्रणाली' पर अभिविन्यास कार्यशाला का आयोजन (डॉ. एस.के. मलिक के साथ संयुक्त रूप से) किया और उसमें भाग लिया।

24–28 जून, 2024 तक राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन (डॉ. अन्शू श्रीवास्तव के साथ संयुक्त रूप से) किया गया।

प्रशिक्षण सामग्री विकसित

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर

- शिक्षा की नींव (सी1सीसी 503)
- शिक्षा में नीति विश्लेषण और योजना (एस3सीसी 507)

पीएच.डी.

- भारत में शिक्षा और शिक्षा पर परिप्रेक्ष्य (सीसी1)

अनुसंधान पर्यवेक्षण

प्रियांक शर्मा को 'विद्यालयी शिक्षा का व्याकरण' विषय पर पीएच.डी. थीसिस के साथ पीएच.डी. की डिग्री प्रदान की गई

सतत पर्यवेक्षण: वंदना तिवारी पीएच.डी., आरटीई अधिनियम के अंतर्गत वंचित और कमजोर वर्ग की शिक्षा: दिल्ली के चयनित निजी गैर–सहायता प्राप्त विद्यालयों में नीति और प्रथाओं का एक अध्ययन।

सतत पर्यवेक्षण: टीना ठाकुर, पीएच.डी., अभिजात्य शिक्षा, वर्ग विशेषाधिकार और वैश्वीकरण: भारत में अंतर्राष्ट्रीय विद्यालय का एक अध्ययन।

सतत पर्यवेक्षण: जमशेद अहमद पीएच.डी., मदरसों के माध्यम से आधुनिक शिक्षा: उत्तर प्रदेश में चयनित मदरसों का एक अध्ययन।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

डीन (अकादमिक और अनुसंधान)

अध्यक्ष, कार्यक्रम सलाहकार समिति

अध्यक्ष, प्रश्न समिति (पीएच.डी. और शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर) प्रवेश

अध्यक्ष, एम.फिल. / पीएच.डी. के लिए पर्यवेक्षकों के आवंटन के लिए समिति, नीपा

संपादक, जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (जेपा)

सदस्य, प्रबंधन बोर्ड, नीपा

सदस्य, अध्ययन बोर्ड, नीपा

सदस्य, अकादमिक परिषद, नीपा

सदस्य, वित्त समिति, नीपा

आयोजन, 11 नवंबर, 2024 को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया। (श्री तरुण विजय द्वारा मौलाना आज़ाद स्मृति व्याख्यान भारतीय र्प्यावास केंद्र, नई दिल्ली)।

नीपा के बाहर प्रतिष्ठित निकायों की सदस्यता

सदस्य, भारतीय तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी (सीईएसआई)

सदस्य, आदिवासी और स्वदेशी अध्ययन पत्रिका (जेएआईएस) संपादकीय सलाहकार बोर्ड

मनीषा प्रियम

प्रकाशन

पुस्तकें / पुस्तक अध्याय

प्रकाशित पुस्तक अध्याय: "द मॉडर्न यूनिवर्सिटी इन ए लोकल एरीना: द पॉलिटिक्स ऑफ एजुकेशनल रिफॉर्म इन प्रिंसली मैसूर" रॉब जेनकिंस और लुईस टिलिन (संपादक)

डिकंस्ट्रक्टिंग इंडियाज डेमोक्रेसीः एसेज इन ऑनर ऑफ जेम्स मैनर, ओरिएंट ब्लैकस्वान्न, 2025। (संपादक प्रोफेसर रॉब जेनकिंस न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय में काम करते हैं और प्रोफेसर लुईस टिलिन किंग्स कॉलेज, लंदन में कार्यरत हैं)।

प्रकाशित शोध पत्र/लेख

संपादक, परिप्रेक्ष्य, शिक्षा और सामाजिक अध्ययन पर नीपा अकादमिक जर्नल, हिंदी, यूजीसी केयर लिस्ट में।

"भारत में शहरी परिवर्तन, युवा आकांक्षाएँ और शिक्षा।" दक्षिण एशियाई इतिहास और संस्कृति, खंड 15, संख्या 2, 2024, पृष्ठ 131–141। 9 अप्रैल 2024 को ऑनलाइन प्रकाशित

https://doi.org/10.1080/19472498.2024.2338597.

'सीमित आकांक्षाएँ और युवा क्षमता।' दक्षिण एशियाई इतिहास और संस्कृति, खंड 15, संख्या 2, 2024, पृष्ठ 215–230। 9 अप्रैल 2024 को ऑनलाइन प्रकाशित।

https://doi.org/10.1080/19472498.2024.2338602.

प्रकाशन हेतु प्रस्तुत

अंतर्राष्ट्रीय जर्नल लेखः "नीति सुधारों के क्षेत्र में राजनीतिः भारत में संरचनात्मक समायोजन और शैक्षिक सुधार को समझना (1990–2014)"। पेडागोगिका हिस्टोरिका को प्रस्तुत किया गया। सहकर्मी समीक्षा के अधीन।

अंतर्राष्ट्रीय जर्नल लेखः नव–उदारवादी भारत में युवा और आत्म–सम्मानः पटना में उच्च शिक्षा और कोचिंग केंद्रों का बदलता भूगोल, दक्षिण एशियाः जर्नल ऑफ साउथ एशियन स्टडीज। सहकर्मी समीक्षा के बाद स्वीकार किया गया।

सार्वजनिक विश्वविद्यालय में स्वायत्तता और शैक्षणिक स्वतंत्रता पर संपादित वॉल्यूम, रूटलेज को प्रस्तुत किया गया, जिसे 2025/2026 की शुरुआत में प्रकाशित किया जाएगा।

शोध रिपोर्ट और नीति नोट

समकालीन भारत में शिक्षाः नीति सुधार और कार्यान्वयन, नीपा को प्रस्तुत किया गया।

उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण पर नीति नोट, कर्नाटक राज्य उच्च शिक्षा आयोग।

पूर्ण शोध अध्ययन

भारत में उच्च शिक्षा सुधार की राजनीतिक अर्थव्यवस्थाः सुधार के सिद्धांतों, नीतियों और संस्थानों पर तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य।

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

"सार्वजनिक विश्वविद्यालय में अनुसंधान की गुणवत्ता और वैश्विक नेटवर्किंग" पर व्याख्यान, तेजपुर विश्वविद्यालय, असम, 29 अप्रैल, 2024 (ऑनलाइन)।

21 सितंबर, 2024 को नई शिक्षा नीति पर विद्यालय प्रिंसिपलों को संबोधन, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस द्वारा आयोजित, पार्क होटल, नई दिल्ली।

2 दिसंबर, 2024 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया में "19वां प्रोफेसर सुरेश चंद्र शुक्ला मेमोरियल लेक्चर 2024" पर प्रतिष्ठित व्याख्यान दिया।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "अकादमी में महिला दार्शनिकों की खोजः वैश्विक दक्षिण से विचार और छायाएँ" में मुख्य भाषण दिया, लैंगिक सोच के तरीकों की खोजः वैश्विक दक्षिण एशिया से विचार और दर्शन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, (भारत के विशेष संदर्भ में), बनारस हिंदू विश्वविद्यालय–अंतर्राष्ट्रीय महिला दार्शनिक संघ (आईसीएसएसआर वित्त पोषित), 4 दिसंबर, 2024।

"शासक, कुलीनता और सुधारः मैसूर और पटना विश्वविद्यालय, 1917–47 से तुलनात्मक चिंतन" पर सम्मेलन प्रस्तुति, "रियासतों में परंपरा, संवाद और असहमति– वक्कम मौलवी और उनके समकालीन" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेंद्रम, 8–9 जनवरी, 2025।

उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण पर विशेषज्ञ सदस्यों की प्रस्तुति, झारखंड राज्य बजट परामर्श बैठक, 18 जनवरी, 2025।

बिहार में आरटीई के कार्यान्वयन पर सम्मेलन, एएन सिन्हा संस्थान, पटना, बिहार, 18–19, जनवरी, 2025।

"भारत में सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में प्रवेशः उत्तर भारत में छात्रों की आकांक्षाओं और सीमाओं के अनुभव का दैनिक विवरण" पर प्रस्तुति, भारत और उसके बाहर उच्च शिक्षा, नक्षत्रों और आकांक्षाओं में असमानताओं को कम करना पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, बेलेफेल्ड विश्वविद्यालय, जर्मनी–डीएएडी, 20–21 फरवरी 2025, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली।

कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

19 नवंबर, 2024 को सर लुईस मैथेसन प्रतिष्ठित प्रोफेसर के रूप में मोनाश विश्वविद्यालय मेलबर्न से ऑस्ट्रेलिया–भारत में "लैंगिक और उच्च शिक्षा पर एक गोलमेज सम्मेलन" का आयोजन किया।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

कुलाधिपति द्वारा नामित, कार्यकारी परिषद, गौहाटी विश्वविद्यालय, असम।

सदस्य, अकादमिक परिषद, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय।

विशेषज्ञ सदस्य, प्रतिष्ठित संस्थानों की समीक्षा समिति, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (अगस्त–दिसंबर 2024)।

विशेषज्ञ सदस्य, जीसस एंड मैरी कॉलेज (जेएमसी), दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए अकादमिक लेखापरीक्षण (नवंबर 2024–मार्च 2025)।

नीपा के बाह्य प्रतिष्ठित निकायों की सदस्यता

2024–27 तक तीन वर्ष की अवधि के लिए मोनाश विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया में सर लुईस मैथेसन में विशिष्ट आगंतुक प्रोफेसर के रूप में कार्य करना।

मोनाश विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया, शिक्षा संस्कृति और समाज विद्यालय में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यरत।

दक्षिण अफ्रीका के विटवाटरसैंड विश्वविद्यालय में स्थित शिक्षक शिक्षा पर यूनेस्को चेयर के लिए वैश्विक विशेषज्ञों के फोरम के मनोनीत सदस्य (चेयर प्रोफेसर रुक्साना उस्मान, प्रो–वाइस चांसलर, विटवाटरसैंड विश्वविद्यालय)।

उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण पर परामर्श के लिए आमंत्रित सदस्य, अंतर्राष्ट्रीयकरण पर टास्कफोर्स, कर्नाटक राज्य शिक्षा नीति आयोग।

एस. के. मलिक

प्रकाशन

पुस्तकें/पुस्तक अध्याय

शोध पत्र/लेख प्रकाशित

पूर्ण शोध अध्ययन

ओडिशा में माध्यमिक स्तर पर अनुसूचित जाति के बच्चों की छात्रवृत्ति योजना और शैक्षिक गतिशीलता का अध्ययन

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

'भारतीय ज्ञान प्रणालियों (आईकेएस) और सामुदायिक सहभागिता को जोड़ना राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 युगः संभावनाएँ, चुनौतियाँ और रास्ते' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

11 नवंबर, 2024 को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया (श्री तरुण विजय द्वारा मौलाना आज़ाद स्मृति व्याख्यान दिया गया)।

कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

19–28 अगस्त, 2024 तक मदन मोहन मालवीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, डॉ. एस.के. मलिक स्थितिः यह कार्यक्रम नीपा, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

3–7 जून, 2024 तक आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और सोवा–रिग्पा कॉलेजों के प्राचार्यों के लिए शैक्षिक प्रशासन में क्षमता विकास कार्यक्रम, डॉ. एस.के. मलिक स्थितिः यह कार्यक्रम नीपा, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

3–5 जुलाई, 2024 (ऑनलाइन मोड) से 'आरटीई के अंतर्गत वंचित और कमजोर लोगों की शिक्षाः नीतिगत मुद्दे और कार्यक्रम हस्तक्षेप' पर अभिविन्यास कार्यशाला (प्रो. ए.के. सिंह के साथ संयुक्त रूप से)।

21–25 अक्टूबर, 2024 से गुवाहाटी, असम में 'पूर्वोत्तर राज्यों में प्रारंभिक शिक्षा के प्रबंधन में संविधान की छठी अनुसूची के अंतर्गत स्थानीय प्राधिकरण और स्वायत्त जिला परिषदों की कार्यप्रणाली' पर अभिविन्यास कार्यशाला का आयोजन (प्रो. ए.के. सिंह के साथ संयुक्त रूप से) किया गया और उसमें भाग लिया गया।

अनुसंधान पर्यवेक्षण

एम.फिल. दिशा–निर्देश

सुमित्रा साहू, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय में आदिवासी छात्रों का जीवन; ओडिशा का सामाजिक–सांस्कृतिक अध्ययन (डिग्री प्रदान की गई)

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं अनुसंधान समूह के सदस्य

- एम.फिल / पीएच.डी. कोर्स के सदस्य
- एम.ए कोर्स के सदस्य
- एम.फिल / पीएच.डी. प्रवेश के लिए जांच समिति के सदस्य
- टेंडर खोलने वाली समिति के अध्यक्ष
- योग समिति के सदस्य
- शिकायत निवारण समिति के सदस्य
- ग्रीन कैंप के सदस्य; ऊर्जा कुशल समिति
- जल संरक्षण समिति के सदस्य
- क्रय समिति के सदस्य
- शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संघ के सदस्य

पीजीडेपा और आईडेपा के पाठ्यक्रम प्रभारी

- निर्देशित आईडेपा प्रतिभागी–1
- निर्देशित पीजीडेपा प्रतिभागी–1
- एम.फिल / पीएच.डी. वैकल्पिक पाठ्यक्रम संख्या–05 (शिक्षा में सामुदायिक भागीदारी और स्थानीय शासन) में अध्यापन
- पीएच.डी. कोर पाठ्यक्रम संख्याः 07 (शैक्षणिक प्रशासन) में अध्यापन
- एम.ए पाठ्यक्रम में अध्यापन
- पीजीडेपा में अध्यापन

विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग

मधुमिता बंद्योपाध्याय

प्रकाशन

शैक्षिक नियोजन में प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थानों के एशियाई नेटवर्क (एएनटीआरआईईपी) समाचार पत्र द्वारा प्रकाशित संपादकीय, जिसका शीर्षक है, "विद्यालय स्तर पर निर्देशों की भाषा", खंड 29, अंक 1, जनवरी – जून 2023 (आईएसएसएन 0972–7507) मई 2024 में प्रकाशित।

मुहम्मद सहल और मधुमिता बंद्योपाध्याय द्वारा "शिक्षा में भाषा नीतिः संस्कृतियों को जोड़ना, वैश्विक मानसिकता का निर्माण" शीर्षक वाला लेख मई 2024 में एशियन नेटवर्क ऑफ ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूशंस इन एजुकेशनल प्लानिंग (एएनटीआरआईईपी) न्यूज़लेटर, खंड 29, अंक 1 (जनवरी–जून 2023), आईएसएसएन 0972–7507 में प्रकाशित हुआ।

शैक्षिक नियोजन में प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थानों के एशियाई नेटवर्क (एएनटीआरआईईपी) समाचार पत्र द्वारा प्रकाशित संपादकीय, जिसका शीर्षक है, "बच्चों की पोषण संबंधी आवश्यकताओं और विद्यालय भोजन कार्यक्रमों को संबोधित करना", खंड 29, अंक 2 जुलाई – दिसंबर 2023 (आईएसएसएन 0972–7507) अक्टूबर 2024 में प्रकाशित।

मधुमिता बंद्योपाध्याय और मीनाक्षी खंडारी द्वारा इंडियन जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च, वॉल्यूम IX मार्च 2020, आईएसएसएन 2277–3819 में "शहरी भारत में प्रारंभिक शिक्षाः मुद्दे, चुनौतियां और अवसर" शीर्षक से लेख।

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

राष्ट्रीय

12 जुलाई 2024 को संस्थागत विकास योजना विकसित करने के लिए समिति की बैठक में भाग लिया।

25.07.2024 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया के ऑनलाइन संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए "सामाजिक न्याय" पर एक ऑनलाइन सत्र लिया।

30 जुलाई 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय में अनन्या चटर्जी के शोध प्रस्ताव– किशोरियों की शैक्षिक पहुँच पर लिंग आधारित हिंसा के निहितार्थों की खोज के संबंध में आरएसी बैठक में भाग लिया।

22 अगस्त 2024 को गूगल मीट पर बाहरी मूल्यांकनकर्ता के रूप में पीएच.डी. स्कॉलर निकिता जैन की वाइवा–वॉयस में ऑनलाइन भाग लिया।

21–25 अक्टूबर, 2024 को नीपा, नई दिल्ली में विघटनकारी डिजिटल प्रौद्योगिकियों के लिए क्षमता निर्माण, टीईआई में एकीकरण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करी।

21 अक्टूबर, 2024 नीपा, नई दिल्ली 25–26 नवंबर, 2024 तक राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली द्वारा इनोवेटिव रिसर्च यूनिवर्सिटीज़ (आईआरयू) नेटवर्क, ऑस्ट्रेलिया और ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग के साथ मिलकर आयोजित कार्यशाला में भागीदारी।

2 दिसंबर, 2024 (सोमवार) को नीपा, नई दिल्ली में उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग, नीपा द्वारा आयोजित विश्वविद्यालयों के संकायाध्यक्षों और विभागाध्यक्षों के लिए नेतृत्व विकास कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में भाग लिया।

13 दिसंबर, 2024 को नीपा, नई दिल्ली में 9 दिसंबर से 13 दिसंबर, 2024 तक विश्वविद्यालयों के लिंग संवेदीकरण प्रकोष्ठों और आंतरिक शिकायत समितियों पर राष्ट्रीय कार्यशाला के सत्र की अध्यक्षता की।

17 दिसंबर, 2024 को नीपा, नई दिल्ली में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के युग में भारतीय ज्ञान प्रणालियों और सामुदायिक सहभागिता को जोड़ना– संभावनाएं, चुनौतियां और रास्ते पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के सत्र "आईकेएस और प्राचीन ज्ञान" की अध्यक्षता की।

06 जनवरी, 2025 को आयोजित विशिष्ट शिक्षण अक्षमताओं पर क्षमता निर्माण विकास कार्यक्रम (एसएलडी) के उद्घाटन सत्र में भाग लिया।

12 फरवरी, 2025 को इग्नू, नई दिल्ली में बाहरी मूल्यांकनकर्ता के रूप में पीएच.डी. शोधार्थी रिकिशा भौमिक के लिए मौखिक परीक्षा में भाग लिया।

20 फरवरी, 2025 को नीपा, नई दिल्ली में जिला स्तरीय शिक्षा अधिकारियों के लिए शैक्षिक प्रशासन में नेतृत्व पर कार्यशाला में "विद्यालय सुधार के लिए सामुदायिक भागीदारी" सत्र की अध्यक्षता की।

05 मार्च, 2025 को यूजीसी–मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, नीपा में यूजीसी–मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र में "शैक्षिक अनुसंधान और विकासः सहयोगात्मक अनुसंधान पर विशेष ध्यान" पर एक व्याख्यान देने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।

12 मार्च, 2025 को नीपा की 33वीं शैक्षणिक परिषद की बैठक में भाग लिया।

20 मार्च, 2025 को यूजीसी–मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र में "सामाजिक भूगोल और सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन" पर एक व्याख्यान देने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।

24 मार्च, 2025 को यूजीसी–मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र में "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में उच्च शिक्षा और समाज" पर एक व्याख्यान देने के लिए इलाहाबाद विश्वविद्यालय में यूजीसी–मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।

25 मार्च, 2025 को यूजीसी–मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र में "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में सहयोगात्मक अनुसंधान" पर एक व्याख्यान देने के लिए नीपा में यूजीसी–मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।

28 मार्च 2025 को "समान और समावेशी परिसरों का निर्माणः समान अवसर प्रकोष्ठ के माध्यम से परिवर्तन को सशक्त बनाना" पर व्याख्यान में भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय

25 जुलाई, 2024 को 18वें डब्ल्यूसीसीईएस सम्मेलन में "भारत में समावेशी विद्यालयी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए साझा शासन और सामूहिक कार्रवाइयों की प्रभावशीलताः एक सहभागी कार्रवाई अनुसंधान अध्ययन से अनुभवजन्य साक्ष्य" शीर्षक से एक आलेख प्रस्तुत किया।

2 से 7 सितंबर 2024 तक यूनाइटेड किंगडम के ससेक्स विश्वविद्यालय में शिक्षा और सामाजिक कार्य विद्यालय द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा शिक्षण और सीखने के मॉड्यूल में बुनियादी बातों पर एक कार्यशाला में भाग लिया।

9–10 सितंबर 2024 तक यू.के. के सेंट एंड्रयूज विश्वविद्यालय में कैसल क्लिफ, सेंट एंड्रयूज में शिक्षा में बड़े बदलाव के लिए अनुसंधान–अभ्यास साझेदारी पर कार्यशाला में भाग लिया।

5–7 नवंबर, 2024 तक मनीला, फिलीपींस में आयोजित तीन दिवसीय 'एशिया–प्रशांत में शैक्षिक योजना पर क्षेत्रीय सम्मेलनःसामान्य दृष्टिकोण और भविष्य की संभावनाएं' में भाग लिया।

कार्यशालाएं / सम्मेलन / प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (एमएमटीसी– कोड संख्या एमएम–राष्ट्रीय शिक्षा नीति / 14 / 2023) – 1 से 10 अप्रैल 2024।

भारत में विद्यालयों और बच्चों की विद्यालय की भागीदारी में सुधार के लिए अनुसंधान और नीति नियोजन पर पांच दिवसीय परामर्श बैठक 24–28 जून 2024 को नीपा, नई दिल्ली में आयोजित की गई।

आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और सोवा–रिग्पा महाविद्यालयों के प्राचार्यों के लिए शैक्षिक योजना और प्रशासन में एनसीआईएसएम और नीपा सहयोगात्मक क्षमता विकास कार्यक्रम, 8–12 जुलाई, 2024, नीपा, नई दिल्ली।

प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा की प्रोफेसर एमेरिटा और सिटी कॉलेज ऑफ़ न्यूयॉर्क में पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. अमिता गुप्ता द्वारा "विकासात्मक रूप से उपयुक्त अभ्यास (डीएपी) और वैश्विक कार्यान्वयन में चुनौतियाँ" पर संगोष्ठी, विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग द्वारा आईक्यूएसी के सहयोग से 4 दिसंबर 2024 को नीपा, नई दिल्ली में आयोजित की गई।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास कार्यक्रम एमएमटीटीसी–नीपा (एमएआर–ए–03390)– 20–28 मार्च, 2025।

प्रशिक्षण सामग्री एवं पाठ्यक्रम विकसित / संचालित

"भारत में विद्यालयों में सुधार और बच्चों की विद्यालय में भागीदारी बढ़ाने के लिए अनुसंधान और नीति नियोजन पर पांच दिवसीय परामर्श बैठक" विषय पर कार्यशाला के लिए प्रशिक्षण सामग्री विकसित की गई, जिसका आयोजन 24–28 जून 2024 को नीपा, नई दिल्ली में किया गया।

पीएच.डी.

- सीसी5: अनुसंधान पद्धति – II: गुणात्मक अनुसंधान पद्धति (पाठ्यक्रम प्रभारी) शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर. (कार्यक्रम अध्यक्ष प्रभारी)
- सेमेस्टर III: लिंग और शिक्षा [एस3ईसी526] (कोर्स प्रभारी)
- सेमेस्टर IV: तुलनात्मक शिक्षा और अंतर्राष्ट्रीय [एस4सीसी512] (सह–कोर्स प्रभारी)
- भौतिक सक्षमकर्ताओं के क्षेत्र में एक संस्थागत विकास योजना के विकास में सहायता प्रदान करी।
- शिक्षा मंत्रालय द्वारा सौंपे गए कार्य के अनुसार केंद्रीय विश्वविद्यालयों में "जीवन की सुगमता" के कार्यान्वयन के संबंध में एक अवधारणा पत्र में योगदान दिया।

अनुसंधान

"सामाजिक पूंजी और विद्यालय शिक्षा के अंतर्संबंधः एक अंतरराज्यीय तुलनात्मक अध्ययन" पर शोध अध्ययन पूरा किया और जून, 2024 में नीपा को शोध रिपोर्ट प्रस्तुत की।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

एएनटीआरआईईपी के लिए नीपा का केंद्र बिंदु और 2016 से एएनटीआरआईईपी न्यूज़लैटर के संपादक। वर्ष 2024–25 में निम्नलिखित अंको का संपादन किया गयाः

"विद्यालय स्तर पर निर्देशों की भाषा", खंड 29, अंक 1 जनवरी – जून 2023 (आईएसएसएन 0972–7507) मई, 2024 में प्रकाशित हुआ।

"बच्चों की पोषण संबंधी आवश्यकताओं और विद्यालय भोजन कार्यक्रमों को संबोधित करना", खंड 29, अंक 2 जुलाई–दिसंबर 2023 (आईएसएसएन 0972–7507) अक्टूबर, 2024 में प्रकाशित हुआ।

शिक्षण और मार्गदर्शन

पीएच.डी.

सीसी5: शोध पद्धति – II: गुणात्मक शोध पद्धति

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर

सेमेस्टर III: लिंग और शिक्षा [एस3ईसी526]

सेमेस्टर IV: तुलनात्मक शिक्षा और अंतर्राष्ट्रीय [एस4सीसी512]

एम.फिल/पीएच.डी. से सम्मानित

- सामाजिक संरचना, एजेंसी और आकांक्षाओं पर पीएच.डी.: ग्वालियर, मध्य प्रदेश के माध्यमिक विद्यालयों में किशोरियों का एक अध्ययन (24 फरवरी, 2025 में प्रदान किया गया)।

मार्गदर्शन में प्रस्तुत पीएच.डी.

- विद्यालयी शिक्षा में सामाजिक असमानताएँ: दिल्ली के चयनित विद्यालयों का एक अध्ययन।

मार्गदर्शन के अंर्तगत चल रहे पीएच.डी. अध्ययन

- विद्यालयों की निगरानी और पर्यवेक्षण की नीति तथा प्रथाएँ और छात्रों की भागीदारी पर इसका प्रभाव: महाराष्ट्र में सरकारी विद्यालयों का एक अध्ययन (जुलाई 2021– जुलाई 2024)।
- प्राथमिक विद्यालयों में मातृभाषा शिक्षा और छात्रों की भागीदारी: महाराष्ट्र के अमरावती जिले का एक अध्ययन।
- प्रारंभिक स्तर पर संस्कृति और शिक्षा के बीच अंतर्संबंधों की खोज: मणिपुर का एक केस स्टडी, अवधि: (जुलाई 2022–जुलाई 2025)।
- शासन और विद्यालय सुधार: हरियाणा के नूंह जिले का एक अध्ययन।
- बिहार के संदर्भ में आधारभूत स्तर पर शिक्षक दक्षताओं और प्रथाओं का अध्ययन।
- कक्षा I–VIII के छात्रों की शैक्षिक पहुँच और भागीदारी में निजीकरण की भूमिका: सिक्किम के गंगटोक जिले का एक केस अध्ययन।

नीपा में समितियों के सदस्य

पीजीडेपा संशोधन समिति, नीपा

प्रशिक्षण कार्यक्रम समिति, नीपा

आईक्यूएसी अध्यक्ष (प्रभारी) 01.09.2024 से 12.03.2025 तक, नीपा

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर, अध्यक्ष (प्रभारी) 01.09.2024 से 12.03.2025 तक, नीपा

कार्यक्रम सलाहकार समिति (पीएसी), सदस्य, नीपा

अकादमिक परिषद, सदस्य, नीपा

अध्ययन बोर्ड, सदस्य, नीपा

एनटीआरईईपी न्यूज़लेटर के लिए नीपा का एक केंद्र बिंदु और संपादक

नीपा के बाह्य प्रतिष्ठित निकायों की सदस्यता

भारतीय तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी (सीईएसआई) की आजीवन सदस्यता

दिल्ली स्थित एनजीओ एस्पायर इंडिया की सदस्यता

कोलकत्ता विश्वविद्यालय के भारतीय शैक्षिक अनुसंधान जर्नल के सलाहकार बोर्ड सदस्य

प्रणति पंडा

प्रकाशन

भारत में शिक्षक शिक्षा परिदृश्य: शासन और गुणवत्ता प्रबंधन। (2025)। प्रणति पंडा (संपादित), रूटलेज, टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप, एबिंगटन और न्यूयॉर्क। आईएसबीएन 9781041027461

पुस्तक में अध्याय

भारत में शासन और गुणवत्ता प्रबंधन को संचालित करना। भारत में शिक्षक शिक्षा परिदृश्य: शासन और गुणवत्ता प्रबंधन। (2025)। प्रणति पंडा (संपादित), रूटलेज, टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप, एबिंगटन और न्यूयॉर्क।

प्रकाशित शोध पत्र/लेख

सुधार के लिए मूल्यांकन: भारत में साक्ष्य–आधारित विद्यालय प्रदर्शन मूल्यांकन का मानचित्रण। (2024)। शिक्षण एवं मूल्यांकन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, ऑस्ट्रेलियाई शैक्षिक अनुसंधान परिषद, इंडोनेशिया।

भारत में योग्यता–आधारित शिक्षा का संस्थागतकरण। (2024)। योग्यता–आधारित शिक्षण और मूल्यांकन, सहोदय,

भारतीय विद्यालय शिक्षा बोर्ड परिषद (सीओबीएसई)। दिल्ली।

विश्वविद्यालयों में विकलांग व्यक्ति। (2024)। यूजीसी योजना, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और राष्ट्रीय शैक्षिक योजना संस्थान, दिल्ली का मूल्यांकन।

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

राष्ट्रीय

समान और समावेशी परिसरों का निर्माणः समान अवसर प्रकोष्ठ के माध्यम से परिवर्तन को सशक्त बनाना विषय पर एक सत्र की अध्यक्षता की और शैक्षणिक संस्थानों में समानता और समावेश पर अध्यक्षीय टिप्पणी, 28 मार्च, 2025, समान अवसर प्रकोष्ठ, नीपा।

24–26 मार्च, 2025 तक एसक्यूएएएफ विकसित करने के लिए आरएसईआरटी को विशेषज्ञ सहायता प्रदान की।

उच्च शिक्षा में विविधता और असमानता के प्रबंधन पर व्याख्यान दिया, शिक्षा और सतत विकास में अनुसंधान पर बहु–विषयक पुनश्चर्या कार्यक्रम, 17 से 29 मार्च, 2025, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल और नीपा, नई दिल्ली।

कार्यशाला में भाग लिया, यंग लाइव्स इंडिया, राउंड 7 लॉन्गीट्यूडिनल स्टडी (2002–2023) से प्रारंभिक निष्कर्षों का प्रसार, 20 मार्च, 2025, दिल्ली।

19 मार्च, 2025, नीपा, नई दिल्ली में के. कुमार की पी.एच.डी. मौखिक परीक्षा की अध्यक्षता की।

19 मार्च 2024, नीपा, नई दिल्ली, खगेश विजय सिंगनजुडे के लिए "माध्यमिक स्तर के छात्रों के बीच पहुंच और शैक्षिक परिणामों पर प्रौद्योगिकी एकीकरण का एक अध्ययन" पर आरएसी आंतरिक विशेषज्ञ सदस्य के रूप में भाग लिया।

19 मार्च 2025 (हाइब्रिड मोड) को बीआईएस की कोर कमेटी के सदस्य के रूप में उच्च शिक्षा, कौशल विकास और संबंधित सेवा अनुभागीय समिति (एसएसडी 04) की 13वीं बैठक में भाग लिया।

12 मार्च, 2025 को नीपा, दिल्ली में 33वीं अकादमिक परिषद की बैठक में सम्मानित सदस्य के रूप में भाग लिया।

7 मार्च 2025 को विश्व युवक केंद्र, तीन मूर्ति मार्ग, चाणक्यपूरी, नई दिल्ली में 'सभी महिलाएंः अधिकार, समानता और सशक्तिकरण' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मुख्य भाषण दिया।

6 मार्च, 2025, नीपा, नई दिल्ली में अध्ययन बोर्ड के सदस्य के रूप में भाग लिया।

11 फरवरी, 2025 को होटल द पार्क, नई दिल्ली में आयोजित शिक्षा उत्कृष्टता पुरस्कार 2025 में विशिष्ट अतिथि एवं वक्ता के रूप में भाग लिया।

मुख्य अतिथि के रूप में, "शिक्षक परिवर्तनकर्ता के रूप मेंः सतत विकास लक्ष्यों और समावेशी कक्षाओं को आगे बढ़ाना" विषय पर समापन भाषण दिया, सीटीपीडी–एसीई 2025ः दूसरा स्थापना दिवस, 8 फरवरी, 2025, विश्व युवक केंद्र, तीन मूर्ति मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली।

7 फरवरी, 2025 को सृष्टि भाटिया के प्री–सबमिशन सेमिनार की अध्यक्षता की, विकास और शिक्षा की राजनीतिक अर्थव्यवस्थाः असम की चाय जनजातियों का एक केस स्टडी, नीपा।

शोध सलाहकार समिति के बाहरी विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया – लोगों के विचलित सामाजिक–सांस्कृतिक व्यवहार को आकार देने में मानव मूल्य शिक्षा की भूमिका पर एक अध्ययनः मानविकी और सामाजिक विज्ञान, श्री सत्य साईं मानव उत्कृष्टता विश्वविद्यालय, 4 फरवरी, 2025, कर्नाटक।

4 फरवरी, 2025, नीपा में पबित्रा साहा के पूर्व–प्रस्तुतिकरण सेमिनार की अध्यक्षता की, जिसका विषय था, ओडिशा के आकांक्षी जिलों में शिक्षक नीतियों, गुणवत्ता और नेतृत्व का एक अध्ययन।

3–7 फरवरी, 2025 को नीपा, नई दिल्ली में कॉलेज प्राचार्यों के लिए उच्च शिक्षा में नेतृत्व विकास पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

20 फरवरी, 2025 को नीपा, नई दिल्ली में जिला स्तरीय शिक्षा अधिकारियों के लिए शैक्षिक प्रशासन में नेतृत्व पर कार्यशाला में भाग लिया।

एसएसडी 15–विद्यालय शिक्षा और संबंधित सेवाओं की अध्यक्षता की, 29 जनवरी, 2025, वर्चुअल मीटिंग, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), मानक भवन, नई दिल्ली।

29 जनवरी, 2025 को भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), एसएसडी 15 की विद्यालय शिक्षा एवं संबंधित सेवा अनुभागीय समिति की 10वीं बैठक की अध्यक्षता की।

अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा दिवस, 24 जनवरी, 2025, नीपा, नई दिल्ली में भाग लिया।

16 जनवरी, 2025, नीपा में शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के संशोधन हेतु बैठक में भाग लिया।

विद्यालय प्रदर्शन, प्रबंधन और मूल्यांकनः अंतर्राष्ट्रीय प्रथाओं पर विचार, 15 जनवरी, 2025, आईपीईए कार्यक्रम, नीपा, दिल्ली पर एक सत्र दिया।

7 जनवरी, 2025 को आईपीईए कार्यक्रम में शिक्षकों के व्यावसायिक विकास और प्रबंधन पर एक सत्र दिया गया। नीपा, दिल्ली।

06 जनवरी 2025 को शिक्षा मंत्रालय और नीपा द्वारा आयोजित ''विशिष्ट शिक्षण विकलांगता पर क्षमता निर्माण विकास कार्यक्रम'' (एसएलडी) में भाग लिया गया।

उच्च शिक्षा, कौशल विकास और संबंधित सेवा अनुभागीय समिति, एसएसडी 04, 08 जनवरी, 2025, बीआईएस, भारत सरकार की 12वीं बैठक के लिए एक प्रमुख सदस्य के रूप में भाग लिया।

"उच्च शिक्षा के माध्यम से सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करनाः चुनौतियाँ और प्रगति" पर एक व्याख्यान दिया, दो सप्ताह का ऑनलाइन बहु–विषयक पुनश्चर्या कार्यक्रम, 6–18 जनवरी, 2025।

"ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को सशक्त बनानाः महिला उद्यमी विकसित भारत की ओर अग्रसर हैं" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया, 7–8 फरवरी, 2025 (हाइब्रिड मोड), भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर एंड एसआरसी), हैदराबाद, भारत के साथ सहयोग।

शिक्षक शिक्षा सहित शिक्षा पर रिफ्रेशर कोर्स में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया, तथा 28 जनवरी, 2025 को "उच्च शिक्षा में विविधता और असमानता के प्रबंधन के लिए शिक्षक योग्यता" पर एक व्याख्यान दिया।

21 जनवरी से 17 फरवरी 2025 तक मिजोरम विश्वविद्यालय – यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) द्वारा आयोजित 12वें संकाय प्रेरण कार्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। "छात्र विविधता और समावेशी शिक्षा" पर 22 जनवरी, 2025 को एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

1–10 जनवरी 2025 तक निर्धारित राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित, 10 जनवरी, 2025 को "उच्च शिक्षा में विविधता और समावेशन के प्रति शिक्षक दक्षता" पर एक व्याख्यान दिया।

19–20 दिसंबर, 2024 को एससीईआरटी, दिल्ली के अनुसंधान प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित "समावेशी और टिकाऊ कक्षाओं का निर्माणः राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लिए आगे का रास्ता" विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र, मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया।

पाठ्यक्रम और शैक्षणिक नवाचारों पर सत्र की अध्यक्षता, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 युग में स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों और सामुदायिक सहभागिता को जोड़नाः संभावनाएं, चुनौतियां और रास्ते, 16–17 दिसंबर, 2024, नीपा, नई दिल्ली।

मुख्य अतिथि के रूप में, शिक्षण व्यवसाय और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर व्याख्यान दिया, 15 दिसंबर 2024 को वसंता कॉलेज (104वें दीक्षांत समारोह, बीएचयू के भाग के रूप में) का डिग्री वितरण समारोह, मालवीय मूल्य अनुशीलन केंद्र, वसंता महिला कॉलेज, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय के 104वें दीक्षांत समारोह, डिग्री वितरण समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया, तथा 14 दिसंबर, 2024 को वाराणसी में 'भारत में शिक्षक शिक्षा के परिप्रेक्ष्य' पर प्रतिभागियों और छात्रों को संबोधित किया।

9–13 दिसंबर, 2024 को नीपा, नई दिल्ली में विश्वविद्यालयों के लिंग संवेदीकरण प्रकोष्ठों और आंतरिक शिकायत समितियों पर राष्ट्रीय कार्यशाला की अध्यक्षता की और उसमें भाग लिया।

पाठ्यक्रम और शैक्षणिक नवाचार पर सत्र में भाग लिया और अध्यक्षता की, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 युग में स्वदेशी ज्ञान प्रणाली और सामुदायिक सहभागिता को जोड़ने पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, संभावनाएं, चुनौतियां और रास्ते, 16–17 दिसंबर, 2024, नीपा, दिल्ली।

कंबोडिया के सिविल सेवकों को संबोधित किया, कंबोडिया के सिविल सेवकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 4 दिसंबर, 2024, राष्ट्रीय सुशासन केंद्र (एनसीजीजी), कार्मिक मंत्रालय, लोक शिकायत और पेंशन, भारत सरकार और नीपा।

डॉ. अमिता गुप्ता, प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा की प्रोफेसर एमेरिटा और सिटी कॉलेज ऑफ़ न्यूयॉर्क में पूर्व विभाग अध्यक्ष, सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ़ न्यूयॉर्क (सीयूएनवाई), 4 दिसंबर, 2024, नीपा द्वारा 'विकासात्मक रूप से उपयुक्त अभ्यास (डीएपी) और वैश्विक कार्यान्वयन में चुनौतियाँ' पर आईक्यूएसी संगोष्ठी की अध्यक्षता की।

3 से 30 दिसंबर 2024 तक संबलपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 9वें संकाय प्रेरण कार्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। 27 दिसंबर, 2024 को "उच्च शिक्षा में विविधता और असमानता के प्रबंधन के लिए शिक्षक योग्यता" पर दो सत्रों के लिए व्याख्यान दिया।

16 से 26 दिसंबर 2024 तक आयोजित मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम – राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन) के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। 18 दिसंबर, 2024 को "उच्च शिक्षा में छात्र विविधता और समावेशन" पर व्याख्यान दिया।

16–17 दिसंबर, 2024 को नीपा, नई दिल्ली में आयोजित 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के युग में भारतीय ज्ञान प्रणालियों (आईकेएस) और सामुदायिक सहभागिता को जोड़नाः संभावनाएँ, चुनौतियाँ और रास्ते' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की।

22–23 नवंबर, 2024 को लद्दाख सरकार के विद्यालय शिक्षा विभाग में शिक्षार्थियों के निर्बाध संक्रमण की सुविधा के लिए संस्थानों और डीआईईटी में सुधार के माध्यम से संस्थानों में सुधार और अकादमिक संबंधों को मजबूत करने पर संसाधन व्यक्ति के रूप में लद्दाख शिक्षा सम्मेलन 2024 में भाग लिया और संबोधित किया।

15 नवंबर 2024, मुंबई (ऑनलाइन) में ईसीसी और शिक्षा के आधारभूत चरण पर स्टरलाइट एंड इंडिया फाउंडेशन की सलाहकार बोर्ड की बैठक में भाग लिया।

11 नवंबर, 2024 को भारतीय पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली में नीपा के नीपा रिसर्च स्कॉलर्स के पूर्व छात्र मिलन समारोह का समन्वयन, आयोजन और संबोधन किया तथा नीपा में शोध की गुणवत्ता बढ़ाने में पूर्व छात्र संघ की महत्वपूर्ण भूमिका पर व्याख्यान दिया।

6–7 नवंबर, 2024 को आंध्र प्रदेश में आईसीटी–सक्षम और एसटीईएम शिक्षा की शुरुआत करके विद्यालयों को स्मार्ट बनाने पर एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया, एसटीईएम शिक्षा के लिए रोड मैप को अंतिम रूप देने के लिए एसआरजी दलों और अन्य विषय दलों के साथ बातचीत की, समग्र शिक्षा, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश।

मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम – राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन) के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। उच्च शिक्षा में विविधता प्रबंधन और समावेशनः शिक्षक दक्षताएं पर व्याख्यान, 25 नवंबर 2024।

मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम – राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन) के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। 16 नवंबर, 2024 को "उच्च शिक्षा में विविधता और समावेशन का प्रबंधनः शिक्षक दक्षता" पर व्याख्यान दिया।

मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम – राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन) के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। 12 नवंबर, 2024 को "उच्च शिक्षा में विविधता और समावेशन का प्रबंधनः शिक्षक दक्षता" पर व्याख्यान दिया।

यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी), मिजोरम विश्वविद्यालय द्वारा 5 से 13 नवंबर 2024 तक आयोजित 18वें राष्ट्रीय शिक्षा नीति संवेदीकरण और अभिविन्यास कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। 8 नवंबर 2024 को "छात्र विविधता और समावेशी शिक्षा" पर व्याख्यान दिया।

शिक्षा में अग्रणी प्रौद्योगिकी के उपयोग पर व्याख्यान दिया तथा प्रतिभागियों से बातचीत की, 25 अक्टूबर, 2024, विघटनकारी डिजिटल प्रौद्योगिकियों पर क्षमता निर्माण कार्यक्रमः टीईआई में एकीकरण, 21–25 अक्टूबर, 2024, नीपा, नई दिल्ली।

03 अक्टूबर, 2024 को शिक्षा मंत्रालय और सीबीएसई, भारत सरकार, दिल्ली में सीबीएसई के वैश्विक विस्तार पर बैठक में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम – राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन) के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। 22 अक्टूबर, 2024 को "छात्र विविधता और समावेश" पर व्याख्यान दिया।

1 से 11 अक्टूबर 2024 तक आयोजित मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम – राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन) के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। 3 अक्टूबर, 2024 को "उच्च शिक्षा में विविधता और समावेशन के प्रति शिक्षक दक्षता" पर व्याख्यान दिया।

26–27 सितंबर, 2024 को श्री अरबिंदो सोसाइटी कैंपस, अढ़चीनी, दिल्ली में "समावेशी शिक्षा के लिए शिक्षक व्यावसायिक विकास" पर गोलमेज सम्मेलन के लिए विशेषज्ञ पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया।

विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफारिशों के अनुसार बी.वी.ओ.सी. कार्यक्रमों के चौथे वर्ष में पेश किए जाने वाले पाठ्यक्रमों को विकसित करने में भाग लिया, डॉ. बी.आर. अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली (एयूडी), 25 सितंबर, 2024, दिल्ली।

24 सितंबर, 2024, नीपा में संस्थागत विकास योजना पर बैठक में भाग लिया।

प्रबंधन बोर्ड के सदस्य के रूप में, 18 सितंबर, 2024 को प्रबंधन बोर्ड की बैठक में भाग लिया।

मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम – राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदनशीलता कार्यक्रम (ऑनलाइन) के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। 28 सितंबर, 2024 को "छात्र विविधता और समावेश" पर एक व्याख्यान दिया।

17 से 30 सितंबर 2024 तक आयोजित मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम – राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदनशीलता कार्यक्रम (ऑनलाइन) के अंतर्गत "शिक्षक शिक्षा में गुणवत्ता संबंधी चिंताएँ" पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। 24 सितंबर 2024 को 'छात्र विविधता और समावेश' पर एक व्याख्यान दिया।

पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ में मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम – राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदनशीलता कार्यक्रम (ऑनलाइन) के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। 20 सितंबर, 2024 को "शैक्षणिक नेतृत्व, शासन और प्रबंधन" पर व्याख्यान दिया।

मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम – राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन) के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। 28 अगस्त, 2024 को "छात्र विविधता और समावेशी शिक्षण अभ्यास" पर एक व्याख्यान दिया।

पीएच.डी. स्कॉलर्स 2024–25 के नए बैच के लिए एक मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया, पीएच.डी. कार्यक्रम और भारत में विद्यालयी शिक्षा के परिदृश्य पर एक व्याख्यान दिया, 15 जुलाई, 2024, नीपा, दिल्ली।

22 से 31 जुलाई 2024 तक आयोजित मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम – राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन) के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। 31 जुलाई, 2024 को "उच्च शिक्षा में विविधता और असमानता के प्रबंधन में शिक्षक योग्यता" पर एक व्याख्यान दिया।

मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम – राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन) के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। 29 जुलाई, 2024 को "छात्र विविधता और समावेशी शिक्षण अभ्यास" पर एक व्याख्यान दिया।

संबलपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम पर 4वें एफडीपी के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। 26 जुलाई, 2024 को "छात्र विविधता और समावेशी शिक्षण अभ्यास" पर व्याख्यान दिया।

मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम – राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन) के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। 22 जुलाई, 2024 को "उच्च शिक्षा में विविधता और समावेशन का प्रबंधन" पर व्याख्यान दिया।

12 से 20 जून 2024 तक संबलपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित तीसरे संकाय विकास कार्यक्रम के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। 19 जून, 2024 को "छात्र विविधता और समावेशी शिक्षण अभ्यास" पर व्याख्यान दिया।

संबलपुर विश्वविद्यालय द्वारा 12 से 20 जून 2024 तक आयोजित तीसरे संकाय विकास कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। 12 जून, 2024 को "छात्र विविधता और समावेशी शिक्षण अभ्यास" पर व्याख्यान दिया।

3 से 12 जून 2024 तक मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम – राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन) के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। 12 जून, 2024 को "उच्च शिक्षा में विविधता और असमानता के प्रबंधन में शिक्षक योग्यता" पर व्याख्यान दिया।

मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम – राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदनशीलता कार्यक्रम (ऑनलाइन) के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। 5 जून, 2024 को "छात्र विविधता और समावेश" पर एक व्याख्यान दिया।

20 से 30 मई 2024 तक मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम – राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदनशीलता कार्यक्रम (ऑनलाइन) के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। 27 मई, 2024 को "उच्च शिक्षा में विविधता और असमानता के प्रबंधन में शिक्षक योग्यता" पर एक व्याख्यान दिया।

मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम – राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन) आरआईई मैसूर के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित। 21 मई, 2024 को "छात्र विविधता और समावेशन" पर व्याख्यान दिया।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के मालवीय मिशन शिक्षक

प्रशिक्षण कार्यक्रम – राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन) के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। 13 मई 2024 को "छात्र विविधता और समावेशन" पर व्याख्यान दिया।

13 मई, 2024 को "विशिष्ट शिक्षण अक्षमताओं पर क्षमता निर्माण विकास कार्यक्रम" (एसएलडी) के उद्घाटन सत्र में भाग लिया।

मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम – राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास एवं संवेदनशीलता कार्यक्रम (ऑनलाइन) के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। 8 मई, 2024 को "छात्र विविधता और समावेश" पर व्याख्यान दिया।

1 से 10 मई 2024 तक आयोजित मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम – राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास एवं संवेदनशीलता कार्यक्रम (ऑनलाइन) के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। 6 मई, 2024 को "उच्च शिक्षा में विविधता और समावेश के प्रति शिक्षक दक्षता" पर व्याख्यान दिया।

1 से 10 अप्रैल 2024 तक आयोजित मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम – राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन) के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। 3 अप्रैल, 2024 को "उच्च शिक्षा में विविधता और समावेशन के प्रति शिक्षक दक्षता" पर व्याख्यान दिया।

2024–2025 के लिए राष्ट्रीय चयन समिति में भाग लेने के लिए विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित, फुलब्राइट टीचिंग एक्सीलेंस एंड अचीवमेंट (एफटीईए) कार्यक्रम, 29 अप्रैल, 2024, यूएसआईईएफ हाउस, 12 हैली रोड, नई दिल्ली।

16 अप्रैल, 2024 को नीपा में आयोजित शैक्षणिक परिषद की 32वीं बैठक में शैक्षणिक परिषद के सदस्य के रूप में भाग लिया।

13–14 अप्रैल, 2024 को रिलायंस फाउंडेशन, धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल विद्यालय (डीएआईएस), मुंबई में आयोजित 'उज्ज्वल भविष्य का निर्माण: सभी के लिए प्रारंभिक बचपन शिक्षा' नामक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया।

2 अप्रैल, 2024 को नीपा, नई दिल्ली में पीजीडेपा कार्यक्रम के संशोधन के लिए समिति के सदस्य के रूप में भाग लिया, पीजीडेपा पूर्व छात्र चर्चा बैठक

27 मार्च, 2024 को नीपा, दिल्ली में कार्यक्रम सलाहकार समिति की बैठक में भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय

28 मार्च, 2025 को ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग के प्रतिनिधियों के साथ एआईआरयू के कार्यकारी निदेशक के साथ ऑस्ट्रेलियाई अभिनव अनुसंधान विश्वविद्यालयों (एआईआरयू) की बैठक में भाग लिया, जिसमें नीपा और एआईआरयू के बीच सहयोग की संभावना पर चर्चा की गई।

26 मार्च, 2025, मिलानो, इटली (ऑनलाइन) में आईएसओ/टीसी 232/डब्ल्यूजी 6 "दूरस्थ और डिजिटल शिक्षण सेवाएं" में अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

डिजिटल समाज में शिक्षा की परिकल्पना पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया, 22–26 मार्च, 2025, तुलनात्मक और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा समिति, 'भारतीय विद्यालयों में डिजिटल प्रौद्योगिकियों के उभरते परिदृश्य: नीतियों, प्रथाओं और चुनौतियों का मानचित्रण' पर एक आलेख प्रस्तुत किया, शिकागो, यूएसए। (ऑनलाइन)।

'विद्यालय शिक्षा में मानक निर्धारण और विद्यालय गुणवत्ता आश्वासन' पर मुख्य वक्ता के रूप में भाषण, भूटान के विद्यालय प्रधानाचार्यों के लिए नेतृत्व कार्यक्रम, मानव संसाधन विकास केंद्र, 20 मार्च, 2025, एचआरडीसी, दिल्ली पब्लिक विद्यालय सोसाइटी।

18–19 मार्च, 2025, भारतीय पर्यावास केंद्र, नीपा, दिल्ली में उच्च शिक्षा में 21वीं सदी के नेतृत्व पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार की अध्यक्षता की और उसमें भाग लिया।

शिक्षण, छात्र और संकाय गतिशीलता, और संयुक्त अनुसंधान साझेदारी में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग स्थापित करने के लिए इनोवेटिव रिसर्च यूनिवर्सिटीज (आईआरयू) नेटवर्क, ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग और नीपा के साथ सहयोगी कार्यशाला के लिए प्रमुख विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया और योगदान दिया, 25–26 नवंबर, 2024, नीपा, नई दिल्ली।

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की और प्रारंभिक बचपन शिक्षा में शिक्षक प्रबंधन और विकास पर एक विशेषज्ञ पैनल के रूप में एक आलेख प्रस्तुत किया, गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक बचपन शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, 14–15 नवंबर, 2024, भारतीय पर्यावास केंद्र, नीपा, दिल्ली।

सुधार के लिए मूल्यांकन: भारत में साक्ष्य–आधारित विद्यालय प्रदर्शन मूल्यांकन का मानचित्रण। (2024)। अंतर्राष्ट्रीय शिक्षण एवं मूल्यांकन सम्मेलन, ऑस्ट्रेलियाई शैक्षिक अनुसंधान परिषद, इंडोनेशिया (बाली)।

पैनलिस्ट के रूप में, शासन, नीति और भागीदारी को नया आकार देने पर भाग लिया और प्रस्तुति दी, वैश्विक

नागरिकता शिक्षा पर 9वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जीसीईडी पर 9वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनः शिक्षाशास्त्र और अभ्यास पर मंच, 4–5 सितंबर, 2024, एशिया–प्रशांत अंतरर्राष्ट्रीय समझ शिक्षा केंद्र अंतर्राष्ट्रीय समझ (एपीसीईआईयू), यूनेस्को, सियोल, कोरिया।

6 मई, 2024 को दिल्ली पब्लिक विद्यालय के शिक्षकों के समक्ष "रचनात्मक मूल्यांकनः परिवर्तन की प्रक्रिया" पर व्याख्यान दिया और परस्पर संवादात्मक सत्रों का नेतृत्व किया गया।

एसईएल और डीपी, यूनेस्को एमजीआईईपी और एसएसीटीडी श्रीलंका पर शिक्षक क्षमता विकास पहल पर बैठक में भाग लिया, 25 अप्रैल, 2024. (ऑनलाइन)।

कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

दक्षिणी क्षेत्र में शिक्षक शिक्षा में परिवर्तन के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन पर क्षेत्रीय परामर्श कार्यशाला, शिक्षा विद्यालय, पुडुचेरी विश्वविद्यालय के सहयोग से, 27–28 फरवरी, 2025। नीपा और पुडुचेरी विश्वविद्यालय।

कार्यक्रम निदेशक, मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम – राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन), 16–26 दिसंबर, 2024, नीपा, नई दिल्ली।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के साथ संरेखित शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम और शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों (एनपीएसटी) में परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्यशाला, नीपा और एनसीटीई का सहयोगी कार्यक्रम, 12–13 सितंबर, 2024, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए), नई दिल्ली।

कार्यक्रम निदेशक, मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम – राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन), 22– 31 जुलाई, 2024, नीपा, नई दिल्ली।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/संचालित

सेमिनार और कार्यशाला के लिए प्रशिक्षण सामग्री विकसित

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप 'शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम में परिवर्तन और शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनपीएसटी)' पर विस्तृत सूचना मार्गदर्शिका विकसित की गई, 2024, नीपा और एनसीटीई का सहयोगात्मक कार्यक्रम।

शिक्षक शिक्षा में परिवर्तन के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन' पर विस्तृत दिशानिर्देश विकसित किया गया, 2025, दक्षिणी क्षेत्र के लिए क्षेत्रीय कार्यशाला।

एम.एड कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम विकसित और संचालित

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर में प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम का विकास, समन्वय और कार्यान्वयन किया गया।

- शिक्षा और विकास (सेमेस्टर–II)
- तुलनात्मक और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा (सेमेस्टर IV)

पीएच.डी. कार्यक्रम के लिए विकसित/प्रवर्तित पाठ्यक्रम

कोर कोर्स (सीसी–2) "भारत में शिक्षा", पीएच.डी. कार्यक्रम, नीपा को संशोधित और विकसित किया।

कोर कोर्स (सीसी–2) "भारत में शिक्षा", पीएच.डी. कार्यक्रम, नीपा के लिए पाठ्यक्रम समन्वयक।

वैकल्पिक पाठ्यक्रम (ओसी–3) 'अंतर्राष्ट्रीय और तुलनात्मक शिक्षा', पीएच.डी. कार्यक्रम, नीपा को संशोधित और विकसित किया।

वैकल्पिक पाठ्यक्रम (ओसी–3) 'अंतर्राष्ट्रीय और तुलनात्मक शिक्षा', पीएच.डी. कार्यक्रम, नीपा के लिए पाठ्यक्रम समन्वयक।

वैकल्पिक पाठ्यक्रम (ओसी–14) 'शिक्षकों का व्यावसायिक विकास और प्रबंधन', पीएच.डी. कार्यक्रम, नीपा को संशोधित और विकसित किया।

वैकल्पिक पाठ्यक्रम (ओसी–14) 'शिक्षकों का व्यावसायिक विकास और प्रबंधन', पीएच.डी. कार्यक्रम, नीपा के लिए पाठ्यक्रम समन्वयक।

अनुसंधान

भारत में शिक्षक शिक्षा के प्रशासन, विनियमन और गुणवत्ता आश्वासन का एक अध्ययन', 2025, नीपा पर अंतिम शोध/परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत की।

रिपोर्ट के अंतर्गत अवधि के दौरान सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

- अध्यक्ष, विद्यालय शिक्षा क्षेत्र, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), भारत सरकार, दिल्ली।

दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, उत्कल विश्वविद्यालय, उस्मानिया विश्वविद्यालय, बरहामपुर विश्वविद्यालय, संबलपुर विश्वविद्यालय आदि के 8 पीएच.डी. शोध प्रबंधों के लिए बाह्य मूल्यांकनकर्ता और परीक्षक।

अंतर्राष्ट्रीय समीक्षक, उच्च शिक्षा में शिक्षण और अधिगम की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका।

अंतर्राष्ट्रीय समीक्षक, शिक्षा और समाज में समानता, एसएजीई।

अंतर्राष्ट्रीय समीक्षक, तुलनात्मक और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा सोसायटी, संयुक्त राज्य अमेरिका।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

शिक्षण और मार्गदर्शन

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर कार्यक्रम में शिक्षण

- शिक्षा और विकास (सेमेस्टर–II)
- तुलनात्मक और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा (सेमेस्टर IV)

शिक्षण अनुसंधान कार्यक्रम (पीएच.डी. पाठ्यक्रम)

- शिक्षण कोर पाठ्यक्रम (सीसी–2) "भारत में शिक्षा", पीएच.डी. कार्यक्रम, नीपा।

पीएच.डी. से सम्मानित

- कुमार, के. (2025)। कर्नाटक में शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के लिए डीआईईटी की परिवर्तनकारी भूमिका, नीपा, नई दिल्ली।

मार्गदर्शन के अंतर्गत प्रस्तुत पीएच.डी. अध्ययन

- ट्विंकल पांडा, पीएच.डी. शोधार्थी, संस्थागत शासन और माध्यमिक शिक्षक शिक्षा की गुणवत्ता आश्वासन

मार्गदर्शन के अंतर्गत पीएच.डी. अध्ययन

सृष्टि भाटिया, पीएच.डी. शोधार्थी, आदिवासियों पर सामाजिक–स्थानिक शैक्षणिक सिद्धांतों की खोजः असम की चाय जनजातियों का एक केस अध्ययन।

पबित्र साहा, पीएच.डी. शोधार्थी, ओडिशा के आकांक्षी जिलों में शिक्षक नीति, गुणवत्ता और नेतृत्व का एक अध्ययन।

शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा)

जी.डब्ल्यू. देदुनु चंदिमा डी सिल्वा, श्रीलंका में विद्यालय–आधारित व्यावसायिक शिक्षक विकास कार्यक्रमों के प्रभावी संचालन के माध्यम से छात्र शिक्षा का विकास। (2024)। शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा)।

नीपा में समितियों के सदस्य

पीजीडेपा संशोधन समिति, नीपा

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी), नीपा के सदस्य

सदस्य, स्थायी सलाहकार समिति, नीपा

सदस्य, योजना और निगरानी समिति, नीपा

अध्यक्ष, छात्र परामर्श केंद्र, नीपा

सदस्य, आवास आवंटन समिति, नीपा

नीपा के बाह्य प्रतिष्ठित निकायों की सदस्यता

अध्यक्ष, सामाजिक क्षेत्र विकास, विद्यालय शिक्षा, बीआईएस, भारत सरकार।

सदस्य, सामाजिक क्षेत्र विकास, उच्च शिक्षा और कौशल विकास, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), नई दिल्ली।

कार्यकारी बोर्ड के सदस्य, विद्यालय शिक्षा बोर्ड परिषद (सीओबीएसई), नई दिल्ली।

भारतीय तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी (सीईएसआई), नई दिल्ली की आजीवन सदस्यता।

एससीईआरटी, नई दिल्ली के कार्यक्रम सलाहकार बोर्ड के सदस्य।

सदस्य, विद्यालय प्रभावशीलता और सुधार पर अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस।

सदस्य, भारतीय अध्यापक शिक्षक संघ।

संस्थापक सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा अनुसंधान मंच (आईआरओआरई)।

सदस्य, पूर्व छात्र संघ, केंद्रीय शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली।

आजीवन सदस्य, अखिल भारतीय शैक्षिक अनुसंधान संघ।

बाह्य विशेषज्ञ, अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी), भारतीय अध्यापक शिक्षा विश्वविद्यालय, गांधी नगर, गुजरात।

बाह्य विशेषज्ञ, अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी), श्री सत्य साई विद्यानिकेतन, कर्नाटक।

रस्मिता दास स्वाँइ

प्रकाशन

इलियास, एम और स्वैन आर.डी. (2024)। शांति शिक्षा अभास संबंधो धारणाएं और शैक्षिक परिदृश्य की पड़तालः कश्मीर के हवाले से। परिपेक्ष्य। 30(2)। नीपा। आईएसएसएन 0972–7515

कौर, एच. और स्वैन, डी.आर. (2024)। विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों की शिक्षा को बदलने के लिए मार्गः भारतीय अनुभव और सीख, समाचार पत्र जिसका शीर्षक है "विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों की शिक्षा", खंड 28 संख्या 2 जुलाई – दिसंबर 2022 (आईएसएसएन 0972–7507) मार्च 2024 में प्रकाशित, एशियाई नेटवर्क ऑफ ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूशंस इन एजुकेशनल प्लानिंग (एएनटीआरआईईपी) द्वारा संपादकीय प्रकाशित।

रॉय, एस. और स्वाँइ, डी.आर. (2024)। विद्यालय नेतृत्वः भारत में छात्र परिणाम के लिए मार्ग। जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड सोसाइटी, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पुणे। आईएसएसबीएन नं. 2278– 6864. (प्रिंट में)।

स्वाँइ, डी. आर., सिंह, एस. एम., पांडे, एम., और सिंह, ए. (2024)। बोर्ड परीक्षा के वर्ष में तनाव और शैक्षणिक प्रदर्शन में लैंगिक प्रभावः मात्रात्मक और गुणात्मक दृष्टिकोण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी, 12(3), 3395–3412। https://doi.org/10.25215/1203.331

पांडे, मानसी और स्वाँइ, डी.आर. (2024)। मातृभाषा केंद्रित आधारभूत शिक्षण और विकास के लिए नए प्रतिमान बनाना, नवंबर 2024 में प्रकाशित "विद्यालय स्तर पर शिक्षण की भाषा" नामक समाचार पत्र, शैक्षिक नियोजन में प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थानों का एशियाई नेटवर्क (एएनटीआरआईईपी) द्वारा प्रकाशित संपादकीय।

इलियास, एम., स्वाँइ, आर. डी., और हामिद, एम. (2024)। सांस्कृतिक प्रतिबिंबः कश्मीर में संघर्ष की स्थितियों और कोविड–19 के बाद शिक्षा और नेतृत्व की पुनर्कल्पना। मानविकी और सामाजिक विज्ञान अध्ययन, 13(1), 97–111.

स्वाँइ डी. आर., और रॉय, एस. (2024). भारत में आदिवासी आश्रम विद्यालयों का प्रदर्शनः विद्यालय गुणवत्ता नीति कार्यान्वयन पहल को समझना. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी, 12(3), 2348–5396.

रॉय, एस., स्वाँइ, डी. आर और सरकार, के (2024). "विद्यालय प्रदर्शन में सुधारः राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय परिप्रेक्ष्य," मित्तल एम., गुप्ता. पी जैन. एम(सं), विकसित भारत 2047 के लिए स्थिरता, आईएसबीएनः 978–81–979900–6–9.

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

आलेख प्रस्तुत

सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा 8–9 अप्रैल 2024 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन "शिक्षक और शिक्षणः व्यावसायिकता, आलोचनात्मक सोच और चिंतनशील शिक्षाशास्त्र का निर्माण" में 'भारत में शिक्षक शिक्षा में प्रतिमान बदलाव और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के गुणवत्ता एजेंडे को संरेखित करना' पर एक आलेख प्रस्तुत किया।

रॉय, एस., स्वाँइ, डी. आर और सरकार, के (2024)। "विद्यालय के प्रदर्शन में सुधारः राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय परिप्रेक्ष्य," 16 से 18 अक्टूबर 2024 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के अंर्तगत लेडी इरविन कॉलेज के संसाधन प्रबंधन और डिजाइन अनुप्रयोग विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन 2024 "विकसित भारत 2047 के लिए स्थिरता" में प्रस्तुत किया गया, जिसे एम3एम फाउंडेशन, लेडी इरविन कॉलेज और एलआईसीएए द्वारा प्रायोजित किया गया।

सरकार, के. और स्वाँइ, डी. आर. (2024)। "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता प्राप्त करनाः रणनीतियाँ और चुनौतियाँ" 2024 में एक राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया शोधपत्र "नीति से अभ्यासः आधारभूत चरण को नेविगेट करना" प्रारंभिक बचपन शिक्षा और विकास संघ (एईसीईडी) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रारंभिक वर्ष सम्मेलन 8 नवंबर से 9 नवंबर 2024 के दौरान राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान विश्वविद्यालय के सहयोग से प्रस्तुत किया गया।

कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

23 और 24 सितंबर, 2024 को उपकरण को अंतिम रूप देने के लिए "भारत में गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा के लिए शासन, प्रबंधन और नेतृत्वः अनुभव और सीख" पर परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/संचालित

भारतीय पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित "गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षाः वैश्विक प्रभाव के लिए स्थानीय कार्रवाई" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए एक सूचना विवरणिका विकसित की गई।

आईडेपा और डेपा प्रतिभागियों के लिए शिक्षण सामग्री।

पीएच.डी. छात्रों को पढ़ाए जाने वाले अनुसंधान पद्धति और मानव विकास के क्षेत्रों के लिए शिक्षण सामग्री।

एमएमटीटीसी के प्रतिभागियों के लिए शिक्षण सामग्री का संकलन।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

अन्य संस्थानों को उनके एमएमटीटीसी और कर्मचारियों के विकास में सहायता प्रदान करना।

दिल्ली विश्वविद्यालय से "विलय के बाद कर्मचारी संगठनात्मक पहचान के सहसंबंधों का अध्ययन" शीर्षक से पीएच.डी. थीसिस का मूल्यांकन।

12 मार्च 2025 को आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 की पृष्ठभूमि में दिल्ली के विद्यालयों के लिए शाला सिद्धि ढांचे को संरेखित करने वाली शोध परियोजना के संबंध में चौथी विशेषज्ञ समूह बैठक के सदस्य।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

भारतीय विश्वविद्यालयों/कॉलेजों के 50 से अधिक शिक्षकों के लिए नीपा, नई दिल्ली में यूजीसी, मालवीय मिशन–शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएम–टीटीपी) के अंतर्गत 24 फरवरी से 21 मार्च, 2025 तक संकाय प्रेरण कार्यक्रम (एफआईपी) (मिश्रित मोड) के लिए संसाधन व्यक्ति।

उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग, नीपा द्वारा कॉलेज प्राचार्यों के लिए उच्च शिक्षा में नेतृत्व विकास पर राष्ट्रीय कार्यशाला (3–7 फरवरी, 2025, नीपा, नई दिल्ली में) के उद्घाटन सत्र में भाग लिया।

प्रभावी नेतृत्व और तनाव प्रबंधन समय की प्राथमिकता के लिए प्रबंधन पर आईडेपा कार्यक्रम में सत्र दिए।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित महिला नेतृत्व कार्यक्रम में भाग लिया।

एनटीपीसी में प्रतिभा विकास के लिए नेतृत्व क्षमताएँः नेता–अधीनस्थ दृष्टिकोण पर रिपोर्ट तैयार की।

नीपा के बाह्य प्रतिष्ठित निकायों की सदस्यता

शिक्षण और मार्गदर्शन

पीएच.डी. पाठ्यक्रम कार्य

सीसी1: भारत में शिक्षा और शिक्षा पर परिप्रेक्ष्य

सीसी2: शोध पद्धति–I (पाठ्यक्रम समन्वयक)

सीसी5: शोध पद्धति–II: गुणात्मक और मात्रात्मक शोध पद्धति

सीसी8: अकादमिक लेखन, शोध नैतिकता और प्रकाशन

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर

सेमेस्टर 521: मानव विकास

सेमेस्टर एलसी 531: विकासात्मक संदर्भों में एक विस्तारित निबंध लिखना

एम.फिल/पीएच.डी. से सम्मानित

सम्मानित

"कश्मीर में विद्यालय प्रबंधन पर सशस्त्र संघर्ष के प्रभावः राज्य और गैर–राज्य अभिनेतृत्वकर्ताओं को समझना" परिप्रेक्ष्य, मोहम्मद इलियास द्वारा (08.08.2024)

प्रस्तुत

"हरियाणा के सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों में समावेशी संस्कृति और छात्र विकास के लिए संस्थागत प्रशासन और प्रबंधन के संदर्भ में विकलांग छात्रों के अनुभवों पर एक अध्ययन" हरलीन कौर द्वारा।

"विद्यालय परिवर्तन के मार्गः भारतीय विद्यालय और उनकी कहानियाँ" श्री सोमनाथ रॉय द्वारा।

जारी

"गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) के सार्वभौमिक प्रावधान के लिए अभिसरण शासन और प्रबंधन" मानसी पांडे द्वारा।

"प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा के लिए शिक्षक तैयारी की राजनीतिक अर्थव्यवस्था" अंजिता सिंह द्वारा।

"आकांक्षी जिले कोरापुट में बहुभाषी शिक्षाः शिक्षक क्षमता और जनजातीय छात्र परिणामों को समझना" अश्विनी अजगर द्वारा।

"हितधारकों की जवाबदेही के माध्यम से आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मकता प्राप्त करनाः ओडिशा में साक्ष्य–आधारित जांच" कंचन सरकार द्वारा।

"भारत में युवाओं के रोजगार कौशल और छात्र कल्याणः एक साक्ष्य–आधारित बहुक्रियात्मक जांच" आकांक्षा राय द्वारा।

अनुसंधान परियोजना

शोध प्रस्ताव का शीर्षक है "भारत में गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा के लिए शासन, प्रबंधन और नेतृत्वः अनुभव और सीख"। परियोजना 4 दिसंबर, 2023 को शुरू हुई।

नीपा के विभिन्न शैक्षणिक निकायों के सदस्य के रूप में योगदान

संचालन समिति सदस्य

पीएच.डी. विनियमन, प्रॉस्पेक्टस का विकास

परामर्श और संसाधन सृजन समिति (सीएंडआरजी), फरवरी 2023

छात्र परामर्श के सदस्य

एम.फिल/पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा और मूल्यांकन समिति के सदस्य

सदस्य, विभाग सलाहकार समिति, विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग, नीपा

नीपा वृत्तचित्र फिल्म के सदस्य

आईक्यूएसी की पहल के अंतर्गत नीपा की द्विवार्षिक समाचार पत्र समिति के सदस्य

जनवरी, 2023 में शैक्षिक शोध में नैतिक प्रथाओं पर दिशानिर्देश तैयार करने के लिए सदस्य

13–14 अक्टूबर 2022 को एनएएसी में दस्तावेज़ीकरण के लिए शैक्षणिक समर्थन

21 अक्टूबर, 2022 को नीपा द्वारा आयोजित वार्षिक दीक्षांत समारोह कार्यक्रम में भाग लिया।

संकाय स्क्रीनिंग समिति

नीपा के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के सदस्य के रूप में नामित

विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग, नीपा की विभागीय सलाहकार समिति के सदस्य

एम.फिल. एवं पीएच.डी. कार्यक्रम के आवेदनों की जांच के लिए समिति के सदस्य

एम.फिल. एवं पीएच.डी. कार्यक्रम के लिखित परीक्षा स्क्रिप्ट के मूल्यांकन के लिए समिति के सदस्य

आईक्यूएसी की पहल के अंतर्गत नीपा की द्विवार्षिक समाचार पत्र समिति के सदस्य।

अखिल भारतीय शैक्षिक अनुसंधान संघ (एआईएईआर) भुवनेश्वर की आजीवन सदस्यता।

भारतीय शिक्षक शिक्षक संघ (आईएटीई) पटना की आजीवन सदस्यता

अमेरिकन एजुकेशनल रिसर्च एसोसिएशन (एईआरए) वाशिंगटन, डीसी की आजीवन सदस्यता

भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन कोलकाता के सदस्य

तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी ऑफ इंडिया (सीईएसआई) के आजीवन सदस्य, विश्व कांग्रेस ऑफ तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी नई दिल्ली से संबद्ध।

अखिल भारतीय अध्यापक शिक्षक संघ (एआईएटीई) नई दिल्ली के आजीवन सदस्य।

पीजीडेपा संशोधन समिति, नीपा

प्रशिक्षण कार्यक्रम समिति, नीपा

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर समिति, नीपा

नीपा, नई दिल्ली की अकादमिक परिषद के सदस्य

नीपा, नई दिल्ली के अध्ययन ई–बोर्ड के सदस्य

नीपा, ई–डॉक्टरेट कार्यक्रम समिति के सदस्य

नीपा के बाह्य प्रतिष्ठित निकायों की सदस्यता

आजीवन सदस्य, भारतीय विज्ञान कांग्रेस

सदस्य, भारतीय अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान संघ, चेन्नई

सदस्य, राष्ट्रीय मनोविज्ञान अकादमी, नई दिल्ली

आजीवन सदस्य, अखिल भारतीय शैक्षिक अनुसंधान संघ, भुवनेश्वर, भारत

राष्ट्रीय मनोविज्ञान अकादमी, नई दिल्ली, सदस्य

भारतीय तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी (सीईएसआई), नई दिल्ली, सदस्य

भारतीय विद्यालय मनोविज्ञान संघ, सदस्य

भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन, कलकत्ता, सदस्य

भारतीय सकारात्मक मनोविज्ञान एसोसिएशन, नई दिल्ली, सदस्य

प्राची क्रॉस–कल्चरल साइकोलॉजी एसोसिएशन, मेरठ, सदस्य

राष्ट्रीय मानव संसाधन विकास नेटवर्क, हैदराबाद; भारतीय प्रशिक्षण एवं विकास सोसायटी, नई दिल्ली, सदस्य

भारतीय खेल मनोविज्ञान संघ, पटियाला, सदस्य।

प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा एवं विकास एसोसिएशन (एईसीईडी), मुंबई, सदस्य।

आजीवन सदस्य – एनएओपी, आईएएपी, सीईएसआई, एआईएईआर

सदस्य, पूर्व छात्र संघ, जेएनयू और दिल्ली विश्वविद्यालय नई दिल्ली।

अमित गौतम

प्रकाशन

"कृत्रिम बुद्धिमता – शिक्षा के विशेष संदर्भ में संभावनाएँ और चुनौतियाँ" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित, परिप्रेक्ष्य–एक हिंदी जर्नल। यूजीसी केयर सूचीबद्ध जर्नल, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित।

"राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में मिश्रित शिक्षाः परिवर्तनकारी शिक्षा का मार्ग" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित किया, शिक्षा और समाज, यूजीसी केयर लिस्टेड जर्नल, अप्रैल–जून 2024, अंक संख्या 03, आईएसएसएन 2278–6864, पृष्ठ संख्या 437–445 भारतीय शिक्षा संस्थान, पुणे द्वारा प्रकाशित।

नई दिल्ली पब्लिशर्स, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित संपादित पुस्तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: उच्च शिक्षा में कार्यान्वयन, पृष्ठ 11–18 में "शिक्षा में प्रौद्योगिकी का एकीकरण डिजिटल भारत की दिशा में एक क्रांतिकारी कदमः राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का विजन" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित किया। आईएसबीएन 9788119006823।

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त संस्था, संस्थागत नेतृत्व और प्रबंधन में डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए "कार्य अनुसंधान का अर्थ और अवधारणा" शीर्षक से मॉड्यूल विकसित और प्रकाशित किया गया।

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त संस्थान, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, संस्थागत नेतृत्व और प्रबंधन में डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए "कार्य अनुसंधान की पद्धति" शीर्षक से मॉड्यूल विकसित और प्रकाशित किया गया।

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

1–3 अप्रैल, 2024 के दौरान राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा में नवाचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्य समिति के सदस्य के रूप में भाग लिया। इसके लिए 01–03 अप्रैल, 2024 को बैठक आयोजित की गई तथा 2 अप्रैल, 2024 को "ओडीएल में समावेशी पहुंच, समानता और गुणवत्ता" विषय पर तकनीकी सत्र में सह–अध्यक्षता की गई।

कार्यशाला का आयोजन विघटनकारी डिजिटल प्रौद्योगिकियों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रमः टीईआई में एकीकरण, 21– 25 अक्टूबर, 2024, नीपा, नई दिल्ली में कार्यक्रम समन्वयक के रूप में किया गया।

30 सितंबर से 10 अक्टूबर तक नीपा नई दिल्ली द्वारा "राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदनशीलता" के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित, 8 अक्टूबर 2024 को संसाधन व्यक्ति के रूप में "सूचना और संचार प्रौद्योगिकी" शीर्षक सत्र का आयोजन और व्याख्यान दिया।

1–11 अक्टूबर 2024 तक नीपा नई दिल्ली द्वारा आयोजित "राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदनशीलता, यूजीसी मालवीय मिशन–शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (यूजीसी एमएमटीटीसी) के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया और 8 अक्टूबर 2024 को संसाधन व्यक्ति के रूप में "सूचना और संचार प्रौद्योगिकी" शीर्षक सत्र को प्रस्तुत किया।

24 सितंबर से 04 अक्टूबर 2024 तक यूजीसी मालवीय मिशन–शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (यूजीसी एमएमटीटीसी), इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) द्वारा आयोजित 18वें राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदनशीलता कार्यक्रम के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया और 01 अक्टूबर, 2024 को संसाधन व्यक्ति के रूप में "उच्च शिक्षा संस्थानों में सूचना संचार और प्रौद्योगिकी का एकीकरण" शीर्षक सत्र को संबोधित किया।"

यूजीसी मालवीय मिशन–शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (यूजीसी एमएमटीटीसी), नीपा द्वारा 21 अक्टूबर से 30 अक्टूबर, 2024 तक आयोजित 18वें राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया और 29 अक्टूबर, 2024 को संसाधन व्यक्ति के रूप में "उच्च शिक्षा में डिजिटल पहल" शीर्षक सत्र को संबोधित किया।

यूजीसी मालवीय मिशन–शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (यूजीसी एमएमटीटीसी), इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) द्वारा 14 से 24 अक्टूबर, 2024 तक आयोजित 18वें राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया और 29 अक्टूबर, 2024 को संसाधन व्यक्ति के रूप में "उच्च शिक्षा संस्थानों में सूचना संचार और प्रौद्योगिकी का एकीकरण" शीर्षक सत्र को संबोधित किया।

आईआईआईटीडीएम, कांचीपुरम में 18 से 19 अक्टूबर, 2024 तक मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत आईआईआईटीडीएमए कांचीपुरम में दक्षिणी क्षेत्र के एमएमटीटीसी के साथ क्षेत्रीय कार्यशाला में नामांकित और भाग लिया।

14 अक्टूबर से 20 अक्टूबर, 2024 तक आयोजित 'नए युग के लिए शिक्षण रणनीति' पर एफडीपी के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। वाईसीएमओयू के प्रो. राम तकवाले रिसर्च सेंटर के सहयोग से के. के. वाघ कॉलेज ऑफ एजुकेशन, नासिक में आयोजित एक कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में 17 अक्टूबर, 2024 को "उच्च शिक्षा में डिजिटल पहल" शीर्षक से सत्र को संबोधित किया।

मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एमएमटीटीसी–एसआरसीसी, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 13वें राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित। सत्र II में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी शीर्षक से सत्र को संबोधित किया।

12–21 नवंबर 2024 तक नीपा नई दिल्ली द्वारा "राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण, यूजीसी मालवीय मिशन–शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (यूजीसी एमएमटीटीसी)" के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया और 29 नवंबर 2024 को संसाधन व्यक्ति के रूप में "सूचना और संचार प्रौद्योगिकी" शीर्षक सत्र का आयोजन और व्याख्यान दिया।

11 नवंबर से 25 नवंबर, 2024 तक यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, नीपा के अंतर्गत "एक सतत भविष्य के लिए ज्ञान को आगे बढ़ाने में अनुसंधान पद्धति पर दो सप्ताह के ऑनलाइन रिफ्रेशर कार्यक्रम" के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया और 22 नवंबर 2024 को संसाधन व्यक्ति के रूप में "डिजिटल युग में अनुसंधान नैतिकताः सॉफ्टवेयर के माध्यम से साहित्यिक चोरी का पता लगाना और रोकथाम" विषय पर सत्र को संबोधन।

14–15 नवंबर, 2024 को गुलमोहर हॉल, भारतीय पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली में गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षाः वैश्विक प्रभाव के लिए स्थानीय कार्य पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया, जिसका आयोजन विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली द्वारा किया गया।

11 नवंबर, 2024 को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के शुभ अवसर पर राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली द्वारा 12 नवंबर 2024 तक भारतीय पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित 15वें मौलाना आज़ाद स्मृति व्याख्यान में भाग लिया।

21 अक्टूबर–21 नवंबर, 2024 तक यूजीसी मालवीय मिशन–शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (यूजीसी एमएमटीटीसी), तेजपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित " ऑनलाइन संकाय प्रेरण कार्यक्रम" के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया और 12 नवंबर 2024 को संसाधन व्यक्ति के रूप में "मिश्रित शिक्षण के लिए परस्पर संवादात्मक सहयोगी शिक्षण उपकरण" शीर्षक सत्र दिया।

यूजीसी मालवीय मिशन–शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (यूजीसी एमएमटीटीसी), मिजोरम विश्वविद्यालय द्वारा 5 नवंबर 2024 से 13 नवंबर 2024 तक आयोजित 18वें राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया और 13 नवंबर 2024 को संसाधन व्यक्ति के रूप में "उच्च शिक्षा में डिजिटल पहल" शीर्षक सत्र को संबोधित किया।

7 मार्च 2025 को इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर टीचर एजुकेशन, बीएचयू, वाराणसी द्वारा आयोजित किए जा रहे प्रशिक्षकों के प्रशिक्षणः शिक्षण–अधिगम और अनुसंधान में एआई का एकीकरण पर छह दिवसीय व्यावसायिक विकास कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।

कार्यशालाएं / सम्मेलन / प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

01–10 अप्रैल, 2024 को उप–निदेशक के रूप में यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, नीपा के अंतर्गत राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदनशीलता कार्यक्रम का आयोजन किया।

01–10 अप्रैल, 2024 को उप–निदेशक के रूप में यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, नीपा के अंर्तगत राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदनशीलता कार्यक्रम का आयोजन किया।

01–10 मई, 2024 को उप–निदेशक के रूप में यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, नीपा के अंर्तगत राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदनशीलता कार्यक्रम का आयोजन किया।

20–30 मई, 2024 को उप–निदेशक के रूप में यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, नीपा के अंर्तगत राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदनशीलता कार्यक्रम का आयोजन किया।

3–12 जून, 2024 (पूर्वाह्न) को उप–निदेशक के रूप में यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, नीपा के अंर्तगत राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदनशीलता कार्यक्रम का आयोजन किया।

3–12 जून, 2024 (अपराहन) को उप–निदेशक के रूप में यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, नीपा के अंर्तगत राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदनशीलता कार्यक्रम का आयोजन किया।

22–31 जुलाई, 2024 को उप–निदेशक के रूप में यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, नीपा के अंर्तगत राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदनशीलता कार्यक्रम का आयोजन किया।

19–28 अगस्त, 2024 को उप–निदेशक के रूप में यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, नीपा के अंर्तगत राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदनशीलता कार्यक्रम का आयोजन किया।

23–30 सितंबर, 2024 को उप–निदेशक के रूप में यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, नीपा के अंर्तगत राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदनशीलता कार्यक्रम का आयोजन किया।

30 सितंबर–10 अक्टूबर, 2024 को उप–निदेशक के रूप में यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, नीपा के अंर्तगत राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदनशीलता कार्यक्रम का आयोजन किया।

1–11 अक्टूबर, 2024 को उप–निदेशक के रूप में यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, नीपा के अंर्तगत राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदनशीलता कार्यक्रम का आयोजन किया।

14–24 अक्टूबर, 2024 को उप–निदेशक के रूप में यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, नीपा के अंर्तगत राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदनशीलता कार्यक्रम का आयोजन किया।

12–21 नवंबर, 2024 को अपराहन उप–निदेशक के रूप में यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, नीपा के अंर्तगत राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदनशीलता कार्यक्रम का आयोजन किया।

20–29 नवंबर, 2024 को उप–निदेशक के रूप में यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, नीपा के अंर्तगत राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदनशीलता कार्यक्रम का आयोजन किया।

16–26 दिसंबर, 2024 को उप–निदेशक के रूप में यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, नीपा के अंर्तगत राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदनशीलता कार्यक्रम का आयोजन किया।

1–11 जनवरी, 2025 को उप–निदेशक के रूप में यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, नीपा के अंर्तगत राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदनशीलता कार्यक्रम का आयोजन किया।

20–29 जनवरी, 2025 को उप–निदेशक के रूप में यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, नीपा के अंर्तगत राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदनशीलता कार्यक्रम का आयोजन किया।

3–13 फरवरी, 2025 को उप–निदेशक के रूप में यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, नीपा के अंर्तगत राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदनशीलता कार्यक्रम का आयोजन किया।

यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, नीपा के तहत 11 नवंबर से 25 नवंबर, 2024 तक एक सतत भविष्य के लिए ज्ञान को आगे बढ़ाने में अनुसंधान पद्धति पर दो सप्ताह का ऑनलाइन रिफ्रेशर कार्यक्रम आयोजित किया गया। डीईआई आगरा के सहयोग से कार्यक्रम समन्वयक के रूप में।

24–29 जून, 2024 तक भारतीय ज्ञान प्रणाली पर संकाय विकास कार्यक्रमः भारतीय साहित्यिक और सांस्कृतिक परंपराओं का पुनरीक्षण श्याम लाल कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) के सहयोग से निर्धारित है।

20–25 अगस्त, 2024 तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी): आगे का रास्ता, आरसीवीपी नोरोन्हा अकादमी, भोपाल में उच्च शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश सरकार के सहयोग से (ऑफलाइन)।

05 अगस्त 2024 से 03 सितंबर 2024 तक भारतीय विश्वविद्यालयों/कॉलेजों में शिक्षकों के लिए संकाय प्रेरण कार्यक्रम (एफडीपी) का आयोजन किया।

06–18 जनवरी, 2025 तक (ऑनलाइन मोड) एपीजे सत्य विश्वविद्यालय में यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, नीपा के तहत उच्च शिक्षा के माध्यम से सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में अनुसंधान पद्धति पर दो सप्ताह का ऑनलाइन पुनश्चर्या कार्यक्रम आयोजित किया।

17–29 मार्च, 2025 (ऑनलाइन मोड) तक यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, नीपा के अंतर्गत सतत शिक्षा में अनुसंधान पद्धति पर दो सप्ताह का ऑनलाइन पुनश्चर्या कार्यक्रम, उप–निदेशक के रूप में आयोजित किया।

13–14 मई 2024 को राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों और केंद्रीय विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों के लिए उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित और राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) द्वारा समन्वित विशिष्ट शिक्षण अक्षमताओं पर क्षमता निर्माण विकास कार्यक्रम" (एसएलडी) जोन एक का समग्र उप–निदेशक के रूप में नीपा, नई दिल्ली में व्यक्तिगत रूप से समन्वय किया।

16–17 मई 2024 को राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों और केंद्रीय विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों के लिए उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित और राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) द्वारा समन्वित विशिष्ट शिक्षण अक्षमताओं पर क्षमता निर्माण विकास कार्यक्रम" (एसएलडी) जोन दो का समग्र उप–निदेशक के रूप में नीपा, नई दिल्ली में व्यक्तिगत रूप से समन्वय किया।

20–21 मई 2024 को उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों और केंद्रीय विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों के लिए व्यक्तिगत रूप से जोन तीन में विशिष्ट शिक्षण विकलांगताओं पर क्षमता निर्माण विकास कार्यक्रम (एसएलडी) का समन्वय किया और समग्र उप–निदेशक के रूप में राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली द्वारा समन्वित किया।

06 जनवरी 2025 को उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों और केंद्रीय विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों के लिए व्यक्तिगत रूप से प्रवेश विभाग के साथ विशिष्ट शिक्षण विकलांगताओं पर क्षमता निर्माण विकास कार्यक्रम (एसएलडी) का समन्वय किया और समग्र कार्यक्रम समन्वयक के रूप में राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली द्वारा समन्वित किया।

08 जनवरी 2025 को नीपा, नई दिल्ली में समग्र कार्यक्रम समन्वयक के रूप में राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों और केंद्रीय विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों के लिए छात्र और परिसर जीवन मामलों के कार्यालय के साथ ऑफलाइन विशिष्ट सीखने की अक्षमताओं पर क्षमता निर्माण विकास कार्यक्रम" (एसएलडी) का समन्वय किया।

10 जनवरी 2025 को नीपा, नई दिल्ली में समग्र कार्यक्रम समन्वयक के रूप में राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों और केंद्रीय विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों के लिए व्यक्तिगत रूप से छात्र और परिसर जीवन मामलों के कार्यालय के साथ ऑफलाइन विशिष्ट सीखने की अक्षमताओं पर क्षमता निर्माण विकास कार्यक्रम" (एसएलडी) का समन्वय किया।

20 जनवरी 2025 को नीपा, नई दिल्ली में समग्र कार्यक्रम समन्वयक के रूप में राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों और केंद्रीय विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों के लिए सूचना प्रौद्योगिकी विभागों के साथ व्यक्तिगत रूप से विशिष्ट शिक्षण अक्षमताओं पर क्षमता निर्माण विकास कार्यक्रम" (एसएलडी) का समन्वय किया।

22 जनवरी 2025 को नीपा, नई दिल्ली में उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों और केंद्रीय विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों के लिए कैरियर और प्लेसमेंट सेल के साथ व्यक्तिगत रूप से विशिष्ट शिक्षण अक्षमताओं पर क्षमता निर्माण विकास कार्यक्रम" (एसएलडी) का समन्वय किया और समग्र कार्यक्रम समन्वयक के रूप में राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) द्वारा समन्वय किया।

05 अगस्त 2024 से 03 सितंबर 2024 तक भारतीय विश्वविद्यालयों/कॉलेजों में शिक्षकों के लिए संकाय प्रेरण कार्यक्रम (एफडीपी) का आयोजन किया गया।

01–25 अक्टूबर, 2024 को विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली में कार्यक्रम निदेशक के रूप में विघटनकारी डिजिटल प्रौद्योगिकियों: टीईआई में एकीकरण के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया।

12–13 सितंबर, 2024 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के साथ संरेखित शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम और शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों (एनपीएसटी) पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया, कार्यक्रम समन्वयक के रूप में राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद के सहयोग से।

27–28 फरवरी, 2025 को दक्षिणी क्षेत्र में शिक्षक शिक्षा के परिवर्तन के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन पर क्षेत्रीय परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यक्रम

समन्वयक के रूप में पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पुदुचेरी के सहयोग से।

प्रशिक्षण सामग्री एवं पाठ्यक्रम विकसित/प्रवर्तित

21–25 अक्टूबर, 2024 को विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली में कार्यक्रम निदेशक के रूप में विघटनकारी डिजिटल प्रौद्योगिकियों: टीईआई में एकीकरण के लिए विभागीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम कार्यक्रम का आयोजन किया।

12–13 सितंबर, 2024 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के साथ संरेखित शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम और शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों (एनपीएसटी) पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया, कार्यक्रम समन्वयक के रूप में राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद के सहयोग से।

27–28 फरवरी, 2025 को दक्षिणी क्षेत्र में शिक्षक शिक्षा के परिवर्तन के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन पर क्षेत्रीय परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यक्रम समन्वयक के रूप में पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पुदुचेरी के सहयोग से।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

यूजीसी ने उच्च शिक्षा संस्थानों में क्रियान्वित 27बी योजनाओं के मूल्यांकन और प्रभाव अध्ययन की जिम्मेदारी नीपा को सौंपी है। अध्ययन करने के लिए दो प्रमुख योजनाओं को पूरा किया गया और रिपोर्ट विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को सौंपी गई।

- **बड़े पैमाने पर मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम (एमओओसी) स्वयम्**
- **ई–सामग्री विकास परियोजना – एनएमई–आईसीटी के तहत यूजीसी से सहायता**

उप निदेशक के रूप में कार्यरत, यूजीसी–मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी)

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) आईक्यूएसी, नीपा के सदस्य।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन के संबंध में नीपा और यूजीसी के बीच त्वरित और प्रभावी समन्वय के लिए एकल खिड़की के रूप में राष्ट्रीय शिक्षा नीति समन्वयक के रूप में कार्य करना।

नीपा यूजीसी केयर लिस्टेड जर्नल 'परिपेक्ष्य' के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में कार्य करना और नीपा न्यूज़लैटर के संपादक के रूप में कार्य करना।

उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित एमएमटीटीसी के अंतर्गत भविष्य के नेतृत्व को तैयार करना कार्यक्रम के सह–समन्वय के रूप में कार्य करना, जिसका संचालन नीपा द्वारा किया जाता है।

उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित एमएमटीटीसी के अंतर्गत विशिष्ट शिक्षण विकलांगताओं (एसएलडी) के समन्वय के रूप में कार्य करना, जिसका संचालन नीपा द्वारा किया जाता है।

उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित एमएमटीटीसी के तहत उच्च शिक्षा संस्थानों में सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य, लचीलापन और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए क्षमता निर्माण के सह–समन्वय के रूप में कार्य करना, जिसका संचालन नीपा द्वारा किया जाता है।

विद्यालय शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्वीकृत एडब्ल्यूपीएंडबी 2024–25 के तहत स्वीकृत 'पूर्वोत्तर में विद्यालयी शिक्षा को मजबूत करना' नामक एक शोध परियोजना पर काम करना।

विद्यालय शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय द्वारा स्वीकृत एडब्ल्यूपीएंडबी 2024–25 के अंतर्गत "समग्र शिक्षा के भीतर गैर–आवर्ती घटक उपयोग में लंबितता का विश्लेषण" नामक शोध परियोजना में कार्यरत।

भारत सरकार के सभी ई–सरकारी पहलों के लिए मानकों और दिशानिर्देशों के निर्माण और विकास की दिशा में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (मेट–वाई), सरकार द्वारा निर्धारित मिशन को साकार करने के लिए ओएलईएस पर मानकों और रूपरेखाओं का मसौदा तैयार करने और प्रस्तुत करने के लिए ऑनलाइन शिक्षण और परीक्षा प्रणाली (ओएलईएस) पर कार्य समूह के सदस्य के रूप में नामित किया गया, जिसे इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के एक वैज्ञानिक सोसायटी, उन्नत कंप्यूटिंग के विकास केंद्र द्वारा समर्थित किया गया।

अगस्त 2023 से जुलाई 2026 की अवधि के लिए यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विश्वविद्यालय, नासिक, महाराष्ट्र के ऑनलाइन लर्निंग विद्यालय के लिए विद्यालय काउंसिल के रूप में नामित।

भारतीय चिकित्सा पद्धति के लिए राष्ट्रीय परीक्षा के लिए तकनीकी समिति के सदस्य, भारतीय चिकित्सा पद्धति के लिए राष्ट्रीय आयोग, नई दिल्ली।

संस्थान अनुसंधान समिति (आईआरसी), शिक्षा एवं अनुसंधान विद्यालय, एमआईटी विश्वविद्यालय, पुणे के सदस्य।

2 वर्षीय बी.एड. कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम रूपरेखा, पाठ्यक्रम और मानदंड और मानक विकसित करने और डिजाइन करने के लिए गठित समिति के सदस्य, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद, नई दिल्ली।

उच्च शिक्षा संस्थानों में मान्यता के लिए परिवर्तनकारी सुधारों के कार्यान्वयन के संबंध में सेवा–पहुंच गतिविधि।

डॉक्टरेट दर्शनशास्त्र (पीएच.डी.) नीपा की डिग्री को नियंत्रित करने वाले विनियमों के सदस्य।

नीपा के अंदर प्रतिष्ठित निकायों की सदस्यता

एमएमटीटीसी, नीपा के उप निदेशक के रूप में जिम्मेदारियां सौंपी गईं

नीपा के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के सदस्य के रूप में नामित

नीपा के कानूनी परामर्शदाता/कानूनी सलाहकारों के पैनल के सदस्य के रूप में नामित।

एमएमटीटीसी परियोजना पदों (परियोजना सहायक, कंप्यूटर सहायक और सहायक कर्मचारी) के वॉक–इन साक्षात्कार के लिए चयन समिति के सदस्य

नीपा के विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग की विभागीय सलाहकार समिति के सदस्य

नीपा जल संरक्षण नीति के अध्यक्ष बने और नीपा में विभिन्न पहलों की शुरुआत की

सदस्य, आवेदनों की जांच हेतु समिति, एम.फिल. एवं पीएच.डी. कार्यक्रम

सदस्य, लिखित परीक्षा स्क्रिप्ट की मूल्यांकन समिति, एम.फिल. एवं पीएच.डी. कार्यक्रम

ग्रुप सी और डी, नीपा की पदोन्नति समिति के सदस्य

आईक्यूएसी की पहल के तहत नीपा की द्विवार्षिक समाचार पत्र समिति के सदस्य।

सांस्कृतिक समिति को बढ़ावा, नीपा के सदस्य

नीपा, नई दिल्ली में एलडीसी के पद पर भर्ती के लिए चयन समिति के सदस्य के रूप में नामित।

शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों और नवोन्मेष का पुरस्कार समारोह और पुरस्कार समारोह के सदस्य

नीपा के बाह्य प्रतिष्ठित निकायों की सदस्यता

दिल्ली शिक्षक विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की अकादमिक कार्यक्रम समिति की बैठक के लिए नामित।

गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के एम.एड. पाठ्यक्रम कार्यक्रम के लिए प्रायोगिक परीक्षा/मौखिक परीक्षा के लिए विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त।

उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी), देहरादून, उत्तराखंड द्वारा गोपनीय कार्य के लिए बाह्य विशेषज्ञ के रूप में नामित।

अखिल भारतीय शैक्षिक अनुसंधान संघ (एआईएईआर) भुवनेश्वर की आजीवन सदस्यता।

भारतीय शिक्षक शिक्षक संघ (आईएटीई) पटना की आजीवन सदस्यता।

अमेरिकी शैक्षिक अनुसंधान संघ (एईआरए) वाशिंगटन, डीसी की आजीवन सदस्यता।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संगठन, कोलकाता के सदस्य।

एनओआरआरएजी (नीति अनुसंधान, समीक्षा और शिक्षा एवं प्रशिक्षण पर सलाह के लिए नेटवर्क) की आजीवन सदस्यता, जिनेवा, स्विटजरलैंड।

भारतीय तुलनात्मक शिक्षा समाज (सीईएसआई) के आजीवन सदस्य, जो विश्व तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी कांग्रेस, नई दिल्ली से संबद्ध है।

अखिल भारतीय अध्यापक शिक्षक संघ (एआईएटीई) नई दिल्ली के आजीवन सदस्य।

भारतीय समाज की व्यवस्था, दयालबाग चैप्टर आगरा की आजीवन सदस्यता।

विकास अध्ययन संघ (डीएसए), यूके के सदस्य।

कश्यपी अवस्थी

प्रकाशन

पुस्तक में अध्याय

अध्याय– शिक्षा में समानता, नवाचार और लचीलापनः ऑस्ट्रेलिया पुस्तक "द वर्ल्ड ऑफ लर्निंगः लेसन्स फ्रॉम 52 कंट्रीज" में (अध्याय योगदान ईटीएमए पब्लिशर्स) मार्मर मुखोपाध्याय द्वारा संपादित; दिसंबर 2024

प्रकाशित शोध पत्र/लेख

अनुसंधान परियोजनाएं – पूर्ण

शोध रिपोर्ट – यूजीसी योजनाओं का मूल्यांकन – उच्च शिक्षा संस्थानों में सामाजिक उत्तरदायित्व और सामुदायिक सहभागिता के कार्यान्वयन पर संख्या 12; प्रो. आरती श्रीवास्तव के साथ सह–लेखक – यूजीसी को प्रस्तुत रिपोर्ट; मार्च 2024

माध्यमिक और क्षेत्र समीक्षा – विद्यालय परिसरः कार्यान्वयन के लिए रोडमैप (एकमात्र लेखक) – शिक्षा मंत्रालय को प्रस्तुत रिपोर्ट; अप्रैल 2024

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का कार्यान्वयनः जीईआर में प्रभाव और सुधार – उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार को प्रस्तुत एक रिपोर्ट

भारत के राज्यों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन की स्थिति और प्रभाव – विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न घटकों पर एक रिपोर्ट, विद्यालयी शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार को प्रस्तुत की गई

अनुसंधान परियोजनाएं – जारी

"समग्र शिक्षा के गैर–आवर्ती घटक में लंबित मामलों का विश्लेषण"; विद्यालय शिक्षा और साक्षरता विभाग द्वारा वित्तपोषित एक परियोजना। आठ राज्यों की एक सहयोगी परियोजना। मैं चार सह–अन्वेषकों में से एक हूँ, जिनमें डॉ. सांत्वना मिश्रा, डॉ. संगीता अंगोम और डॉ. अमित गौतम शामिल हैं। मैं मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश राज्यों के साथ काम कर रही हूँ।

"विद्यालय शिक्षा का सुदृढ़ीकरणः समग्र शिक्षा के हस्तक्षेपों का आकलन"; विद्यालय शिक्षा और साक्षरता विभाग द्वारा वित्तपोषित एक परियोजना। आठ राज्यों की एक सहयोगी परियोजना। मैं चार सह–अन्वेषकों में से एक हूँ, जिनमें डॉ. सांत्वना मिश्रा, डॉ. संगीता अंगोम और डॉ. अमित गौतम शामिल हैं। मैं मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश राज्यों के साथ काम कर रही हूँ।

उल्लास का प्रभाव– नव भारत साक्षरता कार्यक्रम; विद्यालय शिक्षा और साक्षरता विभाग द्वारा वित्तपोषित एक परियोजना। उल्लास का अखिल भारतीय आकलन। मैं डॉ. सांत्वना मिश्रा के साथ सह–अन्वेषक हूं।

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

राष्ट्रीय

टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टीआईएसएस) द्वारा लीडरशिप फॉर इक्विटी (एलएफई) (छत्तीसगढ़ में विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित परियोजना चॉक) के सहयोग से 4 मार्च से छत्तीसगढ़ के रायपुर में बेबीलोन कैपिटल होटल में "एससीईआरटी का प्रणालीगत सुदृढ़ीकरण" कार्यक्रम आयोजित किया गया।

काउंसिल फॉर इंडियन विद्यालय सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन द्वारा 27 से 29 नवंबर, 2024 तक एक्सआईएम यूनिवर्सिटी, न्यू कैंपस में "क्वालिटी स्कूलिंग–लीडर फॉर ट्रांसफॉर्मेटिव लर्निंग" कार्यक्रम का आयोजन।

7 फरवरी, 2025 को बाल शोध विश्वविद्यालय, गांधीनगर द्वारा आयोजित शिशु एवं बच्चा शिक्षाः अभ्यास, चुनौतियां और शिक्षण शास्त्र विषय पर "शिशु एवं बच्चा के विकास में माता–पिता, संस्थान और समाज की भूमिका" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किया गया।

19 अप्रैल 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग (सीआईई) द्वारा आयोजित "शैक्षणिक अध्ययनः स्थिति और संभावनाएँ" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। मैंने "अनुसंधान एजेंसी का विकासः शिक्षण समुदाय का पोषण" विषय पर बात की।

अंतर्राष्ट्रीय

24 जून से 28 जून, 2024 तक बुडापेस्ट, हंगरी में कम संसाधन वाले संदर्भों में वैश्विक शिक्षा नीति कार्यान्वयन, सेंट्रल यूरोपियन यूनिवर्सिटी, बुडापेस्ट फाउंडेशन द्वारा सेंट्रल यूरोपियन यूनिवर्सिटी (सीईयू) के ग्रीष्म विश्वविद्यालय कार्यक्रम आलेख में आयोजित किया गया।

प्रस्तुत किया गया आलेख– नज़रें फेरनाः 22 और 26 जुलाई, 2024 को कॉर्नेल यूनिवर्सिटी, आईटीएचएसीए, न्यूयॉर्क यूएसए द्वारा आयोजित "ज्ञान की समावेशी पारिस्थितिकी

को बढ़ावा देनाः न्यायसंगत और सतत भविष्य के लिए शिक्षा" (ऑनलाइन सम्मेलन) के लिए सतत विकास की एक गैर–भौतिकवादी समझ की ओर।

प्रस्तुत किया गया आलेख– सही उत्तर की खोज करनाः 22 और 26 जुलाई, 2024 को कॉर्नेल यूनिवर्सिटी, आईटीएचएसीए, न्यूयॉर्क यूएसए द्वारा आयोजित "ज्ञान की समावेशी पारिस्थितिकी को बढ़ावा देनाः न्यायसंगत और सतत भविष्य के लिए शिक्षा" (ऑनलाइन सम्मेलन) के लिए शिक्षा को फिर से तैयार करने के लिए स्थिरता और विकास को फिर से तैयार करना।

27 से 28 फरवरी, 2025 तक आयोजित तीसरे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सम्मेलन (आईबीसी– 2025) में पैनलिस्ट। मैंने 'विकसित भारत 2047– भारत का पुनर्निर्माण' विषय पर बात की। बी. के. श्रॉफ कॉलेज ऑफ आर्ट्स और एम. एच. श्रॉफ कॉलेज ऑफ कॉमर्स, कांदिवली एजुकेशन सोसाइटी, मुंबई द्वारा आमंत्रित।

प्रशिक्षण सामग्री एवं पाठ्यक्रम विकसित/प्रवर्तित

सीसी–503 शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर (शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर) कार्यक्रम के लिए शिक्षा की नींव और पाठ्यक्रम में तीन इकाइयों का संचालन किया।

कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रमों के लिए एक पाठ्यक्रम समन्वयक के रूप में शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर (शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर) पाठ्यक्रम के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम तैयार किया और 1 अप्रैल से 10 मई, 2024 तक शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर (शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर) कार्यक्रम के पहले बैच के लिए इंटर्नशिप की योजना बनाई। रिपोर्ट और इंटर्नशिप मूल्यांकन में शामिल रहे।

कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रमों के लिए एक सदस्य समन्वयक के रूप में एस3एसईसी–535 को डिजाइन किया जो सामाजिक संदर्भ में विकास का आकलन है और आकलन के आधार पर रिपोर्ट तैयार करना और प्रस्तुत करना है। क्षेत्र मूल्यांकन और क्षेत्र मूल्यांकन रिपोर्ट के मूल्यांकन में संलग्न।

आईडेपा छात्रों के लिए शैक्षिक प्रशासन पर पाठ्यक्रम में विद्यालय नेतृत्व घटक के साथ–साथ अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों के लिए अल्पकालिक पाठ्यक्रमों का संचालन किया।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

12 फरवरी, 2025 से सिक्किम के नामची जिले के जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय के अनुरोध के अनुसार आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के तहत विद्यालय नेतृत्व को मजबूत करने में सहायता।

21 अप्रैल 2025 को सीओई, एनसीईआरटी द्वारा आमंत्रित विशेषज्ञ के रूप में विद्यालय प्रिंसिपलों की भर्ती के लिए 120 मद विकसित किए गए।

छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों और चिंताओं की निगरानी और कोविड के बाद के युग में विकास के मानसिक स्वास्थ्य और मनोसामाजिक पहलुओं का समर्थन करने के लिए मनोदर्पण (एमओई, भारत सरकार की एक पहल) कार्य समूह के सदस्य।

22 जुलाई से 26 जुलाई, 2024 तक "विकसित भारत @ 2047 पर सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं के लिए विशेष आह्वान" पर शोध प्रस्तावों के मूल्यांकन के लिए आईसीएसएसआर द्वारा एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

भारतीय अध्यापक शिक्षा संस्थान, गांधीनगर द्वारा 7 अप्रैल, 2024 को नए सैनिक विद्यालयों के लिए शैक्षणिक प्रशासक प्रशिक्षण–प्रज्वल (बैच–1) के लिए 'सीखने के लिए नेतृत्व' पर एक सत्र लेने के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।

डीएवी सेंटर फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस द्वारा 5 अक्टूबर, 2024 को खजुराहो, मध्य प्रदेश में आयोजित "अंदर–बाहर नेतृत्वः 'स्वयं' और 'दूसरों' के विकास के लिए सचेत संचार का उपयोग" पर एक सत्र लेने के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।

13 फरवरी, 2025 को कर्मयोगी तालीम में विद्यालय प्रधानाचार्यों के लिए प्रशिक्षण केंद्र, भारतीय अध्यापक शिक्षा संस्थान, गांधीनगर द्वारा आयोजित "पंचकोश का सिद्धांतः सामंजस्यपूर्ण व्यक्तित्व के पोषण के लिए" विषय पर एक सत्र लेने के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।

28 फरवरी, 2024 को यूजीसी–एमएमटीटीसी के तहत संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) के तहत 'छात्र विविधता और समावेशी शिक्षा' पर एक सत्र के लिए जम्मू केंद्रीय

विश्वविद्यालय द्वारा एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।

21 मार्च, 2024 को यूजीसी—एमएमटीटीसी के तहत संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) के तहत 'शैक्षणिक सिद्धांत और परिणाम आधारित शिक्षा' पर एक सत्र के लिए नीपा में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।

संपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशाला का नेतृत्व करने के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित

9 अक्टूबर से 13 अक्टूबर 2024 तक "जेएनवी के सिद्धांतों के लिए क्षमता निर्माण पर कार्यक्रम, विद्यालय पारिस्थितिकी तंत्र को सक्षम बनानाः विद्यालय नेतृत्व का समर्थन करना—2024 में नीपा द्वारा एनवीएस, एमओई द्वारा आयोजित किया गया।

9 अक्टूबर से 13 अक्टूबर 2024 तक "जेएनवी के सिद्धांतों के लिए क्षमता निर्माण पर कार्यक्रम, विद्यालय पारिस्थितिकी तंत्र को सक्षम बनानाः विद्यालय नेतृत्व का समर्थन करना—2024 में नीपा द्वारा एनवीएस, एमओई द्वारा आयोजित किया गया।

11.11.2024 से 15.11.2024 तक "विद्यालय पारिस्थितिकी तंत्र को सक्षम बनानाः विद्यालय नेतृत्व का समर्थन करना" एनएनएलआई नोएडा द्वारा आयोजित किया गया।

शिक्षण और मार्गदर्शन

पीएच.डी. कार्यक्रम

- विद्यालयी शिक्षा और कोविड—19 महामारी का अध्ययनः राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में नए सामान्य के साथ आगे बढ़ना।

  पल्लवी कुमारी (पीएच.डी., बैच 2020)
- विद्यालयों को शिक्षण संगठन में बदलनाः विद्यालय नेतृत्व की भूमिका।

  दीपक करमाकर (एकीकृत एम.फिल—पीएच.डी. बैच 2020)
- विद्यालय नेतृत्व योग्यता ढांचे का विकास और मानकीकरणः भारत में विद्यालय प्रमुखों की नेतृत्व योग्यताओं का अध्ययन।

  दीपानिता मुखर्जी (एकीकृत एम.फिल—पीएच.डी. बैच 2021)
- नीति और व्यवस्थित परिवर्तन के लिए उत्प्रेरक के रूप में शैक्षिक नेतृत्व 'आलोचनात्मक चेतना' की पुनःकल्पना।

  अग्रिमा भसीन (एकीकृत एम.फिल.—पीएच.डी. बैच 2023) (अंशकालिक)

एम.फिल/पीएच.डी. प्रदान की गईः	6
मार्गदर्शन के तहत प्रस्तुत पीएच.डी. अध्ययनः	2
मार्गदर्शन के तहत चल रहे पीएच.डी. अध्ययनः	2

नीपा में समितियों के सदस्य

नीपा के डॉक्टरल कार्यक्रम समिति के सदस्य

नीपा के नृत्य एवं रंगमंच क्लब के समन्वयक

नीपा की सांस्कृतिक समिति के सदस्य

नीपा की वेबसाइट पर अपलोड की जाने वाली विषय—वस्तु की समीक्षा एवं अनुमोदन करने वाली समिति के सदस्य

मुख्य सलाहकार (आईटी) के पद के लिए आवेदनों की जांच हेतु गठित समिति के सदस्य

डॉ. अमित गौतम के साथ 'स्वच्छता ही सेवा अभियान' के नोडल अधिकारी

ए.एन. रेड्डी

कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

4—8 नवंबर, 2024 को विद्यालयी शिक्षा में सार्वजनिक नीतियों के निर्माण में संकेतकों और साक्ष्यों के उपयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

19 जुलाई, 2024 को नए तीन आपराधिक कानूनों 2023 पर जागरूकता संगोष्ठी का समन्वय किया।

एमएमटीटीसी के तहत 3—12 जून, 2024 को ऑनलाइन राष्ट्रीय शिक्षा नीति—अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम का समन्वय किया।

27—28 फरवरी, 2025 को दक्षिणी क्षेत्र में शिक्षक शिक्षा में बदलाव के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन पर क्षेत्रीय परामर्श कार्यशाला का समन्वय किया।

13 दिसंबर, 2024 को उच्च शिक्षा संस्थानों में सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य, लचीलापन और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए क्षमता निर्माण का समन्वय किया।

16—17 मई 2024 को नीपा में विशिष्ट शिक्षण अक्षमताओं (एसएलडी) पर दूसरे व्यक्तिगत क्षमता विकास कार्यक्रम का समन्वय किया।

उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग

सुधांशु भूषण

विराम अवकाश की अवधि के दौरान प्रगति रिपोर्ट

प्रकाशन

भूषण, एस. (2025) "महामारी के बाद भारत में उच्च शिक्षा का विकसित परिदृश्य, नीतियां और परिवर्तन", स्प्रिंगर

प्रेस में

ओमकारनाथ और सुधांशु भूषण द्वारा संपादित पुस्तक "मूल्य, वितरण और विकास – शास्त्रीय राजनीतिक अर्थव्यवस्था के परिप्रेक्ष्य" रूटलेज, भारत द्वारा प्रकाशित होने के लिए प्रेस में है।

प्रवीण झा और सुधांशु भूषण द्वारा संपादित पुस्तक, जिसका शीर्षक "विकास की राजनीतिक अर्थव्यवस्था" (अस्थायी शीर्षक) है, तूलिका द्वारा प्रकाशित की जानी है।

अन्य जानकारी

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस के साथ "समकालीन भारत में शिक्षा के लिए ऑक्सफोर्ड हैंडबुक" नामक पुस्तक के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए। संपादक मनीषा प्रियम, दिव्या वैद, सुधांशु भूषण और सजीता बसीर हैं।

"नीति के लिए मानक दृष्टिकोण" नामक पुस्तक पर काम चल रहा है। कुल 15 अध्यायों को अंतिम रूप दिया गया है।

आरती श्रीवास्तव

संबद्धता

नवंबर 2023 से राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान में परीक्षा नियंत्रक।

2020 से पूर्व छात्र प्रकोष्ठ प्रभारी।

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय), छत्तीसगढ़ में सहायक संकाय।

जनार्दन राय नगर राजस्थान विद्यापीठ में आगंतुक संकाय।

शिक्षा विभाग, ऋषिहुड विश्वविद्यालय, सोनीपत में अध्ययन बोर्ड के सदस्य।

शिक्षा विभाग, आईपी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में अध्ययन बोर्ड के सदस्य।

प्रकाशन

श्रीवास्तव, ए. और गुप्ता, पी. (2025), "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: बदलाव की बयार", शिप्रा प्रकाशन, नई दिल्ली।

श्रीवास्तव, ए. और बालोदी, बी. (2024), "आर्थिक विकास के लिए हाथ मिलानाः मानव पूंजी और उच्च शिक्षा", (संपादक) पोटनुः, बी. और अन्य। "शिक्षा और प्रवास का विकास दृष्टिकोण", स्प्रिंगर, नई दिल्ली।

श्रीवास्तव, ए. और अन्य। (2024)। "दो शहरों की कहानीः ऑनलाइन सीखने की समानता को प्रभावित करने वाले कारकों की खोज", इंडियन जर्नल ऑफ एजुकेशनल टेक्नोलॉजी, 06(1), पृष्ठ 229–240, ऑनलाइनः आईएसएसएन 2581–8325।

श्रीवास्तव, ए. और गुप्ता, पी. (2024), "समानता की द्वंद्वात्मकताः भारतीय उच्च शिक्षा में विविधता और बहुलवाद", शिप्रा प्रकाशन, नई दिल्ली।

श्रीवास्तव, ए. (2024), "राजनीतिक अर्थव्यवस्था, श्रम बाजार और शिक्षक शिक्षा में रोजगार", रूटलेज, नई दिल्ली।

श्रीवास्तव, ए. और चोपड़ा, ई. (2024), "परिवर्तन के मार्गः उच्च शिक्षा में नेतृत्व", रूटलेज, टेलर और फ्रांसिस, नई दिल्ली।

श्रीवास्तव, ए. और कुमारी, ए. (2024), "उच्च शिक्षा में सहयोगात्मक नेतृत्व और स्व–संगठित शिक्षाः भविष्य के लिए मार्ग तैयार करना", (संपादक) मूल्य–सूचित नेतृत्व और उच्च शिक्षा में नैतिक परिवर्तन, ब्लूम्सबरी।

2024–25 के दौरान सेमिनार/सम्मेलन/ कार्यशालाओं में भागीदारी

22–26 मार्च 2025, डिजिटल समाज में शिक्षा की परिकल्पना पर सम्मेलन में व्याख्यान। सीआईईएस सम्मेलन संयुक्त, राज्य अमेरिका।

13 फरवरी 2025, शिक्षा अनुसंधान सम्मेलन, जामिया मिल्लिया इस्लामिया।

27–29 दिसंबर 2024, भारतीय आर्थिक संघ (आईईए) का 107वां वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "भारतीय आर्थिक विकास की गतिशीलताः

अतीत, वर्तमान और भविष्य की कथाएँ" विषय पर निम्स विश्वविद्यालय राजस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित किया गया।

5 दिसंबर 2024, सीईडीएडब्ल्यू, कॉन्फ्रेंस इंडिया इंटरनेशनल सेंटर 40, मैक्स म्यूलर मार्ग नई दिल्ली।

27 नवंबर 2024, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, विज्ञान, गणित, प्रौद्योगिकी और शिक्षाः भविष्य का निर्माण और आकार देना" पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला परिसर।

22–24 नवंबर, 2024, उच्च शिक्षा में मानव मूल्यों पर 9वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएचवीएचई) 2024, यूएचवी फाउंडेशन में भाग लिया।

10–12 अक्टूबर 2024, अन्वया होटल, बाली–इंडोनेशिया में आयोजित होने वाले मूल्यांकन और शिक्षण 2024 (आईसीएएल 2024) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित किया गया।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श एवं शैक्षणिक सहायता

श्रीवास्तव, ए. और अवस्थी, के. "उच्च शिक्षा संस्थानों में सामाजिक उत्तरदायित्व और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देना", यूजीसी योजनाओं का मूल्यांकन, उन्नत भारत, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और विकास संस्थान, पृष्ठ 1–29।

नीपा के बाह्य प्रतिष्ठित निकायों की सदस्यता

निम्नलिखित निकायों के आजीवन सदस्य

प्रौढ़ शिक्षा संघ, आईटीओ, नई दिल्ली (1999)

भारतीय ज्ञानपीठ परिवार, नई दिल्ली (1999)

भारतीय आर्थिक संघ (2004)

भारतीय श्रम अर्थशास्त्र सोसायटी (1998)

भारतीय पुस्तक न्यास (1998)

उत्तर प्रदेश भारत स्काउट एंड गाइड्स (2003)

अध्यात्मविद्या समाज, वाराणसी (2004)

सीईएसआई, नई दिल्ली (2010)

अखिल भारतीय शैक्षिक अनुसंधान संघ (2009)

भारतीय अध्यापक शिक्षा संघ (2015)

भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी (2016)

भारत–अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, अल्पकालिक सदस्यता, मार्च, 2021 से आगे

अन्य जानकारी

पीएच.डी. पर्यवेक्षण

1. अपराजिता गन्तयेत
2. वर्तिका कौशल
3. बबीता बलोदी
4. बिस्मा मंजूर
5. पृथ्वी रायला
6. पंकज सरकार
7. सुजीत कुमार यादव
8. अभिजीत कुमार

व्याख्यान–वेबिनार

25–30 नवंबर 2024, शिक्षण, अधिगम और मूल्यांकन पर लघु अवधि पाठ्यक्रम (ऑनलाइन मोड), एमएमटीटीसी, डीएवीवी, इंदौर

18 नवंबर 2024, इलाहाबाद विश्वविद्यालय में 9वें राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति

16 नवंबर, 2024, एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा में आईसीएसएसआर प्रायोजित परियोजना के लिए उपकरण के विकास पर कार्यशाला में योगदान देने के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रण।

10–12 अक्टूबर 2024, अन्वया होटल, बाली–इंडोनेशिया में आयोजित होने वाले मूल्यांकन और अधिगम 2024 (आईसीएएल 2024) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित

24–26 जुलाई, 2024, "पीएम ई–विद्या" उपकरण सत्यापन पर कार्यशाला, एनसीईआरटी

10–11 अगस्त 2024, पेपर सेटिंग, एनटीए

26 मार्च, 2025, उच्च शिक्षा एवं समाज (एमएमटीटीसी) विषय पर व्याख्यान, शिक्षा विभाग (सीएएसई), महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, गुजरात, बड़ौदा, वडोदरा

11 मार्च 2025, प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम 'अध्याशक्तिः राजनीति में महिलाओं के लिए नेतृत्व' में वक्ता, सत्र 5ः महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी में बाधाएं। आईपी कॉलेज फॉर विमेन, अपमृत्यु निवारण सहाय, सूरत के सहयोग से 11 मार्च 2025

11 मार्च 2025, एमएमटीटीसी व्याख्यान में संसाधन व्यक्ति, "उच्च शिक्षा में नेतृत्व"। भूगोल विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय

10 मार्च 2025, एमएमटीटीसी व्याख्यान, उच्च शिक्षा में अकादमिक नेतृत्व, शिक्षा विभाग, डी.डी.यू गोरखपुर विश्वविद्यालय

27 फरवरी 2025, शोध और शिक्षा के माध्यम से भाषा और साहित्य की गतिशीलता पर व्याख्यान, अंग्रेजी विभाग, एरा विश्वविद्यालय और करामत हुसैन मुस्लिम गर्ल्स पीजी कॉलेज, लखनऊ।

24 फरवरी 2025, एमएमटीटीसी, उच्च शिक्षा में अकादमिक नेतृत्व पर व्याख्यान इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश.

21 फरवरी 2025, एमएमटीटीसी, उच्च शिक्षा में अकादमिक नेतृत्व पर व्याख्यान, जामिया

17 फरवरी 2025, 'उच्च शिक्षा और समाज' पर व्याख्यान, एमएमटीटीसी गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर

6 फरवरी 2025, एमएमटीटीसी, उच्च शिक्षा में अकादमिक नेतृत्व पर व्याख्यान, नीपा।

22 जनवरी 2025, उच्च शिक्षा में नेतृत्व के माध्यम से सतत विकास पर बातचीत पर एमएमटीटीसी कार्यक्रम, सीपीआरएचई, नीपा

15 जनवरी 2025, यूजीसी–एमएमटीटीसी, नीपा द्वारा "उच्च शिक्षा के माध्यम से सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने पर दो सप्ताह का ऑनलाइन बहु–विषयक पुनश्चर्या कार्यक्रमः चुनौतियाँ और प्रगति'।

3 मार्च 2025, एमएमटीटीसी, उच्च शिक्षा में अकादमिक नेतृत्व पर व्याख्यान, एसआरसीसी

21 जनवरी 2025, "संवादः सार्थक विश्वविद्यालय सहयोग और साझेदारी पर एक विचार–विनिमय।", सैन डिएगो विश्वविद्यालय, कैलिफोर्निया।

17 जनवरी 2025, राष्ट्रीय टेलीविजन पर डीडी पैनलिस्ट

8 जनवरी 2025, एमएमटीटीसी कार्यक्रम, उच्च शिक्षा में अकादमिक नेतृत्व पर व्याख्यान, इलाहाबाद विश्वविद्यालय।

7 जनवरी 2025, उच्च शिक्षा में नेतृत्व पर एमएमटीटीसी कार्यक्रम, सीपीआरएचई, नीपा।

7 जनवरी 2025, एमएमटीटीसी कार्यक्रम, उच्च शिक्षा में नेतृत्व पर अकादमिक व्याख्यान, एसआरसीसी, दिल्ली विश्वविद्यालय।

13 दिसंबर 2024, "महिला नेताः विकसित भारत@2047 के लिए अकादमिक उत्कृष्टता को आकार देना।", डोगरा हॉल, आईआईटी दिल्ली।

10 दिसंबर 2024, विषय एमएमटीटीसी कार्यक्रम, उच्च शिक्षा में नेतृत्व पर अकादमिक व्याख्यान, शिक्षा, मनोविज्ञान और शारीरिक शिक्षा में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।

20 नवंबर 2024, एमएमटीटीसी कार्यक्रम, "उच्च शिक्षा में अकादमिक नेतृत्व" पर व्याख्यान, राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदनशीलता कार्यक्रम, सीपीआरएचई, नीपा।

12 नवंबर, 2024, नीपा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदनशीलता कार्यक्रम के लिए 'उच्च शिक्षा में अकादमिक नेतृत्व' पर व्याख्यान देने के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।

18 अक्टूबर 2024, उच्च शिक्षा में अकादमिक नेतृत्व, शासन और प्रबंधन पर एमएमटीटीपी व्याख्यान, नीपा।

8 अक्टूबर 2024, जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा प्रणाली और 21वीं सदी में इसकी भूमिका पर 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020– अभिविन्यास और संवेदनशीलता कार्यक्रम'।

24 सितंबर, 2024, उच्च शिक्षा में अकादमिक नेतृत्व, शासन और प्रबंधन पर एमएमटीटीसी व्याख्यान, नीपा।

23 सितंबर, 2024, एमएमटीटीसी कार्यक्रम, उच्च शिक्षा में अकादमिक नेतृत्व, शासन और प्रबंधन पर व्याख्यान, एसआरसीसी।

10 सितंबर, 2024, एमएमटीटीसी कार्यक्रम, उच्च शिक्षा में नेतृत्व पर व्याख्यान, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला।

6 सितंबर, 2024, एमएमटीटीसी कार्यक्रम, उच्च शिक्षा में नेतृत्व पर व्याख्यान, सीपीआरएचई, नीपा।

3 सितंबर, 2024, एमएमटीटीसी कार्यक्रम, उच्च शिक्षा में नेतृत्व पर व्याख्यान, सीपीआरएचई, नीपा।

28–29 अगस्त, 2024, एमएमटीटीपी उच्च शिक्षा में अकादमिक नेतृत्व पर व्याख्यान, नालसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, हैदराबाद, तेलंगाना।

26 अगस्त 2024, एमएमटीटीसी कार्यक्रम, उच्च शिक्षा में नेतृत्व पर व्याख्यान, नीपा

23 अगस्त 2024, शिक्षा के वैश्वीकरण और अंतर्राष्ट्रीयकरण पर व्याख्यान, सीपीआरएचई, नीपा

8 अगस्त, 2024, आजीवन सीखने की क्षमता विकसित करने पर व्याख्यान, एनआईईएलआरईडी

7 अगस्त, 2024, एमएमटीटीसी कार्यक्रम, उच्च शिक्षा में अकादमिक नेतृत्व पर व्याख्यान, दिल्ली विश्वविद्यालय (सीपीडीएचई)

7 अगस्त, 2024, एमएमटीटीसी कार्यक्रम, उच्च शिक्षा में अकादमिक नेतृत्व पर व्याख्यान, इलाहाबाद विश्वविद्यालय

6 अगस्त, 2024, एमएमटीटीसी कार्यक्रम, संकाय प्रेरण कार्यक्रम, सीपीआरएचई, नीपा

5 अगस्त, 2024, एमएमटीटीसी कार्यक्रम, अकादमिक नेतृत्व और शासन और प्रबंधन पर व्याख्यान, एसआरसीसी

30 जुलाई, 2024, एमएमटीटीसी कार्यक्रम, उच्च शिक्षा में अकादमिक नेतृत्व पर व्याख्यान, नीपा

22 जुलाई, 2024, राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदनशीलता कार्यक्रम, एमएमटीटीसी कार्यक्रम, उच्च शिक्षा के वैश्वीकरण और अंतर्राष्ट्रीयकरण पर व्याख्यान, इग्नू

15 जुलाई, 2024, एमएमटीटीसी कार्यक्रम, एसआरसीसी में उच्च शिक्षा में अकादमिक नेतृत्व पर व्याख्यान

11 जुलाई, 2024, आमंत्रित व्याख्यान। विषयः शोध पद्धति, राज्य सभा

10 जुलाई, 2024, एनसीआईएसएम कार्यक्रम, नीपा में शैक्षणिक नेतृत्व और संस्थागत विकास पर व्याख्यान

08 – 12 जुलाई, 2024, मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम, भारतीय प्रबंधन संस्थान इंदौर, आईआईएम इंदौर के तत्वावधान में भविष्य के नेतृत्व कार्यक्रम के समन्वयक

9 जुलाई, 2024, बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक, ऋषिहुड विश्वविद्यालय सोनीपत

27 जून, 2024, एमएमटीटीसी कार्यक्रम, पंजाब विश्वविद्यालय, पटियाला में उच्च शिक्षा में शैक्षणिक नेतृत्व पर व्याख्यान

25 जून, 2024, एमएमटीटीसी कार्यक्रम, उच्च शिक्षा में अकादमिक नेतृत्व पर व्याख्यान, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, गया, बिहार

3 जून, 2024, एमएमटीटीसी कार्यक्रम, नीपा में समग्र शिक्षा के दर्शन पर व्याख्यान

22 मई, 2024, एमएमटीटीसी कार्यक्रम, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के सहयोग से नीपा में अकादमिक नेतृत्व और उच्च शिक्षा पर व्याख्यान

13 मई, 2024, एमएमटीटीसी कार्यक्रम, शिक्षा के वैश्वीकरण और अंतर्राष्ट्रीयकरण पर व्याख्यान, महाराजा सयाजीराव सेवा पहुंच ऑफ बड़ौदा, वडोदरा, गुजरात

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय कार्यशालाओं/सेमिनारों में भागीदारी

20 मार्च, 2025, भारत की उभरती सॉफ्ट पावर पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठीः रणनीतिक आयाम और वैश्विक सेवा पहुंच, गांधीवादी और शांति शिक्षा विभाग, भारतीय अंतर्राष्ट्रीय केंद्र।

18–19 मार्च, 2025, "उच्च शिक्षा में 21वीं सदी के नेतृत्व पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी" नीपा द्वारा भारतीय पर्यावास केंद्र में आयोजित की गई।

20 मार्च, 2025, भारत की उभरती सॉफ्ट पावर पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठीः रणनीतिक आयाम और वैश्विक सेवा पहुंच, गांधीवादी और शांति शिक्षा विभाग, भारतीय अंतर्राष्ट्रीय केंद्र।

18 दिसंबर 2024, अजमेर, भोपाल, भुवनेश्वर के लिए प्रधानाचार्य के पद के लिए एनसीईआरटी के जाकिर हुसैन ब्लॉक के सेमिनार हॉल में जांच कमेटी में बाहरी विशेषज्ञ।

16 दिसंबर 2024, नीपा में आयोजित 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के युग में स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों (आईकेएस) और सामुदायिक सहभागिता को जोड़नाः संभावनाएँ, चुनौतियाँ और रास्ते' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता करने का निमंत्रण।

12 दिसंबर 2024, नीपा के शैक्षिक प्रशासन विभाग द्वारा आयोजित भारत में विश्वविद्यालयों के लिंग संवेदीकरण प्रकोष्ठों और आंतरिक शिकायत समिति पर राष्ट्रीय कार्यशाला के सत्र की अध्यक्षता की।

4 दिसंबर 2024, मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (पूर्व में यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र के रूप में जाना जाता है), गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर द्वारा

आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम के लिए उच्च शिक्षा और समाज पर आमंत्रित वार्ता।

29–30 नवंबर 2024, कॉन्क्लेव 'शिक्षा क्षेत्र में बदलते परिदृश्य' है। भारतीय कंपनी सचिव संस्थान, न्यू टाउन, आईसीएसआई–सीसीजीआरटी, राजारहाट, कोलकाता।

9–14 नवंबर 2024, दक्षिण एशिया उच्च शिक्षा संगोष्ठी, हॉलिंग्स सेंटर फॉर इंटरनेशनल डायलॉग, तुर्की।

पाठ्यक्रम / प्रशिक्षण समन्वय

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर और पीएच.डी. (नीपा) अध्यापन

17 मार्च 2025, विभागीय संगोष्ठी, 'पेशेवर उत्कृष्टता के लिए कल्याण का विज्ञान' का आयोजन किया गया।

24 जनवरी, 2025, नीपा में अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा दिवस का आयोजन।

अन्य गतिविधियाँ

28–29 जनवरी 2025, केंद्रीय बजट 2025 (बजट पूर्व अपेक्षाएँ) पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, विषयः "भविष्य में निवेशः उच्च शिक्षा के आर्थिक आयाम" अर्थशास्त्र संकाय, चितकारा बिजनेस विद्यालय, चितकारा विश्वविद्यालय।

28 दिसंबर 2024, राजस्थान के एपेक्स विश्वविद्यालय में 107वें वार्षिक सम्मेलन के लिए मुख्य वक्ता।

27 दिसंबर 2024, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, हरियाणा में आईईए के 107वें वार्षिक सम्मेलन के लिए मुख्य वक्ता।

18 दिसंबर 2024, दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में पीएच.डी. विद्वान श्री ज़करिया सालेक की मौखिक परीक्षा।

11 दिसंबर 2024, दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में पीएच.डी. विद्वान श्री सोनू लाल गुप्ता की मौखिक परीक्षा।

19 नवंबर 2024, पीआरआईओ सेंटर ऑन जेंडर, पीस एंड सिक्योरिटी और एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी पुणे के सहयोग से नई दिल्ली में रॉयल नॉर्वेजियन दूतावास में 'भारत में महिला सशक्तिकरणः अधिकार से एजेंसी तक' विषय पर पुस्तक विमोचन और चर्चा के लिए निमंत्रण, रॉयल नॉर्वेजियन दूतावास, 50–सी, शांतिपथ, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली।

7 नवंबर 2024, अकादमिक समीक्षा समिति की बैठक के लिए आमंत्रित, आईक्यूएसी, सत्यम कॉलेज ऑफ एजुकेशन, नोएडा।

1 नवंबर 2024, परिचर्चाः किशोरों में नेतृत्व कौशल का विकास, एनसीईआरटी (मनोदर्पण)।

23 अक्टूबर 2024, जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ में आमंत्रित व्याख्यान।

22 अक्टूबर 2024, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठीः गांधीवादी संपर्क दर्शन, दृष्टि और कार्य योजना, शिक्षा विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान।

15 अक्टूबर 2024, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए आमंत्रणः भारत के परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करना, डीकिन विश्वविद्यालय और डेलोइट द्वारा बॉलरूम, शांगरी–ला होटल, जनपथ, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा।

26 सितंबर 2024, सेठ आनंदराम जयपुरिया विद्यालय, कानपुर में व्यावसायिक सम्मेलन में पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रण।

10 सितंबर, 2024, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार की योजना और निगरानी बोर्ड की 9वीं बैठक में आमंत्रित।

27 अगस्त 2024, उच्च शिक्षा संस्थानों में सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य, लचीलापन और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए क्षमता निर्माण, शिक्षा मंत्रालय।

20 अगस्त 2024, उच्च शिक्षा संस्थानों में सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य, लचीलापन और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए क्षमता निर्माण, शिक्षा मंत्रालय।

13–14 अगस्त 2024, दीक्षारंभ–2024 (छात्र प्रेरण कार्यक्रम) के लिए महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी में मुख्य अतिथि।

30 जुलाई, 2024, अध्ययन समिति की बैठक (इन्द्रप्रथ विश्वविद्यालय)।

नीरू स्नेही

प्रकाशन

शोध पत्र/लेख/नोट्स

21वीं सदी की भारतीय उच्च शिक्षा में अनुसंधान और नवाचारः आगे की राह, विश्वविद्यालय समाचार, भारतीय विश्वविद्यालय संघ, खंड 62, संख्या 27, जुलाई 01–07, 2024

अजीत मंडल द्वारा संपादित पुस्तक, रीइमेजिनिंग इंडियन एजुकेशनः इश्यूज, पर्सपेक्टिव्स एंड नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020, 2024 में '21वीं सदी की भारतीय उच्च शिक्षा में अनुसंधान और नवाचार को उत्प्रेरित करना' पर अध्याय। शिप्रा पब्लिशर्स, नई दिल्ली।

शोध रिपोर्ट

यूजीसी योजना 'भारत में युगांतरकारी सामाजिक विचारक' की अंतिम मूल्यांकन रिपोर्ट प्रस्तुत, 2024

2024–25 के दौरान सेमिनार/सम्मेलन/ कार्यशालाओं में भागीदारी

6–8 मई, 2024 को आईआईटी कानपुर में केरल राज्य शिक्षा विभाग के अधिकारियों के लिए कार्यशाला में प्रस्तुति दी और भाग लिया।

18–19 मार्च, 2025 को नीपा में उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग में उच्च शिक्षा में 21वीं सदी के नेतृत्व पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "भारतीय अवरस्नातकों संस्थानों में नेतृत्व चुनौतियां और अवसर" विषय पर आलेख प्रस्तुत।

12 फरवरी, 2025 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया के शैक्षिक अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित 'नीतिगत परिप्रेक्ष्य के प्रकाश में शिक्षक शिक्षा को आगे बढ़ाना' विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की।

11 फरवरी, 2025 को नीपा में डीएचपीई की विभागीय सलाहकार समिति में भाग लिया।

17 मार्च 2025 को उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित वीएनएएनडी– द लर्निंग एकेडमी की निदेशक पूनम भार्गव द्वारा "पेशेवर उत्कृष्टता के लिए कल्याण का विज्ञान" विषय पर संगोष्ठी में भाग लिया।

16–17 दिसंबर, 2024 को नीपा, नई दिल्ली में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के युग में स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों और सामुदायिक सहभागिता को जोड़ना– संभावनाएं, चुनौतियां और रास्ते' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

17 सितंबर, 2024 को नीपा में सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 पर प्रस्तुति में भाग लिया।

24–26 जुलाई 2024 के दौरान राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एकक द्वारा आयोजित "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के चार वर्षः संस्थागत स्तर पर अंतर्राष्ट्रीयकरण की दिशा में पहल" पर ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।

तीन नए आपराधिक कानूनों पर जागरूकता सेमिनार में भाग लिया, नीपा, 19 जुलाई, 2024।

24–28 जून 2024 को नीपा, नई दिल्ली में "भारत में विद्यालयों में सुधार और बच्चों की भागीदारी के लिए अनुसंधान और नीति नियोजन" पर कार्यशाला में सत्र की अध्यक्षता की।

इसके अतिरिक्त नीपा द्वारा संकाय और शोधार्थियों के लिए आयोजित अन्य सेमिनारों/बैठकों में भी भाग लिया।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श एवं शैक्षणिक सहायता

2024 में बाहरी सदस्य के रूप में इग्नू के दूरस्थ शिक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीडीई) प्रोग्राम की दो मॉडरेशन बोर्ड मीटिंग में भाग लिया।

इग्नू, शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर परीक्षा के लिए प्रश्न पत्र बनाया गया

नीपा के बाह्य प्रतिष्ठित निकायों की सदस्यता

आजीवन सदस्य, भारतीय तुलनात्मक शिक्षा समाज (सीईएसआई)

आजीवन सदस्य, भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी

सदस्य, तुलनात्मक अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा समाज, 2022–23

सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय और तुलनात्मक शिक्षा ब्रिटिश संघ, 2022–23

अन्य सूचना

शिक्षण

पाठ्यक्रम 211 के अध्यापन में शामिलः आईडेपा में अनुसंधान पद्धति और सांख्यिकी, फरवरी 2025 (2024–25 सत्र)

पीएच.डी. पाठ्यक्रम सीसी3 के अध्यापन में शामिलः शिक्षा नीति

पीएच.डी. पाठ्यक्रम सीसी8 के लेन–देन में शामिलः शैक्षणिक लेखन, अनुसंधान नैतिकता और प्रकाशन

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर (शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर) पाठ्यक्रम के अध्यापन में शामिलः एस3एसईसी535सामाजिक संदर्भ में विकास का आकलन

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर (शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर) पाठ्यक्रम के अध्यापन में शामिलः एस3एसईसी536मूल्यांकन के आधार पर रिपोर्ट तैयार करना और प्रस्तुत करना

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर (शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर) पाठ्यक्रम एस4ईसी528 के अध्यापन में शामिलः शिक्षा में सुधार (वैकल्पिक पाठ्यक्रम)

विभाग में संचालित और आयोजित कार्यशालाओं में व्याख्यान दिए

अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ

संस्थागत विकास योजना के लिए अनुसंधान सक्षमता पर एक लेख तैयार किया

पर्यवेक्षण और मूल्यांकन

पीजीडेपा

डॉ. संतोष अरीक्कुझियिल के पीजीडेपा शोध प्रबंध का मूल्यांकन किया– "केरल में उच्च शिक्षा के शिक्षकों की ज्ञान साझा करने की प्रथाओं पर संगठनात्मक कारकों का प्रभाव"।

आईडेपा

ल्विन ल्विन मार के आईडेपा शोध प्रबंध "म्यांमार में माध्यमिक विद्यालयों की नामांकन दर पर अध्ययन" का मूल्यांकन और पर्यवेक्षण किया।

वायोलेथ पैट्रिक नोंबो के आईडेपा शोध प्रबंध "तंज़ानिया में व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थानों में गुणवत्ता आश्वासन के कार्यान्वयन में चुनौतियाः डोडोमा क्षेत्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण और सेवा केंद्र का एक अध्ययन" का पर्यवेक्षण किया।

त्शेरिंग के आईडेपा शोध प्रबंध "भूटान के थिम्फू ज़ोंगखाग के तहत लिंगज़ी लोअर सेकेंडरी विद्यालय में पठन समझ कार्यक्रम का मूल्यांकन" का पर्यवेक्षण किया।

पीएच.डी.

नीपा

पीएच.डी. कार्य का मूल्यांकन और पर्यवेक्षण हर्षिता शर्मा के पीएच.डी. शोधकार्य "भारत में निजी ट्यूटरिंग का फ्रेंचाइज़िंग" का मूल्यांकन और पर्यवेक्षण किया।

मोहम्मद रऊफ भट के पीएच.डी. शोधकार्य "जम्मू और कश्मीर में विद्यालय शिक्षा के विकास में निजी विद्यालयों की भूमिका की समझः जिला कुलगाम का एक अध्ययन" का मूल्यांकन और पर्यवेक्षण किया।

ऐश्वर्या शर्मा के पीएच.डी. शोधकार्य "प्राइवेट ट्यूटरिंग, प्रौद्योगिकी और शिक्षार्थियों के अधिगम अनुभवः एक भारतीय महानगर का अध्ययन" का पर्यवेक्षण किया।

नितिका के पीएच.डी. शोधकार्य "भारतीय उच्च शिक्षा में अंतरराष्ट्रीयकरण के लिए सार्वजनिक और निजी विश्वविद्यालयों की शैक्षिक नीतियों और प्रथाओं का तुलनात्मक अध्ययन" का पर्यवेक्षण किया।

नौशीन फातिमा के पीएच.डी. शोधकार्य "डॉक्टोरल अध्ययनों में अकादमिक सहयोग तंत्रः शोधार्थियों के लिए अनुसंधान में अवसर और चुनौतियाँ" का पर्यवेक्षण किया।

पायल वर्मा के पीएच.डी. शोधकार्य "औपनिवेशिक पराएपन से पुनरुत्थान की ओरः भारतीय ज्ञान परंपराओं के शैक्षिक पुनरुत्थान का ऐतिहासिक विश्लेषण, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विशेष संदर्भ में" का पर्यवेक्षण किया।

देब्यानी रावल के पीएच.डी. शोधकार्य "उच्च शिक्षा में एसडीजी – 4 का कार्यान्वयन – दिल्ली विश्वविद्यालय में जीवनपर्यंत अधिगम को बढ़ावा देने हेतु संस्थागत हस्तक्षेपों का अध्ययन" का पर्यवेक्षण किया।

पीएच.डी. उपाधि प्राप्त

हर्षिता शर्माः "भारत में प्राइवेट ट्यूटरिंग का फ्रेंचाइज़िंग"

मोहम्मद रऊफ भटः "जम्मू और कश्मीर में विद्यालय शिक्षा के विकास में निजी विद्यालयों की भूमिका की समझः जिला कुलगाम का एक अध्ययन"

अन्य विश्वविद्यालय

शोध प्रबंध का मूल्यांकन

अन्य विश्वविद्यालयों में शोध प्रबंध का मूल्यांकन कुमारी योगेश चौधरी का शोध प्रबंध "दूरी तथा नियमित स्नातक छात्रों की उपलब्धि प्रेरणा का आत्मविश्वास, शैक्षिक आकांक्षाओं एवं करियर संघर्ष के संदर्भ में अध्ययन", प्रो. मंजुलिका श्रीवास्तव, डिस्टेंस एजुकेशन अनुशासन के निर्देशन में।

सुनील कुमार का शोध प्रबंध "मुक्त और औपचारिक विद्यालयों के मृदु बुद्धि दिव्यांग शिक्षार्थियों की शैक्षणिक चुनौतियाँ– एक तुलनात्मक अध्ययन", प्रो. अनीता प्रियदर्शिनी, डिस्टेंस एजुकेशन अनुशासन के निर्देशन में।

शबीर अहमद वानी का शोध प्रबंध "जम्मू और कश्मीर में मुक्त दूरी शिक्षा के विकास पर एक अध्ययन", प्रो. मंजुलिका श्रीवास्तव, डिस्टेंस एजुकेशन अनुशासन के निर्देशन में।

सत्येंद्र कुमार का शोध प्रबंध "परंपरागत और दूरस्थ शिक्षा संस्थानों में स्नातकोत्तर मीडिया शिक्षा में मीडिया–सक्षम शिक्षण पद्धति का तुलनात्मक अध्ययन" प्रो. अमितेश्वर रात्रा और प्रो. संतोष पांडा (सेवानिवृत्त), डिस्टेंस एजुकेशन, विद्यालय के निर्देशन में।

मनीषा राय का शोध प्रबंध "भारत में ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) और पारंपरिक उच्च शिक्षा संस्थानों के मूल्यांकन एवं प्रत्यायन पर एक अध्ययन", प्रो. मंजुलिका श्रीवास्तव, डिस्टेंस एजुकेशन अनुशासन के निर्देशन में।

प्रीति चंदेल का शोध प्रबंध "स्नातकोत्तर दूरस्थ शिक्षार्थियों के आत्मविश्वास, सामाजिक–भावनात्मक परिपक्वता और शैक्षणिक चिंता पर एक अध्ययन", प्रो. अमितेश्वर रात्रा, डिस्टेंस एजुकेशन, शिक्षा विद्यालय के निर्देशन में।

वाईवा–वॉइस (मौखिक परीक्षा)

मनीषा राय (नामांकन संख्याः 188501071) के शोध प्रबंध "भारत में ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) और पारंपरिक उच्च शिक्षा संस्थानों के मूल्यांकन एवं प्रत्यायन पर एक अध्ययन" की मौखिक परीक्षा आयोजित की।

कुमारी योगेश चौधरी (नामांकन संख्याः 188501025) के शोध प्रबंध "दूरी तथा नियमित स्नातक छात्रों की उपलब्धि प्रेरणा का आत्मविश्वास, शैक्षिक आकांक्षाओं एवं करियर संघर्ष के संदर्भ में अध्ययन" की मौखिक परीक्षा आयोजित की।

सुनील कुमार (नामांकन संख्याः 188501064) के शोध प्रबंध "ओपन और औपचारिक विद्यालयों के मृदु बुद्धि दिव्यांग शिक्षार्थियों की शैक्षणिक चुनौतियाँ – एक तुलनात्मक अध्ययन" की मौखिक परीक्षा आयोजित की।

परीक्षा

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के अध्यापक शिक्षा विभाग के एम.एड. पाठ्यक्रम– शोध प्रबंध और पाठ्यक्रम कोड– एसओई010421सी0044, सेमेस्टर–IV की व्यावहारिक परीक्षा आयोजित करने के लिए हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा बाह्य परीक्षक के रूप में परीक्षा आयोजित की गई।

प्रशिक्षण/अन्य उपलब्धियाँ

"विकसित भारत अभियान 2047" के अंतर्गत "वूमेन लीडर्स शीपींग एकेडमिक एक्सीलेंस" एक दिवसीय महिला नेतृत्व कार्यक्रम में प्रतिभाग, 13 दिसंबर 2024, डोगरा हॉल, आईआईटी दिल्ली।

"फंडामेंटल ऑफ टीचिंग– लर्निंग" कार्यशाला में प्रतिभाग, 3–5 सितंबर 2024, स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड सोशल वर्क यूनिवर्सिटी ऑफ ससेक्स, यूके।

"लीडरशीप फॉर ससटैनेबल एजुकेशन डेवलपमेंट" विषय पर ऑस्ट्रेलिया एंड इंडिया लीडरशीप राउंडटेबल (एआईएलईएडी 2024), आयोजनः द यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न, मेलबर्न ग्लोबल सेंटर, दिल्ली, नई दिल्ली, भारत।

"एजुकेशन एक्सीलेंस अवॉर्ड 2024" (तीसरा संस्करण) में 'जूरी' के रूप में भागीदारी, आयोजनः अरुकस मीडिया, नॉलेज पार्टनरः एनएबीईटी (नेशनल एक्रेडिटेशन बोर्ड फॉर एजुकेशन एंड ट्रेनिंग)।

शैक्षिक अध्ययन यात्रा में समन्वयन एवं सहभागिताः 38वें अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा इन एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (आईडेपा) प्रतिभागियों के साथ, राज्यः मध्य प्रदेश (भोपाल), दिनांकः 31 मार्च – 05 अप्रैल 2025।

25–26 नवंबर 2024 के दौरान सहयोगात्मक कार्यशाला में भागीदारी: नीपा– इनोवेटिव रिसर्च यूनिवर्सीटीज नेटवर्क, ऑस्ट्रेलिया एवं ऑस्ट्रेलियन हाई कमीशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित।

व्याख्यान / वेबिनार

'उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान, 3 मई 2024 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिमुखीकरण एवं संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन) में प्रस्तुत किया, जिसका आयोजन नीपा–यूजीसी एमएमटीसी, नीपा द्वारा किया गया।

'शोध में "लैब से भूमि तक" की प्रक्रिया' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान, 7 जून 2024 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिमुखीकरण एवं संवेदीकरण कार्यक्रम में प्रस्तुत किया, जिसका आयोजन नीपा–यूजीसी एमएमटीसी नीपा द्वारा किया गया।

'स्नातक स्तर पर अनुसंधान' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान, 17 अगस्त 2024 को संकाय प्रेरण कार्यक्रम (ऑनलाइन) में प्रस्तुत किया, जिसका आयोजन नीपा–यूजीसी एमएमटीसी नीपा द्वारा किया गया।

19 अगस्त 2024 को नीपा–यूजीसी एमएमटीटीसी, नीपा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति (राष्ट्रीय शिक्षा नीति) उन्मुखीकरण एवं संवेदन कार्यक्रम (ऑनलाइन) में 'उच्चतर शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

22 अगस्त 2024 को यूजीसी एमएमटीटीसी, नीपा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति (राष्ट्रीय शिक्षा नीति) उन्मुखीकरण एवं संवेदन कार्यक्रम (ऑनलाइन) में 'अनुसंधान एवं विकास' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

14 अक्टूबर 2024 को नीपा–यूजीसी एमएमटीटीसी, नीपा द्वारा आयोजित सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) में 'गुणात्मक अनुसंधान में अनुसंधान रणनीतियाँ एवं दृष्टिकोण' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

8 जनवरी 2025 को नीपा–यूजीसी एमएमटीटीसी, नीपा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति उन्मुखीकरण एवं संवेदन कार्यक्रम में 'उच्च शिक्षा में अनुसंधान का प्रवाह' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

10 फरवरी 2025 को नीपा–यूजीसी एमएमटीटीसी, नीपा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति (राष्ट्रीय शिक्षा नीति) उन्मुखीकरण एवं संवेदन कार्यक्रम (ऑनलाइन) में 'उच्चतर शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

6 मार्च 2025 को नीपा–यूजीसी एमएमटीटीसी, नीपा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति (राष्ट्रीय शिक्षा नीति) उन्मुखीकरण एवं संवेदन कार्यक्रम (ऑनलाइन) में 'स्नातक स्तर पर अनुसंधान' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

7 मार्च 2025 को नीपा–यूजीसी एमएमटीटीसी, नीपा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति (राष्ट्रीय शिक्षा नीति) उन्मुखीकरण एवं संवेदन कार्यक्रम (ऑनलाइन) में 'उच्चतर शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

22 मार्च 2025 को नीपा और दिल्ली विश्वविद्यालय के महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय के सहयोग से आयोजित यूजीसी मालवीय मिशन–शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएम–टीटीपी) के 'अनुसंधान पद्धति और शैक्षणिक लेखन पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम' में 'अनुसंधान चक्र' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

28 मार्च 2025 को यूजीसी–एमएमटीटीपी–नीपा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति (राष्ट्रीय शिक्षा नीति) उन्मुखीकरण एवं संवेदन कार्यक्रम (ऑनलाइन) में 'उच्चतर शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

30 अप्रैल 2024 को इग्नू–एमएमटीटीसी (स्टाफ प्रशिक्षण और दूरस्थ शिक्षा अनुसंधान संस्थान) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति (राष्ट्रीय शिक्षा नीति) उन्मुखीकरण एवं संवेदन कार्यक्रम (ऑनलाइन) में '21वीं सदी में उच्च शिक्षा प्रणाली का फोकस' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

28 मई 2024 को इग्नू–एमएमटीटीसी (स्टाफ प्रशिक्षण और दूरस्थ शिक्षा अनुसंधान संस्थान) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति ((राष्ट्रीय शिक्षा नीति) उन्मुखीकरण एवं संवेदन कार्यक्रम (ऑनलाइन) में '21वीं सदी में उच्च शिक्षा प्रणाली का फोकस' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

22 जुलाई 2024 को इग्नू–एमएमटीटीसी (स्टाफ प्रशिक्षण और दूरस्थ शिक्षा अनुसंधान संस्थान) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति (राष्ट्रीय शिक्षा नीति)

उन्मुखीकरण एवं संवेदन कार्यक्रम (ऑनलाइन) में 'उच्च शिक्षा और समाज' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

22 जुलाई 2024 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई)–एमएमटीटीसी द्वारा आयोजित एक माह के संकाय प्रेरण कार्यक्रम (ऑनलाइन) में 'भविष्य की परिकल्पना – संगठन की आकांक्षा एवं विकास के लिए रणनीति निर्माण' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

29 जुलाई 2024 को इग्नू–एमएमटीटीसी (स्टाफ प्रशिक्षण एवं दूरस्थ शिक्षा अनुसंधान संस्थान) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति (राष्ट्रीय शिक्षा नीति) उन्मुखीकरण एवं संवेदन कार्यक्रम (ऑनलाइन) में 'उच्च शिक्षा और समाज' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

25 सितंबर 2024 को इग्नू–एमएमटीटीसी (स्टाफ प्रशिक्षण एवं दूरस्थ शिक्षा अनुसंधान संस्थान) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति (राष्ट्रीय शिक्षा नीति) उन्मुखीकरण एवं संवेदन कार्यक्रम (ऑनलाइन) में '21वीं सदी में उच्च शिक्षा प्रणाली का फोकस' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

27 नवम्बर 2024 को इग्नू–एमएमटीटीसी (स्टाफ प्रशिक्षण एवं दूरस्थ शिक्षा अनुसंधान संस्थान) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति (राष्ट्रीय शिक्षा नीति) उन्मुखीकरण एवं संवेदन कार्यक्रम (ऑनलाइन) में '21वीं सदी में उच्च शिक्षा प्रणाली का फोकस' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

26 मार्च 2025 को यूजीसी–एमएमटीटीपी एवं पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति (राष्ट्रीय शिक्षा नीति) उन्मुखीकरण एवं संवेदन कार्यक्रम (ऑनलाइन) में 'उच्चतर शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

3 से 7 फरवरी 2025 तक नीपा, नई दिल्ली में आयोजित "उच्च शिक्षा में नेतृत्व विकास हेतु कॉलेज प्राचार्यों के लिए पाँच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला" में व्याख्यान–सह–चर्चा सत्रों का संचालन किया गया।

राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय कार्यशालाओं / सेमिनारों में सहभागिता

प्रस्तुति

21वीं सदी में भारतीय उच्च शिक्षा में अनुसंधान और नवाचार' विषयक शोधपत्र का ऑनलाइन प्रस्तुतीकरण किया गया, XVIII वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ़ कॉम्पेरेटिव एजुकेशन सोसाइटीज़ 2024 में, जिसका विषय थाः "समावेशी ज्ञान पारिस्थितिकी का संवर्धनः न्यायपूर्ण और सतत भविष्य के लिए शिक्षा" दिनांक 22–26 जुलाई 2024, कॉर्नेल विश्वविद्यालय, इथाका, न्यूयॉर्क, अमेरिका।

नीपाः शैक्षिक अनुसंधान का अवलोकनः फोकस उच्च शिक्षा' विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया गया, कार्यशाला मेंः रिसर्च–प्रैक्टिस पार्टनरशिप फॉर बिग चेंज इन एजुकेसन, दिनांक 9–10 सितम्बर 2024, कैसलक्लिफ, सेंट एंड्रयूज विश्वविद्यालय, स्कॉटलैंड।

सहभागिता, 'छात्र मूल्यांकन के लिए एआई के रुझान' विषयक वेबिनार में भाग लिया, दिनांक 21 जनवरी 2025, यूनिवर्सिटी वर्ल्ड न्यूज द्वारा आयोजित।

"उच्च शिक्षण संस्थानों में साइबर हाइजीन" विषयक वेबिनार में भाग लिया, दिनांक 3 अप्रैल 2024, भारतीय साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (14सी), गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित।

भारत में अकादमिक एवं अनुसंधान संस्थानों के लिए एथिक्स इन एआईः फ्रेमवक फॉर अकादमिक एंड रिसर्च इंस्टीटयूशन इन इंडिया विषय पर आयोजित ऑनलाइन संगोष्ठी में सहभागिता की। यह एक हाइब्रिड कार्यक्रम था, जिसे टेरी, इग्नू, और यूनेस्को ने मिलकर आयोजित किया।

24 जनवरी 2025 को नीपा में आयोजित अंतरराष्ट्रीय शिक्षा दिवस कार्यक्रम में सहभागिता की।

3 अप्रैल 2024 को आयोजित नीपा की 'शैक्षणिक लेखा परीक्षा' में भाग लिया।

11 फरवरी 2025 को नीपा के डीएचपीई विभाग की विभागीय सलाहकार समिति की बैठक में भाग लिया।

नवंबर 2024 में ऑस्ट्रेलियाई इनोवेटिव रिसर्च यूनिवर्सिटीज़ की कार्यशाला में सहभागिता की।

28 मार्च, 2025 को नीपा में ऑस्ट्रेलियाई इनोवेटिव रिसर्च यूनिवर्सिटीज़ के कार्यकारी निदेशक के साथ आयोजित बैठक में सहभागिता की।

24 मार्च, 2025 को जॉर्जिया के शिक्षा, विज्ञान और युवा मंत्रालय के प्रतिनिधिमंडल के साथ आयोजित बैठक में सहभागिता की।

19 नवम्बर, 2024 को जनजातीय गौरव दिवस और संविधान दिवस के समारोह में सहभागिता की।

14 नवम्बर, 2024 को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग के अपर सचिव श्री सुनील कुमार

बर्णवाल की नीपा यात्रा के दौरान आयोजित बैठक में सहभागिता की।

11 नवम्बर, 2024 को भारतीय पर्यावास केंद्र, लोधी रोड, नई दिल्ली में आयोजित 15वें मौलाना आज़ाद स्मृति व्याख्यान में भाग लिया, जिसे श्री तरुण विजय द्वारा प्रस्तुत किया गया।

7 अक्टूबर, 2024 को शिकागो विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वेबिनार में सहभागिता की।

24 सितम्बर, 2025 को आईडीपी के लिए आयोजित फैकल्टी मीटिंग में भाग लिया।

17 सितम्बर, 2024 को नीपा में आयोजित "सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005" पर प्रस्तुति में भाग लिया।

12–13 सितम्बर, 2024 को आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला "शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम का रूपांतरण एवं राष्ट्रीय पेशेवर मानक (एनपीएसटी) – राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप" में भाग लिया।

12 अगस्त, 2024 को नीपा के स्थापना दिवस व्याख्यान में सहभागिता की।

6 अगस्त, 2024 को ब्रिटिश काउंसिल दिल्ली एवं टाइम्स हायर एजुकेशन द्वारा "वैश्विक मंच पर भारत की प्रगतिः रैंकिंग, प्रभाव और अंतर्राष्ट्रीयकरण" विषय पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया, जो ब्रिटिश काउंसिल, 17 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली – 110001 में आयोजित हुआ।

24–26 जुलाई, 2024 को नीपा के अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एकक द्वारा आयोजित "एनईपी 2020 के चार वर्षः संस्थागत स्तर पर अंतर्राष्ट्रीयकरण की पहल" विषयक ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।

19 जुलाई, 2024 को नीपा में आयोजित "तीन नए आपराधिक कानूनों" पर जागरूकता संगोष्ठी में भाग लिया।

5 जुलाई, 2024 को पीजीडेपा कार्यक्रम के समापन सत्र में सहभागिता की।

10 जून, 2023 को एकीकृत एमफिल–पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया।

04–06 जुलाई, 2023 को "पूर्व–प्रारंभिक एवं प्राथमिक शिक्षा में बच्चों की पहुंच और भागीदारी" विषय पर आयोजित कार्यशाला में अध्यक्षता की तथा सहभागिता की।

4 जुलाई, 2024 को ऑस्ट्रेलिया–इंडिया इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित "द डिजीटल क्लासरूमः ए लीडरशीप परस्पेक्टिव" विषयक वेबिनार में भाग लिया।

पाठ्यक्रम/प्रशिक्षण समन्वय

कोर्स 211ः अनुसंधान पद्धति और सांख्यिकी फरवरी 2025 (2024–25 सत्र) में आईडेपा में समन्वयक के रूप में इस कोर्स का संचालन किया।

कोर्स सीसी8ः शैक्षणिक लेखन, अनुसंधान नैतिकता और प्रकाशन समन्वयक के रूप में इस कोर्स का समन्वय किया।

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर कोर्स एस4ईसी528ः शिक्षा में सुधार (वैकल्पिक कोर्स), समन्वयक के रूप में इस कोर्स का समन्वय किया।

नीपा एमएमटीटीसीः राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदनशीलता कार्यक्रम (ऑनलाइन) 03–12 जून 2024 तक मलवीय मिशन शिक्षक–प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत इस कार्यक्रम का निर्देशन और समन्वय किया।

भारतीय चिकित्सा पद्धतियों के लिए राष्ट्रीय आयोग (एनसीआईएसएम) के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 10–14 जून 2024 तक भारतीय चिकित्सा पद्धतियों के विश्वविद्यालयों के वरिष्ठ शैक्षणिक प्रशासकों/कॉलेजों के प्रधानाचार्यों के लिए समन्वय किया।

कॉलेज प्रधानाचार्यों के लिए उच्च शिक्षा में नेतृत्व विकास पर पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 3–7 फरवरी 2025 तक नीपा, नई दिल्ली में आयोजित की।

नीपा एमएमटीटीसीः राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदनशीलता कार्यक्रम (ऑनलाइन) 24 फरवरी से 7 मार्च 2025 तक मलवीय मिशन शिक्षक–प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत इस कार्यक्रम का निर्देशन और समन्वय किया।

21वीं सदी में उच्च शिक्षा में नेतृत्व पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 18–19 मार्च 2025 को उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग, नीपा द्वारा आयोजित इस संगोष्ठी में सह–समन्वयक के रूप में भाग लिया।

5 पीएच.डी. और एम.फिल छात्रों की मौखिक परीक्षा का समन्वय।

अन्य गतिविधियाँ

नीपा

परीक्षा समिति की बैठक में भाग लिया।

पीएच.डी. छात्र दीपक की आरएसी बैठक में 12 मार्च 2025 को भाग लिया।

नौशीन फातिमा की आरएसी बैठक का समन्वय किया (7 मार्च 2024)।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उत्सव में 7 मार्च 2025 को भाग लिया।

ऐश्वर्या, नितिका, पायल, देव्यानी के लिए आरएसी बैठक का समन्वय किया।

सीयूईटी–पीजी पर एनटीए द्वारा आयोजित बैठक में भाग लिया – 6 फरवरी 2024; नीपा द्वारा इसमें भागीदारी की संभावनाओं/प्रक्रियाओं पर चर्चा हुई।

नागालैंड विश्वविद्यालय के छात्रों और संकाय के साथ संवाद सत्र में भाग लिया – 25 जनवरी, 2024, नीपा में।

फिट इंडिया सप्ताह (15 नवंबर 2023 – 15 दिसंबर 2023) के आयोजन में भाग लिया।

"विकसित भारत@2047: युवा स्वर" परामर्श कार्यक्रम के शुभारंभ में भाग लिया – 11 दिसंबर, 2023, यूजीसी द्वारा।

सुश्री पामेला दासगुप्ता, पीएच.डी. शोधार्थी की वाइवा वॉयस परीक्षा का समन्वय किया, 20 अक्टूबर, 2023, नीपा।

नेतृत्व विषय पर दो कार्यक्रमों की कार्यबल बैठक में भाग लिया – एक प्राचार्यों के लिए और दूसरा डीन एवं विभागाध्यक्षों के लिए।

शिक्षक दिवस समारोह में भाग लिया – 4 सितंबर, 2024; मुख्य अतिथि – प्रो. कश्यप कुमार दुबे, डीन, विद्यालय ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, जेएनयू, नई दिल्ली।

राष्ट्रीय खेल दिवस 2024 (अगस्त–सितंबर 2024) में भाग लिया।

नीपा के वार्षिक स्थापना दिवस (12 अगस्त, 2024) में भाग लिया।

पीएच.डी. पूर्णकालिक और अंशकालिक कार्यक्रम 2024–25 में प्रवेश हेतु 'साक्षात्कार बोर्ड एवं चयन समिति' के सदस्य।

एम.फिल. एवं पीएच.डी. में प्रवेश हेतु लिखित परीक्षा के संचालन के दौरान 'मूल्यांकन समिति' के सदस्य, जून 2024, नीपा ।

प्रोफेसर एवं एसोसिएट प्रोफेसर के पद हेतु आवेदन की छंटनी के लिए 'स्क्रीनिंग समिति' के सदस्य, मई 2024।

बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक में भाग लिया, 1 नवंबर, 2022।

नीपा की 32वीं अकादमिक परिषद की बैठक में भाग लिया, 24 अप्रैल, 2024।

नीपा की 33वीं अकादमिक परिषद की बैठक में भाग लिया, बुधवार, 12 मार्च, 2025।

बोर्ड ऑफ स्टडीज की 14वीं बैठक में भाग लिया – सोमवार, 8 अप्रैल, 2024।

एंटी रैगिंग समिति 2024–25 के सदस्य।

बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक में भाग लिया, 13 मार्च, 2023, नीपा।

अकादमिक परिषद की बैठक में भाग लिया, 15 मार्च, 2023।

नवाचार और नवोन्मेष के मामलों के मूल्यांकन हेतु समिति के सदस्य, 27–28 फरवरी, 2023।

नीपा न्यूज़लेटर हेतु समिति के सदस्य।

अन्य संस्थान

इग्नू के पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन डिस्टेंस एजुकेशन कार्यक्रम की दो मॉडरेशन बोर्ड बैठकों में बाह्य सदस्य के रूप में भाग लिया – 2024।

इग्नू के एम.ए.ई.डी परीक्षा हेतु प्रश्नपत्र का निर्माण किया।

संगीता अंगोम

प्रकाशन

अंगोम, संगीता (2025) – भारतीय कॉलेजों में पुस्तकालयों का प्रभावी प्रबंधन: चुनौतियाँ और आगे के रास्ते, पुस्तक में शीर्षक 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता और पुस्तकालय: सूचना और उपयोगकर्ता अपेक्षाओं का विस्तार' (संपादक: डॉ. राजेश सिंह और शिवा कनौजिया शुक्ला), श्री पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली (प्रेस में)।

सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

सेमिनारों और सम्मेलनों में शोध पत्र प्रस्तुत किया

"शैक्षणिक नेतृत्व: नेतृत्व प्रथाओं और चुनौतियों पर एक अंतर्दृष्टि" शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया गया, "21वीं सदी में उच्च शिक्षा में नेतृत्व" विषयक अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में, जिसका आयोजन उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा

विभाग, नीपा द्वारा भारतीय पर्यावास केंद्र में 18–19 मार्च, 2025 को किया गया।

केवल सेमिनारों, कार्यशालाओं, सम्मेलनों और बैठकों में सहभागिता

मानसिक स्वास्थ्य, लचीलापन और भलाई को बढ़ावा देने हेतु एकीकृत दृष्टिकोण पहल के अंतर्गत, एमएनआईटी, जयपुर का उदाहरणात्मक दौरा 4 अगस्त, 2024।

नीपा संकाय और भारतीय भाषा समिति के स्नातक छात्रों के बीच संवाद सत्र में भाग लिया–2 सितंबर, 2024 (छात्रों का दौराः 30 अगस्त – 5 सितंबर, 2024)।

मानसिक स्वास्थ्य, लचीलापन और भलाई को बढ़ावा देने पर 24 मई 2024 को आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम में भाग लिया और रिपोर्ट तैयार की : आयोजन– उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय और नीपा

15 अक्टूबर 2025 को नीपा में विशिष्ट अधिगम अक्षमता पर क्षमता निर्माण के अंतर्गत प्रत्येक विभाग के लिए आयोजित मास्टर क्लास की बैठक में कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के साथ भाग लिया।

16 अक्टूबर 2024 को, ए.एस. (शिक्षा) के तत्वावधान में आयोजित विशिष्ट अधिगम अक्षमता पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम के प्रथम चक्र की समीक्षा बैठक में भाग लिया।

विशिष्ट अधिगम अक्षमताएँ पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम चक्र 2 में एमएमटीटीपी (प्रश्न एवं उत्तर सत्र) के अंतर्गत प्रत्येक विभाग के लिए मास्टर क्लास की बैठक में भाग लिया – 19 नवंबर, 2024, नीपा

22 जनवरी 2025 को आयोजित, उच्च शिक्षण संस्थानों में सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य, लचीलापन और समग्र कल्याण को बढ़ावा देने हेतु क्षमता निर्माण पर आधारित ऑनलाइन सत्र में प्रतिभाग किया, समन्वय किया और संचालन किया।

25 से 26 नवम्बर 2024 तक आयोजित नीपा और ऑस्ट्रेलियन इनोवेटिव रिसर्च यूनिवर्सिटीज़ नेटवर्क के बीच सहयोग कार्यशाला में भाग लिया।

3 सितम्बर 2024 को नीपा में सतर्कता जागरूकता सप्ताह और अभियान के आयोजन में भाग लिया।

11 नवम्बर 2024 को, भारतीय पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित 15वें मौलाना आज़ाद स्मृति व्याख्यान में भाग लिया।

सार्वजनिक संस्थाओं को परामर्श एवं शैक्षणिक सहयोग प्रदान किया।

पूर्वोत्तर राज्यों (अप्रैल 2019–20 से अप्रैल 2023–24) के लिए आयोजित कार्यशालाओं/परामर्श बैठकों/प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सूची तैयार की, जिसे नीपा द्वारा जुलाई 2024 में शिक्षा मंत्रालय को प्रस्तुत किया जाना है।

नीपा के 'नवाचारशील भविष्य नेतृत्व कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति' के सदस्य के रूप में, शिक्षा मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित एसएलडी कार्यक्रमों के आयोजन में सहयोग प्रदान किया।

नीपा सर्वेक्षण दल के सदस्य के रूप में, भारत के उच्च शिक्षण संस्थानों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन की स्थिति पर सर्वेक्षण कर शिक्षा मंत्रालय को आवश्यक जानकारी प्रदान की।

शिक्षा मंत्रालय को सहयोग प्रदान करते हुए, 'समग्र शिक्षा' योजना के कार्यान्वयन की स्थिति और गैर–पुनरावर्ती अनुदानों (सिविल कार्यों) की लंबित स्थिति पर दो राज्यों – मणिपुर और मेघालय – में अनुसंधान अध्ययन किया, जिसमें शोध दल के सदस्य के रूप में योगदान दिया।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को सहयोग प्रदान करते हुए इशान उदय छात्रवृत्ति योजना पर एक मूल्यांकनात्मक अनुसंधान अध्ययन किया और रिपोर्ट प्रस्तुत की।

नीपा के बाहर प्रतिष्ठित संस्थाओं की सदस्यता

नॉर्थ ईस्ट इंडिया एजुकेशन सोसाइटी शिलांग–एनईआईईएस के आजीवन सदस्य

कॉम्पेरेटिव एजुकेशन सोसाइटी ऑफ इंडिया के आजीवन सदस्य

नीपा समिति के सदस्य

एनईआर अनुदान के अंतर्गत उत्तर–पूर्वी क्षेत्र (एनईआर) से संबंधित शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों, प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रमों, परियोजनाओं आदि को संचालित करने के लिए नीपा के संकाय समन्वयक।

जुलाई 2022 में पुनर्गठित मेस समिति के अध्यक्ष।

सहायक प्रोफेसर के पद के लिए प्राप्त आवेदनों की छंटनी हेतु गठित स्क्रीनिंग समिति के अध्यक्ष, नीपा।

फरवरी 2024 में विज्ञापित परियोजना प्रशासनिक सहायक के पद हेतु प्राप्त आवेदनों की छंटनी के लिए गठित स्क्रीनिंग समिति के अध्यक्ष ।

एक सोशल मीडिया चैम्पियन, नीपा

नीपा पुस्तकालय की संग्रह/विकास नीति एवं खरीद प्रक्रियाओं की समीक्षा हेतु गठित पुस्तकालय समीक्षा समिति के सदस्य।

11 अक्टूबर 2023 को नीपा के संसाधनों जैसे कि स्थान/कमरे/बुनियादी ढांचे और मानव संसाधन के अधिकतम उपयोग का मूल्यांकन एवं उसे बेहतर बनाने हेतु गठित स्थायी समिति के सदस्य।

शिक्षा एवं विकास में स्नातकोत्तर (एम.ए.) कार्यक्रम, 2023–24 के छात्रों के मेंटर।

एसपीसी, एसपीसी की उप–समिति तथा टेंडर खोलने एवं मूल्यांकन समिति के सदस्य – 3 मई 2023।

पीएच.डी. कार्यक्रम में प्रवेश परीक्षा (सत्र 2024–25) के लिए दस्तावेज़ सत्यापन एवं स्क्रीनिंग समिति के अध्यक्ष।

केंद्रीय विश्वविद्यालयों में "ईज़ ऑफ लिविंग" (सुगम जीवन) के क्रियान्वयन के संबंध में संकल्पना–पत्र (कॉन्सेप्ट पेपर) तैयार करने हेतु गठित समिति के सदस्य।

पीएच.डी. कार्यक्रम (सत्र 2024–25) की लिखित परीक्षा उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन हेतु गठित समिति के सदस्य।

एम.ए.ई.डी. कार्यक्रम (सत्र 2024–25) की लिखित परीक्षा उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन हेतु समिति के सदस्य।

समान अवसर प्रकोष्ठ के सदस्य।

अन्य पिछड़ा वर्ग एवं दिव्यांगजन के लिए संपर्क अधिकारी।

नीपा की डॉक्टोरल कार्यक्रम समिति के सदस्य।

नीपा की परीक्षा समिति के सदस्य।

नीपा की शैक्षणिक परिषद के सदस्य।

प्रशासनिक सहायक पद हेतु चयन समिति के सदस्य।

नेतृत्व संवर्द्धन कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के सदस्य।

पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा 2024 की उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन हेतु समिति के सदस्य।

एम.ए.ई.डी. प्रवेश परीक्षा 2024 की उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन हेतु समिति के सदस्य।

परियोजना मैनेजर पद हेतु चयन समिति के सदस्य।

स्थायी क्रय समिति के सदस्य।

परियोजना प्रशासनिक सहायक पद हेतु स्क्रीनिंग समिति के सदस्य।

नीपा के नेतृत्व संवर्द्धन कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रुप 3 के कोर दल समन्वयक।

नीपा के लिए आवास आवंटन नियमों में संशोधन हेतु गठित समिति के सदस्य।

नीपा के 2024 स्थापना दिवस व्याख्यान आयोजन हेतु गठित उप–समिति के सदस्य।

अन्य जानकारी

पीएच.डी. उपाधि प्रदान

मेरे निर्देशन में शोधार्थी फातिमा ज़हरा को उनके शोध कार्य "लद्दाख में उच्च शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी और महिला सशक्तिकरण की संभावनाएँ पर दिसंबर 2024 में पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई।

एम.फिल उपाधि प्रदान

मेरे निर्देशन में संजय कुमार यादव ने अपना शोध कार्य "पश्चिम बंगाल और असम में शरणार्थियों की शिक्षाः आर्थिक पक्ष, नीतियाँ और व्यवहार" पूर्ण किया और उन्हें अक्टूबर 2024 में एम.फिल की उपाधि प्रदान की गई।

पीएच.डी. शोध निर्देशन (चल रहे शोध कार्य)

शोधार्थी गड्डम मिहिर के शोध प्रबंध "भारतीय विश्वविद्यालयों में दर्शनशास्त्र पाठ्यक्रम की संरचना का ऐतिहासिक–सांस्कृतिक विश्लेषणः उस्मानिया विश्वविद्यालय का एक अध्ययन" का निर्देशन। (प्री–सबमिशन संगोष्ठी पूर्ण)

शोधार्थी अनुराधा शाह के शोध प्रबंध "उच्च शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी– उत्तर प्रदेश का एक अध्ययन" का निर्देशन।

शोधार्थी अब्दुल सकूर के शोध प्रबंध भारतीय विश्वविद्यालयों में डॉक्टोरल अध्ययन– शोधार्थियों के अनुभवों की अंतर्दृष्टि का निर्देशन।

शोधार्थी अमरनाथ मिश्रा के शोध कार्य उच्च शिक्षा में अंतर्विषयकता की समझ चयनित भारतीय विश्वविद्यालयों में अंतर्विषयक कार्यक्रमों का अध्ययन का निर्देशन कर रहा हूँ।

शोधार्थी दीपक के शोध कार्य "उच्च शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण के आर्थिक पक्ष भारत में आने वाले अंतरराष्ट्रीय छात्रों की गतिशीलता का अध्ययन" (एम.फिल बैच 2023–24) का निर्देशन।

शोधार्थी प्रज्ञान बेहेरा के शोध कार्य भारतीय विश्वविद्यालयों में अंतरराष्ट्रीय सहयोगात्मक अनुसंधान की प्रवृत्तियां: एक तुलनात्मक विश्लेषण का निर्देशन प्रभारी पर्यवेक्षक के रूप में।

नीपा प्रशिक्षुओं का पर्यवेक्षण

आईडेपा परियोजना कार्य "म्यांमार में बाल श्रम मुद्दे और चुनौतियाँ का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन किया गया, जो शैक्षिक योजना और प्रशासन में सैंतीसवें अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा 2024 की आंशिक पूर्ति हेतु म्यांमार की किन थु ज़ार द्वारा अगस्त 2024 में प्रस्तुत किया गया।

श्रीलंका की ईशानी वेथ्थसिंघे द्वारा प्रस्तुत आईडेपा परियोजना कार्य का पर्यवेक्षण किया जा रहा है जिसका शीर्षक है, श्रीलंका में साधारण स्तर की परीक्षाओं के लिए मातृ भाषा (सिंहला) और गणित के विशेष संदर्भ में शिक्षण रणनीतियों को बेहतर बनाने हेतु परीक्षा त्रुटि विश्लेषण का उपयोग, शैक्षिक योजना और प्रशासन में अड़तीसवां अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा , 2025।

तंज़ानिया के साइमन मोसिंगो किवुयो द्वारा प्रस्तुत आईडेपा परियोजना कार्य का पर्यवेक्षण किया जा रहा है, जिसका शीर्षक है, ट्यूटरों के प्रदर्शन पर लोक सेवक प्रदर्शन प्रबंधन सूचना प्रणाली की भूमिका, मोंडुली टीचर्स कॉलेज का एक केस अध्ययन, शैक्षिक योजना और प्रशासन में अड़तीसवां अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा, 2025।

प्रशिक्षण / अन्य उपलब्धियाँ

1–3 दिसंबर, 2025 को विश्वविद्यालयों के डीन और विभागाध्यक्षों के लिए नेतृत्व विकास कार्यशाला का आयोजन।

7–18 मार्च, 2025 को "21वीं सदी में उच्च शिक्षा में नेतृत्व" विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन, भारतीय पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली।

20–29 नवंबर 2024 को एमएमटीसी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 संवेदनशीलता कार्यक्रम (चौथा बैच) आयोजित किया गया।

20 फरवरी 2025 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 कार्यान्वयन पर राज्य नोडल अधिकारियों, राज्य विश्वविद्यालयों और संबद्ध कॉलेजों के लिए राष्ट्रीय परामर्श कार्यशाला (ऑनलाइन) नीपा।

19 फरवरी 2025 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 कार्यान्वयन पर केंद्र द्वारा वित्त पोषित संस्थानों और मानित विश्वविद्यालयों के लिए राष्ट्रीय परामर्श कार्यशाला (ऑनलाइन), नीपा।

20–21 मई 2024 को राष्ट्रीय महत्त्व की संस्थाओं और केंद्रीय विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों के लिए दो दिवसीय विशिष्ट अधिगम अक्षमता वाले छात्रों को उच्च शिक्षा में शामिल करने हेतु क्षमता निर्माण कार्यक्रम, शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा नीपा के सहयोग से, नई दिल्ली में आयोजित।

10 जनवरी 2025 को विशिष्ट अधिगम अक्षमता पर क्षमता विकास कार्यक्रम–चक्र 2, अकादमिक मामलों के कार्यालय, संकाय एवं परीक्षा प्रकोष्ठ के सहयोग से समन्वय।

12 अगस्त 2024 को नीपा के 18वें स्थापना दिवस का आयोजन, आयोजन उप–समिति के सदस्य के रूप में, भारतीय पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली में किया गया।

एमएमटीटीपी के अंतर्गत भविष्य के नेतृत्व को पोषित करने हेतु कार्यक्रम का आयोजन और रिपोर्ट तैयार की गई।

नीपा की समता अवसर प्रकोष्ठ के सदस्य के रूप में समान और समावेशी परिसरों का निर्माण समता अवसर प्रकोष्ठ के माध्यम से परिवर्तन को सशक्त बनाना विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन, 28 मार्च 2025, नीपा।

उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित कॉलेज प्राचार्यों के लिए नेतृत्व विकास पर राष्ट्रीय कार्यशाला (3–7 फरवरी 2025, नीपा, नई दिल्ली) के आयोजन में आवश्यक सहयोग प्रदान किया।

पीएच.डी. 2024 बैच के लिए जुलाई 2024 में अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन, डॉक्टोरल प्रोग्राम समिति के सदस्य के रूप में।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकास / संचालित

विश्वविद्यालयों के डीन और विभागाध्यक्षों के लिए नेतृत्व विकास कार्यशाला हेतु प्रशिक्षण सामग्री का विकास (1–3 दिसंबर 2024, नीपा)।

21वीं सदी में उच्च शिक्षा में नेतृत्व पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए विचार पत्र और अन्य सामग्री का विकास (17–18 मार्च 2024, भारतीय पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली)।

एमएमटीसी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 संवेदनशीलता कार्यक्रम (चौथा बैच, 20–29 नवंबर 2024) के संचालन हेतु सामग्री का विकास।

पीएच.डी. विद्वानों के लिए अभिविन्यास कार्यशाला सामग्री का विकास, 2024 में प्रवेशित छात्रों के लिए।

व्याख्यान / वेबिनार

27.09.2024 को आयोजित उच्च शिक्षा संस्थानों में सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य, लचीलापन और कल्याण को बढ़ावा देने हेतु क्षमता निर्माण पर ऑनलाइन सत्र में भाग लिया।

कार्यशालाएँ / सम्मेलन / प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

1–3 दिसंबर 2024 को विश्वविद्यालयों के संकायाध्यक्ष और विभागाध्यक्षों के लिए नेतृत्व विकास कार्यशाला का आयोजन, नीपा।

17–18 मार्च 2025 को 21वीं सदी में उच्च शिक्षा में नेतृत्व विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन, भारतीय पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली।

20–29 नवंबर 2024 एमएमटीसीः राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 संवेदनशीलता कार्यक्रम का आयोजन।

20 फरवरी 2025 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन पर राज्य स्तरीय परामर्श कार्यशाला का एक दल सदस्य के रूप में आयोजन –राज्य नोडल अधिकारी, राज्य विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेज (ऑनलाइन), नीपा।

19 फरवरी 2025 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन पर राष्ट्रीय स्तर की परामर्श कार्यशाला का एक दल सदस्य के रूप में आयोजन – केंद्र सरकार द्वारा वित्तपोषित संस्थान और मानित विश्वविद्यालय (ऑनलाइन), नीपा।

20–21 मई 2024 को राष्ट्रीय महत्त्व की संस्थाओं और केंद्रीय विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों के लिए "विशिष्ट अधिगम अक्षमता वाले छात्रों को उच्च शिक्षा संस्थानों में शामिल करने हेतु दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम" का समन्वय, जो उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय द्वारा नीपा, नई दिल्ली में भौतिक रूप से आयोजित किया गया।

10 जनवरी 2025 को अकादमिक मामलों के कार्यालय, संकाय एवं परीक्षा प्रकोष्ठ के सहयोग से विशिष्ट अधिगम अक्षमता पर क्षमता निर्माण विकास कार्यक्रम (चक्र 2) का समन्वय।

12 अगस्त 2024 को नीपा की 18वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का आयोजन, उप–समिति के सदस्य के रूप में, अन्य सदस्यों के साथ मिलकर, भारतीय पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली में आयोजन।

एमएमटीटीपी के अंतर्गत भविष्य नेतृत्व पोषण कार्यक्रम का आयोजन एवं रिपोर्ट तैयार की गई।

समता अवसर प्रकोष्ठ, नीपा के सदस्य के रूप में 28.03.2025 को नीपा में समान और समावेशी परिसर का निर्माण समता अवसर प्रकोष्ठ के माध्यम से परिवर्तन को सशक्त बनाना विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन।

3–7 फरवरी, 2025 तक उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग द्वारा नीपा, नई दिल्ली में आयोजित ''कॉलेज प्राचार्यों के लिए नेतृत्व विकास'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला के आयोजन में आवश्यक सहायता प्रदान की गई।

डॉक्टरल कार्यक्रम समिति के सदस्य के रूप में, अन्य सदस्यों के साथ मिलकर जुलाई 2024 में पीएच.डी. 2024 बैच के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

पाठ्यक्रम / प्रशिक्षण समन्वय

विश्वविद्यालयों के फैकल्टी डीन और विभागाध्यक्षों के लिए 1–3 दिसंबर 2024 को नीपा में आयोजित नेतृत्व विकास कार्यशाला हेतु कार्यशाला सामग्री का विकास।

21वीं सदी में उच्च शिक्षा में नेतृत्व विषय पर 17–18 मार्च 2024 को भारतीय पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए विचार–पत्र (कॉन्सेप्ट नोट) और अन्य संबंधित सामग्री का विकास।

नीपा द्वारा 20–29 नवंबर 2024 को आयोजित पांच दिवसीय एमएमटीसी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 संवेदनशीलता (बैच 4) कार्यक्रम के संचालन हेतु सामग्री का विकास।

2024 में प्रवेशित पीएच.डी. शोधार्थियों के लिए अभिविन्यास कार्यशाला सामग्री का विकास।

पाठ्यक्रम समन्वयक के रूप में दायित्व

पीएच.डी. कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम सीसी–3– शैक्षिक नीति के पाठ्यक्रम समन्वयक।

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए बजट निर्माण पाठ्यक्रम के समन्वयक।

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए अनुदान प्रस्ताव लेखन पाठ्यक्रम के समन्वयक।

आईडेपा पाठ्यक्रम 201: थीमैटिक सेमिनार के समन्वयक।

पाठ्यक्रमों के संचालन में भागीदारी

पीएच.डी. कार्यक्रम

सीसी–3 शैक्षिक नीति

सीसी–5 शोध पद्धति (गुणात्मक)

सीसी–6 शैक्षिक वित्त

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

एस2सीसी505: शैक्षिक विकास

एस4सीसी511: शिक्षा का वित्तपोषण

एस4एसईसी537: बजट विश्लेषण एवं जवाबदेही

एस5एसईसी538: अनुदान प्रस्ताव तैयार करना

आईडेपा कार्यक्रम

पीजीडेपा पाठ्यक्रम 906 – प्रतिभागियों का सेमिनार

पीजीडेपा पाठ्यक्रम 905 – शोध पद्धति परियोजना कार्य एवं लेखन

अन्य गतिविधियाँ

अनुसंधान अध्ययन (जारी)

"भारतीय स्नातक महाविद्यालयों में पुस्तकालय सुविधाएँ एवं इनका विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर प्रभाव" शीर्षक पर अनुसंधान अध्ययन – रिपोर्ट का संपादन प्रगति पर है।

शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रायोजित अनुसंधान अध्ययन – "उत्तर–पूर्व भारत (मणिपुर और मेघालय) में विद्यालय शिक्षा को सुदृढ़ बनाना"।

पूर्ण किए गए अनुसंधान अध्ययन

यूजीसी की इशान उदय छात्रवृत्ति योजना पर अध्ययन – अंतिम रिपोर्ट अप्रैल 2024 में प्रस्तुत की गई।

शिक्षा मंत्रालय के अनुसंधान अध्ययन मणिपुर में समग्र शिक्षा के अंतर्गत गैर–पुनरावर्ती मदों की लंबित राशि की रिपोर्ट पूर्ण की गई और मार्च 2025 में अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

शिक्षा मंत्रालय के अनुसंधान अध्ययन मेघालय में समग्र शिक्षा के अंतर्गत गैर–पुनरावर्ती मदों की लंबित राशि की रिपोर्ट पूर्ण की गई और मार्च 2025 में अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

शोध दल के सदस्य के रूप में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन पर अध्ययन (अनुसंधान, नवाचार और प्रौद्योगिकी घटक) की रिपोर्ट मार्च 2025 में नीपा द्वारा प्रस्तुत की गई।

अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ

पीएच.डी. विद्यार्थियों का वाइवा–वॉइस परीक्षा समिति के सदस्य के रूप में आयोजित किया।

शैक्षणिक वर्ष 2024–25 के दौरान पीएच.डी. शोधार्थियों का प्री–सबमिशन सेमिनार परीक्षा समिति के सदस्य के रूप में आयोजित किया।

एम.फिल 2021–23 बैच के अंतिम परिणाम परीक्षा समिति के सदस्य के रूप में तैयार किए।

पीएच.डी. 2024–25 बैच के पहले सेमेस्टर के परिणाम परीक्षा समिति के सदस्य के रूप में तैयार किए।

पीएच.डी. 2023–24 बैच के द्वितीय सेमेस्टर के परिणाम परीक्षा समिति के सदस्य के रूप में तैयार किए।

19 मार्च 2025 को गड्डम मिहिरा के शोध कार्य पर आधारित पीएच.डी. थीसिस भारतीय विश्वविद्यालयों में दर्शनशास्त्र पाठ्यक्रम की संरचना का ऐतिहासिक–सांस्कृतिक विश्लेषण उस्मानिया विश्वविद्यालय का एक अध्ययन के लिए प्री–सबमिशन सेमिनार का आयोजन किया गया।

फातिमा ज़हरा के पीएच.डी. शोधकार्य लद्दाख में महिलाओं की उच्च शिक्षा में भागीदारी और महिला सशक्तिकरण की संभावनाएँ के लिए प्री–सबमिशन सेमिनार का आयोजन जुलाई 2024 में किया गया।

प्रो. नीरू स्नेही की पीएच.डी. शोधार्थी ऐश्वर्या की आरएसी बैठकों में आंतरिक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

प्रो. आरती श्रीवास्तव के पीएच.डी. शोधार्थी पृथ्वी की आरएसी बैठकों में आंतरिक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

प्रो. आरती श्रीवास्तव की पीएच.डी. शोधार्थी बिस्मा मंज़ोर की आरएसी बैठकों में आंतरिक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

प्रो. नीरू स्नेही की पीएच.डी. शोधार्थी देव्यानी रावल की आरएसी बैठकों में आंतरिक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

प्रो. नीरू स्नेही की पीएच.डी. शोधार्थी पायल वर्मा की आरएसी बैठकों में आंतरिक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

डॉ. मोना सेदवाल के पीएच.डी. शोधार्थी गोविंद की आरएसी बैठकों में आंतरिक सदस्य के रूप में भाग लिया।

नीपा में पर्यवेक्षक रूप में आरएसी बैठकों का आयोजन

अमरनाथ मिश्रा (पीएच.डी. शोधार्थी, नीपा) की आरएसी बैठक का आयोजन किया।

अब्दुल सकूर (पीएच.डी. शोधार्थी, नीपा) की आरएसी बैठक का आयोजन किया।

अनुराधा शाह (पीएच.डी. शोधार्थी, नीपा) की आरएसी बैठक का आयोजन किया।

गड्डम मिहिरा (पीएच.डी. शोधार्थी, नीपा) की आरएसी बैठक का आयोजन किया।

रिपोर्ट की अवधि के दौरान नीपा की अन्य गतिविधियों में सहभागिता

उत्तर–पूर्व क्षेत्र अनुदानों के अंतर्गत शैक्षणिक एवं शोध गतिविधियों, प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रमों, परियोजनाओं आदि के संचालन हेतु संकाय समन्वयक के रूप में कार्य किया।

ओबीसी एवं पीडब्ल्यूडी के लिए संपर्क अधिकारी के रूप में नीपा से संबंधित गतिविधियों में सहभागिता की।

अगस्त 2024 में आयोजित नीपा की 18वें स्थापना दिवस के आयोजन में सहभागिता की।

नीपा की मेस समिति के अध्यक्ष के रूप में हॉस्टल मेस एवं कैंटीन की संपूर्ण कार्यप्रणाली की समय–समय पर निगरानी की।

सोशल मीडिया चौम्पियन के रूप में आईटी दल के माध्यम से कार्यक्रम से संबंधित जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अपलोड करने की पहल की।

परीक्षा समिति के सदस्य के रूप में एम.फिल और पीएच.डी. के वाइवा–वॉइस के संचालन, पीएच.डी. के पहले और दूसरे सेमेस्टर के ग्रेड तथा समग्र अंतिम ग्रेड तैयार करने जैसे परीक्षा से संबंधित कार्यों में सहभागिता की।

डॉक्टोरल कार्यक्रम समिति के सदस्य के रूप में पीएच.डी. प्री–सबमिशन सेमिनारों के समन्वय, पीएच.डी. अनुसूची के निर्माण तथा पीएच.डी. प्रॉस्पेक्टस में संशोधन के कार्यों में भाग लिया।

पीएच.डी. शोधार्थियों की आरएसी समिति के आंतरिक सदस्य के रूप में कार्य करते हुए उनके शोध कार्य में सुधार हेतु सुझाव प्रदान किए।

नीपा कार्यक्रमों में पाठ्यक्रम संचालन / व्याख्यान प्रदत्त / संसाधन व्यक्ति के रूप में सहभागिता

28 जनवरी 2025 को मलवीय मिशन–शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएम–टीटीपी) के अंतर्गत भारतीय विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों के शिक्षकों के लिए आयोजित संकाय प्रेरण प्रोग्राम (ऑनलाइन) में "उच्च शिक्षा में बहु–विषयकता व्यावहारिक पहलू" विषय पर सत्र लिया।

11 फरवरी 2025 को मलवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, नीपा द्वारा धनमंजुरी विश्वविद्यालय, इंफाल, मणिपुर के सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदनशीलता कार्यक्रम (30वां बैच) में "उच्च शिक्षा में बहु–विषयकता व्यावहारिक पहलू" पर सत्र प्रस्तुत किया।

20 से 29 जनवरी 2025 के बीच यूजीसी एमएमटीटीसी नीपा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास कार्यक्रम में 28 जनवरी को "उच्च शिक्षा में बहु–विषयकता व्यावहारिक पहलू" विषय पर सत्र प्रस्तुत किया।

10 जनवरी 2025 को नीपा द्वारा आयोजित छठवें आईपीईए कार्यक्रम के दौरान "शिक्षा में सार्वजनिक–निजी भागीदारी" विषय पर सत्र लिया।

16 जनवरी 2025 को "सतत विकास की दृष्टि से पाठ्यक्रम में बहु–विषयक दृष्टिकोण" विषय पर ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स के दौरान सत्र लिया।

3 मार्च 2025 को "निजी उच्च शिक्षा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020" विषय पर यूजीसी–एमएमटीटीपी, नीपा द्वारा आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम में सत्र प्रस्तुत किया।

19–20 दिसंबर 2025 को त्रिपुरा विश्वविद्यालय में "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 वित्तीय प्रभाव और संसाधन जुटाने" विषय पर चार सत्रों के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में योगदान।

1–3 दिसंबर 2024 को नीपा में आयोजित फैकल्टी डीन व विभागाध्यक्षों के लिए नेतृत्व विकास कार्यशाला में "संस्थान स्तर पर नेतृत्व की चुनौतियाँ और समाधान की रणनीतियाँ" विषय पर प्रतिभागियों के अनुभव साझा करने वाले सत्र में चर्चाकार के रूप में भाग लिया।

24 दिसंबर 2024 को यूजीसी–एमएमटीटीसी नीपा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास कार्यक्रम में "निजी उच्च शिक्षा" पर सत्र प्रस्तुत किया। 16–26 दिसंबर, 2024

9–13 दिसंबर 2024 को नीपा द्वारा आयोजित "विश्वविद्यालयों में लैंगिक संवेदनशीलता प्रकोष्ठ और आंतरिक शिकायत समिति" पर राष्ट्रीय कार्यशाला में संस्थागत नीतियाँ और यौन उत्पीड़न मामलों पर केस स्टडी सत्र की अध्यक्षता की।

21–25 अक्टूबर 2024 को गुवाहाटी, असम में आयोजित "उत्तर–पूर्वी राज्यों में स्थानीय प्राधिकरणों एवं स्वायत्त परिषदों की कार्यप्रणाली" पर पांच दिवसीय कार्यशाला में "उत्तर–पूर्वी राज्यों में शिक्षा मुद्दे और चुनौतियाँ" विषय पर सत्र लिया।

20–29 नवंबर 2024 को आयोजित संकाय प्रेरण प्रोग्राम (ऑनलाइन) में "उच्च शिक्षा में बहु–विषयकताः व्यावहारिक पहलू" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

12–21 नवंबर 2024 को नीपा द्वारा आयोजित एमएम–टीटीपी के अंतर्गत राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास कार्यक्रम में "उच्च शिक्षा में बहु–विषयकता–व्यावहारिक पहलू" पर सत्र लिया।

10 अक्टूबर 2024 को नीपा के मलवीय मिशन कार्यक्रम में "उच्च शिक्षा में बहु–विषयकता व्यावहारिक पहलू" पर सत्र लिया। एनईपी अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाईन)। 30 सितंबर–10 अक्टूबर 2024

19 अगस्त 2024 को एमएमटीटीपी–नीपा द्वारा आयोजित ऑनलाइन संकाय प्रेरण कार्यक्रम में "बहु–विषयक उच्च शिक्षा" विषय पर सत्र प्रस्तुत किया। मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र द्वारा भारतीय विश्वविद्यालयों के कॉलेजों के शिक्षकों के लिए आयोजित, नीपा, 5 अगस्त–3 सितंबर, 2024।

14 अगस्त 2024 को एमएमटीटीपी नीपा द्वारा आयोजित संकाय प्रेरण कार्यक्रम (ऑनलाइन) में "निजी उच्च शिक्षा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020" पर सत्र लिया।

24 जून 2024 को "विद्यालय शिक्षा के संदर्भ में अनुसंधान में नैतिकता" विषय पर सत्र लिया, जो कि 24–28 जून 2024 तक आयोजित कार्यशाला "विद्यालयों में बच्चों की भागीदारी और विद्यालय सुधार के लिए अनुसंधान एवं नीति योजना" का हिस्सा था।

7 जून 2024 को यूजीसी–एमएमटीटीपी, नीपा द्वारा 3–12 जून के बीच आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम में "उच्च शिक्षा में बहु–विषयकता" विषय पर सत्र लिया।

नीपा में इंटर्नशिप के लिए आए आरआईई भोपाल के एम.एड. विद्यार्थियों के साथ संवाद कार्यक्रम में भाग लिया।

28 मार्च 2025 को यूजीसी–एमएमटीटीपी, नीपा द्वारा 17 से 29 मार्च 2025 तक आयोजित "शोध पद्धति और अकादमिक लेखन" पर दो सप्ताह के ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स में "भारत में अनुसंधान में गुणवत्ता के मुद्दे" पर व्याख्यान दिया।

अन्य विश्वविद्यालय में पाठ्यक्रम के संचालन में शामिल/व्याख्यान दिया

"छात्र केंद्रित विधि उच्च शिक्षा" विषय पर 1 जुलाई, 2024 को एक सत्र लिया गया, जो संेट जेवियर कॉलेज, जलुकी, नागालैंड द्वारा 1–5 जुलाई, 2024 को आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम के दौरान आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम उच्च शिक्षा में प्रभावी शिक्षण–अधिगम एवं मूल्यांकन रणनीतियाँ/उपकरण विषय पर केंद्रित था।

दक्षिण क्षेत्र में एमएमटीटी केन्द्रों की क्षेत्रीय कार्यशाला (आईआईटीडीएम, कांचीपुरमः 18–19 अक्टूबर, 2024) में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया गया तथा सत्रों की रिपोर्ट तैयार की।

संसाधन व्यक्ति के रूप में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भविष्य की दिशा विषय पर 20 से 25 अगस्त, 2024 के दौरान

भोपाल में आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) में भाग लिया तथा समूह कार्य पर दो सत्र लिए।

22 फरवरी, 2025 को अनुसंधान प्रस्तावः विकास समस्या की पहचान, अनुसंधान कथन और 24 फरवरी, 2025 को प्रश्नावली का विकास (हैंड्स–ऑन) विषयों पर सत्र लिए गए। ये सत्र संसाधन व्यक्ति के रूप में 22 फरवरी से 28 फरवरी, 2025 तक आयोजित सामाजिक विज्ञानों में अनुसंधान पद्धति विषयक ऑफ़लाइन संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) के अंतर्गत लिए गए, जिसे यूजीसी–एमएमटीटीसी, नीपा द्वारा सरोजिनी नायडू गवर्नमेंट गर्ल्स पी.जी. (स्वायत्त) कॉलेज, भोपाल के सहयोग से आयोजित किया गया था।

शिवकुमार कांडेकर

सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशालाओं में सहभागिता

28 मार्च, 2025 – समान और समावेशी परिसरों का निर्माणः समान अवसर प्रकोष्ठ के माध्यम से परिवर्तन को सशक्त बनाना विषय पर विशेष व्याख्यान में भागीदारी। आयोजनकर्ता समान अवसर प्रकोष्ठ, नीपा।

17 मार्च, 2025 – व्यावसायिक उत्कृष्टता हेतु कल्याण विज्ञान विषय पर आयोजित विचारमंच में सहभागिता। आयोजनकर्ता– उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग।

18–19 मार्च, 2025 : 21वीं सदी में उच्च शिक्षा में नेतृत्व विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता और आयोजन। आयोजनकर्ता– उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग, नीपा, स्थान– टेमरिंड हॉल, भारतीय पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली।

अन्य जानकारी

एम.ए. एजुकेशन (सेमेस्टर II) पाठ्यक्रम के अंतर्गत शिक्षा में समानता और समावेशन विषय का शिक्षण।

प्रशिक्षण / अन्य उपलब्धियाँ

24 फरवरी, 2025 को आयोजित उच्च शिक्षा संस्थानों में सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य, लचीलापन और कल्याण को बढ़ावा देने हेतु क्षमता निर्माण विषयक ऑनलाइन सत्र का समन्वयन।

शिक्षा में प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक विकास विभाग

नीरू स्नेही

प्रकाशन

अनुसंधान पत्र / लेख / नोट्स

1–7 जुलाई, 2024 को 21वीं सदी की भारतीय उच्च शिक्षा में अनुसंधान और नवाचार आगे की दिशा, यूनिवर्सिटी न्यूज़, भारतीय विश्वविद्यालय संघ, खंड 62, अंक 27।

21वीं सदी की भारतीय उच्च शिक्षा में अनुसंधान और नवाचार को उत्प्रेरित करना, पुस्तक अध्याय, भारतीय शिक्षा की पुनर्कल्पनाः मुद्दे, परिप्रेक्ष्य और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, संपादकः अजीत मंडल, 2024, शिप्रा पब्लिशर्स, नई दिल्ली।

भारतीय उच्च शिक्षा में पाठ्यक्रम और क्रेडिट सुधार की बदलती प्रवृत्तियाँ पर अनुसंधान लेख प्रकाशनाधीन, नीपा–सीपीआरएचई पुस्तक।

अनुसंधान रिपोर्ट

यूजीसी योजना 'भारत के युगप्रवर्तक सामाजिक चिंतक' की अंतिम मूल्यांकन रिपोर्ट 2024 प्रस्तुत

प्रशिक्षण/कार्यशालाओं में भागीदारी/अन्य उपलब्धियां

13 दिसंबर, 2024 को विकसित भारत अभियान 2047 हेतु शैक्षणिक उत्कृष्टता में महिला नेतृत्व की भूमिका विषय पर एक दिवसीय महिला नेतृत्व कार्यक्रम, आईआईटी दिल्ली में प्रतिभागिता।

3–5 सितंबर, 2024 को शिक्षण एवं अधिगम की मूल अवधारणाएं विषय पर कार्यशाला में सहभागिता, स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड सोशल वर्क, यूनिवर्सिटी ऑफ ससेक्स, यूनाइटेड किंगडम।

स्थायी शैक्षिक विकास हेतु नेतृत्व– ऑस्ट्रेलिया–भारत नेतृत्व गोलमेज सम्मेलन (एआईएलईएडी 2024) दि यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न द्वारा आयोजित, मेलबर्न ग्लोबल सेंटर, दिल्ली, में प्रतिभागिता।

एजुकेशन एक्सीलेंस अवॉर्ड्स :2024 (तीसरा संस्करण) में जूरी सदस्य के रूप में सहभागिता। आयोजनकर्ता: अरूकस मीडिया; ज्ञान सहयोगी एनएबीईटी (राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड – शिक्षा एवं प्रशिक्षण)।

38वां अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम – शैक्षिक योजना एवं प्रशासन के प्रतिभागियों को 31 मार्च – 5 अप्रैल, 2025 के दौरान मध्य प्रदेश (भोपाल) के शैक्षिक अध्ययन भ्रमण में समन्वय एवं साथ में नेतृत्व किया।

सहयोगात्मक कार्यशाला में सहभागिता, नीपा, इनोवेटिव रिसर्च यूनिवर्सिटीज़ नेटवर्क, ऑस्ट्रेलिया एवं ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग के संयुक्त तत्वावधान में, 25–26 नवंबर, 2024, नीपा परिसर, नई दिल्ली में आयोजित।

राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय सेमिनारों में सहभागिता

प्रस्तुतियाँ

6–8 मई, 2024 को आईआईटी कानपुर में केरल राज्य शिक्षा विभाग के अधिकारियों के लिए आयोजित कार्यशाला में सहभागिता एवं प्रस्तुति।

22–26 जुलाई, 2024 को कॉर्नेल विश्वविद्यालय, इथाका, न्यूयॉर्क, अमेरिका में आयोजित XVIII विश्व कांग्रेस ऑफ कंपेरेटिव एजुकेशन सोसाइटीज़ 2024 में 21वीं सदी की भारतीय उच्च शिक्षा में अनुसंधान और नवाचार विषय पर ऑनलाइन शोधपत्र प्रस्तुत किया। विषय था "समतापूर्ण और टिकाऊ भविष्य के लिए ज्ञान शिक्षा की समावेशी पारिस्थितिकी को बढ़ावा देना"।

9–10 सितंबर, 2024 को कैसलक्लिफ, यूनिवर्सिटी ऑफ सेंट एंड्रयूज़, स्कॉटलैंड में आयोजित कार्यशाला "शिक्षा में बड़े बदलाव के लिए अनुसंधान और अभ्यास साझेदारी" में नीपा: शिक्षा अनुसंधान का अवलोकन: उच्च शिक्षा पर केंद्रित विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

18–19 मार्च, 2025 को नीपा, उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी "21वीं सदी में उच्च शिक्षा में नेतृत्व" में भारतीय स्नातक संस्थानों में नेतृत्व की चुनौतियाँ और अवसर विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

12 फरवरी, 2025 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया के शैक्षिक अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन नीतिगत दृष्टिकोणों की रोशनी में शिक्षक शिक्षा को प्रमुखता देना विषय पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

व्याख्यान – वेबिनार

3 मई, 2024 – उच्च शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण विषय पर आमंत्रित व्याख्यान, राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन), आयोजक नीपा–यूजीसी एमएमटीटीसी, नीपा।

7 जून, 2024 – अनुसंधान में "लैब टू लैंड" प्रक्रिया विषय पर आमंत्रित व्याख्यान, राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम, नीपा–यूजीसी एमएमटीटीसी, नीपा द्वारा आयोजित।

17 अगस्त, 2024 : स्नातक स्तर पर अनुसंधान विषय पर आमंत्रित व्याख्यान, संकाय प्रेरण कार्यक्रम (ऑनलाइन), नीपा–यूजीसी एमएमटीटीसी, नीपा द्वारा आयोजित।

19 अगस्त, 2024 – उच्च शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण विषय पर आमंत्रित व्याख्यान, राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन), नीपा–यूजीसी एमएमटीटीसी, नीपा द्वारा आयोजित।

22 अगस्त, 2024 – अनुसंधान और विकास विषय पर आमंत्रित व्याख्यान, राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन), नीपा–यूजीसी एमएमटीटीसी, नीपा द्वारा आयोजित।

14 अक्टूबर, 2024 : गुणात्मक अनुसंधान में अनुसंधान रणनीतियाँ और दृष्टिकोण विषय पर व्याख्यान, सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम (ऑनलाइन), नीपा–यूजीसी एमएमटीटीसी, नीपा द्वारा आयोजित।

8 जनवरी, 2025 – उच्च शिक्षा में अनुसंधान का दिशा–निर्देशन विषय पर आमंत्रित व्याख्यान, राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम, नीपा–एमएमटीटीसी, नीपा द्वारा आयोजित।

10 फरवरी, 2025 – उच्च शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण विषय पर आमंत्रित व्याख्यान, राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन), नीपा–यूजीसी एमएमटीटीसी, नीपा द्वारा आयोजित।

6 मार्च, 2025 – स्नातक स्तर पर अनुसंधान विषय पर आमंत्रित व्याख्यान, राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन), यूजीसी–एमएमटीटीपी–नीपा द्वारा आयोजित।

7 मार्च, 2025 – उच्च शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण विषय पर आमंत्रित व्याख्यान, राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन), नीपा–यूजीसी एमएमटीटीसी, नीपा द्वारा आयोजित।

22 मार्च, 2025 – अनुसंधान चक्र विषय पर आमंत्रित व्याख्यान, शोध पद्धति एवं शैक्षणिक लेखन पर रिफ्रेशर कोर्स, यूजीसी–मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम नीपा एवं महाराजा अग्रसेन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित।

28 मार्च, 2025 – उच्च शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण विषय पर आमंत्रित व्याख्यान, राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन), यूजीसी–एमएमटीटीपी–नीपा द्वारा आयोजित।

30 अप्रैल, 2024 – 21वीं सदी में उच्च शिक्षा प्रणाली का फोकस विषय पर आमंत्रित व्याख्यान, राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन), इग्नू–एमएमटीटीसी (स्टाफ ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ डिस्टेंस एजुकेशन) द्वारा आयोजित।

28 मई, 2024 – 21वीं सदी में उच्च शिक्षा प्रणाली का फोकस विषय पर आमंत्रित व्याख्यान, राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन), इग्नू–एमएमटीटीसी (स्टाफ ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ डिस्टेंस एजुकेशन) द्वारा आयोजित।

22 जुलाई, 2024 – उच्च शिक्षा और समाज विषय पर व्याख्यान, राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन), इग्नू–एमएमटीटीसी (स्टाफ ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ डिस्टेंस एजुकेशन) द्वारा आयोजित।

22 जुलाई, 2024 – भविष्य की परिकल्पना : संगठन की आकांक्षा और विकास के लिए रणनीति विकसित करना विषय पर व्याख्यान, एक माह का संकाय प्रेरण कार्यक्रम (ऑनलाइन), जामिया मिल्लिया इस्लामिया–एमएमटीटीसी द्वारा आयोजित।

29 जुलाई, 2024 : उच्च शिक्षा और समाज विषय पर व्याख्यान, इग्नू–एमएमटीटीसी (स्टाफ ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ डिस्टेंस एजुकेशन) द्वारा आयोजित।

25 सितंबर, 2024 – 21वीं सदी में उच्च शिक्षा प्रणाली का फोकस विषय पर व्याख्यान, राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम (आनलाईन) इग्नू–एमएमटीटीसी (स्टाफ ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ डिस्टेंस एजुकेशन) द्वारा आयोजित।

27 नवंबर, 2024 – 21वीं सदी में उच्च शिक्षा प्रणाली का फोकस विषय पर व्याख्यान, राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम (आनलाईन) इग्नू–एमएमटीटीसी (स्टाफ ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ डिस्टेंस एजुकेशन) द्वारा आयोजित।

26 मार्च, 2025 – उच्च शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण विषय पर व्याख्यान, राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन), यूजीसी–एमएमटीटीपी – पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़) द्वारा आयोजित।

3–7 फरवरी, 2025 – उच्च शिक्षा में नेतृत्व विकास हेतु पाँच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में व्याख्यान–सह–चर्चा सत्रों का संचालन, आयोजन स्थल नीपा, नई दिल्ली।

राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय कार्यशालाओं / सेमिनारों में सहभागिता

21 जनवरी, 2025 – वेबिनार में सहभागिता– "छात्र मूल्यांकन के लिए एआई की प्रवृत्तियाँ", विश्वविद्यालय विश्व समाचार।

3 अप्रैल, 2024 – वेबिनार में सहभागिताः "उच्च शिक्षण संस्थानों में साइबर हाइजीन", आयोजकः भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी), गृह मंत्रालय।

ऑनलाइन सेमिनार में सहभागिताः "एआई में नैतिकताः भारत में शैक्षणिक एवं शोध संस्थानों के लिए रूपरेखा", आयोजकः टेरी–इग्नू–यूनेस्को (हाइब्रिड कार्यक्रम)।

24 जनवरी, 2025 – अंतरराष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर नीपा में सहभागिता।

3 अप्रैल, 2024 – नीपा की शैक्षणिक लेखा परीक्षा में सहभागिता।

11 फरवरी, 2025 – उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग, नीपा की विभागीय सलाहकार समिति की बैठक में उपस्थिति।

नवम्बर 2024 – ऑस्ट्रेलियन इनोवेटिव रिसर्च यूनिवर्सिटीज़ की कार्यशाला में सहभागिता।

28 मार्च, 2025 – ऑस्ट्रेलियन इनोवेटिव रिसर्च यूनिवर्सिटीज़ के कार्यकारी निदेशक के साथ बैठक में सहभागिता, नीपा।

24 मार्च, 2025 – जॉर्जिया के शिक्षा, विज्ञान और युवा मंत्रालय के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में सहभागिता।

17 मार्च, 2025 –"पेशेवर उत्कृष्टता हेतु भलाई का विज्ञान" विषय पर विचार मंच में सहभागिता, वक्ता पूनम भार्गव, विनैंड–द लर्निंग एकेडमी, आयोजक।

16–17 दिसंबर, 2024 – राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता– "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 युग में पारंपरिक ज्ञान प्रणाली और सामुदायिक सहभागिता को जोड़ना – संभावनाएं, चुनौतियाँ और मार्ग", नीपा, नई दिल्ली।

19 नवम्बर, 2024 – जनजातीय गौरव दिवस और संविधान दिवस समारोह में सहभागिता, नीपा।

14 नवम्बर, 2024 – सुनील कुमार बर्णवाल, अपर सचिव (शिक्षा), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के साथ बैठक में उपस्थिति, नीपा।

11 नवम्बर, 2024 – 15वें मौलाना आज़ाद स्मृति व्याख्यान में सहभागिता, भारतीय पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली; वक्ता श्री तरुण विजय।

7 अक्टूबर, 2024 – वेबिनार में सहभागिता एसटीईएम में महिलाओं की भागीदारी, मजबूती और मान्यता", आयोजक शिकागो विश्वविद्यालय।

24 सितम्बर, 2025 – आईडीपी संकाय बैठक में सहभागिता।

17 सितम्बर, 2024 –सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 पर प्रस्तुति में सहभागिता, नीपा।

12–13 सितम्बर, 2024 – शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों के परिवर्तन और राष्ट्रीय पेशेवर मानक पर राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप।

12 अगस्त, 2024 – नीपा स्थापना दिवस व्याख्यान में सहभागिता।

6 अगस्त, 2024 – सेमिनार में सहभागिता "वैश्विक मंच पर भारत की प्रगतिः रैंकिंग, प्रभाव और अंतरराष्ट्रीयकरण", आयोजक ब्रिटिश काउंसिल दिल्ली और टाइम्स हायर एजुकेशन, स्थल ब्रिटिश काउंसिल, नई दिल्ली।

24–26 जुलाई, 2024 – ऑनलाइन कार्यशाला में सहभागिता " राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के चार वर्षों में संस्थागत स्तर पर अंतरराष्ट्रीयकरण की पहलें", आयोजक नीपा का अंतरराष्ट्रीय सहयोग प्रकोष्ठ।

19 जुलाई, 2024 – तीन नए आपराधिक कानूनों पर जागरूकता संगोष्ठी में सहभागिता, नीपा।

5 जुलाई, 2024 – पीजीडेप कार्यक्रम के समापन सत्र में सहभागिता।

10 जून, 2023 – संयुक्त एमफिल–पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन।

4–6 जुलाई, 2023 – कार्यशाला में सत्र की अध्यक्षता एवं सहभागिता पूर्व–प्राथमिक एवं प्रारंभिक शिक्षा में बच्चों की पहुँच और भागीदारी।

4 जुलाई, 2024 – वेबिनार में सहभागिता "डिजिटल कक्षा नेतृत्व परिप्रेक्ष्य", आयोजक ऑस्ट्रेलिया – इंडिया इंस्टिट्यूट।

24 जून, 2024 – कार्यशाला में सत्र की अध्यक्षता भारतीय विद्यालयों में भागीदारी बढ़ाने और विद्यालय सुधार हेतु अनुसंधान एवं नीति योजना (24–28 जून, 2024), नीपा, नई दिल्ली।

इसके अतिरिक्त, नीपा द्वारा संकाय सदस्यों एवं शोधार्थियों के लिए आयोजित अन्य संगोष्ठियों / बैठकों में भी नियमित सहभागिता।

पाठ्यक्रम / प्रशिक्षण समन्वय

पाठ्यक्रम

संयोजक के रूप में पाठ्यक्रम 211– शोध पद्धति और सांख्यिकी का संचालन किया गया, आईडेपा, फरवरी 2025 (सत्र 2024–25)।

संयोजक के रूप में पाठ्यक्रम सीसी8: अकादमिक लेखन, शोध नैतिकता और प्रकाशन का समन्वय किया गया।

संयोजक के रूप में शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम एस4ईसी528: शिक्षा में सुधार (ऐच्छिक पाठ्यक्रम) का समन्वय किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग

3–7 फरवरी 2025 को विश्वविद्यालय प्राचार्यों के लिए उच्च शिक्षा में नेतृत्व विकास पर पाँच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का समन्वय, नीपा, नई दिल्ली में आयोजित, 30 प्रतिभागी।

18–19 मार्च 2025 को सह–संयोजन (अन्य सदस्यों के साथ) 21वीं सदी में उच्च शिक्षा में नेतृत्व पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी, उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग, नीपा।

शिक्षा में प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक विकास विभाग

6–24 जनवरी 2025 को छठे अंतरराष्ट्रीय शैक्षिक प्रशासनिक कार्यक्रम का निर्देशन और समन्वय, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली।

फरवरी–अप्रैल 2025 तक शैक्षिक योजना और प्रशासन में 37वें अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा का निर्देशन और समन्वय, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली।

नीपा–एमएमटीटीसी

24 फरवरी से 7 मार्च 2025 तक नीपा एमएमटीटीसी–राष्ट्रीय शिक्षा नीति उन्मुखीकरण और संवेदनशीलता कार्यक्रम (ऑनलाइन), मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत।

03–12 जून 2024 तक नीपा एमएमटीटीसी–राष्ट्रीय शिक्षा नीति उन्मुखीकरण और संवेदनशीलता कार्यक्रम (ऑनलाइन), मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत।

राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग (एनसीएसआईएम)

10–14 जून 2024 तक भारतीय चिकित्सा प्रणाली के राष्ट्रीय आयोग के वरिष्ठ शैक्षिक प्रशासकों/विश्वविद्यालयों के प्राचार्यों के लिए क्षमता विकास कार्यक्रम का समन्वय।

अन्य गतिविधियां

5 पीएच.डी. और एम.फिल छात्रों का मौखिक परीक्षा (वाइवा–वॉस) समन्वित किया।

10 मई 2024 को भूटान के सरकारी विद्यालयों के 41 प्राचार्यों और अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल के लिए अनावरण भ्रमण।

25 नवंबर से 6 दिसंबर 2024 तक कंबोडिया के सिविल सेवकों के लिए अनावरण भ्रमण, राष्ट्रीय सुशासन केंद्र, भारत सरकार, कार्मिक लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय "सार्वजनिक नीति और शासन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम" के अंतर्गत, मसूरी और नई दिल्ली।

24 अप्रैल 2025 को शिक्षा विभाग, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा के एम.एड. स्कॉलर्स के लिए अनावरण भ्रमण।

27 मार्च 2025 को राजेंद्र विश्वविद्यालय, ओडिशा के एम.एड. स्कॉलर्स के लिए अनावरण भ्रमण।

मालदीव के वरिष्ठ सिविल सेवकों के लिए अनावरण भ्रमण, 18 जनवरी 2025, राष्ट्रीय सुशासन केंद्र, भारत सरकार, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय।

12 फरवरी 2025 को भारतीय शिक्षक शिक्षा संस्थान, गांधीनगर, गुजरात के एम.ए./एम.एससी./एम.एड. छात्रों के लिए अनावरण भ्रमण।

शिक्षण

पाठ्यक्रम 211– शोध पद्धति और सांख्यिकी, आईडेपा (फरवरी 2025, सत्र 2024–25) में शिक्षण।

पीएच.डी. पाठ्यक्रम सीसी3: शिक्षा नीति का शिक्षण।

पीएच.डी. पाठ्यक्रम सीसी 8: अकादमिक लेखन, शोध नैतिकता और प्रकाशन का शिक्षण।

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम एस3एसईसी535: सामाजिक संदर्भ में विकास का आकलन का शिक्षण।

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम एस3एसईसी536: मूल्यांकन पर आधारित रिपोर्ट की तैयारी और प्रस्तुति का शिक्षण।

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम एस4ईसी528: शिक्षा में सुधार (ऐच्छिक पाठ्यक्रम) का शिक्षण।

विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं में व्याख्यान।

अन्य अकादमिक गतिविधियाँ

संस्थागत विकास योजना के लिए अनुसंधान सक्षमताओं पर लेख तैयार किया।

पर्यवेक्षण और मूल्यांकन

पीजीडेपा

डॉ. संतोष अरीक्कुझियिल के पीजीडेपा शोध प्रबंध का मूल्यांकन– "केरल में उच्च शिक्षा के शिक्षकों के ज्ञान साझाकरण व्यवहार पर संगठनात्मक कारकों का प्रभाव"।

आईडेपा

लविन लविन मार के शोध प्रबंध का मूल्यांकन और पर्यवेक्षण– "म्यांमार में माध्यमिक विद्यालयों में नामांकन दर पर अध्ययन"।

वायोलेथ पैट्रिक नोम्बो के शोध प्रबंध का पर्यवेक्षण –"तंजानिया के वोकेशनल ट्रेनिंग संस्थानों में गुणवत्ता आश्वासन कार्यान्वयन की चुनौतियाँ – डोडोमा क्षेत्रीय केंद्र का केस अध्ययन"।

त्शेरिंग के शोध प्रबंध का पर्यवेक्षण– "थिम्फू ज़ोंगखाग, भूटान के लिंगज़ी निम्न माध्यमिक विद्यालय में पढ़ने की समझ कार्यक्रम का मूल्यांकन"।

पीएच.डी.

नीपा

पीएच.डी. कार्य का मूल्यांकन और पर्यवेक्षण हर्षिता शर्मा के पीएच.डी. शोध कार्य का मूल्यांकन और पर्यवेक्षण किया गया– "भारत में निजी शिक्षण का विशेषाधिकार"।

मोहम्मद रऊफ भट के पीएच.डी. शोध कार्य का मूल्यांकन और पर्यवेक्षण किया गया– "जम्मू और कश्मीर में विद्यालय शिक्षा के विकास में निजी विद्यालयों की भूमिका की समझ–ज़िला कुलगाम का अध्ययन"।

ऐश्वर्या शर्मा के पीएच.डी. शोध कार्य का पर्यवेक्षण किया गया– "निजी शिक्षण, प्रौद्योगिकी और विद्यार्थियों के अधिगम अनुभवः एक भारतीय महानगर का अध्ययन"।

नितिका के पीएच.डी. शोध कार्य का पर्यवेक्षण किया गया– "भारतीय उच्च शिक्षा में सार्वजनिक और निजी विश्वविद्यालयों में अंतर्राष्ट्रीयकरण के लिए शैक्षिक नीतियों और प्रथाओं का तुलनात्मक अध्ययन"।

नौशीन फातिमा के पीएच.डी. शोध कार्य का पर्यवेक्षण किया गया– "डॉक्टोरल अध्ययन में शैक्षणिक सहायता प्रणालीः शोधार्थियों के लिए अनुसंधान में अवसर और चुनौतियाँ"।

पायल वर्मा के पीएच.डी. शोध कार्य का पर्यवेक्षण किया गया– "औपनिवेशिक विच्छेदन से पुनरुत्थान की ओरः भारतीय ज्ञान प्रणालियों के शैक्षिक पुनर्जागरण का ऐतिहासिक विश्लेषण, विशेष संदर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020"।

देब्यानी रावल के पीएच.डी. शोध कार्य का पर्यवेक्षण किया गयाः "उच्च शिक्षा में सतत विकास लक्ष्य – 4 (एसडीजी–4) का कार्यान्वयन – दिल्ली विश्वविद्यालय में आजीवन अधिगम को बढ़ावा देने हेतु संस्थागत प्रयासों का अध्ययन"।

पीएच.डी. से सम्मानित

- हर्षिता शर्माः 'भारत में निजी शिक्षण का विशेषाधिकार'।
- मोहम्मद रौफ भटः 'जम्मू–कश्मीर में विद्यालय शिक्षा के विकास में निजी विद्यालयों की भूमिका को समझनाः जिला कुलगाम का एक अध्ययन'।

अन्य विश्वविद्यालय

शोध प्रबंध का मूल्यांकन

कुमारी योगेश चौधरी का "दूरस्थ और नियमित स्नातक छात्रों के आत्मविश्वास, शैक्षिक आकांक्षाओं और कैरियर संघर्ष के संबंध में उपलब्धि प्रेरणा का एक अध्ययन" प्रो. मंजुलिका श्रीवास्तव, दूरस्थ शिक्षा के अनुशासन की देखरेख में कार्य।

सुनील कुमार का "मुक्त और औपचारिक विद्यालयों के हल्के बौद्धिक विकलांगता वाले शिक्षार्थियों की शैक्षणिक चुनौतियां – एक तुलनात्मक अध्ययन" प्रो. अनीता प्रियदर्शिनी, दूरस्थ शिक्षा का अनुशासन की देखरेख में काम किया।

शबीर अहमद वानी "जम्मू और कश्मीर में मुक्त दूरस्थ शिक्षा के विकास पर एक अध्ययन" प्रो. मंजुलिका श्रीवास्तव, दूरस्थ शिक्षा के अनुशासन की देखरेख में काम किया।

सत्येंद्र कुमार का "पारंपरिक और दूरस्थ शिक्षा संस्थानों में स्नातकोत्तर मीडिया शिक्षा में मीडिया–सक्षम शिक्षाशास्त्र का एक तुलनात्मक अध्ययन" प्रो. अमितेश्वर रात्रा और प्रो. संतोष पांडा (सेवानिवृत्त) दूरस्थ शिक्षा के अनुशासन, एसओई की देखरेख में काम किया।

मनीषा राय का "भारत में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा (ओडीएल) तथा परम्परागत उच्च शिक्षा संस्थानों के मूल्यांकन एवं प्रत्यायन का अध्ययन" दूरस्थ शिक्षा के प्रोफेसर मंजुलिका श्रीवास्तव अनुशासन की देखरेख में काम किया।

प्रीति चंदेल का "स्नातकोत्तर दूरस्थ शिक्षार्थियों के आत्मविश्वास, सामाजिक–भावनात्मक परिपक्वता एवं शैक्षणिक चिंता पर अध्ययन" दूरस्थ शिक्षा के प्रोफेसर अमितेश्वर रात्रा दूरस्थ शिक्षा के अनुशासन, एसआई की देखरेख में काम किया।

वायवा वॉयस (मौखिक)

मनीषा राय, नामांकन संख्या 188501071 का मौखिक परीक्षण आयोजित किया गया, जिसका शीर्षक थाः "भारत में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा (ओडीएल) तथा पारंपरिक उच्च शिक्षा संस्थानों के मूल्यांकन एवं मान्यता का अध्ययन"।

कुमारी योगेश चौधरी, नामांकन संख्या 188501025 का मौखिक परीक्षण आयोजित किया गयाः "दूरस्थ एवं नियमित स्नातक छात्रों के आत्मविश्वास, शैक्षिक आकांक्षाओं एवं कैरियर संघर्ष के संबंध में उपलब्धि प्रेरणा का अध्ययन"।

सुनील कुमार, नामांकन संख्या 188501064 का मौखिक परीक्षण आयोजित किया गयाः "मुक्त एवं औपचारिक विद्यालयों के हल्के बौद्धिक विकलांगता वाले शिक्षार्थियों की शैक्षणिक चुनौतियाँ '– एक तुलनात्मक अध्ययन"।

परीक्षा

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के अध्यापक शिक्षा विभाग के एम.एड पाठ्यक्रम– शोध प्रबंध और पाठ्यक्रम कोड– एसओई010421सी0044, सेमेस्टर–IV की व्यावहारिक परीक्षा आयोजित करने के लिए हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा बाह्य परीक्षक के रूप में परीक्षा आयोजित की गई।

अन्य गतिविधियाँ

नीपा

परीक्षा समिति की बैठक में भाग लिया

जब भी बुलाया गया कार्यक्रम सलाहकार समिति (पीएसी) की बैठकों में भाग लिया

पीएच.डी. छात्र दीपक की आरएसी बैठक में भाग लिया, 12 मार्च, 2025

नौशीन फातिमा के लिए आरएसी बैठक का समन्वय किया (7 मार्च, 2024)

7 मार्च 2025 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह में भाग लिया।

ऐश्वर्या, नितिका, पायल, देबयानी की आरएसी का समन्वय किया।

एनटीए द्वारा आयोजित सीयूईटी–पीजी, नीपा द्वारा बोर्डिंग के लिए इसके तौर–तरीकों/संभावनाओं पर चर्चा के लिए आयोजित बैठक में भाग लिया (6 फरवरी 2024)।

25 जनवरी, 2024 को नीपा में नागालैंड विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों के साथ संवादात्मक सत्र में भाग लिया।

15 नवंबर, 2023 से 15 दिसंबर, 2023 तक फिट इंडिया सप्ताह के उत्सव में भाग लिया।

11 दिसंबर 2023 को यूजीसी द्वारा "विकसित भारत@2047: युवाओं की आवाज़" परामर्श कार्यक्रम के शुभारंभ में भाग लिया।

20 अक्टूबर, 2023, नीपा में पामेला दासगुप्ता, पीएच.डी. स्कॉलर की मौखिक परीक्षा का समन्वय किया।

नेतृत्व पर दो कार्यक्रमों की टास्क फोर्स बैठक में भाग लिया – एक प्राचार्यों के लिए और दूसरा डीन और विभागाध्यक्षों के लिए।

4 सितंबर, 2024 को शिक्षक दिवस समारोह में भाग लिया; मुख्य अतिथि– प्रोफेसर कश्यप कुमार दुबे, डीन, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

राष्ट्रीय खेल दिवस, 2024 – अगस्त–सितंबर, 2024 में भाग लिया।

नीपा के वार्षिक स्थापना दिवस 12 अगस्त, 2024 में भाग लिया।

पीएच.डी. पूर्णकालिक और अंशकालिक कार्यक्रम, 2024–25 में प्रवेश के लिए 'साक्षात्कार बोर्ड और चयन समिति' के सदस्य।

जून 2024, नीपा में एम. फिल. और/पीएच.डी. में प्रवेश के लिए लिखित परीक्षा के आयोजन के दौरान मूल्यांकन समिति के सदस्य।

प्रोफेसर और सह–प्रोफेसर के पद के लिए आवेदनों की जाँच करने वाली जाँच समिति के सदस्य मई 2024।

सदस्य, 01 नवंबर, 2022 को अध्ययन बोर्ड में शामिल।

सदस्य, 24 अप्रैल, 2024 को नीपा की अकादमिक परिषद की 32वीं बैठक में शामिल।

सदस्य, 12 मार्च, 2025 को आयोजित नीपा की अकादमिक परिषद की 33वीं बैठक में शामिल हुए।

सदस्य, 8 अप्रैल, 2024 को अध्ययन बोर्ड की 14वीं बैठक में शामिल हुए।

उत्पीड़न विरोधी (एंटी रैगिंग) कमेटी 2024–25 के सदस्य।

सदस्य, 13 मार्च, 2023 को नीपा के अध्ययन बोर्ड की बैठक में शामिल।

सदस्य, 15 मार्च, 2023 को नीपा की अकादमिक परिषद की बैठक में शामिल।

नवाचारों और नवोन्मेष के मामलों के मूल्यांकन के लिए समिति के सदस्य, 27–28 फरवरी, 2023।

नीपा, 2022 के हीरक जयंती समारोह के लिए समिति के सदस्य।

नीपा पर वृत्तचित्र फिल्म तैयार करने के लिए समिति के सदस्य।

नीपा न्यूज़लैटर के लिए समिति के सदस्य।

अन्य संस्थान

2024 में बाहरी सदस्य के रूप में इग्नू के दूरस्थ शिक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीडीई) प्रोग्राम की दो संशोधन बोर्ड बैठक में भाग लिया।

इग्नू, शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर (एमएईडी) परीक्षा के लिए प्रश्न पत्र बनाया।

सदस्यता

आजीवन सदस्य, भारतीय तुलनात्मक शिक्षा समाज (सीईएसआई)

आजीवन सदस्य, भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी

सदस्य, तुलनात्मक अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा समाज, 2022–23

सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय एवं तुलनात्मक शिक्षा के लिए ब्रिटिश संगठन, 2022–23

मोना सेदवाल

प्रकाशित कार्य

मुस्लिम अल्पसंख्यक बच्चों की विद्यालयी शिक्षा में चुनौतियाँ: भारत में नीतियों और कार्यक्रमों की समीक्षा जर्नल ऑफ इंडियन एजुकेशन, खंड एल, अंक संख्या 1, मई 2024, पृ. 139–153 में प्रकाशित। आईएसएसएन 0377–0435 (प्रिंट) 0972–5628 (ऑनलाइन)।

एक स्थायी विश्व के निर्माण में विद्यालयी शिक्षा: भारतीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में मानविकी और सामाजिक विज्ञान अनुशासन की उत्प्रेरक के रूप में भूमिका, मंडल, सायंतन (संपादक) एसटीईएम उच्च शिक्षा में मानविकी और सामाजिक विज्ञान के लिए रोडमैप। स्प्रिंगर नेचर, सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड 2024. पृष्ठ 107–130। आईएसबीएन 978–981–97–4274–5 आईएसबीएन 978–981–97–4275–2 (ई–पुस्तक)।

आर. गोविंदा की पुस्तक द रूटलेज कम्पेनियन टू प्राइमरी एजुकेशन इन इंडिया: फ्रॉम कंपल्सन टू फंडामेंटल राइट, टेलर एंड फ्रांसिस, साउथ एशिया संस्करण, 2023 की समीक्षा, जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, वॉल्यूम XXXIX, अंक 1, जनवरी 2025, पृष्ठ 79–86 में प्रकाशित। आईएसबीएन: 0971–3859।

कोविड–19 महामारी और विद्यालयों में अधिगम की कमी: वैश्विक संदर्भ में शैक्षणिक अभ्यास के रूप में मिश्रित शिक्षा के माध्यम से रास्ते तलाशना: सिंह विरेन्द्र पी. और शंकर दीप्ति (सं), वैश्वीकरण पर्यावरण और संस्कृति: उभरती चिंता को। ईटीडीआर प्रकाशन, मेरठ, भारत 12024, पृ–15–16 आईएसबीएन 978–81–957747–6–0।

समावेशी शिक्षा की दिशा में प्रगति: भारतीय विद्यालयों में नीतियों और चुनौतियों की समीक्षा। जामियां, जर्नल ऑफ एजुकेशन विशेषांक, मार्च 2025, पृ. 191–207 में प्रकाशित। आईएसएसएन23483490।

ग्रामीण भारत में छोटे विद्यालयों की समानता चुनौतियां, जेरी डी. जॉनसन और होबार्ट एल. हार्मन (संपादक) ग्रामीण और दूरस्थ शिक्षा पर पुस्तिका। एडवर्ड एल्गर पब्लिशिंग लिमिटेड, द लिपियाट्स, 15 लैंसडाउन रोड, चेल्टेनहैम, ग्लोस जीएल50 2जेए, यूके 2025। पृष्ठ 383–398। प्रिंट आईएसबीएन: 9781035307715 और ईआईएसबीएन: 9781035307722 डीओआई: https://doi.org/10.4337/9781035307722 (प्रो. रश्मि दीवान के साथ सह–लेखक)।

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

प्रतिभागी के रूप में

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और शिक्षा 4.0 पर व्यावसायिक विकास कार्यक्रम में भाग लिया: ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में जनरेटिव एआई, इंटरेक्टिव ई–कंटेंट और उन्नत प्रौद्योगिकियों का एकीकरण, जिसका आयोजन 1–5 अप्रैल 2024 को सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) इकाई,

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) द्वारा किया गया।

29 मई, 2024 को ज्ञान और नवाचार विनिमय मालदीव राष्ट्रीय अपटेक फोरम 2024 का आयोजन विला कॉलेज, माले, मालदीव में किया गया, इसका आयोजन ज्ञान और नवाचार विनिमय यूरोप, मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका, एशिया और प्रशांत द्वारा मालदीव गणराज्य के शिक्षा मंत्रालय और ज्ञान और नवाचार विनिमय अनुसंधान अनुदानकर्ता विला कॉलेज के साथ साझेदारी में जूम पर सीधा प्रसारण किया गया।

29 मई, 2024 को प्राथमिक विद्यालय शिक्षा के अधिकार पर वेबिनार का आयोजन नोरग (एनओआरआरएजी) द्वारा किया गया, जो जिनेवा स्नातक संस्थान का वैश्विक शिक्षा केंद्र है और इसे स्विस विकास एवं सहयोग संस्था (एसडीसी) का समर्थन प्राप्त है।

10–11 जून, 2024 को राष्ट्रीय उठाव मंच 2024 का आयोजन ज्ञान और नवाचार विनिमय (केआईएक्स) यूरोप, मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका, एशिया और प्रशांत (ईएमएपी) हब द्वारा ढाका विश्वविद्यालय, शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, बांग्लादेश के साथ साझेदारी में सीधा प्रसारण किया गया।

13 जून, 2024 को अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा नियोजन संस्थान–यूनेस्को 2024 शैक्षिक नीति और नियोजन में परिवर्तन के लिए डेटा और साक्ष्य का उपयोग करने पर रणनीतिक बहस, संकट–संवेदनशील शैक्षिक योजना को सूचित करने के लिए ईआईई डेटा और साक्ष्य का उपयोग करने के शीर्षक से बहस 1, अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक नियोजन संस्थान (आईआईईपी), यूनेस्को, पेरिस द्वारा आयोजित की गई।

22–26 जुलाई, 2024 को ज्ञान की समावेशी पारिस्थितिकी को बढ़ावा देने पर XVIII विश्व कांग्रेस की तुलनात्मक शिक्षा समितियों (डब्ल्यूसीसीईएस): समतामूलक और सतत भविष्य के लिए शिक्षा कॉर्नेल विश्वविद्यालय, इथाका, न्यूयॉर्क, यूएसए द्वारा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से आयोजित की गई।

12 सितंबर, 2024 को समेना (एसएएमईएनए) नॉलेज कैफे का आयोजन ज्ञान और नवाचार विनिमय (केआईएक्स) यूरोप, मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका, एशिया और प्रशांत (ईएमएपी) हब और नोरग (एनओआरआरएजी) द्वारा किया गया, जो स्विस विकास एवं सहयोग संस्था (एसडीसी) द्वारा समर्थित जिनेवा स्नातक संस्थान का वैश्विक शिक्षा केंद्र है।

26 सितंबर, 2024 को अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक नियोजन संस्थान–यूनेस्को 2024 रणनीतिक बहस 3 जिसका शीर्षक है नीति नियोजन में साक्ष्यः राजनीतिक अपनाने के लिए व्यवहार्य नीतियों की योजना बनाने के लिए साक्ष्य का उपयोग कैसे करें, अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक नियोजन संस्थान (आईआईईपी), यूनेस्को, पेरिस द्वारा आयोजित किया गया।

प्रस्तुतकर्ता के रूप में

8–9 अप्रैल, 2024 को आयोजित शिक्षक और शिक्षणः व्यावसायिकता, आलोचनात्मक सोच और चिंतनशील शिक्षाशास्त्र (हाइब्रिड मोड) पर राष्ट्रीय सम्मेलन में विद्यालयों में शिक्षकों की कमी पर समीक्षाः भारतीय संदर्भ में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर प्रभाव शीर्षक से ऑनलाइन मोड में एक आलेख प्रस्तुत किया। यह आलेख 9 अप्रैल को प्रस्तुत किया गया और सम्मेलन का आयोजन सिक्किम विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग द्वारा किया गया था।

25–28 जून 2024 को सीनेट हाउस, यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन में आयोजित प्रमुख सम्मेलनः मानव विज्ञान और शिक्षा में समुदाय के सांस्कृतिक रूप से अर्जित घटकों का उपयोग करके विद्यालयों में अनुसूचित जनजाति के बच्चों की भागीदारी को प्रभावित करने के शीर्षक से एक आलेख प्रस्तुत किया। यह आलेख 28 जून को प्रस्तुत किया गया तथा सम्मेलन का आयोजन रॉयल एंथ्रोपोलॉजिकल इंस्टीट्यूट एंथ्रोपोलॉजी एंड एजुकेशन द्वारा किया गया था।

पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में 22–24 नवंबर 2024 को आयोजित चौदहवें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सीईएसआई सम्मेलन, 2024 में राज्य, बाजार और नागरिक समाजः सतत भविष्य के लिए शिक्षा पर पुनर्विचार शीर्षक से अनुसूचित जाति के बच्चों की विद्यालय भागीदारी के लिए प्रोत्साहन नीतियों पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों और निहितार्थों का विश्लेषण शीर्षक से आलेख प्रस्तुत किया। यह आलेख 23 नवंबर 2024 को आरआईजी 7 शिक्षा और सीमांत समूह में प्रस्तुत किया गया।

दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के समाजशास्त्र विभाग द्वारा 21–22 मार्च 2025 को आयोजित ऑनलाइन मोड में भारतीय ज्ञान प्रणाली में समाजशास्त्रीय विमर्शः पहचान और पुनर्गठन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में स्वदेशी ज्ञान प्रणाली के संरक्षण में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों पर एक परिप्रेक्ष्यः मुद्दे और चुनौतियाँ शीर्षक से एक आलेख प्रस्तुत किया गया। यह आलेख 22 मार्च 2025 को स्वदेशी ज्ञान और सामाजिक प्रणाली

(ऑनलाइन) पर तकनीकी सत्र 6 में प्रस्तुत किया गया। (सह–लेखक रचना अत्री सक्सेना, कार्यकारी निदेशक, सामाजिक कार्य और शोध संस्थान, दिल्ली)

अतिथि वक्ता, पैनेलिस्ट, चर्चाकर्ता आदि के रूप में।

20–30 मई 2024 तक राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली द्वारा आयोजित मालवीय मिशन–शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएम–टीटीपी) राष्ट्रीय शिक्षा नीति–अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन) के लिए शिक्षा में समानता एवं समावेशन पर सत्र के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। यह कार्यक्रम गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा के सहयोग से आयोजित किया गया था और सत्र 24 मई 2024 को दिया गया था।

8 अक्टूबर 2024 को नीपा, नई दिल्ली में आयोजित आरआईई भोपाल के एम.एड छात्रों के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। इसमें बताया गया कि शिक्षा में प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक विकास विभाग किस प्रकार शैक्षिक नीति एवं कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में सहयोग कर रहा है।

1–11 अक्टूबर 2024 तक राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली द्वारा आयोजित मालवीय मिशन–शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएम–टीटीपी) राष्ट्रीय शिक्षा नीति–अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन) के लिए शिक्षा में समानता एवं समावेशन पर सत्र के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। यह कार्यक्रम गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा के सहयोग से आयोजित किया गया था और सत्र 11 अक्टूबर 2024 को आयोजित किया गया था।

16 दिसंबर 2024 से 14 जनवरी 2025 तक विश्वविद्यालयों/कॉलेजों/उच्च शिक्षा संस्थानों में संकाय के लिए यूजीसी–मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी) के तहत गुरु–दक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम (एफआईपी) में सतत विकास लक्ष्यः भारतीय संदर्भ में शिक्षा के साथ संरेखण पर व्याख्यान देने के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम दिल्ली विश्वविद्यालय के रामानुजन कॉलेज द्वारा आयोजित किया गया था और सत्र 13 जनवरी 2025 को दिया गया था।

15–21 जनवरी 2025 तक आयोजित समग्र वयस्क और सतत शिक्षा पर लघु–अवधि पाठ्यक्रम में युवा वयस्कों और कौशल शिक्षा पर सत्र के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम कोलकाता विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित यूजीसी मालवीय मिशन–शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएम–टीटीपी) के तत्वावधान में था और सत्र 20 जनवरी 2025 को दिया गया था।

12–13 फरवरी, 2025 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के शैक्षिक अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित नीतिगत परिप्रेक्ष्य के प्रकाश में शिक्षक शिक्षा को आगे बढ़ाना शीर्षक से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (डीईएस–आईईसी 2025) में अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया। सत्र की अध्यक्षता 12 फरवरी 2025 को भौतिक समानांतर सत्र–1बी, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में की गई।

19–21 फरवरी, 2025 को नीपा के शैक्षिक प्रशासन विभाग द्वारा जिला स्तरीय शिक्षा अधिकारियों के लिए विद्यालय शिक्षा में शासन सुधार पर कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। प्रतिभागियों के साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति कार्यान्वयन की स्थिति पर चर्चा की गई और समूह कार्य आयोजित किया गया।

22–23 मार्च 2025 को पुणे में आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 कार्यान्वयन पर राज्य स्तरीय सम्मेलन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन में समानता के दृष्टिकोण पर एक सत्र देने के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया। यह सम्मेलन एससीईआरटी, महाराष्ट्र द्वारा महात्मा फुले सभागृह में आयोजित किया गया था और सत्र 22 मार्च 2025 को दिया गया था।

कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

फरवरी–अप्रैल, 2024 से राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली में शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में सैंतीसवें अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा) के लिए कार्यक्रम समन्वयक।

20–30 मई 2024 तक राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली द्वारा आयोजित मालवीय मिशन–शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएम–टीटीपी) एनईपी–अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन) के लिए कार्यक्रम समन्वयक।

8–12 जुलाई 2024 तक राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली द्वारा आयोजित संस्थागत योजना एवं प्रशासन में राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग (एनसीआईएसएम) क्षमता विकास कार्यक्रम के लिए कार्यक्रम समन्वयक।

1–11 अक्टूबर 2024 तक राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली द्वारा आयोजित मालवीय मिशन–शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएम–टीटीपी) एनईपी–अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन) के लिए कार्यक्रम समन्वयक।

14 अक्टूबर 2024 को उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत ऑनलाइन मोड में उच्च शिक्षा संस्थानों में सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य, लचीलापन और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए क्षमता निर्माण का समन्वय किया।

16 अक्टूबर 2024 को उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत ऑनलाइन मोड में विशिष्ट सीखने की अक्षमताओं (एसएलडी) पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम का समन्वय किया।

29 अक्टूबर 2024 को उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत ऑनलाइन मोड में उच्च शिक्षा संस्थानों में सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य, लचीलापन और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए क्षमता निर्माण का समन्वय किया।

14 नवंबर 2024 को उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत ऑनलाइन मोड में उच्च शिक्षा संस्थानों में सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य, लचीलापन और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए क्षमता निर्माण का समन्वय किया गया।

18 नवंबर 2024 को उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत ऑनलाइन मोड में विशिष्ट शिक्षण अक्षमताओं (एसएलडी) पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम का समन्वय किया।

6–24 जनवरी 2025 तक राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली में आयोजित छठे अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक प्रशासक कार्यक्रम (आईपा) के लिए कार्यक्रम संयोजक।

फरवरी–अप्रैल, 2025 से राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली में सैंतीसवें अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन डिप्लोमा (आईडेपा) के लिए कार्यक्रम समन्वयक।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

21 मार्च 2024 को आईसीएफएआई फाउंडेशन फॉर हायर एजुकेशन (आईएफएचई), हैदराबाद में प्रैक्टिस, स्ट्रैटेजी एंड टेक्नोलॉजी के प्रोफेसर डॉ. श्रीनिवास श्रीरामदास के साथ विद्यालय प्रिंसिपलों के नेतृत्व प्रशिक्षण में सहयोग के संभावित अवसरों का पता लगाने के लिए चर्चा।

20 मार्च 2024 को मोनिका पाल, आरआईई, एनसीईआरटी, अजमेर की एम.एड शोधार्थी द्वारा प्रारंभिक शिक्षा में शिक्षाशास्त्र के रूप में स्वदेशी खेलों का उपयोग: बच्चों के समग्र विकास और सांस्कृतिक संरक्षण का मार्ग शीर्षक वाले आलेख पर अकादमिक प्रतिक्रिया प्रदान की। इसे जीसस एंड मैरी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित विद्यालयों, बच्चों और बचपन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया, जिसकी अध्यक्षता मैंने की।

14–16 मई 2024 तक कॉन्फ्रेंस रूम, पांचवीं मंजिल, विजया बिल्डिंग बाराखंबा रोड, नई दिल्ली में आयोजित मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी) की स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्य। समिति का गठन उच्च शिक्षा विभाग (पीएन II अनुभाग), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित एमएमटीटीपी के तकनीकी सहायता समूह (टीएसजी) में परामर्शदाताओं के पदों के लिए प्राप्त आवेदनों की सूची बनाने के लिए किया गया था।

10 मई 2024 को भूटान के सरकारी विद्यालयों के 41 प्रधानाचार्यों और अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल के लिए अनावरण भ्रमण का आयोजन किया गया। सत्र के दौरान राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) की गतिविधियों को प्रतिनिधिमंडल के साथ साझा किया गया और संस्थान की गतिविधियों के बारे में बेहतर समझ के लिए खुली चर्चा की गई।

जुलाई 2024 में टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान (टीआईएसएस), मुंबई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन टीचर एजुकेशन (सीईटीई) के प्रैक्टिस के प्रोफेसर श्री अनिल मैमन को यूनेस्को द्वारा कमीशन किए गए उच्च शिक्षा डिजिटल परिवर्तन क्षेत्रीय अध्ययन (दक्षिण एशिया) पर शोध परियोजना के लिए एक उत्तरदाता के रूप में अकादमिक सहायता प्रदान की।

5 दिसंबर 2024 को कंबोडिया के चालीस सिविल सेवकों के प्रतिनिधिमंडल के लिए अनावरण भ्रमण का आयोजन

किया गया, 25 नवंबर 2024 से 6 दिसंबर 2024 तक मसूरी और नई दिल्ली में राष्ट्रीय सुशासन केंद्र (एनसीजीजी), कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित कार्यक्रम सार्वजनिक गति और सुशासन में भाग लिया।

11 दिसंबर 2024 को उत्तराखंड के शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित टॉपर छात्रों के लिए शैक्षिक दौरे पर 38 छात्रों और 5 शिक्षकों/प्रधानाचार्यों के प्रतिनिधिमंडल के लिए अनावरण भ्रमण का आयोजन किया गया।

18 जनवरी 2025 को मालदीव के बत्तीस वरिष्ठ सिविल सेवकों के प्रतिनिधिमंडल के लिए अनावरण भ्रमण का आयोजन किया गया, 9–18 जनवरी 2025 तक राष्ट्रीय सुशासन केंद्र (एनसीजीजी), कार्मिक मंत्रालय, लोक शिकायत और पेंशन, भारत सरकार द्वारा आयोजित मालदीव के वरिष्ठ सिविल सेवकों के लिए 35वें क्षमता निर्माण कार्यक्रम में भाग लिया।

11 फरवरी 2025 को भारतीय अध्यापक शिक्षा संस्थान (गुजरात सरकार द्वारा स्थापित एक राज्य सार्वजनिक विश्वविद्यालय), गांधीनगर, गुजरात द्वारा आयोजित इंटर्नशिप कार्यक्रम के एक भाग के रूप में चौथे सेमेस्टर एम.ए./एम.एससी./एम.एड. कार्यक्रम के 46 छात्रों, दूसरे सेमेस्टर एम.एड. के दो छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए अनावरण भ्रमण का आयोजन किया गया।

7 मार्च, 2025 को नीपा, नई दिल्ली में राजेंद्र विश्वविद्यालय, प्रज्ञा विहार, बलांगीर, ओडिशा के 46वें सेमेस्टर (तीन वर्षीय एकीकृत बीएड–एमएड) के छात्रों और पांच शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल के लिए अनावरण भ्रमण का आयोजन किया गया।

12 मार्च, 2025 को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डीआईईटी) के संकाय और पीएम श्री स्कूल, परभणी, महाराष्ट्र के अधिकारियों के लिए समन्वित शैक्षिक अध्ययन दौरा।

31 मई, 2024 को शिक्षा अनुसंधान पर वैश्विक नेटवर्क के लिए रणनीतिक और परिचालन समर्थन पर परियोजना के लिए विशेषज्ञ सलाह देने के लिए शैलेंद्र शर्मा के साथ चर्चा: वैश्विक शिक्षा विशेषज्ञ सलाहकार पैनल (जीईईएपी) और शिक्षा में साक्ष्य निर्माण (बीई2) आईपीई ग्लोबल के लिए आयोजित किया गया।

अन्य शैक्षणिक/व्यावसायिक योगदान

अक्टूबर 2024 से कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति में मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी) के तत्वावधान में उच्च शिक्षा संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य, लचीलापन और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम पर समूह के सदस्य। कार्यक्रम का आयोजन उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय द्वारा किया जाता है।

जनवरी 2024 से कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति में मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी) के तत्वावधान में विशिष्ट सीखने की अक्षमताओं पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम पर समूह के सदस्य। कार्यक्रम का आयोजन उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय द्वारा किया जाता है।

जनवरी 2024 से कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति में मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी) के तत्वावधान में भविष्य के नेतृत्व कार्यक्रम के पोषण पर समूह के सदस्य। कार्यक्रम का आयोजन उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय द्वारा किया जाता है।

मार्च 2025 में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के कार्यान्वयन की स्थिति पर अध्ययन करने के लिए समूह में सदस्य। प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ईसीसीई) तथा आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता (एफएलएन) विषय पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन पर नीपा अध्ययन को रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

14–16 मई, 2024 को विजया बिल्डिंग, बाराखंभा रोड, नई दिल्ली में आयोजित मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी) की जाँच कमेटी के सदस्य। समिति का गठन उच्च शिक्षा विभाग (पीएन II अनुभाग), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित एमएमटीटीपी के तकनीकी सहायता समूह (टीएसजी) में परामर्शदाताओं के पदों के लिए प्राप्त आवेदनों की सूची बनाने के लिए किया गया था।

मई 2024 में सीखने में सुधार पर व्यवसायी अनुसंधान के लिए यूरोपीय संघ (ईएपीआरआईएल) सम्मेलन नवंबर 2024 के लिए सात सार की समीक्षा की।

अगस्त 2024 में रूटलेज के लिए शिक्षा पर एक पुस्तक प्रस्ताव की समीक्षा की, जो टेलर एंड फ्रांसिस बुक्स की एक छाप है।

नीपा में डॉक्टरेट विद्वानों को शैक्षणिक मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण प्रदान किया गया।

आईडेपा और पीजीडेपा प्रशिक्षुओं को शैक्षणिक मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण।

प्रतिष्ठित निकायों की सदस्यता

तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी (सीईएसआई), भारत के आजीवन सदस्य।

अखिल भारतीय शैक्षिक अनुसंधान संघ (एआईएईआर), भुवनेश्वर, भारत के आजीवन सदस्य। सदस्यता संख्याः 3129।

भारतीय समाजशास्त्रीय सोसायटी (आईएसएस), नई दिल्ली, भारत के आजीवन सदस्य।

धर्म रक्षित गौतम

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

उच्च शिक्षा में 21वीं सदी के नेतृत्व पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (18–19 मार्च 2025) (संवाददाता)

सार्वजनिक नीति में सर्टिफिकेट कोर्स, भारतीय सार्वजनिक नीति विद्यालय (दिसंबर 2024 – अप्रैल 2025)

प्रशिक्षण सामग्री एवं पाठ्यक्रम विकसित/प्रवर्तित

पीजीडेपा कार्यक्रम का संशोधन

शिक्षण

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर (चौथा सेमेस्टर): कोर्स एस4सीसी512 (तुलनात्मक शिक्षा और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा, यूनिट 4 (मुख्य रूप से) – शिक्षा में वैश्विक मुद्दे और पहल)

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर (चौथा सेमेस्टर): कोर्स एस4सीसी528 (शिक्षा में सुधार, यूनिट 3 (आंशिक रूप से): उच्च शिक्षा में सुधारः शिक्षा की पहुँच, समानता और गुणवत्ता पर प्रभाव)

पर्यवेक्षण और मूल्यांकन

आईडेपा – श्री इड्डी, तंजानिया

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

24 मार्च 2025 को जॉर्जिया के विदेशी प्रतिनिधियों के साथ बैठक के आयोजन में योगदान दिया

28 मार्च 2025 को ऑस्ट्रेलिया से आए विदेशी प्रतिनिधियों के साथ बैठक के आयोजन में योगदान दिया गया

शिक्षा मंत्रालय के दो मूल्यांकन अध्ययनों के सदस्य, 25, मार्च 2025

सदस्य, निविदा खोलने और मूल्यांकन समिति, 5 मार्च 2025

राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र

चारु स्मिता मलिक

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

29 जुलाई 2024 को अखिल भारतीय शिक्षा समागम के दौरान उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के लिए नीपा की ओर से "उच्च शिक्षा संस्थानों में गुणवत्ता में रैंकिंग और मान्यता की भूमिका" पर सत्र के लिए प्रतिवेदक (डॉ. शिवकुमार कांडेकर, सहायक प्रोफेसर, नीपा के साथ)।

12 अगस्त 2024 को भारतीय पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली में राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान के 18वें स्थापना दिवस के लिए पूर्व छात्र मिलन समारोह के आयोजन में भाग लिया।

6–12 सितंबर, 2024 को गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, गांधीनगर और लॉ टीचर्स इंडिया द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक सप्ताह के राष्ट्रीय स्तर के ऑनलाइन

संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया, जिसमें मात्रात्मक और गुणात्मक डेटा विश्लेषण (जेएएमओवीआई और एनवीवीओ) के लिए उन्नत उपकरण और तकनीकों का उपयोग किया गया।

22–24 अक्टूबर, 2024 को कैम्पबेल साउथ एशिया के सहयोग से मानव विकास संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित विकास कार्यक्रमों के प्रभाव मूल्यांकनः यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण और मिश्रित विधियों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

11 नवंबर, 2024 को राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान, भारतीय पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 15वें मौलाना आज़ाद मेमोरियल व्याख्यान में भाग लिया।

मेलबर्न ग्लोबल सेंटर, नई दिल्ली में 20 नवंबर, 2024 को मेलबर्न विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ऑस्ट्रेलिया–भारत नेतृत्व संवाद 2024 में सदस्य प्रतिभागी।

कार्यशालाएं / सम्मेलन / प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

05–07 जून, 2024 तक सरकारी विद्यालयों में कौशल–आधारित और व्यावसायिक शिक्षा को लागू करने के लिए नेतृत्व पर समन्वित और नेतृत्व सामग्री विकास कार्यशाला, नीपा, नई दिल्ली।

22–24 जुलाई, 2024 तक विद्यालय शिक्षा में सुशासन पर शोध अध्ययन पर राष्ट्रीय कार्यशाला का समन्वय और नेतृत्वः संभावनाएं और नवीन अभ्यास, भारतीय पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली।

07–10 अक्टूबर, 2024 तक जवाहर नवोदय विद्यालयों के विद्यालय नेतृत्वकर्ताओं के लिए छात्रों (बैच II) के मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक–भावनात्मक कल्याण का नेतृत्व करने पर समन्वित और नेतृत्व क्षमता विकास कार्यशाला, नीपा, नई दिल्ली।

17–19 अक्टूबर, 2024 तक विद्यालय नेतृत्वकर्ताओं के लिए सतत व्यावसायिक विकास पर दिशानिर्देशों के विकास के लिए समन्वित और नेतृत्व परामर्श बैठक, नीपा, नई दिल्ली।

05–08 नवंबर, 2024 तक सरकारी विद्यालयों में समानता, विविधता और समावेश के लिए नेतृत्व पर कार्यशाला का समन्वय और नेतृत्व, नीपा, नई दिल्ली।

8–10 जनवरी, 2025 तक सफल विद्यालय नेतृत्व 2025 पर राष्ट्रीय सम्मेलन का समन्वयः परिवर्तन और नवाचार के उदाहरण (डॉ. सांत्वना मिश्रा और डॉ. ज्ञानेश्वरी लोंगजाम के साथ), भारतीय पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली।

29–31 जनवरी, 2025 तक विद्यालय नेतृत्व अकादमियों के लिए राष्ट्रीय समीक्षा और योजना कार्यशाला का समन्वय (डॉ. सांत्वना मिश्रा, डॉ. शादमा अबसार और डॉ. तृप्ति सिंह के साथ), भारतीय पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली।

24–28 जून 2024 तक आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और सोवा–रिग्पा कॉलेजों के प्राचार्यों के लिए शैक्षिक योजना और प्रशासन में क्षमता विकास कार्यक्रम का समन्वय, नीपा और राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग (एनसीआईएसएम) बैच 15 (कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर ए के सिंह, विभागाध्यक्ष, शैक्षिक नीति विभाग, नीपा के साथ) के बीच सहयोग।

16–26 दिसंबर, 2024 तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का समन्वय गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली (प्रोफेसर प्रणति पंडा, प्रोफेसर, नीपा और डॉ गरिमा मलिक, सहायक प्रोफेसर, नीपा के साथ) के सहयोग से नीपा–एमएमटीटीसी द्वारा मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी), विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के अंतर्गत अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित।

रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

03 जून, 2024 को ज़ेडआईईटी भुवनेश्वर (बैच I) में केंद्रीय विद्यालयों के नव पदोन्नत / नियुक्त विद्यालय प्रधानाचार्यों के प्रेरण कार्यक्रम में विद्यालय नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन सत्र।

7 मई, 2024 को पीएमश्री विद्यालयों के संसाधन व्यक्तियों के लिए अभिविन्यास सह क्षमता निर्माण कार्यक्रम में विद्यालय नेतृत्व विकास पर एक सत्र का नेतृत्व किया, देहरादून, उत्तराखंड।

11 मई, 2024 को जयपुर, राजस्थान में पीएमश्री विद्यालयों के संसाधन व्यक्तियों के लिए अभिविन्यास सह क्षमता निर्माण कार्यक्रम में विद्यालय नेतृत्व विकास पर एक सत्र का नेतृत्व किया।

21 मई, 2024 को आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के लिए हैदराबाद में पीएमश्री विद्यालयों के संसाधन व्यक्तियों के लिए अभिविन्यास सह क्षमता निर्माण कार्यक्रम में विद्यालय नेतृत्व विकास पर एक सत्र का नेतृत्व किया।

जून, 2024 को नई दिल्ली में केन्द्रीय विद्यालय संगठन और नवोदय विद्यालय समिति के पीएमश्री विद्यालयों के संसाधन व्यक्तियों के लिए अभिविन्यास सह क्षमता निर्माण कार्यक्रम में विद्यालय नेतृत्व विकास पर एक सत्र का नेतृत्व किया।

17–18 जून, 2024 को लखनऊ, उत्तर प्रदेश में पीएमश्री विद्यालयों के संसाधन व्यक्तियों के लिए अभिविन्यास सह क्षमता निर्माण कार्यक्रम में विद्यालय नेतृत्व विकास पर एक सत्र का नेतृत्व किया।

24–25 जून, 2024 को मुंबई, महाराष्ट्र में पीएमश्री विद्यालयों के संसाधन व्यक्तियों के लिए अभिविन्यास सह क्षमता निर्माण कार्यक्रम में विद्यालय नेतृत्व विकास पर एक सत्र का नेतृत्व किया।

27–29 जून, 2024 को गुरुग्राम, हरियाणा में पीएमश्री विद्यालयों के संसाधन व्यक्तियों के लिए अभिविन्यास सह क्षमता निर्माण कार्यक्रम में विद्यालय नेतृत्व विकास पर एक सत्र का नेतृत्व किया।

27 सितंबर, 2024 को रांची, झारखंड में जेसीईआरटी में विद्यालय लीडरशिप अकादमी द्वारा आयोजित एक दिवसीय बैठक के दौरान अकादमिक सहायता प्रदान की गई।

वित्तीय वर्ष 2024–2025 के लिए विद्यालय नेतृत्व विकास पर राष्ट्रीय कार्यक्रम के दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन पर 3–4 अक्टूबर, 2024 को ऑनलाइन बैठक का नेतृत्व किया।

21–22 नवंबर, 2024 को शिमला, हिमाचल प्रदेश में समग्र शिक्षा और हिमाचल लोक प्रशासन संस्थान (हिपा) द्वारा आयोजित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर कार्यशाला में दो शैक्षणिक सत्रों का नेतृत्व किया।

लखनऊ, उत्तर प्रदेश (बैच I), 18–22 दिसंबर, 2024 को शैक्षिक प्रशासकों (माध्यमिक/वरिष्ठ माध्यमिक) के लिए विद्यालय नेतृत्व विकास पर पांच दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला के लिए प्रमुख शैक्षणिक सहायता प्रदान की।

31 दिसंबर, 2024 को विद्यालयों में सीखने के लिए शैक्षणिक नेतृत्व पर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यालय प्रमुखों के लिए 5–दिवसीय अभिविन्यास में शैक्षणिक नेतृत्व और सीखने के परिणामः अंतर्संबंध और संभावनाएं पर एक सत्र का नेतृत्व किया।

15–19 जनवरी, 2025 को लखनऊ, उत्तर प्रदेश (बैच II) में शैक्षिक प्रशासकों (माध्यमिक/वरिष्ठ माध्यमिक) के लिए विद्यालय नेतृत्व विकास पर पांच दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला में प्रमुख शैक्षणिक सहायता प्रदान की।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

नीपा में शिक्षा और विकास पाठ्यक्रम एसईसी0532 में परास्नातक की सह–नेता "विकासात्मक संदर्भों में एक विस्तारित निबंध लेखन", शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर (प्रो. रस्मिता दास स्वाँई, प्रोफेसर, विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग, नीपा के साथ)।

नीपा में शिक्षा और विकास पाठ्यक्रम एसईसी678 में परास्नातक की सह–नेतृत्व "शिक्षा में समानता और समावेशन", शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर (डॉ निधि सभरवाल, राष्ट्रीय अध्येता नीपा के साथ)।

नवंबर 2024 में नीपा द्वारा विकसित भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों में पंच प्राण को बढ़ावा देने पर दस्तावेज़ के लेखकों में से एक (प्रो. मोना खरे, डॉ सूर्य नारायण मिश्र, डॉ निधि एस. सभरवाल और बोस्की सिंह के साथ)।

विद्यालय शिक्षा में सुशासन पर एक शोध अध्ययन आयोजित करने के लिए प्रमुख अनुसंधान अन्वेषक (दल के सदस्यों में से एक): वित्त वर्ष 2024–2025 में नीपा राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र पीएबी कार्यवृत्त में अनुमोदित संभावनाएं और अभिनव अभ्यास, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के डीओएसई एंड एल द्वारा।

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के विद्यालय शिक्षा और साक्षरता विभाग के पीएमश्री के प्रमुख कार्यक्रम के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024–2025 में नीपा के लिए विद्यालय नेतृत्व विकास पर पीएमएसएचआरआई पुस्तिका (अंग्रेजी और हिंदी) के तैयार करने का नेतृत्व किया।

8–13 दिसंबर, 2024 तक विद्यालयी शिक्षा में सुशासनः संभावनाएं एवं नवीन अभ्यास पर शोध अध्ययन के लिए केंद्र शासित प्रदेश जम्मू एवं कश्मीर में क्षेत्र अध्ययन का आयोजन किया।

8–10 जनवरी, 2025 तक भारतीय पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली में सफल विद्यालय नेतृत्व 2025ः परिवर्तन और नवाचार के उदाहरण पर राष्ट्रीय सम्मेलन में विद्यालयी शिक्षा के स्वदेशी मॉडलः वैकल्पिक दृष्टिकोण और छात्र कल्याण पर पैनल चर्चा की अध्यक्षता।

11 मार्च 2025 को नीपा में शैक्षिक योजना और प्रशासन पर अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा में "शैक्षिक प्रबंधन और नेतृत्व" पर एक सत्र का नेतृत्व किया।

11 मार्च 2025 को नीपा में शैक्षिक योजना और प्रशासन पर अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा में "संस्थागत संघर्षों को कम करनाः पारस्परिक अनुभवों का आदान–प्रदान" पर एक सत्र का नेतृत्व किया।

वास्तविक समय पर प्रसारण सत्र (लाइव स्ट्रीमिंग)

3 मई 2024 को सिद्धांत से व्यवहार तकः राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र का कार्यान्वयन मॉडल आयोजित किया गया https://www.youtube.com/embed/aUY6HY0IObg

26 जुलाई 2024 को बिहार में अग्रणी व्यावसायिक शिक्षण समुदायः प्रभाव और आगे का रास्ता आयोजित किया गया https://www.youtube.com/embed/oNrptZ6VOPk

11 अक्टूबर 2024 को विद्यालय लीडरशिप अकादमी 2024–2025 में एसएलडीपी का अग्रणी मूल्यांकन आयोजित किया गया https://www.youtube.com/embed/fYHspVGDUR0

25 अक्टूबर 2024 को विद्यालय प्रमुख एक शोधकर्ता के रूप में आयोजित https://www.youtube.com/embed/9WwLF7ySzCc

1 नवंबर 2024 को विद्यालय नेतृत्व पर पुनर्विचारः राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विषयगत क्षेत्रों पर सामग्री विकास आयोजित किया। https://www.youtube.com/embed/lVKv-J94hzA

7 फरवरी 2025 को विद्यालय विकास योजनाः एक सशक्त नेतृत्व का उपागम आयोजित https://www.youtube.com/embed/5KMRrf1zu8s?list=PLSiPjXQ11pfZogVQeZ3obSqf2vySaEkYN

आधिकारिक एवं अन्य समितियों की सदस्यता

वित्तीय वर्ष 2024–2025 में सदस्य (बाह्य), आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी), नीपा

नीपा के बाह्य प्रतिष्ठित निकायों की सदस्यता

आजीवन सदस्य, अखिल भारतीय शैक्षिक अनुसंधान संघ (एआईएईआर)

सदस्य, भारतीय राष्ट्रीय कला एवं संस्कृति न्यास (आईएनटीएसीएच), नई दिल्ली

सदस्य, भारत अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (आईआईसी), नई दिल्ली

शादमा अबसार

प्रकाशन

प्रकाशन कार्य

एक संपादित पुस्तक, भारत में शिक्षक शिक्षा को पुनर्जीवित करनाः राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 की संभावनाएं और चुनौतियां में एक अध्याय शिक्षक अपने विद्यालय प्रमुखों को कैसे देखते हैं: शिक्षकों के कार्य व्यवहार के लिए निहितार्थ प्रकाशित किया। प्रोफेसर जसीम अहमद, डॉ. एरम खान और डॉ. अंसार अहमद द्वारा संपादित, शिप्रा पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित (अगस्त 2024) आईएसबीएन 978–9391978747।

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

29 जुलाई 2024 को मानेकशॉ सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित अखिल भारतीय शिक्षा समागम में भाग लिया।

11 नवंबर, 2024 को भारतीय पर्यावास केंद्र, लोधी रोड, नई दिल्ली में आयोजित नीपा द्वारा आयोजित 15वें मौलाना आज़ाद मेमोरियल व्याख्यान में भाग लिया।

12 अगस्त 2024 को भारतीय पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित नीपा के 18वें स्थापना दिवस समारोह में भाग लिया।

कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

22–24 जुलाई 2024 तक भारतीय पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली में डॉ. चारु स्मिता मलिक के साथ 'विद्यालय शिक्षा में सुशासन पर शोध अध्ययनः संभावनाएं और नवीन अभ्यास' पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का समन्वय किया।

जवाहर नवोदय विद्यालयों (बैच–I) के विद्यालय नेतृत्वकर्ताओं के लिए छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक भावनात्मक कल्याण पर समन्वित क्षमता विकास कार्यशाला, डॉ. सांत्वना जी मिश्रा और डॉ. तृप्ति सिंह के साथ, 18–21 सितंबर 2024 को नीपा, नई दिल्ली में आयोजित की गई।

डॉ. चारु स्मिता मलिक और डॉ. तृप्ति सिंह के साथ जवाहर नवोदय विद्यालयों (बैच– II) के विद्यालय नेतृत्वकर्ताओं के लिए छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक भावनात्मक कल्याण पर समन्वित क्षमता विकास कार्यशाला, 7–10 अक्टूबर 2024 तक नीपा, नई दिल्ली में आयोजित की गई।

17–21 दिसंबर 2024 तक नीपा, नई दिल्ली में सरकारी विद्यालयों में छात्र दक्षता बढ़ाने के लिए शैक्षणिक नेतृत्व पर कार्यशाला का समन्वय और नेतृत्व किया गया।

नीपा एमएमटीटीसी द्वारा 23–30 सितंबर 2024 तक आयोजित 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम' (ऑनलाइन मोड) पर एमएमटीटीपी बैच का समन्वय किया, जिसमें कार्यक्रम बैच निदेशक, प्रोफेसर,

शैक्षिक प्रशासन विभाग के प्रोफेसर कुमार सुरेश शामिल थे।

29–31 जनवरी 2025 तक भारतीय पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली में डॉ. सांत्वना जी मिश्रा और डॉ. चारु स्मिता मलिक के साथ विद्यालय नेतृत्व अकादमियों के साथ एक राष्ट्रीय समीक्षा और योजना कार्यशाला का समन्वय किया।

पीएमईविद्या चौनल संख्या 6,9 और 12 तथा एनसीईआरटी आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर विद्यालय प्रमुखों/प्रधानाचार्यों/राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र के संकाय के साथ विद्यालय नेतृत्व विकास पर 6 वास्तविक समय पर प्रसारण सत्र (लाइव स्ट्रीमिंग) आयोजित किए गए।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

14 मई 2024 को विद्यालय शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय द्वारा रायपुर, छत्तीसगढ़ में आयोजित पीएम श्री विद्यालय के संसाधन व्यक्तियों के लिए अभिविन्यास सह क्षमता निर्माण कार्यक्रम में “विद्यालय नेतृत्व विकास” पर एक सत्र का नेतृत्व किया।

14 मई 2024 को प्रशासनिक अकादमी, रायपुर, छत्तीसगढ़ में शैक्षिक प्रशासकों के लिए निष्ठा पर एक व्याख्यान सह संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया।

10 जून 2024 को जेडआईईटी भुवनेश्वर, केंद्रीय विद्यालय संगठन द्वारा आयोजित केंद्रीय विद्यालयों के नव पदोन्नत/नियुक्त विद्यालय प्रधानाचार्यों के प्रेरण कार्यक्रम में विद्यालय नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन सत्र आयोजित किया गया।

11 जून 2024 को जेडआईईटी ग्वालियर, केंद्रीय विद्यालय संगठन द्वारा आयोजित केंद्रीय विद्यालयों, भुवनेश्वर क्षेत्र के नव पदोन्नत/नियुक्त विद्यालय प्रधानाचार्यों के प्रेरण कार्यक्रम में विद्यालय नेतृत्व विकास पर एक ऑनलाइन सत्र का संचालन और नेतृत्व किया।

26 जून 2024 को लखनऊ, उत्तर प्रदेश में जिला स्तरीय शैक्षिक अधिकारियों के लिए नेतृत्व विकास पर अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया।

वर्ष 2024–2025 के लिए विद्यालय नेतृत्व विकास पर राष्ट्रीय कार्यक्रम के दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन पर विद्यालय नेतृत्व अकादमियों के साथ ऑनलाइन बैठकें।

19 दिसंबर 2024 को विद्यालय लीडरशिप अकादमियों के साथ विद्यालय लीडरशिप 2024–2025 मनाने के लिए केस स्टडीज़ और वीडियो डॉक्यूमेंट्रीज़ आमंत्रित करने के लिए ऑनलाइन बैठक।

24 जनवरी 2025 को जिला स्तरीय निकायों के लिए विद्यालय लीडरशिप मध्य प्रदेश के साथ विद्यालय नेतृत्व और प्रबंधन पर ऑनलाइन कार्यक्रम पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त वर्ष 2024–2025 में नीपा, राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र पीएबी मिनट्स में अनुमोदित विद्यालय शिक्षा में सुशासन पर एक शोध अध्ययन संभावनाएं और अभिनव अभ्यास के लिए अनुसंधान अन्वेषक (दल के सदस्यों में से एक)।

विद्यालय शिक्षा में सुशासन पर एक शोध अध्ययन 'संभावनाएं और नवीन अभ्यास' के लिए 10 से 12 दिसंबर 2024 तक बिहार राज्य में क्षेत्र अध्ययन।

ज्ञानेश्वरी लोंगजाम

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

29 जुलाई 2024 को मानेकशॉ केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित अखिल भारतीय शिक्षा समागम, 2024 में भाग लिया।

12 अगस्त 2024 को सिल्वर ओक हॉल, भारतीय पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित नीपा के 18वें स्थापना दिवस समारोह के आयोजन में भाग लिया।

11 नवंबर, 2024 को भारतीय पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली में नीपा द्वारा आयोजित 15वें मौलाना आज़ाद मेमोरियल व्याख्यान में भाग लिया।

19–20 नवंबर, 2024 को सीमेट, उत्तराखंड द्वारा आयोजित विद्यालय नेतृत्व और प्रबंधन पर अंतर एसएलए सेमिनार की अध्यक्षता की।

कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

सरकारी विद्यालयों में कौशल–आधारित और व्यावसायिक शिक्षा के कार्यान्वयन के लिए नेतृत्व पर सामग्री विकास कार्यशाला (चरण I) का समन्वय (डॉ. चारु स्मिता मलिक के साथ) 05–07 जून, 2024 को नीपा, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

08–10 जनवरी, 2025 को आयोजित सफल विद्यालय नेतृत्व 2025: परिवर्तन और नवाचार के उदाहरण पर राष्ट्रीय सम्मेलन का समन्वय (डॉ. चारु स्मिता मलिक के साथ)।

17–19 अक्टूबर, 2024 को विद्यालय नेतृत्वकर्ताओं के लिए सतत व्यावसायिक विकास पर दिशानिर्देश विकसित करने के लिए परामर्श बैठक (चरण I) का समन्वय (डॉ. चारु स्मिता मलिक के साथ) नीपा, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

14–24 अक्टूबर 2024 तक यूजीसी–मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान द्वारा (ऑनलाइन) आयोजित मालवीय मिशन शिक्षक–प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी) के तहत राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम के लिए प्रो. के. बिस्वाल, शैक्षिक योजना विभाग, नीपा (कार्यक्रम बैच निदेशक) और डॉ. निधि एस. सभरवाल (कार्यक्रम बैच समन्वयक) के साथ समन्वय।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

22–23 मई, 2024 को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के विद्यालय शिक्षा और साक्षरता विभाग (डीओएसईएल) द्वारा गुजरात में पीएमश्री विद्यालयों के संसाधन व्यक्तियों के लिए विद्यालय नेतृत्व विकास कार्यक्रम अभिविन्यास सह क्षमता निर्माण कार्यक्रम पर एक सत्र आयोजित किया गया।

10–11 जून, 2024 को विद्यालय शिक्षा और साक्षरता विभाग (डीओएसईएल), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर में विद्यालय नेतृत्व अभिविन्यास–सह–क्षमता निर्माण कार्यशाला पर एक सत्र आयोजित किया गया।

14 जून, 2024 को केंद्रीय विद्यालय संगठन द्वारा जेडआईईटी, चंडीगढ़ में विद्यालय नेतृत्व विकास पर केंद्रीय विद्यालयों के नव पदोन्नत/नियुक्त विद्यालय प्रधानाचार्यों का आमने–सामने प्रेरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

विद्यालय शिक्षा में सुशासन पर एक शोध अध्ययन के लिए अनुसंधान अन्वेषक (दल के सदस्यों में से एक): विद्यालय शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त वर्ष 2024–2025 में नीपा राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र पीएबी कार्यवृत्त में अनुमोदित संभावनाएं और अभिनव अभ्यास।

विद्यालय शिक्षा में सुशासन पर एक शोध अध्ययन के लिए गुजरात राज्य में क्षेत्र अध्ययनः संभावनाएं और अभिनव अभ्यास।

विद्यालय शिक्षा में सुशासन पर एक शोध अध्ययन के लिए तमिलनाडु राज्य में क्षेत्र अध्ययनः संभावनाएं और अभिनव अभ्यास।

विद्यालय शिक्षा में सुशासन पर एक शोध अध्ययन के लिए कर्नाटक राज्य में क्षेत्र अध्ययनः संभावनाएं और अभिनव अभ्यास।

7–9 जनवरी 2024 को आयोजित सफल विद्यालय नेतृत्व 2025: परिवर्तन और नवाचार के उदाहरण पर राष्ट्रीय सम्मेलन के केस स्टडीज का संग्रह तैयार किया गया https://ncsl.niepa.ac.in/document/change&innovation/Successful%20School%20Leadership_2024-2025%20Case%20Studies.pdf

वास्तविक समय पर प्रसारण सत्र (लाइव स्ट्रीमिंग)

विद्यालय प्रमुखों के साथ 10 लाइव स्ट्रीमिंग सत्र आयोजित किए गए

राजस्थान में जीएसएसएस में छात्र दक्षताओं को बढ़ाने के लिए सामुदायिक सहभागिता का नेतृत्व करना (24.05.2024) https://www.youtube.com/watch?v=TBMKs0XYLg0

गुजरात के एक प्राथमिक विद्यालय में आधारभूत शिक्षण को लागू करके छात्र विकास का नेतृत्व करना (21.06.2024) https://www.youtube.com/watch?v=dsRwX401TCY&t=19s

कर्नाटक के सरकारी उच्च विद्यालय में छात्र शिक्षण का नेतृत्व करना (02.08.2024) https://www.youtube.com/watch?v=k-57SqbUoYM

आंध्र प्रदेश में अभिनव प्रथाओं के माध्यम से छात्र शिक्षण का नेतृत्व करना (06.09.2024) https://www.youtube.com/watch?v=LwcSRqenNbA

गुजरात में खेल शिक्षा पर विशेष ध्यान देने वाले एक प्राथमिक विद्यालय का नेतृत्व करना (27.09.2024) https://www.youtube.com/watch?v=eJvDodY0b4w&list=PLSiPjXQ11pfZogVQeZ3obSqf2vySaEkYN

झारखंड के एक वामपंथी उग्रवाद क्षेत्र में एक माध्यमिक विद्यालय का नेतृत्व करना (08.11.2024) https://www.youtube.com/watch?v=fuF0DINJu4k

विद्यालय परिवर्तन के लिए अग्रणी सामुदायिक भागीदारी (24.01.2025) https://www.youtube.com/watch?v=4BQw35QJ7q4

सामाजिक भावनात्मक और नैतिक शिक्षा के माध्यम से सरकारी विद्यालय को बदलनारू नुबरा, लेह, लद्दाख से एक मामला (14.02.2025) https://www.youtube.com/watch?v=hKk8Lj8tysU

सीखने के लिए नेतृत्वः महाराष्ट्र के एक प्राथमिक विद्यालय में संपूर्ण विद्यालय विकास (07.03.2025) https://www.youtube.com/watch?v=MmQsZMU2ync

तमिलनाडु के एक सरकारी हाई विद्यालय में समावेशी शिक्षा के लिए नेतृत्व (21.03.2025) https://www.youtube.com/watch?v=aRvRuLPGDtc

तृप्ति सिंह

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

29 जुलाई 2024 को मानेकशॉ सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'अखिल भारतीय शिक्षा समागम 2024' में भाग लिया।

11 नवंबर, 2024 को भारतीय पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली में नीपा द्वारा आयोजित 15वें मौलाना आज़ाद मेमोरियल व्याख्यान में भाग लिया।

12 अगस्त 2024 को भारतीय पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित नीपा के 18वें स्थापना दिवस समारोह के आयोजन में भाग लिया।

कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

18–21 सितंबर, 2024 को नीपा, नई दिल्ली में डॉ. सांत्वना जी मिश्रा और डॉ. शादमा अबसार के साथ जवाहर नवोदय विद्यालयों (बैच–I) के विद्यालय नेतृत्वकर्ताओं के लिए 'छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक–भावनात्मक कल्याण' पर एक क्षमता विकास कार्यशाला का समन्वय किया।

07–10 अक्टूबर, 2024 को नीपा, नई दिल्ली में डॉ. चारु स्मिता मलिक और डॉ. शादमा अबसार के साथ जवाहर नवोदय विद्यालयों (बैच–II) के विद्यालय नेतृत्वकर्ताओं के लिए 'छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक–भावनात्मक कल्याण' पर एक क्षमता विकास कार्यशाला का समन्वय किया।

यूजीसी–मालवीय मिशन–शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएम–टीटीसी), नीपा के तहत 20–29 नवंबर, 2024 तक आयोजित 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम' में प्रोफेसर ए.के सिंह, विभागाध्यक्ष, शैक्षिक नीति विभाग नीपा (कार्यक्रम बैच निदेशक) और डॉ. संगीता अंगोम (कार्यक्रम बैच समन्वयक) के साथ समन्वय किया।

17–20 दिसंबर, 2024 तक नीपा, नई दिल्ली में डॉ. शादमा अबसार और डॉ. पूजा सिंह के साथ 'सरकारी विद्यालयों में छात्र दक्षताओं को बढ़ाने के लिए शैक्षणिक नेतृत्व' पर एक कार्यशाला का समन्वय किया।

29–31 जनवरी, 2025 तक भारतीय पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली में डॉ. सांत्वना जी मिश्रा, डॉ. चारु स्मिता मलिक और डॉ. शादमा अबसार के साथ 'विद्यालय नेतृत्व अकादमियों के लिए राष्ट्रीय समीक्षा और योजना कार्यशाला' का समन्वय किया।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

6–8 जून, 2024 तक रांची, झारखंड में डीओएसईएंडएल द्वारा आयोजित 'पीएम श्री विद्यालयों के संसाधन व्यक्तियों के लिए अभिविन्यास सह क्षमता निर्माण कार्यक्रम' में विद्यालय नेतृत्व विकास पर एक सत्र आयोजित किया गया।

11 जून, 2024 को जेडआईईटी ग्वालियर (बैच III) में 'विद्यालय नेतृत्व विकास' पर केंद्रीय विद्यालयों के नव पदोन्नत/नियुक्त विद्यालय प्रधानाचार्यों के प्रेरण कार्यक्रम पर एक ऑनलाइन सत्र का नेतृत्व किया।

20–22 जून, 2024 तक शिमला, हिमाचल प्रदेश में शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित 'पीएम श्री विद्यालयों के संसाधन व्यक्तियों के लिए अभिविन्यास सह क्षमता निर्माण कार्यक्रम' में विद्यालय नेतृत्व विकास पर एक सत्र आयोजित किया गया।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

वर्ष 2024–2025 के लिए विद्यालय नेतृत्व विकास पर राष्ट्रीय कार्यक्रम के दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन पर 3–4 अक्टूबर, 2024 तक ऑनलाइन बैठक।

16 अक्टूबर, 2024 को उत्तराखंड के सीमेट में वर्ष 2024–2025 के लिए विद्यालय नेतृत्व विकास पर राष्ट्रीय कार्यक्रम के दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन पर ऑनलाइन बैठक।

विद्यालय शिक्षा और साक्षरता विभाग (डीओएसईएंडएल), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2024–2025 में नीपा राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र पीएबी कार्यवृत्त में अनुमोदित विद्यालय शिक्षा में सुशासन पर एक शोध अध्ययनः संभावनाएं और अभिनव अभ्यास के लिए अनुसंधान अन्वेषक (दल के सदस्यों में से एक)।

25 नवंबर से 01 दिसंबर, 2024 तक विद्यालय शिक्षा में सुशासन पर शोध अध्ययनः संभावनाएं और नवीन अभ्यास के लिए असम राज्य में क्षेत्र अध्ययन।

9–14 दिसंबर, 2024 तक 'विद्यालय शिक्षा में सुशासन पर शोध अध्ययनः संभावनाएं और नवीन अभ्यास' के लिए मध्य प्रदेश राज्य में क्षेत्र अध्ययन।

नीपा में शिक्षा और विकास पाठ्यक्रम सी1सीसी–503 शिक्षा की नींव के पहले सेमेस्टर के सह–नेता (प्रो. ए.के. सिंह, प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, शैक्षिक नीति विभाग, नीपा और डॉ. कश्यपी अवस्थी, सहायक प्रोफेसर, शैक्षिक नीति विभाग, नीपा के साथ)।

वास्तविक समय पर प्रसारण सत्र (लाइव स्ट्रीमिंग)

विद्यालय प्रमुखों के साथ 10 लाइव स्ट्रीमिंग सत्र आयोजित किए गए

दिल्ली में जीबीएसएसएस का नेतृत्व करनाः राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र, नीपा के पीजीडीएसएलएम से प्राप्त सीख 31.05.2024 https://www.youtube.com/watch?v=wOtQpTtmIIA

शैक्षणिक हस्तक्षेप के माध्यम से छात्रों को सशक्त बनानाः 28.06.2024 को छत्तीसगढ़ में जीपीएस का नेतृत्व करना https://www.youtube.com/watch?v=J_4q_QMoP1k

16.08.2024 को सिक्किम के ग्यालशिंग जिले में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय का नेतृत्व करना https://www.youtube.com/watch?v=3YL-jHfmJek

13.09.2024 को एचएसएस कंजीउलर, जम्मू और कश्मीर में विद्यालय परिवर्तन के लिए नेतृत्व पहल https://www.youtube.com/watch?v=iXgjihb9dg8

08.11.2024 को आंध्र प्रदेश के एक आर्थिक रूप से पिछड़े ब्लॉक में एक मॉडल विद्यालय में अग्रणी https://www.youtube.com/watch?v=Fcqajs4T

27.12.2024 को विद्यालय नेता की भूमिकाः जीजीएचएस, छात्र का समग्र विकास, असम। https://www.youtube.com/watch?v=-gyXYgICkWY

17.01.2025 को जीएसएसएस, हरियाणा में कौशल संवर्धन के माध्यम से छात्रों के समग्र विकास का नेतृत्व करना https://www.youtube.com/watch?v=gs7ID_dZkzo

21.02.2025 को जीएसएसएस, बलेरा, हिमाचल प्रदेश में छात्र व्यक्तित्व विकास और कौशल संवर्धन के लिए अग्रणी पहल https://www.youtube.com/watch?v=kFMgfIeU8PI

28.02.2025 को मध्य प्रदेश के एक जीआईएमएस में बाल–केंद्रित शिक्षाशास्त्र का नेतृत्व करना https://www.youtube.com/watch?v=xd8J0b0CnAY

28.03.2025 को कार्य नेतृत्वः आंध्र प्रदेश में एपीएमएस में सुशासन की परिवर्तनकारी यात्रा https://www.youtube.com/watch?v=iDwNMu16mZQ

पूजा सिंह

कार्यशालाओं / सम्मेलनों / वेबिनार / प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भागीदारी

22–24 जुलाई 2024 को विद्यालय शिक्षा में सुशासन पर शोध अध्ययन पर राष्ट्रीय कार्यशाला के लिए प्रतिवेदकः संभावनाएं और नवीन अभ्यास

17–19 अक्टूबर, 2024 को विद्यालय नेतृत्वकर्ताओं के लिए सतत व्यावसायिक विकास पर दिशानिर्देशों के विकास के लिए परामर्श बैठक के लिए प्रतिवेदक

5–8 नवंबर, 2024 को सरकारी विद्यालयों में समानता, विविधता और समावेश के लिए नेतृत्व पर कार्यशाला के लिए प्रतिवेदक

5 दिसंबर 2024 को पीजीडीएसएलएम के लिए सामग्री विकास हेतु ऑनलाइन बैठक

17–20 दिसंबर 2024 को सरकारी विद्यालयों में छात्र दक्षता बढ़ाने के लिए शैक्षणिक नेतृत्व पर सामग्री विकास कार्यशाला

8–10 जनवरी 2025 को सफल विद्यालय नेतृत्व 2025 पर राष्ट्रीय सम्मेलनः परिवर्तन और नवाचार के उदाहरण

29–31 जनवरी 2025 को विद्यालय नेतृत्व अकादमियों के साथ राष्ट्रीय समीक्षा और योजना कार्यशाला के लिए प्रतिवेदक

27 फरवरी, 2025 को आयोजित राष्ट्रीय सलाहकार समूह की बैठक का विवरण तैयार किया गया

कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

5 से 8 नवंबर, 2024 तक सरकारी विद्यालयों में समानता, विविधता और समावेश के लिए नेतृत्व पर समन्वित कार्यशाला (डॉ चारु स्मिता मलिक और डॉ शिव कुमार कांडेकर के साथ)।

17 से 20 दिसंबर 2024 तक सरकारी विद्यालयों में छात्र दक्षता बढ़ाने के लिए शैक्षणिक नेतृत्व पर समन्वित सामग्री विकास कार्यशाला (डॉ शादमा अबसार और डॉ तृप्ति सिंह के साथ)।

प्रशिक्षण सामग्री एवं पाठ्यक्रम विकसित/प्रवर्तित

अक्टूबर 2024, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, "उच्च शिक्षा में शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के लिए शिक्षण कौशल" पर ऑनलाइन मॉड्यूल के विकास में योगदान दिया।

वास्तविक समय पर प्रसारण सत्र (लाइव स्ट्रीमिंग)

सत्र 2024–2025 के लिए पीएम ईविद्या चैनल नंबर 6, 9 और 12 पर विद्यालय नेतृत्व विकास पर लाइव सत्रों में भाग लिया।

15 नवंबर, 2024 को उत्तर प्रदेश में जीएचएसएस में विद्यालय परिवर्तन का नेतृत्व https://www.youtube.com/watch?v=3csOYrhVHEg

22 नवंबर, 2024 को राजस्थान के एक जीएसएसएस में बालिका सशक्तिकरण: भविष्य के लिए नेतृत्व का निर्माण https://www.youtube.com/watch?v=ny3T8bfvj7c

29 नवंबर, 2024 को अनुकरणीय नेतृत्व के माध्यम से पंजाब के एक गांव के सरकारी उच्च विद्यालय का कायाकल्प https://www.youtube.com/watch?v=C5bx2XATEFg

20 दिसंबर, 2024 को छात्रों के समग्र विकास में अग्रणी भूमिका: हिमाचल प्रदेश में सरकारी विद्यालय प्रमुख की भूमिका https://www.youtube.com/watch?v=93gwUzmOQsc

10 जनवरी, 2025 को विद्यालय के पूर्व छात्रों के साथ संपर्क: आंध्र प्रदेश में जेडपीएचएस में नेतृत्व की भूमिका https://www.youtube.com/watch?v=qWAmKGNN0cA

31 जनवरी, 2025 को सफलता के लिए छात्रों को सशक्त बनाने में विद्यालय नेतृत्व की भूमिका: सिक्किम का एक मामला https://www.youtube.com/watch?v=L2p5ot1z-3s

उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र (सी.पी.आर.एच.ई)

प्रदीप कुमार मिश्र

प्रकाशन

पुस्तकें

पंडा, एस., मिश्र, एस., और मिश्र, पी. के. (संपादक) (2024)। उच्च शिक्षा में मिश्रित शिक्षा पर केस अध्ययन: नीति, योजना और गुणवत्ता आश्वासन। स्प्रिंगर

पुस्तक के अध्याय और शोध लेख

शर्मा, एस., और मिश्र, पी. के. (2024)। संबद्ध अध्यापक शिक्षा महाविद्यालयों में गुणवत्ता बनाए रखने में राज्य विश्वविद्यालयों की भूमिका का आलोचनात्मक मूल्यांकन। पी. पंडा (सं.), भारत में शिक्षक शिक्षा परिदृश्य शासन और गुणवत्ता प्रबंधन (पृष्ठ 74–89)। रूटलेज

मिश्र, एस., पंडा, एस., और मिश्र, पी. के. (2024)। उच्च शिक्षा में मिश्रित शिक्षा: रूपरेखा और भविष्य। एस. पंडा: एस. मिश्रा और पी. के. मिश्र (सं.) (2024) में। उच्च शिक्षा में मिश्रित शिक्षा पर केस स्टडीज: नीति, योजना और गुणवत्ता आश्वासन (पृष्ठ 267–278)। स्प्रिंगर

मिश्र, पी. के. (2023)। अंतःविषय अनुसंधान को बढ़ावा देना: लाभ और मार्ग। यूनिवर्सिटी न्यूज़, 62 (03), 116–122।

अनुसंधान परियोजनाएं

भारतीय उच्च शिक्षा में शिक्षण और सीखने में डिजिटल प्रौद्योगिकी को एकीकृत करना (जारी)

उच्च शिक्षा में समानता, पहुंच और गुणवत्ता को बढ़ावा देने के लिए प्रौद्योगिकी: दक्षिण अफ्रीका और भारत की नीतियां और प्रथाएं, सामाजिक विज्ञान 2021 के क्षेत्र में,

आईसीएसएसआर (भारत)–एनआईएचएसएस (दक्षिण अफ्रीका) संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रम के तहत अनुसंधान परियोजना (पूरा हुआ)।

पुरस्कार और सम्मान

यूनाइटेड स्टेट्स–इंडिया एजुकेशनल फाउंडेशन द्वारा 2024 में फुलब्राइट–नेहरू व्यावसायिक और अकादमिक उत्कृष्टता अध्येतावृत्ति प्राप्त की।

1 सितंबर, 2024 से 28 फरवरी, 2025 के दौरान फुलब्राइट फेलोशिप के तहत फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के कॉलेज ऑफ एजुकेशन में आगंतुक अध्येता।

राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय के लिए कुलाध्यक्ष नामित।

अनुसंधान पर्यवेक्षण

डॉक्टरल, आईडेपा और पीजीडेपा कार्यक्रमों के छात्रों के लिए अनुसंधान पर्यवेक्षक

संगोष्ठियों/सम्मेलन/कार्यशालाओं का आयोजन

सीपीआरएचई/नीपा में विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन में योगदान दिया।

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

3–6 दिसंबर, 2024 को 2024 की शरदकालीन क्लीवलैंड फुलब्राइट स्कॉलर संवर्धन संगोष्ठी ओहियो, अमेरिका में आयोजित।

5–7 नवंबर, 2025 तक उभरते शिक्षण शिखर सम्मेलन, ड्यूक विश्वविद्यालय, उत्तरी कैरोलिना, संयुक्त राज्य अमेरिका।

7–14 जुलाई, 2024 तक गणितीय शिक्षा पर 15वीं अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस (आईसीएमई–15), सिडनी, ऑस्ट्रेलिया।

01–3 अप्रैल, 2024 तक ओडीएल में परिप्रेक्ष्य और नवाचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, नोएडा।

संस्थान एवं अन्य संस्थाओं द्वारा आयोजित अनेक कार्यक्रमों में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।

प्रशिक्षण सामग्री एवं पाठ्यक्रम विकसित/प्रवर्तित

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर (समन्वयक)

शिक्षा और विकास की गतिशीलता (पाठ्यक्रम प्रमुख)

प्रौद्योगिकी और शिक्षा (पाठ्यक्रम दल सदस्य)

डिजिटल उपकरण और अनुप्रयोगों के साथ सीखना (पाठ्यक्रम दल सदस्य)

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

विज्ञान, मानविकी और सामाजिक विज्ञान में कनिष्ठ अनुसंधान अध्येतावृत्ति, स्नातकोत्तर अध्ययन के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति, यूजीसी स्नातकोत्तर छात्रवृत्ति और इकलौती बालिका अध्येतावृत्ति की यूजीसी योजनाओं के मूल्यांकन में योगदान दिया।

भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट (आईएचईआर) के संपादक

सीपीआरएचई आलेख श्रंखला के संपादक

नीपा और भारत भर के संस्थानों द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में कई संसाधन व्याख्यान दिए।

नीपा के प्रतिष्ठित निकायों की सदस्यता

अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ के अध्यक्ष

डॉक्टरेट कार्यक्रम समिति के अध्यक्ष

शिक्षा और विकास कार्यक्रम समिति में मास्टर ऑफ आर्ट्स के अध्यक्ष

निदेशक, आईक्यूएसी

जेम पोर्टल पर निविदा उद्घाटन एवं मूल्यांकन समिति, सदस्य

पीएमयू को मजबूत करने के लिए सदस्य समिति

ओईआर समिति के सदस्य

नीपा के बाह्य प्रतिष्ठित निकायों की सदस्यता

प्रतिष्ठित पत्रिकाओं के समीक्षक पैनल के सदस्यः स्प्रिंगर ओपन, सेज ओपन, ओपन प्रेक्सिस, जेडडीएम मैथमेटिक्स एजुकेशन, कॉजेंट एजुकेशन, अफ्रीकन एजुकेशन रिसर्च जर्नल, एम्पिरिकल रिसर्च इन वोकेशनल एजुकेशन एंड ट्रेनिंग, वाइकाटो जर्नल ऑफ एजुकेशन, आईआरआरडीओएल, आदि।

आईसीएसएसआर, डीएसटी जैसे विभिन्न संगठनों की परियोजना समीक्षा समितियों के सदस्य।

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) द्वारा आईटीईपी कार्यक्रम के लिए शैक्षणिक पाठ्यक्रम विकास समिति के सदस्य।

शिक्षक प्रशिक्षण पर राष्ट्रीय केंद्रीत समूह के सदस्य

एनसीटीई की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के साथ संरेखित 2 वर्षीय बी.एड कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम रूपरेखा और पाठ्यक्रम विकसित करने और रुपांकित करने के लिए सदस्य।

विभागीय सलाहकार समिति के सदस्य, अध्यापक शिक्षा विभाग, एनसीईआरटी

शिक्षा विद्यालय, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की अकादमिक लेखा परीक्षा समिति के सदस्य

शिक्षा विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के अध्ययन बोर्ड के सदस्य

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस), नोएडा की अकादमिक परिषद के सदस्य।

पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा, शिक्षा विभाग, विद्यालय बोर्ड के सदस्य।

पंजाब केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा, शिक्षा विभाग के अध्ययन बोर्ड के सदस्य।

बीएससी बीएड 4 वर्षीय एकीकृत एवं नवीन विशेष शिक्षा (एचआई, आईडी, एलडी, वीआई) कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम प्रारूप समिति के सदस्य, शिक्षा विद्यालय, डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर।

हैदराबाद विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान विद्यालय के विद्यालय बोर्ड के सदस्य

सांची विश्वविद्यालय के वैकल्पिक शिक्षा अध्ययन बोर्ड के सदस्य।

अमेरिकी शैक्षिक अनुसंधान संघ (एईआरए), यूएसए के सदस्य

भारतीय शिक्षक शिक्षा संघ (आईएटीई), भारत के आजीवन सदस्य

निधि एस. सभरवाल

प्रकाशन

पुस्तकें

वर्गीज एन.वी. और सभरवाल, एन.एस., (सं.), भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट (आईएचईआर) 2022: उच्च शिक्षा में महिलाएं। रूटलेज। 2024. आईएसबीएन 9781032542546

द्रव्यमान पीढ़ी का लिंग निर्धारण: भारत में उच्च शिक्षा तक पहुँच और विकल्प (एमिली हेंडरसन और अन्य के साथ)। रूटलेज। 2024. आईएसबीएन 9781032363004

शोध पत्र/लेख (स्कोपस अनुक्रमित सहित)

सभरवाल एन.एस. (2024)। भारत में उच्च शिक्षा में सकारात्मक कार्रवाई नीति के प्रति छात्रों के दृष्टिकोण को समझना। सामाजिक समावेश। खंड 12. पृष्ठ 1–19। 2024. (स्कोपस–इंडेक्स्ड)।

सभरवाल एन.एस. (2024)। भारत में उच्च शिक्षा में कॉलेज की तैयारी और छात्रों की सफलता: एक समावेशी एजेंडा (2024)। सीपीआरएचई शोध पत्र श्रृंखला 19. नई दिल्ली, सीपीआरएचई/नीपा।

एमिली एफ. हेंडरसन और निधि एस. सभरवाल (2024): उच्च शिक्षा तक पहुँच की लैंगिक स्थितियाँ: हरियाणा, भारत के मामले के माध्यम से लैंगिक संक्षेत्र विश्लेषण को आगे बढ़ाना, शैक्षिक समीक्षा। (स्कोपस–इंडेक्स्ड)।

स्टीवर्ट, ए., सभरवाल, एन.एस., यादव, आर. (2024): हरियाणा, भारत में उच्च शिक्षा तक निष्पक्ष पहुँच के लिए एक जनसंपर्क संस्कृति का निर्माण: नीति कार्यान्वयन में एक 'नीचे से ऊपर' योगदान। शिक्षा में नीति भविष्य, 22(6), पृष्ठ 1204–1218। (स्कोपस–इंडेक्स्ड)।

एन.वी. वर्गीज और निधि एस. सभरवाल (2024): उच्च शिक्षा में महिलाएँ: एक अवलोकन। एन.वी. वर्गीज और निधि एस. सभरवाल (सं.), भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट (आईएचईआर) 2022: उच्च शिक्षा में महिलाएं। रूटलेज। 2024.पृष्ठ 1–19. (स्कोपस–इंडेक्स्ड)

हेंडरसन, ई.एफ., सभरवाल, एन.एस., थॉमस, ए. (2024): लैंगिक समानता से लैंगिक संक्षेत्र तक: हरियाणा, भारत में उच्च शिक्षा तक पहुँच की लैंगिक स्थितियों का पता लगाने के लिए नामांकन समानता से परे देखना। एन.वी. वर्गीज और निधि एस. सभरवाल (सं.), भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट (आईएचईआर) 2022: उच्च शिक्षा में महिलाएं। रूटलेज, पृष्ठ 100–118. (स्कोपस इंडेक्स्ड)

हेंडरसन, ई.एफ., मैरी, एस.ए., लिलो, डी., खुराना, आर., थॉमस, ए., और सभरवाल, एन.एस. (2024)। उच्च शिक्षा के लिए पहुंच: हरियाणा, भारत में उच्च शिक्षा तक पहुँच और विकल्प की लिंग आधारित प्रतीकात्मक सीमाएँ। लिंग और शिक्षा, 1–18। (स्कोपस इंडेक्स्ड)

सभरवाल, एन.एस. और रोड्रिग्स, ई. (प्रेस में)। ग्लोबल साउथ में उच्च शिक्षा तक पहुँच और सफलता में लिंग असमानताएँ। मैशा टी. विन्न और लॉरेंस टी. विन्न (संपादक) ब्लूम्सबरी इनसाइक्लोपीडिया ऑफ़ सोशल जस्टिस इन एजुकेशन।

अनुसंधान परियोजनाएं

अनुसंधान परियोजनाएं जारी

भारत में उच्च शिक्षा में कॉलेज की तैयारी और छात्रों की सफलता

भारत में उच्च शिक्षा तक पहुंच का विस्तारः संस्थागत दृष्टिकोण (यू.के. के वारविक विश्वविद्यालय और नीपा/सी. पी.आर.एच.ई. के बीच अंतर्राष्ट्रीय सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना)

भारत में चिकित्सा और जैव चिकित्सा विज्ञान के छात्रों के लिए व्यक्तिगत चिकित्सा पर एक वैकल्पिक मॉड्यूल का विकास। अल्स्टर विश्वविद्यालय के सहयोग से। ब्रिटिश काउंसिल द्वारा वित्तपोषित।

उच्च शिक्षा में समानता को बढ़ावा देने से संबंधित यूजीसी योजनाओं का मूल्यांकन जैसे आवासीय कोचिंग अकादमी योजना, उपचारात्मक कोचिंग, सेवाओं में प्रवेश, नेट/सेट के लिए कोचिंग।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 कार्यान्वयन पर नीपा अध्ययन

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

बारहवीं सीपीआरएचई/नीपा कार्यकारी समिति बैठक, 2025 का आयोजन।

17–18 सितंबर, 2024 को भारत में उच्च शिक्षा तक पहुंच को व्यापक बनाने पर वारविक विश्वविद्यालय और सीपीआरएचई/नीपा अनुसंधान परियोजना पर दूसरी शोध पद्धति कार्यशाला का आयोजनः संस्थागत दृष्टिकोण।

28 अगस्त 2024 को भारत में उच्च शिक्षा तक पहुंचः संस्थागत दृष्टिकोण को व्यापक बनाने पर वारविक विश्वविद्यालय और सीपीआरएचई/नीपा अनुसंधान परियोजना पर दूसरी अनुसंधान सलाहकार समूह की बैठक आयोजित की गई।

नीपा में एसएलडी पर एक दिवसीय व्यक्तिगत कार्यक्रम का समन्वय शीर्षक से प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन और समन्वय किया गया, जो 20 जनवरी 2025 को आयोजित किया गया।

21.11.2024, 29.11.2024 और 29.01.2025 को आयोजित उच्च शिक्षा संस्थानों में सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य, लचीलापन और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए क्षमता निर्माण पर शिक्षा मंत्रालय के ऑनलाइन सत्रों का समन्वय किया।

14–24 अक्टूबर 2024 तक नीपा में यूजीसी–एमएमटीटीसी के राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन और समन्वयक।

3–4 अक्टूबर, 2024 को छात्र विविधता के पहलुओं पर उत्तर–पूर्व क्षेत्रों में कॉलेज प्राचार्यों और शिक्षकों के संवेदीकरण पर नीपा के उत्तर–पूर्व क्षेत्र प्रशिक्षण कार्यशाला का समन्वयक।

8 मार्च, 2025 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम का समन्वयक।

24 फरवरी 2025 से 28 मार्च, 2025 तक निर्धारित नीपा एमएमटीटीसी एफआईपी का समन्वय किया।

25–26 नवंबर, 2024 को नीपा और ऑस्ट्रेलियाई अभिनव अनुसंधान विश्वविद्यालय नेटवर्क सहयोग कार्यशाला का समन्वय किया और ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग को एक रिपोर्ट तैयार कर प्रस्तुत की।

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में प्रस्तुत शोधपत्र/व्याख्यान

19 जून, 2024 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लिए ऑनलाइन यूजीसी–एमएमटीटीसी, नीपा में छात्र विविधता को समझना और उच्च शिक्षा में समावेश को बढ़ावा देना विषय पर अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम सत्र के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।

5 अगस्त और 7 अगस्त, 2024 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लिए छात्र विविधता को समझना और उच्च शिक्षा में समावेश को बढ़ावा देना विषय पर अभिमुखीकरण और संवेदीकरण कार्यक्रम सत्र के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित। यूजीसी–एमएमटीटीसी मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद।

29 सितंबर, 2024 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के छात्र विविधता और समावेशी शिक्षा पर अभिमुखीकरण और संवेदीकरण कार्यक्रम सत्र के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित। यूजीसी–एमएमटीटीसी, नीपा, ऑनलाइन।

7 और 14 अगस्त, 2024 को उच्च शिक्षा में पहुँच, समानता और समावेश पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम सत्र के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित। यूजीसी–एमएमटीटीसी, नीपा, ऑनलाइन।

24–26 सितंबर 2024 तक उच्च शिक्षा जनसंपर्क के लिए क्षमता की ओरः भारत में शैक्षिक असमानताओं से निपटने में संकाय सदस्यों की भूमिका की खोज पर प्रस्तुति। एचडीसीए सम्मेलन, कोलकाता।

11 अक्टूबर, 2024 को 21वीं सदी में उच्च शिक्षा की भूमिका पर एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रितः भारत में उच्च शिक्षा में छात्र विविधता और नागरिक शिक्षा। यूजीसी–एमएमटीटीसी, नीपा, ऑनलाइन।

26 जून से 28 जून तक हरियाणा, भारत में उच्च शिक्षा के चयन में लिंग आधारित स्थानिक मानदंडों को चुनौती देने के शीर्षक से एक आलेख प्रस्तुत किया। डीएसए 2024: ध्रुवीकरण की दुनिया में सामाजिक न्याय और विकास, लंदन के एसओएएस विश्वविद्यालय, लंदन, यू.के. में।

25–26 सितंबर, 2024 को प्रथम एनसीईआर लिंग सम्मेलन में आमंत्रित किया गया। नई दिल्ली।

4 और 14 नवंबर, 2024 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम सत्र के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया और उच्च शिक्षा में छात्र विविधता और समावेशन पर इसका दृष्टिकोण। यूजीसी–एमएमटीटीसी मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद।

21 अक्टूबर, 2024 को उच्च शिक्षा और प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन) के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित। यूजीसी–एमएमटीटीसी, नीपा, ऑनलाइन।

14 अक्टूबर, 2024 को छात्र विविधता और समावेश पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन) के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। यूजीसी–एमएमटीटीसी, नीपा, ऑनलाइन।

30 जनवरी, 2025 को एनसीईआर में महिला आर्थिक सशक्तिकरण पर शोध को नीति में अनुवाद करनाः प्रगति और संभावनाएँ में पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया।

पुरस्कार और उपलब्धियां

उच्च शिक्षा अनुसंधान के क्षेत्र में योगदान के लिए सोसायटी फॉर रिसर्च इनटू हायर एजुकेशन (एसआरएचई) से अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किया।

वारविक विश्वविद्यालय, यू.के. के अंतर्राष्ट्रीय विकास के लिए वारविक अंतःविषय अनुसंधान केंद्र (डब्ल्यूआईसीआईडी) के सलाहकार बोर्ड में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया

शिक्षा अध्ययन के अंतर्गत वारविक विश्वविद्यालय ("विश्वविद्यालय") के मानद सह प्रोफेसर बनने के लिए आमंत्रित किया गया।

प्रशिक्षण सामग्री एवं पाठ्यक्रम विकसित/प्रवर्तित

उच्च शिक्षा में छात्र विविधता पर 7 मॉड्यूल विकसित, प्रकाशित और क्रियान्वित किए गए। मॉड्यूल के विषय निम्नलिखित हैं:

मॉड्यूल 1: उच्च शिक्षा में छात्र विविधता और सामाजिक समावेशनः अवधारणाएँ और दृष्टिकोण

मॉड्यूल 2: उच्च शिक्षा में छात्र विविधता का वर्गीकरण

मॉड्यूल 3: परिसरों में शैक्षणिक एकीकरण प्राप्त करने के दृष्टिकोण

मॉड्यूल 4: उच्च शिक्षा में भेदभाव के रूप

मॉड्यूल 5: उच्च शिक्षा परिसर में सामाजिक समावेशन

मॉड्यूल 6: छात्र विविधता के प्रबंधन के लिए संस्थागत तंत्र

मॉड्यूल 7: उच्च शिक्षा में छात्र विविधता और नागरिक शिक्षा

शिक्षण कार्य/निगरानी/मूल्यांकन

पीएच.डी. कक्षाएं लेनाः

- सीसी3 शैक्षिक नीति
- सीसी8 शैक्षणिक लेखन, अनुसंधान नैतिकता और प्रकाशन

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर (एमएईडी) में निम्नलिखित कक्षाएं लेनाः

- एस3सीसी507: शिक्षा में नीति विश्लेषण और योजना
- एस3ईसी526: लिंग और शिक्षा
- एस2ईसी524: शिक्षा में समानता और समावेश (नेतृत्व करना)
- एस2सीसी505: शिक्षा और विकास की गतिशीलता
- एस4सीसी512: तुलनात्मक और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा और शिक्षा का वित्तपोषण, 2023 में आयोजित ऑनलाइन एम.फिल पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा के लिए आलेख मूल्यांकित पेपर।

2024 में नीपा–एम.फिल/पीएच.डी. कार्यक्रम में प्रवेश के लिए ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा में निरीक्षण।

नीपा के शैक्षिक योजना और प्रशासन (जेपा) के जर्नल के लिए कई लेखों की समीक्षा की।

नीपा के पीएच.डी. और शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर (एमएईडी) कार्यक्रम प्रवेश समिति के सदस्य के रूप में कार्य करना।

आवेदनों की जाँच समिति, लिखित परीक्षाओं के मूल्यांकन समिति के सदस्य के रूप में कार्य करना, तथा नीपा में शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर (एमएईडी) और पीएच.डी. कार्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षाओं में निरीक्षक के रूप में कार्य करना।

वर्ष 2024–25 में विविध सैद्धांतिक अवधारणाओं पर चर्चा करने के लिए नीपा विद्वानों के साथ अध्ययन मंडलियों का आयोजन किया।

नीपा के बाह्य प्रतिष्ठित निकायों की डॉक्टरेट पर्यवेक्षण और संपादकीय सदस्यता

जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी में उच्च शिक्षा में समानता और समावेश के क्षेत्र में अपनी शोध पूरा करने वाले दो पीएच.डी. छात्रों के सह–पर्यवेक्षक।

सलाहकार बोर्ड के सदस्य, वारविक विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के अंतर्राष्ट्रीय विकास के लिए वारविक अंतःविषय अनुसंधान केंद्र (डब्ल्यूआईसीआईडी) के सलाहकार बोर्ड के सदस्य।

भारत के अर्थशास्त्र समाज पर पुनर्विचार (आरईआईएन) के परामर्शदाता के रूप में कार्य करना।

जर्नल ऑफ फ्रंटियर्स इन एजुकेशन के उच्च शिक्षा पर समीक्षा संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में सेवारत।

रूटलेज द्वारा प्रकाशित जर्नल, जेंडर एंड एजुकेशन के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में कार्यरत

सार्वजनिक निकायों को शैक्षणिक और तकनीकी सहायताः

एन.वी. वर्गीज, अंजना मंगलागिरी और ए. मैथ्यू द्वारा लिखित पुस्तक "शिक्षा में गुणवत्ता और समावेशनः सतत चुनौतियाँ" की समीक्षा। (अक्टूबर 2024 में जेपा को प्रस्तुत)

भारत के उच्च शिक्षा संस्थानों में पंच प्राण को बढ़ावा देने पर नीपा समिति के सदस्य के रूप में, मैंने शिक्षा मंत्रालय को प्रस्तुत "भारत के उच्च शिक्षा संस्थानों में पंच प्राण को बढ़ावा देने" पर दस्तावेज़ की तैयारी में योगदान दिया।

नीपा – संस्थागत विकास योजना के लिए एसडब्ल्यूओसी विश्लेषण पर दस्तावेज़ में योगदान दिया।

नीपा – संस्थागत विकास योजना के लिए अनुसंधान सक्षमकर्ताओं पर दस्तावेज़ में योगदान दिया।

नीपा – संस्थागत विकास योजना के लिए भौतिक सक्षमकर्ताओं पर दस्तावेज़ तैयार किया।

नीपा – संस्थागत विकास योजना के लिए सहयोग और नेटवर्किंग सक्षमकर्ताओं पर दस्तावेज़ तैयार किया।

नीपा – संस्थागत विकास योजना के लिए मानव संसाधन प्रबंधन पर दस्तावेज़ में योगदान दिया।

गरिमा मलिक

प्रकाशन

प्रकाशित पुस्तकें/अध्याय

"भारत में उच्च शिक्षा में शासन और स्वायत्तताः चुनौतियाँ और अवसर" (अप्रैल 2025 में प्रकाशित) स्प्रिंगर नेचर। (एन.वी. वर्गीज के साथ संपादित)

"भारत में विश्वविद्यालय शासन और प्रबंधनः केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों का एक अध्ययन" "भारत में उच्च शिक्षा में शासन और स्वायत्तताः चुनौतियाँ और अवसर" में अध्याय 8 (अप्रैल 2025 में प्रकाशित) स्प्रिंगर नेचर। (एन. वी. वर्गीज के साथ संपादित)

"भारत में उच्च शिक्षा में शासन और स्वायत्तताः चुनौतियाँ और अवसर" में अध्याय 1 (अप्रैल 2025 में प्रकाशित) स्प्रिंगर नेचर। (एन.वी. वर्गीज के साथ संपादित)

शोध पत्र/लेख प्रकाशित

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

अंतर्राष्ट्रीय

25–26 नवंबर, 2024 को नीपा और ऑस्ट्रेलियाई अभिनव अनुसंधान विश्वविद्यालय नेटवर्क सहयोग कार्यशाला का समन्वय किया और ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग को एक रिपोर्ट प्रस्तुत की।

राष्ट्रीय

5 दिसंबर, 2024 को सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय में "उच्च शिक्षा में शासन और नेतृत्व" विषय पर यूजीसी–एचआरडीसी संकाय प्रेरण कार्यक्रम में व्याख्यान दिया।

15 नवंबर, 2024 को मालवीय मिशन (एमएमटीटीपी) राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और आईयूसीएए (खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी के लिए अंतर–विश्वविद्यालय केंद्र), पुणे के लिए "शैक्षणिक नेतृत्व, शासन और प्रबंधन" पर व्याख्यान दिया।

प्रशिक्षण सामग्री एवं पाठ्यक्रम विकसित/प्रवर्तित

1–10 अप्रैल, 30 सितंबर–10 अक्टूबर, 16–26 दिसंबर, 2024 को नीपा में यूजीसी–एमएमटीटीसी कार्यशालाओं का समन्वय किया।

सीपीआरएचई/नीपा में 5 अगस्त–3 सितंबर, 2024 तक ऑनलाइन संकाय प्रेरण कार्यक्रम (एफआईपी) के समन्वयक।

शिक्षण

कार्यक्रम के सेमेस्टर 1 और 3 में क्रमशः शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर (एमएईडी) में शिक्षा में विकास और शासन तथा प्रबंधन के सिद्धांतों पर कोर पाठ्यक्रम पढ़ाया गया।

कार्यक्रम के सेमेस्टर 1 और 3 में शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर (एमएईडी) में मानव विकास (मानव विकास के आर्थिक परिप्रेक्ष्य) और शिक्षा और रोजगार पर वैकल्पिक पाठ्यक्रम पढ़ाया गया।

पीएच.डी. में मात्रात्मक अनुसंधान विधियों का शिक्षण और शिक्षा का वित्तपोषण सेमेस्टर 2 में कार्यक्रम।

सेमेस्टर 4 में शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर में शिक्षा के वित्तपोषण का शिक्षण कोर पाठ्यक्रम और वैकल्पिक पाठ्यक्रम उन्नत सांख्यिकीय तकनीक। सेमेस्टर 2 में कोर पाठ्यक्रम शिक्षा और विकास की गतिशीलता और सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान की नींव पढ़ाना।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

जनवरी–मार्च, 2025 में शिक्षा मंत्रालय के लिए "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन का उच्च शिक्षा पर प्रभाव" विषय पर अध्ययन के शोध दल के सदस्य। राज्यों में लागू किए जाने वाले अध्ययन के लिए उपकरण और साधन तैयार किए।

25–26 नवंबर, 2024 को नीपा और ऑस्ट्रेलियाई अभिनव अनुसंधान विश्वविद्यालय नेटवर्क सहयोग कार्यशाला का समन्वय किया और ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग को रिपोर्ट तैयार कर प्रस्तुत की।

जनवरी 2025 में शिक्षा मंत्रालय को प्रस्तुत एक अध्ययन "केंद्रीय विश्वविद्यालयों में जीवन की सुगमता" पर अवधारणा पत्र।

अप्रैल 2024 में यूजीसी को प्रस्तुत "एकल बालिका फेलोशिप योजनाओं" पर यूजीसी मूल्यांकन योजना रिपोर्ट।

यूजीसी–एमएमटीटीसी, शिलांग, एनईएचयू में कॉलेज प्राचार्यों के लिए "उच्च शिक्षा में शासन और प्रबंधनः उत्तर पूर्व क्षेत्र के परिप्रेक्ष्य" परामर्श कार्यशाला का समन्वय किया। 26–27 मार्च, 2024।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

लेख समीक्षा

जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (जेपा), नीपा के लिए समीक्षित लेख।

पुस्तक समीक्षा

अंजना मंगलगिरी द्वारा संपादित "ड्राइविंग द चेंजः टुवड्र्स द सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल ऑफ एजुकेशन" नामक पुस्तक की समीक्षा (दिसंबर 2024 में जेपा को प्रस्तुत)।

प्रोफेसर तिलक द्वारा जेपा जर्नल के लिए "इकानामिक्स ऑफ इंजीनियरिंग एजुकेशन इन इंडियाः ग्रोईंग चैलेन्जेस ऑफ एक्सपेंशन, एक्सिलेन्स एंड इक्विटी" की पुस्तक समीक्षा। (प्रकाशित) जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन वर्ष XXXVIII, अंक 2, अप्रैल 2024, पृष्ठ 183–185।

नीपा और नीपा से बाह्य के प्रतिष्ठित निकायों की सदस्यता

सदस्य, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर

सदस्य, भारतीय पर्यावास केंद्र

सदस्य, इंटरनेशनल सेंटर–गोवा

नीलांजना मोइत्रा

प्रकाशन

पुस्तकें

मिश्र, पी.के.; और मोइत्रा, एन. (संपादक) वैश्विक संदर्भ में भारत की उच्च शिक्षाः अंतर्राष्ट्रीयकरण के लिए अभिनव दृष्टिकोण। स्प्रिंगर। (आगामी)

शोध लेख

मोइत्रा, एन. (2024). भागीदारी, अभिकथन और आकांक्षा–उच्च शिक्षा में स्वदेशी शिक्षक एजेंसी, उच्च शिक्षा में शिक्षण, टायलर और फ्रांसिस डीओआईः10.1080/13562517.2024.2359712.

मोइत्रा, एन. (2024). आदिवासी एजेंसी के नजरिए से झारखंड में उच्च शिक्षा और आजीविका की स्थिति की यथार्थवादी समीक्षा, जर्नल ऑफ आदिवासी इंडिजीनियस स्टडीज़ (जेएआईएस), 16 (01), 67–85 डीओआईः http://joais.in/Journal/6.%20Nilanjana%20Moitra,67-85_Nov-2024.pdf.

अनुसंधान परियोजनाएं

ब्रिटिश काउंसिल गोइंग ग्लोबल पार्टनरशिप इंडस्ट्री–एकेडमिया कोलैबोरेटिव ग्रांट 2024–25 के सदस्य, जिसका शीर्षक है "भारत में चिकित्सा और जैव चिकित्सा विज्ञान के छात्रों के लिए व्यक्तिगत चिकित्सा पर एक वैकल्पिक मॉड्यूल का विकास।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन की स्थिति और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभाव पर शोध समिति के सदस्य, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार।

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

25–26 नवंबर 2024 को नीपा, नई दिल्ली में राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) और इनोवेटिव रिसर्च यूनिवर्सिटीज (आईआरयू) तथा ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित नीपा और ऑस्ट्रेलियाई इनोवेटिव रिसर्च यूनिवर्सिटीज नेटवर्क सहयोग कार्यशाला के लिए कार्यक्रम समन्वयक।

16–17 दिसंबर 2024 को नई दिल्ली में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के युग में आईकेएस और सामुदायिक सहभागिता को जोड़ना – संभावनाएं, चुनौतियां और मार्ग' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए कार्यक्रम समन्वयक।

22–31 जुलाई तक एमएमटीटीसी राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन), नीपा, नई दिल्ली।

2 अगस्त, 2024 को बहुविषयक उच्च शिक्षा पर भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट 2025– पहली सहकर्मी समीक्षा बैठक (ऑनलाइन)।

17–18 सितंबर 2024 तक शोध परियोजना 'भारत में उच्च शिक्षा तक पहुँच को व्यापक बनाना' की दूसरी शोध पद्धति कार्यशाला, नीपा।

6–10 मई, 2024 तक नीपा, नई दिल्ली में ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में जनरेटिव एआई, इंटरेक्टिव ई–कंटेंट और उन्नत प्रौद्योगिकियों पर व्यावसायिक विकास कार्यक्रम (ऑनलाइन)।

30 अप्रैल, 2024 को आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी–नीपा) द्वारा पॉश अधिनियम, 2013 पर जागरूकता सत्र आयोजित।

29 जुलाई, 2024 को शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अखिल भारतीय शिक्षा समागम में भाग लिया और सत्रः 1– शिक्षा पाठ्यक्रम में स्थिरता का महत्व, नौकरी की संभावनाएं, उद्योग–अकादमिक सहयोग के लिए प्रतिवेदक।

प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

1–10 जनवरी 2025 तक एमएमटीटीसी राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (ऑनलाइन) के लिए कार्यक्रम समन्वयक, नीपा, नई दिल्ली।

6–7 मार्च, 2025 को उच्च शिक्षा के संस्थागत प्रशासन और उच्च शिक्षा स्नातकों की रोजगारपरकता पर परामर्श कार्यशालाः पूर्वोत्तर क्षेत्र से परिप्रेक्ष्य, एनईएचयू, शिलांग के सहयोग से।

6 अगस्त 2024 को उद्योग विशेषज्ञ अभिषेक गुप्ता द्वारा उद्योग–अकादमिक संबंध पर 2023–25 की शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर कक्षा के साथ संवादात्मक सत्र ।

24 फरवरी से 29 मार्च, 2025 तक मिश्रित मोड में एमएमटीटीसी संकाय प्रेरण कार्यक्रम के लिए कार्यक्रम समन्वयक, नीपा, नई दिल्ली।

नीपा के प्रतिष्ठित निकायों की सदस्यता

सदस्य, नेटवर्किंग और सहयोग सक्षमकर्ताओं के लिए संस्थागत विकास योजना समिति, नीपा, नई दिल्ली।

सदस्य, शैक्षणिक सक्षमकर्ताओं के लिए संस्थागत विकास योजना समिति, नीपा, नई दिल्ली।

सदस्य, आईक्यूएसी, नीपा के लिए व्यावसायिक और कौशल विकास समिति।

शोध पत्र श्रृंखला 19 के सह–संपादक– भारत में उच्च शिक्षा में कॉलेज की तैयारी और छात्र की सफलताः एक समावेशी एजेंडा, सीपीआरएचई/नीपा।

शोध पत्र श्रृंखला 20 के सह–संपादक– भारत में उच्च शिक्षा जनसंपर्क में उच्च शिक्षा संस्थानों और संकाय सदस्यों की भूमिका, सीपीआरएचई/नीपा।

शोध पत्र श्रृंखला 21 के सह–संपादक– दक्षिण एशिया में उच्च शिक्षा में समानता की नीतियाँ, भारत पर विशेष जोर देते हुए, सीपीआरएचई/नीपा।

सदस्य मंच प्रबंधन समिति– नीपा का 18वाँ स्थापना दिवस, 12 अगस्त, 2024 को भारतीय पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

सदस्य, मंच प्रबंधन समिति – 11 नवंबर, 2024 को भारतीय पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली में 15वें मौलाना आज़ाद समृति व्याख्यान के रूप में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस समारोह का आयोजन।

नीपा के बाह्य प्रतिष्ठित निकायों की सदस्यता

शिक्षण और पर्यवेक्षण

भारत उच्च शिक्षा अनुसंधान नेटवर्क (आईएचईआरएन)

ब्रिटिश काउंसिल गोइंग ग्लोबल पार्टनरशिप इंडस्ट्री एकेडेमिया कोलैबोरेटिव ग्रांट 2024–25 में सदस्य, जिसका शीर्षक है "भारत में चिकित्सा और जैव चिकित्सा विज्ञान के छात्रों के लिए व्यक्तिगत चिकित्सा पर एक वैकल्पिक मॉड्यूल का विकास"।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन की स्थिति और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभाव पर अनुसंधान समिति के सदस्य, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार।

शिक्षण कार्य/निगरानी/मूल्यांकन

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर बैच 2023–25 को पाठ्यक्रम पढ़ाएः शिक्षा और रोजगार; शोध पद्धतियाँ

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर बैच 2024–26 को पाठ्यक्रम पढ़ाएः मानव विकास; विकास के सिद्धांत; शैक्षिक विकास और प्रश्नपत्रों का मसौदा तैयार किया

पीएच.डी. प्रवेश परीक्षाओं (आमने–सामने) और शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षाओं (ऑनलाइन) का पर्यवेक्षण।

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर की सेमेस्टर परीक्षाओं का पर्यवेक्षण

प्रियंका यादव

प्रकाशन

पुस्तकें

सभरवाल एन.एस., मिश्र पी.के. और यादव, पी. (संपादक) (जारी है): उच्च शिक्षा में विविधता और समावेश पर परिप्रेक्ष्यः एक वैश्विक चित्रयवनिका (पुस्तक का प्रस्ताव स्प्रिंगर को प्रस्तुत किया गया है और पांडुलिपि तैयारी के अधीन है)।

पुस्तक में अध्याय

यादव पी. (जारी)। गुणवत्ता में सुधार के लिए उच्च शिक्षा में विविधता और समावेशिता की धारणा को समझनाः भारत में विशेष जरूरतों वाले छात्रों के लिए संस्थागत नीतियों का एक अध्ययन" सभरवाल एन.एस., मिश्र पी.के. और यादव, पी. (संपादक): उच्च शिक्षा में विविधता और समावेशिता पर परिप्रेक्ष्यः एक वैश्विक चित्रयवनिका (स्प्रिंगर को प्रस्तुत पुस्तक प्रस्ताव और पांडुलिपि तैयारी के अधीन है)।

जर्नल लेख

यादव, प्रियंका (2024)। उच्च शिक्षा में चैटजीपीटी और सामाजिक विज्ञान अनुसंधान। इंडियन जर्नल ऑफ एजुकेशनल टेक्नोलॉजी। खंड 6, अंक 2।

यादव, प्रियंका (2024)। राजनीतिक इच्छाशक्तिः भारत में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल की चिंताओं पर व्यापक प्रतिक्रिया। जर्नल ऑफ द ओरिएंटल इंस्टीट्यूट। खंड 73. अंक 3।

कार्यशाला

06–10 मई, 2024 को राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली द्वारा आयोजित "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और शिक्षा 4.0 पर व्यावसायिक विकास कार्यक्रम, ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में जनरेटिव एआई, इंटरैक्टिव ई–सामग्री और उन्नत प्रौद्योगिकियों का एकीकरण–ऑनलाइन मोड के माध्यम से" में भाग लिया और उसे पूरा किया।

3–12 जून 2024 तक नीपा में निर्धारित यूजीसी–एमएमटीटीसी राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम में भाग लिया और उसे पूरा किया।

शैक्षणिक योगदान

जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के राजनीतिक अध्ययन केंद्र से राजनीति विज्ञान में पीएच.डी. पूरी की

शिक्षण

शिक्षा में वित्त पोषण पर शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर चौथा सेमेस्टर पाठ्यक्रम पढ़ाया

शिक्षा में वित्त पोषण पर पीएच.डी. कार्यक्रम पढ़ाया

प्रशिक्षण सामग्री एवं पाठ्यक्रम विकसित/प्रवर्तित

24 फरवरी 2025 से 6 मार्च 2025 तक समन्वयक यूजीसी–एमएमटीटीसी राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम, नीपा।

24 फरवरी–29 मार्च, 2025 को सीपीआरएचई/नीपा में निर्धारित यूजीसी–एमएमटीटीसी संकाय प्रेरण कार्यक्रम (एफआईपी) मिश्रित मोड के समन्वयक।

नीपा के बाह्य प्रतिष्ठित निकायों की सदस्यता

फाउंडेशन फॉर क्रिएटिव सोशल रिसर्च के मुख्य सदस्य

भारतीय राजनीति विज्ञान संघ, मेरठ के सदस्य

दक्षिण एशियाई प्रकृति एवं जलवायु न्याय संघ (एसएएएनजे समूह) के सदस्य।

शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

नीपा में आयोजित पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा का निरीक्षण किया।

नीपा द्वारा आयोजित एम.ए. प्रवेश परीक्षा का निरीक्षण किया।

योगेश पहाड़िया

प्रकाशन

प्रकाशित पुस्तकें/अध्याय

रूटलेज द्वारा प्रकाशित होने वाली बहुविषयक उच्च शिक्षा पर भारतीय उच्च शिक्षा रिपोर्ट (आईएचईआर) 2025 के सह–संपादक और योगदानकर्ता।

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

06–10 मई, 2024 को राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली द्वारा आयोजित "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और शिक्षा 4.0 जनरेटिव एआई, इंटरएक्टिव ई–कंटेंट और ऑनलाइन मोड के माध्यम से ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में उन्नत प्रौद्योगिकियों के एकीकरण पर व्यावसायिक विकास कार्यक्रम" में भाग लिया और उसे पूरा किया।

01–10 जनवरी, 2024 को नीपा में आयोजित यूजीसी–एमएमटीटीसी राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम में भाग लिया और उसे पूरा किया (ऑनलाइन)।

2 अगस्त 2024 को आयोजित आईएचईआर 2025 के लिए प्रथम सहकर्मी समीक्षा लेखक बैठक के समन्वयक।

14 फरवरी, 2025 को समन्वयक आईएचईआर 2025 के लिए द्वितीय सहकर्मी समीक्षा लेखकों की बैठक।

प्रशिक्षण सामग्री एवं पाठ्यक्रम विकसित/प्रवर्तित

12–21 नवंबर, 2024 (ऑनलाइन) नीपा में समन्वित यूजीसी–एमएमटीटीसी राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम।

5 अगस्त से 3 सितंबर, 2024 तक सीपीआरएचई/नीपा में ऑनलाइन यूजीसी–एमएमटीटीसी संकाय प्रेरण कार्यक्रम (एफआईपी) के समन्वयक।

24 फरवरी से 29 मार्च, 2025 तक सीपीआरएचई/नीपा में यूजीसी–एमएमटीटीसी संकाय प्रेरण कार्यक्रम (एफआईपी) मिश्रित मोड के समन्वयक।

19–20 दिसंबर, 2024 तक शैक्षिक वित्त विभाग, नीपा, नई दिल्ली द्वारा त्रिपुरा विश्वविद्यालय में आयोजित "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: वित्तीय निहितार्थ और उच्च शिक्षा

संस्थानों द्वारा संसाधन जुटाना" पर एनईआर कार्यशाला के लिए समन्वयक।

19–20 दिसंबर, 2024 तक शैक्षिक वित्त विभाग, नीपा, नई दिल्ली द्वारा त्रिपुरा विश्वविद्यालय में आयोजित "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: वित्तीय निहितार्थ और उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा संसाधन जुटाना" पर एनईआर कार्यशाला के लिए संसाधन व्यक्ति।

शिक्षण

सेमेस्टर 1 में शिक्षा और विकास के स्नातकोत्तर (एमएईडी) में शिक्षा में विकास के सिद्धांत और विकास के परिप्रेक्ष्य पर कोर पाठ्यक्रम पढ़ाया।

सेमेस्टर 1 में शिक्षा और विकास के स्नातकोत्तर (एमएईडी) में वैकल्पिक विकास प्रतिमान पर वैकल्पिक पाठ्यक्रम पढ़ाया।

सेमेस्टर 4 में शिक्षा और विकास के स्नातकोत्तर में कोर पाठ्यक्रम तुलनात्मक और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा तथा शिक्षा का वित्तपोषण पढ़ाना।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

सीपीआरएचई वार्षिक रिपोर्ट 2023–2024 तैयार की

पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा के लिए निरीक्षक

शिक्षा और विकास के स्नातकोत्तर (एमएईडी) प्रवेश परीक्षा के लिए निरीक्षक

परियोजना सलाहकार (अकादमिक) प्रवेश परीक्षा के लिए निरीक्षक

नीपा और नीपा से बाह्य के प्रतिष्ठित निकायों की सदस्यता

सदस्य, मानसिक स्वास्थ्य समिति, नीपा

सदस्य, शिक्षा और विकास के स्नातकोत्तर (एमएईडी) प्रवेश समिति, नीपा

सदस्य, विचलन और सामाजिक नियंत्रण के अध्ययन के लिए यूरोपीय समूह

सदस्य (पुस्तकालय), एनएमएमएल, नई दिल्ली

सदस्य, आईएचईआरएन (भारतीय उच्च शिक्षा अनुसंधान नेटवर्क)

बोस्की सिंह

प्रकाशन

पुस्तक अध्याय

बहुविषयक उच्च शिक्षा पर भारतीय उच्च शिक्षा रिपोर्ट (आईएचईआर) 2025 के लिए योगदानकर्ता।

उच्च शिक्षा में उत्पादन कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर एक पुस्तक में "उच्च शिक्षा में एआई के लिए चुनौती और भविष्य की दिशाएं: वैश्विक परिप्रेक्ष्य" शीर्षक से एक पुस्तक अध्याय प्रकाशित किया गया: शैक्षिक नेतृत्वकर्ताओं के लिए एक पुस्तिका, एएसईएम लाइफलॉन्ग लर्निंग, आयरलैंड।

पुस्तक

16–17 दिसंबर, 2024 को पुस्तक के सह–संपादक और योगदानकर्ता (चालू परियोजना) जो "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 युग में स्वदेशी ज्ञान प्रणाली और सामुदायिक जुड़ाव: संभावनाएं, चुनौतियां और रास्ते" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत पत्रों के संकलन पर प्रकाशित होगी।

शोध अध्ययन: पूर्ण हो चुकी और चल रही शोध परियोजना

"भारतीय उच्च शिक्षा में शिक्षण और अधिगम के साथ डिजिटल प्रौद्योगिकी को एकीकृत करना" पर शोध परियोजना के लिए कोड पुस्तकें, कोड शीट और जीएएनटीटी चार्ट तैयार करने में सहायता।

वर्ष 2024–25 में आयोजित सेमिनार/नीति संवाद

16–17 दिसंबर, 2024 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 युग में स्वदेशी ज्ञान प्रणाली और सामुदायिक सहभागिता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के समन्वयक: संभावनाएं, चुनौतियां और मार्ग।

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

अप्रैल 2024 में महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा द्वारा आयोजित एमएमटीटीपी राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम में भाग लिया और उसे पूरा किया।

6–10 मई, 2024 को राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली द्वारा आयोजित "राष्ट्रीय शिक्षा

नीति 2020 और शिक्षा 4.0 ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में जनरेटिव एआई, इंटरएक्टिव ई–सामग्री और उन्नत प्रौद्योगिकियों के एकीकरण पर व्यावसायिक विकास कार्यक्रम" में भाग लिया और उसे पूरा किया।

25–26 नवंबर, 2024 को नीपा और ऑस्ट्रेलियाई अभिनव अनुसंधान विश्वविद्यालय नेटवर्क सहयोग कार्यशाला में भाग लिया।

प्रशिक्षण सामग्री एवं पाठ्यक्रम विकसित/प्रवर्तित

3–4 अक्टूबर, 2024 को एमएमटीटीसी सेंटर गुवाहाटी विश्वविद्यालय में उत्तर पूर्व क्षेत्र कार्यक्रम के तहत "उच्च शिक्षा में छात्र विविधता और समावेश" पर कॉलेज के प्राचार्यों और शिक्षकों के लिए दो दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम सह कार्यशाला के समन्वयक, उच्च शिक्षा में नीति अनुसंधान केंद्र (सीपीआरएचई), यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली और गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।

18 से 22 नवंबर 2024 तक आईक्यूएसी, सेंट एडमंड कॉलेज (नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी) द्वारा आईक्यूएसी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मेघालय (यूएसटीएम) के सहयोग से आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम के एक सत्र के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।

20–29 जनवरी, 2025 (ऑनलाइन) से यूजीसी–एमएमटीटीसी–नीपा राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदनशीलता कार्यक्रम के लिए समन्वयक और संसाधन व्यक्ति।

24 फरवरी से 29 मार्च, 2025 तक सीपीआरएचई/नीपा में यूजीसी–एमएमटीटीसी संकाय प्रेरण कार्यक्रम (एफआईपी) मिश्रित मोड के समन्वयक।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

"भारत के उच्च शिक्षा संस्थानों में पंच प्राण को बढ़ावा देना" विषय पर दस्तावेज़ तैयार करने में योगदान दिया

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

नीपा – संस्थागत विकास योजना के लिए शैक्षणिक सक्षमताओं पर दस्तावेज़ तैयार किया।

नीपा – संस्थागत विकास योजना के लिए वित्तीय सक्षमताओं पर दस्तावेज़ तैयार किया।

प्रो. संतोष पंडा (राष्ट्रीय अध्येता), कुलसचिव और वित्त अधिकारी के मार्गदर्शन में विभाग सलाहकार समिति के लिए मसौदा तैयार किया।

नीपा के बाह्य/नीपा के प्रतिष्ठित निकायों की सदस्यता

अध्यापक शिक्षा परिषद [सीटीई गुजरात अध्याय] के सदस्य।

शिक्षण और पर्यवेक्षण

शिक्षण

सेमेस्टर 1 में शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर (एमएईडी) कार्यक्रम में शिक्षा में विकास के सिद्धांत और विकास के परिप्रेक्ष्य पर कोर पाठ्यक्रम पढ़ाया गया।

सेमेस्टर–III के छात्रों को शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर (एमएईडी) कार्यक्रम में शिक्षा एवं रोजगार पर वैकल्पिक पाठ्यक्रम पढ़ाया गया।

सेमेस्टर–IV के छात्रों को शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर (एमएईडी) कार्यक्रम में शिक्षा के वित्तपोषण के मुख्य पाठ्यक्रम को पढ़ाना।

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर (एमएईडी) कार्यक्रम में सेमेस्टर–IV के छात्रों को शिक्षा में सुधार पर वैकल्पिक पाठ्यक्रम पढ़ाना।

निरीक्षण

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर (एमएईडी) सेमेस्टर I और सेमेस्टर III परीक्षा के लिए निरीक्षक।

शिक्षा और विकास में स्नातकोत्तर (एमएईडी) कार्यक्रम 2024–25 में प्रवेश के लिए दस्तावेजों/प्रशंसापत्रों के सत्यापन के लिए समिति सदस्य।

पीएच.डी. कार्यक्रम 2024–25 में प्रवेश के लिए दस्तावेजों/प्रशंसापत्रों के सत्यापन के लिए समिति सदस्य।

अक्टूबर 2024 में परियोजना सलाहकार के पद के लिए आयोजित परीक्षा के लिए निरीक्षण कार्य।

अन्तरराष्ट्रीय सहयोग एकक (यूआईसी)

अनुसंधान

भारत में उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरणः मुद्दे, चुनौतियां और मार्ग (प्रो. कुमार सुरेश और यूआईसी, नीपा का दल)। यह रिपोर्ट भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अनुरोध पर तैयार की गई थी। अध्ययन पूरा हो गया और अध्ययन के निष्कर्ष सितंबर 2025 में मंत्रालय में समीक्षा बैठक में प्रस्तुत किए गए।

यूआईसी की दल ने "ऋण गतिशीलता, समतुल्यता और पारस्परिक मान्यता के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रथाओं" पर एक प्रारंभिक मसौदा तैयार किया। रिपोर्ट में निम्नलिखित देश शामिल थेः अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, चीन और जापान। इसमें भारत में प्रचलित प्रथाओं की जानकारी भी शामिल थी। प्रारंभिक रिपोर्ट का मसौदा संयुक्त सचिव (आईसीसी), उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के साथ सितंबर 2024 में साझा किया गया था।

कार्यशालाएं/ परामर्श बैठक/ अभिमुखीकरण–संवेदीकरण कार्यक्रम

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के चार वर्षः संस्थागत स्तर पर अंतर्राष्ट्रीयकरण की दिशा में पहल विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला 24–26 जुलाई 2024 तक नीपा में आयोजित की गई।

कार्यशाला में प्रतिष्ठित संस्थानों, राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों, केन्द्रीय विश्वविद्यालयों, राज्य विश्वविद्यालयों, मानित विश्वविद्यालयों तथा निजी विश्वविद्यालयों सहित विभिन्न उच्च शिक्षा संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों में भारत के विभिन्न उच्च शिक्षा संस्थानों के अंतर्राष्ट्रीयकरण कार्यक्रमों के निदेशक/ संकायाध्यक्षों/ प्रमुखों/ समन्वयकों सहित 121 प्रतिनिधि शामिल थे। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण के विभिन्न पहलुओं पर विचार–मंथन सत्र शामिल थे। उच्च शिक्षा संस्थानों के प्रतिनिधियों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण पर संस्थागत अनुभव और परिप्रेक्ष्य भी साझा किए। सुश्री नीता प्रसाद, संयुक्त सचिव आईसीसी), शिक्षा मंत्रालय और प्रोफेसर शशिकला वंजारी, कुलपति, नीपा ने अपने दृष्टिकोण साझा किए और प्रतिभागियों के साथ बातचीत की।

10 सितंबर 2024 को प्रातः 11:30 बजे से अपराह्न 3:40 बजे तक हयात रीजेंसी, नई दिल्ली में छात्र गतिशीलता पर एक कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला का उद्देश्य भारत–यूरोपीय संघ गलियारे (अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों प्रकार की गतिशीलता) में छात्र गतिशीलता को सुविधाजनक बनाने के लिए समाधान ढूंढना था। कार्यशाला में विदेश मंत्रालय, कौशल विकास मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय, भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू), भारतीय/यूरोपीय संघ के विदेश अध्ययन कार्यक्रम (जैसे डीएएडी, एनयूएफएफआईसी, आईएफआई/कैंपस फ्रांस, यूनी–इटली), यूरोपीय संघ के एमएस शैक्षिक संस्थान और विश्वविद्यालय, भारतीय छात्र, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग छात्र विभाग (जैसे जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय – जेएनयू), अंबेडकर, शिव नादर, जिंदल, अशोका आदि – मुख्य रूप से नई दिल्ली स्थित विश्वविद्यालय) और राज्य विभाग जैसे हितधारकों को लक्षित किया गया। प्रोफेसर कुमार सुरेश ने नीपा की कुलपति प्रोफेसर शशिकला वंजारी के साथ एक प्रस्तुति दी और अपने विचार साझा किए।

कार्यशाला ने भारत में शैक्षिक सलाहकारों और शैक्षणिक संस्थानों तक यूरोपीय संघ के विश्वविद्यालयों की मजबूत पहुंच का समर्थन करने के लिए उपयुक्त समाधानों की सुविधा प्रदान की, जिसमें सुरक्षित और नियमित गतिशीलता मार्गों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दोनों तरफ की निःशंक संस्थाओं के मुद्दे को संबोधित करना भी शामिल था।

11 सितम्बर, 2024 को डीकिन विश्वविद्यालय और ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग के दल का नीपा दौरा।

दल के दौरे का उद्देश्य डीकिन विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया और नीपा, नई दिल्ली के बीच शैक्षणिक सहयोग की संभावना तलाशना था। प्रतिनिधिमंडल में श्री मैथ्यू जॉनसन, मंत्री परामर्शदाता – शिक्षा एवं अनुसंधान, सुश्री अनु जैन,

वरिष्ठ नीति सलाहकार, शिक्षा एवं अनुसंधान, ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग शामिल थे। सुश्री रवनीत पावहा, उपाध्यक्ष (वैश्विक जुड़ाव) और सीईओ दक्षिण एशिया, प्रो डेमियन ब्लेक, प्रमुख, स्कूल ऑफ एजुकेशन, डीकिन विश्वविद्यालय, सुश्री गायत्री वेदनारायणन, वरिष्ठ प्रबंधक– रिसर्च एंगेजमेंट (दक्षिण एशिया), डीकिन विश्वविद्यालय भी शामिल थे। इस बैठक में नीपा की कुलपति प्रो. शशिकला वंजारी, नीपा के शैक्षिक प्रशासन विभाग के निदेशक (योजना एवं विकास) प्रो. कुमार सुरेश, नीपा के उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग की प्रोफेसर आरती श्रीवास्तव शामिल हुए। इस बैठक का समन्वय यूआईसी नीपा ने प्रोफेसर कुमार सुरेश के नेतृत्व में किया। उच्च शिक्षा में स्नातक प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है। रवनीत और डेमियन डीकिन के कार्यकारी नेतृत्व को पत्र लिखकर सहयोग के लिए दृष्टिकोण की रूपरेखा बताएंगे। डीकिन और नीपा 15 अक्टूबर 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान प्रमुख घोषणाओं के हिस्से के रूप में आशय पत्र पर हस्ताक्षर करने पर भी विचार करेंगे।

नीपा और ऑस्ट्रेलियाई अभिनव अनुसंधान विश्वविद्यालय नेटवर्क सहयोग कार्यशाला

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) ने इनोवेटिव रिसर्च यूनिवर्सिटीज (आईआरयू) और ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग, नई दिल्ली के सहयोग से 25–26 नवंबर 2024 को नीपा में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का मुख्य फोकस भारतीय विश्वविद्यालयों के मामले में सकारात्मक परिणाम के लिए विश्वविद्यालयों के समूहीकरण के विचार का पता लगाना, सहयोग के माध्यम से अनुसंधान उत्पादन को बढ़ाना, बहु–विषयक शिक्षा को बढ़ावा देना, शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण आदि था। कार्यशाला में भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों देशों के शैक्षिक नेतृत्वकर्ताओं और नीति विशेषज्ञों ने भाग लिया। ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल में आईआरयू के प्रतिनिधि शामिल थे – प्रोफेसर साइमन बिग्स, कुलपति और अध्यक्ष, जेम्स कुक विश्वविद्यालय, डॉ. पीटर बेंटले, नीति सलाहकार, आईआरयू, सुश्री बेथनी कीट्स, विपणन और मीडिया सलाहकार, आईआरयू, डॉ. जेसिका वंडरलेली, उप–कुलपति और उपाध्यक्ष (शैक्षणिक), ला ट्रोब विश्वविद्यालय, स्टेसी फरवे, उप–कुलपति, फ्यूचर ग्रोथ, लाट्रोब विश्वविद्यालय। श्री मैथ्यू जॉनस्टन, सलाहकार (शिक्षा और अनुसंधान मंत्री, ऑस्ट्रेलियाई सरकार; श्री नाथनियल वेब, प्रथम सचिव, ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग, और सुश्री अनु जैन, शिक्षा सलाहकार, ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग ने नीपा और ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल के साथ समन्वय किया। प्रोफेसर एम. जगदीश कुमार, माननीय अध्यक्ष, यूजीसी ने उद्घाटन सत्र में अनुसंधान और सहयोग के विषय पर अपने विचार साझा किए, डॉ. अर्चना ठाकुर ने कार्यशाला के प्रमुख पहलुओं पर सत्र में भाग लिया।

कार्यशाला के दौरान नीपा के वरिष्ठ संकाय सदस्यों ने विचार–विमर्श में सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यशाला का नेतृत्व नीपा की कुलपति प्रोफेसर शशिकला वंजारी ने किया। नीपा के निदेशक (योजना एवं विकास) प्रोफेसर कुमार सुरेश ने कार्यशाला के आयोजन में संकाय दल का नेतृत्व किया। नीपा ने व्यापक प्रसार के लिए कार्यशाला का एक परिणाम दस्तावेज लाने का प्रस्ताव रखा है। इसके अलावा, नीपा ने ऑस्ट्रेलिया के नवोन्मेषी अनुसंधान विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग की संभावना पर भी चर्चा की।

शोध रिपोर्ट

- यूआईसी एक दल के साथ परियोजना निदेशक (प्रो. कुमार सुरेश) ने **'राष्ट्रीय शिक्षा नीति और उच्च शिक्षा का आंतरिककरण'** पर शोध अध्ययन पूरा किया।
- **'भारत में उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरणः मुद्दे, चुनौतियां और मार्ग'** (प्रो. कुमार सुरेश, यूआईसी, नीपा के दल प्रमुख)। यह रिपोर्ट शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अनुरोध पर तैयार की गई है।
- यूआईसी ने **"ऋण गतिशीलता, समतुल्यता और पारस्परिक मान्यता के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रथाओं"** पर एक प्रारंभिक मसौदा तैयार किया। रिपोर्ट में निम्नलिखित देश शामिल थेः अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, चीन और जापान। इसमें भारत में प्रचलित प्रथाओं और मान्यता की भूमिका के बारे में भी जानकारी दी गई। एआईयू की भूमिका समाप्त हो गई है, तथा ऋण मान्यता एवं हस्तांतरण के लिए अंतर्राष्ट्रीय तंत्र भी समाप्त हो गया है।

आईसीटी अनुप्रयोग

के. श्रीनिवास

प्रकाशन

एम.फिल./पीएच.डी. शोध कार्य का आंकड़ा पूर्ण/प्रगति पर

मेरे पर्यवेक्षण में निम्नलिखित विषयों पर छह शोध छात्र काम कर रहे हैं:

- दिल्ली के उच्च शिक्षण संस्थानों में ई–गवर्नेंस: स्थिति, संभावनाएं और महत्वपूर्ण सफलता कारक।
- भारतीय उच्च शिक्षा में शिक्षण और अधिगम शिक्षणशास्त्र की प्रभावशीलता।
- डिजिटल शिक्षा की प्रभावशीलता: भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों का विश्लेषण।
- शिक्षण–अधिगम प्रक्रियाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकी के एकीकरण हेतु भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों में संकाय की तैयारी का आकलन।
- भारत में मानकीकृत परीक्षण के युग में प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की मूल्यांकन साक्षरता।
- स्कूली शिक्षा और स्कूल के बाद के रास्ते: मध्य प्रदेश में बैगा जनजाति का एक नृवंशविज्ञान अध्ययन।

बाह्य व्याख्यान

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 संवेदनशीलता और अभिविन्यास – विषय: सूचना और संचार प्रौद्योगिकी

09 अप्रैल, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषय: आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, व्याख्यान।

11 अप्रैल, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषय: आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र बिहार विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास कार्यक्रम।

13 अप्रैल, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषय: आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र औरंगाबाद, राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्याख्यान।

12 अप्रैल, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषय: आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, व्याख्यान।

15 अप्रैल, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषय: आईसीटी) सरकारी डिग्री कॉलेज, सकराघाट, हिमाचल प्रदेश, व्याख्यान।

15 अप्रैल, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषय: आईसीटी) बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, मदन मोहन मालवीय केंद्र व्याख्यान।

16 अप्रैल, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषय: आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान भोपाल, व्याख्यान।

18 अप्रैल, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषय: आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्याख्यान।

19 अप्रैल, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषय: आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, व्याख्यान।

20 अप्रैल, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषय: आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र उत्कल, राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्याख्यान।

22 अप्रैल, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषय: आईसीटी) मुंबई विश्वविद्यालय का ऑनलाइन डॉ. सरदार पटेल व्याख्यान।

23 अप्रैल, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषय: आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्याख्यान।

24 अप्रैल, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषय: आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र उत्कल, राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्याख्यान।

25 अप्रैल, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषय: आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय व्याख्यान, हिसार।

26 अप्रैल, 2024 को मदन मोहन मालवीय केंद्र, श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स व्याख्यान।

29 अप्रैल – 03 मई, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषय: आईसीटी) यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विश्वविद्यालय, कार्यशाला।

02 मई, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, अमरावती विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्याख्यान।

03 मई, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्याख्यान।

04 मई, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, बिहार विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास कार्यक्रम।

07 मई, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्याख्यान।

08 मई, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार, राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्याख्यान।

09 और 13 मई, 2024 को मूडल सत्र (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय।

13 और 15 मई, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, उत्कल, राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्याख्यान।

14 मई, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्याख्यान।

15 मई, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑनलाइन यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विश्वविद्यालय, संकाय संपर्क।

16 मई, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, हरियाणा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्याख्यान।

16 मई, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, उस्मानिया विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्याख्यान।

25–27 मई, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र नैनीताल अल्पकालिक पाठ्यक्रम व्याख्यान।

31 मई, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र मुजफ्फरपुर राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्याख्यान।

01 जून, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑनलाइन मदन मोहन मालवीय केंद्र एएमसी मूक्स पुनश्चर्या पाठ्यक्रम व्याख्यान।

01 जून, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) लघु अवधि पाठ्यक्रम, एमओओसी।

03 जून, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्याख्यान।

03 जून, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (आईयूसीटीई परिसर वाराणसी उत्तर प्रदेश)।

07 जून, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑनलाइन– जम्मू विश्वविद्यालय संकाय विकास कार्यक्रम व्याख्यान।

10 जून, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑनलाइन– मदन मोहन मालवीय केंद्र, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, संकाय प्रेरण कार्यक्रम व्याख्यान।

11 जून, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी), इंदौर, कार्यशाला व्याख्यान, इंदौर।

12 जून, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र अंतर–विश्वविद्यालय शिक्षक शिक्षा केंद्र, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्याख्यान।

15 जून, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) अकादमिक स्टाफ कॉलेज, सरदार पटेल विश्वविद्यालय, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम व्याख्यान।

17 जून, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, कोयंबटूर प्रौद्योगिकी संस्थान, राष्ट्रीय शिक्षा, नीति अभिविन्यास व्याख्यान।

18–19 जून, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मैरी चन्ना रेड्डी मानव संसाधन विकास संस्थान आंध्र प्रदेश व्याख्यान।

18–19 जून, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑनलाइन– मदन मोहन मालवीय केंद्र नैनीताल, सूचना संचार प्रौद्योगिकी व्याख्यान।

20 जून, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) – मदन मोहन मालवीय केंद्र मुजफ्फरपुर, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, व्याख्यान।

21 जून, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्याख्यान।

22 जून, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, संकाय प्रेरण कार्यक्रम व्याख्यान।

24 जून, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) डेजी कौर चंडीगढ़ विश्वविद्यालय कार्यशाला।

01 जुलाई, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, उस्मानिया विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्याख्यान।

03 जुलाई, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑफ़लाइन– दून–आईएमएस यूनिसन लॉ एमओओसी कार्यशाला।

04 जुलाई, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्याख्यान।

06 जुलाई, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्याख्यान, सागर।

06 जुलाई, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, संकाय प्रेरण कार्यक्रम व्याख्यान।

08 जुलाई, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम व्याख्यान।

08 जुलाई, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, मुजफ्फरपुर, राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्याख्यान।

10 जुलाई, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑनलाइन मदन मोहन मालवीय केंद्र, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय।

10 जुलाई, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, पांडिचेरी, राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्याख्यान।

13 जुलाई, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑफ़लाइन– एमवीआर कॉलेज कार्यशाला।

15 जुलाई 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑनलाइन – मदन मोहन मालवीय केंद्र जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हैदराबाद, संकाय प्रेरण कार्यक्रम व्याख्यान।

17 जुलाई, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑफलाइन – अकादमिक स्टाफ कॉलेज, जबलपुर, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी।

18 जुलाई, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑनलाइन, मदन मोहन मालवीय केंद्र, हिंदू विश्वविद्यालय बनारस, राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्याख्यान।

19 जुलाई, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, मदन मोहन मालवीय केंद्र में ऑनलाइन राष्ट्रीय शिक्षा नीति उन्मुखीकरण।

20 जुलाई, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑफ़लाइन मदन मोहन मालवीय केंद्र, उस्मानिया विश्वविद्यालय, संकाय प्रेरण कार्यक्रम व्याख्यान।

23 जुलाई, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) अकादमिक स्टाफ कॉलेज, जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय व्याख्यान।

24 जुलाई, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑनलाइन यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विश्वविद्यालय मूल्यांकन पर व्याख्यान।

24 जुलाई, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान, राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास व्याख्यान।

25 जुलाई, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी), मदन मोहन मालवीय केंद्र राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास व्याख्यान, जामिया मिल्लिया इस्लामिया।

26 जुलाई, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑफ़लाइन एमिटी ग्वालियर संकाय विकास कार्यक्रम व्याख्यान।

28 जुलाई, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र मुजफ्फरपुर राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्याख्यान।

30 जुलाई, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्याख्यान।

01 अगस्त, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑनलाइन मदन मोहन मालवीय केंद्र पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय ई–कंटेंट रिफ्रेशर कोर्स।

05 अगस्त, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास व्याख्यान।

06 अगस्त, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र मुजफ्फरपुर, राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्याख्यान।

08 अगस्त, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र रांची, एमओओसी पुनश्चर्या पाठ्यक्रम कोर्स व्याख्यान।

09 अगस्त, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, संकाय प्रेरण कार्यक्रम व्याख्यान।

13 अगस्त, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) उच्च शिक्षा में व्यावसायिक विकास केंद्र, मदन मोहन मालवीय केंद्र, राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्याख्यान।

14 अगस्त, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, संकाय प्रेरण कार्यक्रम व्याख्यान।

14 अगस्त, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, शिमला, राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्याख्यान।

6 अगस्त, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्याख्यान।

20 अगस्त, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑफ़लाइन मदन मोहन मालवीय केंद्र, इंदौर, शिक्षक प्रशिक्षक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम।

22 अगस्त, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर, हरियाणा, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी पुनश्चर्या पाठ्यक्रम।

23–26 अगस्त, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑफ़लाइन राष्ट्रीय विधिक अध्ययन और अनुसंधान अकादमी, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी कार्यशाला व्याख्यान।

27 अगस्त, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, माधुरी हुड्डा व्याख्यान।

27 अगस्त, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्याख्यान।

28 अगस्त, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, कक्षा – फ़्लिप्ड लर्निंग।

29 अगस्त, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय शिक्षा नीति संकाय प्रेरण कार्यक्रम व्याख्यान।

31 अगस्त, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, मुजफ्फरपुर, राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्याख्यान।

02–03 सितंबर, 2024 तक (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑफ़लाइन मुजफ्फरपुर एमओओसी कार्यशाला।

04 सितंबर, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) नीपा – उत्कल विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्याख्यान।

06 सितंबर, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, मदन मोहन मालवीय केंद्र, राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्याख्यान।

07 सितंबर, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, व्याख्यान।

09–10 सितंबर, 2024 तक (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) गुवाहाटी कृत्रिम बुद्धिमत्ता कार्यशाला।

11–12 सितंबर, 2024 तक (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, इंदौर, संकाय प्रेरण कार्यक्रम।

11 सितंबर, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑनलाइन – रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, संकाय प्रेरण कार्यक्रम, व्याख्यान।

13–14 सितंबर, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम।

16 सितंबर, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑफ़लाइन – गुरु जम्भेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार, मदन मोहन मालवीय केंद्र, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम व्याख्यान।

19 सितंबर, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल मदन मोहन मालवीय केंद्र संकाय प्रेरण कार्यक्रम व्याख्यान।

21 सितंबर, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑनलाइन – मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम व्याख्यान।

23 सितंबर, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑनलाइन – रांची विश्वविद्यालय एमओओसी कार्यशाला।

24 सितंबर, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑनलाइन – उस्मानिया विश्वविद्यालय मदन मोहन मालवीय केंद्र, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी उपकरण व्याख्यान।

25–26 सितंबर, 2024 तक (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑफ़लाइन – गुवाहाटी कृष्ण कांता हंडिकु राज्य मुक्त विश्वविद्यालय कार्यशाला।

27 सितंबर, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी व्याख्यान।

28 सितंबर, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑफ़लाइन – रांची विश्वविद्यालय एमओओसी कार्यशाला।

01 अक्टूबर, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑनलाइन – मदन मोहन मालवीय केंद्र बनारस हिंदू विश्वविद्यालय सूचना और संचार प्रौद्योगिकी व्याख्यान।

03 अक्टूबर, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑनलाइन – मदन मोहन मालवीय केंद्र, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्याख्यान।

08 अक्टूबर, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) इलाहाबाद विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास व्याख्यान।

11 अक्टूबर, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास व्याख्यान।

14 अक्टूबर, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) केंद्रीय विश्वविद्यालय केरल व्याख्यान।

18 अक्टूबर, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान ऑनलाइन एआई कार्यशाला।

21 अक्टूबर 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑनलाइन – केंद्रीय विश्वविद्यालय केरल डिजिटल शिक्षणशास्त्र कार्यशाला व्याख्यान।

22 अक्टूबर, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑनलाइन श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय व्याख्यान – सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में एआई उपकरण का उपयोग करें।

26 अक्टूबर, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र अमरावती राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्याख्यान – एआई और अनुसंधान।

28 अक्टूबर, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) श्यामा प्रसाद मुखर्जी महिला कॉलेज, उच्च शिक्षा में व्यावसायिक विकास केंद्र राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्याख्यान।

04 नवंबर, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान, चिनालापट्टी, तमिलनाडू, व्याख्यान – मुक्त शैक्षिक संसाधन, टी एंड एल अनुसंधान।

07 नवंबर, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम व्याख्यान।

10 नवंबर, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) आईयूसीटीई मदन मोहन मालवीय केंद्र, राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्याख्यान।

15 नवंबर, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑफ़लाइन – सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम, भुवनेश्वर मिश्रित शिक्षण कार्यशाला।

16 नवंबर, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑनलाइन – नेताजी सुभाष मुक्त विश्वविद्यालय व्याख्यान।

20–22 नवंबर, 2024 तक (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मगध विश्वविद्यालय मूक्स कार्यशाला।

23–24 नवंबर, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र नैनीताल संकाय प्रेरण कार्यक्रम व्याख्यान।

26 नवंबर, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी आरसी व्याख्यान।

28–30 नवंबर, 2024 तक (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) वेल विश्वविद्यालय कार्यशाला।

30 नवंबर 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) अन्नामलाई एडु–मूक्स परिचय व्याख्यान।

02 दिसंबर, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र इलाहाबाद, विश्वविद्यालय संकाय प्रेरण कार्यक्रम व्याख्यान।

02 दिसंबर, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान, शिक्षक शिक्षा में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम व्याख्यान।

03–04 दिसंबर, 2024 से(राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हैदराबाद, संकाय प्रेरण कार्यक्रम व्याख्यान।

03 दिसंबर, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, पंजाब विश्वविद्यालय, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी आरएसी व्याख्यान।

04 दिसंबर, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान, चिनालापट्टी, तमिलनाडू, टीसी व्याख्यान।

07–08 दिसंबर, 2024 से (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑफ़लाइन – गुवाहाटी विश्वविद्यालय, आर्य विद्यापीठ कार्यशाला।

09–11 दिसंबर, 2024 से (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑफ़लाइन – नीपा – गुवाहाटी विश्वविद्यालय सूचना और संचार प्रौद्योगिकी कार्यशाला।

12 दिसंबर, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑफ़लाइन – मदन मोहन मालवीय केंद्र, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, संकाय प्रेरण कार्यक्रम व्याख्यान।

16 दिसंबर, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑफ़लाइन – बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय संकाय प्रेरण कार्यक्रम व्याख्यान।

18 दिसंबर, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, संकाय प्रेरण कार्यक्रम व्याख्यान।

18 –19 दिसंबर, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) अकादमिक स्टाफ कॉलेज, जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हैदराबाद, एमओओसी व्याख्यान।

19 दिसंबर, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र बनारस हिंदू विश्वविद्यालय व्याख्यान।

20 दिसंबर, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र तेजपुर व्याख्यान।

22 दिसंबर, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र उत्कल, राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्याख्यान।

23 दिसंबर, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, एमओओसी आरसी व्याख्यान।

26 दिसंबर, 2024 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) उच्च शिक्षा में व्यावसायिक विकास केंद्र, मदन मोहन मालवीय केंद्र, संकाय प्रेरण कार्यक्रम व्याख्यान।

30–31 दिसंबर, 2024 से (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, कोयंबटूर प्रौद्योगिकी संस्थान एआई कार्यशाला।

01 जनवरी, 2025 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, सीपीडीएचईएफआईपी व्याख्यान।

01 जनवरी, 2025 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, आरडीवीवी एफआईपी व्याख्यान।

02 जनवरी, 2025 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा एफआईपी व्याख्यान।

06–07 जनवरी, 2025 (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑफ़लाइन – बनारस हिंदू विश्वविद्यालय मदन मोहन मालवीय केंद्र एमओओसी कार्यशाला।

08, जनवरी 2025 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र ओयू राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास व्याख्यान।

09, जनवरी 2025 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र नीपा पुनश्चर्या कार्यक्रम व्याख्यान।

09, जनवरी 2025 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, एयू राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास व्याख्यान।

11–12 जनवरी, 2025 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑफ़लाइन – मदन मोहन मालवीय केंद्र देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर संकाय प्रेरण कार्यक्रम व्याख्यान।

16 जनवरी, 2025 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) दिल्ली विश्वविद्यालय मैत्रेयी कॉलेज व्याख्यान।

18–19 जनवरी, 2025 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विश्वविद्यालय संकाय विकास कार्यक्रम व्याख्यान।

20 जनवरी, 2025 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, पटना मॉक व्याख्यान।

22 जनवरी, 2025 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) हैदराबाद गीतांजलि इंजीनियरिंग कॉलेज व्याख्यान।

23 जनवरी, 2025 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) हैदराबाद एवी कॉलेज व्याख्यान।

जनवरी, 2025, (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) लाल बहादुर शास्त्री मूडल कार्यशाला (ऑफ़लाइन)।

27–30 जनवरी, 2025 तक (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑफ़लाइन – नीपा गोवा विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा आईसीटी कार्यशाला।

31 जनवरी – 01 फरवरी, 2025 तक (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑफ़लाइन – बनारस हिंदू विश्वविद्यालय अंतर विश्वविद्यालय शिक्षक शिक्षा केंद्र कार्यशाला व्याख्यान।

01 फरवरी, 2025 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, एनईएचयू कार्यशाला व्याख्यान।

06 फरवरी, 2025 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) नीपा जीयू कार्यशाला व्याख्यान।

07 फरवरी, 2025 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑफ़लाइन – सायंतन आईआईटी जम्मू सेमिनार।

08–09 फरवरी, 2025 तक (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑफ़लाइन–कार्यशाला औरंगाबाद व्याख्यान।

15 फरवरी, 2025 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, जीयू एफआईपी व्याख्यान।

22 फरवरी, 2025 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) मदन मोहन मालवीय केंद्र, जीयू एफआईपी व्याख्यान।

03 मार्च, 2025 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑफ़लाइन – आईयूसीटीई एआई कार्यशाला व्याख्यान।

04 मार्च, 2025 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) – मदन मोहन मालवीय केंद्र, जेएनटीयूएच एफआईपी व्याख्यान।

06 मार्च, 2025 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) एनसीईआरटी – डीईजीएसएन व्याख्यान।

08–09 मार्च, 2025 तक (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑफ़लाइन – डिब्रूगढ़ कॉलेज कार्यशाला।

21 मार्च, 2025 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) एपीजे सत्य विश्वविद्यालय सेमिनार।

27–28 मार्च, 2025 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑफ़लाइन – ईएमएमआरसी इंदौर कार्यशाला।

29 मार्च, 2025 को (राष्ट्रीय शिक्षा नीति – विषयः आईसीटी) ऑफ़लाइन – बेहरामपुर विश्वविद्यालय, बेहरामपुर, उड़ीसा, शिक्षा राष्ट्रीय संगोष्ठी।

प्रशिक्षण कार्यक्रम 2024–25

- 1–5 अप्रैल, 2024 तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और शिक्षा 4.0 पर व्यावसायिक विकास कार्यक्रम, ऑनलाइन मोड।
- 6–10 मई, 2024 तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और शिक्षा 4.0 पर व्यावसायिक विकास कार्यक्रम, ऑनलाइन मोड।
- 13–17 मई, 2024 तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और शिक्षा 4.0 बैच 1 (एपीएससीएचई) पर व्यावसायिक विकास कार्यक्रम, ऑनलाइन मोड।
- 20–24 मई, 2024 तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और शिक्षा 4.0 बैच 2 (एपीएससीएचई) पर व्यावसायिक विकास कार्यक्रम, ऑनलाइन मोड।
- 27–31 मई, 2024 तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और शिक्षा 4.0 बैच 3 (एपीएससीएचई) पर व्यावसायिक विकास कार्यक्रम, ऑनलाइन मोड।
- 9–11 दिसंबर, 2024 तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और शिक्षा 4.0 पर व्यावसायिक विकास कार्यक्रम, गुवाहाटी विश्वविद्यालय।
- 27–30 जनवरी, 2025 तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और शिक्षा 4.0 पर व्यावसायिक विकास कार्यक्रम, गुवाहाटी विश्वविद्यालय।

महत्वपूर्ण परामर्श एवं सलाहकार सेवाएं

डॉ. बी.आर. अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा गठित ऑनलाइन लर्निंग सेंटर की सलाहकार समिति के सदस्य।

उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय डिजिटल शिक्षा वास्तुकला के लिए तकनीकी वास्तुकला और मानकों पर कार्य समूह के सदस्य।

विद्यालय शिक्षा के लिए राष्ट्रीय डिजिटल शिक्षा वास्तुकला हेतु तकनीकी वास्तुकला और मानकों पर कार्य समूह के सदस्य।

राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा गठित ऑनलाइन एवं दूरस्थ शिक्षा समिति के सदस्य।

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी), सोनीपत के सीनेट सदस्य।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के ई–लर्निंग के विशेष केंद्र की कोर समिति के सदस्य।

एसआरएम विश्वविद्यालय, सोनीपत, हरियाणा के कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग, (इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय) के अध्ययन बोर्ड (बीओएस) के सदस्य।

विद्यालय शिक्षा और साक्षरता के लिए राष्ट्रीय डिजिटल शिक्षा वास्तुकला [एनडीईएआर–एसईएंडएल] के लिए

तकनीकी वास्तुकला और मानकों पर कार्य समूह के सदस्य।

अनुसंधान नवाचार और गुणवत्ता सुधार परियोजना "वैश्विक ज्ञान पूल के उचित उपयोग और अपनाने के लिए एक अनुकूलन योग्य एलएमएसः ई–लर्निंग के आकस्मिक सिद्धांत का अनुकूलन" के सदस्य, रूसा 2.0 के तहत शिक्षा मंत्रालय [एमओई], भारत सरकार द्वारा मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर, राजस्थान को प्रदान किया गया।

सलाहकार [बाह्य] विश्वविद्यालय स्वयम बोर्ड, हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर गढ़वाल, उत्तराखंड।

लेडी डोक कॉलेज, मदुरै, तमिलनाडु की अकादमिक परिषद की सदस्य।

एनसीईआरटी स्वयं मूक्स और यूजीसी स्वयं मूक्स के लिए अकादमिक सलाहकार परिषद [एएसी] के सदस्य।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय की पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी) योजना के अंतर्गत गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान, गांधीग्राम में विद्यालय ऑफ एजुकेशन (एसओई) पर सलाहकार समिति के सदस्य।

राष्ट्रीय संसाधन केंद्र [एनआरसी] यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, बीपीएस महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां, हरियाणा की शैक्षणिक सलाहकार परिषद के सदस्य (तकनीकी विशेषज्ञ)।

पांडिचेरी विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय संसाधन केंद्र (फ्रेंच), यूजीसी – मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी) की शैक्षणिक सलाहकार परिषद के सदस्य (तकनीकी विशेषज्ञ)।

राष्ट्रीय संसाधन केंद्र (गणित), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान [एनआईटी] वारंगल की शैक्षणिक सलाहकार परिषद के सदस्य (तकनीकी विशेषज्ञ)।

राष्ट्रीय संसाधन केंद्र, यूजीसी– गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के मानव संसाधन केंद्र (एचआरडीसी) की शैक्षणिक सलाहकार परिषद के सदस्य।

रांची विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय संसाधन केंद्र, यूजीसी–एचआरडीसी के शैक्षणिक सलाहकार परिषद के सदस्य।

दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी), गया के राष्ट्रीय संसाधन केन्द्र के शैक्षणिक सलाहकार परिषद के सदस्य।

जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर के राष्ट्रीय संसाधन केंद्र (गृह विज्ञान) की शैक्षणिक सलाहकार परिषद के सदस्य (तकनीकी विशेषज्ञ)।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय [इग्नू], नई दिल्ली के स्कूल ऑफ एजुकेशन [एसओई] के विद्यालय बोर्ड के सदस्य।

सार्वजनिक निकायों को शैक्षणिक सहायता

सदस्य, शिक्षा विषय नियंत्रण बोर्ड, शिक्षा विभाग, गुरुनानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, पंजाब।

सदस्य, कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग, एसआरएम विश्वविद्यालय, सोनीपत, हरियाणा के अध्ययन बोर्ड (बीओएस)।

सदस्य, तकनीकी वास्तुकला एवं मानकों पर कार्य समूह, विद्यालय शिक्षा एवं साक्षरता के लिए राष्ट्रीय डिजिटल शिक्षा वास्तुकला।

सदस्य, अनुसंधान नवाचार एवं गुणवत्ता सुधार परियोजना "वैश्विक ज्ञान भंडार के समुचित उपयोग एवं अंगीकरण हेतु एक अनुकूलन योग्य एलएमएसः ई–लर्निंग के आकस्मिकता सिद्धांत का एक अनुकूलन", शिक्षा मंत्रालय (एमओई), भारत सरकार द्वारा प्रदत्त, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान।

सलाहकार (बाह्य), हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर गढ़वाल, उत्तराखंड।

सदस्य, ई–लर्निंग के विशेष केंद्र की कोर समिति, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

सीनेट सदस्य, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी), सोनीपत, हरियाणा।

सदस्य, शिक्षा बोर्ड (एसओई) इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली।

सदस्य, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी) की योजना के अंतर्गत, गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान, गांधीग्राम में शिक्षा विद्यालय (एसओई) पर सलाहकार समिति।

राष्ट्रीय अध्येता

संतोष पंडा

प्रकाशन

पुस्तकें

मिश्रा. पी., मिश्रा, एस. और पंडा, एस. (संपादक) (2025)। उच्च शिक्षा में मिश्रित शिक्षा पर केस अध्यमतः रुपरेखा, विकास और वितरण। स्प्रिंगर।

पुस्तक अध्याय

पंडा, एस. (2025)। विश्वविद्यालय और शिक्षक शिक्षा। पी. पंडा (सं.), भारत में शिक्षक शिक्षा परिदृश्यः शासन और गुणवत्ता प्रबंधन (पृष्ठ 29—55)। रूटलेज।

मिश्र. पी. के., मिश्रा. एस. और पंडा. एस. (2025)। उच्च शिक्षा में मिश्रित शिक्षाः एक परिचय। पी. के. मिश्र, एस. मिश्रा और एस. पंडा (सं.), उच्च शिक्षा में मिश्रित शिक्षा पर केस अध्ययनः रूपरेखा, विकास और वितरण (पृष्ठ 1—18)। स्प्रिंगर।

मिश्रा. एस., मिश्र. पी. के., और पंडा. एस. (2025)। मिश्रित शिक्षा में नवाचारः सबक और सर्वोत्तम अभ्यास। पी. के. मिश्र, एस. मिश्रा और एस. पंडा (सं.), उच्च शिक्षा में मिश्रित शिक्षा पर केस अध्ययनः रूपरेखा, विकास और वितरण (पृष्ठ 211—218)। स्प्रिंगर।

जर्नल में आलेख

पंडा, एस. (2025)। विकास के लिए सीखने में टीईएल की बढ़ती भूमिका पर विचार। जर्नल ऑफ लर्निंग फॉर डेवलपमेंट, 12(1), i—viii

मुस्तफा, एम.वाई., पंडा, एस, 2025)। शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआईईडी) पर साहित्य समीक्षाओं की एक व्यवस्थित समीक्षाः भविष्य के अनुसंधान एजेंडे के लिए एक रोड मैप। स्मार्ट लर्निंग एनवायरनमेंट, 11(59)।

निदेशक के तत्वाधान में(योजना और विकास)

कुमार सुरेश

अनुसंधान गतिविधियाँ

1. **यूजीसी योजना खंड I और खंड II की मूल्यांकन रिपोर्ट**

   विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अनुरोध पर 26 यूजीसी योजनाओं के मूल्यांकन पर रिपोर्ट (प्रोफेसर कुमार सुरेश परियोजना प्रमुख और संकाय अनुसंधान दल के रूप में) तैयार की गई, रिपोर्ट पूरी कर ली गई है और दो खंडों में यूजीसी को प्रस्तुत कर दी गई है।

2. **शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अनुरोध पर "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020" के कार्यान्वयन पर अध्ययन** (प्रो. कुमार सुरेश और नीपा के संकाय सदस्यों के दल द्वारा परियोजना का नेतृत्व)। रिपोर्ट अवलोकन और सुझाव (यदि कोई हो) के लिए शिक्षा मंत्रालय को प्रस्तुत कर दी गई है।

3. भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग के अनुरोध पर, विभिन्न संस्थानों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर नीपा के संकाय सदस्यों और अकादमिक प्रशासकों द्वारा स्थितिजन्य विश्लेषण किया गया और **"केंद्रीय विश्वविद्यालयों में जीवन की सुगमता"** शीर्षक से मसौदा रिपोर्ट तैयार की गई। समिति के अध्यक्ष के रूप में, प्रोफेसर कुमार सुरेश ने नीपा के संकाय की दल के साथ रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया का नेतृत्व किया।

क्षमता विकास कार्यक्रम

1. **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (23–29 अगस्त, 2024) के कार्यान्वयन के लिए विधि संकाय के लिए नेतृत्व विकास में क्षमता निर्माण (एनएएलएसएआर)**

   विश्वविद्यालय के प्रधानाचार्यों को अपने विश्वविद्यालय में शिक्षा के पुनरुद्धार और रूपांतरण के विशाल कार्य में सहायता प्रदान करने के लिए, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) ने शिक्षा मंत्रालय के सहयोग से किया। कार्यक्रम में कुल 104 प्रतिभागी उपस्थित थे।

2. **उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, ओडिशा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन के लिए ओडिशा के शैक्षणिक प्रशासकों और कॉलेज प्राचार्यों का क्षमता विकास (3–4 सितंबर 2024)**

   राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन के लिए ओडिशा के शैक्षणिक प्रशासकों और कॉलेज प्राचार्यों का दो दिवसीय क्षमता विकास कार्यक्रम। दो दिवसीय कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्निहित सिद्धांतों और उद्देश्यों को समझना था और यह पिछली शिक्षा नीतियों से किस प्रकार भिन्न है। इसमें ओडिशा के विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और संस्थानों के 500 से अधिक प्रतिभागी शामिल हैं।

3. **राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग (एनसीआईएसएम), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और सोवा–रिग्पा कॉलेजों के प्रधानाचार्यों के लिए क्षमता विकास/प्रशिक्षण कार्यक्रम।**

- मई से जुलाई, 2024 के महीनों के बीच एनसीआईएसएम और नीपा में समझौता ज्ञापन के अनुसार छह कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। प्रोफेसर कुमार सुरेश समग्र कार्यक्रम निदेशक थे और प्रत्येक कार्यक्रम का संचालन नीपा के संकाय सदस्यों द्वारा कार्यक्रम निदेशक और बैच के कार्यक्रम समन्वयक के रूप में किया गया था।
- 27–31 मई, 2024 तक सत्र 12: कार्यक्रम निदेशक प्रो. विनीता सिरोही और कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सुमन नेगी।
- 3–7 जून, 2024 तक सत्र 13: कार्यक्रम निदेशक प्रो. पी. गीता रानी और कार्यक्रम समन्वयक डॉ. एस. के. मलिक।
- 10–14 जून, 2024 तक सत्र 14: कार्यक्रम निदेशक प्रो. नीरू स्नेही और कार्यक्रम समन्वयक डॉ. एन. के. मोहंती।
- 24–28 जून, 2024 तक सत्र 15: कार्यक्रम निदेशक प्रो. ए.के. सिंह और कार्यक्रम समन्वयक डॉ. चारु स्मिता मलिक।
- 1–5 जुलाई, 2024 तक सत्र 16: कार्यक्रम निदेशक प्रो. प्रदीप कुमार मिश्र और कार्यक्रम समन्वयक डॉ. वी. सुचरिता।
- 8–12 जुलाई, 2024 तक सत्र 17: कार्यक्रम निदेशक प्रो. मधुमिता बंद्योपाध्याय और कार्यक्रम समन्वयक डॉ. मोना सेदवाल।

जुलाई 2023 में कार्यक्रम के प्रारंभ होने के बाद से, 17 कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, जिनमें आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और सोवा–रिग्पा कॉलेजों के 463 प्राचार्यों/प्रमुखों ने भाग लिया और नीपा की कुलपति प्रोफेसर शशिकला वंजारी के समग्र समर्थन और मार्गदर्शन में कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया।

एनसीआईएसएम के अध्यक्ष श्री वैद्य जयंत देवपुजारी, यूनानी, सिद्ध और सोवारिगपा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. के. जगन्नाथन, आयुर्वेद बोर्ड के अध्यक्ष, भारतीय चिकित्सा पद्धति के लिए चिकित्सा मूल्यांकन और रेटिंग बोर्ड के अध्यक्ष ने अतिथि और संसाधन के रूप में कार्यक्रमों में भाग लिया। बड़ी संख्या में प्रतिष्ठित संसाधन व्यक्तियों ने व्याख्यान दिए और कार्यक्रमों के प्रतिभागियों के साथ बातचीत की।

शिक्षा मंत्रालय के कार्यक्रमों से संबंधित गतिविधियों का समन्वय

शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग ने केंद्र द्वारा वित्तपोषित संस्थानों के संकाय सदस्यों के लिए कई कार्यक्रमों के आयोजन की पहल की है। तीन कार्यक्रमों से संबंधित गतिविधियों के समन्वय के लिए नीपा को नोडल संस्थान के रूप में नामित किया गया है। नीपा के स्तर पर प्रो. कुमार सुरेश को कार्यक्रम निदेशक के रूप में जिम्मेदारियां दी गई हैं, ताकि नीपा की कुलपति प्रो. शशिकला वंजारी के समग्र नेतृत्व में समग्र कार्यक्रम समन्वयक अमित गौतम

और नीपा के संकाय सदस्यों की एक दल की मदद से समन्वय गतिविधियों को सुविधाजनक बनाया जा सके।

कार्यक्रमों का विवरण इस प्रकार है:

1. ***विशिष्ट शिक्षण अक्षमताओं पर क्षमता निर्माण विकास कार्यक्रम (एसएलडी):***

   शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग ने राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) और संसाधन भागीदार के रूप में चेंजइंक फाउंडेशन के सहयोग से मई 2024 से मार्च 2025 तक विशिष्ट शिक्षण विकलांगताओं पर क्षमता निर्माण (सीबीएसएलडी) के ऑनलाइन सत्रों और व्यक्तिगत कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विशिष्ट अधिगम विकलांगता के क्षेत्र में संकाय की क्षमता निर्माण को मजबूत करना और उन्हें अधिगम विकलांगता वाले छात्रों को सहायता प्रदान करने के लिए सुसज्जित करना है। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति (राष्ट्रीय शिक्षा नीति) 2020 के साथ विकलांग व्यक्तियों के अधिकार (आरपीडब्ल्यूडी) अधिनियम, 2016 के प्रावधानों के अनुरूप है, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया है कि दोनों ढांचे समावेशी शिक्षा और विविध सीखने की जरूरतों वाले छात्रों के समर्थन की वकालत करते हैं।

   नीपा एक नोडल समन्वय संस्थान है।

2. ***भावी नेतृत्व पोषण कार्यक्रम:***

   भविष्य के नेतृत्व को पोषित करना उच्च शिक्षा में समग्र परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया से लेकर संस्थागत प्रबंधन तक विभिन्न तरीकों से उच्च शिक्षा में नेतृत्व के महत्व को रेखांकित किया है। इसे ध्यान में रखते हुए, शिक्षा मंत्रालय ने एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की पहल की है जो संकाय सदस्यों में नेतृत्व कौशल विकसित करे। उच्च शिक्षा में भविष्य के नेतृत्व को पोषित करने के कार्यक्रम का उद्देश्य भविष्य के नेतृत्वकर्ताओं का एक समूह तैयार करना है जो बदलाव का साधन बन सकें। यह कार्यक्रम मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी) का एक महत्वपूर्ण घटक है, जिसे सीधे उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय (एमओई) द्वारा संचालित किया जाता है। यह कार्यक्रम शीर्ष रैंक वाले आईआईएम और आईटीटी द्वारा आयोजित किया जाता है। नीपा एक नोडल संस्थान होने के साथ–साथ कार्यक्रमों का भण्डार भी है।

3. ***सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य, लचीलापन और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए क्षमता निर्माण:***

   उच्च शिक्षा संस्थानों में सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य, लचीलापन और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए क्षमता निर्माण को उच्च शिक्षा संस्थानों में छात्रों के सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य, लचीलापन और कल्याण को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करने वाले विशेषज्ञों के एक पैनल के साथ सहयोग करने और अन्य संस्थानों में प्रसार और प्रतिकृति के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिए एक ऑनलाइन मंच प्रदान करके संकाय सदस्यों की क्षमता निर्माण में निरंतर प्रयासों के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस अवधि के दौरान चौबीस (24) कार्यक्रम ऑनलाइन मोड में आयोजित किए गए।

   नीपा एक नोडल समन्वय संस्थान है।

परिशिष्ट

परिशिष्ट I

प्रबंधन बोर्ड के सदस्य

(31 मार्च, 2025 के अनुसार)

अध्यक्ष

1. प्रो. शशिकला जी. वंजारी — अध्यक्ष
   कुलपति,
   नीपा, नई दिल्ली

डीन (अकादमिक और अनुसंधान)

2. प्रो. ए.के. सिंह — सदस्य
   प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
   शैक्षिक नीति विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

3–5. कुलाधिपति, द्वारा मनोनीत तीन प्रख्यात शिक्षाविद्

3. प्रो. विष्णुकान्त एस. चटपल्ली — सदस्य
   पूर्व कुलपति,
   कर्नाटक राज्य ग्रामीण विकास
   एवं पंचायत राज विश्वविद्यालय
   'आर्शीवाद' नं. 76, थर्ड मेन थर्ड क्रॉस,
   राईथ भवन, जनरल करियप्पा सर्कल,
   गडग–582101, कर्नाटक, भारत

4. प्रो. संजीव सोनवने — सदस्य
   कुलपति,
   यशवंत राव चौहान
   महाराष्ट्र मुक्त विश्वविद्यालय,
   नासिक–422222, महाराष्ट्र

5. प्रो. ची इबोहल मतैयी — सदस्य
   प्रोफेसर (रणनीतिक प्रबंधन)
   मणिपुर प्रबंधन अध्ययन संस्थान (एम.आई.एम.एस)
   मणिपुर विश्वविद्यालय, इंडो–म्यानमार रोड,
   कांचीपुर–795003
   इंफाल, मणिपुर

शिक्षा मंत्रालय का प्रतिनिधि

6. संयुक्त सचिव — सदस्य
   उच्चतर शिक्षा विभाग,
   शिक्षा मंत्रालय,
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली

7–8. संस्थान के दो संकाय सदस्यः एक प्रोफेसर और एक सह–प्रोफेसर

7. प्रो. प्रणती पंडा — सदस्य
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष,
विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग,
नीपा, नई दिल्ली

8. डॉ. सांत्वना जी. मिश्रा — सदस्य
सह–प्रोफेसर,
शैक्षिक योजना विभाग,
नीपा, नई दिल्ली

9–11. शिक्षा मंत्रालय द्वारा मनोनीत तीन प्रख्यात शिक्षाविद

9. प्रो. बी.बी. मोहंती — सदस्य
प्रोफेसर
समाजशास्त्र विभाग,
पांडिचेरी विश्वविद्यालय,
पुडुचेरी– 605014

10. प्रो. कीर्ति पांडेय — सदस्य
प्रोफेसर,
समाजशास्त्र विभाग,
दीनदयाल उपाध्याय
गोरखपुर विश्वविद्यालय,
गोरखपुर, उत्तर प्रदेश

11. डॉ. सी. एन. पटेल — सदस्य
प्राचार्य तथा प्रोफेसर
श्री सार्वजनिक फार्मेसी कॉलेज,
अरविंद बाग के निकट
मेहसाना–384001, गुजरात

कुलसचिव, नीपा

12. डॉ. (मानद) सूर्य नारायण मिश्र — पदेन सचिव
कुलसचिव,
नीपा, नई दिल्ली

परिशिष्ट II

वित्त समिति के सदस्य

(31 मार्च, 2025 के अनुसार)

अध्यक्ष

1. प्रो. शशिकला जी. वंजारी — अध्यक्ष
   कुलपति,
   नीपा, नई दिल्ली

डीन (अकादमिक और अनुसंधान)

2. प्रो. ए.के. सिंह — सदस्य
   प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष,
   शैक्षिक नीति विभाग,
   नीपा, नई दिल्ली

शिक्षा मंत्रालय के प्रतिनिधि

3. संयुक्त सचिव तथा वित्त सलाहकार, — सदस्य
   उच्चतर शिक्षा विभाग,
   शिक्षा मंत्रालय
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली

4–5 प्रबंधन बोर्ड के नामित दो सदस्य

4. प्रो. संजीव सोनवने — सदस्य
   कुलपति,
   यशवंत राव चौहान
   महाराष्ट्र मुक्त विश्वविद्यालय,
   नासिक–422222, महाराष्ट्र

5. प्रो. ची इबोहल मतैयी — सदस्य
   प्रोफेसर (रणनीतिक प्रबंधन)
   मणिपुर प्रबंधन अध्ययन संस्थान (एम.आई.एम.एस)
   मणिपुर विश्वविद्यालय, इंडो–म्यानमार रोड,
   कांचीपुर– 795003
   इंफाल, मणिपुर

6. डॉ. निशांत सिन्हा — पदेन सचिव
   वित्त अधिकारी
   नीपा, नई दिल्ली

परिशिष्ट III

अकादमिक परिषद के सदस्य

(31 मार्च, 2025 के अनुसार)

अध्यक्ष

1. प्रो. शशिकला जी. वंजारी — अध्यक्ष
   कुलपति,
   नीपा, नई दिल्ली

डीन (अकादमिक और अनुसंधान)

2. प्रो. ए.के. सिंह — सदस्य
   प्रोफेसर एवं विभागध्यक्ष
   शैक्षिक नीति विभाग,
   नीपा, नई दिल्ली

3 से 10 सभी विभागों के विभागाध्यक्ष

3. प्रो. ए.के. सिंह — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक नीति विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

4. प्रो. मोना खरे — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक वित्त विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

5. प्रो. विनीता सिरोही — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक प्रशासन विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

6. प्रो. के. श्रीनिवास — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   आईसीटी एवं पीएमयू
   नीपा, नई दिल्ली

7. प्रो. पी. गीता रानी — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक योजना विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

8. प्रो. मधुमिता बंद्योपाध्याय — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

9. प्रो. आरती श्रीवास्तवव — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

10. प्रो. नीरू स्नेही — सदस्य
    प्रोफेसर एवं अध्यक्ष (प्रभारी)
    शिक्षा में प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक विकास विभाग
    नीपा, नई दिल्ली

11 से 18 सभी प्रोफेसर (विभागाध्यक्ष के अलावा)

11. प्रो. सुधांशु भूषण — सदस्य
    प्रोफेसर
    उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
    नीपा, नई दिल्ली

12. प्रो. प्रणति पंडा — सदस्य
    प्रोफेसर
    विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग
    नीपा, नई दिल्ली

13. प्रो. कुमार सुरेश — सदस्य
    प्रोफेसर
    शैक्षिक प्रशासन विभाग
    नीपा, नई दिल्ली

14. प्रो. के. बिस्वाल — सदस्य
    प्रोफेसर
    शैक्षिक योजना विभाग
    नीपा, नई दिल्ली

15. प्रो. नीरू स्नेही — सदस्य
    प्रोफेसर
    उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
    नीपा, नई दिल्ली

16. प्रो. मनीषा प्रियम — सदस्य
    प्रोफेसर (विराम अवकाश पर)
    शैक्षिक नीति विभाग
    नीपा, नई दिल्ली

17. प्रो. रश्मिता दास स्वाँइ — सदस्य
    प्रोफेसर
    विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग
    नीपा, नई दिल्ली

18. प्रो. पी.के. मिश्र — सदस्य
    प्रोफेसर एवं निदेशक
    उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र
    नीपा, नई दिल्ली

19 से 21 संस्थान से बाहर के तीन प्रख्यात विशेषज्ञ

19. प्रो. सरोज शर्मा — सदस्य
    प्रोफेसर एवं डीन
    शिक्षा स्कूल विश्वविद्यालय
    जी.जी.एस. इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय
    सेक्टर– 18, सी–द्वारका
    दिल्ली– 110078

20. प्रो. सुधाकर वेणुकपाली — सदस्य
    वरिष्ठ प्रोफेसर (मानद),
    विभागाध्यक्ष
    शैक्षिक एवं विकास अध्ययन संस्थान (आई.ई.डी.एस)
    एफ10डी, डी.डी.ए फ्लैटस,
    मुनिरका, नई दिल्ली– 110067

21. डॉ. श्रृषि गोयल — सदस्य
    निदेशक
    शिक्षक शिक्षा में उन्नत अध्ययन राज्य संस्थान
    डाईट भवन, एस.सी.ई.आर.टी, हरियाणा कैम्पस,
    पंचायत भवन के सामने,
    गुरूग्राम– 122001, हरियाणा

22 से 23 कुलपति द्वारा मनोनीत दो सह–प्रोफेसर

22. डॉ. सांत्वना जी. मिश्रा — सदस्य
    सह–प्रोफेसर
    शैक्षिक योजना विभाग
    नीपा, नई दिल्ली

23. डॉ. परिपल्ली शंकर — सदस्य
    सह–प्रोफेसर
    शैक्षिक वित्त विभाग
    नीपा, नई दिल्ली

24 से 25 कुलपति द्वारा मनोनीत दो सहायक प्रोफेसर

24. श्री ए.एन. रेड्डी — सदस्य
सहायक प्रोफेसर
विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग
नीपा, नई दिल्ली

25. डॉ. एन.के. मोहंती — सदस्य
सहायक प्रोफेसर
शैक्षिक योजना विभाग
नीपा, नई दिल्ली

26 से 28 तीन व्यक्तियों को उनके विशिष्ट ज्ञान के लिए चयनित

26. डॉ. अनीश गुप्ता — सदस्य
सहायक प्रोफेसर
अर्थशास्त्र विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय
दिल्ली– 110007

27. प्रो. सत्य भूषण दाश — सदस्य
अध्यक्ष
सेंटर फॉर मार्केटिंग इन इमरजिंग इकोनोमिस
भारतीय प्रबंधन संस्थान
लखनऊ– 226013
उत्तर प्रदेश

28. प्रो. आर.सी. पटेल — सदस्य
कुलपति
भारतीय शिक्षक शिक्षा संस्थान
भूतपूर्व डीन एवं अध्यक्ष
उन्नत्त शिक्षा अध्ययन संस्थान
एम.एस विश्वविद्यालय बड़ौदा
22, मधुर मिलन सोसायटी, हरिओम नगर
के पास, हाई टेंशन रोड, एलौरा पार्क
वड़ोदरा– 390023

परीक्षा नियंत्रक

29. प्रो. आरती श्रीवास्तव — स्थायी आमंत्रित
प्रोफेसर
उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
नीपा, नई दिल्ली

कुलसचिव, नीपा

30. डॉ. (मानद) सूर्य नारायण मिश्र — पदेन सचिव
कुलसचिव
नीपा, नई दिल्ली

परिशिष्ट IV

अध्ययन बोर्ड के सदस्य

(31 मार्च, 2025 के अनुसार)

अध्यक्ष

1. प्रो. शशिकला जी. वंजारी — अध्यक्ष
   कुलपति
   नीपा, नई दिल्ली

डीन (अकादमिक और अनुसंधान)

2. प्रो. ए.के. सिंह — सदस्य
   प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
   शैक्षिक नीति विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

3 से 18 विभागाध्यक्ष और संकाय/विभाग के सभी प्रोफेसर

3. प्रो. ए.के. सिंह — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक नीति विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

4. प्रो. मोना खरे — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक वित्त विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

5. प्रो. विनीता सिरोही — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक प्रशासन विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

6. प्रो. के. श्रीनिवास — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष,
   आईसीटी एवं पीएमयू
   नीपा, नई दिल्ली

7. प्रो. पी. गीता रानी — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक योजना विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

8. प्रो. मधुमिता बंद्योपाध्याय — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

9. प्रो. आरती श्रीवास्तव — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

10. प्रो. नीरू स्नेही — सदस्य
    प्रोफेसर एवं अध्यक्ष (प्रभारी)
    शिक्षा में प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक विकास विभाग
    नीपा, नई दिल्ली

11. प्रो. सुधांशु भूषण — सदस्य
प्रोफेसर
उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
नीपा, नई दिल्ली

12. प्रो. प्रणति पंडा — सदस्य
प्रोफेसर
विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग
नीपा, नई दिल्ली

13. प्रो. कुमार सुरेश — सदस्य
प्रोफेसर
शैक्षिक प्रशासन विभाग
नीपा, नई दिल्ली

14. प्रो. के. बिस्वाल — सदस्य
प्रोफेसर
शैक्षिक योजना विभाग
नीपा, नई दिल्ली

15. प्रो. नीरू स्नेही — सदस्य
प्रोफेसर
उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
नीपा, नई दिल्ली

16. प्रो. मनीषा प्रियम — सदस्य
प्रोफेसर (विराम अवकाश पर)
शैक्षिक नीति विभाग
नीपा, नई दिल्ली

17. प्रो. रस्मिता दास स्वाँइ — सदस्य
प्रोफेसर
विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग
नीपा, नई दिल्ली

18. प्रो. पी.के. मिश्र — सदस्य
प्रोफेसर एवं निदेशक
उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र
नीपा, नई दिल्ली

19–20 कुलपति द्वारा मनोनीत दो सह–प्रोफेसर

19. डॉ. सांत्वना जी मिश्रा — सदस्य
सह–प्रोफेसर
शैक्षिक योजना विभाग
नीपा, नई दिल्ली

20. डॉ. परिपल्ली शंकर — सदस्य
सह–प्रोफेसर
शैक्षिक वित्त विभाग
नीपा, नई दिल्ली

21–22 कुलपति द्वारा मनोनीत दो सहायक प्रोफेसर

21. डॉ. एन.के. मोहंती — सदस्य
सहायक प्रोफेसर
शैक्षिक योजना विभाग
नीपा, नई दिल्ली

22. डॉ. मोना सेदवाल — सदस्य
सहायक प्रोफेसर
शिक्षा में प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक विकास विभाग
नीपा, नई दिल्ली

23–24 दो सदस्यों को उनके विशिष्ट ज्ञान के लिए चयनित

23. प्रो. विजीता सिंह अग्रवाल — सदस्य
यूनिवर्सीटी स्कूल ऑफ मैनेजमैन्ट स्टडीज़, जी.जी.एस., इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय,
एन–12, द्वितीय तल, ग्रेटर कैलाश, पार्ट–I,
नई दिल्ली– 110048

24. प्रो. मालती दुरईसामी — सदस्य
सेवानिवृत्त प्रोफेसर (अर्थशास्त्र)
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
चेन्नई– 600036

परीक्षा नियंत्रक

25. प्रो. आरती श्रीवास्तव — स्थायी आमंत्रित
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
नीपा, नई दिल्ली

परिशिष्ट V

योजना और निगरानी बोर्ड के सदस्य

(31 मार्च, 2025 के अनुसार)

अध्यक्ष

1. प्रो. शशिकला जी. वंजारी — अध्यक्ष
   कुलपति,
   नीपा, नई दिल्ली

2 से 9 सभी विभागों के विभागाध्यक्ष

2. प्रो. ए.के. सिंह — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक नीति विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

3. प्रो. मोना खरे — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक वित्त विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

4. प्रो. विनीता सिरोही — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक प्रशासन विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

5. प्रो. के. श्रीनिवास — सदस्य
   प्रोफेसर
   आईसीटी, पीएमयू, अध्यक्ष
   नीपा, नई दिल्ली

6. प्रो. पी. गीता रानी — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक योजना विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

7. प्रो. मधुमिता बंद्योपाध्याय — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

8. प्रो. आरती श्रीवास्तव — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

9. प्रो. नीरू स्नेही — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष (प्रभारी)
   शिक्षा में प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक विकास विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

10 से 12 संस्थान के बाहर के तीन प्रख्यात विशेषज्ञ

10. प्रो. पीयुष प्रताप सिंह — सदस्य
    प्रोफेसर
    स्कूल ऑफ कंप्यूटर एंड सिस्टम साइन्सेस,
    कमरा नं. 204–बी
    जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय,
    नई महरौली रोड, नई दिल्ली

11. प्रो. प्रशांत गुप्ता — सदस्य
    प्रोफेसर
    भारतीय प्रबंधन संस्थान (आई.आई.एम)
    प्लॉट नं. 1, सेक्टर– 20,
    मिहान (गैर–एसईजेड),
    नागपुर– 411108

12. प्रो. मधुसूदन जे.वी — सदस्य
    सह–प्रोफेसर
    शिक्षा तथा शिक्षा प्रौद्योगिकी विभाग
    (डी.ओ.ई.ई.टी),
    स्कूल ऑफ सोशल साइंस,
    हैदराबाद विश्वविद्यालय,
    तेलंगाना– 500046

कुलसचिव, नीपा

13. डॉ. (मानद) सूर्य नारायण मिश्र — सचिव
    कुलसचिव
    नीपा, नई दिल्ली

परिशिष्ट VI

संकाय और प्रशासनिक स्टाफ

(31 मार्च, 2025 के अनुसार)

कुलपति

प्रो. शशिकला जी. वंजारी

शैक्षिक योजना विभाग

के. बिस्वाल, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष (28.05.2024 तक)

पी. गीता रानी, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष (29.05.2024 से)

सांत्वना जी. मिश्रा, सह–प्रोफेसर

एन.के. मोहंती, सहायक प्रोफेसर

सुमन नेगी, सहायक प्रोफेसर

शैक्षिक प्रशासन विभाग

कुमार सुरेश, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष (28.05.2024 तक)

विनीता सिरोही, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष (29.05.2024 से)

अन्शू श्रीवास्तव, सह–प्रोफेसर

वी. सुचरिता, सहायक प्रोफेसर

शैक्षिक वित्त विभाग

मोना खरे, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष

वेटुकुरी पी.एस. राजू, सहायक प्रोफेसर (ग्रहणाधिकार पर)

गरिमा मलिक, सहायक प्रोफेसर (12.02.2025 से)

शैक्षिक नीति विभाग

अविनाश के. सिंह, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष,

वीरा गुप्ता, प्रोफेसर (ग्रहणाधिकार पर),

मनीषा प्रियम, प्रोफेसर, (विराम अवकाश पर 01.04.2024 से 31.03.2025 तक)

परिपल्ली शंकर, सह–प्रोफेसर (05.11.2024 से)

एस.के. मलिक, सहायक प्रोफेसर (28.02.2025 को सेवानिवृत्त)

कश्यपी अवस्थी, सहायक प्रोफेसर

विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग

प्रणति पंडा, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष (28.05.2024 तक)

मधुमिता बंद्योपाध्याय, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष (29.05.2024 से)

रस्मिता दास स्वाँइ, प्रोफेसर

अमित गौतम, सह–प्रोफेसर

ए.एन. रेड्डी, सहायक प्रोफेसर

उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग

सुधांशु भूषण, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष (08.04.2024 तक) (09.04.2024 से 30.03.2025 तक विराम अवकाश पर)

आरती श्रीवास्तव, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष (09.04.2024 से)

नीरू स्नेही, प्रोफेसर

संगीता अंगोम, सह–प्रोफेसर

शिवकुमार कांडेकर, सहायक प्रोफेसर (12.02.2025 से)

शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली विभाग

शिक्षा में प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक विकास विभाग

विनीता सिरोही, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष (प्रभारी) (28.05.2024 तक)

नीरू स्नेही, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष (प्रभारी) (29.05.2024 से)

मोना सेदवाल, सहायक प्रोफेसर

धर्म रक्षित गौतम, सहायक प्रोफेसर (12.02.2025 से)

राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र

शशिकला जी. वंजारी, अध्यक्ष

सांत्वना जी. मिश्रा, प्रभारी

चारू स्मिता मलिक, सहायक प्रोफेसर

शादमा अबसार, सहायक प्रोफेसर

ग्यानेशवरी लोंगजाम, सहायक प्रोफेसर (01.05.2024 को नियुक्ति)

शिवकुमार कांडेकर, सहायक प्रोफेसर (11.02.2025 को त्यागपत्र)

तृप्ति सिंह, सहायक प्रोफेसर (01.05.2024 को नियुक्ति)

नीता शर्मा, सहायक प्रोफेसर (01.05.2024 से 05.09.2024 तक)

उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र

प्रदीप कुमार मिश्र, प्रोफेसर एवं निदेशक

निधि सदाना सभरवाल, सह–प्रोफेसर (11.03.2025 को त्यागपत्र)

गरिमा मलिक, सहायक प्रोफेसर (11.02.2025 को त्यागपत्र)

योगेश पहाड़िया, सहायक प्रोफेसर (18.04.2024 से 17.03.2025 तक)

नीलांजना मोईत्रा, सहायक प्रोफेसर (19.04.2024 से 18.03.2025 तक)

प्रियंका यादव, सहायक प्रोफेसर (19.04.2024 से 18.03.2025 तक)

बोस्की सिंह, सहायक प्रोफेसर (22.04.2024 से 21.03.2025 तक)

आईसीटी एवं परियोजना प्रबंधन एकक (पीएमयू)

के. श्रीनिवास, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष

राष्ट्रीय अध्येता

संतोष पंडा

निधि सदाना सभरवाल

प्रशासनिक और अकादमिक सहयोग

कुलसचिव
निशांत सिन्हा, कुलसचिव (प्रभारी)
(05.08.2024 तक)
सूर्य नारायण मिश्र (06.08.2024 से)

प्रशासनिक अधिकारी
सतीश कुमार, प्रशासनिक अधिकारी (प्रभारी)
(15.07.2024 तक),
अंकित वर्मा (16.07.2024 से)

सामान्य प्रशासन अनुभाग
सतीश कुमार, अनुभाग अधिकारी

स्थापना अनुभाग
भारतभूषण जैन, अनुभाग अधिकारी

वित्त एवं लेखा अनुभाग
निशांत सिन्हा, वित्त अधिकारी
कमल कुमार गुप्ता, अनुभाग अधिकारी

छात्र अनुभाग
सोनम आनंद सागर, अनुभाग अधिकारी

प्रकाशन एकक
अमित सिंघल, उप प्रकाशन अधिकारी

हिंदी कक्ष
रवि प्रकाश सिंह, हिंदी संपादक

पुस्तकालय तथा प्रलेखन केंद्र
पूजा सिंह, पुस्तकालयाध्यक्षा
डी.एस. ठाकुर, प्रलेखन अधिकारी
(28.02.2025 को सेवानिवृत्त)

कंप्यूटर केंद्र
के. श्रीनिवास, अध्यक्ष
चन्द्रा कुमार एम.जे., सिस्टम एनालिस्ट

छात्रावास
पूजा सिंह, महिला हॉस्टल वार्डन

वार्षिक लेखा

2024-25

VII

तुलन पत्र

31 मार्च 2025 तक

(राशि ₹ में)

निधि के स्रोत/देयताएं	अनुसूची	चालू वर्ष	विगत वर्ष
निधि/पूंजीकृत निधि	1	(1,07,95,28,414)	(1,29,53,54,800)
नामित निर्धारित / बंदोबस्ती निधि	2	-	-
मौजूदा देनदारियां एवं प्रावधान	3	1,86,45,81,322	2,00,02,29,221
योग		**78,50,52,907**	**70,48,74,421**
स्थायी परिसंपत्तियां	4	37,10,72,498	27,55,67,779
अचल संपत्तियां – योजनेतर		36,43,68,895	26,91,26,302
अचल संपत्तियां – गैर योजनेतर		-	-
अचल संपत्तियां – अमूर्त आस्तियाँ		50,75,931	51,16,839
अचल संपत्तियां – पेटेंट और कॉपीराइट्स		-	-
अचल संपत्तियां – अन्य (प्रायोजित परियोजनाएं)		16,27,672	13,24,638
निर्धारित/बंदोबस्ती निधि से निवेश	5	-	-
अन्य निवेश	6	-	-
चालू परिसंपत्तियां	7	25,19,16,645	26,27,04,165
ऋण, अग्रिम एवं जमा राशियां	8	16,20,63,765	16,66,02,477
योग		**78,50,52,907**	**70,48,74,421**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	23		
आकस्मिक देयताएं और लेखा पर टिप्पणियां	24		

ह./–	ह./–	ह./–
(डॉ. निशांत सिन्हा)	**(डॉ. (मानद) सूर्य नारायण मिश्र)**	**(प्रो.शशिकला वंजारी)**
वित्त अधिकारी	कुलसचिव	कुलपति

आय और व्यय लेखा

31 मार्च 2025 तक

(राशि ₹ में)

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष	विगत वर्ष
अ. आय			
अकादमिक प्राप्तियां	9	26,36,979	23,04,461
अनुदान/सब्सिडी	10	45,20,17,465	45,29,60,269
निवेश से आय	11	-	-
अर्जित ब्याज	12	79,72,798	78,22,295
अन्य आय	13	1,39,07,933	1,06,88,848
पूर्वावधि आय	14	7,25,496	8,50,580
योग (अ)		47,72,60,671	47,46,26,453
ब. व्यय			
कर्मचारियों को भुगतान और लाभ (स्थापना व्यय)	15	20,99,31,535	44,04,58,587
अकादमिक व्यय	16	6,95,32,910	10,01,43,407
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	17	4,67,38,832	4,04,83,070
परिवहन व्यय	18	10,48,517	8,75,315
मरम्मत एवं रखरखाव	19	2,67,18,352	3,40,62,977
वित्तीय लागत	20	-	-
मूल्यह्रास	4	1,55,57,513	1,44,71,359
अन्य व्यय	21	-	-
पूर्वावधि व्यय	22	34,14,133	40,44,611
योग (ब)		**37,29,41,793**	**63,45,39,326**
पूंजी निधि में हो रहे अधिशेष/(घाटा)		**10,43,18,878**	**(15,99,12,873)**

ह./–	ह./–	ह./–
(डॉ. निशांत सिन्हा)	**(डॉ. (मानद) सूर्य नारायण मिश्र)**	**(प्रो.शशिकला वंजारी)**
वित्त अधिकारी	कुलसचिव	कुलपति

अनुसूची 1 से 5

31 मार्च 2025 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में

अनुसूची 1

कोष/पूँजी निधि

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2024–25)	विगत वर्ष (2023–24)
वर्ष के प्रारंभ में शेष	(1,29,53,54,800)	(1,22,89,77,280)
जोड़करः कोष/पूंजीगत निधि में योगदान	11,14,02,897	7,90,96,152
जोड़करः उपहार/दान में प्राप्त आस्तियां	12	12,449
जोड़करः अनुप्रयुक्त अनुदान वापसी	-	1,40,06,917
जोड़करः प्रयोजित परियोजना निधि से खरीदी गई आस्तियां	5,67,843	6,93,284
घटाकरः प्रयोजित परियोजना निधि से खरीदी गई आस्तियां पर मूल्यह्रास	(2,64,809)	(2,73,448)
घटाकरः डब्ल्यूडीवी उपहार पुस्तकें	(1,98,436)	-
जोड़करः आय और व्यय खाते से स्थानांतरित व्यय से अधिक आय	10,43,18,878	-
योग	**(1,07,95,28,414)**	**(1,13,54,41,926)**
घटाकरः आय और व्यय खाते से अंतरित घाटा	-	15,99,12,873
वर्ष के अंत में शेष	**(1,07,95,28,414)**	**(1,29,53,54,800)**

अनुसूची 2

नामित निर्धारित/बंदोबस्ती निधि

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2024–25)	विगत वर्ष (2023–24)
–शून्य–		
योग	-	-

अनुसूची 3

वर्तमान देनदारियां और प्रावधान

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2024–25)	विगत वर्ष (2023–24)
अ. वर्तमान देनदारियां		
प्रतिभूति सुरक्षा राशि	18,81,513	10,18,973
पत्रिकाओं की सदस्यता शुल्क (अग्रिम)	4,130	99,490
बकाया देयता	1,72,80,719	1,11,21,080
स्थापना व्यय देय	42,06,636	44,72,218
शिक्षा मंत्रालय को देय ब्याज/विशिष्ट परियोजना अनुदान	24,63,696	12,99,564
प्रायोजित परियोजना की प्राप्तियां (कुल व्यय)	6,06,26,689	4,40,90,277
अग्रिम में प्राप्त आय (वर्ष 2024–25 का अप्रयुक्त अनुदान)	12,39,23,176	18,58,85,538
योग (अ)	**21,03,86,560**	**24,79,87,141**
ब. प्रावधान		
पेंशन	1,41,44,13,287	1,48,42,18,567
उपदान	8,95,18,703	9,33,52,827
अवकाश नकदीकरण	8,54,51,304	8,68,32,413
व्यय के लिए प्रावधान	6,48,11,468	8,78,38,273
योग (ब)	**1,65,41,94,762**	**1,75,22,42,080**
योग (अ+ब)	**1,86,45,81,322**	**2,00,02,29,221**

अनुसूची 3(अ)
प्रायोजित परियोजना

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	परियोजना का नाम	प्रारंभिक जमा निकासी	प्रारंभिक जमा जमा	वर्ष के दौरान अनुदान प्राप्ति	वर्ष के दौरान अन्य प्राप्तियां	कुल	वर्ष के दौरान व्यय	जमा शेष निकासी	जमा शेष जमा
1	2	3	4	5		6	7	8	9
1	शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा) – (विदेश मंत्रालय)	-	1,08,40,444	54,72,021	-	1,63,12,465	69,18,008	-	93,94,457
2	शैक्षिक प्रशासकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम – (विदेश मंत्रालय)	-	7,52,140	28,01,182	-	35,53,322	18,53,921	-	16,99,401
3	शैक्षिक प्रशासकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम म्यांमार – (विदेश मंत्रालय)	-	10,30,341	-	-	10,30,341	9,44,000	-	86,341
4	संस्थागत योजना एवं प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम– (विदेश मंत्रालय)	-	12,60,000	-	-	12,60,000	-	-	12,60,000
5	शैक्षिक प्रशासकों के लिए संस्थागत योजना एवं प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम कंबोडिया – (विदेश मंत्रालय)		2,52,000	-	-	2,52,000	-	-	2,52,000
6	अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक योजना संस्थान – (यूनेस्को)	-	41,54,053	-	-	41,54,053	-	-	41,54,053
7	शिक्षा के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम – (श्रीलंका)	-	7,79,234	-	-	7,79,234	-	-	7,79,234
8	एडसिल द्वारा 14 राज्यों में सर्व शिक्षा अभियान के संदर्भ में स्कूल प्रबंधन तथा पर्यवेक्षण में ग्रा.शि.स./ डी.टी.ए./एस.एम.डी.सी./ नगरीय निकायों की भूमिका का अध्ययन	-	5,63,371	-	-	5,63,371	-	-	5,63,371
9	बचत खाता पर ब्याज	-	1,40,11,213	-	-	1,40,11,213	-	-	1,40,11,213
10	माध्यमिक शिक्षा प्रबंधन सूचना प्रणाली – (शिक्षा मंत्रालय)	-	5,03,573	-	-	5,03,573	-	-	5,03,573
11	समग्र शिक्षा (एनसीएसएल)	37,03,864	-	4,46,19,000	-	4,09,15,136	2,65,05,209		1,44,09,927
12	राष्ट्रीय शिक्षा संसाधन केंद्र – (पीएमएमएमएनटीटी)	14,58,107	-	14,58,107	-	-	-	-	-

13	लीप कार्यक्रम – (पीएमएमएमएनटीटी)	-	-	1,26,99,136	-	1,26,99,136	1,26,99,136	-	-
14	एनवीएस – (मॉड्यूल एवं कार्यशाला)	-	7,84,672	-	-	7,84,672	-	-	7,84,672
15	विविधता, भेदभाव और असमानताओं से निपटनाः नागरिक शिक्षा, लोकतांत्रिक कार्रवाई और नागरिकता के प्रदर्शन हेतु उच्च शिक्षा में सुधार	-	11,90,170	-	-	11,90,170	-	-	11,90,170
16	भारत में उच्च शिक्षा तक पहुंच का विस्तार	-	17,74,768	26,72,125	-	44,46,893	11,24,115	-	33,22,778
17	ल्यूमिना फाउंडेशन	-	-	4,95,981	-	4,95,981	4,46,179	-	49,802
18	शिक्षा और प्रौद्योगिकी हेतु लैंगिक और पहुंच	-	8,613	-	-	8,613	6,000	-	2,613
19	चुनिंदा भारतीय राज्यों में विशिष्ट ऑस्ट्रेलियाई व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण की माँग का आकलन	-	27,23,405	-	-	27,23,405	2,50,000	-	24,73,405
20	यूजीसी की योजना का प्रभाव विश्लेषण	-	8,96,000	13,44,000	-	22,40,000	3,20,551	-	19,19,449
21	एमएमटीटीपी	-	33,239	52,95,700	-	53,28,939	53,28,939	-	-
22	एनसीआईएसएम कार्यक्रम	-	21,46,091	42,00,000	-	63,46,091	29,62,811	-	33,83,280
23	केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के शैक्षणिक प्रशासकों के लिए प्रशिक्षण–सह–क्षमता विकास कार्यक्रम	-	3,86,950	-	-	3,86,950	-	-	3,86,950
	योग	**51,61,971**	**4,40,90,277**	**8,10,57,258**	**-**	**11,99,85,558**	**5,93,58,869**	**-**	**6,06,26,689**

अनुसूची 3(ब)

प्रायोजित फेलोशिप एवं अध्येतावृत्तियां

(राशि ₹ में)

विवरण	01.04.2024 को खुला	वर्ष के दौरान लेन–देन	31.03.2025 को समाप्त
शून्य			
योग	-	-	-

अनुसूची 3 (स)

शिक्षा मंत्रालय से प्राप्त अनुप्रयुक्त अनुदान

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2024–25)	विगत वर्ष (2023–24)
अ. योजना अनुदान शिक्षा मंत्रालय		
शेष राशि अग्रानीत	18,58,85,538	9,24,48,876
जमाः वर्ष के दौरान प्राप्तियां (अनुदान)	50,14,58,000	63,95,00,000
जमाः पिछले वर्षों का अनुप्रयुक्त अनुदान पुनः बहाल	-	(1,40,06,917)
योग (अ)	**68,73,43,538**	**71,79,41,959**
घटाकरः राजस्व व्यय के लिए उपयोग	45,20,17,465	45,29,60,269
घटाकरः पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग	11,14,02,897	7,90,96,152
योग (ब)	**56,34,20,362**	**53,20,56,421**
अनप्रयुक्त अग्रानीत (अ–ब)	**12,39,23,176**	**18,58,85,538**
ब. अनुदान योजनेतर शिक्षा मंत्रालय		
शेष राशि अग्रेनीत	-	-
जोड़करः वर्ष के दौरान प्राप्तियां (अनुदान)	-	-
योग (स)	-	-
घटाकरः राजस्व व्यय के लिए उपयोग	-	-
घटाकरः पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग	-	-
योग (द)	-	-
अनप्रयुक्त अग्रानीत (स–द)	-	-
महायोग (1+2)	**12,39,23,176**	**18,58,85,538**

अनुसूची 4

अचल संपत्तियां

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	आस्तियां शीर्ष	मूल्यह्रास की दर	सकल ब्लॉक				वर्ष 2024–25 के लिए मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक
			अथ शेष	वर्ष के दौरान जमा	कटौती	जमा शेष	मूल्यह्रास अथ शेष	परिवर्धन पर वर्ष के दौरान मूल्यह्रास	कटौती/ समायोजन	कुल मूल्यह्रास	31.03.2025
1	भूमि	0%	23,07,892	-	-	23,07,892	-	-	-	-	23,07,892
2	भवन	2%	10,77,29,274	-	-	10,77,29,274	21,54,585	-	-	21,54,585	10,55,74,689
3	कार्यालय उपकरण	7.50%	1,43,00,141	79,25,530	-	2,22,25,671	10,72,511	5,94,415	-	16,66,926	2,05,58,745
4	कम्प्यूटर और उपकरण	20%	1,14,32,296	88,65,755	-	2,02,98,051	22,86,459	17,73,151	-	40,59,610	1,62,38,441
5	फर्नीचर और फिक्सर	7.50%	98,90,646	2,60,614	-	1,01,51,260	7,41,798	19,546	-	7,61,344	93,89,916
6	वाहन*	10%	21,54,705	-	4,44,175	17,10,530	1,71,053	-	(44,417)	1,26,636	15,83,894
7	पुस्तकालय पुस्तकें**	10%	54,65,945	25,636	1,99,536	52,92,045	5,26,080	2,562	-	5,28,642	47,63,403
8	पत्रिकायें	10%	2,87,58,136	-	-	2,87,58,136	28,75,814	-	-	28,75,814	2,58,82,322
	योग (क)		**18,20,39,035**	**1,70,77,535**	**6,43,711**	**19,84,72,859**	**98,28,300**	**23,89,674**	**(44,417)**	**1,21,73,557**	**18,62,99,302**
1	भवन डब्ल्यूआईपी	0%	8,70,87,267	9,09,82,326	-	17,80,69,593	-	-	-	-	17,80,69,593
	योग (ख)		**8,70,87,267**	**9,09,82,326**	-	**17,80,69,593**	-	-	-	-	**17,80,69,593**
1	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	11,49,262	6,17,809	-	17,67,071	4,59,705	2,47,124	-	7,06,829	10,60,242
2	ई–जर्नल	40%	39,67,577	27,25,239	-	66,92,816	15,87,031	10,90,096	-	26,77,127	40,15,689
	योग (ग)		**51,16,839**	**33,43,048**	-	**84,59,887**	**20,46,736**	**13,37,220**	-	**33,83,956**	**50,75,931**
	महायोग (क+ख+ग)		**27,42,43,141**	**11,14,02,909**	**6,43,711**	**38,50,02,339**	**1,18,75,036**	**37,26,894**	**(44,417)**	**1,55,57,513**	**36,94,44,826**

*वाहनों का कब्जा नीपा के पास है, हालांकि परिवहन विभाग के साथ पंजीकरण नीपा के अनुभाग अधिकारी (सामान्य प्रशासन) के नाम पर है।

**पुस्तकालय की पुस्तकों में 1 रुपये पर पूंजीकृत 5628 रुपये मूल्य की उपहार में दी गई पुस्तकें शामिल हैं, जिन पर लेखांकन नीति के अनुसार मूल्यह्रास नहीं लगाया है।

अनुसूची 4 (अ)

अचल संपत्तियां – योजना

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	आस्तियां शीर्ष	मूल्यह्रास की दर	सकल ब्लॉक अथ शेष	सकल ब्लॉक वर्ष के दौरान जमा	सकल ब्लॉक कटौती	सकल ब्लॉक जमा शेष	मूल्यह्रास अथ शेष	वर्ष 2024–25 के लिए मूल्यह्रास परिवर्धन पर वर्ष के दौरान मूल्यह्रास	वर्ष 2024–25 के लिए मूल्यह्रास कटौती/समायोजन	वर्ष 2024–25 के लिए मूल्यह्रास कुल मूल्यह्रास	निवल ब्लॉक 31.03.2025
1	भूमि	0%	23,07,892			23,07,892	-	-	-	-	23,07,892
2	भवन	2%	10,77,29,274			10,77,29,274	21,54,585	-	-	21,54,585	10,55,74,689
3	कार्यालय उपकरण	7.50%	1,43,00,141	79,25,530		2,22,25,671	10,72,511	5,94,415	-	16,66,926	2,05,58,745
4	कम्प्यूटर और उपकरण	20%	1,14,32,296	88,65,755		2,02,98,051	22,86,459	17,73,151	-	40,59,610	1,62,38,441
5	फर्नीचर और फिक्सर	7.50%	98,90,646	2,60,614		1,01,51,260	7,41,798	19,546	-	7,61,344	93,89,916
6	वाहन	10%	21,54,705		4,44,175	17,10,530	1,71,053	-	(44,417)	1,26,636	15,83,894
7	पुस्तकालय पुस्तकें	10%	54,65,945	25,636	1,99,536	52,92,045	5,26,080	2,562	-	5,28,642	47,63,403
8	पत्रिकायें	10%	2,87,58,136			2,87,58,136	28,75,814	-	-	28,75,814	2,58,82,322
	योग (I)		**18,20,39,035**	**1,70,77,535**	**6,43,711**	**19,84,72,859**	**98,28,300**	**23,89,674**	**(44,417)**	**1,21,73,557**	**18,62,99,302**
1	भवन डब्ल्यूआईपी	0%	8,70,87,267	9,09,82,326	-	17,80,69,593	-	-	-	-	17,80,69,593
	योग (II)		**8,70,87,267**	**9,09,82,326**	-	**17,80,69,593**	-	-	-	-	**17,80,69,593**
	महायोग (अ = I+II)		**26,91,26,302**	**10,80,59,861**	**6,43,711**	**37,65,42,452**	**98,28,300**	**23,89,674**	**(44,417)**	**1,21,73,557**	**36,43,68,895**

*वाहनों का कब्जा नीपा के पास है, हालांकि परिवहन विभाग के साथ पंजीकरण नीपा के अनुभाग अधिकारी (सामान्य प्रशासन) के नाम पर है।

**पुस्तकालय की पुस्तकों में 1 रुपये पर पूंजीकृत 5628 रुपये मूल्य की उपहार में दी गई पुस्तकें शामिल हैं, जिन पर लेखांकन नीति के अनुसार मूल्यह्रास नहीं लगाया है।

अनुसूची 4 (ब)

अचल संपत्तियां – योजनेत्तर

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	आस्तियां शीर्ष	मूल्यह्रास की दर	सकल ब्लॉक				वर्ष के लिए मूल्यह्रास	वर्ष 2024–25 के लिए मूल्यह्रास			निवल ब्लॉक
			अथ शेष	वर्ष के दौरान जमा	कटौती	जमा शेष	मूल्यह्रास अथ शेष	परिवर्धन पर वर्ष के दौरान मूल्यह्रास	कटौती / समायोजन	कुल मूल्यह्रास	31.03.2025
				शून्य							
	योग (ब)										

अनुसूची 4 (स)

अचल संपत्तियां – अमूर्त संपत्ति

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	आस्तियां शीर्ष	मूल्यह्रास की दर	सकल ब्लॉक				वर्ष 2024–25 के लिए मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक
			अथ शेष	वर्ष के दौरान जमा	कटौती	जमा शेष	मूल्यह्रास अथ शेष	परिवर्धन पर वर्ष के दौरान मूल्यह्रास	कटौती / समायोजन	कुल मूल्यह्रास	31.03.2025
1	पेटेंट एवं कॉपीराइट		-	-	-	-	-	-	-	-	-
2	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	11,49,262	6,17,809	-	17,67,071	4,59,705	2,47,124	-	7,06,829	10,60,242
3	ई–जर्नल	40%	39,67,577	27,25,239	-	66,92,816	15,87,031	10,90,096	-	26,77,127	40,15,689
	योग (स)		**51,16,839**	**33,43,048**	**-**	**84,59,887**	**20,46,736**	**13,37,220**	**-**	**33,83,956**	**50,75,931**

अनुसूची 4 (स)(i)

अचल संपत्तियां – पेटेंट्स और कॉपीराइट्स

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	आस्तियां शीर्ष	मूल्यह्रास की दर	सकल ब्लॉक				वर्ष के लिए मूल्यह्रास	वर्ष 2024–25 के लिए मूल्यह्रास			निवल ब्लॉक
			अथ शेष	वर्ष के दौरान जमा	कटौती	जमा शेष	मूल्यह्रास अथ शेष	परिवर्धन पर वर्ष के दौरान मूल्यह्रास	कटौती/ समायोजन	कुल मूल्यह्रास	31.03.2025
1	पेटेंट एवं कॉपीराइट	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	योग (द)										

अनुसूची 4 (द)

अचल संपत्तियां – अन्य (प्रायोजित परियोजनाएं)

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	आस्तियां शीर्ष	मूल्यह्रास की दर	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास अथ शेष	वर्ष 2024–25 के लिए मूल्यह्रास			निवल ब्लॉक
			अथ शेष	वर्ष के दौरान जमा	कटौती	जमा शेष		परिवर्धन पर वर्ष के दौरान मूल्यह्रास	कटौती/ समायोजन	कुल मूल्यह्रास	31.03.2025
1	कंप्यूटर एवं बाह्य उपकरण*	20%	9,82,980		-	9,82,980	1,96,596	-	-	1,96,596	7,86,384
2	फर्नीचर फिक्सचर*	7.5%	2,40,982	5,67,843	-	8,08,825	18,074	42,588	-	60,662	7,48,163
3	कार्यालय उपकरण*	7.5%	1,00,676		-	1,00,676	7,551	-	-	7,551	93,125
	योग (ई)		**13,24,638**	**5,67,843**	**-**	**18,92,481**	**2,22,221**	**42,588**	**-**	**2,64,809**	**16,27,672**

*प्रायोजित परियोजनाओं में खरीदी गई संपत्ति का पूंजीकरण उसी दिन किया जाता है, जिस दिन उन्हें खरीदा जाता है।

**प्रायोजित परियोजनाओं के माध्यम से खरीदी गई अचल संपत्ति 'प्रायोजित परियोजनाओं' के प्रतिकूल 'प्राप्तियों' शीर्ष में वर्तमान देयताओं के अंतर्गत दर्शाय गई है। इस परिसंपत्ति पर मूल्यह्रास को उसी के विरूद्ध समायोजित किया जाता है। पिछले वर्ष के आंकडों को तद्नुसार पूनःसमूहित किया गया है।

अनुसूची 5

निर्धारित/बंदोबस्ती निधि से निवेश

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2024–25)	विगत वर्ष (2023–24)
		–शून्य–	
	योग		

अनुसूची 6

निवेश अन्य

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2024–25)	विगत वर्ष (2023–24)
		–शून्य–	
	योग		

अनुसूची 7

चालू परिसम्पत्तियां

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2024–25)	विगत वर्ष (2023–24)
	1. स्टॉक		
1.	हस्तगत प्रकाशन	7,26,526	7,19,280
2.	वस्तुसूची	15,81,720	7,76,315
	2. नकदी एवं बैंक बचत		
1.	बैंक बचत (चालू खाता)	3,21,46,001	1,41,39,941
2.	बैंक बचत (बचत खाता)	21,39,17,786	24,37,06,250
3.	बैंक में सावधि जमा	35,38,371	33,29,546
4.	हस्तगत डाक टिकट	6,240	32,833
	योग	**25,19,16,645**	**26,27,04,165**

बैंक खातों में शेष राशि

31 मार्च 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के अनुसार

(राशि ₹ में)

क्र.सं.	बैंक खाते	चालू वर्ष (2024–25)	विगत वर्ष (2023–24)
I	**बचत बैंक खाते**		
1	भारतीय स्टेट बैंक (10137881320)	9,16,07,030	13,60,37,854
2	केनरा बैंक (913920210001112)	-	84,34,376
3	केनरा बैंक (91392010001092)	3,78,72,817	3,57,76,195
4	केनरा बैंक (91392010001108)	2,67,25,711	2,56,34,740
5	केनरा बैंक (110159624478)	-	25,766
6	भारतीय स्टेट बैंक (41843012285)	5,77,12,228	3,77,97,319
II	**चालू खाते**		
1	भारतीय स्टेट बैंक (34778757702)	3,21,46,001	1,41,39,941
III	**अनुसूचित बैंकों में सावधि जमा**		
1	भारतीय स्टेट बैंक में सावधि जमा	35,38,371	33,29,546
	योग	**24,96,02,158**	**26,11,75,737**

अनुसूची 8

ऋण, अग्रिम और जमा

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2024–25)	विगत वर्ष (2023–24)
	1. कर्मचारियों को अग्रिम (गैर–ब्याज)		
1.	त्यौहार अग्रिम	-	-
	2. कर्मचारियों को दीर्घावधि के लिए अग्रिम (ब्याज)		
1	मोटर कार	-	-
2	कम्प्यूटर अग्रिम	-	-
3	स्कूटर अग्रिम	-	-
	3. अग्रिम और नकद मूल्य या वस्तु के रूप में वसूली योग्य अन्य राशियां		
1	पूंजीगत खाता पर	7,44,58,819	6,82,61,744
2	संकाय/स्टाफ के लिए विविध अग्रिम	60,616	24,73,071
3	चिकित्सा अग्रिम	11,18,417	72,000
4	सीपीडब्ल्यूडी–सिविल/इलेक्ट्रिकल	5,73,89,037	6,69,68,160
5	संकाय को यात्रा भत्ता अग्रिम	-	20,000
6	टीडीएस पुर्नप्राप्ति	1,20,78,022	88,53,890
7	कर्मचारियों/पेंशनभोगियों से वसूली योग्य बकाया	11,13,169	3,09,591
	4. पूर्व भुगतान व्यय		
1.	बीमा	28,431	28,958
2.	अन्य व्यय	5,69,098	10,55,024
	5. जमा		
1.	एल.पी. गैस	77,349	77,349
2.	जल मीटर	1,650	1,650
3.	विद्युत	17,500	17,500
4.	अन्य	14,83,800	14,83,800
5.	पेंशनभोगियों के सेवार्थ एस.बी.आई.	1,07,19,673	1,00,00,000
	6. प्रोद्भूत आय		
1	ऋण एवं अग्रिम	-	-
2	बैंक जमा पर	29,48,185	18,17,770
	7. अन्य – यूजीसी/प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्य वर्तमान परिसंपत्तियां		
1.	प्रायोजित परियोजनाएं में शेष ऋण	-	51,61,971
	योग	**16,20,63,765**	**16,66,02,477**

अनुसूची 9

शैक्षणिक प्राप्तियां

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2024–25)	विगत वर्ष (2023–24)
	छात्रों से शुल्क		
	शैक्षणिक		
1.	छात्र शुल्क	16,10,580	20,45,571
	योग (क)	16,10,580	20,45,571
	बिक्री		
1.	प्रकाशन बिक्री	1,01,658	1,28,890
2.	प्रास्पैक्टस की बिक्री	64,507	-
	योग (ख)	**1,66,165**	**1,28,890**
	अन्य अकादमिक प्राप्तियां		
1	कार्यशालाओं एवं कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण शुल्क	8,60,234	1,30,000
	योग (ग)	8,60,234	1,30,000
	महायोग (क+ख+ग)	**26,36,979**	**23,04,461**

अनुसूची 10

अनुदान/सब्सिडी (प्राप्त अशोध्य अनुदान)

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2024–25)	विगत वर्ष (2023–24)
शेष अग्रानीत	18,58,85,538	2,91,60,442
जोड़करः वर्ष के दौरान प्राप्तियां	50,14,58,000	63,95,00,000
जोड़करः अनुप्रयुक्त अनुदान समायोजन	-	4,92,81,517
योग	**68,73,43,538**	**71,79,41,959**
घटाकरः परिसंपत्तियों के प्रयोग पर व्यय (अ)	11,14,02,897	7,90,96,152
शेष	**57,59,40,641**	**63,88,45,807**
घटाकरः परिसंपत्तियों के प्रयोग पर मुद्रा व्यय (ब)	45,20,17,465	45,29,60,269
शेष अग्रानीत (अ–ब)	**12,39,23,176**	**18,58,85,538**

अनुसूची 11

निवेश से आय

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2024–25)	विगत वर्ष (2023–24)
	–शून्य–		
	योग		

अनुसूची 12

अर्जित ब्याज

(राशि ₹ में)

क्र. सं.		विवरण	चालू वर्ष (2024–25)	विगत वर्ष (2023–24)
अ		**अनूसूचित बैंकों में बचत खातों पर**		
	1	केनरा बैंक (91392010001112)	11,253	3,663
	2	अतिरिक्त प्रशासनिक निधि (91392010001108)	15,40,382	12,51,432
	3	छात्रावास (91392010005365)	-	-
	4	केनरा बैंक (91392010001092)	23,62,396	50,82,537
	5	भारतीय स्टेट बैंक (41843012285)	10,58,029	7,22,853
	6	भारतीय स्टेट बैंक (10137881320)	2,40,263	28,590
	7	भारतीय स्टेट बैंक (34778757702)	15,42,207	-
ब		**पैनल ब्याज**		
	1	एलटीसी अग्रिम	14,016	-
स		**अन्य ब्याज**		
	1	आयकर से वापस निधि	4,24,410	-
	2	सुरक्षा जमा पर ब्याज	7,79,842	7,33,220
		योग	**79,72,798**	**78,22,295**

अनुसूची 13

अन्य आय

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2024–25)	विगत वर्ष (2023–24)
	अ. भूमि एवं भवनों से आय		
1.	छात्रावास किराया	78,58,492	54,07,380
2.	लाईसेंस शुल्क	5,33,741	4,29,367
3.	जल प्रभार की वसूली	84,244	40,974
	योग (अ)	**84,76,477**	**58,77,721**
	ब. अन्य		
1	रॉयल्टी से आय	61,933	85,952
2	आवेदन पत्रों की बिक्री (भर्ती)	28,65,769	12,67,500
3	विविध प्राप्तियां	1,33,279	1,39,077
4	विनिमय दर में उतार–चढ़ाव	4,36,399	-
5	विभिन्न परियोजनाओं से प्राप्त संस्थागत प्रभार	2,67,213	23,48,499
6	बेकार पड़ी वस्तुओं की बिक्री	4,05,989	3,23,211
7	निविदा फार्म की बिक्री	-	-
8	पेंशनरों के लिये चिकित्सा प्रतिपूर्ति प्रवेश शुल्क	6,74,974	3,26,600
9	चिकित्सा योजना के लिए योगदान	5,85,900	3,20,288
10	किराया दरें और कर	-	-
	योग (ब)	**54,31,456**	**48,11,127**
	महायोग (अ+ब)	**1,39,07,933**	**1,06,88,848**

अनुसूची 14

पूर्व अवधि की आय

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2024–25)	विगत वर्ष (2023–24)
अ	**अर्जित ब्याज**		
1	बैंक खातों से ब्याज	(1,43,201)	1,05,680
ब	**अन्य आय**		
1	बेकार पड़ी वस्तुओं की बिक्री	(1,52,000)	-
2	पेंशनरों के लिये चिकित्सा प्रतिपूर्ति शुल्क	7,89,697.00	7,44,900.00
3	छात्र शुल्क	(7,13,000)	-
4	छात्रावास कमरों का किराया	9,44,000	
	योग	**7,25,496**	**8,50,580**

अनुसूची 15

कर्मचारियों को भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2024-25) आवर्ती	चालू वर्ष (2024-25) राशि	विगत वर्ष (2023-24) आवर्ती	विगत वर्ष (2023-24) राशि
1	वेतन और मजदूरी	11,47,10,158	11,47,10,158	10,93,40,419	10,93,40,419
2	बोनस और भत्ते तथा समयोपरि भत्ता	6,72,56,278	6,72,56,278	5,99,97,857	5,99,97,857
3	नई पेंशन योजना में योगदान	76,34,673	76,34,673	58,28,613	58,28,613
4	कर्मचारी कल्याण व्यय (वर्दी)	1,45,431	1,45,431	1,00,000	1,00,000
5	एलटीसी सुविधायें	16,93,518	16,93,518	20,52,157	20,52,157
6	चिकित्सा भत्ता प्रतिपूर्ति	1,18,45,511	1,18,45,511	1,10,91,075	1,10,91,075
7	बाल शिक्षा भत्ता	20,95,317	20,95,317	10,26,000	10,26,000
8	अन्य (सरकारी अंशदान—सीपीएफ + भुगतान किया गया ब्याज)	2,37,200	2,37,200	2,30,320	2,30,320
9	अन्य (सेवानिवृत्ति और पेंशन योगदान)	21,428	21,428	33,271	33,271
क)	पेंशन	(20,20,434)	(20,20,434)	22,59,04,769	22,59,04,769
ख)	ग्रेज्युटी	34,41,906	34,41,906	1,68,56,247	1,68,56,247
ग)	अवकाश नकदीकरण	28,70,549	28,70,549	79,97,859	79,97,859
	योग	**20,99,31,535**	**20,99,31,535**	**44,04,58,587**	**44,04,58,587**

अनुसूची 15 अ

कर्मचारी सेवानिवृत्ति एवं सेवांत लाभ

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	पेंशन	ग्रेच्युटी	अवकाश नकदीकरण	योग
1	01–04–2024 को अथ शेष राशि	1,48,42,18,567.00	9,33,52,827.00	8,68,32,413.00	1,66,44,03,807.00
2	**घटाकरः** वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान	6,77,84,846.00	72,76,030.00	42,51,658.00	7,93,12,534.00
3	31–03–2025 को उपलब्ध शेष राशि (अ)	1,41,64,33,721.00	8,60,76,797.00	8,25,80,755.00	1,58,50,91,273.00
4	वास्तविक मूल्यांकन के अनुसार 31–03–2025 को आवश्यक प्रावधान (ब)	1,41,44,13,287.00	8,95,18,703.00	8,54,51,304.00	1,58,93,83,294.00
	चालू वर्ष में किये जाने वाले प्रावधान (ब–अ)	**(20,20,434)**	**34,41,906.00**	**28,70,549.00**	**42,92,021.00**

अनुसूची 16

शैक्षणिक व्यय

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2024-25) आवर्ती	चालू वर्ष (2024-25) राशि	विगत वर्ष (2023-24) आवर्ती	विगत वर्ष (2023-24) राशि
1	क्षेत्र कार्य/सम्मेलन में भागीदारी (संकाय के लिए यात्रा भत्ता)	14,17,020	14,17,020	3,85,881	3,85,881
2	क्षेत्र कार्य/सम्मेलन में भागीदारी (प्रतिभागी का यात्रा भत्ता)	70,25,266	70,25,266	44,91,249	44,91,249
3	संगोष्ठी/कार्यशालाओं पर व्यय (शैक्षणिक कार्यक्रमों में व्यय)	95,33,615	95,33,615	81,54,051	81,54,051
4	अतिथि संकाय को मानदेय भुगतान	17,10,838	17,10,838	12,16,482	12,16,482
5	संस्थान के अनुसंधान अध्ययन	93,32,141	93,32,141	2,17,38,354	2,17,38,354
6	छात्रों को अध्येतावृत्ति (पीएच.डी.)	3,32,60,539	3,32,60,539	3,53,48,349	3,53,48,349
7	छात्रवृत्ति/पुस्तकें व परियोजना अनुदान	-	-	-	-
8	प्रकाशन व्यय (मुद्रण से प्राप्त)	18,54,257	18,54,257	19,74,043	19,74,043
	(अ) जोड़करः पिछले वर्ष का स्टॉक	7,19,280	7,19,280	6,82,754	6,82,754
	(ब) घटाकरः हस्तगत पुस्तकों का भण्डार	(7,26,525)	(7,26,525)	(7,19,280)	(7,19,280)
9	सदस्यता के लिए अंशदान	3,25,281	3,25,281	83,492	83,492
10	अन्य (फोटोकॉपी प्रभार)	1,07,378	1,07,378	5,01,926	5,01,926
11	गैर–सरकारी संगठनों को अनुदान (जी.आई.ए.सी.)	17,50,000	17,50,000	18,97,056	18,97,056
12	एनईआर (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति सहित)	32,23,821	32,23,821	2,43,89,050	2,43,89,050
13	ऊपरी प्रशासन कोष 1008	-	-	-	-
	योग	**6,95,32,910**	**6,95,32,910**	**10,01,43,407**	**10,01,43,407**

अनुसूची 17

प्रशासनिक और सामान्य व्यय

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2024–25) आवर्ती	चालू वर्ष (2024–25) राशि	विगत वर्ष (2023–24) आवर्ती	विगत वर्ष (2023–24) राशि
अ	**आधार संरचना**				
1	विद्युत प्रभार	96,83,329	96,83,329	93,35,077	93,35,077
2	जल प्रभार	85,13,964	85,13,964	70,24,325	70,24,325
3	किराया, दरें और कर (संपत्ति कर सहित)	6,76,666	6,76,666	6,77,387	6,77,387
4	सुरक्षा प्रभार	1,11,06,923	1,11,06,923	82,91,474	82,91,474
ब	**संचार**		-		-
1	डाक तथा तार	3,79,842	3,79,842	4,15,634	4,15,634
2	टेलीफोन, फैक्स एवं इंटरनेट प्रभार	18,60,512	18,60,512	15,12,792	15,12,792
स	**अन्य**		-		-
1	स्टेशनरी	35,98,037	35,98,037	40,89,342	40,89,342
2	पोषाहार व्यय	19,30,404	19,30,404	12,73,536	12,73,536
3	लेखा परीक्षा शुल्क	7,80,350	7,80,350	7,96,590	7,96,590
4	मजदूरी प्रभार	-	-	-	-
5	सहालकारी शुल्क	35,20,878	35,20,878	26,00,456	26,00,456
6	कानूनी प्रभार	2,01,269	2,01,269	2,87,000	2,87,000
7	विज्ञापन प्रभार	3,48,931	3,48,931	10,90,382	10,90,382
8	अखबार प्रभार	3,04,829	3,04,829	3,36,580	3,36,580
9	अन्य (पाठ्यक्रम शुल्क/प्रशिक्षण)	-	-	1,67,772	1,67,772
10	विविध व्यय	37,25,982	37,25,982	25,58,581	25,58,581
11	प्रभार (अन्य लेखा)	1,06,916	1,06,916	26,142	26,142
	योग	**4,67,38,832**	**4,67,38,832**	**4,04,83,070**	**4,04,83,070**

अनुसूची 18

परिवहन व्यय

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2024-25) आवर्ती	चालू वर्ष (2024-25) राशि	विगत वर्ष (2023-24) आवर्ती	विगत वर्ष (2023-24) राशि
1	**स्टाफ कार**				
	क) स्टाफ कार का रखरखाव	2,23,246	2,23,246	85,564	85,564
	ख) बीमा	48,796	48,796	45,872	45,872
	ग) पेट्रोल, तेल एवं ल्यूब्रीकेन्ट	3,98,056	3,98,056	4,09,881	4,09,881
2	वाहन टैक्सी के किराए का खर्च	3,78,419	3,78,419	3,33,998	3,33,998
	योग	**10,48,517**	**10,48,517**	**8,75,315**	**8,75,315**

अनुसूची 19

मरम्मत एवं रखरखाव

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2024-25)		विगत वर्ष (2023-24)	
		आवर्ती	राशि	आवर्ती	राशि
1	भवन का रख–रखाव	47,61,552	47,61,552	48,59,000	48,59,000
2	संपदा रखरखाव इलेक्ट्रिकल (एआरएमओ)	24,95,399	24,95,399	1,12,90,059	1,12,90,059
3	फर्नीचर तथा फिक्सचर का रख–रखाव	-	-	76,395	76,395
4	कार्यालय उपकरणों का रखरखाव	35,70,938	35,70,938	45,22,733	45,22,733
5	गृह व्यवस्था सेवाएं	1,58,90,463	1,58,90,463	1,33,14,790	1,33,14,790
	योग	**2,67,18,352**	**2,67,18,352**	**3,40,62,977**	**3,40,62,977**

अनुसूची 20

वित्तीय लागत

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2024–25)	विगत वर्ष (2023–24)
	–शून्य–		
	योग		

अनुसूची 21

अन्य व्यय

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2024–25)	विगत वर्ष (2023–24)
	–शून्य–		
	योग		

अनुसूची 22

पूर्व अवधि के व्यय

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2024–25)	विगत वर्ष (2023–24)
1	मंत्रालय को ब्याज का भुगतान (शिक्षा मंत्रालय)	-	2,66,150
2	वेतन और मजदूरी	16,39,005	-
3	पोषाहार	2,40,977	-
4	संस्थान अनुसंधान अध्ययन	1,54,839	-
5	सुरक्षा व्यय	10,50,000	-
6	स्टाफ कार की बिक्री पर घाटा	2,92,175	-
7	पेंशन	43,000	-
8	जीपीएफ सदस्यता	(20,000)	-
9	अकादमिक	-	6,06,883
10	टेलीफोन बिल प्रतिपूर्ति	-	3,00,667
11	गृह–व्यवस्था सेवाएं	-	1,65,358
12	वार्षिक रखरखाव अनुबंध सेवाएं	14,137	3,083
13	जीएसटी (टीडीएस) कर भुगतान	-	16,80,564
14	जी–20 कार्यक्रम व्यय	-	35,397
15	संपदा रखरखाव–इलेक्ट्रिकल (एआरएमओ)	-	13,18,292
16	अध्येतावृत्ति	-	(5,94,149)
17	लेखा – परीक्षण शुल्क	-	2,65,500
18	हीरक जयंती समारोह–2023	-	(3,134)
	योग	**34,14,133**	**40,44,611**

अनुसूची 23

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

1. लेखा निर्माण का आधार

1.1 जब तक कि विधि का उल्लेख न किया जाए संस्थान के वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत परिपाटी के अंतर्गत लेखांकन के प्रोदभूत आधार पर तैयार किए जाते हैं।

2. अनुमानों का उपयोग

2.1 वित्तीय विवरणों की तैयारी के लिए संस्थान को अनुमान और धारणाएं बनाने की आवश्यकता होती है जो वार्षिक वित्तीय विवरण की तिथि पर परिसंपत्तियों और देनदारियों की रिपोर्ट की गई राशि, वित्तीय विवरणों की तिथि पर आकस्मिक देनदारियों का खुलासा और रिपोर्टिंग अवधि के दौरान राजस्व और व्यय की राशि को प्रभावित करती हैं। संस्थान का मानना है कि वार्षिक वित्तीय विवरण की तैयारी में उपयोग किए गए अनुमान विवेकपूर्ण और उचित हैं। वास्तविक परिणाम इन अनुमानों से भिन्न हो सकते हैं तथा इनके बीच अंतर उस अवधि में पहचाना जाता है जिसमें परिणाम ज्ञात/मूर्त होते हैं।

3. राजस्व मान्यता, प्रवेश शुल्क, आरटीआई शुल्क

3.1 विद्यार्थियों से शुल्क, निविदा प्रपत्रों की बिक्री, प्रवेश फार्म की बिक्री, और रॉयल्टी नकद आधार पर लेखांकन किए जाते हैं।

3.2 छात्रावास किराया से प्राप्त आय को नकदी आधार पर लेखांकन किया जाता है।

3.3 हालांकि ब्याज की वास्तविक वसूली मूलधन की पूरी अदायगी के बाद शुरू होता है, गृह निर्माण पेशगी, वाहन और कंप्यूटर की खरीद के लिए कर्मचारियों को ब्याज सहित अग्रिम की वसूली प्रोद्भूत आधार पर की जाती है।

4. अचल परिसंपत्तियां और मूल्यह्रास

4.1 अचल संपत्ति भाड़ा, शुल्कों और करों और अधिग्रहण, स्थापना और परिचालन से संबंधित आकस्मिक और प्रत्यक्ष खर्च आवक सहित अधिग्रहण की लागत से निर्धारित किया जाता है।

4.2 उपहार के रूप में प्राप्त पुस्तकें:

संशोधन से पूर्व लेखांकन नीति	**संशोधन के पश्चात लेखांकन नीति**
उपहार के रूप में प्राप्त पुस्तकों का मूल्यांकन पुस्तकों पर छपे विक्रय मूल्य पर किया जाता है। जहाँ मूल्य उपलब्ध नहीं हैं, वहाँ मूल्यांकन के आधार पर मूल्य निर्धारित किया जाता है। उन्हें पूंजी कोष में जमा करके संस्था की अचल संपत्तियों में मिला दिया जाता है। मूल्यह्रास संबंधित संपत्तियों पर लागू दरों पर लगाया जाता है।	प्रति पुस्तक 1 रुपये के नाममात्र मूल्य पर उपहार के रूप में प्राप्त पुस्तकों को पूंजीकृत किया जाता है। इनका रिकॉर्ड पूंजी निधि में जमा करके संस्थान की अचल संपत्तियों में मिला दिया जाता है। इन संपत्तियों पर कोई मूल्यह्रास नहीं लगाया जाता है।

4.3 अचल परिसंपत्ति का मूल्यांकन मूल्यह्रास में घटाकर निकाला जाता है। अचल परिसंपत्तियों का अवमूल्यन निम्नलिखित दरों के अनुसार सीधे तौर पर किया जाता है।

क्र.सं.	संपत्तियों का वर्ग	दर (%)
1	भवन	2
2	कार्यालय उपकरण	7.5
3	कंप्यूटर और अन्य सहायक सामग्री	20
4	फर्नीचर, फिक्चर और फिटिंग्स	7.5
5	वाहन	10
6	पुस्तकालय में पुस्तकें	10
7	जर्नल्स	10
8	ई–जर्नल	40
9	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40

4.4 वर्ष के दौरान परिवर्धन पर पूरे वर्ष के लिए मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है। समीक्षाधीन वर्ष के अन्तर्गत वर्ष के लिये जमा पर मूल्यह्रास स्वायत संगठनों के लिये पसंदीदा विद्धि है। इसके अतिरिक्त संपत्तियों का संग्रह पूरे वर्ष के लिए रहा, इससे मूल्यह्रास बराबर रहा।

4.5 जहां एक परिसंपत्ति जिसका पूर्णतः मूल्यह्रास हो चुका हो इसे तुलन पत्र में रु. 1 की एक अवशिष्ट मूल्य पर अंकन किया जाएगा और आगे उसका पुनः मूल्यह्रास नहीं किया जाएगा। इसके बाद, मूल्यह्रास प्रत्येक वर्ष की वृद्धि के लिए इस परिसंपत्ति मद हेतु पृथक रूप से उस पर लागू दरों के अनुसार किया जायेगा।

4.6 इलेक्ट्रानिक पत्रिकाओं (ई–जर्नल्स) पर व्यय की अधिकता को देखते हुए पुस्तकालय में इसे पुस्तकों से अलग किया गया है। पुस्तकालय की पुस्तकों के संबंध में उपलब्ध कराए गए 10 प्रतिशत के अवमूल्यन के सापेक्ष 40 प्रतिशत की एक उच्च दर पर ई–जर्नल्स के संबंध में मूल्यह्रास प्रदान किया गया।

4.7 कंप्यूटर और सहायक सामग्री को अर्जित सॉफ्टवेयर के व्यय से अलग किया गया है क्योंकि साफ्टवेयर लुप्तशीलता की दर अपेक्षाकृत उच्च होती है। साफफ्टवेयर का अवमूल्यन दर उच्च स्तर पर 40 प्रतिशत है जबकि कंप्यूटर और सहायक सामग्री का अवमूल्यन दर 20 प्रतिशत है।

5. स्टॉक

5.1 स्टेशनरी, प्रकाशन और अन्य सामान की खरीद पर व्यय को राजस्व व्यय के रूप में गिना जाता है, सिवाये इसके कि 31 मार्च को रखे गए अंतिम स्टॉक के मूल्य को सामान्य प्रशासन अनुभाग से प्राप्त जानकारी के आधार पर संबंधित राजस्व व्यय को घटाकर इन्वेंटरी के रूप में स्थापित किया जाता है।

6. सेवानिवृत्ति लाभ

6.1 सेवानिवृत्त लाभ यानी, पेंशन, ग्रेच्युटी और अवकाश नकदीकरण बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर किया गया है।

6.2 संस्थान के जो कर्मचारी अन्य नियोक्ता संस्थानों से आये हैं और जिन्हें संस्थान में समाहित कर लिया गया है, उनके नियोक्ता संस्थानों से प्राप्त पेंशन और ग्रेच्यूटी लाभ पूंजीकृत मूल्य के रूप में पेंशन, ग्रेच्युटी और छुट्‌टी नकदीकरण का वास्तविक भुगतान संबंधित प्रावधानों के खातों में नामे कर रहे हैं। अन्य सेवानिवृत्ति लाभ अर्थात् नई पेंशन योजना, सेवानिवृत्ति पर गृह नगर के लिए यात्रा बिल, सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए चिकित्सा प्रतिपूर्ति, (वर्ष के अंत में वास्तविक भुगतान सह बकाया बिल) प्रोद्भूत रूप में लेखांकित किया गया है।

7. सरकारी और यू.जी.सी. अनुदान

7.1 सरकारी अनुदान और यू.जी.सी. अनुदान प्राप्ति के आधार पर लेखांकित किया गया है।

7.2 पूंजीगत व्यय की दिशा में प्रयुक्त सरकारी अनुदान पूंजीगत निधि में स्थानांतरित किया जाता है।

7.3 राजस्व व्यय (वास्तविक आधार पर) को पूरा करने के लिए प्राप्त सरकारी अनुदान को प्रयुक्त मानकर उसे उस वर्ष की आय के रूप में लिया गया है जिसमें वह प्राप्त हुआ है।

7.4 अनुप्रयुक्त अनुदान (इस तरह के अनुदान का भुगतान अग्रिमों सहित) को आगामी वर्ष में लिया गया है और उसे तुलनपत्र में देयताएं के रूप में प्रस्तुत किया गया।

8. पीएच.डी. के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति

8.1 पीएच.डी. के छात्रों को छात्रवृत्ति शिक्षा मंत्रालय (उच्चतर शिक्षा विभाग) द्वारा प्रदान किए गए योजना अनुदान से भुगतान की जा रही हैं और इसे संस्थान के शैक्षणिक खर्च के रूप में लेखांकित किया जाता है।

9. चिकित्सा अंशदान

9.1 चिकित्सा अंशदान नीपा की चिकित्सा योजना के अनुसार प्राप्तियों के रूप में योजना खाते में जमा किया जाता है। चिकित्सा प्रतिपूर्ति का योजना खाते से भुगतान किया जाता है।

10. गैर सरकारी संगठनों को जीआईएसी के अंतर्गत अनुदान

10.1 समान उद्देश्य वाले गैर–सरकारी संगठनों को वित्तीय सहायता अनुदान योजना के खाते के अंतर्गत व्यय के रूप में लेखांकित की जा रही है।

11. अनुपयोगी वस्तुओं की बिक्री

11.1 सेवा में प्रयुक्त न होने वाली और पुरानी वस्तुओं की बिक्री से प्राप्त आय को ''अन्य आय'' में दर्शाया जाता है, क्योंकि बेकार वस्तुओं के मूल्य का पहले ही पूर्ण अवमूल्यन हो जाता है।

12. प्रायोजित परियोजनाएं

12.1 पहले से जारी प्रायोजित परियोजनाओं के संदर्भ में, प्रायोजकों से प्राप्त धनराशि को ''चल रही प्रायोजित परियोजनाओं की मौजूदा देनदारियों और प्रावधान–मौजूदा देनदारियों–अन्य देयताएं–प्राप्तियां'' के रूप में जमा किया गया है। जब भी ऐसी परियोजनाओं के लिए व्यय/अग्रिम का भुगतान किया जाता है, या संबंधित खाते को आवंटित अतिरिक्त शुल्क से नामे किया जाता है, तो देयता खाते नामे किया जाता है।

अनुसूची 24

आकस्मिक देयताएं और लेखा टिप्पणियां

1. आकस्मिक देनदारियां

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2024–25)	विगत वर्ष (2023–24)
1	इकाई के विरूद्ध दावे को ऋण के रूप में अस्वीकार	शून्य	शून्य
2	इस संबंध में; – इकाई द्वारा/की ओर से दी गई बैंक गारंटी – इकाई की ओर से बैंक द्वारा खोले गए ऋण पत्र – बैंकों में बिलों की छूट	शून्य	शून्य
3	निम्नलिखित संबंध में मांग – वर्ष 2015–16 का आयकर निर्धारण* – वर्ष 2022–23 का आयकर निर्धारण** – विभिन्न वर्षों में स्रोत पर कर की कटौती***	 11.93 करोड़ - 0.04 करोड़	 11.93 करोड़ 18.85 करोड़ 0.04 करोड़
4	आदेशों के गैर'निषादन के लिए पार्टियों के दावे के संबंध में, परन्तु इकाई द्वारा विरोधित	शून्य	शून्य

*कर निर्धारण आकलन वर्ष 2015–16 से संबंधित सुधार अनुरोध वर्तमान में आयकर उपायुक्त (छूट) [डीसीआईटी (ई)], आयकर – कर निर्धारण अधिकारी के पास लंबित है।

**आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 154 के तहत डीसीआईटी(ई), आयकर के कार्यालय से दिनांक 14 मई, 2025 को सुधार आदेश प्राप्त हुआ है, जिससे संबंधित कर निर्धारण वर्ष से संबंधित बकाया मांग निरस्त हो गई है।

***वित्त अधिनियम, 2024 (जुलाई 2024 से प्रभावी) ने टीडीएस रिटर्न को संशोधित करने के लिए छह साल की सीमा अवधि शुरू की। परिणामस्वरूप, वित्तीय वर्ष 2018–19 तक की बकाया मांगें, समय–बाधित होने के कारण, चालू वर्ष में देनदारियों के रूप में मान्यता प्राप्त हुई हैं। इसके अतिरिक्त, वित्त वर्ष 2020–21 और उसके बाद की टीडीएस मांगें वर्तमान में कर निर्धारण अधिकारी, आयकर (टीडीएस) के पास समाधान के लिए लंबित हैं।

#31.03.2025 तक संस्थान के विरूद्ध पूर्व/वर्तमान कर्मचारियों द्वारा दायर किए गए स्थापना से संबंधित जैसे कि पदोन्नति, वेतन वृद्धि, वेतनमान संशोधन, समाप्ति आदि से संबंधित अदालती मामले निर्णय के लिए लंबित हैं। दावे की मात्रा सुनिश्चित नहीं की जा सकती है।

2. पृष्ठभूमि

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान, जिसे पहले राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा) के नाम से जाना जाता था, की स्थापना 31 मई, 1979 को हुई थी। वर्ष 2006 में, संस्थान को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के तहत 'मानित विश्वविद्यालय'' का दर्जा दिया गया था।

संस्थान भारत सरकार द्वारा अन्य केंद्रीय विश्वविद्यालयों के समान वित्तपोषित और अनुरक्षित है, यह शैक्षिक नीति, योजना और प्रशासन के क्षेत्र में उत्कृष्ट केंद्र के रूप में कार्य करता है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ में उन्नत स्तर के शिक्षण, अनुसंधान, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण करना है। यह शैक्षिक योजना, नीति निर्माण और कार्यान्वयन से संबंधित मामलों में केंद्र और राज्य सरकारों के साथ–साथ अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के निकायों को भी महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करता है।

संस्थान का पंजीकृत कार्यालय अपने स्वयं के परिसर 17–बी, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली–110016, भारत में स्थित है।

3. पूंजीगत प्रतिबद्धताएं

नीपा परिसर में बहुमंजिला शैक्षणिक भवन के निर्माण के लिए अनुबंध का अनुमानित मूल्य मांग और प्रगति के आधार पर ₹30,56,00,000. है। 31 मार्च 2025 तक सीपीडब्ल्यूडी को मांग और प्रगति के आधार पर कुल 25,00,00,000 रुपये जारी किए गए हैं (पिछले वर्ष, 31 मार्च, 2024 तक ₹15,00,00,000 रुपये)।

4. अचल संपत्तियां

4.1 अचल संपत्तियां केवल योजना अनुदान से खरीदी गई है, अनुसूची 4 में अचल संपत्तियों में वर्ष के वृद्धि के साथ संस्थान निधि से खरीदी गई संपत्तियां

₹ 11,14,02,897) (पिछले वर्ष 1,36,55,007 रुपये) और पुस्तकालय की पुस्तकें तथा संस्थान को उपहार स्वरूप दिये गये 12 रुपये (पिछले वर्ष 17 रुपये) मूल्य की अन्य संपत्तियां शामिल हैं। इन संपत्तियों को पूंजी निधि में जमा करके स्थापित किया गया है।

4.2 परियोजना अनुदान से सृजित अचल संपत्तियां, अनुसूची 4 (ई) में अचल संपत्तियों में वर्ष में वृद्धि के साथ परियोजना निधि से खरीदी गई संपत्तियां ₹ 5,67,843 (पिछले वर्ष ₹ 6,93,284) शामिल हैं।

4.3 31 मार्च, 2025 के तुलन–पत्र और पहले के वर्षों के तुलन–पत्र में संस्थान के निधि से बनाई गई अचल संपत्तियां, 01 अप्रैल, 2024 से 31 मार्च, 2025 तक के वर्ष के दौरान संस्थान और अन्य निधियों से वृद्धि और परिवर्धनों पर संबंधित अवमूल्यन को अलग रूप में प्रदर्शित किया गया है (अनुसूची–4)।

5. मौजूदा देनदारियां और प्रावधान

5.1 व्यय जो 31 मार्च, 2025 को देय थे और जिनका भुगतान नहीं किया गया का प्रावधान लेखापुस्तिका में किया गया है।

5.2 आयकर अधिनियम 1961 की धारा 12एए के तहत संस्थान पंजीकृत है। अधिनियम के प्रावधानो के तद्नुसार निर्धारित शर्तो के अनुपालन के अधीन, संस्थान की आय कर से मुक्त है। इस प्रकार कोई कर योग्य आय न होने की स्थिति में, 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए खातों में आयकर के लिए कोई प्रावधान आवश्यक नहीं माना गया है।

5.3 संस्थान की सुविधाओं को बाहरी एजेंसियों को किराए पर देने के लिए दरों और बुकिंग प्रक्रियाओं से संबंधित कार्यालय आदेश संख्या 201/2024–25/नीपा दिनांक 13.08.2024 के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान, ऐसी गतिविधि से उत्पन्न राजस्व, वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) अधिनियम के तहत निर्धारित सीमा से अधिक हो गया। तदनुसार, संस्थान ने 1 मार्च, 2025 से जीएसटी पंजीकरण प्राप्त कर लिया है। जीएसटी अधिनियम के लागू प्रावधानों के अनुपालन में, 31 मार्च, 2025 (पिछले वर्षः शून्य रुपये) तक पुस्तकों में विलंबित भुगतान पर ब्याज सहित ₹ 15,58,863 की वैधानिक देयता को मान्यता दी गई है।

5.4 कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति लाभों से संबंधित देनदारियों और संचित अवकाश के नकदीकरण के बदले एकमुश्त भुगतान के प्रावधान 31.03.2025 तक के बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर किए गए हैं। इन प्रावधानों में 2024–25 के दौरान किए गए भुगतानों के साथ–साथ मौजूदा शुद्ध प्रावधानों को भी ध्यान में रखा गया है। वित्तीय वर्ष 2024–25 के खातों में आगे के प्रावधान दर्ज किए गए हैं, जिन्हें आय और व्यय खाते में नामे किया गया है।

6. विदेशी मुद्रा आय–व्यय

विवरण	चालू वर्ष (₹ में)	विगत वर्ष (₹ में)
रॉयल्टी (आय)	₹ 48,929	शून्य
विदेशी मुद्रा में उतार–चढ़ाव (आय)	₹ 4,36,399	शून्य
विदेश यात्रा (व्यय)	₹ 14,52,731	शून्य

7. मौजूदा परिसंपत्तियाँ, ऋण, अग्रिम और जमा

संस्थान की राय में मौजूदा परिसंपत्तियों, ऋण, अग्रिम और जमाओं पर आमतौर पर वसूली का मूल्य होता है, जो तुलन–पत्र में दिखायी गयी कुल राशि के बराबर मूल्य है।

8. भविष्य निधि खाता

भविष्य निधि खातों का स्वामित्व संस्थान के सदस्यों के पास होता है, न कि संस्थान के पास। तदनुसार, प्रोद्भूत आधार पर खातों की तैयारी के संबंध में भारत सरकार द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुपालन में पीएफ खाते को संस्थान के खातों से अलग कर दिया गया है। फिर भी, संस्थान के वार्षिक लेखों में प्राप्ति एवं भुगतान खाता, आय एवं व्यय खाता (प्रोद्भूत आधार पर) तथा एक भविष्य निधि खाते का तुलन पत्र संलग्न किया जाता है।

9. नई पेंशन प्रणाली खाता

नई पेंशन प्रणाली के अंतर्गत आने वाले सभी कर्मचारियों को पीआरए नंबर प्रदान किया गया है और उनसे संबंधित नियोक्ता और कर्मचारी का योगदान नियमित रूप से प्रोटीयन ईगॉव टेक्नोलॉजीज लिमिटेड–सेंट्रल रिकॉर्डकीपिंग एजेंसी को हस्तांतरित किया जाता है।

10. सेवानिवृत्ति लाभ

सेवानिवृत्ति लाभ, यानी पेंशन, ग्रेच्युटी और छुट्टी नकदीकरण बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर प्रदान किए जाते हैं। संस्थान में जिन कर्मचारियों को विश्वविद्यालय में समाहित किया गया है, उनके पिछले नियोक्ताओं से प्राप्त पेंशन और ग्रेच्युटी का पूंजीकृत मूल्य संबंधित प्रावधान खातों में जमा किया जाता है।

ग्रेच्युटी

अनिधिक परिभाषित लाभ योजना के तहत ग्रेच्युटी के अंतर्गत कर्मचारी लाभ का विवरण इस प्रकार है:

i. तुलन पत्र में निवल परिसंपत्ति/(देयता)

विवरण	31.03.2025	31.03.2024
दायित्व का वर्तमान मूल्य	8,95,18,703	9,33,52,827
योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	–	––
निवल परिसंपत्ति/(देयता) तुलनपत्र में प्रावधान के रूप में मान्यता	(8,95,18,703)	(9,33,52,827)

ii. बीमांकिक मान्यताएँ

विवरण	31.03.2025	31.03.2024
छूट दर	6.69	7.18
भविष्य में वेतन वृद्धि	8.00	8.00
विकलांगता प्रावधान सहित मृत्यु दर	आईएएलएम (2012–14)	आईएएलएम (2012–14)

iii. बीमांकिक मूल्य – वर्तमान लाभ दायित्व

विवरण	31.03.2025	31.03.2024
वर्तमान देयता (एक वर्ष में देय राशि)	3,38,48,803	3,09,92,672
गैर–वर्तमान देयता (एक वर्ष में देय राशि)	5,56,69,900	6,23,60,155
वर्ष के अंत में कुल वर्तमान लाभ दायित्व	8,95,18,703	9,33,52,827

छुट्टी नकदीकरण

छुट्टी नकदीकरण के कारण कर्मचारी लाभ का विवरण जो कि वित्तपोषित परिभाषित लाभ योजना नहीं है, निम्नानुसार है:

i. तुलन पत्र के अनुसार निवल परिसंपत्ति/(देयता)

विवरण	31.03.2025	31.03.2024
दायित्व का वर्तमान मूल्य	8,54,51,304	8,68,32,413
योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	––	––
निवल परिसंपत्ति/ (देयता) तुलनपत्र में प्रावधान के रूप में मान्यता	(8,54,51,304)	(8,68,32,413)

ii. बीमांकिक मान्यताएँ

विवरण	31.03.2025	31.03.2024
छूट दर	6.69	7.18
भविष्य में वेतन वृद्धि	8.00	8.00
विकलांगता प्रावधान सहित मृत्यु दर	आईएएलएम (2006–08)	आईएएलएम (2006–08)

iii. वास्तविक मूल्य – वर्तमान लाभ दायित्व

विवरण	31.03.2025	31.03.2024
वर्तमान देयता (एक वर्ष में देय राशि)	2,96,59,442	2,88,21,835
गैर–वर्तमान देयता (एक वर्ष में देय राशि)	5,57,91,862	5,80,10,578
वर्ष के अंत में कुल वर्तमान लाभ दायित्व	8,54,51,304	8,68,32,413

पेंशन

पेंशन के कारण कर्मचारी लाभ का विवरण, जो कि अनिधिक परिभाषित लाभ योजना है, निम्नानुसार है:

i. तुलन पत्र में मान्यता प्राप्त शुद्ध परिसंपत्ति/(देयता)

विवरण	31.03.2025	31.03.2024
दायित्व का वर्तमान मूल्य	1,41,44,13,287	1,48,42,18,567
योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	––	––
तुलन पत्र में प्रावधान के रूप में मान्यता प्राप्त शुद्ध परिसंपत्तियां/(देयता)	(1,41,44,13,287)	(1,48,42,18,567)

ii. **बीमांकिक धारणाएँ**

विवरण	31.03.2025	31.03.2024
छूट दर	6.69	7.18
भविष्य में वेतन वृद्धि	8.00	8.00
विकलांगता के प्रावधान सहित मृत्यु दर	आईएएलएम (2012–14)	आईएएलएम (2012–14)

iii. **बीमांकिक मूल्य– वर्तमान लाभ दायित्व**

विवरण	31.03.2025	31.03.2024
वर्तमान देयता (एक वर्ष में देय राशि)	15,26,10,833	14,75,47,551
गैर–वर्तमान देयता (एक वर्ष में देय राशि)	1,26,18,02,454	1,33,66,71,016
वर्ष के अंत में कुल वर्तमान लाभ दायित्व	1,41,44,13,287	1,48,42,18,567

11. नीपा परिसर में बहुमंजिला शैक्षणिक भवन के निर्माण के लिए सीपीडब्ल्यूडी को हस्तांतरित धनराशि को उपयोग की सीमा के आधार पर भवन (कार्य प्रगति पर) के तहत दिखाया गया है।

12. अनुदान

पिछले वर्षों में योजना अनुदान को आय के रूप में लिया गया, केवल वे पूंजीगत व्यय के लिये उपयोग किये जाते थे। 31.3.2025 तक अनुप्रयुक्त अनुदान को आगे बढ़ाया गया और तुलन पत्र मे देयताओं के रूप में दर्शाया गया।

वर्ष के दौरान वित्तीय वर्ष 2016–17, वित्तीय वर्ष 2017–18, वित्तीय वर्ष 2018–19, वित्तीय वर्ष 2019–20, वित्तीय वर्ष 2020–21 और वित्तीय वर्ष 2021–22 से संबंधित अनुप्रयुक्त अनुदान पिछले वर्ष (1,40,06,917 रुपये) को चालू देनदारियों और प्रावधान से कॉपर्स/पूजीगत निधि (अनुसूची 1) में पुनः स्थापित किया गया है और उपर्युक्त वित्तीय वर्षों में मार्च महीने में वेतन प्रावधान के समायोजन (अनुसूची 3) में सुधार किया गया है।

13. लेखांकन नीति में परिवर्तन का प्रभाव

नीति सं.	संशोधन पूर्व लेखांकन नीति	संशोधन पश्चात लेखांकन नीति	अधिशेष/(घाटे) पर प्रभाव
4.2	उपहार के रूप में प्राप्त पुस्तकों का मूल्यांकन पुस्तकों पर मुद्रित विक्रय मूल्य पर किया जाता है। जहां मूल्य उपलब्ध नहीं हैं, वहां मूल्यांकन के आधार पर मूल्य निर्धारित किया जाता है। उन्हें पूंजी निधि में जमा करके स्थापित किया जाता है और संस्था की अचल संपत्तियों के साथ विलय कर दिया जाता है। संबंधित परिसंपत्तियों पर लागू दरों पर मूल्यह्रास लगाया जाता है।	उपहार के रूप में प्राप्त पुस्तकों को प्रति पुस्तक 1 रुपये के नाममात्र मूल्य पर पूंजीकृत किया जाता है। इन्हें पूंजी निधि में जमा करके और संस्था की अचल संपत्तियों के साथ विलय करके दर्ज किया जाता है। इन परिसंपत्तियों पर कोई मूल्यह्रास नहीं लगाया जाता है।	कोई प्रभाव नहीं

14. संस्थान एक केंद्रीय वित्तपोषित संगठन होने के नाते, शिक्षा मंत्रालय द्वारा दिनांक 17.04.2015 के पत्र संख्या 29–4/2012–आईएफडी जारी दिशा–निर्देशों के अनुसार, केंद्रीय उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए निर्धारित वित्तीय विवरणों के संशोधित प्रारूप के अनुसार वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए अपने वार्षिक खाते प्रस्तुत किए हैं। तदनुसार, संस्थान को 1 अप्रैल, 2024 से प्रभावी, भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा जारी गैर–कॉर्पोरेट संस्थाओं के वित्तीय विवरणों पर मार्गदर्शन नोट के अनुसार अपने वित्तीय विवरण तैयार करने की आवश्यकता नहीं है।

15. बैंक खातों में शेष के विवरण चालू परिसंपत्तियों की अनुसूची 'अ' में संलग्न हैं।

16. पिछले वर्ष के आंकड़े आवश्यकतानुसार फिर से पुनः वर्गीकृत किये गए हैं।

17. अंतिम खातों में आंकड़े निकटतम रुपए में अंकित किए गए हैं।

18. अनुसूची 1 से 24 को संलग्न किया गया है और यह 31 मार्च 2025 के तुलन–पत्र और इस तिथि को समाप्त वित्तीय वर्ष के आय और व्यय लेखा का अभिन्न भाग होता है।

19. जमा, अग्रिम आदि के अंतर्गत प्रदर्शित शेष राशि समाधान/पुष्टि के अधीन हैं। पुष्टि/समाधान के बाद प्रभाव, यदि कोई हो, पुष्टि/समाधान के वर्ष में लिया जाएगा।

प्राप्तियां और भुगतान लेखा

31 मार्च 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के अनुसार

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	प्राप्तियां	चालू वर्ष (2024-25)	विगत वर्ष (2023-24)	क्र. सं.	भुगतान	चालू वर्ष (2024-25)	विगत वर्ष (2023-24)
1	**प्रारंभिक जमा**			1	**व्यय**		
अ.	बचत बैंक खाता	25,78,46,191	21,28,69,803	(क)	स्थापना व्यय	28,04,20,921	27,45,20,812
ब.	हस्तगत डाक	32,833	19,710	(ख)	शैक्षणिक व्यय	4,18,15,995	6,21,37,887
2	**शिक्षा मंत्रालय से प्राप्त अनुदान**			(ग)	प्रशासनिक व्यय	4,95,20,516	3,77,39,485
	भारत सरकार (शिक्षा मंत्रालय) से			(घ)	मरम्मत और रख–रखाव	2,26,50,881	3,39,83,810
(अ)	योजना	50,14,58,000	63,95,00,000	(ड़)	यात्रा व्यय	10,35,020	8,45,971
3	**अकादमिक प्राप्तियां**	26,36,979	23,04,461	2	**अध्येतावृत्ति से संबंद्ध भुगतान**	3,26,12,904	3,54,49,844
4	**प्रायोजित परियोजनाओं /योजनाओं के संबद्ध में प्राप्तियां**	8,69,47,366	5,26,89,242	3	**प्रायोजित परियोजनाओं / योजनाओं से संबंद्ध भुगतान**	5,97,05,665	11,41,66,344
5	**प्राप्त ब्याज**			4	**सीपीडब्ल्यूडी को अचल संपत्ति और अग्रिम पर व्यय**		
(क)	निवेश	-	-	(क)	अचल संपत्तियां	10,28,22,322	1,35,15,007
(ख)	बैंक सावधि जमा खाता	-	-	(ख)	सीपीडब्ल्यूडी को अग्रिम	3,29,43,440	8,64,29,539
(ग)	ऋण एवं अग्रिम	-	-	5	**वैधानिक भुगतान सहित अन्य भुगतान**		
(घ)	बैंक	63,59,845	83,57,771	(क)	प्रभार (अन्य खाते)	-	-
6	**अन्य आय (पूर्वावधि आय सहित)**	1,21,97,575	79,51,120	6	**जमा और अग्रिम**		
7	**जमा और अग्रिम**	2,29,540	8,96,681	(क)	पूर्वदात व्यय	2,66,574	9,47,747
8	**प्रेषण**	-	-	(ख)	अन्य अग्रिम	1,96,190	36,43,771
9	**वैधानिक प्राप्तियों सहित विविध प्राप्तियां**			(ग)	सुरक्षा जमा	80,000	-
	आईटीआर प्रतिदाय	26,67,543	-	(घ)	आयकर वापसी	-	
				7	प्रेषण – सावधि जमा	2,35,418	33,29,546
				8	**शेष समापन**		
				(क)	बैंक में शेष	24,60,63,787	25,78,46,191
				(ख)	हस्तगत डाक	6,240	32,833
	योग	**87,03,75,873**	**92,45,88,787**		**योग**	**87,03,75,873**	**92,45,88,788**

ह./–
(डॉ. निशांत सिन्हा)
वित्त अधिकारी

ह./–
(डॉ. (मानद) सूर्य नारायण मिश्र)
कुलसचिव

ह./–
(प्रो.शशिकला वंजारी)
कुलपति

गैर–सरकारी संगठनों को अनुदान की सूची

वर्ष 2024–25 के लिए गैर–सरकारी संगठनों को अनुदान

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	गैर–सरकारी संगठनों के नाम	जारी राशि
1	शैक्षिक एवं सामाजिक अध्ययन केन्द्र	3,00,000
2	इयाश्री सेवा संस्थान	1,50,000
3	बस्ती क्षेत्र विकास परिषद	1,00,000
4	राष्ट्रीय विकास फाउंडेशन ट्रस्ट	1,00,000
5	राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान	4,00,000
6	बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय	1,50,000
7	जामिया मिलिया इस्लामिया	2,50,000
8	तुलसीराम गायकवाड़–पाटिल इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय	1,50,000
9	भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस अकादमी	1,50,000
	योग	**17,50,000**

जीपीएफ/सीपीएफ खाता

31 मार्च 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के अनुसार तुलन पत्र

(राशि ₹ में)

विवरण	राशि (31.03.2025)	राशि (31.03.2024)	आय	राशि (31.03.2025)	राशि (31.03.2024)
जीपीएफ खाता			**निवेश**		
अथशेष	12,11,69,592.17	13,43,04,725.17	**अथशेष**	12,56,40,487.55	13,18,53,473.49
जमा: वर्ष में दौरान अंशदान	1,84,83,954.00	1,48,12,000.00	जमा: निवेश	10,27,05,104.27	6,08,29,116.00
जमा: अर्जित ब्याज	82,20,415.00	92,50,984.00	घटाया: नकदीकरण	11,29,79,987.92	6,70,42,101.94
घटाया: अग्रिम/आहरण	3,90,58,858.00	3,71,98,117.00	**जमा शेष**	**11,53,65,603.90**	**12,56,40,487.55**
जमा शेष	**10,88,15,103.17**	**12,11,69,592.17**			
			उपार्जित ब्याज	**66,56,953.00**	**1,21,87,236.00**
सीपीएफ खाता					
अथशेष	30,57,732.00	36,01,146.00	**बैंक में नकदी**	**1,41,87,874.17**	**89,95,698.41**
घटाया: समायोजन	-	11,21,876.00			
जमा: वर्ष के दौरान अंशदान	4,80,000.00	4,00,000.00	**टीडीएस प्राप्य**	**19,95,229.30**	**11,93,332.30**
जमा: ब्याज जमा	2,23,369.00	1,78,642.00			
घटाया: समायोजन	-	180.00			
जमा शेष	**37,61,101.00**	**30,57,732.00**			
विश्वविद्यालय योगदान					
प्रारंभिक जमा	31,16,306.00	17,39,024.00			
जमा: समायोजन	-	11,21,876.00			
जमा: वर्ष के दौरान अंशदान	2,37,200.00	2,30,320.00			
जमा: अर्जित ब्याज	1,82,106.00	1,54,765.00			
घटाया: समायोजन	-	1,29,679.00			
जमा शेष	**35,35,612.00**	**31,16,306.00**			
ब्याज रिजर्व					
अथशेष	2,06,36,917.09	2,15,10,554.16			
घटाया: समायोजन	-	1,29,859.00			
घटाया: आय से अधिक व्यय	-	(10,03,496.07)			
जमा: व्यय से अधिक आय	14,24,187.11				
जमा शेष	**2,20,61,104.20**	**2,06,36,917.09**			
टीडीएस देय	**32,740.00**	**36,207.00**			
	13,82,05,660.37	**14,80,16,754.26**		**13,82,05,660.37**	**14,80,16,754.26**

ह./–	ह./–	ह./–
(डॉ. निशांत सिन्हा)	**(डॉ. (मानद) सूर्य नारायण मिश्र)**	**(प्रो.शशिकला वंजारी)**
वित्त अधिकारी	कुलसचिव	कुलपति

01.04.2024 से 31.03.2025 तक
जीपीएफ/सीपीएफ खाते का आय एवं व्यय लेखा

व्यय	राशि (31.03.2025)	राशि (31.03.2024)	आय	राशि (31.03.2025)	राशि (31.03.2024)
अर्जित ब्याज			निवेश पर ब्याज अर्जित	1,00,92,442	86,23,962
जीपीएफ खाता	82,61,240	92,93,838	संस्थान का योगदान प्राप्ति	2,37,200	2,30,320
सीपीएफ खाता					
कर्मचारियों का योगदान	2,24,909	1,78,855	आय पर व्यय की अधिकता	-	10,03,496
विश्वविद्यालय का योगदान	1,82,106	1,54,765	आय		
संस्थान का योगदान (सीपीएफ)	2,37,200	2,30,320			
व्यय पर आय की अधिकता	14,24,187				
	1,03,29,642	**98,57,778**		**1,03,29,642**	**98,57,778**

ह./–	ह./–	ह./–
(डॉ. निशांत सिन्हा)	**(डॉ. (मानद) सूर्य नारायण मिश्र)**	**(प्रो.शशिकला वंजारी)**
वित्त अधिकारी	कुलसचिव	कुलपति

01.04.2024 से 31.03.2025 तक
जीपीएफ/सीपीएफ खाते का प्राप्तियां एवं भुगतान लेखा

प्राप्तियां	राशि	भुगतान	राशि
प्रारंभिक जमा	**89,95,698.41**	जीपीएफ आहरण	3,90,58,858.00
जीपीएफ अंशदान	1,84,83,954.00	निवेश अर्जित	10,27,05,104.27
निवेश नकदीकरण	11,29,79,987.92	टीडीएस भुगतान	45,832.00
बचत पर ब्याज	23,586.00	**जमा शेष**	**1,41,87,874.17**
निवेश पर ब्याज	1,47,97,242.11		
सीपीएफ योगदान	7,17,200.00		
	15,59,97,668.44		**15,59,97,668.44**

ह./–	ह./–	ह./–
(डॉ. निशांत सिन्हा)	**(डॉ. (मानद) सूर्य नारायण मिश्र)**	**(प्रो.शशिकला वंजारी)**
वित्त अधिकारी	कुलसचिव	कुलपति

अनुसूची–स (अ)

निवेश का विस्तार

01.04.2024 से 31.03.2025 तक की अवधि के लिए

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	बैंक का नाम	एफडी सं.	जारी करने की तिथि	परिपक्वता तिथि	कुल राशि
1	केनरा बैंक	316099	09-09-2024	27-11-2025	89,10,881.00
2	केनरा बैंक	316100	03-10-2024	21-12-2025	89,22,493.00
3	केनरा बैंक	316101	03-10-2024	21-12-2025	89,22,493.00
4	केनरा बैंक	125771	03-04-2024	21-06-2025	1,15,37,556.89
5	केनरा बैंक	125772	03-04-2024	21-06-2025	44,97,994.47
6	केनरा बैंक	125773	06-04-2024	24-06-2025	1,15,37,556.89
7	केनरा बैंक	125767	05-04-2024	23-06-2025	1,15,37,556.89
8	केनरा बैंक	125768	02-04-2024	20-06-2025	51,54,770.69
9	केनरा बैंक	125769	02-04-2024	20-06-2025	90,05,383.07
10	केनरा बैंक	125770	02-04-2024	20-06-2025	64,37,326.37
11	केनरा बैंक	124111	06-08-2024	24-10-2025	82,41,092.00
12	भारतीय स्टेट बैंक	8010864579-3	25-03-2025	12-06-2026	80,00,000.00
13	केनरा बैंक	868981	08.11.2023	08.11.2025	56,18,118.00
14	केनरा बैंक	868982	08.11.2023	08.11.2025	56,18,118.00
15	भारतीय स्टेट बैंक विशेष जमा	812	27-06-1981	-	14,24,264.00
		योग			**11,53,65,604**

अनुसूची–स (ब)

वर्ष 01.04.2024 से 31.03.2025 के दौरान सावधि जमा नकदीकरण

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	बैंक का नाम	एफडी सं.	जारी करने की तिथि	परिपक्वता तिथि	कुल राशि
1	केनरा बैंक	197821	31.03.2021	31.03.2024	55,16,367.37
2	केनरा बैंक	197811	31.03.2021	31.03.2024	44,17,300.69
3	केनरा बैंक	197828	31.03.2021	31.03.2024	77,17,024.72
4	केनरा बैंक	197861	31.03.2021	31.03.2024	98,86,929.89
5	केनरा बैंक	969781	31.03.2021	31.03.2024	38,54,486.47
6	केनरा बैंक	197862	31.03.2021	31.03.2024	98,86,929.89
7	केनरा बैंक	197860	31.03.2021	31.03.2024	98,86,929.89
8	केनरा बैंक	124111	20-05-2023	06-08-2024	75,83,633.00
9	केनरा बैंक	124237	09-09-2024	27-11-2025	81,64,969.00
10	केनरा बैंक	124239	03-10-2024	21-12-2025	81,75,609.00
11	केनरा बैंक	124240	03-10-2024	21-12-2025	81,75,609.00
12	केनरा बैंक	869138	07-12-2023	23-02-2025	58,31,020.00
13	केनरा बैंक	869139	07-12-2023	23-02-2025	58,31,020.00
14	केनरा बैंक	869140	07-12-2023	23-02-2025	58,31,020.00
15	पंजाब नेशनल बैंक	84175	12-01-2023	12-04-2024	1,22,21,139.00
				योग	**11,29,79,987.92**

अनुसूची–स (स)

वर्ष 01.04.2024 से 31.03.2025 के दौरान किये गये निवेश

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	बैंक का नाम	एफडी सं.	जारी करने की तिथि	परिपक्वता तिथि	कुल राशि
1	केनरा बैंक	316099	09-09-2024	27-11-2025	89,10,881.00
2	केनरा बैंक	316100	03-10-2024	21-12-2025	89,22,493.00
3	केनरा बैंक	316101	03-10-2024	21-12-2025	89,22,493.00
4	केनरा बैंक	125771	03-04-2024	21-06-2025	1,15,37,556.89
5	केनरा बैंक	125772	03-04-2024	21-06-2025	44,97,994.47
6	केनरा बैंक	125773	06-04-2024	24-06-2025	1,15,37,556.89
7	केनरा बैंक	125767	05-04-2024	23-06-2025	1,15,37,556.89
8	केनरा बैंक	125768	02-04-2024	20-06-2025	51,54,770.69
9	केनरा बैंक	125769	02-04-2024	20-06-2025	90,05,383.07
10	केनरा बैंक	125770	02-04-2024	20-06-2025	64,37,326.37
11	केनरा बैंक	124111	06-08-2024	24-10-2025	82,41,092.00
12	भारतीय स्टेट बैंक	8010864579-3	25-03-2025	12-06-2026	80,00,000.00
		योग			**10,27,05,104.27**

वर्ष 2024–25 के निवेश विवरण

(राशि ₹ में)

अथ शेष	12,56,40,488
वर्ष के दौरान किये गये निवेश	**10,27,05,104**
कुल निवेश	22,83,45,592
वर्ष के दौरान किये गये नकदीकरण	**11,29,79,988**
शुद्ध निवेश (अंत शेष)	**11,53,65,604**

PRE-AUDIT CERTIFICATE 2024-25

LALIT BANSAL & ASSOCIATES

CHARTERED ACCOUNTANTS

To,
Finance Officer
National Institute of Education Planning and Administration (NIEPA)
17-B, Shaheed Jeet Singh Marg, NCERT Campus,
Katwaria Sarai,
New Delhi - 110016

Subject: Pre- Audit observation on the financials for the FY 2024-25

Dear Sir/Mam,

We have conducted the Pre-Audit of the financial of the National Institute of Educational Planning and Administration (NIEPA) for FY 2024-25, within our professional capabilities and during the audit, we observed a few anomalies.

The report on such anomalies is annexed as forming part of this letter for your due consideration and auction.

You are requested to pay attention to this matter and take note of the report.

Thanking you.

For Lalit Bansal & Associates
Chartered Accountants

Lalit

Lalit Bansal & Associates Chartered Accountants FRN: 027032N

Lalit Bansal
Partner
M No. 526652
FRN: 027032N
UDIN: 25526652BMHYPX8083
Date: 17-06-2025
Place: New Delhi

-57-

Corporate Office: 1/27, Lalita Park, Laxmi Nagar, Delhi-92
Lbadelhi7@gmail.com , calalit7@gmail.com, 011-4300 8444, +91 95609 45542
www.lbaca.in

Annexure

1. As a GST-registered organization, examine all receipts and expenditures for GST applicability under both forward and reverse charge mechanisms. This includes but is not limited to:

    1. Hostel receipts
    2. Sale of books/journals
    3. Bank interest
    4. Legal fees to individual advocates/firms
    5. Royalties
    6. Scrap sales
    7. Security services

2. Ensure that a proper record of MSME-registered vendors is maintained to facilitate vendor payment are in compliance with MSMED Act 2006.

3. General Administration Section is issuing bulk quantity of cleaning items to Section/Department, the respective Section/Department shall maintain Stock/inventory register.

4. IT department shall maintain a manual on disaster recovery of the organization.

5. TDS recoverable for AY 2024-25 from Canara Bank as per interest certificates is not reflecting in Form 26AS, up to filling of AY 2024-25 Income Tax Return, thus necessary steps to be taken for recovery of this amount.

6. Outstanding demand(s) on Traces /Income Tax should be rigorously followed to zeroize the demand.

7. TDS recoverable of FY 2024-25 is pending reconciliation with form 26AS/TIS/AIS as on the date of the issuance of this report.

8. Ensure proper tracking of caution money collected under "Library and computer center." Total refundable amount is not reconciled with books of accounts. There are several doubtful entries which requires a reconciliation.

9. As per C&AG observation during Statutory Audit of F.Y. 2022-23, Journals/periodicals kept with documentation center to the tune of Rs. 8.19 lakhs were to be capitalized and depreciated accordingly. No compliance of same is observed in Final Accounts of F.Y. 2024-25.

Lalit Bansal & Associates * Chartered Accountants * FRN: 027032N

-58-

लेखापरीक्षा रिपोर्ट

लेखापरीक्षा रिपोर्ट

31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान के लेखाओं पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की राय।

हमने राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) के वित्तीय विवरणों का लेखा–परीक्षण किया है, जिसमें 31 मार्च 2025 तक की वित्तीय स्थिति का विवरण और समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाता/प्राप्तियां एवं भुगतान खाता, तथा नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियां एवं सेवा शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 20(1) के अंतर्गत महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों के सारांश सहित वित्तीय विवरणों के लिए टिप्पणियां शामिल हैं। लेखा–परीक्षण 2025–26 तक की अवधि के लिए किया गया है।

इस लेखापरीक्षा रिपोर्ट में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की केवल वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखांकन प्रथाओं के अनुरूपता, लेखांकन मानकों, प्रकटीकरण मानदंडों आदि के संबंध में लेखांकन उपचार पर टिप्पणियां शामिल हैं। विधि, नियमों और विनियमों (औचित्य, और नियमितता) और दक्षता–सह–प्रदर्शन पहलुओं आदि के अनुपालन के संबंध में वित्तीय लेनदेन पर लेखापरीक्षा टिप्पणियां, यदि कोई हो, तो निरीक्षण रिपोर्ट / सीएजी की लेखापरीक्षा रिपोर्टों के माध्यम से अलग से रिपोर्ट की जाती हैं।

हमारी राय में, नीपा, नई दिल्ली के संलग्न वित्तीय विवरणों को लेखांकन नीतियों और उन पर टिप्पणियों तथा पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट में उल्लिखित मामलों के साथ पढ़ने पर, 31 मार्च, 2025 तक स्वायत्त निकाय की वित्तीय स्थिति तथा शिक्षा मंत्रालय द्वारा निर्धारित लेखा प्रारूप के अनुसार समाप्त वर्ष के लिए उसके वित्तीय निष्पादन और नकदी प्रवाह का सही और निष्पक्ष विवरण मिलता है।

राय का आधार

हमने अपना लेखा–परीक्षण सीएजी के लेखा–परीक्षण विनियमों/ मानकों/ नियमावली/ दिशा–निर्देशों/ मार्गदर्शन–टिप्पणियों/आदेशों/परिपत्रों आदि के अनुसार किया है। हमारे दायित्वों का विवरण हमारी रिपोर्ट के वित्तीय विवरणों के लेखा–परीक्षण हेतु लेखा–परीक्षक के दायित्वों के भाग में दिया गया है। वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा से संबंधित नैतिक आवश्यकताओं के अनुसार हम स्वायत्त निकाय से स्वतंत्र हैं, और हमने इन आवश्यकताओं के अनुसार अपनी अन्य नैतिक दायित्वों का निर्वहन किया है। हमारा मानना है कि हमारे द्वारा प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्य हमारी राय के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारियां

नीपा का शासी निकाय शिक्षा मंत्रालय द्वारा निर्धारित लेखा प्रारूप के अनुसार वित्तीय विवरणों की तैयारी और निष्पक्ष प्रस्तुति के लिए जिम्मेदार है, और आंतरिक

नियंत्रण के लिए भी जिम्मेदार है, क्योंकि प्रबंधन यह निर्धारित करता है कि वित्तीय विवरणों की तैयारी को सक्षम करना आवश्यक है, जो कि भौतिक गलत बयानी से मुक्त हैं, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो।

वित्तीय विवरणों के लेखापरीक्षा के लिए लेखा परीक्षक के दायित्व

हमारा उद्देश्य इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या समग्र वित्तीय विवरण, धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण, किसी भी प्रकार की भौतिक गलतबयानी से मुक्त है, तथा सीएजी के लेखापरीक्षा विनियमों/मानकों/नियमावली/दिशानिर्देशों/मार्गदर्शन–टिप्पणियों/आदेशों/परिपत्रों आदि के अनुसार हमारी राय सहित लेखापरीक्षक रिपोर्ट जारी करना है।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की ओर से और कृते

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 17.10.2025

ह./–
महानिदेशक, लेखापरीक्षा
(केंद्रीय व्यय)

नोटः ''प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।''

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट

क. प्रबंधन पत्र

जिन कमियों को लेखापरीक्षा रिपोर्ट में शामिल नहीं किया गया है, उन्हें सुधारात्मक कार्रवाई के लिए अलग से जारी प्रबंधन पत्र के माध्यम से कुलपति, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान के ध्यान में लाया गया है।

ख. आंतरिक नियंत्रण का मूल्यांकन

1. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

नीपा की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली को निम्नलिखित क्षेत्रों में सुदृढ़ करने की आवश्यकता हैः

- बाह्य लेखापरीक्षा आपत्तियों पर प्रबंधन की प्रतिक्रिया वस्तुनिष्ठ नहीं है क्योंकि 2000—01 से 2024—25 तक की अवधि से संबंधित 42 पैरा 31.03.2025 तक लंबित थे।
- संस्थान में वर्तमान में प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस) नहीं है।

2. आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता

- वर्ष 2022—23 के लिए आंतरिक लेखा परीक्षा प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। आंतरिक लेखा परीक्षा प्रकोष्ठ भुगतान से पहले सभी प्रमुख व्यय मदों की जाँच करता है। हालाँकि, वर्ष 2024—25 के लिए आंतरिक लेखा परीक्षा सीए फर्म द्वारा की गई है।
- नीपा के पास कोई आंतरिक लेखापरीक्षा नियमावली नहीं है।

3. अचल संपत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

- अचल संपत्तियों का भौतिक सत्यापन 2024—25 तक किया गया है।
- पुस्तकालय पुस्तकों का भौतिक सत्यापन 2022—23 तक किया गया है।

4. वस्तूसूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

- स्टेशनरी एवं उपभोग्य सामग्रियों का भौतिक सत्यापन 2024—25 तक पूर्ण किया गया।

5. वैधानिक देय राशि के भुगतान में नियमितता

- 31.03.2025 तक वैधानिक बकाया के संबंध में छह महीने से अधिक का कोई भुगतान बकाया नहीं था।

ग. सहायता अनुदान

नीपा के पास सहायता अनुदान का आरंभिक शेष 18.59 करोड़ रुपये था। वर्ष 2024—25 के दौरान इसे 50.15 करोड़ रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ था। 68.73 करोड़ रुपये के कुल कोष में से इसने 56.34 करोड़ रुपये (राजस्वः 45.20 करोड़ रुपये और पूंजीः 11.14 करोड़ रुपये) का उपयोग किया, जिससे 12.39 करोड़ रुपये का शेष रह गया। वर्ष के दौरान शिक्षा मंत्रालय से प्रायोजित परियोजनाओं से भी इसे 5.88 करोड़ रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ तथा इन परियोजनाओं में इसका आरंभिक शेष (—)0.46 करोड़ रुपये था। नीपा द्वारा, वर्ष के दौरान कुल 5.41 करोड़ रुपये में से 3.92 करोड़ रुपये का व्यय किया गया, जिससे 31 मार्च 2025 तक 1.49 करोड़ रुपये का शेष रह गया।

प्रबंधन पत्र का अनुलग्नक

1. चालू देयताएं एवं प्रावधान (अनुसूची 3) 186.46 करोड़ रुपये।

(i) उपरोक्त में प्रायोजित परियोजनाओं की शेष राशि पर अर्जित ब्याज के रूप में 1.40 करोड़ रुपये की देनदारी शामिल है, जिसे न तो प्रायोजक प्राधिकरण को वापस किया गया है और न ही इसके परिसमापन के लिए कोई कार्रवाई की गई है। वर्ष 2022–23 के लिए एसएआर में इस बात का उल्लेख किया गया है। नीपा ने बताया कि इस राशि को समग्र निधि में शामिल करने का प्रस्ताव प्रक्रियाधीन है।

(ii) चालू देनदारियों (अनुसूची 3) में 18.82 लाख रुपये की सुरक्षा जमा राशि शामिल है, जिसमें से 12.86 लाख रुपये की राशि 1995–96 से 2021–22 की अवधि से संबंधित है। इन देनदारियों का निपटान शीघ्र किया जा सकता है।

(iii) नीचे उल्लेखित प्रायोजित परियोजनाओं में पिछले 3 वर्षों में न तो कोई धनराशि प्राप्त हुई और न ही कोई व्यय हुआः

क्र. सं.	विवरण	प्रारंभिक शेष	प्राप्तियां	व्यय	जमा शेष
1	संस्थागत योजना एवं प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (एमईए)	12,60,000	-	-	12,60,000
2	शैक्षिक प्रशासन कंबोडिया के लिए संस्थागत योजना एवं प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (एमईए)	2,52,000	-	-	2,52,000
3	अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक योजना संस्थान (यूनेस्को)	41,54,053	-	-	41,54,053
4	शिक्षा के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम (श्रीलंका)	7,79,234	-	-	7,79,234
5	14 राज्यों में एसएसए के संदर्भ में विद्यालय प्रबंधन और पर्यवेक्षण में वीईसी/डीटीए/एसएमडीसी/शहरी स्थानीय निकायों की भूमिका पर एडसिल अध्ययन	5,63,371	-	-	5,63,371
6	माध्यमिक शिक्षा प्रबंधन सूचना प्रणाली (शिक्षा मंत्रालय)	5,03,573	-	-	5,03,573

उपरोक्त प्रायोजित परियोजनाओं की समीक्षा की जा सकती है तथा देयता का निपटान किया जा सकता है।

2. स्थायी परिसंपत्तियों (अनुसूची 4) में प्रिंटर से संबंधित 3.30 लाख रुपये की वृद्धि शामिल है, जिसे कंप्यूटर और बाह्य उपकरणों के बजाय कार्यालय उपकरण के अंतर्गत दर्शाया गया है। इसके परिणामस्वरूप कार्यालय उपकरणों का अतिकथन तथा कम्प्यूटरों एवं सहायक उपकरणों का मूल्य 3.30 लाख रुपये कम दर्शाया गया, तथा परिणामस्वरूप तदर्थक मूल्यह्रास हुआ।

3. ऋण, अग्रिम और जमा (अनुसूची 8) में सीपीडब्ल्यूडी–सिविल/इलेक्ट्रिकल को 5.74 करोड़ रुपये के अग्रिम (जिनमें से 2.38 करोड़ रुपये 2010 से लंबित हैं) और 1.21 करोड़ रुपये की टीडीएस प्राप्य राशि (जिनमें से 1.58 लाख रुपये 2015–16 से पहले के वर्ष से संबंधित हैं) शामिल हैं। इन राशियों की वसूली की समीक्षा की जाए और उचित कार्रवाई की जाए।

4. नीपा में एक प्रलेखन केंद्र है जहाँ जर्नल/पत्रिकाएँ रखी जाती हैं और उन्हें परिग्रहण रजिस्टर में पंजीकृत किया जाता है। प्रलेखन केंद्र में कुल 3141 दस्तावेज/पत्रिकाएँ/सामग्री हैं जिनका मूल्य ₹8.19 लाख है। 2022–23 से इन्हें वार्षिक लेखा में शामिल नहीं किया गया है। इसके परिणामस्वरूप अचल संपत्तियों और पूंजीगत निधि में ₹8.19 लाख की कमी आई है। इन परिसंपत्तियों पर भी तदनुसार मूल्यह्रास लगाया जाना चाहिए। वर्ष 2022–23 के लिए एसएआर में इस ओर ध्यान दिलाया गया था, लेकिन स्थिति वही बनी हुई है।

5. चालू परिसंपत्तियों (अनुसूची 7) में एसबीआई में 35.38 लाख रुपये की सावधि जमा राशि शामिल है, जो दो सेवानिवृत्त कर्मचारियों को देय ग्रेच्युटी से संबंधित है। नियोक्ता द्वारा अदालती मामले के कारण ग्रेच्युटी रोक दी गई है। इसका खुलासा खातों में किया जाना चाहिए था।

6. खाता संख्या 41843012285 (एसबीआई) के बैंक समाधान विवरण में 5.00 लाख रुपये की राशि थी जिसे बैंक द्वारा 01.08.2024 को जमा किया गया था लेकिन आज तक कैश बुक में डेबिट नहीं किया गया। विवरण का पता लगाया जाना चाहिए और राशि का समाधान किया जाना चाहिए।

7. नीचे उल्लेखित टिप्पणियों के अनुसार, नीपा खातों के निर्धारित शिक्षा मंत्रालय प्रारूप का पालन नहीं कर रहा हैः
   - मुख्य तुलनपत्र के स्थायी परिसंपत्ति अनुभाग के अंतर्गत प्रगतिरत पूंजीगत कार्य का विवरण नहीं दर्शाया गया है।
   - अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास सीधी रेखा पद्धति के अनुसार उसमें निर्दिष्ट दरों पर लगाया जाना है। हालाँकि, नीपा द्वारा इसे लिखित मूल्य पर और अलग–अलग दरों पर लगाया गया है, जिससे शिक्षा मंत्रालय द्वारा निर्धारित लेखा प्रारूप का उल्लंघन होता है।

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

17 - बी, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली - 110016 (भारत)

दूरभाष : 91-11-2654 4800, 2654 4820

ई-मेल : niepa@niepa.ac.in

वेबसाइट : www.niepa.ac.in